

नया नियम के बारे में बतावल गइल बा

सामग्री के तालिका के बारे में बतावल गइल बा

मैथ्यू के ह

अध्याय 1 के बा

1 अब्राहम के बेटा दाऊद के बेटा यीशु मसीह के पीढ़ी के किताब।
2 अब्राहम के जनम इसहाक से भइल। इसहाक के जनम याकूब से भइल। याकूब से यहूदा आ उनकर भाई लोग के जनम भइल।
3 यहूदा से थामार के फारेस आ ज़ारा के जनम भइल। फारेस से एस्रोम के जनम भइल। एस्रोम से अराम के जनम भइल।
4 अराम के जनम अमीनादब से भइल। आ अमीनादाब से नासोन के जनम भइल। आ नासोन से सामन के जनम भइल।
5 सलमोन के जनम रकाब के बूज से भइल। आ बूज के जनम रूथ के ओबेद से भइल। ओबेद के जनम यिशै से भइल।
6 येसी राजा दाऊद के जनमल। राजा दाऊद के जनम उरिया के मेहरारू सुलेमान से भइल।
7 सुलेमान के जनम रोबोआम से भइल। रोबोआम से अबिया के जनम भइल। आ अबिया के जनम आसा के जनम भइल।
8 आसा के जनम योसाफात से भइल। योशाफात के जनम योराम से भइल। योराम के जनम ओजियास से भइल।
9 ओजियास के जनम योआथम से भइल। आ योआथम के अकाज के जनम भइल। आहाज के जनम इजकियाह से भइल।
10 इजकियास के जनम मनशस से भइल। मनसेस से अमोन के जनम भइल। आमोन के जनम योसिया के भइल।
11 योशियास के जनम यकोनिया आ उनकर भाई लोग के जनमल, जब उ लोग के बाबुल ले जाइल गइल।
12 ओ लोग के बाबुल ले आवला के बाद यकोनियास के जनम सलाथिएल भइल। आ सलाथियल के जनम जरोबाबेल से भइल।
13 जरोबाबेल के जनम अबीउद से भइल। अबीउद के जनम एलियाकीम से भइल। एलियाकीम के जनम अजोर से भइल।
14 अजोर से सादोक के जनम भइल। आ सादोक से अकीम के जनम भइल। अकीम के जनम एलिउद से भइल।
15 एलीउद के जनम एलियाजर से भइल। एलियाजर के जनम मथन से भइल। मत्तन के जनम याकूब से भइल।
16 याकूब के जनम मरियम के पति यूसुफ से भइल, जेकरा से यीशु के जनम भइल, जेकरा के मसीह कहल जाला।
17 अब्राहम से लेके दाऊद तक के सब पीढ़ी चौदह पीढ़ी के बा। दाऊद से लेके बेबिलोन में ले जाइल तक चौदह पीढ़ी के बा। आ बेबिलोन में ले जाए से लेके मसीह तक चौदह पीढ़ी के बा।
18 यीशु मसीह के जनम एही तरह से भइल कि जब उनकर महतारी मरियम के बियाह यूसुफ से भइल रहे, त उ पवित्र आत्मा से गर्भवती हो गइली।
19 तब उनकर पति यूसुफ धर्मी आदमी रहलन आ ओकरा के सार्वजनिक रूप से उदाहरण बनावे के इच्छुक ना रहलन आ ओकरा के गुप्त रूप से दूर करे के मन कइलस।
20 जब उ इ बात के बारे में सोचत रहले त देख, प्रभु के दूत सपना में उनुका से प्रकट भईले अवुरी कहले, "हे दाऊद के बेटा यूसुफ, अपना पत्नी मरियम के अपना संगे ले जाए से मत डेराई, काहेंकी उनुका में गर्भवती भईल बा पवित्र आत्मा के बारे में बतावल गइल बा।
21 ऊ एगो बेटा पैदा करी आ तू ओकर नाम यीशु राखब, काहे कि ऊ अपना लोग के पाप से बचाई।
22 अब ई सब एह से भइल कि ऊ पूरा होखे जवन प्रभु के बारे में भविष्यवक्ता के द्वारा कहल गइल रहे।
23 देखऽ, कुंवारी गर्भवती होके एगो बेटा पैदा करी आ ओकर नाम इमैनुएल रखी, जवना के मतलब हमनी के साथे परमेश्वर बा।
24 तब यूसुफ नींद से उठ के प्रभु के दूत के कहला के मुताबिक काम कईले अवुरी अपना पत्नी के अपना संगे ले गईले।
25 जब तक उ आपन पहिला बेटा के जन्म ना देले तब तक उ ओकरा के ना जानत रहले अवुरी उनुकर नाम यीशु रखले।

अध्याय 2 के बा

1 जब राजा हेरोदेस के समय में यहूदिया के बेतलेहेम में यीशु के जनम भइल त देखऽ कि पूरब से यरूशलेम में ज्ञानी लोग आइल।
2 ऊ कहलन, "यहूदियन के राजा पैदा भइल कहाँ बा? काहे कि हमनी के ओकर तारा पूरब में देखले बानी जा आ ओकर पूजा करे आइल बानी जा।
3 जब राजा हेरोदेस इ बात सुनले त उ पूरा यरूशलेम के संगे परेशान हो गईले।
4 जब ऊ लोग के सब मुख्य याजक आ शास्त्री लोग के एकट्ठा क के पूछले कि मसीह के जनम कहां होखे के चाहीं।
5 उ लोग ओकरा से कहलस, "यहूदिया के बेतलेहेम में, काहेकि भविष्यवक्ता के लिखल इहे लिखल बा।
6 तू यहूदा के देश में बेतलेहेम, यहूदा के सरदारन में सबसे छोट नइखऽ, काहे कि तोहरे से एगो राज्यपाल निकली जवन हमरा लोग इस्राएल के शासन करी।
7 हेरोदेस जब गुप्त रूप से ज्ञानी लोग के बोलवले, त उ लोग से पूरा ध्यान से पूछले कि तारा कवना समय आईल बा।
8 ऊ ओह लोग के बेतलेहेम भेज के कहलन, "जा के ओह छोट लइका के खोज के पूरा कोशिश करीं। जब तू लोग ओकरा के पा लेबऽ त हमरा के फेर से बता दीं कि हमहूँ आके ओकर पूजा कर सकीले।
9 राजा के बात सुन के उ लोग चल गईले। आ देखऽ, ऊ तारा जवन ऊ लोग पूरब में देखले रहे, ऊ ओह लोग के आगे बढ़ल जबले ऊ आके जहाँ छोट लइका रहे, ओहिजा ना खड़ा हो गइल।
10 जब उ लोग तारा के देख के बहुत खुश हो गईले।
11 जब उ लोग घर में पहुंचले त उ बच्चा के अपना महतारी मरियम के संगे देख के गिर गईले अवुरी उनुकर पूजा कईले। सोना, लोबान आ गंधक।
12 परमेस् वर सपना में चेतवले कि उ लोग हेरोदेस के पास ना लवटत रहन, त उ लोग दोसरा रास्ता से अपना देश में चल गईले।
13 जब उ लोग चल गईल त देख, प्रभु के दूत सपना में यूसुफ के सामने देखाई देले अवुरी कहले कि, उठ के छोट बच्चा अवुरी ओकरा महतारी के लेके मिस्र भाग जा, अवुरी जब तक हम आपके बात ना ले आई, तब तक तू उहाँ रहब हेरोदेस छोट लइका के नाश करे खातिर खोजिहें।
14 जब ऊ उठलन त रात में लइका आ ओकर महतारी के लेके मिस्र चल गइलन।
15 हेरोदेस के मौत तक उहाँ रहलन ताकि उ पूरा होखे जवन प्रभु के बारे में भविष्यवक्ता के द्वारा कहल गईल रहे कि हम अपना बेटा के मिस्र से बोलवले बानी।
16 हेरोदेस जब देखलन कि उनकरा पर ज्ञानी लोग के मजाक उड़ावल गइल बा त ऊ बहुते गुस्सा में आ गइलन आ बेतलेहेम आ ओकरा पूरा इलाका में दू साल से कम उमिर के सब लइकन के मार दिहलन जवन समय ऊ ज्ञानी लोग से लगन से पूछले रहले।

17 तब ऊ बात पूरा हो गइल जवन यिरेमी भविष्यवक्ता के द्वारा कहल गइल रहे।
18 राम में एगो आवाज सुनाई पड़ल, विलाप, रोअल आ बहुत शोक भइल, राहेल अपना लइकन खातिर रोवत रहली आ दिलासा ना दिहल चाहत रहली काहे कि ऊ लोग नइखे।
19 जब हेरोदेस मर गइलन त देख, प्रभु के एगो दूत मिस्र में यूसुफ के सामने सपना में लउकलन।
20 ऊ कहत रहलन, "उठ के लइका आ ओकर महतारी के लेके इस्राएल के देश में चल जा, काहे कि ऊ लोग मर गइल बा जे छोट बच्चा के जान लेबे के कोशिश करत रहे।"
21 ऊ उठ के छोटका आ ओकर माई के लेके इस्राएल के देश में आ गइलन।
22 जब उ सुनले कि आर्केलाउस यहूदिया में अपना पिता हेरोदेस के कोठरी में राज करत बाड़े, त उ ओहिजा जाए से डेरा गईले, लेकिन सपना में भगवान से चेतावला के बाद उ गलील के इलाका में मुड़ गईले।
23 उ नासरत नाम के एगो शहर में आके रह गईले, ताकि भविष्यवक्ता लोग के कहल बात पूरा होखे कि उ नासरत कहल जाई।

अध्याय 3 के बा

1 ओह दिन में यूहन्ना बपतिस्मा देवे वाला यहूदिया के जंगल में प्रचार करत अइले।
2 ऊ कहलन कि पश्चाताप करऽ, काहेकि स्वर्ग के राज्य नजदीक आ गइल बा।
3 इहे उ ह जवना के बारे में यशायाह भविष्यवक्ता कहले रहले कि, "जंगल में चिल्लात के आवाज, "प्रभु के रास्ता तैयार करीं, ओकर रास्ता सीधा करीं।"
4 उहे यूहन्ना के कपड़ा ऊंट के बाल से बनल रहे आ कमर में चमड़ा के कमरबंद रहे। उनकर मांस टिड्डी आ जंगली शहद रहे।
5 तब यरूशलेम, पूरा यहूदिया आ यरदन के आसपास के पूरा इलाका ओकरा लगे निकलल।
6 उ लोग आपन पाप कबूल करत यरदन में उनकरा से बपतिस्मा लेले।
7 जब उ बहुत फरीसियन आ सदुकी लोग के बपतिस्मा लेवे खातिर आवत देखले त उ लोग से कहलस, "हे साँप के पीढ़ी, तोहनी के आवे वाला क्रोध से भागे के चेतवले बा?
8 एह से पश्चाताप के लायक फल पैदा करीं।
9 आ अपना मन में ई मत कहे के कि हमनी के बाप इब्राहीम बाड़े, काहेकि हम तोहनी से कहत बानी कि परमेश्वर एह पत्थरन से अब्राहम के संतान पैदा करे में सक्षम बाड़े।
10 अब कुल्हाड़ी भी पेड़ के जड़ तक रखल गईल बा, एही से जवन पेड़ बढ़िया फल ना देवेला, ओकरा के काट के आग में फेंक दिहल जाला।
11 हम तोहनी के पश्चाताप खातिर पानी से बपतिस्मा देत बानी, लेकिन जे हमरा बाद आवेला उ हमरा से भी ताकतवर बा, जेकर जूता हम सहन करे लायक नईखी, उ तोहनी के पवित्र आत्मा आ आग से बपतिस्मा दिही।
12 जेकर पंखा ओकरा हाथ में बा आ ऊ अपना फर्श के पूरा तरह से साफ क के आपन गेहूं के बटोर में बटोर दी। बाकिर ऊ भूसा के अमिट आग से जरा दीहें.
13 तब यीशु गलील से यरदन नदी में यूहन्ना के लगे अइले, कि उ यूहन्ना से बपतिस्मा लेवे।
14 लेकिन यूहन्ना ओकरा के मना क दिहलन कि, "हमरा तोहरा से बपतिस्मा लेवे के जरूरत बा, आ का तू हमरा लगे आवत बाड़?"
15 यीशु ओकरा से कहलन, " अब अइसन होखे दीं, काहेकि हमनी के सब धार्मिकता के पूरा करे के चाहीं। तब उनुका के कष्ट उठावे के पड़ल।
16 जब यीशु बपतिस्मा लिहले त तुरंत पानी से निकल गईले, त देख, उनुका खातिर आसमान खुल गईल, त उ देखले कि परमेश्वर के आत्मा कबूतर निहन उतरत उनुका प रोशनी होखता।
17 स्वर्ग से आवाज सुनाई देलस, "ई हमार प्रिय बेटा ह, जेकरा से हम बहुत खुश बानी।"

अध्याय 4 के बा

1 तब यीशु के आत्मा के द्वारा जंगल में ले जाइल गइल ताकि उ शैतान के परीक्षा में पड़ सके।
2 चालीस दिन चालीस रात उपवास कइला पर ऊ भूख से मर गइलन।
3 जब प्रलोभन देवे वाला ओकरा लगे अइले त कहलस, "अगर तू परमेश्वर के बेटा हई त आज्ञा दीं कि एह पत्थरन के रोटी बनावल जाव।"
4 लेकिन उ जवाब देले, "लिखावल गईल बा कि, आदमी सिर्फ रोटी से ना जिएला, बालुक परमेश्वर के मुंह से निकले वाला हर बात से जिंदा रही।"
5 तब शैतान ओकरा के पवित्र नगर में लेके मंदिर के एगो चोटी पर बइठा देला।
6 ऊ ओकरा से कहलस, "जदि तू परमेश्वर के बेटा हउअ त अपना के नीचे गिरा द, काहेकि लिखल बा कि, उ अपना स्वर्गदूतन के तोहरा बारे में आज्ञा दे दिहे।" एगो पत्थर के खिलाफ।
7 यीशु ओकरा से कहलन, " फिर से लिखल बा कि तू अपना प्रभु परमेश्वर के परख मत करऽ।"
8 फिर से शैतान ओकरा के एगो बहुत ऊँच पहाड़ पर ले जाला आ ओकरा के दुनिया के सब राज्य आ ओकर महिमा देखावेला।
9 ऊ ओकरा से कहलस, "हम तोहरा के ई सब चीज देब, अगर तू गिर के हमार पूजा करबऽ।"
10 तब यीशु ओकरा से कहलन, " हे शैतान, तू इहाँ से हट जा, काहेकि लिखल बा कि तू अपना प्रभु परमेश्वर के आराधना करऽ आ खाली ओकरे सेवा करऽ।"
11 तब शैतान ओकरा के छोड़ के चल गईल, त देख, स्वर्गदूत आके ओकर सेवा कईले।
12 जब यीशु सुन के यूहन्ना के जेल में डाल दिहल गइल बा, त ऊ गलील चल गइलन।
13 नासरत छोड़ के ऊ कफरनहूम में रह गइलन जवन समुंद्र के किनारे बा, जवन कि जबलुन आ नेफ्तालीम के सीमा में बा।
14 एह से उ पूरा होखे जवन यशायाह भविष्यवक्ता के द्वारा कहल गइल रहे।
15 जबुलन के देश आ नेफ्तालीम के देश, यरदन के ओह पार, गैर-यहूदी लोग के गलील के समुंदर के रास्ता।

16 अन्हार में बईठल लोग बहुत रोशनी देखले। आ जे लोग मौत के इलाका आ छाया में बइठल रहे, ओकरा खातिर रोशनी उग आइल बा।
17 तब से यीशु प्रचार करे लगलन आ कहे लगलन कि पश्चाताप करीं, काहेकि स्वर्ग के राज्य नजदीक आ गइल बा।
18 यीशु गलील के समुंदर के किनारे चलत देखलन कि दू गो भाई, पतरस नाम के शमौन आ उनकर भाई अंद्रियास समुंदर में जाल फेंकत रहले, काहे कि उ लोग मछुआरा रहले।
19 ऊ ओह लोग से कहलस, " हमरा पीछे चलऽ आ हम तोहनी के आदमी के मछुआरा बना देब।"
20 उ लोग तुरते आपन जाल छोड़ के उनकरा पीछे चल गईले।
21 उहाँ से आगे बढ़त देखलन कि जबदी के बेटा याकूब आ उनकर भाई यूहन्ना एगो जहाज पर सवार होके उनकर बाप जबदी के साथे आपन जाल ठीक करत रहले। आ ऊ ओह लोग के बोलवले.
22 उ लोग तुरते जहाज आ अपना पिता के छोड़ के उनकरा पीछे चल गईले।
23 यीशु पूरा गलील में घूम के ओह लोग के आराधनालय में पढ़ावत रहले आ राज्य के सुसमाचार के प्रचार करत रहले आ लोग के बीच हर तरह के बेमारी आ हर तरह के बेमारी के ठीक करत रहले।
24 पूरा सीरिया में उनकर प्रसिद्धि बढ़ल आ ऊ लोग उनकरा लगे सब बेमार लोग के ले अइले जे कई तरह के बेमारी आ यातना से पीड़ित रहले, आ दुष्टात्मा से ग्रस्त लोग, पागल आ पक्षाघात से पीड़ित लोग के भी ले अइले। आ ऊ ओह लोग के ठीक कर दिहलन.
25 गलील, दकापोलिस, यरूशलेम, यहूदिया आ यरदन के ओह पार से भीड़ उनकरा पीछे-पीछे चलल।

अध्याय 5 के बा

1 भीड़ के देख के ऊ एगो पहाड़ पर चढ़ गइलन आ जब ऊ बइठल रहले त उनकर चेला उनकरा लगे अइले।
2 ऊ आपन मुँह खोल के ओह लोग के सिखावत कहलन कि
3 आत् मा के गरीब लोग धन्य हवें, काहेकि स्वर्ग के राज्य उनकर ह।
4 धन्य हउवें जे शोक मनावेला, काहेकि उ लोग के दिलासा मिल जाई।
5 धन्य हवें नम्र लोग, काहेकि उ लोग धरती के उत्तराधिकारी होई।
6 धन्य हउवें जे धार्मिकता के भूख आ प्यास से तरसत बाड़े, काहेकि उ लोग तृप्त हो जइहें।
7 धन्य हवें दयालु लोग, काहेकि उ लोग के दया होई।
8 धन्य हवें जे शुद्ध दिल के लोग, काहेकि उ लोग परमेश्वर के देखिहें।
9 धन्य हवें शांति बनावे वाला लोग, काहेकि उ लोग के परमेश्वर के संतान कहल जाई।
10 धन्य बा उ लोग जे धार्मिकता के खातिर सतावल जाला, काहेकि स्वर्ग के राज्य उनकर ह।
11 धन्य होखब जब लोग तोहनी के गारी देत होई, तोहनी के सतावेला आ हमरा खातिर तोहनी के खिलाफ तरह तरह के बुराई कही।
12 आनन्दित रहीं आ बहुते खुश रहीं काहे कि स्वर्ग में तोहार इनाम बहुते बा, काहे कि ऊ लोग तोहरा से पहिले के भविष्यवक्ता लोग के अतना सतावत रहलन।
13 तू लोग धरती के नमक हउअ, लेकिन अगर नमक के सुगंध खतम हो गईल बा त ओकरा के कवना से नमकीन बनावल जाई? एकरा बाद से कवनो फायदा नइखे, सिवाय बाहर फेंकल आ आदमी के गोड़ से दबा के।
14 तू लोग संसार के इजोत हउअ। पहाड़ी पर बसल शहर के छिपावल ना जा सके.
15 ना ही केहू दीया जरा के कवच के नीचे रखेला, बलुक दीया के डंडा पर रखेला। आ घर में मौजूद सब लोग के रोशनी देला।
16 तोहार इजोत आदमी के सामने अईसन चमके ताकि उ लोग तोहार भलाई के काम देख के स्वर्ग में रहल पिता के महिमा कर सके।
17 ई मत सोचऽ कि हम व्यवस्था भा भविष्यवक्ता लोग के नाश करे आइल बानी।
18 काहेकि हम तोहनी से सच कहत हई कि जब तक आकाश आ धरती ना खतम हो जाई, तब तक व्यवस्था से एक छोट या एक ठो छोट ना निकली, जब तक कि सब कुछ पूरा ना हो जाई।
19 एह से जे केहू एह छोट-छोट आज्ञा में से कवनो एक आज्ञा के तोड़ के आदमी के अईसन सिखावे, ओकरा के स्वर्ग के राज्य में सबसे छोट कहल जाई, लेकिन जे भी एकरा के पूरा करी अवुरी सिखाई, ओकरा के स्वर्ग के राज्य में महान कहल जाई।
20 काहेकि हम तोहनी से कहत हई कि जब तक तोहनी के धार्मिकता शास्त्री आ फरीसियन के धार्मिकता से ज्यादा ना होई, तब तक तू लोग स्वर्ग के राज्य में कबो ना प्रवेश करब।
21 तू लोग सुनले बाड़ कि पहिले के लोग कहत रहे कि, "तू हत्या मत करऽ।" आ जे केहू हत्या करी, ओकरा के न्याय के खतरा में डाल दिहल जाई।
22 लेकिन हम तोहनी से कहत बानी कि जे केहू अपना भाई से बिना कवनो कारण से नाराज होई, ओकरा न्याय के खतरा में पड़ जाई, अवुरी जे अपना भाई से राका कहे, ओकरा परिषद के खतरा में पड़ जाई, लेकिन जे कहे कि, 'हे मूर्ख।' , नरक के आग के खतरा में पड़ जाई।
23 एह से अगर तू आपन वरदान वेदी पर ले आवऽ आ उहाँ याद करऽ कि तोहरा भाई के तोहरा खिलाफ कवनो दोष बा।
24 उहाँ आपन वरदान वेदी के सामने छोड़ के चल जा। पहिले अपना भाई से मेल मिलाप करऽ आ फेर आके आपन वरदान चढ़ावऽ।
25 जबले तू ओकरा साथे रास्ता में रहब, ओकरा से जल्दी से सहमत हो जा। कहीं कबो विरोधी तोहरा के न्यायाधीश के हाथ में ना देवे, आ न्यायाधीश तोहरा के अफसर के हाथ में ना देवे अवुरी तू जेल में ना डाल दिहल जाए।
26 हम तोहरा से सच कहत बानी कि जब तक तू पूरा रकम ना चुकाईब, तब तक तू ओहिजा से कबो ना निकलब।
27 तू सुनले बाड़ऽ कि पहिले के लोग कहत रहे कि, "तू व्यभिचार मत करऽ।"
28 लेकिन हम तोहनी से कहत हई कि जे भी कवनो औरत के लालसा करे खातिर देखत बा, उ ओकरा संगे पहिलही से अपना मन में व्यभिचार कईले बा।
29 अगर तोहार दाहिना आँख तोहरा के दोष देत बा त ओकरा के उखाड़ के फेंक द, काहेकि तोहरा खातिर फायदा बा कि

तोहार एगो अंग के नाश हो जाव, ना कि तोहार पूरा शरीर के नरक में फेंक दिहल जाव।
30 अगर तोहार दाहिना हाथ तोहरा के ठेस पहुँचावेला त ओकरा के काट के फेंक द, काहेकि तोहरा खातिर फायदा बा कि तोहार एगो अंग के नाश हो जाव, ना कि तोहार पूरा शरीर के नरक में फेंक दिहल जाव।
31 कहल गइल बा कि जे केहू अपना मेहरारू के छोड़ दी त ओकरा के तलाक के पत्र दे देव।
32 लेकिन हम तोहनी से कहत हई कि जे भी अपना मेहरारू के व्यभिचार के छोड़ के छोड़ देला, उ ओकरा के व्यभिचार करावेला।
33 तू लोग फेरु सुनले बाड़ऽ कि पहिले के लोग कहत रहे कि, "तू अपना के गलत कसम मत खाइबऽ, बलुक प्रभु के आपन किरिया पूरा करऽ।"
34 लेकिन हम तोहनी से कहत बानी कि कवनो कसम मत खाईं। ना त स्वर्ग के ओर से। काहेकि ई परमेश्वर के सिंहासन ह।
35 ना ही धरती के द्वारा; काहे कि ई उनकर गोड़ के अथाह ह, ना यरूशलेम के ओर। काहे कि ई महान राजा के नगर ह।
36 ना त अपना माथा के कसम खाईं, काहे कि तू एक बाल के उज्जर भा करिया ना बना सकेनी।
37 लेकिन तोहार संवाद होखऽ कि हँ, हँ। ना, ना, काहे कि एह से अधिका जवन कुछ भी बुराई से मिलेला।
38 तू सुनले बाड़ऽ कि कहल गइल बा कि आँख के बदले आँख आ दाँत के बदले दाँत।
39 लेकिन हम तोहनी से कहत हई कि तू बुराई के विरोध मत करऽ, लेकिन जे तोहरा दाहिना गाल पर मार दी त ओकरा ओर दुसरका गाल भी मुड़ऽ।
40 अगर केहू तोहरा पर कानून के मुकदमा चला के तोहार कोट छीन लेवे के चाहत बा त ओकरा लगे तोहार कपड़ा भी होखे।
41 जे भी तोहरा के एक मील जाए खातिर मजबूर करी, ओकरा साथे दु मील चल जा।
42 जे तोहरा से माँगेला ओकरा के दे दीं आ जे तोहरा से उधार लेबे के चाहत बा ओकरा से मत मुड़ऽ.
43 तू सुनले बाड़ु कि कहल गइल बा कि, "तू अपना पड़ोसी से प्यार करऽ आ अपना दुश्मन से नफरत करऽ।"
44 लेकिन हम तोहनी से कहत बानी कि, तोहनी के दुश्मन से प्यार करीं, जे तोहनी के गारी देत बा, ओकरा के आशीष दीं, जे तोहनी से नफरत करेला, ओकरा खातिर भलाई करीं आ जे तोहनी के घृणा करेला आ तोहनी के सतावेला ओकरा खातिर प्रार्थना करीं।
45 ताकि तू लोग स्वर्ग में रहल पिता के संतान बन जाइब, काहेकि उ आपन सूरज बुराई आ भलाई पर उगावेला आ धर्मी आ अधर्मी लोग पर बरखा कर देला।
46 अगर तू लोग से प्रेम करे वाला से प्रेम करेनी त तोहनी के कवन इनाम मिली? का करदाता लोग भी एके जइसन ना करेला?
47 अगर तू लोग खाली अपना भाई लोग के नमस्कार करीं त दोसरा से जादा का करीं? का करदाता लोग भी अयीसन नईखन करत?
48 एही से तू लोग सिद्ध हो जा, जइसे तोहनी के स्वर्ग में बाप सिद्ध हउअ।

अध्याय 6 के बा

1 एह बात के ध्यान राखीं कि तू लोग के सामने आपन भिक्षा मत करीं, ना त तोहनी के स्वर्ग में रहल पिता के कवनो इनाम ना मिली।
2 एह से जब तू आपन भिक्षा देब त अपना सामने तुरही मत बजाईं जइसे कि पाखंडी लोग आराधनालय आ गली में करेला ताकि उ लोग के आदमी के महिमा हो सके। हम तोहनी से सच कहत हई कि उ लोग के इनाम बा।
3 जब तू भिक्षा देबऽ त तोहार बायां हाथ के ई ना पता चले कि तोहार दाहिना हाथ का करेला।
4 ताकि तोहार भिक्षा गुप्त रूप से होखे, आ तोहार पिता जे गुप्त रूप से देखत बा, तोहरा के खुल के इनाम दिहे।
5 जब तू प्रार्थना करब त पाखंडी लोग निहन ना होखब, काहेकि उ लोग सभाघर अवुरी सड़क के कोना में खड़ा होके प्रार्थना कईल बहुत पसंद करेले, ताकि उ लोग के देखाई देवे। हम तोहनी से सच कहत हई कि उ लोग के इनाम बा।
6 लेकिन तू जब प्रार्थना करब त अपना कोठरी में घुस जा आ जब आपन दरवाजा बंद कर लेब त अपना पिता से प्रार्थना करीं जे गुप्त रूप से बाड़े। आ तोहार पिता जे गुप्त रूप से देखत बा, तोहरा के खुल के इनाम दिहे।
7 लेकिन जब रउवां प्रार्थना करत बानी त गैर-यहूदी लोग निहन बेकार के दोहराव मत करीं, काहेकि उ लोग सोचत बा कि उ लोग के बहुत बात के चलते सुनल जाई।
8 एह से तोहनी ओह लोग जइसन मत बनीं, काहेकि तोहनी के पिता तोहरा से माँगे से पहिले जानत बाड़न कि तोहनी के कवन चीज के जरूरत बा।
9 एही से तू लोग एही तरह से प्रार्थना करीं कि हमनी के पिता जे स्वर्ग में बानी, तोहार नाम पवित्र होखे।
10 तोहार राज्य आ जा। तोहार इच्छा धरती पर भी होखे, जइसे स्वर्ग में होला।
11 आज हमनी के रोज के रोटी दे दऽ।
12 आ हमनी के आपन कर्जा माफ करऽ, जइसे हमनी के अपना ऋणी के माफ कर देनी जा।
13 हमनी के परीक्षा में मत डालीं, बलुक बुराई से बचाईं, काहेकि राज्य, शक्ति आ महिमा हमेशा खातिर तोहार ह। आमीन के बा।
14 अगर तू लोग आदमी के अपराध माफ करब त तोहनी के स्वर्गीय पिता भी तोहनी के माफ कर दीहें।
15 लेकिन अगर तू लोग आदमी के अपराध ना माफ करब त तोहार पिता तोहनी के अपराध के माफ ना करीहे।
16 जब तू लोग उपवास करत बाड़ु त पाखंडी लोग निहन उदास चेहरा मत बनाईं, काहेकि उ लोग अपना चेहरा के बिगाड़ देले ताकि उ लोग उपवास करत देखाई देवे। हम तोहनी से सच कहत हई कि उ लोग के इनाम बा।
17 लेकिन तू जब उपवास करीं त अपना माथा पर अभिषेक करीं आ मुँह धोईं।
18 एह से कि तू लोग के उपवास करे खातिर ना, बलुक अपना पिता के सामने जे गुप्त रूप से देखाई देत बा, आ तोहार पिता जे गुप्त रूप से देखत बा, तोहरा के खुल के इनाम देस।
19 धरती पर अपना खातिर खजाना मत जमा करीं, जहाँ पतई आ जंग खराब कर देला आ जहाँ चोर तोड़ के चोरी करेला।
20 बाकि स्वर्ग में अपना खातिर खजाना जमा कर लीं, जहाँ ना पतई ना जंग खराब होखे आ ना चोर ना चोरे।

21 काहे कि जहाँ तोहार खजाना होई, उहाँ तोहार मन भी होई।
22 शरीर के रोशनी आँख ह, अगर तोहार आँख एकल बा त तोहार पूरा शरीर रोशनी से भरल होई।
23 लेकिन अगर तोहार आँख खराब बा त तोहार पूरा शरीर अन्हार से भरल हो जाई। अगर तोहरा में जवन उजाला बा उ अन्हार बा त उ अन्हार केतना बड़ बा!
24 केहू दू गो मालिक के सेवा ना कर सकेला काहे कि ऊ एक से नफरत करी आ दोसरा से प्यार करी. ना त एक के पकड़ के दोसरा के तिरस्कार करी। रउआ भगवान आ धन के सेवा ना कर सकेनी।
25 एही से हम तोहनी से कहत हई कि तू लोग का खइबऽ आ का पीबऽ, एह बात के बारे में मत सोचीं। ना त अबहीं ले अपना देह खातिर जवन पहिरे के बा। का जीवन मांस से जादा ना अवुरी शरीर कपड़ा से जादे नईखे?
26 हवा के चिरई के देखऽ, काहे कि ऊ ना बोवेला, ना काटेला आ ना कोठी में बटोरेला। तबो तोहार स्वर्गीय पिता ओह लोग के पोषण करेलन। का तूँ ओह लोग से बहुते बढ़िया नइखीं?
27 तोहनी में से के सोच के अपना कद में एक हाथ जोड़ सकेला?
28 आ तू लोग कपड़ा के बारे में काहे सोचत बाड़ू? खेत के कुमुद पर विचार करीं कि ऊ कइसे बढ़ेला; ऊ लोग मेहनत ना करेला आ ना घुमावेला।
29 तबहूँ हम तोहनी से कहत बानी कि सुलेमान भी अपना पूरा महिमा में एहमें से कवनो एक जइसन सज-धज के ना रहे।
30 एह से अगर भगवान खेत के घास के अईसन कपड़ा पहिनले बाड़े, जवन आज बा अवुरी काल्ह अंडा में फेंकल जाता, त का उ तोहनी के अवुरी जादे कपड़ा ना पईहे, हे कम विश्वास करेवाला लोग?
31 एह से ई कहत कि हमनी के का खाएब जा? भा, हमनी का का पीब जा? या हमनी के कवना कपड़ा पहिनब जा?
32 (काहेकि गैर-यहूदी लोग एह सब चीजन के खोजत बा।) काहेकि तोहनी के स्वर्गीय पिता जानत हउवें कि तोहनी के एह सब चीजन के जरूरत बा।
33 लेकिन पहिले परमेश्वर के राज्य आ उनकर धार्मिकता के खोज करीं। आ ई सब चीज तोहनी के जोड़ल जाई।
34 एह से काल्ह के बारे में मत सोचीं, काहे कि काल्ह अपना बात के बारे में सोची। दिन खातिर काफी बा ओकर बुराई।

अध्याय 7 के बा

1 न्याय मत करीं कि तोहनी के न्याय ना होखे।
2 जवना नाप से तू लोग न्याय करब, ओकरा के तोहनी के न्याय कईल जाई।
3 तू अपना भाई के आँख में जवन कड़ाही बा ओकरा के काहे देखत बाड़ू, लेकिन अपना आँख में जवन बीम बा ओकरा के काहे नईखी सोचत?
4 भा तू अपना भाई से कइसे कहबऽ कि हम तोहरा आँख से कड़ाही निकाल लेनी। आ देखऽ, तोहरा आँख में एगो बीम बा?
5 हे पाखंडी, पहिले अपना आँख से बीम निकाल के निकाल द। आ तब तू साफ-साफ देखब कि अपना भाई के आँख से कड़ाही निकालल जा सकेला।
6 कुकुरन के पवित्र चीज मत दीं आ ना ही आपन मोती सुअर के सोझा फेंक दीं, कहीं ऊ लोग ओह लोग के गोड़ के नीचे से रौंद के फेर से मुड़ के तोहनी के फाड़ ना दे।
7 माँगऽ, त तोहरा के दिहल जाई। खोजीं, त तू लोग मिल जाई। खटखटावऽ त तोहनी खातिर खोलल जाई।
8 काहे कि जे भी माँगेला, ओकरा के मिल जाला। आ जे खोजत बा, उ मिल जाला। जे खटखटावेला ओकरा खातिर खोलल जाई।
9 तोहनी में से कवन आदमी बा जे अगर ओकर बेटा रोटी मांगे त ओकरा के पत्थर देई?
10 या मछरी मांगे त का ओकरा के साँप दिही?
11 अगर तू लोग दुष्ट होके अपना लइकन के नीमन वरदान देवे के जानत बाड़ऽ त तोहनी के पिता जे स्वर्ग में बाड़न, ओकरा से माँगे वाला के कतना बढ़िया वरदान ना दीहें?
12 एह से जवन कुछ भी तू लोग चाहत बाड़ऽ कि आदमी तोहनी के करे, तोहनी भी ओह लोग के साथे भी करऽ, काहेकि व्यवस्था आ भविष्यवक्ता लोग इहे ह।
13 तू लोग संकीर्ण फाटक से प्रवेश करऽ, काहेकि विनाश के ओर जाए वाला फाटक चौड़ा आ रास्ता चौड़ा बा आ ओहिजा जाए वाला बहुत लोग बा।
14 काहे कि जीवन के ओर जाए वाला फाटक संकरी बा आ रास्ता संकरी बा आ ओकरा के पावे वाला लोग कम बा।
15 झूठा भविष्यवक्ता लोग से सावधान रहब, जे भेड़ के कपड़ा पहिन के तोहनी के लगे आवेले, लेकिन भीतर से उ लोग भेड़िया हड़कावे वाला भेड़िया हवे।
16 तू लोग ओह लोग के फल से जानब। का आदमी काँट के अंगूर बटोरेला कि काँट के अंजीर?
17 ओइसहीं हर बढ़िया पेड़ बढ़िया फल देला। बाकिर जड़ल पेड़ बुरा फल देला।
18 बढ़िया पेड़ बुरा फल ना दे सकेला आ ना खराब पेड़ बढ़िया फल दे सकेला।
19 जवन पेड़ बढ़िया फल ना देला, ओकरा के काट के आग में फेंक दिहल जाला।
20 एही से तू लोग ओह लोग के फल से जानब।
21 जे हमरा से 'प्रभु, प्रभु' कहत बा, उ सब स्वर्ग के राज्य में ना जाई। लेकिन जे हमरा स्वर्ग में बाप के इच्छा के पालन करेला।
22 ओह दिन बहुत लोग हमरा से कहत होई कि प्रभु, प्रभु, का हमनी के तोहरा नाम से भविष्यवाणी नईखी कईले? आ तोहरा नाम से दुष्टात्मा के भगा देले बानी? आ तोहरा नाम से बहुत अद्‌भुत काम कइले बाड़ऽ?
23 तब हम ओह लोग से कबूल करब कि हम तोहनी के कबो ना जानत रहनी।
24 एह से जे भी हमार ई बात सुन के पालन करी, हम ओकरा के एगो बुद्धिमान आदमी से तुलना करब जवन चट्टान पर आपन घर बनवले बा।
25 बरखा हो गइल आ बाढ़ आ गइल आ हवा बहल आ ओह घर के मार दिहलस। उ गिरल ना, काहेकि एकर नींव एगो चट्टान प बनल रहे।
26 जे भी हमार ई बात सुन के ना पालन करी, ओकर तुलना एगो मूर्ख आदमी से कइल जाई जवन बालू पर आपन घर बनवले बा।
27 बरखा हो गइल आ बाढ़ आ गइल आ हवा बहल आ ओह घर के मार दिहलस। आ गिर गइल आ ओकर गिरल बहुते बड़हन हो गइल.
28 जब यीशु ई बात खतम कइलन त लोग उनकर शिक्षा पर अचरज में पड़ गइलन।
29 काहेकि उ ओह लोग के अधिकार वाला के रूप में सिखावत रहले, ना कि शास्त्री लोग निहन।

अध्याय 8 के बा

1 जब उ पहाड़ से उतरले त बहुत भीड़ उनुका पीछे-पीछे चल गईले।
2 एगो कोढ़ी आदमी आके ओकर आराधना कइलस, "प्रभु, अगर तू चाहब त हमरा के साफ कर सकेनी।"
3 यीशु आपन हाथ बढ़ा के ओकरा के छू के कहले, " हम चाहब। तू साफ-सुथरा हो जा। आ तुरते उनकर कोढ़ साफ हो गइल।
4 यीशु ओकरा से कहलन, " देखऽ, तू केहू के मत बताईं। लेकिन जाके याजक के सामने आपन बात देखाईं आ उ वरदान के अर्पित कर, जवन मूसा के आज्ञा देले रहले, ताकि उ लोग के गवाही हो सके।
5 जब यीशु कफरनहूम में प्रवेश कइलन त एगो सेनापति उनकरा से निहोरा कइलन।
6 ऊ कहलन, "प्रभु, हमार सेवक लकवा से बेमार घर में पड़ल बा आ बहुते तड़पत बा।"
7 यीशु ओकरा से कहलन, " हम आके ओकरा के ठीक करब।"
8 सेनापति जवाब देले, "हे प्रभु, हम एह लायक नईखी कि तू हमरा छत के नीचे आ जास, लेकिन खाली वचन बोलऽ, त हमार सेवक ठीक हो जाई।"
9 काहेकि हम एगो अधिकार के अधीन आदमी हईं आ हमरा अधीन सिपाही हईं आ हम एह आदमी से कहत बानी कि जा, ऊ चल जाई। आ दोसरा के कहलस कि, आ जा, उ आ जाई। आ हमरा सेवक के, "ई करऽ, त ऊ पूरा कर लेला."
10 जब यीशु ई बात सुन के अचरज में पड़ गइलन आ ओकरा बाद के लोग से कहलन, " हम तोहनी से सच कहत बानी कि हमरा अतना बड़हन विश्वास नइखे मिलल, इस्राएल में ना।"
11 हम तोहनी से कहत हईं कि पूरब आ पश्चिम से बहुत लोग आके अब्राहम, इसहाक आ याकूब के साथे स्वर्ग के राज्य में बईठ जइहें।
12 लेकिन राज्य के लइका लोग के बाहर के अन्हार में फेंक दिहल जाई, उहाँ रोवे आ दाँत चीरहरण होई।
13 यीशु सेनापति से कहलन, " जा जा। आ जइसे तू विश्वास कइले बाड़, ओइसहीं तोहरा साथे होखे। आ ओही घड़ी ओकर नौकर ठीक हो गइल।
14 जब यीशु पतरस के घरे अइले त देखलन कि उनकर मेहरारू के माई बोखार से बेमार पड़ल बाड़ी।
15 ऊ ओकर हाथ छू लिहले त बोखार ओकरा के छोड़ के चल गइल आ ऊ उठ के ओह लोग के सेवा कइली.
16 जब साँझ हो गइल त ऊ लोग बहुते दुष्टात्मा के उनकरा लगे ले अइले आ ऊ अपना वचन से ओह आत्मा के बाहर निकाल दिहलन आ सब बेमार लोग के ठीक कर दिहलन.
17 एह से ई पूरा होखे कि यशायाह भविष्यवक्ता के द्वारा कहल गइल रहे कि, "हमनी के कमजोरी के उठा के हमनी के बेमारी के उठा लिहले बाड़न।"
18 जब यीशु अपना आसपास बहुत भीड़ देखले त उ दूसरा ओर जाए के आदेश देले।
19 एगो शास्त्री आके ओकरा से कहलस, "गुरु, हम तोहरा पीछे-पीछे जहाँ भी जाईब।"
20 यीशु ओकरा से कहलन, " लोमड़ी के छेद होला आ आकाश के चिरई के घोंसला होला। लेकिन आदमी के बेटा के लगे आपन माथा कहाँ रखे के जगह नईखे।
21 उनकर एगो अउरी चेला उनकरा से कहलस, "प्रभु, हमरा के पहिले जाके अपना बाबूजी के दफनावे दीं।"
22 लेकिन यीशु ओकरा से कहलन, " हमरा पीछे चलऽ। आ मुअल लोग के आपन मुअल लोग के दफनावे दीं।
23 जब ऊ एगो नाव में चढ़लन त उनकर चेला उनकर पीछे-पीछे चल गइलन।
24 देखऽ, समुंदर में एगो बड़हन तूफान उठल कि जहाज लहर से ढंकल, लेकिन ऊ सुतल रहे।
25 उनकर चेला लोग उनका लगे आके जगवलन कि, "प्रभु, हमनी के बचाव, हमनी के नाश हो जाइब जा।"
26 ऊ ओह लोग से कहलन, " हे कम विश्वास वाला लोग, तू लोग काहे डेरात बाड़ऽ? तब ऊ उठ के हवा आ समुंदर के डांटले। आ एगो बड़हन शांति हो गइल।
27 लेकिन उ लोग अचरज में पड़ गईले, "ई कवन आदमी ह कि हवा आ समुंदर भी ओकर बात मानेला!
28 जब उ दूसरा ओर गेर्गेसी के देस में पहुंचले त उ दुगो दुष्टात्मा से ग्रस्त कब्र से निकलत रहले अवुरी उ लोग बहुत भयंकर रहले, ताकि केहु ओ रास्ता से ना गुजरे।
29 ऊ लोग चिल्ला के कहलस, "हे परमेश्वर के बेटा यीशु, तोहरा से हमनी के का संबंध बा? का तू समय से पहिले हमनी के सतावे खातिर इहाँ आइल बाड़?
30 ओह लोग से बहुत दूर से बहुत सुअर के झुंड रहे जवन चरत रहे।
31 तब भूत-प्रेत ओकरा से निहोरा करत कहलन कि अगर तू हमनी के बाहर निकाल देहऽ त हमनी के सुअर के झुंड में जाए दीं।
32 उ लोग से कहलस, " जा जा।" जब उ लोग बाहर निकलले त सुअर के झुंड में गईले अवुरी देख, सुअर के पूरा झुंड एगो खड़ा जगह से नीचे समुद्र में जोर से दौड़त पानी में नाश हो गईल।
33 ओह लोग के रखवाला लोग भाग के शहर में चल गइल आ हर बात आ दुष्टात्मा के भूतिया लोग पर भइल घटना के बारे में बतवलस।
34 देख, पूरा शहर यीशु से मिले खातिर निकलल, आ जब उ लोग उनुका के देख के उनुका से निहोरा कईले कि उ अपना इलाका से निकल जाए।

अध्याय 9 के बा

1 ऊ एगो जहाज में बइठ के ओहिजा से गुजर के अपना शहर में आ गइलन।
2 ऊ लोग एगो लकवा से पीड़ित आदमी के बिछौना पर लेट के ओकरा लगे ले अइले आ यीशु ओह लोग के विश्वास देख के लकवा से पीड़ित आदमी से कहले। बेटा, हौसला से भरल रहऽ; तोहार पाप माफ हो गइल बा।
3 कुछ शास्त्री लोग मन में कहत रहे कि, "ई आदमी निंदा करत बा।"
4 यीशु ओह लोग के विचार जान के कहले, " तू लोग अपना मन में बुराई काहे सोचत बाड़?
5 काहे कि ई कहल आसान बा कि तोहार पाप माफ हो गइल बा। भा ई कहे के कि उठ के चल जा?
6 लेकिन ताकि तू लोग जान सकी कि मनुष्य के बेटा के धरती पर पाप माफ करे के अधिकार बा, (तब उ पक्षाघात से पीड़ित से कहले, " उठ, आपन बिछौना उठा के अपना घरे चल जा।"

7 ऊ उठ के अपना घरे चल गइलन।
8 लेकिन भीड़ ई देख के अचरज में पड़ गईले अवुरी भगवान के महिमा कईले, जवन कि आदमी के अयीसन शक्ति देले रहले।
9 जब यीशु ओहिजा से निकलत रहले त मत्ती नाम के एगो आदमी के रिवाज लेवे वाला जगह प बईठल देखले । उ उठ के ओकरा पीछे-पीछे चल गईले।
10 जब यीशु घर में खाना खात रहले त देख, बहुत कर लेवे वाला अवुरी पापी उनुका अवुरी उनुका चेलन के संगे बईठ गईले।
11 फरीसियन के ई देख के उनकर चेलन से कहलन, "रउरा गुरु कर लेवे वाला आ पापी लोग के साथे काहे खात हउवें?
12 यीशु इ बात सुन के कहलन, " स्वस्थ लोग के वैद्य के जरूरत नइखे, बलुक बेमार लोग के जरूरत बा।"
13 लेकिन तू लोग जाके जान लीं कि एकर मतलब का होला कि हम दया करब, बलिदान ना, काहे कि हम धर्मी लोग के बोलावे खातिर ना आइल बानी, बलुक पापी लोग के पश्चाताप करे खातिर आइल बानी।
14 तब यूहन्ना के चेला लोग उनकरा लगे आके पूछलन, "हम आ फरीसी लोग बार-बार उपवास काहे करेलन, लेकिन तोहार चेलन उपवास काहे ना करेलन?
15 यीशु ओह लोग से कहलन, " का दुल्हिन के लइका लोग शोक कर सकेला जब तक दूल्हा उनकरा साथे बा?" लेकिन उ दिन आई जब दूल्हा के ओ लोग से छीन लिहल जाई अवुरी तब उ लोग उपवास करीहे।
16 केहू पुरान कपड़ा में नया कपड़ा के टुकड़ा ना लगावेला, काहे कि जवन कपड़ा भरला खातिर लगावल जाला ऊ कपड़ा से निकल जाला आ ओकर फाटल अउरी खराब हो जाला।
17 ना त आदमी नया शराब के पुरान बोतल में डालेला, ना त बोतल टूट जाला, शराब खतम हो जाला, आ बोतल नाश हो जाला, लेकिन नया शराब के नया बोतल में डाल के दुनो सुरक्षित हो जाला।
18 जब ऊ उनकरा से ई बात कहत रहले त देख, एगो शासक आके उनकर आराधना कइलन, "हमार बेटी अब मर गइल बिया, लेकिन आके ओकरा पर हाथ डाल के जिंदा हो जाई।
19 यीशु उठ के उनकरा पीछे-पीछे चल गइलन आ उनकर चेलन भी।
20 बारह साल से खून से लथपथ एगो औरत उनका पीछे से आके उनकर कपड़ा के किनारा के छू लिहलस।
21 काहेकि उ मन में कहली कि, "अगर हम ओकर कपड़ा के छूवे के काम कर सकीले त हम ठीक हो जाईब।"
22 लेकिन यीशु ओकरा के घुमा के देखले त कहले, " बेटी, सांत्वना राखऽ। तोहार विश्वास तोहरा के ठीक कर देले बा। आ ओह घरी से मेहरारू ठीक हो गइल।
23 जब यीशु शासक के घर में अईले त वादक आ लोग के हल्ला करत देखले।
24 ऊ ओह लोग से कहलस, " जगह दीं, काहेकि नौकरानी मरले नइखे, सुतल बिया।" आ ऊ लोग ओकरा के तिरस्कार करे खातिर हँस दिहल.
25 लेकिन जब लोग के बाहर निकालल गईल त उ भीतर गईले अवुरी उनुकर हाथ पकड़ लेले अवुरी नौकरानी उठ गईली।
26 एकर प्रसिद्धि पूरा देश में फइल गइल।
27 जब यीशु उहाँ से निकललन त दू गो आन्हर उनकरा पीछे-पीछे चिल्लात कहले, "हे दाऊद के बेटा, हमनी पर दया करऽ।"
28 जब ऊ घर में अइले त आन्हर लोग उनका लगे अइले आ यीशु उनकरा से कहलन, "का रउवा लोग के विश्वास बा कि हम ई काम कर पावत बानी?" उ लोग ओकरा से कहलस, "हँ, प्रभु।"
29 तब ऊ ओह लोग के आँख छू के कहलन, " तोहरा विश्वास के हिसाब से तोहनी के होखे।"
30 उनकर आँख खुल गइल। यीशु ओह लोग के कड़ा आज्ञा दिहलन कि, " देखीं कि केहू के पता ना चले."
31 लेकिन उ लोग जब उ लोग चल गईले त उनुकर प्रसिद्धि ओ पूरा देश में फैला देले।
32 जब उ लोग बाहर निकलत रहले त देख, उ लोग एगो गूंगा आदमी के उनुका लगे ले अईले, जवन कि एगो शैतान से ग्रस्त रहे।
33 जब शैतान के बाहर निकालल गइल त गूंगा लोग बोलल आ भीड़ अचरज में पड़ गइल आ कहलस कि, "इस्राएल में अइसन कबो ना देखल गइल।"
34 लेकिन फरीसियन कहले, "उ शैतान के राजकुमार के माध्यम से दुष्टात्मा के भगावेला।"
35 यीशु सब शहर आ गाँव में घूम के ओह लोग के आराधनालय में पढ़ावत रहले आ राज्य के सुसमाचार के प्रचार करत रहले आ लोग के हर बेमारी आ हर बेमारी के ठीक करत रहले।
36 लेकिन जब उ भीड़ के देखले त ओकरा पर दया आ गईल, काहेकि उ लोग बेहोश हो गईल रहे अवुरी उ भेड़ निहन बिखर गईल रहले, जवना के चरवाहा ना रहे।
37 तब उ अपना चेलन से कहलन कि फसल बहुत बा, लेकिन मजदूर कम बा।
38 एह से तू लोग फसल के मालिक से प्रार्थना करीं कि उ अपना फसल में मजदूर भेजस।

अध्याय 10 के बा

1 जब ऊ अपना बारह गो चेलन के अपना लगे बोलवले त ओह लोग के अशुद्ध आत्मा के खिलाफ शक्ति दिहलन कि ऊ लोग ओह लोग के बाहर निकाल सके आ हर तरह के बेमारी आ हर तरह के बेमारी के ठीक कर सके.
2 बारह प्रेरितन के नाम इहे ह। पहिला, शमौन, जेकरा के पतरस कहल जाला, आ उनकर भाई अंद्रियास। जबदी के बेटा याकूब आ उनकर भाई यूहन्ना।
3 फिलिप, आ बार्थोलोम्यू के नाम से जानल जाला। थॉमस, आ मैथ्यू करदाता; अल्फीस के बेटा याकूब आ लेब्बीस, जेकर उपनाम थद्दीउस रहे।
4 कनान के शमौन आ यहूदा इस्करियोती, जे उनका के धोखा दे दिहले।
5 यीशु एह बारह लोग के भेज के आज्ञा दिहलन कि गैर-यहूदी लोग के रास्ता में मत जाईं आ सामरी लोग के कवनो शहर में मत जाईं।
6 लेकिन इस्राएल के घराना के हेराइल भेड़न के लगे जाइए।
7 जब तू लोग जाइब त प्रचार करीं कि, "स्वर्ग के राज नजदीक आ गईल बा।"
8 बेमार लोग के ठीक करऽ, कोढ़ी लोग के साफ करऽ, मुअल लोग के जिंदा करऽ, दुष्टन के बाहर निकालऽ।
9 अपना पर्स में ना सोना, ना चांदी, ना पीतल के इंतजाम करीं।
10 ना तहरा यात्रा खातिर चीर-फाड़, ना दू गो कोट, ना जूता, ना लाठी, काहे कि मजदूर अपना भोजन के लायक होला।

11 जवना शहर भा कस्बा में जाइब, पूछीं कि ओह शहर में के के लायक बा? जब तक तू उहाँ से ना जाईब तब तक उहाँ रहब।
12 जब कवनो घर में अइब त ओकरा के नमस्कार करीं।
13 अगर घर योग्य बा त ओकरा पर तोहार शांति होखे, लेकिन अगर उ योग्य ना होखे त तोहार शांति तोहरा में वापस आवे।
14 जे भी तोहरा के ना ग्रहण करी आ ना तोहार बात सुनी, जब तू ओह घर भा शहर से निकलब त अपना गोड़ के धूल के हिला दीं।
15 हम तोहनी से सच कहत हई कि न्याय के दिन सदोम आ अमोरा के देश खातिर उ शहर से ज्यादा सहनशील होई।
16 देखऽ, हम तोहनी के भेड़िया नियर भेड़िया के बीच में भेजत बानी, एह से तू साँप नियर बुद्धिमान आ कबूतर नियर निर्दोष बनीं।
17 लेकिन आदमी से सावधान रहब, काहेकि उ लोग तोहनी के मंडली में सौंप दिहे अवुरी अपना सभाघर में तोहनी के कोड़ा मार दिहे।
18 हमरा खातिर तोहनी के राज्यपाल आ राजा लोग के सामने ले आवल जाई, ताकि उ लोग आ गैर-यहूदी लोग के खिलाफ गवाही हो सके।
19 जब उ लोग तोहनी के सौंप देब त इ सोचे मत जाईं कि तू लोग कइसे बोलब आ का कहब, काहेकि उहे समय तोहनी के इ बतावल जाई कि तू जवन बात करबऽ।
20 काहेकि तोहनी के बात ना ह, बलुक तोहनी के पिता के आत्मा तोहनी में बोलत हव।
21 भाई भाई के आ बाप लइका के सौंप दी आ लइका अपना माई-बाबूजी के खिलाफ उठ के ओह लोग के हत्या कर दीहें।
22 हमरा नाम के चलते तोहनी से सब लोग नफरत करी, लेकिन जे अंत तक टिकी, उ उद्धार पाई।
23 जब तक उ लोग एह शहर में तोहनी के सतावेला त दोसरा में भाग जाईं काहेकि हम तोहनी से सच कहत बानी कि जब तक मनुष्य के बेटा ना आई, तब तक तू इस्राएल के शहर के पार ना होखब।
24 चेला अपना मालिक से ऊपर ना होला, ना सेवक अपना मालिक से ऊपर।
25 चेला खातिर इहे काफी बा कि उ अपना गुरु निहन होखे अवुरी सेवक अपना मालिक निहन होखे। अगर उ लोग घर के मालिक के बेलजबूब बोलवले बाड़े त उनुका घर के केतना जादे कहतारे?
26 एह से ओह लोग से मत डेराईं, काहे कि कवनो अइसन कवनो बात नइखे जवना के खुलासा ना होखे. आ लुकाइल, जवना के पता ना चली।
27 हम अन्हार में जवन बतावत बानी, उ रोशनी में बात करीं, आ कान में जवन सुनत बानी, उ घर के चोटी पर प्रचार करीं।
28 जे शरीर के मारेला, लेकिन आत्मा के मारे में सक्षम ना होखे, ओकरा से मत डेराईं, बल्कि ओकरा से डेराईं जे नरक में आत्मा अवुरी शरीर दुनो के नाश करे में सक्षम होखे।
29 का दू गो गौरैया एक फार्टिंग में ना बेचल जाला? आ ओहमें से केहू तोहरा पिता के बिना जमीन पर ना गिर पाई।
30 लेकिन तोहनी के माथा के रोम सब गिनल गईल बा।
31 एह से तू लोग डेरा मत, तोहनी के कीमत बहुत गौरैया से भी जादा बा।
32 जे भी आदमी के सामने हमरा के कबूल करी, हम अपना स्वर्ग में रहल पिता के सामने भी कबूल करब।
33 लेकिन जे भी आदमी के सामने हमरा से इनकार करी, हम भी अपना स्वर्ग में रहल पिता के सामने ओकरा के नकार देब।
34 ई मत सोचऽ कि हम धरती पर शांति भेजे आइल बानी, हम शांति भेजे खातिर ना आइल बानी, बलुक तलवार भेजे आइल बानी।
35 हम एगो आदमी के ओकर बाप से, बेटी के ओकरा महतारी से, आ पतोह के अपना सास से विवाद करे आइल बानी।
36 आदमी के दुश्मन ओकरे घर के लोग होई।
37 जे हमरा से जादे बाप-माई से प्यार करेला, उ हमरा लायक नईखे, अवुरी जे हमरा से जादे बेटा-बेटी से प्यार करेला, उ हमरा लायक नईखे।
38 जे आपन क्रूस ना लेके हमरा पीछे चले, उ हमरा लायक नईखे।
39 जे आपन जान पाई ऊ ओकरा के गँवा दी आ जे हमरा खातिर आपन जान गँवावेला ऊ ओकरा के पाई।
40 जे तोहनी के ग्रहण करेला, उ हमरा के ग्रहण करेला, आ जे हमरा के ग्रहण करेला, उ हमरा के भेजे वाला के ग्रहण करेला।
41 जे भविष्यवक्ता के नाम से भविष्यवक्ता के ग्रहण करी ओकरा भविष्यवक्ता के इनाम मिली। आ जे कवनो धर्मी के नाम से धर्मी आदमी के ग्रहण करी ओकरा के धर्मी आदमी के इनाम मिली।
42 जे केहू एह छोट-छोट लइका में से कवनो के खाली एगो चेला के नाम पर ठंडा पानी पीये, हम तोहनी से सच कहत बानी कि ओकर इनाम कवनो तरह से ना गँवावे के पड़ी।

अध्याय 11 के बा

1 जब यीशु अपना बारह चेलन के आज्ञा देके उहाँ से उहाँ से उहाँ से उहाँ से चल के ओह लोग के शहरन में पढ़ावे आ प्रचार करे खातिर चल गइलन।
2 जब यूहन्ना जेल में मसीह के काम सुन के अपना दू गो चेलन के भेजलन।
3 ऊ ओकरा से कहलस, "का तू उहे आवे वाला हऽ कि हमनी के दोसरा के इंतजार करत बानी जा?"
4 यीशु उनकरा से कहलन, " जा के यूहन्ना के फेरु से बताईं जवन तू लोग सुनत आ देखत बाड़ऽ।
5 आन्हर लोग के नजर लउकेला आ लंगड़ा चलेला, कोढ़ी लोग के शुद्ध हो जाला आ बहिर लोग सुनेला, मरल लोग के जिंदा कइल जाला आ गरीबन के सुसमाचार सुनावल जाला।
6 धन्य बा उ जे हमरा से कवनो नाराज ना होई।
7 जब उ लोग निकलत रहले त यीशु यूहन्ना के बारे में भीड़ से पूछे लगले कि, " तू लोग जंगल में का देखे गईल रहनी?" हवा से हिलल एगो खढ़?
8 लेकिन तू लोग का देखे निकलल रहलू? कोमल कपड़ा पहिनले आदमी? देखऽ, कोमल कपड़ा पहिरे वाला राजा लोग के घर में बा।
9 लेकिन तू लोग का देखे निकलल रहलू? एगो भविष्यवक्ता? हँ, हम तोहनी से कहत बानी, आ एगो भविष्यवक्ता से भी अधिका।
10 काहेकि इ उहे ह, जेकरा बारे में लिखल बा, "देख, हम आपन दूत तोहरा सामने भेजत बानी, जवन तोहरा सामने रास्ता तैयार करी।"
11 हम तोहनी से सच कहत हई कि मेहरारू से जनमल लोग में यूहन्ना बपतिस्मा देवे वाला से बड़ केहू ना उठल बा।

12 यूहन्ना बपतिस्मा देवे वाला के जमाना से लेके अब तक स्वर्ग के राज्य पर हिंसा हो रहल बा आ हिंसक लोग ओकरा के जबरन ले लेला।
13 काहेकि यूहन्ना तक के सब भविष्यवक्ता आ व्यवस्था भविष्यवाणी करत रहलन।
14 अगर तू लोग एकरा के ग्रहण करे के चाहत बानी त उ एलियाह हवे, जे आवे वाला रहले।
15 जेकरा सुने के कान बा, उ सुनस।
16 लेकिन हम एह पीढ़ी के कवना से तुलना करब? ई बाजार में बइठल लइकन के जइसन बा आ अपना साथियन के पुकारत बा.
17 ऊ कहले, "हम तोहनी के नली बजा देले बानी जा, लेकिन तू नाचले नइखऽ। हमनी के तोहनी के शोक मनले बानी जा, लेकिन तोहनी के विलाप नईखी कईले।
18 काहेकि यूहन्ना ना खात-पीयत अइले आ उ लोग कहत बा कि, "उनुका में शैतान बा।"
19 आदमी के बेटा खात-पियत आइल आ ऊ लोग कहत बा कि देखऽ, एगो पेटू आ शराब पीये वाला, करदाता आ पापी लोग के दोस्त ह। बाकिर बुद्धि ओकरा लइकन खातिर जायज बा।
20 तब ऊ ओह शहरन के निंदा करे लगलन जवना में उनकर अधिकतर पराक्रम भइल रहे, काहे कि ऊ लोग पश्चाताप ना कइल।
21 कोराज़िन, तोहरा पर हाय! धिक्कार बा, बेतसैदा! काहे कि अगर तोहनी में जवन पराक्रमी काम भइल बा, ऊ सोर आ सीदोन में भइल रहित त ऊ लोग बहुत पहिले बोरा आ राख में पश्चाताप कर लेत।
22 लेकिन हम तोहनी से कहत हईं कि न्याय के दिन सोर आ सीदोन खातिर तोहनी से ज्यादा सहनशील होई।
23 हे कफरनहूम, जे स्वर्ग में ऊँच हो गइल बा, नरक में उतारल जाई, काहे कि अगर तोहरा में जवन पराक्रमी काम भइल बा, ऊ सदोम में भइल रहित त ऊ आजु ले बनल रहित।
24 लेकिन हम तोहनी से कहत हईं कि न्याय के दिन सदोम के देश तोहरा से ज्यादा सहनशील होई।
25 ओही समय यीशु जवाब दिहलन, " हे पिता, स्वर्ग आ धरती के मालिक, हम तोहरा के धन्यवाद देत बानी काहे कि तू इ सब बात बुद्धिमान आ समझदार लोग से छिपा के बचवन के सामने प्रगट कर देले बाड़।"
26 हे पिता जी, अईसने तोहरा नजर में अच्छा लागल।
27 हमरा पिता के ओर से सब कुछ हमरा के सौंपल गईल बा, लेकिन पिता के छोड़ के केहु बेटा के ना जानेला। ना त केहू पिता के जानत बा, सिवाय बेटा आ जेकरा के बेटा ओकरा के प्रगट करे के चाहत बा।
28 हे सब मेहनत आ बोझ वाला लोग हमरा लगे आईं, हम तोहनी के आराम देब।
29 हमार जुआ अपना ऊपर उठा के हमरा से सीख लीं। काहे कि हम नम्र आ नम्र दिल हईं, आ तोहनी के आपन आत्मा के आराम मिल जाई।
30 काहे कि हमार जुआ आसान बा आ हमार बोझ हल्का बा।

अध्याय 12 के बा

1 ओही समय यीशु सब्त के दिन धान के बीच से गुजरत रहले। उनकर चेला भूखल रहले आ धान के कन तोड़ के खाए लगले।
2 फरीसी लोग ई देख के कहलन, "देखऽ, तोहार चेला लोग उ काम करेला जवन सब्त के दिन करे के इजाजत नइखे।"
3 लेकिन उ ओ लोग से कहलस, " का रउवां नई पढ़ले बानी कि दाऊद के भूख से मरला के दौरान उ का कईले रहले अवुरी उनुका संगे रहले।
4 ऊ कइसे परमेस् वर के घर में घुस के ऊ रोटी खइले, जवन ओकरा के खाए के इजाजत ना रहे, ना ओकरा साथे रहे वाला लोग के, बल्कि खाली याजकन के?
5 का तू लोग व्यवस्था में नइख पढ़ले कि विश्राम के दिन मंदिर में पुजारी सब्त के दिन के अपवित्र करेलन आ निर्दोष होलें?
6 लेकिन हम तोहनी से कहत हई कि इ जगह मंदिर से भी बड़ एगो बा।
7 लेकिन अगर रउवां जानत रहतीं कि एकर मतलब का बा कि हम दया करब, बलिदान ना, त रउवां निर्दोष लोग के दोषी ना ठहरावत।
8 काहेकि मनुष्य के बेटा सब्त के दिन के भी प्रभु हवे।
9 उहाँ से निकल के उ लोग के आराधनालय में चल गईले।
10 एक आदमी के हाथ मुरझा गइल रहे। उ लोग उनुका से पूछले कि, का सब्त के दिन चंगा कईल जायज बा? ताकि उ लोग ओकरा प आरोप लगावे।
11 उ ओह लोग से कहलस, " तोहनी में से कवन आदमी होई जेकर एक भेड़ होखे आ अगर उ सब्त के दिन गड्ढा में गिर जाव त का उ ओकरा के पकड़ के बाहर ना निकाली?
12 त आदमी भेड़ से केतना बढ़िया बा? एही से सब्त के दिन भलाई कइल जायज बा।
13 तब उ आदमी से कहलस, " अपना हाथ बढ़ा द।" आ ऊ ओकरा के तान दिहलस। आ ओकरा के पूरा बहाल कर दिहल गइल, जइसे कि दोसरा के.
14 तब फरीसी लोग बाहर निकल के उनकरा खिलाफ एगो मंडली बनवले कि उ लोग उनकरा के कइसे नाश कर सके|
15 लेकिन जब यीशु इ बात के जान गईले त उहाँ से हट गईले अवुरी बहुत भीड़ उनुका पीछे-पीछे चल गईले अवुरी उ सभके ठीक क देले।
16 उ लोग के आज्ञा दिहलन कि उ लोग ओकरा के ना बतावस।
17 ई पूरा होखे कि यशायाह भविष्यवक्ता के द्वारा कहल गइल रहे।
18 देखऽ हमार सेवक, जेकरा के हम चुनले बानी। हमार प्रियजन, जेकरा पर हमार प्राण खुश बा, हम ओकरा पर आपन आत्मा डाल देब आ ऊ गैर-यहूदी लोग के न्याय करी।
19 ऊ ना झगड़ा करी आ ना रोवे। ना त केहू गली-गली में ओकर आवाज सुनाई।
20 जबले ऊ न्याय के जीत के ओर ना भेज दी, तबले ऊ कटले खढ़ के ना तोड़ी आ धुँआ निकलत सन के ना बुझाई।
21 गैर-यहूदी लोग उनकरा नाम पर भरोसा करी।
22 तब ओकरा लगे एगो आन्हर आ गूंगा एगो शैतान से ग्रस्त के ले आवल गइल आ ऊ ओकरा के ठीक कर दिहलन कि आन्हर आ गूंगा बोलत आ देखत रहले.
23 सब लोग अचंभित होके कहलस, "का इ दाऊद के बेटा ना ह?"
24 फरीसियन के ई बात सुन के कहलन, "ई आदमी दुष्टात्मा के ना, बलुक दुष्टन के सरदार बेलजबुल के द्वारा भगावेला।"

25 यीशु ओह लोग के विचार जान के कहलन, " हर राज्य अपना आप में बंटल उजड़ हो जाला। आ हर शहर भा घर अपना खिलाफ बंटवारा खड़ा ना होई।
26 अगर शैतान शैतान के बाहर निकाल देला त उ अपना खिलाफ बंटल बा। तब ओकर राज्य कइसे खड़ा होई?
27 अगर हम बेलजबुल के जरिए दुष्टात्मा के बाहर निकालत बानी त तोहार लइका केकरा से ओकरा के निकालत बाड़े? एही से उ लोग तोहार न्यायाधीश होईहे।
28 लेकिन अगर हम परमेश्वर के आत्मा के द्वारा दुष्टात्मा के बाहर निकालत बानी त परमेश्वर के राज्य तोहनी के पास आ गईल बा।
29 ना त केहू बरियार के घर में कइसे घुस के ओकर सामान लूट सकेला, जबले ऊ पहिले बलवान के बान्ह ना लेव? आ तब ऊ आपन घर बिगाड़ दी.
30 जे हमरा साथे नइखे ऊ हमरा खिलाफ बा। आ जे हमरा साथे ना जुटावेला ऊ बितरत हो जाला।
31 एही से हम तोहनी से कहत बानी कि आदमी के हर तरह के पाप आ निंदा के माफ कर दिहल जाई, लेकिन पवित्र आत्मा के निंदा के आदमी के माफ ना कईल जाई।
32 जे केहू आदमी के बेटा के खिलाफ कवनो बात कहेला ओकरा के माफ कर दिहल जाई, लेकिन जे केहू पवित्र आत्मा के खिलाफ बात करी ओकरा के माफ ना कईल जाई, ना एह दुनिया में, ना आवे वाला दुनिया में।
33 या त पेड़ के बढ़िया बनाईं आ ओकर फल के बढ़िया बनाईं। ना त पेड़ के खराब कर दीं आ ओकर फल के खराब कर दीं, काहे कि पेड़ ओकर फल से जानल जाला।
34 हे साँप के पीढ़ी, तू लोग बुरा होके कइसे बढ़िया बात कह सकीले? काहे कि मन के भरमार से मुँह बोलेला।
35 अच्छा आदमी मन के अच्छा खजाना से अच्छा बात निकालेला आ बुरा आदमी बुरा के खजाना से बुरा बात निकालेला।
36 लेकिन हम तोहनी से कहत हई कि आदमी जवन भी बेकार बात कही, उ लोग न्याय के दिन ओकर हिसाब दे दिहे।
37 काहेकि तोहरा बात से तोहरा धर्मी ठहरावल जाई आ तोहरा बात से तोहरा दोषी ठहरावल जाई।
38 तब कुछ शास्त्री आऊ फरीसी लोग जवाब देहलन, "गुरु, हमनी के तोहरा से कवनो निशानी देखे के चाहत बानी जा।"
39 लेकिन उ उनकरा से कहलस, " दुष्ट आ व्यभिचारी पीढ़ी कवनो चमत्कार के तलाश में बिया। आ ओकरा के कवनो चमत्कार ना दिहल जाई, सिवाय योना भविष्यवक्ता के निशानी के।
40 जइसे योनास तीन दिन तीन रात व्हेल के पेट में रहले। ओइसहीं मनुष्य के बेटा तीन दिन तीन रात धरती के दिल में रही।
41 नीनवे के लोग एह पीढ़ी के साथे न्याय के समय उठ के ओकरा के दोषी ठहराई, काहे कि उ लोग योना के प्रचार के समय पश्चाताप कईले। आ देखऽ, योनास से बड़हन एगो इहाँ बा।
42 दक्खिन के रानी एह पीढ़ी के साथे न्याय के समय उठ के ओकरा के दोषी ठहराई, काहे कि ऊ धरती के छोर से सुलैमान के बुद्धि सुने खातिर आइल रहली। आ देखऽ, सुलेमान से भी बड़ एगो इहाँ बा।
43 जब आदमी में से अशुद्ध आत्मा निकल जाला त उ सूखल जगह में घूम के आराम के तलाश में चलेला, लेकिन ओकरा केहु ना मिलेला।
44 तब उ कहलस कि हम अपना घर में वापस आ जाईब, जहवा से हम निकलल बानी। आ जब ऊ आवेला त ओकरा खाली, झाड़ू-पोछल आ सजावल मिल जाला।
45 तब ऊ जाके अपना से अधिका दुष्ट सात गो अउरी आत्मा लेके चल जाला आ ऊ लोग ओहिजा घुस के रहेला आ ओह आदमी के आखिरी हालत पहिलका से भी खराब बा। एही दुष्ट पीढ़ी के भी अइसने होई।
46 जब उ लोग से बात करत रहले त देख, उनुकर महतारी अवुरी भाई उनुका से बात करे के चाहत बाहर खड़ा रहले।
47 तब केहू ओकरा से कहलस, "देखऽ, तोहार माई आ तोहार भाई तोहरा से बात करे के चाहत बाहर खड़ा बाड़े।
48 लेकिन उ बतवला से कहलस, " हमार माई के हई?" आ हमार भाई के हवें?
49 ऊ अपना चेलन के ओर हाथ बढ़ा के कहले, " देखऽ हमार माई आ हमार भाई लोग!"
50 काहे कि जे भी हमरा स्वर्ग में बाप के इच्छा के पालन करी, उहे हमार भाई, बहिन आ माई हई।

अध्याय 13 के बा

1 ओही दिन यीशु घर से बाहर निकल के समुंदर के किनारे बइठ गइलन।
2 ओकरा लगे बहुत भीड़ जुटल रहे कि ऊ एगो जहाज में बइठ के बइठ गइलन। आ पूरा भीड़ किनारा पर खड़ा हो गइल।
3 ऊ दृष् टान् त में ओह लोग से बहुत बात कहले, " देखऽ, एगो बोवे वाला बोवे खातिर निकलल बा।
4 जब ऊ बोवाई कइले त रास्ता के किनारे कुछ बीज गिरल आ चिरई आके ओकरा के खा गइल।
5 कुछ लोग पत्थर के जगह पर गिर गइल, जहाँ ओह लोग के लगे ढेर माटी ना रहे, आ तुरंत उग उठल काहे कि ओह लोग के लगे माटी के गहिराई ना रहे।
6 जब सूरज निकलल त उ लोग झुलस गईले। आ जड़ ना होखला के चलते उ मुरझा गईले।
7 कुछ लोग काँट के बीच में गिर गइल। काँटा उग के ओह लोग के गला घोंट दिहलस।
8 लेकिन कुछ लोग बढ़िया जमीन में गिर के फल दिहलस, कुछ सौ गुना, कुछ साठ गुना, कुछ तीस गुना।
9 जेकरा सुने के कान बा, उ सुनस।
10 चेलन आके पूछले, "तू ओह लोग से दृष्टान्त में काहे बोलत बाड़ऽ?
11 ऊ जवाब दिहलन, " काहे कि तोहनी के स्वर्ग के राज्य के रहस्य के जाने के अधिकार दिहल गइल बा, बाकिर ओह लोग के ई ना दिहल गइल बा।
12 जेकरा लगे बा, ओकरा के दिहल जाई आ ओकरा लगे अउरी भरमार होई, लेकिन जेकरा लगे नइखे, ओकरा से जवन कुछ बा, ओकरा से छीन लिहल जाई।
13 एह से हम ओह लोग से दृष्टांत में कहत बानी काहे कि ऊ लोग देखत नइखे। आ सुन के ऊ लोग ना सुनेला आ ना समझेला।
14 ओह लोग में यशायाह के भविष्यवाणी पूरा हो गइल बा कि, "सुन के तू सुनबऽ आ ना समझबऽ। देख के तोहनी देखब आ ना बुझब।

15 एह लोग के दिल स्थूल हो गइल बा आ कान सुन के सुस्त हो गइल बा आ आँख बंद हो गइल बा। कहीं कहीं ऊ लोग आँख से ना देख पावे आ कान से ना सुन पावे आ मन से समझ ना पावे आ ना बदल जाव आ हम ओह लोग के ठीक कर दीं.
16 तोहार आँख धन्य बा काहे कि ऊ देखत बा आ तोहार कान सुनत बा।
17 हम तोहनी से सच कहत हईं कि बहुत भविष्यवक्ता आ धर्मी लोग जवन चीज रउआ देखत बानी ओकरा के देखे के इच्छा रखले बाड़े, लेकिन उ नईखन देखले। आ जवन बात तू सुनत बाड़ऽ, ओकरा के सुन के नइखऽ सुनले।
18 एही से तू लोग बोवे वाला के दृष्टांत सुनऽ।
19 जब केहू राज्य के वचन सुन के ओकरा के ना समझेला त दुष्ट आके अपना मन में जवन बोवल रहे ओकरा के पकड़ लेला। इहे उहे ह जेकरा रास्ता के किनारे बीज मिलल।
20 लेकिन जे बीज के पत्थर के जगह पर ले लेले बा, उहे वचन सुनेला आ खुशी से ओकरा के ग्रहण करेला।
21 तबो ऊ अपना में जड़ ना जमा लेले बा, बलुक कुछ देर खातिर टिकल बा, काहे कि जब वचन के चलते कष्ट भा सतावल जाला त ऊ त्रस्त हो जाला।
22 काँट के बीच में बीज मिलल उहे वचन सुनेला। आ एह संसार के चिंता आ धन के धोखा वचन के गला घोंट देला आ ऊ निष्फल हो जाला।
23 लेकिन जे अच्छा जमीन में बीज लेहलस उहे वचन सुन के समझेला। जवन भी फल देला आ कुछ सौ गुना, केहू साठ, कुछ तीस गुना फल देला।
24 एगो अउरी दृष्टांत उ लोग के दिहलन कि, " स्वर्ग के राज्य के तुलना ओह आदमी से कइल गइल बा जे अपना खेत में बढ़िया बीज बोवलस।
25 जबले आदमी सुतल रहले त ओकर दुश्मन आके गेहूं के बीच में खरपतवार बोव के चल गईले।
26 लेकिन जब कटार उग के फल निकलल त खरपतवार भी लउकल।
27 त घर के मालिक के नौकर आके पूछले, "महाराज, का तू अपना खेत में बढ़िया बीज ना बोअले बाड़ू?" त कहाँ से खरपतवार निकलल बा?
28 ऊ ओह लोग से कहलस, "एक दुश्मन अइसन कइले बा।" नौकर लोग ओकरा से कहलस, "त का तू चाहत बाड़ू कि हमनी के जाके ओ लोग के बटोर लेत बानी जा?"
29 लेकिन उ कहलस, "ना। कहीं जबले तू खरपतवार के बटोरबऽ तबले ओकरा साथे गेहूं के भी जड़ से ना उखाड़ऽ।
30 फसल के समय तक दुनो के एक संगे बढ़े दीं, आ कटाई के समय हम कटनी करे वाला लोग से कहब कि पहिले खरपतवार के बटोर के ओकरा के जरे खातिर गठरी में बांध लीं, लेकिन गेहूं के हमरा कोठी में बटोर लीं।
31 एगो अउरी दृष्टांत उ लोग के देले कि, " स्वर्ग के राज्य सरसों के दाना निहन बा, जवन आदमी लेके अपना खेत में बोवलस।
32 ई सब बीज में सबसे छोट बा, लेकिन जब उ बढ़ जाला त जड़ी-बूटी में सबसे बड़ हो जाला अवुरी पेड़ बन जाला, जवना से हवा के चिरई आके ओकरा डाढ़ में ठहर जाले।
33 ऊ ओह लोग से एगो अउरी दृष्टांत कहले। स्वर्ग के राज्य खमीर निहन बा, जवना के एगो महिला लेके तीन नाप के आटा में लुका के रखले रहे, जब तक कि पूरा खमीर ना हो गईल।
34 ई सब बात यीशु भीड़ से दृष्टान्त में कहले। उ बिना कवनो दृष्टान्त के उ लोग से ना बोलले।
35 ताकि भविष्यवक्ता के द्वारा कहल गइल बात पूरा होखे कि हम दृष्टांत में आपन मुँह खोलब। हम उ बात कहब जवन दुनिया के नींव से ही गुप्त रखल गईल बा।
36 तब यीशु भीड़ के भेज के घर में चल गइलन आ उनकर चेला लोग उनका लगे आके कहलन कि, "खेत के खरपतवार के दृष्टांत हमनी के बताईं।"
37 ऊ जवाब दिहलन, " नीमन बीज बोवे वाला आदमी के बेटा ह।
38 खेत दुनिया ह। नीमन बीया राज्य के संतान हवें। बाकिर खरपतवार दुष्ट के संतान ह।
39 ओह लोग के बोवे वाला दुश्मन शैतान ह। फसल दुनिया के अंत ह। आ कटनी करे वाला स्वर्गदूत हवें।
40 जइसे खरपतवार के बटोर के आग में जरा दिहल जाला। एह संसार के अंत में भी अयीसने होई।
41 मनुष्य के बेटा आपन स्वर्गदूत भेज दिहे आ उ लोग अपना राज्य से सब अपराध करे वाला आ अधर्म करे वाला के बटोर दिहे।
42 आऊ ओह लोग के आग के भट्ठी में डाल दीहें आ उहाँ विलाप आ दाँत चीरहरण होई।
43 तब धर्मी लोग अपना पिता के राज्य में सूरज निहन चमकीहे। जेकरा सुने के कान बा, उ सुने।
44 फिर से स्वर्ग के राज्य खेत में छिपल खजाना निहन बा। जवन जब आदमी मिल जाला त लुका जाला आ ओकरा खुशी से जाके आपन सब कुछ बेच के ऊ खेत खरीद लेला।
45 फिर से स्वर्ग के राज्य एगो व्यापारी निहन बा, जवन बढ़िया मोती के तलाश में बा।
46 जब एगो बहुत दाम वाला मोती मिलल त उ जाके आपन सब कुछ बेच के खरीद लिहलस।
47 फिर से स्वर्ग के राज्य एगो जाल निहन बा, जवन समुंदर में फेंकल गईल रहे अवुरी हर तरह के बटोरल गईल रहे।
48 जब ऊ लोग भर गइल त ऊ लोग किनारे खींच के बइठ गइल आ बढ़िया के बर्तन में बटोर दिहल बाकिर खराब के फेंक दिहल.
49 दुनिया के अंत में भी अईसने होई, स्वर्गदूत निकल के दुष्ट लोग के धर्मी लोग के बीच से अलग करीहे।
50 आऊ ओह लोग के आग के भट्ठी में फेंक दीहें, उहाँ विलाप आ दाँत चीरहरण होई।
51 यीशु उनकरा से पूछले, " का रउवां इ सब बात समझले बानी? उ लोग ओकरा से कहलस कि हँ, प्रभु।
52 तब उ लोग से कहलन, "एह से हर शास्त्री जेकरा के स्वर्ग के राज्य के शिक्षा दिहल जाला, उ घर के मालिक निहन बा, जवन अपना खजाना से नया-पुरान चीज निकालेला।
53 जब यीशु ई दृष्टान्त पूरा कइलन त उहाँ से चल गइलन।
54 जब ऊ अपना देश में अइले त ओह लोग के आराधनालय में सिखावत रहले कि ऊ लोग अचरज में पड़ गइलन आ कहलन कि एह आदमी के ई बुद्धि आ ई पराक्रम कहाँ से मिलल बा?
55 का ई बढ़ई के बेटा ना ह? का ओकर माई मरियम ना कहल जाला? आ उनकर भाई याकूब, यूसुस, शमौन आ यहूदा?
56 आउर उनकर बहिन लोग, का उ सब हमनी के साथे नईखन? त ई सब बात कहाँ से मिलल बा?

57 उ लोग ओकरा से नाराज हो गईले। लेकिन यीशु उनसे कहलन, " भविष्यवक्ता के इज्जत ना होला, सिवाय अपना देश आ अपना घर के।
58 उ लोग के अविश्वास के चलते उहाँ बहुत पराक्रम ना कईले।

अध्याय 14 के बा

1 ओही घरी हेरोदेस राज्यपाल यीशु के प्रसिद्धि के बारे में सुनले।
2 उ अपना सेवकन से कहलस, "ई यूहन्ना बपतिस्मा देवे वाला हउवें। ऊ मुवलन में से जी उठल बा। आ एही से ओकरा में पराक्रम के काम लउकेला।
3 काहेकि हेरोदेस अपना भाई फिलिप के मेहरारू हेरोदिया के खातिर यूहन्ना के पकड़ के ओकरा के बान्ह के जेल में डाल देले रहले।
4 काहेकि यूहन्ना ओकरा से कहलन कि, "तोहरा ओकरा के रखल जायज नइखे।"
5 जब उ ओकरा के मारे के चाहत रहले त उ भीड़ से डेरा गईले, काहेकी उ लोग उनुका के भविष्यवक्ता मानत रहले।
6 जब हेरोदेस के जनमदिन मनावल गईल त हेरोदिया के बेटी ओ लोग के सामने नाच के हेरोदेस के खुश कईली।
7 ओकरा बाद ऊ कसम खा के वादा कइलन कि ऊ जवन कुछ माँगसु ऊ दे दीहें.
8 उ अपना महतारी से पहिले से निर्देश मिल के कहली, "हमरा के इहाँ यूहन्ना बपतिस्मा देवे वाला के सिर एगो चार्जर में दे द।"
9 राजा के पछतावा भईल, लेकिन शपथ अवुरी उनुका संगे खाना खाए वाला लोग के चलते उ ओकरा के देवे के आदेश देले।
10 ऊ जेल में यूहन्ना के सिर काट के भेज दिहलन।
11 ओकर माथा एगो बर्तन में ले आवल गइल आ लइकी के दिहल गइल आ ऊ ओकरा के अपना महतारी के लगे ले अइली।
12 उनकर चेला लोग आके लाश लेके गाड़ के यीशु के बतवले|
13 जब यीशु ई बात सुनले त उहाँ से जहाज से अलग-अलग रेगिस्तान में चल गईले अवुरी लोग एकरा के सुन के शहर से पैदल चल के उनुका पीछे-पीछे चल गईले।
14 यीशु निकल के बहुत भीड़ के देखले आ उनकरा पर दया आ गइल आ उनकर बेमार लोग के ठीक कर दिहलन।
15 जब साँझ हो गइल त उनकर चेलन उनकरा लगे अइले आ कहलन, "ई एगो रेगिस्तान ह आ अब समय बीत गइल बा। भीड़ के भेज दीं ताकि उ लोग गाँव में जाके आपन खाना खरीद सके।
16 लेकिन यीशु ओनसे कहलन, " उनका के जाए के जरूरत नइखे। तूँ ओह लोग के खाए खातिर दे दऽ।
17 उ लोग ओकरा से कहलस कि, "हमनी के लगे पांच रोटी अवुरी दु मछरी बा।"
18 ऊ कहलन, "ओकनी के हमरा लगे ले आवऽ."
19 ऊ भीड़ के घास पर बइठे के आदेश दिहलन आ पांच गो रोटी आ दू गो मछरी लेके आकाश के ओर देखत आशीष दिहलन आ तोड़ के रोटी के अपना चेलन के आ चेलन के भीड़ के दे दिहलन .
20 उ सब खा के पेट भर गईले अवुरी जवन टुकड़ा बचल रहे ओकरा में से बारह टोकरी भर गईले।
21 जे लोग खाना खइले रहे, उ मेहरारू आ लइका-लइकी के छोड़ के लगभग पांच हजार मरद रहले।
22 यीशु तुरते अपना चेलन के एगो नाव में चढ़े आ ओकरा से आगे निकले खातिर मजबूर कर दिहलन, जबकि ऊ भीड़ के भेज दिहलन।
23 जब ऊ भीड़ के भेज दिहलन त ऊ अलगा से एगो पहाड़ पर प्रार्थना करे चल गइलन आ जब साँझ हो गइल त ऊ अकेले ओहिजा रह गइलन.
24 लेकिन जहाज अब समुंदर के बीच में लहर से उड़त रहे, काहे कि हवा उल्टा रहे।
25 रात के चउथा पहरा में यीशु समुंदर पर चलत ओह लोग के लगे चल गइलन।
26 चेलन जब ओकरा के समुंदर पर चलत देखले त ऊ लोग घबरा गइलन आ कहलन कि ई एगो आत्मा ह। आ ऊ लोग डर से चिल्लात रहे।
27 यीसु तुरते ओनसे कहलन, " हैर हो जाऽ। ई हम हईं; डेराए के ना होखे।
28 पतरस जवाब दिहलन, "हे प्रभु, अगर तू हईं त हमरा के पानी पर तोहरा लगे आवे के कह दीं।"
29 ऊ कहलन, " आ जा।" पतरस जहाज से उतर के पानी पर चल के यीशु के लगे चल गईले|
30 जब उ हवा के उधम मचत देखले त उ डेरा गईले। आ डूबे लागल आ ऊ चिल्ला के कहलस, "प्रभु, हमरा के बचा लीं."
31 तुरते यीशु आपन हाथ बढ़ा के ओकरा के पकड़ के कहलन, " हे कम विश्वास वाला, तू काहे संदेह करत रहलू?
32 जब उ लोग जहाज में चढ़ले त हवा रुक गईल।
33 जहाज में सवार लोग आके उनकर आराधना कइल आ कहलस, "तू साँचहू परमेस् वर के बेटा हउअ।"
34 जब उ लोग ओहि पार चल गईले त उ लोग गनेसरेत के देश में पहुंच गईले।
35 जब ओह जगह के लोग के उनकर जानकारी मिलल त उ लोग आसपास के पूरा देश में भेज के सब बेमार लोग के उनकरा लगे ले अइले।
36 ओकरा से निहोरा कइलन कि ऊ लोग खाली उनकर कपड़ा के किनारा के छूवे, आ जे भी छूवेला, ऊ पूरा तरह से ठीक हो गइल।

अध्याय 15 के बा

1 तब यरूशलेम के शास्त्री आऊ फरीसी लोग यीशु के लगे आके कहलन|
2 तोहार चेलन बुज़ुर्गन के परंपरा के उल्लंघन काहे करेलन? काहेकि उ लोग रोटी खात घरी हाथ ना धोवेले।
3 लेकिन उ उनकरा से कहलस, " तू लोग भी आपन परंपरा से परमेश्वर के आज्ञा के उल्लंघन काहे करत बाड़ू?
4 काहेकि परमेश्वर आज्ञा देले कि, "अपना बाप-माई के आदर करऽ, आउर जे बाप-माई के गारी देत बा, उ मौत के मर जाए।"
5 लेकिन तू लोग कहत बाड़ू कि जे केहू अपना बाप भा माई से कहत बा कि, 'ई वरदान ह, जवना से तोहरा हमरा से फायदा हो सकेला।
6 आ ओकरा बाप भा माई के आदर मत करीं, ऊ आज़ाद हो जाई। एह तरह से रउआ अपना परंपरा से परमेश्वर के आज्ञा के बेकार कर देले बानी।
7 हे पाखंडी लोग, यशायाह तोहनी के बारे में बढ़िया से भविष्यवाणी कइले कि

8 ई लोग अपना मुँह से हमरा लगे आवेला आ अपना होठ से हमरा के आदर करेला। बाकिर उनकर दिल हमरा से दूर बा।
9 लेकिन उ लोग बेकार में हमार आराधना करेला, आ आदमी के आज्ञा के शिक्षा खातिर सिखावेला।
10 ऊ भीड़ के बोला के कहलन, " सुनऽ आ समझऽ।
11 जवन मुँह में जाला उ आदमी के अशुद्ध ना करेला। लेकिन जवन मुँह से निकलेला, उ आदमी के अशुद्ध करेला।
12 तब उनकर चेलन आके उनकरा से कहलन, "का तू जानत बाड़ऽ कि फरीसियन के ई बात सुनला के बाद कवनो नाराजगी हो गइल बा?"
13 लेकिन उ जवाब देले, " हमार स्वर्गीय पिता जवन पौधा ना लगवले बाड़े, उ जड़ से उखाड़ल जाई।"
14 उ लोग के छोड़ दीं, उ लोग आन्हर के आन्हर नेता होखस। आ आन्हर आन्हर के अगुवाई करत त दुनु खाई में गिर जइहें.
15 पतरस जवाब दिहलन, "ई दृष्टान्त हमनी के बताईं।"
16 यीशु कहलन, " का तू लोग भी अबहीं ले समझ में नइखे आवत?
17 का तोहनी के अभी तक इ नईखी समझत कि जवन भी मुंह में घुसेला उ पेट में जाके बहाव में फेंक दिहल जाला?
18 लेकिन जवन बात मुँह से निकलेला उ दिल से निकलेला। आ ऊ लोग ओह आदमी के अशुद्ध कर देला।
19 काहेकि दिल से बुरा विचार, हत्या, व्यभिचार, व्यभिचार, चोरी, झूठा गवाही, निंदा निकलेला।
20 इहे चीज आदमी के अशुद्ध करेला, लेकिन बिना धोवल हाथ से खाना आदमी के अशुद्ध ना करेला।
21 तब यीशु ओहिजा से जाके सोर आ सीदोन के किनारे चल गइलन।
22 देख, ओही इलाका से कनान के एगो मेहरारू ओकरा से चिल्ला के कहलस, "हे प्रभु, हे दाऊद के बेटा, हमरा पर दया करऽ। हमार बेटी एगो शैतान से बहुते परेशान बिया।
23 लेकिन उ ओकरा के एक शब्द के जवाब ना देले। उनकर चेला लोग आके उनकरा से निहोरा कइलन कि, "उनका के भेज दऽ। काहे कि ऊ हमनी के पीछे-पीछे चिल्लात बाड़ी।
24 लेकिन उ जवाब देले, " हम इस्राएल के घराना के हेराइल भेड़ के ओर ना भेजल गईल बानी।"
25 तब ऊ आके उनकर आराधना कइली आ कहली, "प्रभु, हमार मदद करऽ!"
26 लेकिन उ जवाब देले कि, लईकन के रोटी लेके कुकुरन के सोझा फेंकल उचित नईखे।
27 ऊ कहली, "साँच हे प्रभु, तबहूँ कुकुर अपना मालिकन के मेज से गिरल टुकड़न के खाला."
28 तब यीशु ओकरा से कहलन, " हे औरत, तोहार विश्वास बहुत बड़ बा। आ ओकर बेटी ठीक ओही घड़ी से ठीक हो गइल।
29 यीशु ओहिजा से निकल के गलील के समुंदर के नजदीक आ गईले। ऊ एगो पहाड़ पर चढ़ के ओहिजा बइठ गइलन.
30 बहुत भीड़ ओकरा लगे लंगड़ा, आन्हर, गूंगा, अपंग आ अउरी बहुत लोग के साथे आके यीशु के गोड़ में गिरा दिहलस। आ ऊ ओह लोग के ठीक कर दिहलन.
31 गूंगा लोग के बोलत देख के भीड़ अचरज में पड़ गइल, अपंग लोग के ठीक हो गइल, लंगड़ा के चलल आ आन्हर लोग के देख के देख के अचरज में पड़ गइल आ उ लोग इस्राएल के परमेश्वर के महिमा कइल।
32 तब यीशु अपना चेलन के बोला के कहलन, " हमरा भीड़ पर दया आवत बा, काहे कि उ लोग हमरा साथे तीन दिन से बा आ कुछुओ खाए के नइखे।
33 उनकर चेलन उनकरा से पूछले, "हमनी के जंगल में एतना रोटी कहाँ से मिले के चाहीं कि एतना भीड़ के भरपाई हो सके?"
34 यीशु उनसे पूछले, " तोहरा लगे केतना रोटी बा? उ लोग कहलस, "सात आ कुछ छोट मछरी।"
35 उ भीड़ के जमीन प बईठे के आदेश देले।
36 ऊ सात गो रोटी आ मछरी लेके धन्यवाद दिहलन आ ओकरा के तोड़ के अपना चेलन के आ चेला लोग के भीड़ के दे दिहलन.
37 उ सब खा के पेट भर गईले अवुरी जवन टूटल-फूटल मांस बचल रहे, ओकरा में से सात टोकरी भर गईले।
38 खाए वाला मेहरारू आ लइका-लइकी के छोड़ के चार हजार मरद रहले।
39 ऊ भीड़ के भेज के जहाज पर चढ़ के मगदला के इलाका में चल गइलन।

अध्याय 16 के बा

1 फरीसी लोग भी सदुकी लोग के साथे आके उनकरा से परीक्षा में निहोरा कईले कि उ लोग के स्वर्ग से एगो चमत्कार देखावे|
2 ऊ जवाब दिहलन, " जब साँझ हो जाई त तू लोग कहत बाड़ऽ कि, 'सुन्दर मौसम होई, काहे कि आसमान लाल हो गइल बा।"
3 आ सबेरे, "आज खराब मौसम होई, काहे कि आसमान लाल आ उड़त बा। हे पाखंडी लोग, आकाश के चेहरा के भेद कर सकेनी। लेकिन का रउवां समय के निशानी के भेद नईखी कर सकत?
4 दुष्ट आ व्यभिचारी पीढ़ी कवनो चमत्कार के खोज करेले। आ ओकरा के कवनो निशानी ना दिहल जाई, सिवाय योना भविष्यवक्ता के निशानी के। आ ऊ ओह लोग के छोड़ के चल गइलन.
5 जब उनकर चेला लोग ओह पार पहुंचले त उ लोग रोटी लेवे के भूल गईल रहले।
6 तब यीशु उनकरा से कहलन, " फरीसियन आ सदुकी लोग के खमीर से सावधान रहऽ आ सावधान रहऽ।
7 उ लोग आपस में बतकही करत कहले, "हमनी के रोटी ना लेहला के चलते इ बा।"
8 जब यीशु ई बात के पता चलल त उ लोग से कहलन, " हे कम विश्वास वाला लोग, आप लोग आपस में काहे तर्क कर रहल बानी काहे कि तू लोग रोटी ना लेके आइल बाड़ू?
9 का तू लोग अभी तक नईखी समझत, ना ही पांच हजार में से पांच रोटी अवुरी केतना टोकरी उठा लेले रहनी?
10 चार हजार में से सात गो रोटी आ केतना टोकरी लेके चलल?
11 ई कइसे ना बुझाइल कि हम तोहनी से रोटी के बारे में ई बात ना कहनी कि फरीसियन आ सदुकी लोग के खमीर से सावधान रहब?
12 तब उ लोग समझ गईले कि उ उ लोग के रोटी के खमीर से सावधान ना रहे, बालुक फरीसियन अवुरी सदुकी लोग के शिक्षा से सावधान रहे के कहले।
13 जब यीशु कैसरिया फिलिप्पी के इलाका में अइले त उ अपना चेलन से पूछले, " लोग के कहत बा कि हम आदमी के बेटा के हईं?"

14 उ लोग कहलस कि कुछ लोग कहत बा कि तू यूहन्ना बपतिस्मा देवे वाला हउअ। आ कुछ लोग यिर्मयाह भा कवनो भविष्यवक्ता लोग के नाम ह।
15 ऊ ओह लोग से पूछले, " तू लोग हम के कहत बानी?"
16 शमौन पतरस जवाब दिहलन, "तू मसीह, जिंदा परमेश्वर के बेटा हउअ।"
17 यीशु जवाब दिहलन, " शमौन बरजोना, तू धन्य हउअ, काहेकि तोहरा के खून-खून ना, बलुक हमार स्वर्ग में बाप के प्रगट कइले बा।
18 हम तोहरा से इहो कहत बानी कि तू पतरस हउअ आ एह चट्टान पर हम आपन कलीसिया बनाइब। आ नरक के फाटक ओकरा पर हावी ना होई।
19 हम तोहरा के स्वर्ग के राज्य के चाभी देब, आ जवन कुछ तू धरती पर बान्हब ओकरा के स्वर्ग में बान्हल जाई, आ जवन कुछ तू धरती पर खोलब ऊ स्वर्ग में ढीला हो जाई।
20 तब ऊ अपना चेलन से आज्ञा दिहलन कि ऊ लोग केहू के ई ना बतावे कि ऊ यीशु मसीह हउवें.
21 तब से यीशु अपना चेलन के बतावे लगलन कि ऊ यरूशलेम जाके बुजुर्ग आ मुख्य याजक आ शास्त्री लोग के बहुत दुख उठावे के पड़ी आ तीसरा दिन मार दिहल जाई आ जिन्दा हो जाई।
22 पतरस ओकरा के लेके डांटत कहले, "हे प्रभु, तोहरा से दूर रहऽ, तोहरा खातिर ई ना होई।"
23 लेकिन उ मुड़ के पतरस से कहलस, " हे शैतान, तू हमरा पीछे हट जा, तू हमरा खातिर अपराध बा, काहेकि तू भगवान के बात के स्वाद ना लेत बाड़ू, बल्कि आदमी के चीज के स्वाद लेत बाड़ू।
24 तब यीशु अपना चेलन से कहलन, " जदि केहू हमरा पीछे आवे के चाहत बा त उ अपना के नकार देवे आ आपन क्रूस उठा के हमरा पीछे चले।"
25 काहे कि जे आपन जान बचाई, उ ओकरा के गंवा दिही, आ जे हमरा खातिर आपन जान गँवावेला, उ ओकरा के पाई।
26 अगर आदमी के पूरा दुनिया के फायदा हो जाई आ आपन जान गँवा दिहल जाव त ओकरा का फायदा? या आदमी अपना प्राण के बदला में का दिही?
27 काहेकि मनुष्य के बेटा अपना पिता के महिमा में अपना स्वर्गदूतन के साथे अइहें। आ तब ऊ हर आदमी के अपना काम के हिसाब से इनाम दिही।
28 हम तोहनी से सच कहत हई कि इहाँ कुछ लोग खड़ा बा, जब तक उ लोग आदमी के बेटा के अपना राज्य में ना आवत देखाई, तब तक मौत के स्वाद ना चखी।

अध्याय 17 के बा

1 छह दिन बाद यीशु पतरस, याकूब आ उनकर भाई यूहन्ना के लेके अलग-अलग एगो ऊँच पहाड़ पर ले गइलन।
2 उनकरा सामने उनकर रूप बदल गइल आ उनकर चेहरा सूरज नियर चमकल आ उनकर कपड़ा रोशनी नियर उज्जर हो गइल।
3 मूसा आ एलियाह उनकरा से बात करत प्रकट भइले।
4 पतरस जवाब दिहलन आ यीशु से कहलन, "हे प्रभु, हमनी के इहाँ रहला से अच्छा बा। एगो तोहरा खातिर, एगो मूसा खातिर, आ एगो एलियास खातिर।
5 जब ऊ बोलत रहले त देख, एगो चमकदार बादल ओह लोग पर छा गइल, आ बादल से एगो आवाज निकलल जवन कहलस, "ई हमार प्रिय बेटा हउवें, जेकरा से हम बहुत खुश बानी। तू लोग ओकर बात सुनऽ।
6 चेलन के ई बात सुन के ऊ लोग मुँह पर गिर गइलन आ बहुत डेरा गइलन।
7 यीशु आके ओह लोग के छू के कहलन, " उठऽ आ मत डेराहऽ."
8 उ लोग आँख उठा के खाली यीशु के छोड़ के केहू के ना देखले।
9 जब उ लोग पहाड़ से उतरत रहले, त यीशु उ लोग के आदेश देले कि, जब तक आदमी के बेटा मुवलन में से ना जिंदा ना हो जाई, तब तक इ दर्शन केहु के मत बताई।
10 उनकर चेलन उनकरा से पूछले, "तब शास्त्री लोग काहे कहत बा कि पहिले एलियाह के आवे के चाहीं?
11 यीशु जवाब दिहलन, " सचहूँ एलियाह सबसे पहिले आके सब कुछ ठीक कर दिहे।"
12 लेकिन हम तोहनी से कहत हई कि एलियास पहिलही से आ गईल बाड़े, लेकिन उ लोग उनुका के ना जानत रहले, लेकिन उनुका संगे जवन मन करे उहे कईले बाड़े। ओइसहीं मनुष्य के बेटा भी ओह लोग के कष्ट उठाई।
13 तब चेलन समझ गईले कि उ यूहन्ना बपतिस्मा देवे वाला के बारे में उनकरा से बात करत रहले।
14 जब उ लोग भीड़ के लगे पहुंचले त एगो आदमी उनुका लगे घुटना टेक के कहलस।
15 प्रभु, हमरा बेटा पर दया करऽ, काहे कि ऊ पागल बा आ बहुते परेशान बा, काहे कि ऊ अक्सर आग में आ बार-बार पानी में गिर जाला।
16 हम ओकरा के तोहरा चेलन के लगे ले अइनी, लेकिन उ लोग ओकरा के ठीक ना कर पवलस।
17 तब यीशु जवाब दिहलन, " हे अविश्वास आ विकृत पीढ़ी, हम कब तक तोहरा साथे रहब? हम कब तक तोहरा के सहन करब? ओकरा के इहाँ हमरा लगे ले आवऽ।
18 यीशु शैतान के डांटले। ऊ ओकरा से निकल गइलन आ ओही घड़ी से लइका ठीक हो गइल।
19 तब चेला लोग अलग-अलग यीशु के लगे आके पूछले, "हम ओकरा के काहे ना निकाल पवनी?
20 यीशु ओह लोग से कहलन, "तोहरा अविश्वास के चलते हम तोहनी से सच कहत बानी कि अगर तोहनी के सरसों के दाना निहन विश्वास बा त तू लोग एह पहाड़ से कहब कि, इहाँ से हट जा। आ ऊ हट जाई; आ तोहनी खातिर कुछुओ असंभव ना होई।
21 बाकिर ई तरह के प्रार्थना आ उपवास से बाहर ना निकलेला।
22 जब उ लोग गलील में रहत रहले त यीशु उ लोग से कहले, " मनुष्य के बेटा के आदमी के हाथ में सौंप दिहल जाई।
23 ऊ लोग ओकरा के मार दी आ तीसरा दिन ओकरा के जिंदा हो जाई। आ ऊ लोग बेहद पछतावत रहे।
24 जब उ लोग कफरनहूम पहुंचले त कर लेवे वाला लोग पतरस के लगे आके पूछले, "का तोहार मालिक कर ना देवेले?"
25 उ कहलस, हँ। जब उ घर में अईले त यीशु ओकरा के रोक के कहले, " शमौन, तोहार का विचार बा? धरती के राजा केकरा से रीति-रिवाज भा कर लेत बाड़े? अपना लइकन के, कि अनजान लोग के?

26 पतरस ओकरा से कहलन, "परदेशी लोग के ह।" यीशु ओकरा से कहलन, "तब लइका-लइकी आजाद हो गइल बाड़े।"
27 एकरा बावजूद, कहीं हमनी के ओह लोग के ठेस ना पहुँचाईं, त तू समुंदर में जाके हुक डाल के जवन मछरी पहिले ऊपर आवेले ओकरा के उठा लीं। जब तू ओकर मुँह खोलबऽ त तोहरा पइसा के टुकड़ा मिल जाई, जवन ले के हमरा आ तोहरा खातिर ओह लोग के दे दीं।

अध्याय 18 के बा

1 ओही समय चेला लोग यीशु के लगे अइले आ पूछले, "स्वर्ग के राज्य में के सबसे बड़ बा?
2 यीशु एगो छोट लइका के अपना लगे बोलवले आ ओकरा के ओह लोग के बीच में बइठा दिहले।
3 ऊ कहलन, " हम तोहनी से सच कहत बानी कि जबले तू लोग ना बदलब आ छोट लइका निहन ना होखब, तब तक तू लोग स्वर्ग के राज्य में ना जाईब।"
4 एह से जे भी एह लइका नियर नम्र हो जाला, उहे स्वर्ग के राज्य में सबसे बड़ होला।
5 जे हमरा नाम से अइसने एगो छोट बच्चा के ग्रहण करी, उ हमरा के ग्रहण करी।
6 लेकिन जे हमरा पर बिसवास करे वाला एह छोट-छोट लइका में से कवनो एक के ठेस पहुँचावे, ओकरा खातिर बेहतर होई कि ओकरा गर्दन में चक्की के पत्थर लटकावल जाव आ ओकरा के समुंदर के गहिराई में डूबा दिहल जाव।
7 अपराध के चलते दुनिया के हाय! काहे कि ई जरूरी बा कि अपराध आवे; बाकिर धिक्कार बा कि ऊ आदमी जेकरा से अपराध होला!
8 एह से अगर तोहार हाथ भा गोड़ तोहरा के ठेस पहुँचावेला त ओकरा के काट के फेंक दीं, तोहरा खातिर दू हाथ भा दू गो गोड़ अनन्त आग में फेंके से बेहतर बा कि रुक के भा अपंग होके जीवन में प्रवेश करीं।
9 अगर तोहार आँख तोहरा के दोष देत बा त ओकरा के उखाड़ के फेंक दीं, एकरा से बढ़िया बा कि तोहरा एक आँख से जीवन में प्रवेश करीं, ना कि नरक के आग में दुगो आँख होखे।
10 एह बात के ध्यान राखीं कि तू लोग एह छोट-छोट लइकन में से कवनो के तिरस्कार मत करीं। काहेकि हम तोहनी से कहत हई कि स्वर्ग में उनकर स्वर्गदूत हमेशा हमरा स्वर्ग में रहल पिता के चेहरा देखत रहेले।
11 काहेकि मनुष्य के बेटा जे हेराइल रहे ओकरा के बचावे खातिर आइल बा।
12 तू लोग कइसे सोचत बाड़ऽ? अगर केहू के लगे सौ भेड़ होखे आ ओहमें से एगो भटक गइल होखे त ऊ उननबे के छोड़ के पहाड़ पर जाके भटकल चीज के खोज ना करी?
13 अगर उ ओकरा के पावेला त हम तोहनी से सच कहत बानी कि उ उननब्बे भेड़ से जादे खुश होता जवन कि भटकल ना रहे।
14 एही तरे तोहनी के स्वर्ग में बाप के इ इच्छा नइखे कि एह छोट-छोट लइका में से कवनो एक के नाश हो जाव।
15 एकरा अलावा अगर तोहार भाई तोहरा खिलाफ अपराध करे त जाके ओकरा के तोहरा आ ओकरा बीच में ओकर गलती बताईं, अगर उ तोहार बात सुनत बा त तू अपना भाई के पा लेले बाड़ू।
16 लेकिन अगर उ तोहार बात ना सुनाई त अपना संगे एक-दुगो अवुरी ले जा, ताकि दु-तीन गवाह के मुंह से हर बात के पुष्टि हो सके।
17 अगर उ ओह लोग के बात सुने में कोताही करेला त कलीसिया के बताईं, लेकिन अगर उ कलीसिया के बात सुने में कोताही करेला त उ तोहरा खातिर एगो गैर-यहूदी आ करदाता निहन होखे।
18 हम तोहनी से सच कहत हई कि धरती पर जवन कुछ बान्हबऽ ऊ स्वर्ग में बान्हल जाई आ धरती पर जवन कुछ खोलबऽ ऊ स्वर्ग में ढीला हो जाई।
19 हम तोहनी से फेरु से कहत हई कि अगर तोहनी में से दू गो धरती पर कवनो बात के बारे में सहमत होखस जवन उ लोग माँगेला, त उ हमार स्वर्ग में रहल पिता के ओर से उ लोग के काम होई।
20 काहे कि जहाँ दू-तीन गो हमरा नाम से जुटल बाड़े, उहाँ हम ओह लोग के बीच में बानी।
21 पतरस ओकरा लगे आके कहलन, "हे प्रभु, हमार भाई हमरा पर कतना बेर पाप करी आ हम ओकरा के माफ कर देब? सात बेर तक के बा?
22 यीशु ओकरा से कहले, " हम तोहरा से सात बेर तक नईखी कहत, लेकिन सत्तर बार सात बेर तक कहत बानी।"
23 एही से स्वर्ग के राज्य के तुलना कवनो राजा से कइल गइल बा जवन अपना नौकरन के हिसाब लेत रहे।
24 जब उ हिसाब-किताब करे लगले त ओकरा लगे एगो आदमी के ले आवल गईल, जवना प दस हजार टोला के कर्जा रहे।
25 लेकिन जबसे ओकरा पईसा ना देवे के रहे, एहसे ओकर मालिक उनुका के अवुरी उनुकर पत्नी अवुरी बच्चा अवुरी उनुका लगे जवन कुछ रहे, ओकरा के बेच के पईसा देवे के आदेश देले।
26 उ नौकर गिर के उनकर आराधना कइलस आ कहलस, "प्रभु, हमरा साथे धैर्य राखऽ, हम तोहरा के सब कुछ चुका देब।"
27 तब ओह नौकर के मालिक के करुणा हो गइल आ ऊ ओकरा के ढीला कर दिहलन आ ओकर कर्जा माफ कर दिहलन.
28 लेकिन उहे नौकर निकल के एगो साथी नौकर के मिलल, जवना के सौ पेंस के कर्जा रहे, त उ ओकरा प हाथ डाल के ओकरा गला से पकड़ के कहलस कि, "हमरा जवन बकाया बा, उ हमरा के पईसा दिही।"
29 उनकर साथी नौकर उनकरा गोड़ पर गिर के उनकरा से निहोरा कइलस, "हमरा से धैर्य राखऽ, हम तोहरा सब के भुगतान कर देब।"
30 उ ना मनले, लेकिन जाके ओकरा के जेल में डाल दिहलस, जब तक कि उ कर्जा ना चुकावे।
31 जब उनकर साथी नौकर लोग बहुत दुखी होके अपना मालिक के सब कुछ बतवले|
32 तब ओकर मालिक ओकरा के बोलवला के बाद ओकरा से कहलस कि, हे दुष्ट सेवक, हम तोहरा के उ सब कर्जा माफ क देले बानी, काहेकी तू हमरा से चाहत रहलू।
33 का तोहरा भी अपना साथी दास पर दया ना करे के चाहत रहे, जइसे हम तोहरा पर दया करत रहनी?
34 ओकर मालिक क्रोधित होके ओकरा के सतावे वाला लोग के हाथ में सौंप दिहलस, जब तक कि ओकरा के जवन कुछ बकाया रहे, ओकरा के ना चुका दिहलस।

35 अइसहीं हमार स्वर्गीय पिता भी तोहनी के साथे करीहे, अगर रउआ सभे अपना भाई के आपन अपराध के मन से माफ ना करब।

अध्याय 19 के बा

1 जब ईसा ई बात पूरा कइलन त ऊ गलील से निकल के यरदन के ओह पार यहूदिया के इलाका में चल गइलन।
2 बहुत भीड़ उनकरा पीछे-पीछे चलल। आ उहाँ उ लोग के ठीक कर दिहलन।
3 फरीसियन भी उनकरा के परीक्षा में आके पूछले, "का आदमी के हर कारण से आपन मेहरारू के छोड़ल जायज बा?"
4 ऊ जवाब दिहलन, " का तू लोग नइखऽ पढ़ले कि जे शुरू में एह लोग के बनवले रहे, ऊ ओह लोग के नर-मारी बनवले रहे।
5 ऊ कहलस, "एही से आदमी बाप-माई के छोड़ के अपना मेहरारू से चिपक जाई आ दुनु एक शरीर हो जइहें?"
6 एही से अब उ लोग दुगो ना होके एक शरीर हो गईले। एही से जवन भगवान एक संगे जोड़ले बाड़े, ओकरा के आदमी अलग मत करे।
7 उ लोग ओकरा से पूछले, "तब मूसा काहे आज्ञा दिहलन कि तलाक के पत्र देके ओकरा के छोड़ दिहल जाव?
8 उ ओह लोग से कहलस, " तोहनी के दिल के कठोरता के चलते मूसा तोहनी के आपन मेहरारू के छोड़े के अनुमति देले रहले, लेकिन शुरू से अयीसन ना रहे।
9 हम तोहनी से कहत हई कि जे केहू अपना मेहरारू के छोड़ के व्यभिचार के चलते दोसरा से बियाह करी, उ व्यभिचार करी, आ जे ओकरा से बियाह करी, उ व्यभिचार करी।
10 उनकर चेला लोग उनकरा से कहलन, "जदि आदमी के मामला उनकर मेहरारू के साथे अइसन होखे त बियाह कइल ठीक नइखे।"
11 लेकिन उ ओ लोग से कहलस, " ई बात के सब लोग के ग्रहण नईखे कईल जा सकत, सिवाय उ लोग के जेकरा के इ बात दिहल गईल बा।
12 कुछ नपुंसक भी बाड़े, जवन कि अपना महतारी के पेट से अयीसन पैदा भईल बाड़े अवुरी कुछ नपुंसक बाड़े, जवन कि आदमी के नपुंसक बनवले बाड़े, अवुरी कुछ नपुंसक बाड़े, जवन कि स्वर्ग के राज्य खाती खुद के नपुंसक बना लेले बाड़े। जे एकरा के पावे में सक्षम बा, उ ओकरा के ग्रहण करे।
13 तब उनकरा लगे छोट-छोट लइका ले आवल गइलन कि ऊ ओह लोग पर हाथ डाल के प्रार्थना करस।
14 लेकिन यीशु कहले, " बच्चन के हमरा लगे आवे से मना दीं, काहेकि स्वर्ग के राज्य अइसने लोग के ह।"
15 ऊ ओह लोग पर हाथ रख के उहाँ से चल गइलन।
16 एक आदमी आके पूछलस, "गुरु जी, हम कवन अच्छा काम करब ताकि हमरा अनन्त जीवन मिल सके?
17 उ ओकरा से कहलस, " तू हमरा के अच्छा काहे कहत बाड़ू? एक आदमी के अलावा केहू अच्छा नइखे, माने कि परमेश्वर, लेकिन अगर तू जीवन में प्रवेश करे के चाहत बाड़ू त आज्ञा के पालन करीं।
18 उ ओकरा से पूछले, "कवन? ईसा कहले, तू हत्या मत करऽ, व्यभिचार मत करऽ, चोरी मत करऽ, झूठा गवाही मत देबऽ।
19 अपना बाप-माई के आदर करीं, आ अपना पड़ोसी से अपना जइसन प्यार करीं।
20 युवक ओकरा से कहलस, "हम जवानी से ही इ सब बात रखले बानी।
21 यीशु ओकरा से कहले, " अगर तू सिद्ध होखे के चाहत बाड़ू त जाके जवन बा ओकरा के बेच के गरीबन के दे दीं, त तोहरा स्वर्ग में खजाना हो जाई।
22 जब उ युवक इ बात सुन के दुखी होके चल गईल, काहेकी ओकरा लगे बहुत संपत्ति रहे।
23 तब यीशु अपना चेलन से कहलन, " हम तोहनी से सच कहत हई कि अमीर आदमी के स्वर्ग के राज्य में प्रवेश मुश्किल से होई।"
24 हम तोहनी से फिर से कहत बानी कि ऊंट के सुई के आँख से गुजरल आसान बा, ना कि अमीर के परमेश्वर के राज्य में घुसल।
25 जब उनकर चेला लोग ई बात सुन के बहुत अचरज में पड़ गइलन आ कहलन कि, "तब केकरा के उद्धार हो सकेला?"
26 लेकिन यीशु ओह लोग के देख के कहलन, " मनुष्य खातिर ई असंभव बा। लेकिन भगवान के पास सब कुछ संभव बा।
27 पतरस जवाब दिहलन, "देखऽ, हमनी के सब कुछ छोड़ के तोहरा पीछे चल गइल बानी जा। एहसे हमनी के का होई?
28 यीशु ओह लोग से कहलन, " हम तोहनी से सच कहत हई कि तू लोग जे हमरा पीछे चलल बाड़ऽ, जब मनुष्य के बेटा अपना महिमा के सिंहासन पर बइठी, तोहनी भी बारह गो सिंहासन पर बइठ के बारह गो गोत्र के न्याय करबऽ इजरायल के ह।
29 जे भी हमरा नाम खातिर घर, भाई, बहिन, बाप, माई, मेहरारू, बच्चा, भा जमीन छोड़ देले बा, ओकरा सौ गुना मिल जाई आ ओकरा अनन्त जीवन के विरासत मिल जाई।
30 लेकिन बहुत लोग जे पहिले बाड़े, उ बाद में होईहे। आ आखिरी लोग पहिला होखी.

अध्याय 20 के बा

1 काहेकि स्वर्ग के राज्य एगो घर के मालिक निहन बा, जवन कि सबेरे-सबेरे निकल के अपना अंगूर के बगइचा में मजदूर के काम प राखे खाती निकलल रहे।
2 जब उ मजदूरन से रोज एक पइसा देवे के सहमति बनवले त उ लोग के अपना अंगूर के बगइचा में भेज देले।
3 ऊ तीसरा घंटा के करीब निकलल त देखलन कि बाजार में अउरी लोग बेकार खड़ा बाड़े।
4 ऊ लोग से कहलन कि; तू लोग भी अंगूर के बगइचा में जा, हम जवन भी सही बा, उहे देब। आ ऊ लोग अपना रास्ता पर चल गइल.
5 छठवाँ आ नौवां बजे फेरु से बाहर निकल के उहे काम कइलन।
6 लगभग एगारहवाँ बजे ऊ बाहर निकललन त दोसरा लोग के बेकार खड़ा देखलन आ कहलन कि तू लोग दिन भर बेकार काहे खड़ा बाड़ऽ?
7 उ लोग ओकरा से कहलस कि, काहेकि हमनी के केहु काम प नईखे रखले। उ लोग से कहलस, "तू भी अंगूर के बगइचा में जा। आ जवन भी सही बा, उहे मिल जाई।
8 जब साँझ हो गइल त अंगूर के बगइचा के मालिक अपना भंडारी से कहलन, "मजदूरन के बोला के आखिरी से लेके पहिला तक के किराया दे दीं।"
9 लगभग एगारहवाँ बजे जब ऊ लोग भाड़ा पर बइठल लोग आइल त हर आदमी के एक-एक पइसा मिल गइल।

10 जब पहिला लोग अइले त उ लोग सोचले कि उ लोग के अउरी मिलित। आ ओही तरह से हर आदमी के एक पइसा मिलत रहे।
11 जब उ लोग एकरा के पा के घर के मालिक के खिलाफ बड़बड़ात रहले।
12 ऊ कहलन कि, "अंतिम लोग एक घंटा भर काम कइले बा, आ तू ओह लोग के हमनी के बराबर बना देले बाड़, जवन दिन के बोझ आ गर्मी उठा चुकल बा।"
13 लेकिन उ ओह लोग में से एगो के जवाब दिहलस, "मित्र, हम तोहरा से कवनो गलती नईखी करत।
14 आपन जवन बा ओकरा के लेके चल जा, हम एह आखिरी के देब, जइसे तोहरा के देब।
15 का हमरा आपन मन के काम करे के उचित नइखे? का तोहार आँख बुरा ह, काहे कि हम भला बानी?
16 एही से बाद के लोग पहिले आ पहिलका बाद में होई, काहेकि बहुत लोग के बोलावल जाला, लेकिन चुनल कम लोग।
17 यीशु यरूशलेम जात बारह चेलन के रास्ता में अलगा से लेके कहलन|
18 देख, हम यरूशलेम में चढ़त बानी। आ आदमी के बेटा के मुखिया याजक आ शास्त्री लोग के सोझा धोआ दिहल जाई आ ऊ लोग ओकरा के मौत के सजा सुनाई।
19 ऊ ओकरा के गैर-यहूदी लोग के हाथ में सौंप दीहें कि ऊ ओकरा के मजाक उड़ावे, कोड़ा मारे आ सूली पर चढ़ावे, आ तीसरा दिन ऊ जी उठ जइहें।
20 तब जबदी के लइकन के महतारी अपना बेटा लोग के साथे उनकर आराधना कइली आ उनकरा से कुछ बात के निहोरा करत उनकरा लगे अइली।
21 ऊ ओकरा से पूछले, " तू का चाहत बाड़?" ऊ ओकरा से कहली, "हमरा ई दुनु बेटा के एगो तोहरा दाहिना ओर आ दोसरका बाईं ओर, तोहरा राज्य में बईठे के अनुमति दऽ."
22 लेकिन यीशु जवाब दिहलन, " तू लोग नइखऽ जानत कि तू लोग का मांगत बाड़ऽ।" का रउवां ओह प्याला से पी सकेनी जवना से हम पीब, आ जवना बपतिस्मा से हम बपतिस्मा लेले बानी, ओकरा से बपतिस्मा ले सकेनी? उ लोग ओकरा से कहलस कि हमनी के सक्षम बानी जा।
23 ऊ ओह लोग से कहलन कि, " तू लोग हमरा प्याला से पी के हम जवना बपतिस्मा से बपतिस्मा लेले बानी, ओकरा से बपतिस्मा लेबऽ, बाकिर हमरा दाहिना आ बांया ओर बईठल हमार ना ह, बाकिर उहे होई जेकरा खातिर ई हमरा पिता के ओर से तइयार कइल गइल बा।
24 ई बात सुन के दस लोग दुनु भाई पर नाराज हो गइलन।
25 लेकिन यीशु ओह लोग के अपना लगे बोलवले आ कहले, " तू लोग जानत बाड़ऽ कि गैर-यहूदी लोग के प्रधान लोग ओह लोग पर राज करेला आ बड़का लोग ओह लोग पर अधिकार करेला।
26 तोहनी के बीच अइसन ना होई, लेकिन जे भी तोहनी में से बड़ होखे के चाहत बा, उ तोहनी के सेवक बने।
27 जे भी तोहनी में प्रमुख बने के चाहत बा, उ तोहनी के सेवक बने।
28 जइसे मनुष्य के बेटा सेवा करे खातिर ना आइल, बलुक सेवा करे आ बहुत लोग के फिरौती के रूप में आपन जान देवे खातिर आइल रहले।
29 जब ऊ लोग यरीहो से निकलल त बहुत भीड़ उनकरा पीछे-पीछे चलल।
30 देख, रास्ता के किनारे बईठल दुगो आन्हर लोग यीशु के गुजरत सुन के चिल्ला के कहलस, "हे प्रभु, हे दाऊद के बेटा, हमनी पर दया करऽ।"
31 भीड़ ओ लोग के डांटत रहे काहे कि उ लोग चुप रह गईल रहले, लेकिन उ लोग अवुरी जादे चिल्लात कहले कि, हे प्रभु, हे दाऊद के बेटा, हमनी प दया कर।
32 यीशु एक जगह खड़ा होके ओह लोग के बोलवले आ कहले, " तू लोग का चाहत बा कि हम तोहनी के साथे करीं?
33 उ लोग ओकरा से कहलस, "प्रभु, हमनी के आँख खुले।"
34 ईसा ओह लोग पर दया कइलन आ ओह लोग के आँख छू लिहलन आ तुरते ओह लोग के आँख देखल गइल आ ऊ लोग उनकर पीछे चल गइलन.

अध्याय 21 के बा

1 जब उ लोग यरूशलेम के नजदीक आके जैतून के पहाड़ पर बेतफागे पहुंचले त यीशु के दुगो चेला भेजले।
2 ओह लोग से कहल, " अपना सोझा गाँव में जाके तुरते एगो गदहा बान्हल आ ओकरा साथे एगो बछड़ा मिल जाई, ओकरा के ढीला क के हमरा लगे ले आईं।
3 अगर केहू तोहनी से कुछ कहे त तू कहब कि प्रभु के ओह लोग के जरूरत बा। आ तुरते ओह लोग के भेज दीहें.
4 ई सब एह से भइल कि ऊ बात पूरा होखे जवन भविष्यवक्ता के कहल गइल रहे।
5 तू सियोन के बेटी से कहऽ कि देखऽ, तोहार राजा नम्र आ गदहा के बछड़ा पर बइठल तोहरा लगे आवत बाड़न।
6 चेला लोग जाके यीशु के आज्ञा के मुताबिक काम कईले|
7 गदहा आ बछड़ा के लेके आके आपन कपड़ा पहिन के ओकरा पर बइठा दिहलस।
8 बहुत बड़ भीड़ रास्ता में आपन कपड़ा पसार दिहलस। कुछ लोग पेड़न के डाढ़ काट के रास्ता में भूसा से उड़ा दिहल।
9 ओकरा से पहिले आ ओकरा बाद के भीड़ चिल्ला के कहलस कि, "दाऊद के बेटा के होसाना, प्रभु के नाम से आवे वाला धन्य ह। सबसे ऊँच में होसाना के बा।
10 जब ऊ यरूशलेम में अइले त पूरा शहर के लोग खिसिया गइल आ पूछल कि, "ई के ह?"
11 भीड़ कहलस, "ई गलील के नासरत के भविष्यवक्ता यीशु हवें।"
12 यीशु परमेश्वर के मंदिर में जाके मंदिर में बेचे वाला आ खरीदे वाला सब लोग के बाहर निकाल दिहलन आ पइसा बदले वाला लोग के मेज आ कबूतर बेचे वाला लोग के आसन के उखाड़ दिहलन।
13 उ लोग से कहलस, " लिखाइल बा कि हमार घर के प्रार्थना के घर कहल जाई। लेकिन तू लोग एकरा के चोर के मांद बना देले बाड़।
14 आन्हर आ लंगड़ा मंदिर में उनकरा लगे अइले। आ ऊ ओह लोग के ठीक कर दिहलन.
15 जब मुख्य याजक आ शास्त्री लोग उनकर अचरज के काम देखले आ मंदिर में लइका लोग चिल्लात रहे आ कहत रहे कि, "दाऊद के बेटा के होसाना हउअ।" उ लोग बहुत नाराज हो गईले,
16 ऊ ओकरा से कहलस, "का तू सुनत बाड़ऽ कि ई लोग का कहत बा? यीशु उनकरा से कहलन, "हँ; का तू कबो पढ़ले बाड़

कि, लइका-लइकी आ दूध पियावे वाला के मुँह से तू स्तुति सिद्ध कइले बाड़S?
17 ऊ ओह लोग के छोड़ के शहर से बाहर बेथानी चल गइलन। आ ऊ ओहिजा ठहर गइलन.
18 सबेरे जब उ शहर में लवटत रहले त भूख लागल रहले।
19 रास्ता में अंजीर के पेड़ देख के ओकरा लगे अईले अवुरी ओकरा प सिर्फ पतई के अलावे कुछूओ ना मिलल अवुरी कहले कि, " आब से तोहरा प हमेशा खाती कवनो फल ना उगे।" आ फिलहाल अंजीर के पेड़ मुरझा गइल।
20 चेलन ई देख के अचरज में पड़ गइलन आ कहलन कि अंजीर के पेड़ केतना जल्दी मुरझा गइल बा!
21 यीशु जवाब दिहलन, " हम तोहनी से सच कहत बानी कि अगर तोहनी के विश्वास बा आ संदेह नइखे त तू खाली अंजीर के पेड़ के साथे कइल काम ना करबS, बल्कि अगर तू लोग एह पहाड़ से कहब कि हट जा।" , आ तू समुंदर में फेंक दिहल जा। ई काम हो जाई।
22 आउर बिसवास करत प्रार्थना में जवन कुछ भी माँगब, उ सब मिल जाई।
23 जब ऊ मंदिर में अइले त ऊ सिखावत घरी मुख्य याजक आ लोग के बुजुर्ग लोग उनका लगे आके पूछले, "तू कवना अधिकार से ई काम करत बाड़S?" आ तोहरा के ई अधिकार के देले बा?
24 यीशु उ लोग से कहलन, " हमहूँ तोहनी से एगो बात पूछब कि अगर तू हमरा के बताइब त हम तोहनी के बता देब कि हम कवना अधिकार से इ काम करतानी।"
25 यूहन्ना के बपतिस्मा कहाँ से भइल? स्वर्ग से, कि आदमी के? उ लोग आपस में बतकही करत कहले कि, "अगर हमनी के कहब जा कि, 'स्वर्ग से आईल बा; ऊ हमनी से कहसु कि तब तोहनी ओकरा पर काहे ना बिसवास कइनी?
26 लेकिन अगर हमनी के कहब जा कि, "मनुष्य के; हमनी के जनता से डेरात बानी जा; काहेकि सब लोग यूहन्ना के भविष्यवक्ता के रूप में मानेला।
27 उ लोग यीशु के जवाब देके कहले, "हम नईखी बता सकत।" उ लोग से कहलस, " हम तोहनी के इ ना बतावत बानी कि हम कवना अधिकार से इ काम करतानी।"
28 लेकिन तोहनी के का लागत बा? एगो आदमी के दू गो बेटा भइल। ऊ पहिलका के लगे आके कहलस, "बेटा, आज हमरा अंगूर के बगइचा में काम करS।"
29 ऊ जवाब दिहलन, "हम ना चाहब, बाकिर ओकरा बाद ऊ पश्चाताप कइलन आ चल गइलन."
30 दूसरका के लगे जाके उहे कहलन। उ जवाब देले, "हम जाइले, मलिकार, लेकिन ना गईले।"
31 दुनो में से के अपना पिता के मर्जी के काम कईले? उ लोग ओकरा से कहलस कि, पहिला। यीशु उनकरा से कहलन, " हम तोहनी से सच कहत हई कि कर लेवे वाला आ वेश्या तोहनी से पहिले परमेश्वर के राज्य में चल जालन।
32 काहेकि यूहन्ना तोहनी के लगे धार्मिकता के रास्ता से अइले, लेकिन तोहनी उनकरा पर विश्वास ना कईनी, लेकिन कर लेवे वाला आ वेश्या लोग उनकरा पर विश्वास कइल, आ रउवां एकरा के देख के बाद में पश्चाताप ना कइनी कि रउवां उनकरा पर विश्वास कर सकीं।
33 एगो अउरी दृष्टांत सुनीं कि एगो घर के मालिक अंगूर के बगइचा लगा के ओकरा के चारो ओर बेड़ लगा के ओकरा में दाख के चूहा खोद के एगो बुर्ज बनवले आ ओकरा के किसानन के देके दूर देश में चल गइल।
34 जब फल के समय नजदीक आ गइल त ऊ अपना नौकरन के किसानन के लगे भेज दिहलन कि ऊ लोग ओकर फल ले सके.
35 किसान लोग उनकर नौकरन के लेके एगो के पीटत एगो के मार दिहलस आ दूसरा के पत्थर मार दिहलस।
36 फेरु उ पहिला सेवक से जादा दोसर नौकर भेजले अवुरी उ लोग भी ओ लोग के संगे अयीसन कईले।
37 लेकिन आखिर में उ अपना बेटा के ओ लोग के लगे भेजले कि, उ लोग हमरा बेटा के आदर करीहे।
38 किसान लोग बेटा के देख के आपस में कहलस, "ई वारिस ह। आ जा, ओकरा के मार दीं आ ओकर विरासत पर कब्जा कर लीं।
39 उ लोग ओकरा के पकड़ के अंगूर के बगइचा से बाहर निकाल के मार देले।
40 जब अंगूर के बगइचा के मालिक अइहें त ऊ ओह किसानन के का करीहें?
41 ऊ लोग ओकरा से कहलस कि ऊ ओह दुष्टन के बुरा तरह से नाश कर दी आ आपन अंगूर के बगइचा दोसरा किसानन के दे दी, जवन ओकरा के अपना मौसम में फल दे दी.
42 यीशु उनकरा से कहलन, " का रउवां कबो पवित्रशास्त्र में ना पढ़ले बानी कि, "जवन पत्थर के निर्माण करे वाला लोग ठुकरा दिहले, उहे कोना के सिर बन गईल बा।"
43 एह से हम तोहनी से कहत बानी कि तोहनी से परमेश्वर के राज्य छीन के ओह राष्ट्र के दिहल जाई जवन ओकर फल पैदा करी।
44 जे एह पत्थर पर गिर जाई ऊ टूट जाई बाकिर जेकरा पर गिर जाई ऊ ओकरा के पीस के पाउडर बना दी.
45 जब मुख्य याजक आ फरीसियन उनकर दृष्टांत सुनले त उ लोग के पता चलल कि उ ओ लोग के बारे में कहत बाड़े।
46 लेकिन जब उ लोग उनकरा पर हाथ डाले के कोशिश कईले त उ लोग भीड़ से डेरा गईले, काहेकी उ लोग उनुका के भविष्यवक्ता मानत रहले।

अध्याय 22 के बा

1 यीशु जवाब देके फिर से दृष्टान्त से बोलले।
2 स्वर्ग के राज्य एगो राजा निहन बा, जवन अपना बेटा के बियाह कईले रहले।
3 बियाह में बोलावल गइल लोग के बोलावे खातिर आपन नौकरन के भेजले, लेकिन उ लोग ना आवे के चाहत रहले।
4 फेरु ऊ दूसर नौकरन के भेज के कहलन, "जे बोलावल गइल बा, ओकरा के बताईं कि देखS, हम आपन खाना तइयार कर लेले बानी, हमार बैल आ हमार मोट बच्चा मारल गइल बा आ सब कुछ तइयार हो गइल बा।
5 लेकिन उ लोग एकरा के हल्का क के एगो खेत में, दूसरा अपना व्यापार में चल गईले।
6 बाकी लोग उनकर नौकरन के लेके घृणा से विनती क के मार दिहलस।
7 राजा के ई बात सुन के ऊ गुस्सा में आ गइलन आ ऊ आपन सेना भेज के ओह हत्यारन के नष्ट कर दिहलन आ ओह लोग के शहर के जरा दिहलन.

8 तब उ अपना नौकरन से कहलस कि बियाह त तैयार हो गईल बा, लेकिन जवन लोग बोलावल गईल रहे उ लोग लायक ना रहे।
9 एह से तू लोग राजमार्ग पर जाके जेतना मिल जाई, ओकरा के बियाह के बोली लगाईं।
10 उ नौकर लोग राजमार्ग पर निकल के जेतना भी मिलल, ओकरा के बदमाश आ अच्छा के बटोर के बियाह में मेहमानन के व्यवस्था हो गईल।
11 राजा जब मेहमानन के देखे खातिर अंदर अइले त उहाँ एगो आदमी के देखले जवन बियाह के कपड़ा ना पहिनले रहे।
12 उ ओकरा से कहलस, "मित्र, तू बियाह के कपड़ा ना लेके इहाँ कईसे आईल? आ ऊ बेजुबान हो गइल रहले.
13 राजा नौकरन से कहले, "ओकरा के हाथ-गोड़ बान्ह के ले जाके बाहर के अन्हार में फेंक दीं। रोअल आ दाँत चीरहरण होई।
14 काहे कि बहुत लोग के बोलावल गइल बा, लेकिन बहुत कम लोग चुनल गइल बा।
15 तब फरीसी लोग जाके विचार कईले कि उ लोग ओकरा के बात में कइसे फँसा सकेले।
16 ऊ लोग हेरोदियन के साथे आपन चेलन के भेज के कहलस, "गुरु, हमनी के जानत बानी जा कि तू सच्चा हउअ आऊ सच्चाई से परमेश्वर के रास्ता सिखावत बाड़, आ तू केहू के परवाह ना करत बाड़, काहेकि तू आदमी के व्यक्ति के परवाह ना करत बाड़।"
17 एह से बताईं कि तोहरा का लागत बा? का सीजर के कर दिहल जायज बा कि ना?
18 लेकिन यीशु ओह लोग के दुष्टता के समझ के कहलन, " हे पाखंडी लोग, तू लोग हमरा के काहे परखत बाड़ऽ?
19 हमरा के कर के पईसा देखा द। उ लोग ओकरा लगे एक पईसा लेके अईले।
20 ऊ ओह लोग से पूछले, " ई मूर्ति आ उपर केकर ह?
21 उ लोग ओकरा से कहलस कि, "सीजर के ह।" तब ऊ ओह लोग से कहलन कि, " काइसर के जवन चीज बा ऊ कैसर के दे दीं। आ भगवान के उ चीज जवन परमेश्वर के ह।
22 इ बात सुन के उ लोग अचरज में पड़ गईले अवुरी उनुका के छोड़ के चल गईले।
23 ओही दिन सदुकी लोग उनकरा लगे अइले, जे कहत रहले कि जी उठला के कवनो बात नइखे आ उनसे पूछले।
24 "गुरु, मूसा कहले, "अगर कवनो आदमी मर जाव आ ओकरा लगे संतान नइखे त ओकर भाई अपना मेहरारू से बियाह कर के अपना भाई के संतान पैदा करी।"
25 हमनी के साथे सात भाई रहले, पहिला भाई जब एगो मेहरारू से बियाह क लेले रहले, उ मर गईल रहले अवुरी उनुकर कवनो बच्चा ना रहे, त उ अपना पत्नी के अपना भाई के लगे छोड़ देले रहले।
26 ओइसहीं दूसरका आ तीसरा सातवाँ तक।
27 आखिर में उ मेहरारू भी मर गईल।
28 एह से पुनरुत्थान के समय उ सातों में से केकर पत्नी होई? काहे कि ओह सब के लगे उ रहे।
29 यीशु जवाब दिहलन, " तू लोग गलती करत बाड़ऽ, ना ही पवित्रशास्त्र के ना जानत बाड़ऽ आ ना ही परमेश्वर के शक्ति के।
30 काहेकि पुनरुत्थान के समय उ लोग ना बियाह करीहे, ना बियाह में दिहल जाई, बालुक स्वर्ग में परमेश्वर के दूत निहन होईहे।
31 मुअल लोग के जी उठला के बारे में का रउवां उ बात नईखी पढ़ले जवन परमेश्वर रउवां से कहत रहले|
32 हम अब्राहम के परमेश्वर, इसहाक के परमेश्वर आ याकूब के परमेश्वर हईं? भगवान मुअल लोग के भगवान ना हवें, जिंदा लोग के भगवान हवें।
33 ई बात सुन के भीड़ उनकर शिक्षा पर अचरज में पड़ गइल।
34 जब फरीसियन के सुनल गइल कि ऊ सदुकी लोग के चुप करा दिहले बाड़न त ऊ लोग एकजुट हो गइलन.
35 तब ओह लोग में से एगो वकील रहलन, ओकरा से एगो सवाल पूछलस, ओकरा के परीक्षा में आके कहलस।
36 गुरु, व्यवस्था में कवन बड़हन आज्ञा बा?
37 यीशु ओकरा से कहलन, " तू अपना प्रभु परमेश्वर से पूरा मन से, पूरा प्राण से आ पूरा मन से प्रेम करीं।"
38 इहे पहिला आ बड़ आज्ञा ह।
39 दूसरका एकरा जइसन बा कि तू अपना पड़ोसी से अपना जइसन प्रेम करीं।
40 एह दुनो आज्ञा पर सब व्यवस्था आ भविष्यवक्ता लोग लटकल बा।
41 जब फरीसियन एकट्ठा भइले त यीशु ओह लोग से पूछले।
42 ऊ कहलन कि मसीह के बारे में तोहनी के का विचार बा? ऊ केकर लइका ह? उ लोग ओकरा से कहलस कि दाऊद के बेटा ह।
43 ऊ ओह लोग से कहलस, " तब दाऊद ओकरा के कइसे प्रभु कहत बाड़न।
44 परमेस् वर हमरा प्रभु से कहलन, "तू हमरा दाहिना ओर बईठ जा, जब तक हम तोहार दुश्मनन के तोहार गोड़ के ठेहुना ना बना देब?"
45 अगर दाऊद ओकरा के प्रभु कहत बाड़े त उ उनुकर बेटा कईसे होई?
46 केहू ओकरा के एक बात के जवाब ना दे पावल आ ना ही केहू के हिम्मत भइल कि ऊ ओकरा से अउरी कवनो सवाल पूछे।

अध्याय 23 के बा

1 तब यीशु भीड़ आउर अपना चेलन से बात कइलन।
2 ऊ कहलन कि शास्त्री आ फरीसियन मूसा के आसन पर बइठल बाड़े।
3 एह से उ लोग जवन भी बात के पालन करे के कहत बा, उ सब पालन करीं आ पूरा करीं। लेकिन तू लोग ओह लोग के काम के अनुसरण मत करीं, काहेकि उ लोग कहेला, लेकिन ना करेला।
4 काहे कि ऊ लोग भारी बोझ आ बोझ उठावे वाला बोझ के बान्ह के आदमी के कंधा पर रखेला। बाकिर ऊ लोग खुदे ओह लोग के एक अँगुरी से ना हिला दीहें.
5 लेकिन उ लोग आपन सब काम आदमी के देखे खातिर करेले, उ लोग अपना कपड़ा के चौड़ा करेले अवुरी अपना कपड़ा के सीमा के बड़ करेले।
6 भोज-भात में सबसे ऊपर के कमरा आ सभाघर में मुख्य आसन से प्यार करीं।
7 बाजारन में नमस्कार कइल जाला आ आदमी के "रब्बी, रब्बी" कहल जाला।
8 लेकिन तोहनी के रब्बी मत कहल जाव, काहेकि तोहनी के गुरु एके हउवें, उहे मसीह हउवें। आ तू सभे भाई हउअ।

9 आऊ धरती पर केहू के आपन बाप मत कहऽ, काहेकि तोहार पिता स्वर्ग में एके हउवें।
10 तोहनी के मालिक ना कहल जाव, काहेकि तोहनी के गुरु एके हउवें, उहे मसीह हउवें।
11 लेकिन जे तोहनी में से बड़ बा, उ तोहनी के सेवक होई।
12 जे केहू अपना के ऊँच करी, ओकरा के नीचा देखावल जाई। आ जे अपना के नम्र करी, ऊ ऊँच हो जाई।
13 लेकिन धिक्कार बा, हे शास्त्री आ फरीसी, पाखंडी लोग! काहे कि तू लोग स्वर्ग के राज्य के आदमी के खिलाफ बंद कर देत बाड़ऽ, काहे कि तू लोग ना त खुदे जाइबऽ आ ना ही प्रवेश करे वाला लोग के भीतर जाए देत बाड़ऽ।
14 हे शास्त्री आ फरीसी, पाखंडी लोग, तोहनी के हाय! काहे कि तू लोग विधवा लोग के घर खात बाड़ऽ आ ढोंग खातिर लमहर प्रार्थना करत बाड़ऽ, एही से तोहनी के बड़हन सजा मिल जाई।
15 हे शास्त्री आ फरीसी, पाखंडी लोग, तोहनी के हाय! काहे कि तू लोग एगो धर्म परिवर्तन करे खातिर समुंदर आ जमीन के चक्कर लगावत बाड़ू आ जब ऊ बन जाला त ओकरा के अपना से दुगुना नरक के संतान बना देत बाड़ऽ.
16 हे आन्हर मार्गदर्शक लोग, धिक्कार बा, जे कहत बा कि जे मंदिर के कसम खाला, उ कुछुओ ना ह। लेकिन जे मंदिर के सोना के कसम खाला, उ कर्जदार बा!
17 हे मूर्ख आ आन्हर लोग, काहे कि सोना के पवित्र करे वाला मंदिर का बड़ बा?
18 आऊ, "जे वेदी के कसम खाला, उ कुछुओ ना ह।" लेकिन जे केहू ओकरा पर मिलल वरदान के कसम खाला, उ दोषी बा।
19 हे मूर्ख आ आन्हर लोग, काहे कि वरदान के पवित्र करे वाला वेदी के बड़हन बा?
20 एह से जे वेदी के कसम खाला, उ ओकरा आ ओकरा पर मौजूद सब चीजन के किरिया खाला।
21 जे मंदिर के किरिया खाला, उ ओकरा आ ओकरा में रहे वाला के किरिया खाला।
22 जे स्वर्ग के किरिया खाला, उ परमेश्वर के सिंहासन आ ओकरा पर बइठल के किरिया खाला।
23 हे शास्त्री आ फरीसी, पाखंडी लोग, तोहनी के हाय! काहे कि तू लोग पुदीना, सौंफ आ जीरा के दसवां हिस्सा देत बाड़ऽ आ व्यवस्था के वजनदार बात, न्याय, दया आ विश्वास के छोड़ देले बानी, ई काम तोहनी के करे के चाहत रहे आ दोसरा के ना छोड़े के चाहत रहे।
24 हे आन्हर मार्गदर्शक लोग, जे चीर के तनाव में आवेला आ ऊंट के निगल जाला।
25 हे शास्त्री आ फरीसी, पाखंडी लोग, तोहनी के हाय! काहे कि तू लोग प्याला आ थाली के बाहरी हिस्सा के साफ कर देत बाड़ऽ, बाकिर भीतर के हिस्सा लूटपाट आ अति से भरल बा।
26 हे आन्हर फरीसी, पहिले प्याला आ थाली के भीतर के चीज के साफ कर, ताकि ओकर बाहरी हिस्सा भी साफ हो सके।
27 हे शास्त्री आ फरीसी, पाखंडी लोग, तोहनी के हाय! काहे कि तू लोग सफेद कब्र निहन बाड़, जवन बाहर से सुंदर देखाई देवेला, लेकिन भीतर मरेवाला के हड्डी अवुरी अशुद्धता से भरल बा।
28 ओइसहीं तू लोग भी बाहरी रूप से आदमी के सामने धर्मी लउकत बाड़ू, लेकिन भीतर से तोहनी पाखंड आ अधर्म से भरल बानी।
29 हे शास्त्री आ फरीसी, पाखंडी लोग, तोहनी के हाय! काहे कि तू लोग भविष्यवक्ता लोग के कब्र बनावे आ धर्मी लोग के कब्र के सजावे।
30 आ कहऽ कि अगर हमनी के अपना पुरखन के जमाना में रहतीं जा त हमनी के ओह लोग के साथे भविष्यवक्ता लोग के खून में भाग ना लेले रहतीं जा।
31 एही से तू अपना के गवाह बनीं कि तू लोग भविष्यवक्ता के हत्या करे वाला लोग के संतान हउअ।
32 तब तू लोग अपना पुरखन के नाप भरऽ।
33 हे साँप, हे साँप के पीढ़ी, नरक के दण्ड से कइसे बची?
34 एही से देखऽ, हम तोहनी के लगे भविष्यवक्ता, ज्ञानी आ शास्त्री लोग भेजत बानी, आ ओहमें से कुछ लोग के मार के सूली पर चढ़ा देब। आराधनालय में ओह लोग में से कुछ लोग के कोड़ा मारब आ शहर-नगर में सतावब।
35 ताकि तोहनी पर धरती पर बहावल सब धर्मी खून आवे, धर्मी हाबिल के खून से लेके बराकिया के बेटा जकरयाह के खून तक, जेकरा के तू मंदिर आ वेदी के बीच में मारले रहलू।
36 हम तोहनी से सच कहत हई कि इ सब बात एह पीढ़ी पर आई।
37 हे यरूशलेम, यरूशलेम, हे भविष्यवक्ता लोग के मारे वाला आ तोहरा लगे भेजल गइल लोग के पत्थर मारे वाला, हम केतना बेर तोहार लइकन के एकट्ठा कर लेतीं जइसे मुर्गी अपना मुर्गी के अपना पाँख के नीचे बटोरेले, आ तू ना चाहत रहलू!
38 देखऽ, तोहार घर तोहरा खातिर उजाड़ छोड़ दिहल गइल बा।
39 काहेकि हम तोहनी से कहत हई कि जब तक तू लोग ना कहब कि, "प्रभु के नाम से आवे वाला धन्य बा।"

अध्याय 24 के बा

1 यीशु मंदिर से निकल के चल गइलन आ उनकर चेला लोग मंदिर के इमारतन के बारे में बतावे खातिर उनकरा लगे अइले।
2 यीशु उनकरा से कहलन, " तू इ सब बात नइखी देखत? हम तोहनी से सच कहत हई कि इहाँ एक पत्थर पर एक पत्थर ना रह जाई जवन ना गिरावल जाई।
3 जब उ जैतून के पहाड़ प बईठल रहले, त चेला लोग एकांत में उनुका लगे पहुंचले अवुरी पूछले, "बताव कि इ सब कब होई? आ तोहरा आवे के आ दुनिया के अंत के कवन निशानी होई?
4 यीशु जवाब दिहलन, " सावधान रहऽ कि केहू तोहनी के धोखा ना देवे।"
5 काहे कि बहुत लोग हमरा नाम से आके कहत होई कि हम मसीह हईं। आ बहुत लोग के धोखा दिही।
6 तू लोग युद्ध आ युद्ध के अफवाह सुनब, देखत रहब कि तू लोग घबरा मत, काहेकि ई सब बात होखे के चाहीं, लेकिन अंत अभी नइखे भइल।
7 काहेकि एगो राष्ट्र राष्ट्र के खिलाफ, राज्य के खिलाफ राज्य के खिलाफ उठी, आ अलग-अलग जगह पर अकाल, महामारी आ भूकंप आ जाई।
8 ई सब दुख के शुरुआत ह।
9 तब उ लोग तोहनी के दुखी होखे खातिर सौंप के मार दिहे, आ हमरा नाम के चलते तोहनी के सब जाति से नफरत होई।
10 तब बहुत लोग ठेस लागी आ एक दूसरा के धोखा दिही आ एक दूसरा से नफरत करी।

11 कई गो झूठा भविष्यवक्ता उठिहें आ बहुत लोग के धोखा दिहें।
12 अधर्म के भरमार होखे के चलते बहुत लोग के प्रेम ठंडा हो जाई।
13 लेकिन जे अंत तक सहन करी, उहे उद्धार होई।
14 राज्य के इ सुसमाचार पूरा दुनिया में प्रचारित होई, जवन कि सब जाति के गवाही के रूप में होई। आ तब अंत आ जाई।
15 जब तू लोग उजाड़ के घिनौना चीज के पवित्र स्थान में खड़ा देखब।
16 तब यहूदिया के लोग पहाड़ पर भाग जास।
17 जे घर के चोटी पर बा, उ अपना घर से कवनो चीज निकाले खातिर ना उतरे।
18 आ जे खेत में बा, उ आपन कपड़ा लेबे खातिर वापस ना लवट के आवे।
19 ओह दिन में गर्भवती आ दूध पियावे वाला के हाय!
20 लेकिन प्रार्थना करीं कि तोहार भागल जाड़ा में ना होखे आ ना सब्त के दिन।
21 काहे कि तब बहुत बड़ संकट आई जवन दुनिया के शुरुआत से लेके अब तक ना रहे, ना कबो ना होई।
22 जब तक उ दिन छोट ना होई, तब तक कवनो शरीर के बचाव ना होई, लेकिन चुनल लोग के खातिर उ दिन छोट हो जाई।
23 तब अगर केहू तोहनी से कहे कि देखऽ, मसीह इहाँ बाड़े भा उहाँ बाड़े। एकरा पर विश्वास ना करीं.
24 काहे कि उहाँ झूठा मसीह आ झूठा भविष्यवक्ता उठिहें आ बड़का चमत्कार आ चमत्कार करीहें। एतना कि अगर संभव होखे त उ लोग बहुत चुनल लोग के धोखा दे दिहे।
25 देखऽ, हम तोहके पहिले बता चुकल बानी।
26 एह से अगर उ लोग तोहनी से कहस कि देखऽ, उ रेगिस्तान में बा। बाहर मत जा, देखऽ, ऊ गुप्त कोठरी में बा। एकरा पर विश्वास ना करीं.
27 जइसे पूरब से बिजली निकल के पश्चिम तक चमकेला। आदमी के बेटा के आवे के समय भी ओइसने होई।
28 काहे कि जहाँ भी लाश होई, उहाँ चील एकट्ठा हो जइहें।
29 ओह दिन के संकट के तुरंत बाद सूरज अन्हार हो जाई आ चाँद आपन रोशनी ना दिही आ तारा आकाश से गिर जाई आ आकाश के शक्ति हिल जाई।
30 तब स्वर्ग में मनुष्य के बेटा के चिन्ह देखाई दिही, तब धरती के सब गोत्र शोक करीहे अवुरी आदमी के बेटा के स्वर्ग के बादल में शक्ति अवुरी बहुत महिमा के संगे आवत देखाई दिहे।
31 ऊ अपना स्वर्गदूतन के तुरही के तेज आवाज लेके भेज दिहें आ ऊ लोग चारो हवा से लेके स्वर्ग के एक छोर से दूसरा छोर तक उनकर चुनल लोग के एकट्ठा करीहें।
32 अब अंजीर के पेड़ के एगो दृष्टांत सीखीं। जब ओकर डाढ़ अबहीं कोमल हो जाला आ पतई निकलेला त तू लोग जानत होखब कि गर्मी नजदीक आ गइल बा।
33 ओइसहीं जब तू लोग ई सब देखब त जान लीं कि ई दुआर पर भी नजदीक बा।
34 हम तोहनी से सच कहत हई कि जब तक इ सब बात पूरा ना हो जाई तब तक इ पीढ़ी ना बीत पाई।
35 आकाश आ धरती खतम हो जाई, लेकिन हमार बात ना खतम होई।
36 लेकिन ओह दिन आ घड़ी के बारे में केहू ना जानत बा, ना स्वर्ग के स्वर्गदूत, खाली हमार पिता के छोड़ के।
37 लेकिन जइसे नूह के दिन रहे, ओइसहीं आदमी के बेटा के आवे के समय भी होई।
38 काहे कि जलप्रलय से पहिले के दिन में जब तक नूह जहाज में ना घुसल, तब तक उ लोग खात-पीयत, बियाह करत अवुरी बियाह करत रहले।
39 जबले बाढ़ ना आइल आ सबके ना ले गइल तबले ऊ ना जानत रहलन. आदमी के बेटा के आवे के समय भी ओइसने होई।
40 तब दू गो खेत में होखीहें। एक के ले जाइल जाई आ दोसरका छोड़ दिहल जाई.
41 दू गो मेहरारू चक्की में पीसत रहीहें। एक के ले जाइल जाई आ दोसरका छोड़ दिहल जाई.
42 एही से जागल रहीं, काहेकि तोहनी के पता नइखे कि तोहनी के प्रभु कवना समय अइहें।
43 लेकिन इ जान लीं कि अगर घर के मालिक के मालूम रहित कि चोर कवना घड़ी आई, त उ जागल रहित अवुरी अपना घर के तोड़े ना देत।
44 एही से तू भी तइयार रहीं, काहेकि जवना समय तोहनी के ना लागेला, मनुख के बेटा आवे वाला हव।
45 त एगो विश्वासी आ बुद्धिमान सेवक के ह, जेकरा के ओकर मालिक अपना घर के मालिक बना के समय पर खाना देवे?
46 धन्य बा ऊ नौकर जे ओकर मालिक अइला पर अइसन करत पाई।
47 हम तोहनी से सच कहत हई कि उ ओकरा के अपना सब संपत्ति के मालिक बना दिहे।
48 लेकिन अगर उ दुष्ट सेवक मन में कहे कि, 'हमार मालिक अपना आवे में देरी करतारे।'
49 ऊ अपना साथी नौकरन के मारे लागी आ नशा में धुत्त लोग के साथे खाए-पीये लागी।
50 ओह नौकर के मालिक ओह दिन में अइहें जब ऊ ओकरा के इंतजार ना करी आ ओह घरी जवना के बारे में ओकरा मालूम ना होखे.
51 ओकरा के काट के पाखंडी लोग के साथे ओकर हिस्सा दे दी, उहाँ रोवे आ दाँत चीरहरण होई।

अध्याय 25 के बा

1 तब स्वर्ग के राज्य के तुलना दस गो कुंवारी से कइल जाई जवन आपन दीया लेके दूल्हा से मिले निकलल रहली।
2 ओहमें से पाँच गो बुद्धिमान आ पाँच गो मूर्ख रहले.
3 मूर्ख लोग आपन दीया लेके चलल आ तेल ना लेके चलल|
4 लेकिन ज्ञानी लोग अपना दीया के साथे अपना बर्तन में तेल लेके चल गईले।
5 जब तक दूल्हा देरी करत रहले, त सब लोग सुत गईले अवुरी सुत गईले।
6 आधा रात के एगो चिल्लाहट भइल कि देखऽ, दूल्हा आवत बा। तू लोग ओकरा से मिले खातिर निकल जा।
7 तब ऊ सब कुंवारी उठ के आपन दीया के छंटनी कइली।
8 मूर्ख लोग ज्ञानी लोग से कहलस कि हमनी के आपन तेल दे दऽ। काहे कि हमनी के दीया बुझ गइल बा।
9 लेकिन बुद्धिमान लोग जवाब दिहलस, "अइसन ना; कहीं हमनी आ तोहनी खातिर कुछ ना होखे, बलुक बेचे वाला लोग के लगे जाके अपना खातिर खरीद लीं।

10 जब उ लोग खरीदे जात रहले त दूल्हा आ गईले। तैयार लोग उनकरा साथे बियाह में घुस गइलन आ दरवाजा बंद हो गइल।
11 ओकरा बाद बाकी कुंवारी लोग भी आके कहलस, "प्रभु, प्रभु, हमनी के सामने खोल दऽ।"
12 लेकिन उ जवाब देले, "हम तोहनी से सच कहत हई कि हम तोहनी के नईखी जानत।"
13 एही से जागल रहीं, काहेकि तू लोग नइखऽ जानत कि मनुष्य के बेटा कवना दिन आवेला, ना कउन घड़ी।
14 काहे कि स्वर्ग के राज्य ओइसन बा जइसे कवनो आदमी दूर देश में जाके अपना नौकरन के बोला के आपन संपत्ति ओह लोग के सौंप दिहलस।
15 एक के पांच तोला, दूसर के दू आ दोसरा के एक तोरा देले। हर आदमी के ओकर कई क्षमता के हिसाब से दिहल जाला; आ सीधे आपन सफर तय कर लिहले.
16 जेकरा बाद पांच तोरा मिलल रहे, उ जाके ओही से व्यापार कईलस अवुरी पांच तोला अवुरी बना देलस।
17 ओइसहीं जे दू गो मिलल रहे ओकरा दू गो अउरी मिलल।
18 लेकिन जे एक पईसा मिलल रहे, उ जाके धरती खोद के अपना मालिक के पईसा छिपा लेलस।
19 बहुत दिन बाद ओह नौकरन के मालिक आके ओह लोग के हिसाब लगावेले।
20 एही से जे पांच तोला मिलल रहे, उ आके पांच तोला अउरी ले के कहलस, "हे प्रभु, तू हमरा के पांच तोला सौंप देले बाड़ू।
21 ओकर मालिक ओकरा से कहलस, "हे अच्छा आ विश्वासी सेवक, अच्छा काम कइलस, तू कुछ चीजन पर वफादार रहलू, हम तोहरा के बहुत कुछ पर शासक बना देब, तू अपना मालिक के आनन्द में घुस जा।"
22 ऊ दू तोरा भी मिलल आ कहलस, "हे प्रभु, तू हमरा के दू तोरा सौंप देले बाड़ऽ।
23 ओकर मालिक ओकरा से कहलस, "हे अच्छा आ विश्वासी सेवक, अच्छा काम करऽ। तू कुछ बात पर वफादार रहलू, हम तोहरा के बहुत कुछ पर शासक बना देब, तू अपना मालिक के आनन्द में घुस जा।
24 एक टैलेंट लेबे वाला आके कहलस, "हे प्रभु, हम तोहरा के जानत रहनी कि तू कठोर आदमी हउअ, जहाँ तू ना बोअले बाड़ऽ, उहाँ काटत बाड़ऽ आ जहाँ तू भूसा ना खइले बाड़ऽ, उहाँ बटोरत बाड़ऽ।
25 हम डेरा गइनी आ जाके तोहार टैलेंट धरती में छिपा देनी।
26 ओकर मालिक जवाब दिहलन, "तू दुष्ट आ आलसी सेवक, तू जानत रहलू कि हम जहाँ बोअले ना उहाँ फसल काटत बानी आ जहाँ भूसा ना खइले बानी उहाँ बटोरत बानी।
27 एह से तोहरा हमार पईसा विनिमय करे वाला लोग के लगे देवे के चाहत रहे, तब हमरा आवे के समय हमरा आपन पईसा सूद के संगे मिल जाए के चाही।
28 एही से ओकरा से तोरा लेके जेकरा लगे दस तोरा बा ओकरा के दे दीं।
29 जेकरा लगे बा ओकरा के बहुत कुछ दिहल जाई, लेकिन जेकरा लगे नइखे ओकरा से उहो छीन लिहल जाई।
30 तू लोग बेमतलब के नौकर के बाहरी अन्हार में फेंक दऽ, उहाँ रोवे आ दाँत चीरहरण होई।
31 जब मनुष्य के बेटा अपना महिमा में आ सब पवित्र स्वर्गदूत ओकरा साथे अइहें त ऊ अपना महिमा के सिंहासन पर बइठ जइहें।
32 ओकरा सोझा सब जाति एकट्ठा हो जइहें आ ऊ ओह लोग के एक दोसरा से अलगा कर दीहें जइसे चरवाहा अपना भेड़न के बकरी से अलगा कर देला.
33 ऊ भेड़न के अपना दाहिना ओर रखिहें आ बकरी के बाईं ओर।
34 तब राजा अपना दाहिना ओर के लोग से कहसु कि, "हे हमार पिता के आशीषी लोग, आ जा, दुनिया के सृष्टि से ही तोहनी खातिर तइयार कइल गइल राज्य के उत्तराधिकारी हो लीं।
35 काहे कि हम भूखल रहनी आ तू हमरा के खाना देनी, हम प्यासल रहनी आ तू हमरा के पी दिहनी।
36 नंगा आ तू हमरा के कपड़ा पहिनले रहलू, हम बेमार रहनी, आ तू हमरा से भेंट करत रहलू, हम जेल में रहनी आ तू हमरा लगे आवत रहलू।
37 तब धर्मी लोग ओकरा के जवाब दिहे कि, "हे प्रभु, हम तोहरा के कब भूखल देखनी अवुरी तोहरा के खाना खियावनी? भा प्यासल होके तोहरा के पियले बा?
38 हम तोहरा के कब परदेशी देख के तोहरा के घर में ले गईनी? भा नंगा, आ तोहरा के कपड़ा पहिनले?
39 हम तोहरा के कब बेमार भा जेल में देख के तोहरा लगे अइनी?
40 राजा जवाब दिहे, "हम तोहनी से सच कहत बानी कि तू लोग हमरा एह छोट भाई में से कवनो एक भाई के साथे ई काम कइले बाड़ऽ, हमरा साथे भी ई काम कइले बाड़ऽ।"
41 तब ऊ बाईं ओर के लोग से भी कहसु, "हे शापित लोग, हमरा से दूर होके, शैतान आउर ओकर दूत खातिर तइयार अनन्त आग में चल जा।
42 काहे कि हम भूखल रहनी आ तू हमरा के खाना ना देहनी, हम प्यासल रहनी आ तू हमरा के ना पियले रहलू।
43 हम परदेसी रहनी, तू लोग हमरा के नंगा ना लेहनी, आऊ हमरा के कपड़ा ना पहिनले रहलू, बेमार आ जेल में रहनी, लेकिन तू लोग हमरा के घर में ना लेहनी।
44 तब उ लोग भी जवाब दीहें कि, "हे प्रभु, हमनी के तोहरा के कब भूखल, प्यासल, भा परदेशी, नंगा, भा बेमार, भा जेल में देखले रहनी जा आ तोहार सेवा ना कईनी जा?
45 तब ऊ ओह लोग के जवाब दीहें, "हम तोहनी से सच कहत बानी कि तू लोग एहमें से कवनो छोटका के साथे ना कइनी, हमरा साथे ना कइनी।"
46 ई लोग अनन्त सजा में चल जाई, लेकिन धर्मी लोग अनन्त जीवन में चल जाई।

अध्याय 26 के बा

1 जब ईसा ई सब बात पूरा कइलन त ऊ अपना चेलन से कहलन।
2 तू लोग जानत बाड़ऽ कि दू दिन बाद फसह के परब होला आ आदमी के बेटा के सूली पर चढ़ावे खातिर धोखा दिहल जाला।
3 तब मुख्य याजक, शास्त्री आउर लोग के बुजुर्ग लोग महायाजक के महल में जुट गईले, जेकर नाम काइफा रहे।
4 उ लोग ईसा के चालबाजी से पकड़ के मार देवे खातिर विचार कईले।
5 लेकिन उ लोग कहले, "पब के दिन ना, कहीं लोग के बीच हंगामा मत होखे।"
6 जब यीशु बेथानी में शिमोन कोढ़ी के घर में रहले।

7 एगो मेहरारू उनकरा लगे बहुत कीमती मरहम के अलबास्टर के डिब्बा लेके आके उनकर माथा पर डाल दिहली जब उ खाना खात रहले।
8 जब उनकर चेला लोग ई देख के गुस्सा में आके कहलन कि, "ई कवना काम खातिर बेकार हो रहल बा?"
9 काहेकि इ मरहम बहुत में बेच के गरीबन के दिहल जा सकत रहे।
10 जब यीशु ई बात समझ गइलन त उ लोग से कहलन, " तू लोग ओह औरत के काहे परेशान करत बाड़ऽ? काहे कि ऊ हमरा पर एगो बढ़िया काम कइले बाड़ी.
11 काहेकि तोहनी के साथे गरीब लोग हमेशा रहेला। लेकिन हमरा के तोहनी के हमेशा ना रहे।
12 काहेकि उ हमरा देह पर इ मरहम डाल के हमरा दफनावे खातिर कइली।
13 हम तोहनी से सच कहत हईं कि जहाँ भी इ सुसमाचार के प्रचार पूरा दुनिया में होई, उहाँ इ बात भी बतावल जाई जवन इ महिला कईले बिया, ओकरा याद में कहल जाई।
14 बारह में से एगो यहूदा इस्करियोती नाम के एगो मुख्य याजक के लगे गईल।
15 उ लोग से कहलस, "तू हमरा के का देब आ हम ओकरा के तोहनी के सौंप देब? उ लोग ओकरा से तीस चांदी के टुकड़ा के वादा कईले।
16 तब से उ ओकरा के धोखा देवे के मौका खोजत रहले।
17 बिना खमीर रोटी के पर्व के पहिला दिन चेला लोग यीशु से पूछले, "तू कहाँ चाहत बाड़ कि हम तोहरा खातिर फसह के परब के खाना खाए खातिर तैयार करीं?
18 ऊ कहलन, " अइसन आदमी के लगे शहर में जाके ओकरा से कहऽ कि गुरु कहत बाड़न कि हमार समय आ गइल बा। हम अपना चेलन के साथे तोहरा घर में फसह के पर्व मनावेब।
19 चेला लोग उहे कइल जवन यीशु के नियुक्ति कइले रहले। उ लोग फसह के परब के तैयारी कईले।
20 जब साँझ हो गइल त ऊ बारह गो के साथे बइठ गइलन।
21 जब उ लोग खाना खात रहले त उ कहले, " हम तोहनी से सच कहत बानी कि तोहनी में से केहु हमरा के धोखा दे दिही।"
22 ऊ लोग बहुते दुखी होके हर केहू ओकरा से कहे लागल कि, "प्रभु, का हम हईं?"
23 ऊ जवाब दिहलन, " जे हमरा साथे पकवान में हाथ डुबावेला, उहे हमरा के धोखा दिही।"
24 आदमी के बेटा ओइसहीं चलत बा जइसे ओकरा बारे में लिखल बा, बाकिर हाय ऊ आदमी पर जेकरा द्वारा मनुष्य के बेटा के धोखा दिहल गइल बा! ओह आदमी खातिर बढ़िया रहित अगर ऊ जनम ना लिहले रहित.
25 तब ओकरा के धोखा देवे वाला यहूदा कहलस, "गुरु, का हम हईं?" उ ओकरा से कहलस, तू कहले बाड़ू।
26 जब उ लोग खाना खात रहले त यीशु रोटी लेके आशीष देले अवुरी ओकरा के तोड़ के चेलन के देले अवुरी कहले, " ले जा, खा लीं। ई हमार देह ह।
27 ऊ प्याला लेके धन्यवाद देत कहलन कि, " तू सभे एकरा के पी लीं।
28 काहे कि ई हमार नया नियम के खून ह जवन पाप के माफी खातिर बहुत लोग खातिर बहावल गइल बा।
29 लेकिन हम तोहनी से कहत हईं कि हम अब से एह बेल के फल के तब तक ना पीब, जब तक कि हम अपना पिता के राज्य में तोहनी के संगे एकरा के नया ना पीब।
30 ऊ लोग एगो भजन गा के जैतून के पहाड़ पर निकल गइलन।
31 तब यीशु उनकरा से कहलन, " आज रात तू सब हमरा से त्रस्त होखब, काहेकि लिखल बा कि हम चरवाहा के मार देब आ भेड़ के भेड़ बिखर जाईब।"
32 लेकिन हम जी उठला के बाद तोहनी से पहिले गलील में चल जाईब।
33 पतरस जवाब दिहलन, "भले सब लोग तोहरा से नाराज हो जाव, लेकिन हम कबो नाराज ना होखब।"
34 यीशु ओकरा से कहलन, " हम तोहरा से सच कहत बानी कि आज रात में मुर्गा बाजला से पहिले तू हमरा से तीन बेर इनकार करऽ।"
35 पतरस ओकरा से कहलन, "हम तोहरा साथे मरब तबो तोहरा से इनकार ना करब।" ओइसहीं सब चेला लोग भी कहले।
36 तब यीशु ओह लोग के साथे गेटसमनी नाम के जगह पर अइले आ चेलन से कहलन कि जबले हम ओहिजा जाके प्रार्थना करीं तबले तू लोग इहाँ बईठ जा।
37 उ पतरस आ जबदी के दुनो बेटा के अपना संगे लेके गईले अवुरी दुखी अवुरी बहुत भारी होखे लगले।
38 तब ऊ ओह लोग से कहलस, " हमार आत्मा बहुत दुखी बा, मौत तक।
39 ऊ तनी आगे बढ़ के मुंह पर गिर के प्रार्थना कइलन कि, " हे हमार पिता, अगर संभव होखे त ई प्याला हमरा से चले दीं।
40 ऊ चेलन के लगे अइले आ ओह लोग के सुतल देखलन आ पतरस से पूछले, " का, तू लोग हमरा साथे एक घंटा भी जागल ना रह पवनी?"
41 जागल आ प्रार्थना करीं कि तू लोग परीक्षा में मत जाईं, आत्मा त इच्छुक बा, लेकिन शरीर कमजोर बा।
42 ऊ दूसरका बेर चल के प्रार्थना कइलन, " हे हमार पिता, अगर ई प्याला हमरा से ना चली, जबले हम एकरा के ना पीब त तोहार इच्छा पूरा हो जाव।"
43 ऊ आके फेरु से ओह लोग के सुतल देखलन काहे कि ओह लोग के आँख भारी रहे।
44 ऊ ओह लोग के छोड़ के फेरु से चल गइलन आ तीसरा बेर उहे बात कह के प्रार्थना कइलन।
45 तब उ अपना चेलन के लगे आके कहलस, " अब सुत जा आ आराम करऽ।
46 उठ, हमनी के चलल जा, देख, उ हमरा के धोखा देवे वाला नजदीक आ गईल बा।
47 जब उ अभी तक बोलत रहले त देख, बारह में से एगो यहूदा आ गईले अवुरी उनुका संगे तलवार अवुरी लाठी लेके प्रमुख याजक अवुरी लोग के बुजुर्ग के बहुत भीड़ आईल।
48 ओकरा के धोखा देवे वाला ओ लोग के एगो निशानी देके कहलस कि हम जेकरा के चुम्मा लेब, उहे ह।
49 ऊ तुरते यीशु के लगे आके कहलन, "हे मालिक, जय हो। आ ओकरा के चुम्मा लेत रहले.
50 यीशु ओकरा से कहलन, " मित्र, तू काहे आइल बाड़ू?" तब उ लोग आके यीशु पर हाथ डाल के ओकरा के पकड़ लिहले।
51 देख, यीशु के साथे रहल लोग में से एगो आपन हाथ बढ़ा के आपन तलवार निकाल के महायाजक के एगो नौकर के कान मार दिहलस।

52 तब यीशु ओकरा से कहलन, " अपना तलवार के फेर से ओकरा जगह पर रख द, काहेकि तलवार पकड़े वाला सब तलवार से नाश हो जइहें।"
53 का तू सोचत हव कि अब हम अपना पिता से प्रार्थना नईखी क सकत अवुरी उ हमरा के बारह से जादे स्वर्गदूत के सेना दे दिहे?
54 लेकिन धर्मशास्त्र के बात कईसे पूरा होई कि अईसन होखे के चाही?
55 ओही घरी यीशु भीड़ से कहलन, " का तू लोग हमरा के पकड़े खातिर तलवार आ लाठी लेके चोर के खिलाफ निकलल बानी? हम रोज तोहनी के साथे मंदिर में सिखावत बइठल रहनी आ तोहनी हमरा पर कवनो पकड़ ना रखनी।
56 लेकिन इ सब एह से भईल कि भविष्यवक्ता लोग के शास्त्र पूरा होखे| तब सब चेला ओकरा के छोड़ के भाग गईले।
57 यीशु के पकड़े वाला लोग उनुका के महायाजक कैफा के लगे ले गईले, जहां शास्त्री अवुरी बुजुर्ग लोग जुटल रहले।
58 लेकिन पतरस ओकरा पीछे-पीछे दूर से महायाजक के महल में चल गईले अवुरी अंत देखे खाती नौकरन के संगे बईठ गईले।
59 मुखिया याजक, बुजुर्ग आऊ पूरा मंडली यीशु के मारे खातिर झूठा गवाही खोजत रहले।
60 लेकिन केहू के ना मिलल, हँ, भले ही बहुत झूठा गवाह आईल रहले, लेकिन उ लोग के केहू ना मिलल। आखिर में दू गो झूठा गवाह आइल,
61 ऊ कहलस, "ई आदमी कहलस कि हम भगवान के मंदिर के उजाड़ के तीन दिन में बनावे में सक्षम बानी।"
62 महायाजक उठ के पूछले, "का तू कुछ जवाब नईखऽ देत?" ई लोग तोहरा खिलाफ का गवाह बा?
63 लेकिन यीशु चुप रहले। महायाजक जवाब दिहलन, "हम तोहरा के जिंदा परमेश्वर के कसम देत बानी कि तू हमनी के बताईं कि तू परमेश्वर के बेटा मसीह हईं कि ना।"
64 यीशु ओकरा से कहलन, " तू कहले बाड़ू, लेकिन हम तोहसे कहत हई कि अब तू लोग मनुष्य के बेटा के शक्ति के दाहिना ओर बईठल आ स्वर्ग के बादल में आवत देखब।"
65 तब महायाजक आपन कपड़ा फाड़ के कहले, "उ निंदा कईले बाड़े। हमनी के गवाह के अउरी कवन जरूरत बा? देखऽ, अब तू लोग उनकर निंदा सुनले बाड़ऽ।
66 तोहनी के का लागत बा? उ लोग जवाब देके कहले, "उ मौत के दोषी बा।"
67 तब उ लोग ओकरा चेहरा पर थूक के मार दिहलस। आ कुछ लोग ओकरा के हाथ के हथेली से मार दिहल।
68 ऊ कहले, "हे मसीह, हमनी के भविष्यवाणी करऽ कि तोहरा के मारे वाला के ह?
69 पतरस महल में बाहर बईठल रहले अवुरी एगो लईकी उनुका लगे आईल अवुरी कहलस कि, "तू भी गलील के यीशु के संगे रहनी।"
70 लेकिन उ सबके सामने इनकार करत कहले, "हमरा नईखे मालूम कि तू का कहत बाड़ू।"
71 जब उ बरामदा में निकलले त एगो अवुरी नौकरानी उनुका के देख के कहलस कि, इ आदमी भी नासरत के यीशु के संगे रहे।
72 उ फेर कसम खा के इनकार कईले, "हम ओह आदमी के नईखी जानत।"
73 कुछ देर बाद ओकरा लगे खड़ा लोग आके पतरस से कहलस, "तू भी ओह लोग में से एगो हउअ। काहे कि तोहार बात तोहरा के झकझोर देला।
74 तब उ गारी देवे लगले अवुरी कसम खाए लगले कि, हम ओ आदमी के नईखी जानत। आ तुरते मुर्गा के चालक दल।
75 पतरस के यीशु के वचन याद आ गईले कि उ कहले रहले कि, मुर्गा के बाजे से पहिले तू हमरा से तीन बेर इनकार क देब। उ बाहर निकल के कड़ुआ रोअत रहले।

अध्याय 27 के बा

1 जब सबेरे भइल त सब मुखिया याजक आ लोग के बुजुर्ग लोग यीशु के हत्या करे के सलाह लेले।
2 जब उ लोग ओकरा के बान्ह के ले गईले अवुरी ओकरा के राज्यपाल पोंतियुस पिलातुस के सौंप देले।
3 तब यहूदा जे उनकरा के धोखा देले रहले, त उनकरा के दोषी ठहरावल देख के पश्चाताप क के तीस चांदी के टुकड़ा मुख्य याजक आ बुजुर्ग लोग के लगे वापस ले अईले।
4 ऊ कहलन कि हम पाप कइले बानी कि हम निर्दोष खून के धोखा देले बानी। उ लोग कहलस, "हमनी के का बा? देखऽ तू तऽ ओह बात के।
5 चाँदी के टुकड़ा मंदिर में फेंक के चल गईले अवुरी जाके फांसी प लटक गईले।
6 मुख्य याजक चानी के टुकड़ा लेके कहले, "खजाना में डालल जायज नईखे, काहेकी इ खून के कीमत ह।"
7 उ लोग मंथन क के अपना से कुम्हार के खेत खरीद के परदेसी लोग के दफना देले।
8 एही से ओह खेत के आज ले "खून के खेत" कहल गइल।
9 तब जेरेमी भविष्यवक्ता के द्वारा कहल गइल बात पूरा हो गइल कि, "उ लोग चानी के तीस टुकड़ा ले लिहले, जवन कि कीमत वाला के दाम रहे, जवना के कीमत इस्राएल के लोग में से लोग मानत रहे।
10 उ कुम्हार के खेत खातिर दे दिहलस, जईसे कि प्रभु हमरा के नियुक्त कईले रहले।
11 यीशु राज्यपाल के सामने खड़ा होके राज्यपाल पूछले, "का तू यहूदी लोग के राजा हउअ?" यीशु ओकरा से कहलन, " तू कहत बाड़ऽ।"
12 जब ओकरा पर मुख्य याजक आ बुजुर्ग लोग के आरोप लागल त ऊ कुछ ना दिहलन।
13 पिलातुस ओकरा से कहलन, "का तू नइखऽ सुनत कि ऊ लोग तोहरा खिलाफ केतना गवाही देत बा?
14 ऊ ओकरा के कबो एक शब्द ना कहलन। एतना कि राज्यपाल बहुत अचरज में पड़ गईले।
15 उ भोज में राज्यपाल के आदत रहे कि उ लोग के एगो कैदी के छोड़ देत रहले, जवना के उ लोग चाहत रहले।
16 तब ओह लोग के एगो उल्लेखनीय कैदी रहे, जेकर नाम बरब्बा रहे।
17 जब ऊ लोग एकट्ठा भइल त पिलातुस ओह लोग से कहलन, "तू लोग केकरा के छोड़ल चाहत बानी?" बरब्बा, या यीशु जेकरा के मसीह कहल जाला?
18 उ जानत रहले कि ईर्ष्या के चलते उ लोग उनुका के बचा लेले बाड़े।

19 जब ऊ न्याय के आसन पर बइठल त उनकर मेहरारू उनका लगे भेजली कि, "का ओह धर्मी आदमी से तोहरा कवनो संबंध मत बा, काहे कि आज हम ओकरा चलते सपना में बहुत कष्ट भोगले बानी।"
20 लेकिन मुख्य याजक आ बुजुर्ग लोग भीड़ के मना लिहले कि उ लोग बरब्बा से पूछ के यीशु के नाश करस|
21 राज्यपाल ओह लोग से पूछले, "तू लोग दुनो में से कवन चाहत बानी कि हम तोहनी के छोड़ दीं? उ लोग कहले, बरब्बा।
22 पिलातुस उनकरा से कहलन, "तब हम यीशु के का करब, जेकरा के मसीह कहल जाला?" उ सब ओकरा से कहलस कि, "उनुका के सूली पर चढ़ावल जाव।"
23 राज्यपाल कहलस, "काहे, उ कवन बुराई कईले बा? लेकिन उ लोग अउरी चिल्लात कहले कि, "उनुका के सूली पर चढ़ावल जाव।"
24 जब पिलातुस देखलन कि उ कुछुओ ना जीत पवले, बल्कि हंगामा हो रहल बा, त उ पानी लेके भीड़ के सामने हाथ धो के कहले, "हम एह धर्मी आदमी के खून से निर्दोष बानी।
25 तब सब लोग जवाब दिहलस, "उनकर खून हमनी आ हमनी के लइकन पर होखे।"
26 तब ऊ बरब्बा के छोड़ दिहलन आ जब ऊ यीशु के कोड़ा मार के सूली पर चढ़ावे खातिर सौंप दिहलन।
27 तब राज्यपाल के सिपाही यीशु के आम हॉल में ले गईले अवुरी पूरा सैनिक के दल के उनुका लगे बटोरले।
28 उ लोग उनकर कपड़ा उतार के लाल रंग के वस्त्र पहिनले।
29 ऊ लोग काँट के मुकुट गढ़ के ओकरा माथा पर आ दाहिना हाथ में खढ़ लगा के ओकरा सोझा घुटना टेक के मजाक उड़ावत कहलस कि, "यहूदियन के राजा, जय हो!"
30 ऊ लोग ओकरा पर थूक के खढ़ लेके ओकरा माथा पर मार दिहलस।
31 उनकर मजाक उड़ावे के बाद उ लोग उनकर वस्त्र उतार के उनकर आपन कपड़ा पहिन के सूली पर चढ़ावे खातिर ले गईले।
32 जब उ लोग बाहर निकलल त उ लोग के एगो कुरेन के आदमी मिलल, जेकर नाम शमौन रहे।
33 जब उ लोग गोलगोथा नाम के जगह यानी खोपड़ी के जगह प पहुंचले।
34 ऊ लोग ओकरा के पित्त में मिला के सिरका पीये दिहलन आ जब ऊ ओकर स्वाद चख लिहले त ऊ ना पियले.
35 ऊ लोग ओकरा के सूली पर चढ़ा के चिट्ठी डाल के ओकर कपड़ा बाँट दिहल, ताकि भविष्यवक्ता के कहल बात पूरा होखे कि, "उ लोग हमार कपड़ा ओ लोग के बीच बाँट दिहल आ हमरा कपड़ा पर चिट्ठी डालल।"
36 बईठ के उ लोग उहाँ के देखत रहले।
37 ओकरा माथा पर लिखल आरोप लगा दिहलन कि "ई यहूदी यहूदी लोग के राजा हउवें."
38 ओकरा साथे दू गो चोर के सूली पर चढ़ावल गइल, एगो दाहिना ओर आ एगो बाईं ओर।
39 ओहिजा से गुजरत लोग आपन माथा हिलावत ओकरा के निंदा कइल।
40 ऊ कहलन कि, "जे मंदिर के उजाड़ के तीन दिन में बनवऽ, त अपना के बचा लीं।" अगर तू परमेश्वर के बेटा हउअ त क्रूस से उतर जा।
41 ओइसहीं मुख्य याजक लोग भी शास्त्री आ बुजुर्ग लोग के साथे उनकर मजाक उड़ावत कहले|
42 उ दोसरा के बचा लिहले। खुद के ऊ बचा ना सके. अगर उ इस्राएल के राजा हवे त अब उ क्रूस से उतरे, त हमनी के ओकरा प विश्वास करब।
43 ऊ भगवान पर भरोसा कइलन। अगर ओकरा के चाहीं त अब ओकरा के बचावे, काहे कि ऊ कहले रहले कि हम भगवान के बेटा हईं.
44 चोर भी जे उनकरा साथे सूली पर चढ़ावल गइल रहे, उहे उनकर दाँत में डाल दिहलस।
45 छठवाँ बजे से लेके नौवां बजे ले पूरा देश पर अन्हार हो गइल।
46 लगभग नौवां बजे यीशु जोर से चिल्ला के कहले, " एली, एली, लामा सबकथानी?" माने कि हे भगवान, हमार भगवान, तू हमरा के काहे छोड़ देले बाड़?
47 उ लोग में से कुछ लोग इ बात सुन के कहलस, "ई आदमी एलियास के बोलावता।"
48 एक आदमी तुरते दौड़ के एगो स्पंज लेके ओकरा में सिरका भर के एगो खढ़ पर डाल के पीये दिहलस।
49 बाकी लोग कहलस, "चलऽ, देखल जाव कि एलियाह ओकरा के बचावे खातिर अइहें कि ना?"
50 यीशु फेरु जोर से चिल्ला के भूत के छोड़ दिहलन।
51 मंदिर के पर्दा ऊपर से नीचे तक दु भाग में फाट गईल रहे। आ धरती काँप गइल आ चट्टान फाट गइल।
52 कब्र खुल गइल। आ सुतल संत लोग के कई गो लाश उठल।
53 उनकर जी उठला के बाद कब्र से बाहर निकल के पवित्र शहर में जाके बहुत लोग के सामने प्रकट भईले।
54 जब सेनापति आउर उनकरा साथे रहल लोग जे यीशु के देखत रहलन, भूकंप आ ई घटना देखलन त उ लोग बहुत डेरा गईले आ कहलन कि, "सचहूँ इ परमेश्वर के बेटा ह।"
55 उहाँ बहुत मेहरारू दूर से देखत रहली, जवन गलील से यीशु के पीछे-पीछे चलत रहली आ उनकर सेवा करत रहली।
56 ओहमें मरियम मगदलीनी, याकूब आ यूसुस के महतारी मरियम आ जबदी के संतान के महतारी रहली।
57 जब साँझ हो गइल त अरिमाथिया के एगो धनी आदमी यूसुफ नाम के आइल, जे खुद यीशु के चेला रहले।
58 ऊ पिलातुस के लगे जाके यीशु के लाश के भीख मंगले। तब पिलातुस लाश के छोड़े के आदेश दिहलन।
59 यूसुफ लाश के लेके एगो साफ लिनन कपड़ा में लपेट लिहले।
60 ऊ ओकरा के अपना नया कब्र में रख दिहलन जवन ऊ चट्टान में उकेरले रहले आ कब्र के दुआर पर एगो बड़हन पत्थर लुढ़का के चल गइलन.
61 मरियम मगदलीनी आ दूसर मरियम कब्र के सामने बईठल रहली।
62 तैयारी के बाद अगिला दिने मुख्य याजक आ फरीसियन पिलातुस के पास एकजुट भइले।
63 कहलन, "महाराज, हमनी के इयाद बा कि उ धोखेबाज जिंदा रहले त कहले रहले कि, "तीन दिन बाद हम जी उठब।"
64 एह से आज्ञा दीं कि कब्र के तीसरा दिन तक सुरक्षित रखल जाव, ना त रात में ओकर चेला आके ओकरा के चोरा के लोग से ना कहे कि उ मुवलन में से जी उठल बाड़े, एहसे आखिरी गलती पहिला गलती से भी जादे हो जाई।
65 पिलातुस उनसे कहले, "तोहरा लगे पहरा बा, जाके जतना हो सके ओकरा के पक्का करऽ।"

66 उ लोग जाके कब्र के पक्का क के पत्थर प मुहर लगा के पहरा लगा देले।

अध्याय 28 के बा

1 सब्त के दिन के अंत में जब हफ्ता के पहिला दिन भोर होखे लागल त मरियम मगदलीनी आ दूसर मरियम कब्र देखे अइली।
2 देखऽ, एगो बड़हन भूकंप आइल, काहे कि प्रभु के दूत स्वर्ग से उतर के आके दुआर से पत्थर के पीछे घुमा के ओकरा पर बइठ गइलन।
3 उनकर चेहरा बिजली नियर रहे आ उनकर कपड़ा बर्फ नियर उज्जर रहे।
4 ओकरा डर से रखवाला लोग हिलत-डुलत मरल आदमी निहन हो गईले।
5 तब स्वर्गदूत ओह औरतन से कहलन, "तू लोग मत डेरा, काहेकि हम जानत बानी कि तू लोग यीशु के खोजत बानी, जेकरा के सूली पर चढ़ावल गइल रहे।"
6 उ इहाँ नईखन, काहेकि उ जी उठल बाड़े, जईसे उ कहले रहले। आ, देखऽ ऊ जगह जहाँ प्रभु पड़ल रहले।
7 जल्दी से जाके उनकर चेलन के बताईं कि ऊ मुवलन में से जी उठल बाड़न। आ देखऽ, ऊ तोहनी से पहिले गलील जात बा। उहाँ तू लोग ओकरा के देखबऽ, हम तोहके बता देले बानी।
8 उ लोग डर आ बहुत खुशी से जल्दी से कब्र से निकल गईले। आ अपना चेलन के खबर ले आवे खातिर दौड़ल।
9 जब उ लोग अपना चेलन के बतावे जात रहले त देख, यीशु ओ लोग से मिल के कहले, " सब लोग के जय हो।" उ लोग आके उनकर गोड़ पकड़ के उनकर आराधना कईले।
10 तब यीशु ओह लोग से कहलन, " डर मत, जा के हमरा भाई लोग के बता दीं कि उ लोग गलील में जाके उहाँ हमरा के देखिहे।
11 जब उ लोग जात रहले त देख, पहरादार के कुछ लोग शहर में आके मुख्य याजकन के सब काम के बारे में बतावत रहले।
12 जब उ लोग बुजुर्ग लोग के साथे जुट गईले आ बातचीत कईले त उ लोग सैनिकन के भारी पईसा देले।
13 ऊ कहलन, "कहऽ कि उनकर चेला रात में आके हमनी के सुतत घरी उनकरा के चोरा के ले गइलन।"
14 अगर इ बात राज्यपाल के कान में आई त हम ओकरा के समझा के तोहनी के सुरक्षित क देब।
15 उ लोग पईसा लेके उ लोग के सिखावल के मुताबिक काम कईले अवुरी इ बात आज तक यहूदी लोग के बीच आम तौर प चलता।
16 तब एगारह गो चेला गलील एगो पहाड़ पर चल गइलन जहाँ यीशु ओह लोग के नियुक्त कइले रहले।
17 उ लोग उनका के देख के उनकर आराधना कईले, लेकिन कुछ लोग के शक भईल।
18 यीशु आके ओनसे कहलन, " हमरा के स्वर्ग आ धरती में सब शक्ति दिहल गइल बा।"
19 एह से तू लोग जाके सब जाति के पिता, बेटा आ पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा देके सिखाईं।
20 हम जवन कुछ भी आज्ञा देले बानी, ओकरा के पालन करे के सिखाईं, आ देखऽ, हम दुनिया के अंत तक हमेशा तोहनी के साथे रहब। आमीन के बा।

मरकुस के सुसमाचार के बारे में बतावल गइल बा

अध्याय 1 के बा

1 परमेश्वर के बेटा यीशु मसीह के सुसमाचार के शुरुआत ह।
2 जइसे कि भविष्यवक्ता लोग में लिखल बा, "देखऽ, हम तोहरा सामने आपन दूत भेजत बानी जवन तोहरा सामने तोहार रास्ता तइयार करी।"
3 जंगल में चिल्लात के आवाज, "प्रभु के रास्ता तइयार करऽ, ओकर रास्ता सीधा करऽ।"
4 यूहन्ना जंगल में बपतिस्मा दिहलन आ पाप के माफी खातिर पश्चाताप के बपतिस्मा के प्रचार कइलन।
5 यहूदिया के पूरा देश आ यरूशलेम के लोग उनकरा लगे निकलल आ सभे आपन पाप कबूल करत यरदन नदी में उनकरा से बपतिस्मा लिहले।
6 यूहन्ना ऊंट के बाल के कपड़ा पहिनले रहले अवुरी कमर में चमड़ा के कमरबंद पहिनले रहले। ऊ टिड्डी आ जंगली शहद खात रहले.
7 ऊ प्रचार कइलन, "हमरा बाद हमरा से भी ताकतवर केहू आवत बा, जेकर जूता के कुंडी हम झुक के खोले लायक नइखीं।"
8 हम तोहनी के पानी से बपतिस्मा देले बानी, लेकिन उ तोहनी के पवित्र आत्मा से बपतिस्मा दिहे।
9 ओह दिन में ईसा गलील के नासरत से अइले आ यरदन में यूहन्ना के बपतिस्मा लिहले।
10 तुरते पानी से बाहर निकलत देखलन कि आकाश खुलल बा आ आत्मा कबूतर नियर ओकरा पर उतरत बा।
11 तब स्वर्ग से आवाज आइल, "तू हमार प्रिय बेटा हउअ, जेकरा से हम खुश बानी।"
12 तुरते आत्मा ओकरा के जंगल में भगा दिहलस।
13 ऊ चालीस दिन जंगल में शैतान के परीक्षा में रहले। आ जंगली जानवरन के साथे रहे। आ स्वर्गदूत उनकर सेवा करत रहले।
14 यूहन्ना के जेल में डालला के बाद यीशु गलील में परमेश्वर के राज्य के सुसमाचार प्रचार करत अईले।
15 ऊ कहलन कि समय पूरा हो गइल बा आ परमेश्वर के राज्य नजदीक आ गइल बा।
16 जब उ गलील के समुंदर के किनारे चलत रहले त उ देखले कि शमौन अवुरी उनुकर भाई अंद्रियास समुंदर में जाल फेंकत रहले, काहेंकी उ लोग मछुआरा रहले।
17 यीशु ओह लोग से कहलन, " तू लोग हमरा पीछे आ जा, हम तोहनी के आदमी के मछुआरा बना देब।"
18 उ लोग तुरते आपन जाल छोड़ के उनकर पीछे चल गईले।
19 उहाँ से कुछ आगे बढ़ के जबदी के बेटा याकूब आ उनकर भाई यूहन्ना के देखलन, जे लोग भी जहाज में आपन जाल ठीक करत रहले।
20 तुरंत उ लोग के बोलवले अवुरी उ लोग अपना पिता जबदी के भाड़ा के नौकर के संगे नाव में छोड़ के उनुका पीछे-पीछे चल गईले।
21 उ लोग कफरनहूम में चल गईले। सब्त के दिन उ तुरते आराधनालय में घुस के शिक्षा दिहलन।
22 उ लोग उनकर शिक्षा से अचरज में पड़ गइलन काहे कि ऊ ओह लोग के अधिकार वाला के रूप में सिखावत रहले, ना कि शास्त्री लोग के जइसन।
23 ओह लोग के आराधनालय में एगो अशुद्ध आत्मा वाला आदमी रहे। आ ऊ चिल्ला के कहलन कि
24 कहलन, "हमनी के छोड़ दीं। हे नासरत के यीशु, तोहरा से हमनी के का संबंध बा? का तू हमनी के नाश करे आइल बाड़ऽ? हम तोहरा के जानत बानी कि तू के हउअ, भगवान के पवित्र।
25 यीशु ओकरा के डांटत कहलन कि चुप रहऽ आ ओकरा से बाहर निकल जा।
26 जब अशुद्ध आत्मा ओकरा के फाड़ के जोर से चिल्ला के ओकरा से निकल गईल।
27 उ सब अचरज में पड़ गईले कि आपस में पूछताछ कईले कि, इ का बात ह? ई कवन नया सिद्धांत ह? काहेकि उ अशुद्ध आत्मा के भी अधिकार से आज्ञा देवेले अवुरी उ लोग उनुकर बात मानेला।
28 तुरते उनकर प्रसिद्धि गलील के चारो ओर के पूरा इलाका में फइल गइल।
29 तुरते आराधनालय से निकल के याकूब आ यूहन्ना के साथे शमौन आ अँड्रियास के घर में घुस गईले|
30 लेकिन सिमोन के पत्नी के महतारी बोखार से बेमार पड़ल रहली अवुरी उ लोग उनुका बारे में बतावत रहले।
31 ऊ आके ओकर हाथ पकड़ के उठवले। आ तुरते बोखार ओकरा से निकल गइल आ ऊ ओह लोग के सेवा कइली.
32 साँझ के जब सूरज डूब गइल त ऊ सब बेमार आ दुष्टात्मा से ग्रस्त लोग के उनकरा लगे ले अइले।
33 पूरा शहर दुआर पर एकट्ठा हो गइल रहे।
34 ऊ कई तरह के बेमारी से बेमार बहुते लोग के ठीक कइलन आ बहुते दुष्टन के भगा दिहलन. आ शैतान के बोले ना दिहलन, काहे कि ऊ लोग ओकरा के जानत रहे।
35 सबेरे दिन से बहुत पहिले उठ के एगो एकांत जगह पर चल गइलन आ उहाँ प्रार्थना कइलन।
36 शमौन आ उनकर साथ के लोग उनकर पीछे-पीछे चलल।
37 जब उ लोग ओकरा के पा के कहलस, "सब लोग तोहरा के खोजत बा।"
38 उ लोग से कहलन, " हमनी के बगल के शहरन में जाइब जा ताकि हम उहाँ भी प्रचार कर सकीले, काहेकि हम एही से निकलल बानी।"
39 ऊ पूरा गलील में ओह लोग के आराधनालयन में प्रचार कइलन आ दुष्टन के भगा दिहलन.
40 एगो कोढ़ी ओकरा लगे आके ओकरा से निहोरा कइलस आ ओकरा से घुटना टेक के कहलस कि, "तू चाहब त हमरा के साफ कर सकेनी।"
41 यीशु करुणा से आपन हाथ बढ़ा के ओकरा के छू के कहलन, " हम चाहब। तू साफ-सुथरा हो जा।
42 जइसहीं ऊ बात कइलन त तुरते कोढ़ ओकरा से दूर हो गइल आ ऊ साफ हो गइलन.
43 ऊ ओकरा के कड़ा आज्ञा दिहलन आ तुरते ओकरा के भेज दिहलन.

44 ऊ ओकरा से कहलस, " देखऽ, तू केहू से कुछ मत कहऽ, बाकिर जाके याजक के सामने आपन बात देखाईं आ ऊ बात अपना शुद्धि खातिर चढ़ाईं जवन मूसा के आज्ञा देले रहले, ताकि उ लोग के गवाही हो सके।
45 लेकिन उ बाहर निकल के एकरा के बहुत प्रचारित करे लगले अवुरी इ बात के भड़कावे लगले कि यीशु अब शहर में खुल के ना जा पवले, बालुक बाहर रेगिस्तान में रह गईले।

अध्याय 2 के बा

1 कुछ दिन बाद उ फेर कफरनहूम में घुस गईले। आ शोरगुल भइल कि ऊ घर में बा.
2 तुरते बहुत लोग एकट्ठा हो गईले कि उ लोग के स्वागत करे के कवनो गुंजाइश ना रहे, ना ही दुआर के आसपास।
3 उ लोग एगो लकवा से पीड़ित के लेके उनुका लगे अईले, जवन कि चार लोग के पैदा भईल रहे।
4 जब उ लोग दबाव के चलते ओकरा लगे ना पहुंच पवले त उ छत के खोल देले, जहां उ रहले अवुरी ओकरा के तोड़ के उ बिछौना के उतार देले, जवना प पक्षाघात के रोगी पड़ल रहले।
5 जब यीशु ओह लोग के विश्वास देख के लकवा से पीड़ित से कहलन, " बेटा, तोहार पाप माफ हो गइल बा।"
6 लेकिन कुछ शास्त्री लोग उहाँ बईठ के मन में तर्क करत रहले।
7 ई आदमी एह तरह से निंदा काहे कहत बा? खाली भगवान के छोड़ के के पाप माफ कर सकेला?
8 जब यीशु अपना मन में बुझाइल कि ऊ लोग अपना मन में अतना तर्क करत बा, त ऊ ओह लोग से कहलन, " तू लोग अपना मन में ई बात काहे सोचत बाड़ऽ?
9 का लकवा के रोगी से ई कहल आसान बा कि तोहार पाप माफ हो गइल बा। भा ई कहे के कि उठ के आपन बिछौना उठा के चल जा?
ई जान लीं कि मनुष्य के बेटा के पाप माफ करे के अधिकार धरती पर बा।
11 हम तोहरा से कहत बानी कि उठ के आपन बिछौना उठा के अपना घर में चल जा।
12 उ तुरते उठ के बिछौना उठा के सब के सामने निकल गईले। एतना कि उ सब अचरज में पड़ गईले अवुरी भगवान के महिमा करत कहले कि, हमनी के एकरा के कबो अयीसन ना देखनी।
13 ऊ फेरु से समुंदर के किनारे निकल गइलन। आ सभे भीड़ उनकरा लगे पहुँचल आ ऊ ओह लोग के सिखवले।
14 जब उहाँ से गुजरत रहले त उ अल्फीस के बेटा लेवी के करवाला के घर बईठल देखले अवुरी कहले, " हमरा पीछे चलऽ।" उ उठ के ओकरा पीछे-पीछे चल गईले।
15 जब यीशु अपना घर में खाना खात रहले त बहुत कर लेवे वाला आ पापी लोग भी यीशु आ उनकर चेलन के साथे बईठल रहले, काहेकि उ लोग बहुत लोग उनकर पीछे-पीछे चलत रहले।
16 जब शास्त्री आ फरीसी लोग उनका के करदाता आ पापी लोग के साथे खाना खात देखले त उनकर चेलन से पूछले, "कइसे कर लेवे वाला आ पापी लोग के साथे खात-पीयत कइसे?
17 जब यीशु ई बात सुन के कहलन, " स्वस्थ लोग के वैद्य के जरूरत नइखे, बलुक बेमार लोग के।
18 यूहन्ना आ फरीसियन के चेला लोग उपवास करत रहले आ उ लोग आके पूछले, "यूहन्ना आ फरीसियन के चेला काहे उपवास करेले, लेकिन तोहार चेला उपवास काहे ना करेले?
19 यीशु उनसे कहलन, "का दुल्हिन के साथ रहला के बाद दुल्हिन के लइका उपवास कर सकेलन?" जबले ओह लोग का साथे दूल्हा बा तबले ऊ लोग उपवास ना कर सके.
20 लेकिन उ दिन आई जब दूल्हा के ओ लोग से दूर क दिहल जाई अवुरी ओ दिन उ लोग उपवास करीहे।
21 केहू पुरान कपड़ा पर नया कपड़ा के टुकड़ा भी ना सिलाई करेला, ना त ओकरा के भरल नया टुकड़ा पुरान कपड़ा से हटा देला आ फाटल अउरी खराब हो जाला।
22 केहू नया शराब के पुरान बोतल में ना डालेला, ना त नया शराब के बोतल फाड़ के शराब छलक जाई आ बोतल खराब हो जाई, लेकिन नया शराब के नया बोतल में डालल जरूरी बा।
23 ऊ सब्त के दिन धान के खेत में से गुजरत रहले। आउर उनकर चेला लोग जात-जात धान के कन तोड़े लगलन।
24 फरीसी लोग ओकरा से कहलस, "देखऽ, उ लोग सब्त के दिन उ काम काहे करेलन जवन उचित नइखे?
25 उ लोग से कहलन, " का रउवां कबो ना पढ़ले बानी कि दाऊद आ उनकरा साथे के लोग के जरूरत पड़ला पर भूखल रहलन?
26 अबियाथर महायाजक के समय में उ कइसे परमेश् वर के घर में जाके उ रोटी खईले, जवन कि याजक के छोड़ के खाए के इजाजत नईखे, अवुरी उनुका संगे रहेवाला लोग के भी देले?
27 ऊ ओह लोग से कहलन, " सबत के दिन आदमी खातिर बनावल गइल बा, ना कि आदमी सब्त के दिन खातिर।
28 एही से मनुष्य के बेटा सब्त के दिन के भी प्रभु हवे।

अध्याय 3 के बा

1 ऊ फेरु से आराधनालय में घुस गइलन। उहाँ एगो आदमी रहे जेकर हाथ मुरझा गइल रहे।
2 उ लोग ओकरा के देखत रहे कि का उ सब्त के दिन ओकरा के ठीक करीहे। ताकि उ लोग ओकरा प आरोप लगावे।
3 ऊ मुरझाइल हाथ वाला आदमी से कहलन कि, "खड़ा हो जा."
4 उ लोग से कहलस, " का सब्त के दिन भलाई कईल जायज बा कि बुराई कईल जायज?" जान बचावे खातिर, कि मारे खातिर? लेकिन उ लोग आपन चुप रह गईले।
5 जब ऊ ओह लोग के मन के कठोरता से दुखी होके ओह लोग के चारो ओर देख के कहले, " अपना हाथ बढ़ाईं।" ऊ ओकरा के बढ़ा दिहलन आ ओकर हाथ दोसरा जइसन ठीक हो गइल.
6 फरीसी लोग निकल के तुरते हेरोदीय लोग से उनकरा खिलाफ सलाह लेले कि उ लोग ओकरा के कइसे नाश कर सके|
7 लेकिन यीशु अपना चेलन के साथे समुंदर के ओर चल गइलन आ गलील आ यहूदिया से भीड़ उनकरा पीछे-पीछे चलल।
8 यरूशलेम से, इदुमिया से आ यरदन के ओह पार से। सोर आ सीदोन के आसपास के लोग बहुत बड़ भीड़ सुन के उनकरा केतना बड़ काम करत रहे।
9 उ अपना चेलन से कहलन कि भीड़ के चलते एगो छोट नाव उनका के इंतजार करे, कहीं उ लोग उनका पर भीड़ ना लागे।
10 काहेकि उ बहुत लोग के ठीक क देले रहले। एतना कि उ लोग ओकरा के छूवे खातिर दबाव डालत रहले, जेतना लोग के विपत्ति रहे।
11 अशुद्ध आत्मा ओकरा के देख के ओकरा सोझा गिर के चिल्लात कहलस कि तू परमेश्वर के बेटा हउअ।

12 ऊ ओह लोग के कड़ा आज्ञा दिहलन कि ऊ लोग ओकरा के ना बतावे.
13 ऊ एगो पहाड़ पर चढ़ के जेकरा के चाहत रहे ओकरा के बोलावेला आ ऊ लोग ओकरा लगे आ गइल।
14 उ बारह लोग के नियुक्त कईले कि उ लोग अपना संगे रहस अवुरी उ लोग के प्रचार करे खाती भेजस।
15 आ ओकरा में बेमारी ठीक करे आ दुष्टात्मा के भगावे के शक्ति होखे।
16 शिमोन के उपनाम पतरस रखलन।
17 जबदी के बेटा याकूब आ याकूब के भाई यूहन्ना। ऊ ओह लोग के उपनाम बोअनेर्जेस रखलन, जवन कि गरज के बेटा हवें।
18 आंद्रियास, फिलिप, बार्थोलोम्यू, मत्ती, थोमा, अल्फीस के बेटा याकूब, थद्दैयस आ कनान के शमौन।
19 यहूदा इस्करियोती भी ओकरा के धोखा देके एगो घर में चल गईले।
20 फिर भीड़ एकट्ठा हो जाला कि उ लोग रोटी तक ना खा पवलस।
21 जब उनकर दोस्त लोग ई बात सुन के ओकरा के पकड़े खातिर निकलल, काहे कि उ लोग कहत रहे कि, "उ बेहोश हो गईल बा।"
22 यरूशलेम से उतरल शास्त्री लोग कहले, "उनुका लगे बेलजबूब बा आ ऊ दुष्टन के सरदार के द्वारा दुष्टन के भगावेला।"
23 ऊ ओह लोग के अपना लगे बोलवले आ दृष्टांत में कहलन कि शैतान शैतान के कइसे बाहर निकाल सकेला?
24 अगर कवनो राज्य अपना खिलाफ बंटल होखे त उ राज्य खड़ा ना हो सकेला।
25 अगर कवनो घर में बंटवारा हो जाव त ऊ घर खड़ा ना हो सके.
26 अगर शैतान अपना खिलाफ उठ के बंटल हो जाव त ऊ खड़ा ना हो सकेला बाकिर ओकर अंत हो जाई.
27 केहू बरियार के घर में जाके ओकर माल लूट ना सकेला, जब तक कि ऊ पहिले बलवान के बान्ह ना लेव। आ तब ऊ आपन घर बिगाड़ दी.
28 हम तोहनी से सच कहत हई कि मनुष्य के लइका के सब पाप माफ कर दिहल जाई, जवन भी निन्दा करी|
29 लेकिन जे पवित्र आत्मा के निंदा करी ओकरा के कबो माफी ना मिलेला, लेकिन ओकरा अनन्त काल के दण्ड के खतरा बा।
30 काहे कि उ लोग कहत रहले कि, "उनुका में अशुद्ध आत्मा बा।"
31 उहाँ उनकर भाई आ उनकर माई आके बाहर खड़ा होके उनका के बोलावे खातिर भेजले|
32 भीड़ ओकरा चारो ओर बईठ के कहलस, "देखऽ, तोहार माई आ तोहार भाई तोहरा के खोजत बाड़े।
33 ऊ ओह लोग के जवाब दिहलन, " हमार माई के हवें आ भाई लोग के ह?"
34 उ अपना आसपास बईठल लोग के चारो ओर देखत कहले, " देखऽ हमार माई आ हमार भाई लोग!"
35 काहे कि जे भी परमेश्वर के इच्छा के पालन करी, उहे हमार भाई, बहिन आ माई हई।

अध्याय 4 के बा

1 ऊ फेर से समुंदर के किनारे पढ़ावे लगलन आ उनकरा लगे बहुत भीड़ जुट गइल कि ऊ एगो जहाज में बइठ के समुंदर में बइठ गइलन। आ पूरा भीड़ समुंदर के किनारे जमीन पर रहे।
2 उ दृष् टकोण के द्वारा उनके बहुत बात सिखवले आ अपना शिक्षा में उनके कहलन|
3 सुनल जा सकेला; देखऽ, उहाँ एगो बोवे वाला बोवे खातिर निकलल रहे।
4 जब उ बोवाई करत रहले त कुछ लोग रास्ता के किनारे गिर गईल अवुरी हवा के चिरई आके ओकरा के खा गईल।
5 कुछ लोग पत्थर के जमीन पर गिर गइल जहाँ ओकरा लगे ढेर माटी ना रहे। उ तुरते उग उठल काहे कि ओकरा में धरती के गहराई ना रहे।
6 लेकिन जब सूरज निकलल त उ झुलस गईल। आ जड़ ना होखला का चलते ऊ मुरझा गइल.
7 कुछ लोग काँट के बीच में गिर गइल आ काँटा बढ़ के ओकर गला दबा दिहलस आ कवनो फल ना मिलल।
8 कुछ लोग बढ़िया जमीन पर गिरल आ फल उग के बढ़ल। आ केहू तीस, केहू साठ आ केहू सौ गो पैदा कइलस।
9 ऊ ओह लोग से कहलन, " जेकरा लगे सुने के कान बा, ऊ सुन लेव."
10 जब उ अकेले रहले त बारह लोग के संगे उनुका आसपास के लोग उनुका से दृष्टांत पूछले।
11 ऊ ओह लोग से कहलन, " परमेशवर के राज के रहस्य के बारे में तोहनी के जानल दिहल गइल बा, लेकिन बाहर के लोग के ई सब बात दृष्टान्त में कइल जाला।
12 ताकि उ लोग देख के देख सकस, लेकिन ना समझ सकस। आ सुन के ऊ लोग सुन सकेला आ ना समझ सकेला. कहीं कबो उ लोग के धर्म परिवर्तन ना हो जाव आ उनकर पाप माफ ना हो जाव।
13 ऊ ओह लोग से कहलन, "का तू लोग ई दृष्टांत के नइख जानत? आ तोहनी सब दृष्टान्त कइसे जानबऽ?
14 बोवे वाला वचन के बोवेला।
15 रास्ता के किनारे इहे लोग ह, जहाँ वचन बोवल जाला। लेकिन जब उ लोग सुन लेले त शैतान तुरंत आके उ लोग के दिल में बोवल गईल वचन के छीन लेले।
16 इहे उहे ह जवन पत्थर के जमीन पर बोवल जाला। उ लोग वचन सुन के तुरते खुशी से ग्रहण करेला।
17 आ अपना में जड़ ना होखे आ एही से कुछ समय खातिर टिकल रहेला, बाद में जब वचन के खातिर कष्ट भा सतावल जाला त तुरंत उ लोग के ठेस पहुँच जाला।
18 इहे उहे ह जवन काँट के बीच में बोवल जाला। जइसे कि वचन सुनल,
19 एह संसार के चिंता आ धन के धोखा आ दोसरा चीजन के लालसा वचन के गला घोंट देला आ ऊ निष्फल हो जाला।
20 इहे उहे ह जवन बढ़िया जमीन पर बोवल जाला। जे लोग वचन सुन के ओकरा के ग्रहण करेला आ फल देला, केहू तीस गुना, केहू साठ आ कुछ सौ गुना।
21 उ लोग से कहलस, " का मोमबत्ती के बुशैल के नीचे रखे खातिर ले आवल जाला कि बिछौना के नीचे? आ मोमबत्ती पर ना सेट कइल जाव?

22 काहेकि कुछुओ छिपल नइखे जवन प्रकट ना होई। ना त कवनो बात गुप्त राखल गइल, बलुक विदेश में आवे के बात कहल गइल.
23 अगर केहू के सुनला के कान बा त उ सुनस।
24 ऊ ओह लोग से कहलन कि, " तू जवन सुनत बाड़ऽ, ओकरा से सावधान रहऽ, जवना नाप से नापब, ओकरा के तोहनी के नापल जाई आ जे सुनत ओकरा के अउरी दिहल जाई।"
25 काहे कि जेकरा लगे बा ओकरा के दिहल जाई, आ जेकरा लगे नइखे, ओकरा से जवन बा, ओकरा से छीन लिहल जाई।
26 ऊ कहलन, " परमेशवर के राज्य भी ओइसहीं बा जइसे कवनो आदमी जमीन में बीज डालत होखे।
27 रात-दिन सुत के उठल आ बीया उग के बढ़ल, ओकरा पता ना चलेला कि कइसे।
28 काहे कि धरती अपना से फल पैदा करेले। पहिले ब्लेड, फेर कान, ओकरा बाद कान में भरल मकई।
29 जब फल निकलेला त तुरते हँसुआ डाल देला काहे कि फसल के समय आ गईल बा।
30 उ कहले, " हमनी के परमेश्वर के राज्य के तुलना कवना से करब जा? भा हमनी के एकर तुलना कवना तुलना से करब जा?
31 ई सरसों के दाना नियर होला जवन धरती में बोवलला पर धरती में मौजूद सब बीज से कम होला।
32 जब ऊ बोवल जाला त ऊ बढ़ जाला आ सब जड़ी-बूटी से बड़हन हो जाला आ बड़हन डाढ़ उखाड़ देला। ताकि हवा के चिरई ओकरा छाया में ठहर सके।
33 आऊ अइसन बहुत दृष्टान्त से उ लोग के बात सुनत रहले।
34 लेकिन बिना कवनो दृष्टान्त के उ लोग से ना बोलले, जब उ लोग अकेले रहले त उ अपना चेलन के सब बात बतावत रहले।
35 ओही दिन जब साँझ हो गइल त ऊ ओह लोग से कहलन कि हमनी के ओह पार से गुजरल जाव.
36 जब उ लोग भीड़ के भेज के नाव में सवार रहले, ओसही उनुका के लेके चल गईले। आ ओकरा साथे अउरी छोट-छोट जहाज भी रहे।
37 एगो बड़हन तूफान उठल आ लहर नाव में धड़क गइल आ नाव भर गइल।
38 ऊ जहाज के पीछे के हिस्सा में तकिया पर सुतल रहले आ ऊ लोग ओकरा के जगा के कहलस, "गुरु, का तोहरा परवाह नइखे कि हमनी के नाश हो जाईं जा?"
39 ऊ उठ के हवा के डांट के समुंदर से कहलस, " शांति रहऽ, शान्त रहऽ!" आ हवा बंद हो गइल आ बहुत शांत हो गइल।
40 ऊ ओह लोग से कहलन, " तू लोग एतना डेरात काहे? कइसे हो गइल कि तोहनी के कवनो विश्वास नइखे?
41 उ लोग बहुत डेरा गईले अवुरी एक दूसरा से पूछले, "ई कवन आदमी ह, जवन कि हवा अवुरी समुंदर तक ओकर बात मानेला?

अध्याय 5 के बा

1 उ लोग समुंदर के ओह पार, गदरेन के देश में आ गईले।
2 जब ऊ जहाज से उतरलन त तुरते कब्र से एगो अशुद्ध आत्मा वाला आदमी उनका से भेंट भइल।
3 उनकर निवास कब्र के बीच में रहे। ना केहू ओकरा के जंजीर से ना बान्ह सकत रहे।
4 काहे कि ओकरा के अक्सर बेड़ी आ जंजीर से बान्हल जात रहे आ ओकरा से जंजीर उखाड़ल गइल रहे आ बेड़ी के टुकड़ा-टुकड़ा हो गइल रहे आ केहू ओकरा के वश में ना कर सकत रहे।
5 ऊ हरदम रात-दिन पहाड़ आ कब्र पर रोवत रहले आ पत्थर से काटत रहले।
6 जब ऊ यीशु के दूर से देखलन त ऊ दौड़ के उनकर आराधना कइलन।
7 ऊ जोर से चिल्ला के कहलस, "हे परम परमेश्वर के बेटा यीशु, तोहरा से हमार का संबंध बा? हम तोहरा के भगवान के कसम देत बानी कि तू हमरा के सतावऽ।
8 काहेकि उ ओकरा से कहले, " हे अशुद्ध आत्मा, आदमी से निकल जा।"
9 ऊ पूछले, " तोहार नाम का ह?" ऊ जवाब दिहलन, "हमार नाम सेना ह, काहे कि हमनी के बहुते बानी जा."
10 उ उनकरा से बहुत निहोरा कईले कि उ ओ लोग के देश से बाहर मत भेजस।
11 पहाड़न के लगे सुअर के एगो बड़हन झुंड चारा खात रहे।
12 सब भूत-प्रेत ओकरा से निहोरा करत कहलन कि हमनी के सुअर में भेज द, ताकि हमनी के सुअर में घुस सकीले।
13 तुरते यीशु ओह लोग के अनुमति दे दिहलन। अशुद्ध आत्मा निकल के सुअर में घुस गईल अवुरी झुंड एगो खड़ा जगह से नीचे समुद्र में जोर-जोर से भाग गईल, (उ लोग करीब दु हजार रहे) अवुरी समुंदर में गला घोंट गईल।
14 सुअर के चरावे वाला लोग भाग के शहर आ देहात में बतवले। आ ऊ लोग ई देखे खातिर निकलल कि ई का भइल बा.
15 ऊ लोग यीशु के लगे अइले आ ऊ लोग के देखलन कि ऊ शैतान के भूत से ग्रस्त रहे आ ओकरा लगे सेना बईठल बा आ कपड़ा पहिनले आ सही दिमाग में रहे।
16 एकरा के देखे वाला लोग बतवले कि शैतान से ग्रस्त आदमी के संगे अवुरी सुअर के बारे में भी कईसे भईल।
17 उ लोग उनुका से अपना इलाका से निकले के निहोरा करे लगले।
18 जब ऊ नाव में चढ़ले त ऊ जे शैतान से ग्रस्त रहे, ओकरा से प्रार्थना कइलस कि ऊ ओकरा साथे रहस।
19 लेकिन यीशु ओकरा के ना दिहलन, लेकिन कहलन, " अपना दोस्तन के घरे जाके बताईं कि प्रभु तोहरा खातिर केतना बड़ काम कइले बाड़न आ तोहरा पर दया कइले बाड़न।"
20 ऊ चल के दकापोलिस में बतावे लगलन कि यीशु उनका खातिर केतना बड़हन काम कइले बाड़न आ सभे अचरज में पड़ गइलन।
21 जब यीशु फेर से जहाज से ओह पार चल गइलन त बहुत लोग उनका लगे जुट गइल आ ऊ समुंदर के नजदीक आ गइलन.
22 आराधनालय के एगो शासक याइरूस के नाम से आवत बाड़े। ओकरा के देखले त ओकरा गोड़ पर गिर गइल।
23 ऊ ओकरा से बहुत निहोरा कइलन कि हमार छोटकी बेटी मौत के कगार पर पड़ल बिया। आ ऊ जिंदा रह जइहें।
24 यीशु ओकरा साथे चल गइलन। बहुत लोग उनकरा पीछे-पीछे आके भीड़ लगा दिहलस।
25 एगो औरत के बारह साल तक खून से लथपथ रहे।
26 कई गो वैद्य लोग के बहुत कष्ट उठा के उनकर सब कुछ खरच कर देले रहली, लेकिन कुछुओ ठीक ना भईल, बल्कि अउरी खराब हो गईली।
27 जब उ यीशु के बारे में सुनली त पीछे से दबाव में आके उनकर कपड़ा छू लिहली।

28 काहेकि उ कहली कि, "अगर हम ओकर कपड़ा के छोड़ देब त हम ठीक हो जाईब।"
29 तुरते ओकर खून के फव्वारा सूख गइल। आ ओकरा अपना देह में लागल कि ऊ ओह प्लेग से ठीक हो गइल बाड़ी.
30 यीशु तुरते अपना मन में जान के कि उनकरा में से सद्‌गुण निकलल बा, उ दब में घुमा के कहले, " हमार कपड़ा के छूवलस?"
31 उनकर चेलन उनकरा से कहलन, "तू भीड़ के भीड़ लगावत देखत बाड़ऽ आ कहत बाड़ऽ कि हमरा के के छूवलस?"
32 उ चारो ओर देखलस कि उ इ काम करे वाली महिला के देखस।
33 लेकिन उ महिला डेरा के काँपत-काँपत जान के कि ओकरा में का भईल बा, उ ओकरा सोझा गिर गईली अवुरी उनुका के पूरा सच्चाई बतवली।
34 उ ओकरा से कहलस, " बेटी, तोहार विश्वास तोहरा के ठीक क देले बा। चैन से जाके आपन विपत्ति से ठीक हो जा।
35 जब ऊ बोलत रहले तबले आराधनालय के मालिक से कुछ लोग आके कहलस कि, "तोहार बेटी मर गइल बा।
36 जइसहीं यीशु कहल गइल वचन सुनलन त ऊ आराधनालय के शासक से कहलन कि मत डेरा, खाली विश्वास करीं।
37 ऊ पतरस, याकूब आ याकूब के भाई यूहन्ना के छोड़ के केहू के पीछे-पीछे ना आवे दिहलन।
38 ऊ आराधनालय के शासक के घरे आके हंगामा आ बहुते रोवत आ विलाप करे वाला लोग के देखले।
39 जब उ अंदर अइले त उ लोग से कहलन कि, " तू लोग इहे हंगामा आ रोवे काहे?" लइकी मरल नइखे, बाकिर सुतल बिया।
40 उ लोग ओकरा के तिरस्कार करत हंसत रहले। लेकिन जब उ सब के बाहर निकाल के लईकी के बाप-माई अवुरी ओकरा संगे रहेवाला लोग के लेके उहाँ घुस गईले, जहां उ लईकी पड़ल रहे।
41 ऊ लइकी के हाथ पकड़ के कहलस, " तलिथा जीर; जवना के मतलब बा कि, "बच्ची, हम तोहरा से कहत बानी, उठ जा."
42 लइकी तुरते उठ के चलल। काहे कि उ बारह साल के रहली। आ ऊ लोग बहुते अचरज से अचरज में पड़ गइल.
43 ऊ ओह लोग के कड़ा आज्ञा दिहलन कि केहू के ई बात ना मालूम होखे। आ आदेश दिहलन कि ओकरा के कुछ खाए खातिर दिहल जाव.

अध्याय 6 के बा

1 उहाँ से निकल के अपना देश में आ गईले। आ उनकर चेला लोग उनकरा पीछे पड़ जाला।
2 जब सब्त के दिन आइल त ऊ आराधनालय में पढ़ावे लगलन आ उनकर बात सुन के बहुत लोग अचरज में पड़ गइलन आ कहलन कि ई बात कहाँ से आइल बा? आ ओकरा के कवन बुद्धि दिहल गइल बा कि अइसन पराक्रमी काम भी ओकरा हाथ से कइल जाला?
3 का इ याकूब, योसेस, यहूदा आ सिमोन के भाई मरियम के बेटा बढ़ई ना ह? आ का उनकर बहिन हमनी के साथे इहाँ नइखी? आ उ लोग ओकरा से नाराज हो गईले।
4 लेकिन यीशु ओनसे कहलन, " भविष्यवक्ता के इज्जत ना होला, बलुक अपना देश में, अपना रिश्तेदारन के बीच आ अपना घर में होला।
5 उहाँ कवनो पराक्रमी काम ना कर सकत रहले, सिवाय कुछ बेमार लोग पर हाथ डाल के ठीक कर दिहले।
6 उ लोग के अविश्वास के चलते उ अचरज में पड़ गईले। आ ऊ गाँव-गाँव में घूम-घूम के पढ़ावत रहले.
7 ऊ बारह गो के अपना लगे बोला के दू-दू दू गो भेजल शुरू कर दिहलन। आ अशुद्ध आत्मा पर अधिकार दिहलन।
8 उ लोग के आज्ञा दिहलन कि उ लोग अपना यात्रा खातिर खाली एगो लाठी छोड़ के कुछुओ ना लेवे के चाहीं। ना कवनो स्क्रप, ना रोटी, ना पइसा ओह लोग के पर्स में।
9 लेकिन चप्पल के जूता पहिन के रहऽ। आ दू गो कोट ना पहिरे के चाहीं.
10 उ लोग से कहलन कि, " जवना घर में जाइब, तब तक उहाँ रहब जब तक कि तू लोग ओह जगह से ना निकलब।"
11 जे भी तोहनी के ना ग्रहण करी आ ना सुनाई, जब तू उहाँ से निकलब त ओकरा खिलाफ गवाही देवे खातिर अपना गोड़ के नीचे के धूल के हिला दीं। हम तोहनी से सच कहत हई कि न्याय के दिन सदोम आ अमोरा के नगर से ज्यादा सहनशील होई।
12 उ लोग बाहर निकल के प्रचार कईले कि आदमी पश्चाताप करे।
13 उ लोग बहुत दुष्टात्मा के भगा दिहले, आ बहुत बेमार लोग के तेल से अभिषेक क के ठीक क देले।
14 राजा हेरोदेस ओकर बारे में सुनले। (काहेकि उनकर नाम फइलल रहे।) उ कहले, "यूहन्ना बपतिस्मा देवे वाला मुवलन में से जी उठल बाड़े, एही से उनकरा में पराक्रमी काम लउकत बा।"
15 दूसर लोग कहल कि इ एलियाह ह। दूसर लोग कहल कि, इ एगो भविष्यवक्ता ह, या भविष्यवक्ता में से कवनो एक के रूप में।
16 हेरोदेस ई बात सुन के कहलन, "हम यूहन्ना हउवें जेकर सिर काटले बानी।
17 काहेकि हेरोदेस खुद भेज के यूहन्ना के पकड़ के जेल में बंद क देले रहले, जवन कि अपना भाई फिलिप के पत्नी हेरोदियास के चलते उनुका से बियाह क लेले रहले।
18 काहेकि यूहन्ना हेरोदेस से कहले रहले कि, "तोहरा भाई के मेहरारू होखल जायज नईखे।"
19 एही से हेरोदियास के उनकरा से झगड़ा हो गइल आ उ उनकरा के मार दिहल चाहत रहले। बाकिर ऊ ना कर पवली.
20 हेरोदेस यूहन्ना से डेरात रहले, काहेकि उ जानत रहले कि उ धर्मी आ पवित्र आदमी हवे अवुरी उनुकर पालन करत रहले। उनकर बात सुन के ऊ बहुत काम कइलन आ खुशी से उनकर बात सुनलन।
21 एक दिन ठीक हो गइल त हेरोदेस अपना जनमदिन पर अपना मालिकन, महासेनापति आ गलील के मुखिया लोग के भोज बनवले।
22 जब उल्लिखित हेरोदिया के बेटी अंदर आके नाच के हेरोदेस आ ओकरा साथे बईठल लोग के खुश कइलस त राजा ओह लइकी से कहलस, "तू जवन मन करे हमरा से माँगऽ आ हम तोहरा के दे देब।"
23 उ ओकरा से किरिया खइले कि, "तू हमरा से जवन कुछ माँगब, हम ओकरा के तोहरा के दे देब, अपना राज्य के आधा हिस्सा तक।"
24 ऊ निकल के अपना महतारी से कहली, "हम का पूछब? उ कहली, "यूहन्ना बपतिस्मा देवे वाला के सिर।"

25 ऊ तुरते राजा के लगे अइली आ कहली कि, "हम चाहत बानी कि तू हमरा के यूहन्ना बपतिस्मा देवे वाला के माथा एक बार में एक जार में दे दऽ।"
26 राजा के बहुत दुख भइल। तबो अपना किरिया खातिर आ ओकरा साथे बइठल ओह लोग खातिर ऊ ओकरा के ना ठुकरा दिहलन.
27 राजा तुरते एगो जल्लाद भेज के ओकर माथा ले आवे के आदेश दिहलन आ जेल में जाके ओकर सिर काट दिहलन।
28 ऊ आपन माथा एगो बर्तन में लेके ओह लइकी के दे दिहलस आ लइकी अपना महतारी के दे दिहलस।
29 जब उनकर चेला लोग ई बात सुन के उनकर लाश लेके एगो कब्र में रख दिहलन।
30 प्रेरित लोग यीशु के लगे एकट्ठा होके उ लोग के काम आ सिखावल सब बात बतवले|
31 ऊ ओह लोग से कहलन कि, " तू लोग अलग-अलग रेगिस्तान में आके कुछ देर आराम करऽ, काहे कि बहुत लोग आवत-जात रहे, आ ओह लोग के खाना खाए के फुरसत ना रहे।
32 उ लोग एकांत में जहाज से एगो रेगिस्तानी जगह प निकल गईले।
33 लोग ओह लोग के जात देख के बहुत लोग उनका के जान गइल आ सब शहरन से पैदल उहाँ भागल आ ओह लोग के आगे बढ़ के ओकरा लगे आ गइल।
34 यीशु जब बाहर निकलले त बहुत लोग के देखले अवुरी उनुका प दया आईल, काहेंकी उ भेड़ निहन रहले, जवना के चरवाहा ना रहे।
35 जब दिन बहुत दूर हो गइल त उनकर चेला लोग उनकरा लगे आके कहलन, "ई एगो रेगिस्तान ह आ अब समय बहुत बीत गइल बा।
36 ओह लोग के भेज दीं कि ऊ लोग आसपास के देहात आ गाँव में जाके अपना खातिर रोटी खरीद सके, काहे कि ओह लोग के खाए खातिर कुछुओ नइखे।
37 ऊ जवाब दिहलन, " तू लोग ओह लोग के खाना दे दीं।" उ लोग ओकरा से कहलस कि का हमनी के जाके दु सौ पईसा के रोटी खरीद के ओ लोग के खाए के देब जा?
38 उ लोग से कहलस कि तोहनी के लगे केतना रोटी बा? जाके देखऽ। जब ऊ लोग के पता चलल त ऊ लोग कहत बा कि "पाँच गो आ दू गो मछरी."
39 ऊ ओह लोग के आदेश दिहलन कि सभे के हरियर घास पर बईठावल जाव।
40 ऊ लोग सैकड़न आ पचास के पंक्ति में बइठल।
41 पांच गो रोटी आ दू गो मछरी लेके ऊ आकाश के ओर देखलन आ आशीष दिहलन आ रोटी के तोड़ के अपना चेलन के दे दिहलन कि ऊ लोग ओह लोग के सोझा राखसु. आ दुनो मछरी के उ सब के बीच बांट दिहलस।
42 सब लोग खा के पेट भर गइलन।
43 उ लोग बारह गो टोकरी में टुकड़ा-टुकड़ा आ मछरी से भरल रखले।
44 रोटी के खाए वाला लोग करीब पांच हजार आदमी रहले।
45 उ तुरते अपना चेलन के नाव में चढ़े आ ओकरा से पहिले ओह पार बेतसैदा जाए खातिर मजबूर कर दिहलन, जबकि ऊ लोग के भेज दिहलन।
46 जब उ ओह लोग के भेज के एगो पहाड़ पर प्रार्थना करे खातिर निकल गईले।
47 जब साँझ हो गइल त जहाज समुंदर के बीच में रहे आ ऊ अकेले जमीन पर रहे।
48 ऊ ओह लोग के नाव चलावे में मेहनत करत देखलन। काहे कि हवा ओह लोग के विपरीत रहे आ रात के चउथा प्रहर के करीब ऊ समुंदर पर चलत ओह लोग के लगे अइले आ ओह लोग के पास से गुजरल चाहत रहले.
49 जब उ लोग ओकरा के समुंदर पर चलत देखले त उ लोग समझल कि इ एगो आत्मा ह।
50 काहेकि उ सब ओकरा के देख के घबरा गईले। उ तुरते ओ लोग से बात कईले अवुरी कहले, " हैस रहऽ, हमहीं हईं। डेराए के ना होखे।
51 ऊ ओह लोग के लगे जहाज में चढ़ गइलन। हवा बंद हो गइल आ ऊ लोग अपना में बहुते अचरज में पड़ गइल आ अचरज में पड़ गइल.
52 उ लोग रोटी के चमत्कार के बारे में ना सोचले, काहेकि उ लोग के मन कठोर हो गईल रहे।
53 जब उ लोग ओहिजा से गुजर के गेनेसरत के देश में आके किनारे आ गईले।
54 जब उ लोग जहाज से उतरले त तुरंत उनुका के जान गईले।
55 उ पूरा इलाका में दौड़त-दौड़त बेमार लोग के बिछौना पर लेके घूमे लगले, जहां उ लोग सुनले कि उ बाड़े।
56 जहाँ-जहाँ उ गाँव-गाँव भा शहर भा देहात में घुसल, उ लोग बेमार लोग के गली-गली में सुता के निहोरा करत रहे कि अगर उ कपड़ा के सीमा मात्र होखे त उ लोग ओकरा के छू सके।

अध्याय 7 के बा

1 फिर यरूशलेम से आइल फरीसियन आ कुछ शास्त्री लोग उनका लगे एकट्ठा भइल।
2 जब उ लोग उनकर कुछ चेलन के अशुद्ध यानी बिना धोवल हाथ से रोटी खात देखले त उ लोग के दोष मिलल।
3 काहे कि फरीसी आऊ सब यहूदी लोग जब तक बार बार हाथ ना धोवेला, तब तक बुजुर्ग लोग के परंपरा के पालन करत ना खाए।
4 जब उ लोग बाजार से आवेले, जब तक कि उ लोग नहाएले, तब तक उ लोग ना खाएले। आ अउरी बहुत कुछ बा जवन ओह लोग के पकड़े के मिलल बा, जइसे कि कटोरा, बर्तन, पीतल के बर्तन आ टेबुल धोवे के काम।
5 तब फरीसियन आ शास्त्री लोग उनकरा से पूछलन, "तोहार चेलन बुजुर्ग लोग के परंपरा के अनुसार काहे ना चलेलन, बलुक हाथ धोवल रोटी खात रहलन?
6 ऊ जवाब दिहलन, " यशायाह तोहनी पाखंडी लोग के बारे में बढ़िया से भविष्यवाणी कइले बाड़न, जइसन कि लिखल बा, "ई लोग हमरा के आपन होठ से आदर करेला, लेकिन उनकर दिल हमरा से दूर बा।"
7 लेकिन उ लोग बेकार में हमार आराधना करेलन, आ आदमी के आज्ञा के शिक्षा खातिर सिखावेलन।
8 काहेकि परमेश्वर के आज्ञा के एक तरफ छोड़ के तू लोग आदमी के परंपरा के पालन करत बाड़ऽ, जइसे कि घड़ा आ प्याला धोवे के काम करेला।
9 ऊ ओह लोग से कहलन कि, " तू लोग भगवान के आज्ञा के पूरा तरह से नकारत बानी, ताकि तू लोग आपन परंपरा के पालन कर सकीले।"

10 मूसा कहले रहले कि, “अपना बाप-माई के आदर करऽ। आ, जे बाप भा महतारी के गारी देत बा, ओकरा मौत के मौत होखे के चाहीं.
11 लेकिन तू कहत रहलू कि अगर केहू अपना बाप भा महतारी से कहे कि, ‘कोर्बन ह, माने कि वरदान, जवना से तोहरा हमरा से फायदा होखे। ऊ आजाद हो जाई।
12 आउर तू ओकरा के अब अपना बाप भा माई खातिर कवनो काम ना करे देत बाड़।
13 तू लोग अपना परंपरा से परमेश् वर के वचन के बेकार करऽ, जवन तू लोग देले बाड़ऽ।
14 जब उ सब लोग के अपना लगे बोलवले त उ लोग से कहले, “ तू लोग में से हर एक हमार बात सुन के समझ लीं।
15 आदमी के बाहर से कवनो अइसन चीज नइखे जवन ओकरा में घुसला से ओकरा के अशुद्ध कर सके, लेकिन जवन चीज ओकरा से निकलेला उहे आदमी के अशुद्ध करेला।
16 अगर केहू के सुनला के कान बा त उ सुनस।
17 जब उ लोग के बीच से घर में घुसलन त उनकर चेला लोग उनकरा से दृष्टान्त के बारे में पूछले|
18 उ ओह लोग से कहलस, “ का तू लोग भी अतना बेबुनियाद बाड़?” का तोहनी के ई ना बुझाइल कि बाहर से जवन भी चीज आदमी में घुसेला, ओकरा के अशुद्ध ना कर सकेला।
19 काहे कि ई ओकरा दिल में ना, बलुक पेट में घुस के पानी के पानी में निकल के सब भोजन के शुद्ध करेला?
20 ऊ कहलन, “ मनुष्य से जवन निकलेला ऊ आदमी के अशुद्ध करेला।”
21 काहे कि आदमी के भीतर से, मन से बुरा विचार, व्यभिचार, व्यभिचार, हत्या के बात निकलेला।
22 चोरी, लोभ, दुष्टता, धोखा, कामुकता, बुरा नजर, निंदा, घमंड, मूर्खता।
23 ई सब बुराई भीतर से आवेला आ आदमी के अशुद्ध कर देला।
24 उहाँ से उठ के सोर आ सीदोन के सीमा में चल गइलन आ एगो घर में घुस गइलन आ केहू के पता ना चले के चाहत रहे, बाकिर ओकरा के छिपावल ना जा सकल।
25 एगो औरत, जेकर छोट बेटी में अशुद्ध आत्मा रहे, उ ओकर बारे में सुन के ओकरा गोड़ में गिर गईल।
26 ऊ औरत यूनानी रहली आ राष्ट्र के हिसाब से सिरोफेनीशियन रहली। आ ऊ ओकरा से निहोरा कइली कि ऊ ओकरा बेटी से शैतान के बाहर निकाल देव.
27 लेकिन यीशु ओकरा से कहले, “ पहिले लईकन के पेट भरे दीं, काहेकि लइकन के रोटी लेके कुकुरन के सोझा फेंकल उचित नइखे।
28 ऊ ओकरा से कहली, “हँ हे प्रभु, तबो मेज के नीचे के कुकुर लइकन के टुकड़न खात बाड़े।
29 उ ओकरा से कहलस, “ एह बात के चलते चल जा। तोहरा बेटी से शैतान निकल गइल बा।
30 जब उ अपना घरे पहुंचली त देखली कि शैतान निकल गईल बा अवुरी उनुकर बेटी बिछौना प लेट गईल बिया।
31 ऊ फेर से सोर आ सीदोन के किनारे से निकल के दकापोलिस के बीच से होके गलील के समुंदर में पहुँच गइलन।
32 उ लोग उनकरा लगे एगो बहरा के ले अइले, जेकरा बोले में बाधा रहे। आ ऊ लोग ओकरा से निहोरा करत बा कि ऊ ओकरा पर हाथ डाल देव.
33 ऊ ओकरा के भीड़ से अलगा क के कान में अँगुरी डाल के थूक के जीभ छू लिहले।
34 ऊ आकाश के ओर देखत आह भरत कहलन, “एफ्फाथा, माने कि खुल जा.”
35 तुरते उनकर कान खुलल आ जीभ के डोरी ढीला हो गइल आ ऊ साफ-साफ बोलल।
36 ऊ ओह लोग के आज्ञा दिहलन कि ऊ लोग केहू के ना बतावे, बाकिर जेतना आज्ञा देत रहले, ओतने ऊ लोग एकरा के प्रचार करत रहले.
37 ऊ लोग अचरज में पड़ गइलन आ कहलन कि ऊ सब कुछ बढ़िया से कइले बाड़न, बहिरन के सुनवावेला आ गूंगा लोग के बोले के काम करेला।

अध्याय 8 के बा

1 ओह दिनन में भीड़ बहुत ढेर रहे आ खाए खातिर कुछुओ ना रहे, त यीशु अपना चेलन के अपना लगे बोलवले आ कहले।
2 हमरा भीड़ पर दया आवत बा काहे कि ऊ लोग हमरा साथे तीन दिन से बा आ ओकरा लगे कुछुओ खाए के नइखे।
3 अगर हम ओह लोग के उपवास क के अपना घरे भेज देब त रास्ता में बेहोश हो जइहें काहे कि ओह लोग में से कई लोग दूर से आइल रहे।
4 उनकर चेलन उनकरा से कहलन, “इहाँ जंगल में केहू एह लोग के रोटी से कहाँ से तृप्त कर सकेला?
5 ऊ ओह लोग से पूछले, “ तोहरा लगे केतना रोटी बा? उ लोग कहले, “सात”।
6 ऊ लोग के जमीन पर बइठे के आज्ञा दिहलन आ ऊ सात गो रोटी लेके धन्यवाद दिहलन आ तोड़ के अपना चेलन के दे दिहलन कि ऊ लोग ओह लोग का सोझा राखसु. आ ऊ लोग ओह लोग के लोग के सामने रख दिहल।
7 ओह लोग के लगे कुछ छोट मछरी रहे आ ऊ आशीष दिहलन आ ओह लोग के सामने रखे के आज्ञा दिहलन।
8 उ लोग खा के पेट भर गईले अवुरी जवन टूटल-फूटल मांस बचल रहे, ओकरा में से सात टोकरी उठा लेले।
9 जे लोग खइले रहे, उ लोग करीब चार हजार रहे।
10 उ तुरते अपना चेलन के साथे एगो नाव में सवार होके दलमनुथा के इलाका में चल गईले|
11 फरीसियन लोग बाहर निकल के उनकरा से पूछताछ करे लगलन कि स्वर्ग से उनकरा से कवनो चमत्कार के तलाश में उनकर परीक्षा लेत रहले।
12 ऊ अपना मन में गहिराह आह भरत कहलन, “ ई पीढ़ी काहे कवनो चमत्कार खोजत बिया? हम तोहनी से सच कहत हई कि एह पीढ़ी के कवनो निशानी ना दिहल जाई।
13 ऊ ओह लोग के छोड़ के फेर से नाव में चढ़ के दूसरा ओर चल गइलन।
14 चेलन रोटी लेबे के भूल गइल रहले आ नाव में एक रोटी से अधिका ना रहे।
15 ऊ ओह लोग के आज्ञा दिहलन कि, “ सावधान रहऽ, फरीसियन के खमीर आ हेरोदेस के खमीर से सावधान रहऽ।”
16 उ लोग आपस में बतकही करत कहले, “हमनी के लगे रोटी ना होखे के चलते बा।”
17 जब यीशु इ बात के जान गईले त उ लोग से पूछले, “ तू लोग के रोटी ना होखे के चलते काहे तर्क? तू लोग अभी तक नईखी

समझत, ना समझत बाड़ू? का तोहनी के दिल अभी तक कठोर हो गईल बा?
18 आँख बा, तू लोग नई देखत? कान बा त तू लोग नई सुनत हव? आ का तोहनी के याद नइखे?
19 जब हम पांच हजार लोग के बीच में पांच रोटी के तोड़ देनी त तू लोग केतना टोकरी में टुकड़ा-टुकड़ा उठा लेहनी? उ लोग ओकरा से कहलस कि बारह।
20 चार हजार में से सात गो केतना टोकरी में टुकड़-टुकड़ उठा लेहनी? उ लोग कहले, "सात"।
21 ऊ ओह लोग से पूछले, " तू लोग कइसे ना समझत बाड़S?
22 ऊ बेतसैदा आ गइलन। उ लोग एगो आन्हर के ओकरा लगे ले आके ओकरा के छूवे के निहोरा कईले।
23 उ आन्हर के हाथ पकड़ के शहर से बाहर ले गईले। आ जब ऊ ओकरा आँख पर थूक के हाथ डाल दिहलसि त पूछलसि कि का रउरा कवनो काम देखत बानी.
24 ऊ आँख उठा के कहले, "हम आदमी के पेड़ नियर चलत देखत बानी।"
25 ओकरा बाद उ फेर से आपन हाथ रख के आँख उठा के देखवले।
26 ऊ ओकरा के अपना घरे भेज दिहलन कि, " ना त शहर में जाइए आ ना ही शहर के केहू के बताईं।"
27 यीशु अपना चेलन के साथे कैसरिया फिलिप्पी के शहरन में निकल गइलन आ रास्ता में उ अपना चेलन से पूछले कि, " लोग हमरा के के कहत बा?"
28 उ लोग जवाब देले, "यूहन्ना बपतिस्मा देवे वाला, लेकिन कुछ लोग कहत बा कि एलियाह! आ दूसर लोग, भविष्यवक्ता लोग में से एगो।
29 ऊ ओह लोग से पूछले, " तू लोग के कहत बाड़S कि हम के हईं?" पतरस जवाब दिहलन आ कहलन कि तू मसीह हउअ।
30 ऊ ओह लोग के आदेश दिहलन कि ऊ लोग केहू के ओकर बारे में ना बतावे।
31 ऊ ओह लोग के सिखावे लगलन कि मनुष्य के बेटा के बहुते कष्ट उठावे के पड़ी आ बुजुर्गन, मुखिया याजक आ शास्त्री लोग के ठुकरा दिहल जाव आ मारल जा सकेला आ तीन दिन बाद जी उठल जरूरी बा.
32 उ इ बात खुल के बोलले। पतरस ओकरा के पकड़ के डाँटे लगले।
33 लेकिन जब उ मुड़ के अपना चेलन के ओर देखले त पतरस के डांटत कहले, "हे शैतान, हमरा पीछे हट जा, काहेकि तू भगवान के चीज़ के ना, बल्कि आदमी के चीज़ के स्वाद लेवेले।
34 जब उ अपना चेलन के साथे लोग के अपना लगे बोलवले त उ लोग से कहलन कि जे भी हमरा पीछे आवे के चाहत बा, उ अपना के नकार देवे आ आपन क्रूस उठा के हमरा पीछे चले।
35 काहे कि जे आपन जान बचावे के चाहत बा, उ ओकरा के गँवा दी। लेकिन जे भी हमरा आ सुसमाचार खातिर आपन जान गँवावेला, उहे ओकरा के बचाई।
36 अगर आदमी के पूरा दुनिया के फायदा हो जाई आ आपन जान गँवा दिहल जाव त ओकरा का फायदा होई?
37 या आदमी अपना जान के बदला में का देई?
38 एह व्यभिचारी आ पापी पीढ़ी में जे हमरा आ हमरा बात से शर्मिंदा होई। जब ऊ पवित्र स्वर्गदूतन के साथे अपना पिता के महिमा में अइहें त ओकरा से लजा जाई।

अध्याय 9 के बा

1 उ लोग से कहलन, " हम तोहनी से सच कहत बानी कि इहाँ खड़ा कुछ लोग के मौत तब तक ना चखाई जब तक कि उ लोग परमेश्वर के राज्य के शक्ति से आवे के ना देखिहे।
2 छह दिन बाद यीशु पतरस, याकूब आ यूहन्ना के अपना साथे लेके अलग-अलग एगो ऊँच पहाड़ पर ले गइलन।
3 उनकर कपड़ा बर्फ नियर उज्जर हो गइल। जइसे कि धरती पर कवनो फुलर ओह लोग के सफेद ना कर सके.
4 उहाँ एलियाह मूसा के साथे प्रकट भइले आ उ लोग यीशु से बात करत रहले।
5 पतरस यीशु से कहलन, "गुरु, हमनी के इहाँ रहला से अच्छा बा। एगो तोहरा खातिर, एगो मूसा खातिर, आ एगो एलियास खातिर।
6 काहेकि ओकरा का कहे के बात नइखे बुझात। काहे कि ऊ लोग बहुते डेरा गइल रहे.
7 बादल ओह लोग पर छा गइल आ बादल से एगो आवाज निकलल कि, "ई हमार प्रिय बेटा ह, ओकर बात सुनS।"
8 अचानक जब उ लोग चारो ओर देखले त उ लोग केहु ना देखाई देलस, सिवाय यीशु के छोड़ के।
9 जब उ लोग पहाड़ से उतरत रहले त उ लोग के आदेश देले कि जब तक आदमी के बेटा मुवलन में से ना जी उठल तब तक उ लोग के देखल बात केहु के मत बताई।
10 उ लोग एक दूसरा से पूछत रहले कि मुवलन में से जी उठला के का मतलब होला?
11 उ लोग ओकरा से पूछले, "शास्त्री लोग काहे कहत बा कि पहिले एलियाह के आवे के चाहीं?
12 ऊ जवाब दिहलन आ कहलन कि, " एलियाह पहिले आके सब कुछ ठीक कर देत बाड़न। आ कइसे आदमी के बेटा के बारे में लिखल बा कि ओकरा बहुत दुख उठावे के पड़ी आ ओकरा के दोषी ठहरावे के पड़ी।
13 लेकिन हम तोहनी से कहत हई कि एलियास सचमुच आईल बाड़े अवुरी उ लोग उनुका संगे जवन मन कईले रहले, उहे कईले बाड़े, जईसे कि उनुका बारे में लिखल बा।
14 जब ऊ अपना चेलन के लगे पहुँचलन त देखलन कि ओह लोग के आसपास बहुत भीड़ आ शास्त्री लोग ओह लोग से पूछताछ करत रहे।
15 तुरते सब लोग उनका के देख के बहुत अचरज में पड़ गईले अवुरी भाग के उनुका लगे जाके उनुका के नमस्कार कईले।
16 ऊ शास्त्री लोग से पूछले, " तू लोग ओह लोग से का सवाल बा?
17 भीड़ में से एगो जवाब दिहलस, "गुरु, हम अपना बेटा के तोहरा लगे ले आईल बानी, जेकरा में गूंगा आत्मा बा।
18 जहाँ भी ऊ ओकरा के ले जाला, उ ओकरा के फाड़ देला, फेन निकलेला, दाँत चीर के चकनाचूर करेला, आ हम तोहरा चेलन से कहनी कि ओकरा के बाहर निकाले। आ ऊ लोग ना कर सकल.
19 ऊ जवाब दिहलन, " हे अविश्वासी पीढ़ी, हम कब ले तोहनी के साथे रहब? हम कब तक तोहरा के सहन करब? ओकरा के हमरा लगे ले आवS।
20 ऊ लोग ओकरा के ओकरा लगे ले अइले आ जब ऊ ओकरा के देखलस त तुरते आत्मा ओकरा के फाड़ दिहलस। ऊ जमीन पर गिर गइल आ झाग से लहरात हो गइल।

21 उ अपना पिता से पूछले कि, "ई बात ओकरा लगे कतना दिन हो गईल बा?" ऊ कहलस, "एक लइका के।"
22 कई बेर ओकरा के नाश करे खातिर आग आ पानी में फेंक देले बा, लेकिन अगर तू कुछ कर सकेलऽ त हमनी पर दया करऽ आ हमनी के मदद करऽ।
23 यीशु ओकरा से कहलन, " अगर तू विश्वास कर सकेनी त विश्वास करे वाला खातिर सब कुछ संभव बा।"
24 लइका के बाप तुरते चिल्ला के कहलस, "प्रभु, हम विश्वास करत बानी। तू हमार अविश्वास के मदद करऽ।
25 जब यीशु देखलन कि लोग दौड़त-दौड़त आवत बा, त उ दुष्टात्मा के डांटत कहलन कि, " हे गूंगा आ बहिर आत्मा, हम तोहरा के आज्ञा देत बानी कि ओकरा से बाहर निकल के ओकरा में अब मत घुस जा।"
26 ऊ आत्मा चिल्ला के ओकरा के फाड़ के ओकरा से बाहर निकलल आ ऊ मरल जइसन हो गइल। एतना कि बहुत लोग कहल कि, उ मर गईल बाड़े।
27 लेकिन यीशु उनकर हाथ पकड़ के उठवले। आ ऊ उठ गइलन.
28 जब ऊ घर में अइले त उनकर चेला लोग एकांत में पूछले कि, "हम ओकरा के काहे ना निकाल पवनी?"
29 उ लोग से कहलन, " ई तरह के प्रार्थना आ उपवास के अलावा कुछुओ से ना निकल सकेला।"
30 उ लोग उहाँ से निकल के गलील से गुजरल। आ ऊ ना चाहत रहले कि केहू के ई बात मालूम होखे.
31 उ अपना चेलन के सिखावत कहले कि, " मनुष्य के बेटा के आदमी के हाथ में सौंपल गईल बा अवुरी उ लोग ओकरा के मार दिहे। आ ओकरा के मारला के बाद तीसरा दिन उठ जाई।
32 लेकिन उ लोग इ बात ना समझले अवुरी उनुका से पूछे से डेरा गईले।
33 तब उ कफरनहूम पहुंचले अवुरी घर में रहत उ लोग से पूछले कि, रास्ता में आप आपस में कवन विवाद भईल?
34 लेकिन उ लोग चुप रहले, काहेकि रास्ता में उ लोग आपस में विवाद करत रहले कि के सबसे बड़ होई।
35 ऊ बईठ के बारह गो के बोलवले आ कहलन कि अगर केहू पहिला बने के चाहत बा त उ सबके बाद आ सबके सेवक होई।
36 ऊ एगो लइका के लेके ओह लोग के बीच में बइठा दिहलन आ जब ऊ ओकरा के अपना कोरा में लेके ओह लोग से कहलन।
37 जे भी हमरा नाम से अइसन लइका में से कवनो एक के ग्रहण करी, उ हमरा के ग्रहण करी, आ जे हमरा के ग्रहण करी, उ हमरा के ना, बलुक हमरा के भेजे वाला के ग्रहण करी।
38 यूहन्ना ओकरा के जवाब दिहलन, "गुरु, हमनी के देखले बानी जा कि उ तोहरा नाम से दुष्टात्मा के भगावत बा, लेकिन उ हमनी के पीछे नईखी चलत।
39 लेकिन यीशु कहले, " उनुका के मना मत करीं, काहेकि हमरा नाम से कवनो चमत्कार करे वाला केहु नईखे, जवन हमरा बारे में हल्का में बुराई क सकता।"
40 काहेकि जे हमनी के खिलाफ नइखे उ हमनी के ओर से बा।
41 काहे कि जे भी तोहनी के हमरा नाम से एक प्याला पानी पीये, काहेकि तोहनी के मसीह के हई, हम तोहनी से सच कहत बानी कि उ आपन इनाम ना गँवावेला।
42 जे भी हमरा पर विश्वास करे वाला एह छोट-छोट लइका में से कवनो एक के दोषी ठहरावेला, ओकरा खातिर बेहतर होई कि ओकरा गर्दन में चक्की के पत्थर लटका दिहल जाव आ ओकरा के समुंदर में फेंक दिहल जाव।
43 अगर तोहार हाथ तोहरा के ठेस पहुँचावेला त ओकरा के काट लीं, तोहरा खातिर दुगो हाथ नरक में जाए से बेहतर बा कि तोहके आग में जाके कबो ना बुझावल जा सके।
44 जहाँ उनकर कीड़ा ना मरेला आ आग ना बुझेला।
45 अगर तोहार गोड़ तोहरा के ठेस पहुँचावेला त ओकरा के काट लीं, तोहरा खातिर दू गो गोड़ नरक में डाल दिहला से बढ़िया बा कि ओकरा के कबो ना बुझावल जा सके।
46 जहाँ उनकर कीड़ा ना मरेला आ आग ना बुझेला।
47 अगर तोहार आँख तोहरा के दोष देत बा त ओकरा के उखाड़ के निकाल लीं, तोहरा खातिर एक आँख से परमेश्वर के राज्य में प्रवेश कईल बेहतर बा, ना कि दु आँख होखे कि नरक के आग में डालल जाइ।
48 जहाँ उनकर कीड़ा ना मरेला आ आग ना बुझेला।
49 काहे कि हर केहू के आग से नमकीन कइल जाई आ हर बलिदान के नमक से नमकीन कइल जाई।
50 नमक बढ़िया ह, लेकिन अगर नमक के नमक खतम हो गईल बा त तू ओकरा के कवना से मसाला देब? अपना में नमक होखे आ एक दोसरा से शांति होखे।

अध्याय 10 के बा

1 उहाँ से उठ के यरदन के दूर यहूदिया के इलाका में आ गइलन आ लोग फेरु से उनकरा लगे पहुँच गइलन। आ जइसे कि उनकर आदत रहे, ऊ ओह लोग के फेर से सिखवले.
2 फरीसियन उनका लगे आके पूछले, "का आदमी के आपन मेहरारू छोड़ल जायज बा?" ओकरा के लुभावत रहे।
3 उ लोग से कहलन, " मूसा तोहनी के का आज्ञा देले रहले?
4 उ लोग कहले, "मूसा तलाक के पत्र लिख के ओकरा के छोड़े के अनुमति देले रहले।"
5 यीशु जवाब दिहलन, " तोहरा मन के कठोरता के चलते उ तोहनी के ई उपदेश लिखले बाड़न।
6 लेकिन सृष्टि के शुरुआत से ही परमेश्वर उ लोग के नर-मारी बनवले।
7 एही से आदमी अपना बाप-माई के छोड़ के अपना मेहरारू से चिपक जाई।
8 दुनो लोग एक शरीर हो जइहें, त अब उ लोग दुगो ना होके एक शरीर हो जइहें।
9 एह से जवन परमेस् वर जोड़ले बाड़न, ओकरा के आदमी अलग मत करे।
10 घर में उनकर चेलन फेरु से उहे बात पूछले|
11 ऊ ओह लोग से कहलन कि जे केहू अपना मेहरारू के छोड़ के दोसरा से बियाह कर लेव त ओकरा साथे व्यभिचार करेला।
12 अगर कवनो मेहरारू अपना पति के छोड़ के दोसरा से बियाह कर लेव त ऊ व्यभिचार करी।
13 ऊ लोग छोट लइकन के उनकरा लगे ले अइले कि ऊ ओह लोग के छूवे आ उनकर चेला लोग ओह लोग के डांटत रहे।
14 जब यीशु ई देख के बहुत नाराज हो गइलन आ कहलन कि छोट लइकन के हमरा लगे आवे दीं आ ओकरा के मना मत करीं, काहेकि परमेश्वर के राज्य अइसने लोग के ह।
15 हम तोहनी से सच कहत हई कि जे भी परमेश्वर के राज्य के छोट बच्चा के रूप में ना ग्रहण करी, उ ओकरा में ना जाई।

16 ऊ ओह लोग के अपना कोरा में उठा के ओह लोग पर हाथ रख के आशीष दिहलन।
17 जब उ रास्ता में निकललन त एगो आदमी दौड़त आके घुटना टेक के पूछलस, "गुरु जी, हम का करब ताकि हम अनन्त जीवन के उत्तराधिकारी हो सकीले?"
18 यीशु ओकरा से कहलन, " तू हमरा के अच्छा काहे कहत बाड़ऽ? एक के अलावा केहू अच्छा नइखे, माने कि भगवान।
19 तू ई आज्ञा जानत बाड़ऽ कि व्यभिचार मत करऽ, हत्या मत करऽ, चोरी मत करऽ, झूठा गवाही मत देऽ, धोखा मत करऽ, अपना बाप-माई के आदर मत करऽ।
20 उ जवाब देके कहलस, "गुरु, हम जवानी से इ सब के पालन कईले बानी।
21 तब यीशु ओकरा के देख के ओकरा से प्यार कइलन आ कहलन, " तोहरा में एक चीज के कमी बा, जा, जवन कुछ बा ओकरा के बेच के गरीबन के दे दीं, त तोहरा स्वर्ग में खजाना हो जाई, आ आके क्रूस उठा के... हमरा पीछे-पीछे चलत बानी।
22 उ एह बात से दुखी होके दुखी होके चल गईले, काहेकि उनकर बहुत सम्पत्ति रहे|
23 यीशु चारो ओर देखलन आ अपना चेलन से कहलन कि धनवान लोग के परमेश्वर के राज्य में प्रवेश कतना मुश्किल बा।
24 उनकर बात देख के चेला लोग अचरज में पड़ गइलन। लेकिन यीशु फेर से जवाब दिहलन आ कहलन, " बइका लोग, धन पर भरोसा करे वाला लोग खातिर परमेश्वर के राज्य में प्रवेश कइल केतना मुश्किल बा!
25 ऊंट के सुई के आंख से गुजरल आसान बा, जबकि अमीर के परमेश्वर के राज्य में प्रवेश कईल आसान बा।
26 उ लोग बहुत हद तक अचरज में पड़ गईले अवुरी आपस में पूछले कि, "तब के के उद्धार हो सकता?
27 यीशु ओह लोग के देखत कहले, " मनुष्य खातिर ई असंभव बा, लेकिन परमेश्वर के खातिर ना, काहेकि परमेश्वर के खातिर सब कुछ संभव बा।
28 पतरस ओकरा से कहे लगलन, "देखऽ, हमनी के सब कुछ छोड़ के तोहरा पीछे चल गइल बानी जा।"
29 यीशु जवाब दिहलन, " हम तोहनी से सच कहत बानी कि हमरा आ सुसमाचार के खातिर घर, भाई, बहिन, बाप, माई, मेहरारू, बच्चा, भा जमीन छोड़ के कवनो आदमी नइखे , के बा .
30 लेकिन अब ओकरा सौ गुना घर, भाई, बहिन, महतारी, लइका आ देश के सतावला के साथे मिल जाई। आ आवे वाला दुनिया में अनन्त जीवन में।
31 लेकिन बहुत लोग जे पहिले बाड़े, उ बाद में रहीहे। आ आखिरी पहिला.
32 उ लोग यरूशलेम के रास्ता में चलत रहले। यीशु उनकरा से आगे चल गइलन आ ऊ लोग अचरज में पड़ गइलन। आ जइसे-जइसे ऊ लोग पीछे-पीछे चलत गइल, ऊ लोग डेरा गइल। उ बारह लोग के फेरु से लेके बतावे लगले कि उनुका का होखे वाला बा।
33 ऊ कहले, " देखऽ, हमनी के यरूशलेम चलत बानी जा। आदमी के बेटा के मुख्य याजकन आ शास्त्री लोग के सौंप दिहल जाई। उ लोग ओकरा के मौत के सजा सुनाई अवुरी ओकरा के गैर-यहूदी लोग के हाथ में सौंप दिहे।
34 उ लोग ओकर मजाक उड़ाई, ओकरा के कोड़ा मार दिही, ओकरा पर थूक दिही अवुरी ओकरा के मार दिही, अवुरी तीसरा दिन उ जी उठ जाई।
35 जबदी के बेटा याकूब आ यूहन्ना उनकरा लगे अइले आ कहलन कि, "गुरु, हम चाहत बानी कि तू हमनी खातिर जवन कुछ चाहत बानी जा, उहे करऽ।"
36 ऊ ओह लोग से पूछले, " तू लोग का चाहत बानी कि हम तोहनी खातिर करीं?
37 उ लोग ओकरा से कहलस, "हमनी के एगो तोहरा दाहिना ओर आ दूसरा तोहरा बायां हाथ में तोहरा महिमा में बईठे के मौका दीं।"
38 लेकिन यीशु उनकरा से कहले, " तू लोग नईखी जानत कि तू लोग का मांगत हव। आ जवना बपतिस्मा से हम बपतिस्मा लेत बानी, ओकरा से बपतिस्मा लेबे के चाहीं?
39 उ लोग ओकरा से कहलस, "हमनी के कर सकेनी जा।" यीशु उनकरा से कहलन, " हम जवना प्याला से पीयत बानी, ओह प्याला से तू लोग सचहूँ पीबऽ। हम जवना बपतिस्मा से बपतिस्मा लेले बानी, ओकरा से तोहनी के बपतिस्मा लेब।
40 लेकिन हमरा दाहिना आ बायां हाथ में बईठल हमार ना ह। बाकिर जेकरा खातिर ई तइयार कइल गइल बा ओकरा के दिहल जाई.
41 ई बात सुन के दस लोग याकूब आ यूहन्ना से बहुत नाराज हो गइलन।
42 लेकिन यीशु ओह लोग के अपना लगे बोलवले आ कहलन कि, " तू लोग जानत बाड़ऽ कि गैर-यहूदी लोग पर राज करे वाला लोग ओह लोग पर प्रभुत्व राखेला। आ ओह लोग के बड़का लोग ओह लोग पर अधिकार राखेला.
43 तोहनी के बीच अइसन ना होई, लेकिन जे भी तोहनी में से बड़ होखे के चाहत बा, उ तोहनी के सेवक होई।
44 तोहनी में से जे भी प्रमुख बने के चाहत बा, उ सबके सेवक बनी।
45 काहेकि मनुष्य के बेटा भी सेवा करे खातिर ना आइल बा, बल्कि सेवा करे खातिर आ बहुत लोग के फिरौती के रूप में आपन जान देवे खातिर आइल बा।
46 ऊ लोग यरीहो पहुँचल आ जब ऊ अपना चेलन आ बहुते लोग के साथे यरीहो से निकलत रहले त तिमियो के बेटा आन्हर बरतिमायस सड़क के किनारे बइठ के भीख मांगत रहले।
47 जब ऊ सुनले कि ई नासरत के यीशु हवें त ऊ चिल्ला के कहे लगलन कि, "हे दाऊद के बेटा ईसा, हमरा पर दया करऽ."
48 बहुत लोग ओकरा के चुप रहे के आदेश दिहल, लेकिन उ अवुरी जादे चिल्ला के कहलस कि, "हे दाऊद के बेटा, हमरा प दया कर।"
49 यीशु एक जगह खड़ा होके ओकरा के बोलावे के आदेश दिहलन। आन्हर के बोला के कहलन कि, "सांत्वना राखऽ, उठऽ; ऊ तोहरा के बोलावेला।
50 ऊ आपन कपड़ा फेंक के उठ के यीशु के लगे अइले।
51 यीशु जवाब दिहलन, " तू का चाहत बाड़ू कि हम तोहरा साथे करीं? आन्हर ओकरा से कहलस, "प्रभु, हम आपन दृष्टि पा सकीले।"
52 यीशु ओकरा से कहलन, " जा जा। तोहार विश्वास तोहरा के ठीक कर देले बा। उ तुरते आपन नजर देखाई देले अवुरी रास्ता में यीशु के पीछे-पीछे चल गईले।

अध्याय 11 के बा

1 जब ऊ लोग जैतून के पहाड़ पर यरूशलेम के बेतफाग आ बेतनिया के नजदीक पहुँचल त ऊ अपना दू गो चेला लोग के भेज दिहलन।
2 ऊ लोग से कहलस, " अपना सामने के गाँव में जाइब, आ जइसहीं तू लोग ओकरा में घुसबऽ, तोहनी के एगो बछड़ा के बछड़ा बान्हल मिल जाई, जवना पर केहू ना बइठल रहे। ओकरा के ढीला कर के ले आवऽ।
3 अगर केहु तोहनी से कहे कि, "तू लोग अयीसन काहें करतानी?" तू लोग कहऽ कि प्रभु के ओकर जरूरत बा। आ तुरते ओकरा के एहिजा भेज दीहें.
4 उ लोग निकलल त बछड़ा के बछड़ा के बाहर दुआर के किनारे बान्हल देखले, जहाँ दु रास्ता मिलत रहे। आ ओकरा के ढीला कर देले।
5 उहाँ खड़ा कुछ लोग उनसे कहलस, "तू लोग बछड़ा के खोल के का कर रहल बाड़?"
6 उ लोग यीशु के आज्ञा के मुताबिक उ लोग से कहले अवुरी उ लोग ओ लोग के छोड़ देले।
7 उ लोग बछड़ा के यीशु के लगे ले अइले आ ओकरा पर आपन कपड़ा डाल दिहले। आ ऊ ओकरा पर बइठ गइल।
8 बहुत लोग रास्ता में आपन कपड़ा पसरल, कुछ लोग पेड़ के डाढ़ काट के रास्ता में भूसा से उड़ा दिहल।
9 ओकरा से आगे के लोग आ पीछे-पीछे चले वाला लोग चिल्ला के कहलस कि, "होसाना! धन्य बा जे प्रभु के नाम से आवेला।
10 हमनी के पिता दाऊद के राज्य के धन्य होखे, जवन प्रभु के नाम से आवेला, ऊ सबसे ऊँच होसाना।
11 यीशु यरूशलेम आ मंदिर में घुसलन आ चारो ओर देखलन आ साँझ हो गइल त बारह लोग के साथे बेथानी निकल गइलन।
12 अगिला दिने जब उ लोग बेथानी से अइले त उ भूखे रहले।
13 दूर से एगो अंजीर के पेड़ के पतई वाला देख के उ अईले, अगर शायद ओकरा प कवनो चीज़ मिल जाए त ओकरा लगे पहुंचला प पतई के अलावे कुछूओ ना मिलल। काहे कि अंजीर के समय अबहीं ना भइल रहे।
14 यीशु ओकरा से कहलन, " आब तोहार फल केहू हमेशा खातिर ना खाई।" उनकर चेला लोग ई बात सुनले।
15 ऊ लोग यरूशलेम पहुँचल आ यीशु मंदिर में जाके मंदिर में बेचे वाला आ खरीदे वाला लोग के बाहर निकाले लगलन आ पइसा बदले वाला लोग के मेज आ कबूतर बेचे वाला लोग के आसन के उखाड़ दिहलन।
16 ऊ ना मनले कि केहू के कवनो बर्तन के मंदिर में ले जाए के चाहीं।
17 ऊ ओह लोग से सिखवले, " का लिखल नइखे कि हमार घर सब जाति के प्रार्थना के घर कहल जाई?" लेकिन तू लोग एकरा के चोर के मांद बना देले बाड़ू।
18 शास्त्री आ मुख्य याजक लोग ई बात सुन के खोजत रहे कि कइसे ओकरा के नाश कर सके, काहेकि उ लोग ओकरा से डेरात रहे, काहेकि सब लोग उनकर शिक्षा से अचरज में पड़ गइल रहे।
19 जब साँझ हो गइल त ऊ शहर से बाहर निकल गइलन।
20 सबेरे जब उ लोग ओहिजा से गुजरत रहले त देखले कि अंजीर के पेड़ जड़ से सूख गईल बा।
21 पतरस ओकरा के याद करत कहलन, "गुरु, देख, जवन अंजीर के पेड़ तू गारी देले रहलू, उ मुरझा गईल बा।
22 यीशु जवाब दिहलन, " परमेशवर पर विश्वास राखीं।"
23 हम तोहनी से सच कहत बानी कि जे भी एह पहाड़ से कहत बा कि तू हट जा आ समुंदर में फेंक दिहल जा। आ अपना मन में संदेह ना करी, बलुक विश्वास करी कि जवन बात ऊ कहत बा ऊ पूरा हो जाई. ओकरा लगे जवन कुछ कहे, ओकरा लगे होई।
24 एही से हम तोहनी से कहत हईं कि जब तू लोग प्रार्थना करेनी त जवन कुछ भी चाहत बाड़, त विश्वास करीं कि तोहनी के मिल गईल बा, त तोहनी के मिल जाई।
25 आ जब तू लोग प्रार्थना करत खड़ा होखब त अगर तोहनी के केहू के खिलाफ कवनो गलती होखे त माफ कर दीं ताकि तोहनी के स्वर्ग में बाप भी तोहनी के अपराध माफ करस।
26 लेकिन अगर तू लोग माफ ना करब त तोहनी के स्वर्ग में बाप भी तोहनी के अपराध के माफ ना करीहे।
27 ऊ लोग फेर यरूशलेम आ गइलन आ जब ऊ मंदिर में चलत रहले त मुख्य याजक, शास्त्री आ बुजुर्ग लोग उनका लगे अइले.
28 ओकरा से पूछऽ कि तू कवना अधिकार से ई काम करत बाड़ऽ? आ तोहरा के ई काम करे के अधिकार के देले बा?
29 यीशु उनके जवाब दिहलन, " हमहूँ तोहनी से एगो सवाल पूछब आ हमरा के जवाब देब आ हम तोहनी के बताइब कि हम कवना अधिकार से ई काम करत बानी।
30 यूहन्ना के बपतिस्मा स्वर्ग से रहे कि आदमी के? हमरा के जवाब दीं।
31 उ लोग आपस में बतकही करत कहले, "अगर हमनी के कहब जा कि, 'स्वर्ग से आईल बा। ऊ कहसु कि तू लोग ओकरा पर काहे ना बिसवास कइनी?
32 लेकिन अगर हमनी के कहब जा कि, "मनुष्य के; उ लोग लोग से डेरात रहले, काहेकि सब लोग यूहन्ना के समझत रहले कि उ सचमुच एगो भविष्यवक्ता हवे।
33 उ लोग यीशु से कहले, "हम नईखी बता सकत।" यीशु उनके जवाब दिहलन, " हम तोहनी के इ ना बतावत बानी कि हम कवना अधिकार से इ काम करतानी।"

अध्याय 12 के बा

1 ऊ ओह लोग से दृष्टांत से बोले लगलन। एगो आदमी अंगूर के बगइचा लगा के ओकरा चारो ओर बेड़ी लगा के शराब के खेती खातिर जगह खोद के एगो बुर्ज बनवले आ किसानन के देके दूर के देस में चल गइल।
2 मौसम के समय उ किसानन के लगे एगो नौकर भेजले कि उ किसानन से अंगूर के बगइचा के फल लेवे।
3 उ लोग ओकरा के पकड़ के पीट के खाली भेज देले।
4 ऊ फेरु से ओह लोग के लगे एगो अउरी नौकर भेजलन। आ ओकरा पर पत्थर फेंक के ओकर माथा में घायल कर दिहल आ शर्मनाक तरीका से ओकरा के छोड़ दिहल.
5 फिर से उ एगो अउरी के भेजले। आ ओकरा के ऊ लोग मार दिहल आ अउरी कई लोग के। कुछ के पीटत, आ कुछ के मारत।
6 अबहीं ले एगो बेटा रहलन, जवन कि उनकर प्रिय रहलन, आऊ ओकरा के आखिरी में भेजले कि, "उ लोग हमरा बेटा के आदर करीहे।"

7 लेकिन उ किसान आपस में कहलस कि, इहे वारिस ह। आ जा, ओकरा के मार दीं, त विरासत हमनी के हो जाई।
8 ऊ लोग ओकरा के पकड़ के मार दिहल आ अंगूर के बगइचा से बाहर निकाल दिहल।
9 अंगूर के बगइचा के मालिक का करीहें? ऊ आके किसानन के नाश करी आ अंगूर के बगइचा दोसरा के दे दी.
10 का तू लोग ई शास्त्र नइख पढ़ले बाड़ऽ। जवना पत्थर के बिल्डर लोग ठुकरा दिहल, ऊ कोना के सिर बन गइल।
11 इहे प्रभु के काम रहे आ हमनी के नजर में ई अद्भुत बा?
12 उ लोग ओकरा के पकड़े के कोशिश कईले, लेकिन लोग से डेरा गईले, काहेकी उ लोग जानत रहले कि उ दृष्टांत ओ लोग के खिलाफ कहले बाड़े, त उ लोग उनुका के छोड़ के चल गईले।
13 उ लोग कुछ फरीसियन आ हेरोदियन के उनकरा के बात में पकड़े खातिर भेजलन।
14 जब उ लोग अइले त उनसे कहलस, "गुरु, हमनी के जानत बानी जा कि तू सच्चा हउअ आ केहू के परवाह नइखऽ, काहेकि तू आदमी के परवाह ना करेलऽ, बल्कि सच्चाई से परमेश्वर के रास्ता सिखावेलऽ सीजर के श्रद्धांजलि, कि ना?
15 का हमनी के देब जा कि ना देब जा? लेकिन उ लोग के पाखंड के जान के उ लोग से कहलस, " तू लोग हमरा के काहे परीक्षा देत बाड़ू? हमरा खातिर एक पइसा ले आवऽ, ताकि हम देख सकीले।
16 उ लोग ओकरा के लेके अईले। ऊ ओह लोग से पूछलन, " ई मूर्ति आ उपर केकर ह? उ लोग ओकरा से कहलस, "कैसर के ह।"
17 यीशु उ लोग से कहलन, " कासीजर के जवन चीज ह, उ सब कैसर के आऊ परमेश्वर के जवन चीज परमेश्वर के ह, उ सब दे दीं।" आ उ लोग ओकरा के देख के अचरज में पड़ गईले।
18 तब सदुकी लोग उनकरा लगे अइलन, जे कहत बा कि जी उठला के बात नइखे। उ लोग उनुका से पूछले कि,
19 गुरु, मूसा हमनी के लिखले बाड़न कि अगर केहू के भाई मर जाव आ अपना मेहरारू के छोड़ के कवनो संतान ना छोड़े त ओकर भाई अपना मेहरारू के लेके अपना भाई के संतान पैदा कर देव।
20 सात भाई रहलन आ पहिलका मेहरारू बिया आ मरला पर कवनो संतान ना छोड़लस।
21 दूसरका ओकरा के लेके मर गइल आ ना कवनो संतान छोड़ल आ तीसरा भी ओइसहीं।
22 सातों लोग के उ बच्चा रहे, लेकिन उ कवनो संतान ना छोड़ले, आखिर में उ महिला भी मर गईल।
23 जब उ लोग जी उठला के समय उ लोग के केकरा पत्नी होई? काहे कि सातों के उनुकर पत्नी बनवले रहली।
24 यीशु उनकरा से कहलन, " का तू लोग गलती नइखऽ करत काहे कि तू लोग पवित्रशास्त्र आ ना ही परमेश्वर के शक्ति के जानत बाड़ऽ?
25 जब उ लोग मुवलन में से जी उठिहें त ना त बियाह करीहें आ ना ही बियाह में दिहल जाई। लेकिन स्वर्ग में मौजूद स्वर्गदूतन निहन बाड़े।
26 मुअल लोग के जिंदा होखे के बारे में का रउवां मूसा के किताब में नईखी पढ़ले कि कइसे झाड़ी में भगवान उनुका से कहले रहले कि, "हम अब्राहम के परमेश्वर, इसहाक के परमेश्वर अवुरी याकूब के परमेश्वर हई।" ?
27 ऊ मुअल लोग के भगवान ना हउवें, बलुक जिंदा लोग के परमेश्वर हउवें, एहसे तू लोग बहुत गलती करत बाड़ऽ।
28 एगो शास्त्री आके ओह लोग के एक संगे तर्क करत सुन के ओकरा से पूछलस कि, "सबसे पहिला आज्ञा कवन ह?"
29 यीशु ओकरा से जवाब दिहलन, " सब आज्ञा में से पहिला आज्ञा इ बा कि, हे इस्राएल, सुनऽ। हमनी के परमेश्वर प्रभु एक प्रभु हवें।
30 तू अपना प्रभु परमेश्वर से पूरा मन से, पूरा प्राण से, पूरा मन से, पूरा ताकत से प्रेम करीं, इहे पहिला आज्ञा ह।
31 दूसरका जइसन बा कि तू अपना पड़ोसी से अपना जइसन प्रेम करीं। एह सब से बड़ कवनो दोसर आज्ञा नइखे।
32 शास्त्री ओकरा से कहलस, "अच्छा हे गुरु, तू सच बोलले बाड़, काहेकि भगवान एके हउवें। आ ओकरा अलावा दोसर केहू नइखे।
33 ओकरा से पूरा मन से, पूरा समझ से, पूरा आत्मा से, पूरा ताकत से प्रेम कईल अवुरी अपना पड़ोसी से अपना निहन प्यार कईल, सभ होमबलि अवुरी बलिदान से जादे बा।
34 जब यीशु देखलन कि उ समझदारी से जवाब देले बाड़न त उनसे कहले, " तू परमेश्वर के राज्य से दूर नइखऽ।" आ ओकरा बाद कवनो आदमी ओकरा से कवनो सवाल पूछे के हिम्मत ना कइल.
35 मंदिर में पढ़ावत घरी यीशु जवाब दिहलन, " धर्मशास्त्री लोग कइसे कहत बा कि मसीह दाऊद के बेटा हवें?
36 काहेकि दाऊद खुद पवित्र आत्मा के द्वारा कहले रहले कि, प्रभु हमरा प्रभु से कहले कि, जब तक हम तोहार दुश्मन के आपन गोड़ के अथाह ना बना देब, तब तक तू हमरा दाहिना ओर बईठ जा।
37 एह से दाऊद खुदे ओकरा के प्रभु कहत बाड़न। आ तब ऊ आपन बेटा कहाँ से बा? आ आम जनता उनका के खुशी से सुनत रहे।
38 उ अपना शिक्षा में उनकरा से कहले, " ओ शास्त्री लोग से सावधान रहऽ, जे लोग लमहर कपड़ा पहिन के जाए के शौकीन बा आ बाजार में नमस्कार करे के शौकीन बा।
39 भोज-भोज में सभाघरन में मुख्य आसन आ ऊपर के कमरा में बइठल रहेला।
40 ऊ लोग विधवा लोग के घर खा जाला आ ढोंग में लमहर प्रार्थना करेला।
41 यीशु खजाना के सामने बईठ के देखले कि कइसे लोग खजाना में पईसा डालत रहे।
42 एगो गरीब विधवा अईली अवुरी उ दुगो चूहा फेंकली, जवना से एक फारथिंग होखता।
43 ऊ अपना चेलन के बोला के कहलन, " हम तोहनी से सच कहत बानी कि ई गरीब विधवा खजाना में डाले वाला सब लोग से अधिका डाल देले बिया।
44 काहेकि उ सब अपना भरमार से फेंकत रहले। लेकिन उ अपना कमी से आपन सब कुछ डाल देली, उहो आपन पूरा रोजी-रोटी।

अध्याय 13 के बा

1 मंदिर से बाहर निकलत घरी उनकर एगो चेला उनकरा से कहलस, "गुरु, देखऽ कि इहाँ कवन पत्थर आ कवन भवन बा!"

2 यीशु ओकरा से कहलन, " का तू ई बड़हन भवन देखत बाड़ऽ?" एक पत्थर दोसरा पर ना छोड़ल जाई जवन गिरावल ना जाई.
3 जब उ मंदिर के सामने जैतून के पहाड़ प बईठल रहले त पतरस, याकूब, यूहन्ना अवुरी अंद्रियास एकांत में उनुका से पूछले।
4 बताईं कि ई सब कब होई? आ जब ई सब बात पूरा हो जाई त कवन निशानी होई?
5 यीशु ओह लोग के जवाब देवे लगले, " सावधान रहऽ कि केहु तोहनी के धोखा मत देवे।
6 काहेकि बहुत लोग हमरा नाम से आके कहत होई कि हम मसीह हईं। आ बहुत लोग के धोखा दिही।
7 जब तू लोग युद्ध आ युद्ध के अफवाह सुनब त घबराईं मत, काहेकि अइसने बात के जरूरत जरूर बा। बाकिर अंत अबहीं ना होखे वाला बा.
8 काहेकि राष्ट्र के खिलाफ जाति, आ राज्य के खिलाफ राज्य उठी, आ तरह-तरह में भूकंप आई, आ अकाल आ परेशानी होई, इहे दुख के शुरुआत ह।
9 लेकिन अपना से सावधान रहीं, काहेकि उ लोग तोहनी के परिषद में सौंप दिहे। आराधनालयन में तोहनी के पीटल जाई आ हमरा खातिर तोहनी के शासक आ राजा लोग के सामने ले आवल जाई, ताकि उ लोग के खिलाफ गवाही मिल सके।
10 सुसमाचार के सबसे पहिले सब जाति के बीच प्रचारित होखे के चाहीं।
11 जब उ लोग तोहनी के ले जाई आ तोहनी के सौंप दिहे त पहिले से मत सोची कि तू लोग का बोलब आ ना ही पहिले से सोची, लेकिन जवन कुछ तोहनी के ओह समय में दिहल जाई, उहे बोलऽ, काहे कि तू लोग ना बोलत बाड़ऽ पवित्र आत्मा के कहल जाला।
12 भाई भाई के धोखा देके बेटा के धोखा दे दिहे। आ लइका-लइकी अपना माई-बाप के खिलाफ उठ के ओह लोग के हत्या कर दीहें।
13 हमरा नाम के चलते तोहनी के सब लोग नफरत करी, लेकिन जे अंत तक टिकी, उहे उद्धार होई।
14 जब तू लोग उजाड़ के घिनौना चीज के देखब जवना के बारे में दानियल भविष्यवक्ता कहले रहले, उहाँ खड़ा होके जहाँ ना होखे के चाहीं, (पढ़े वाला के समझे के चाहीं) त यहूदिया के लोग पहाड़ पर भाग जास।
15 जे घर के चोटी पर बा, उ घर में ना उतरे आ ना ही घर में घुस के अपना घर से कवनो चीज निकाले।
16 जे खेत में बा, उ आपन कपड़ा उठावे खातिर पीछे ना मुड़े।
17 लेकिन ओह दिन में गर्भवती आ दूध पियावे वाला के हाय!
18 आउर प्रार्थना करीं कि तोहनी के पलायन जाड़ा में ना होखे।
19 काहे कि ओह दिन में अइसन कष्ट होई जवन परमेश्वर सृष्टि के शुरुआत से लेके अब तक ना रहे आ ना होई।
20 जब तक प्रभु ओह दिन के छोट ना कर देले रहते त कवनो शरीर के बचाव ना होईत, लेकिन चुनल लोग के खातिर, जेकरा के उ चुनले बाड़े, उ दिन छोट क देले बाड़े।
21 तब अगर केहू तोहनी से कहे कि देखऽ, इहाँ मसीह बाड़न। भा, देखऽ, ऊ उहाँ बा; ओकरा पर विश्वास मत करीं:
22 काहे कि झूठा मसीह आ झूठा भविष्यवक्ता लोग उठ के चमत्कार आ चमत्कार कर के अगर संभव होखे त चुनल लोग के भी बहकावे के काम करीहें।
23 लेकिन तू लोग सावधान रहऽ, हम तोहनी के सब बात के भविष्यवाणी कर देले बानी।
24 लेकिन ओह दिन में, ओह संकट के बाद, सूरज अन्हार हो जाई आ चाँद ओकरा के रोशनी ना दिही।
25 आकाश के तारा गिर जइहें आ आकाश में मौजूद शक्ति हिल जाई।
26 तब उ लोग मनुष्य के बेटा के बादल में बहुत शक्ति आ महिमा से आवत देखिहे।
27 तब ऊ आपन दूत भेज के चारो हवा से लेके, धरती के छोर से लेके आकाश के छोर तक अपना चुनल लोग के एकट्ठा करीहें।
28 अब अंजीर के पेड़ के एगो दृष्टांत सीखीं। जब ओकर डाढ़ अबहीं ले कोमल हो जाला आ पतई निकलेला त तू लोग जानत होखब कि गर्मी नजदीक आ गइल बा।
29 एही से तू लोग भी जब इ सब होखत देखब त जान लीं कि दुआर पर भी नजदीक बा।
30 हम तोहनी से सच कहत हई कि जब तक इ सब काम ना हो जाई तब तक इ पीढ़ी ना बीत पाई।
31 आकाश आ धरती खतम हो जाई, लेकिन हमार बात ना खतम होई।
32 बाकिर ओह दिन आ ओह समय के बारे में केहू ना जानत बा, ना स्वर्ग में मौजूद स्वर्गदूत, ना बेटा, बलुक पिता के।
33 तू लोग सावधान रहऽ, जागल रहऽ आ प्रार्थना करत रहऽ, काहेकि तू लोग नइखऽ जानत कि समय कब आई।
34 काहेकि मनुष्य के बेटा एगो अइसन आदमी निहन ह जवन दूर-दूर तक जा रहल बा, उ अपना घर छोड़ के अपना नौकर अवुरी हर आदमी के आपन काम के अधिकार देले अवुरी दरवाजे के चौकीदार के पहरा देवे के आदेश देले।
35 एह से जागरूक रहऽ, काहे कि घर के मालिक साँझ भा आधा रात भा मुर्गा बाजत भा सबेरे कब आवेला, ई ना जानत होखऽ.
36 कहीं अचानक आके तोहरा के सुतल ना पावे।
37 हम तोहनी से जवन कहत बानी, उ सब से कहत बानी कि जागल रहब।

अध्याय 14 के बा

1 दू दिन बाद फसह के परब आ बिना खमीर के रोटी के परब भइल आ मुख्य याजक आ शास्त्री लोग खोजत रहल कि कइसे ओकरा के चालबाजी में पकड़ के मारल जा सकेला।
2 लेकिन उ लोग कहले, "पब के दिन ना, कहीं लोग के बीच हंगामा मत होखे।"
3 सिमोन कोढ़ी के घर में बेथानी में जब ऊ खाना खात रहले त एगो मेहरारू आइल रहली जेकरा लगे एगो अलाबास्टर के डिब्बा रहे जवना में चीर के बहुत कीमती मरहम रहे। आ ऊ बक्सा के तोड़ के ओकरा माथा पर डाल दिहली।
4 कुछ लोग के मन में गुस्सा आवत रहे आ कहलन कि, "इ मरहम के बर्बादी काहे भइल?"
5 काहे कि ई तीन सौ पेंस से अधिका में बेच के गरीबन के दिहल जा सकत रहे। आ उ लोग ओकरा खिलाफ बड़बड़ात रहले।
6 यीशु कहलन, " उनके छोड़ दीं। तूँ ओकरा के काहे परेशान करत बाड़ऽ? उ हमरा पर एगो बढ़िया काम कइले बाड़ी।

7 काहेकि गरीब लोग तोहनी के साथे हमेशा रहेला आ जब भी तू लोग ओकरा के भलाई कर सकेनी, लेकिन हमरा लगे हमेशा नईखी।
8 उ जवन कर सकत रहली, उ हमरा शरीर के दफनावे खातिर अभिषेक करे खातिर पहिले से आईल बाड़ी।
9 हम तोहनी से सच कहत हई कि जहां भी इ सुसमाचार पूरा दुनिया में प्रचारित होई, उहाँ के इ सुसमाचार के बारे में भी उनुका याद में कहल जाई।
10 बारह लोग में से एगो यहूदा इस्करियोती मुख्य याजकन के लगे गईले कि उनुका के ओ लोग के सौंप देवे।
11 इ सुन के उ लोग खुश हो गईले अवुरी उनुका के पईसा देवे के वादा कईले। आ ऊ खोजत रहले कि कइसे सुविधा से ओकरा साथे धोखा कर सकेला.
12 बिना खमीर के रोटी के पहिला दिन जब उ लोग फसह के पर्व के मारत रहले त उनुकर चेलन उनुका से पूछले, "तू चाहत बाड़ू कि हमनी के कहाँ जाके फसह के पर्व के तैयारी करीं जा?"
13 ऊ अपना दू गो चेलन के भेज के कहलन कि, " तू लोग शहर में जाके पानी के घड़ा लेके एगो आदमी से भेंट करी।"
14 जहाँ भी उ घर में जाई, घर के मालिक से कहब कि गुरु कहतारे कि, 'अतिथि कक्ष कहाँ बा, जहवा हम अपना चेलन के संगे फसह खाएब?'
15 ऊ तोहरा के एगो बड़हन ऊपरी कमरा देखा दी जवन सुसज्जित आ तइयार बा, ओहिजा हमनी खातिर तइयार करऽ.
16 उनकर चेला लोग निकल के शहर में आके उ लोग के कहला के मुताबिक मिलल।
17 साँझ के ऊ बारह गो के साथे आवेलन।
18 जब उ लोग बईठ के खाना खात रहले त यीशु कहले, " हम तोहनी से सच कहत बानी कि तोहनी में से जे हमरा संगे खाना खात होई, उ हमरा के धोखा दिही।"
19 उ लोग दुखी होखे लगले अवुरी एक-एक क के उनुका से पूछे लगले कि, "का हम हई?" एगो अउरी कहलस, "का हम हईं?"
20 उ जवाब देके कहलस, " ई बारह में से एगो ह जवन हमरा संगे बर्तन में डुबकी लगावेला।"
21 मनुष्य के बेटा सचमुच चलत बा, जईसे कि ओकरा बारे में लिखल बा, लेकिन हाय ओ आदमी के, जेकरा द्वारा मनुष्य के बेटा के धोखा दिहल गईल बा। ओह आदमी खातिर बढ़िया रहित अगर ऊ कबो पैदा ना भइल रहित.
22 जब उ लोग खात रहले त यीशु रोटी लेके आशीष देके ओकरा के तोड़ के उ लोग के देले अवुरी कहले, " ले, खा लीं, इ हमार देह ह।"
23 ऊ प्याला लेके धन्यवाद देके ओह लोग के दे दिहलन आ सब लोग ओकरा से पी लिहले।
24 ऊ ओह लोग से कहलन कि ई हमार नया नियम के खून ह जवन बहुत लोग खातिर बहावल गइल बा।
25 हम तोहनी से सच कहत हई कि जब तक हम बेल के फल ना पियब, जब तक हम परमेश्वर के राज्य में नया बेल के फल ना पीब।
26 ऊ लोग एगो भजन गा के जैतून के पहाड़ पर निकल गइलन।
27 यीशु उनसे कहलन, " आज रात तोहनी सब हमरा से नाराज होखब, काहेकि लिखल बा कि हम चरवाहा के मार देब आ भेड़ तितर-बितर हो जइहें।"
28 लेकिन हम जी उठला के बाद तोहरा से पहिले गलील में चल जाईब।
29 पतरस ओकरा से कहलन, "भले सब लोग ठेस लागी, लेकिन हम ना करब।"
30 यीशु ओकरा से कहलन, " हम तोहरा से सच कहत बानी कि आजु रात में मुर्गा के दू बेर बाजला से पहिले तू हमरा से तीन बेर इनकार करऽ।"
31 लेकिन उ अउरी जोर से बोलले, "अगर हम तोहरा साथे मरब त हम तोहरा के कवनो तरह से इनकार ना करब।" ठीक ओसही भी कहलस उ सब लोग।
32 उ लोग गेतसमनी नाम के जगह प पहुंचले त उ अपना चेलन से कहलस कि, जब तक हम प्रार्थना ना करब, तब तक तू लोग इहाँ बईठ जा।
33 ऊ पतरस, याकूब आ यूहन्ना के अपना साथे लेके चल गइलन आ ऊ बहुते अचरज में पड़ गइलन आ बहुते भारी हो गइलन.
34 उ लोग से कहलस, " हमार आत्मा मौत तक दुखी बा।
35 ऊ तनी आगे बढ़ के जमीन पर गिर गइलन आ प्रार्थना कइलन कि अगर संभव होखे त ऊ समय ओकरा से बीत जाव.
36 ऊ कहलन, " अब्बा हे पिता, तोहरा खातिर सब कुछ संभव बा। ई प्याला हमरा से छीन लीं, बाकिर हम जवन चाहत बानी ऊ ना, बलुक जवन तू चाहत बाड़ऽ.
37 ऊ आके ओह लोग के सुतल देखलन आ पतरस से कहलन, " शमौन, का तू सुतल बाड़ऽ?" का तू एक घंटा तक जागल ना रह सकत रहलू?
38 जागल रहऽ आ प्रार्थना करीं कि कहीं परीक्षा में मत पड़ जाइब। आत्मा सचमुच तैयार बा, लेकिन शरीर कमजोर बा।
39 ऊ फेरु जाके प्रार्थना कइलन आ उहे बात कहलन।
40 जब उ वापस अईले त उ लोग के फेर से सुतल देखले, काहेंकी ओ लोग के आंख भारी रहे, ना ही उ लोग के पता ना रहे कि उनुका के का जवाब दिहल जाए।
41 ऊ तीसरी बेर आके कहलस, " अब सुत जा आ आराम करऽ। देखऽ, आदमी के बेटा के पापी लोग के हाथ में सौंपल गइल बा।
42 उठ, हमनी के चलल जा। देखऽ, जे हमरा के धोखा देत बा, ऊ नजदीक आ गइल बा।
43 जब ऊ अबहीं बोलत रहले त तुरते बारह में से एगो यहूदा आ ओकरा साथे तलवार आ लाठी लेके प्रमुख याजक आ शास्त्री आ बुजुर्ग लोग के बहुत भीड़ आ गइलन।
44 जे ओकरा के धोखा देले रहे, उ ओ लोग के एगो निशानी देले रहे कि, "हम जेकरा के चुम्मा लेब, उहे ह। ओकरा के लेके, ओकरा के सुरक्षित ले जा।
45 जब ऊ अइले त सीधे उनकरा लगे जाके कहले, "गुरु, गुरु! आ ओकरा के चुम्मा लेत रहले.
46 ऊ लोग ओकरा पर हाथ रख के ओकरा के पकड़ लिहल।
47 ओहिजा खड़ा लोग में से एगो तलवार निकाल के महायाजक के एगो नौकर के मार के ओकर कान काट दिहलस।
48 यीशु जवाब दिहलन, " का तू लोग हमरा के पकड़े खातिर तलवार आ लाठी लेके चोर के खिलाफ निकलल बानी?
49 हम रोज मंदिर में तोहनी के साथे शिक्षा देत रहनी, लेकिन तू हमरा के ना पकड़नी, लेकिन पवित्रशास्त्र के पूरा होखे के चाही।
50 उ सब ओकरा के छोड़ के भाग गईले।
51 एगो युवक ओकरा पीछे-पीछे चलल, जेकरा नंगा शरीर के चारों ओर लिनन के कपड़ा ढलल रहे। आ नवही लोग ओकरा के पकड़ लिहले।
52 उ लिनन के कपड़ा छोड़ के नंगा होके भाग गईले।

53 उ लोग यीशु के महायाजक के लगे ले गईले अवुरी उनुका संगे सभ मुखिया याजक, बुजुर्ग अवुरी शास्त्री लोग जुटल रहले।
54 पतरस ओकरा पीछे-पीछे दूर से महायाजक के महल में चल गईले अवुरी उ नौकरन के संगे बईठ के आग में गरम हो गईले।
55 मुख्य याजक आ पूरा मंडली यीशु के हत्या करे खातिर गवाही खोजत रहले। आ कवनो ना मिलल.
56 काहेकि बहुत लोग उनकरा खिलाफ झूठा गवाही देत रहले, लेकिन उ लोग के गवाही एक संगे ना रहे।
57 कुछ लोग उठ के ओकरा खिलाफ झूठ गवाही देके कहलस।
58 हमनी के उनुका के कहत सुनले रहनी जा कि, "हम हाथ से बनल इ मंदिर के नष्ट क देब अवुरी तीन दिन के भीतर बिना हाथ से बनल मंदिर के निर्माण करब।"
59 लेकिन ना त ओ लोग के गवाह एक दूसरा से सहमत भईल।
60 महायाजक बीच में खड़ा होके यीशु से पूछले, "का तू कुछुओ जवाब नइखीं देत?" ई लोग तोहरा खिलाफ का गवाह बा?
61 लेकिन उ चुप रहले अवुरी कुछूओ जवाब ना देले। फेरु महायाजक ओकरा से पूछले, "का तू मसीह, धन्य के बेटा हउअ?"
62 यीशु कहलन, " हम हईं, त तू लोग आदमी के बेटा के शक्ति के दाहिना ओर बईठल आ स्वर्ग के बादल में आवत देखब।"
63 तब महायाजक आपन कपड़ा फाड़ के कहलस, "हमनी के अउरी गवाह के का जरूरत बा?
64 तू लोग निंदा सुनले बाड़S, तोहनी के का लागत बा? आ सब लोग ओकरा के मौत के दोषी ठहरवले।
65 कुछ लोग ओकरा पर थूक फेंके लागल, ओकर चेहरा ढंक के ओकरा के मारे लागल आ कहे लागल कि, "भविष्यवाणी करS" आ नौकर लोग ओकरा के हाथ के हथेली से मार दिहल।
66 जब पतरस महल में नीचे रहले त महायाजक के एगो नौकरानी आ गईली।
67 जब उ पतरस के गरम करत देखली त उनुका ओर देखली अवुरी कहली, "तू भी नासरत के यीशु के संगे रहनी।"
68 लेकिन उ इनकार करत कहले, "हम नईखी जानत अवुरी ना समझत बानी कि तू का कहत बानी।" उ बरामदा में निकल गईले। आ मुर्गा के चालक दल के भी।
69 एगो नौकरानी ओकरा के फेरु से देख के ओहिजा खड़ा लोग से कहे लगली कि, "ई ओह लोग में से एगो ह।"
70 आ ऊ एकरा के फेरु से इनकार कर दिहलन। कुछ देर बाद ओहिजा खड़ा लोग फेर से पतरस से कहलस कि, "तू जरूर ओह लोग में से एगो हउअ, काहेकि तू गलील के हउअ आ तोहार बात एकरा से सहमत बा।"
71 लेकिन उ गारी देवे लगले अवुरी कसम खाए लगले, "हम ए आदमी के नईखी जानत, जेकरा बारे में तू बोलत रहू।"
72 आ दूसर बेर मुर्गा क्रूर कइलस। पतरस यीशु के कहल बात के याद कइलन कि मुर्गा दू बेर बाजला से पहिले तू हमरा से तीन बेर इनकार करS। आ जब ऊ एह बारे में सोचल त ऊ रोवे लागल.

अध्याय 15 के बा

1 तुरते सबेरे मुख्य याजक लोग बुजुर्ग, शास्त्री आऊ पूरा परिषद के लोग से बातचीत क के यीशु के बान्ह के ले जाके पिलातुस के सौंप देले।
2 पिलातुस ओकरा से पूछले, "का तू यहूदी लोग के राजा हउअ?" उ जवाब देके कहलस, " तू कहत बाड़ू।"
3 मुख्य याजक लोग उनकरा पर बहुत बात के आरोप लगवलन, लेकिन उ कवनो जवाब ना दिहलन।
4 पिलातुस फेरु से पूछले, "का तू कुछुओ जवाब नइखS देत?" देखS कि ऊ लोग तोहरा खिलाफ केतना बात के गवाही देत बा.
5 लेकिन यीशु अभी तक कुछुओ ना उठवले। जवना से पिलातुस अचरज में पड़ गईले।
6 उ भोज में एगो कैदी के छोड़ दिहलन, जेकरा के उ लोग चाहत रहे।
7 बरब्बा नाम के एगो आदमी रहले, जवन कि उनुका संगे विद्रोह करे वाला लोग के संगे बान्हल रहे, जवन कि विद्रोह में हत्या क देले रहले।
8 ऊ लोग जोर-जोर से चिल्लात भीड़ उनकरा से निहोरा करे लागल कि उ ओइसन काम करस जइसन उ लोग के साथे कइले रहलन।
9 पिलातुस ओह लोग के जवाब दिहलन, "का तू लोग चाहत बानी कि हम यहूदी लोग के राजा के तोहनी खातिर छोड़ दीं?
10 काहेकि उ जानत रहले कि मुख्य याजक उनुका के ईर्ष्या के चलते सौंप देले बाड़े।
11 लेकिन मुखिया याजक लोग लोग के आग्रह कईले कि उ बरब्बा के छोड़ देवे के चाही।
12 पिलातुस फिर से पूछले, "तब तोहनी का चाहत बानी कि हम जेकरा के यहूदी लोग के राजा कहत बानी?
13 ऊ लोग फेरु से चिल्ला के कहलस कि, "उनुका के सूली पर चढ़ा दS।"
14 पिलातुस उनसे पूछले, "उ का बुराई कईले? ऊ लोग अउरी जोर से चिल्ला के कहलस कि, "उनुका के सूली पर चढ़ा दS।"
15 पिलातुस लोग के संतुष्ट करे के इच्छुक होके बरब्बा के छोड़ दिहलन आ यीशु के कोड़ा मार के सूली पर चढ़ावे खातिर सौंप दिहलन।
16 सिपाही लोग ओकरा के प्रैटोरियम नाम के हॉल में ले गईले। आ पूरा बैंड के एक साथ बोलावेले।
17 ऊ लोग ओकरा के बैंगनी रंग के कपड़ा पहिन के काँट के मुकुट पहिन के ओकरा माथा पर लगा दिहल।
18 ऊ ओकरा के नमस्कार करे लगलन, "हे यहूदी लोग के राजा!
19 ऊ लोग ओकरा माथा पर खढ़ से मार के थूक दिहल आ घुटना टेक के ओकर पूजा कइल।
20 जब उ लोग उनकर मजाक उड़ावल त बैंगनी रंग के कपड़ा उतार के उनकर कपड़ा पहिन के सूली पर चढ़ावे खातिर निकल गईले।
21 ऊ लोग सिकंदर आ रूफस के बाप सिरेनिया के एगो शमौन के आपन क्रूस उठावे खातिर मजबूर कर दिहलन, जे ओहिजा से गुजरत रहले।
22 उ लोग ओकरा के गोल्गोथा के जगह ले गईले, जवना के मतलब ह कि खोपड़ी के जगह ह।
23 उ लोग ओकरा के गंधक में मिला के शराब पीये देले, लेकिन उनुका ना मिलल।
24 जब ऊ लोग ओकरा के सूली पर चढ़ा के ओकर कपड़ा बाँट के ओकरा पर चिट्ठी डाल के हर केहू के का लेबे के चाहीं।
25 तीसरा घंटा हो गइल आ ऊ लोग ओकरा के सूली पर चढ़ा दिहल।
26 उनकर आरोप के ऊपर लिखल रहे कि यहूदी लोग के राजा।
27 ओकरा साथे दू गो चोर के सूली पर चढ़ा देले। एगो दाहिना हाथ में आ दोसर बाईं ओर।

28 पवित्र शास्त्र के बात पूरा हो गईल कि, "उ अपराधी के संगे गिनल गईल।"
29 ओहिजा से गुजरत लोग उनकरा के गारी मारत आपन माथा हिलावत कहले, "अरे, तू जे मंदिर के उजाड़ के तीन दिन में बनवले बाड़ऽ।
30 अपना के बचा के क्रूस से उतर के आ जा।
31 ओइसहीं मुख्य याजक लोग भी शास्त्री लोग के साथे मजाक उड़ावत कहले, "उ दूसरा के बचा लिहले। खुद के ऊ बचा ना सके.
32 इस्राएल के राजा मसीह के अब क्रूस से उतरे के चाहीं ताकि हमनी के देख के विश्वास कर सकीले। उनकरा साथे सूली पर चढ़ावल लोग उनकर निंदा कइल।
33 छठवाँ बजे भइल त नौवां बजे ले पूरा देश पर अन्हार हो गइल।
34 नौवां बजे यीशु जोर से चिल्ला के कहले, " एलोई, एलोई, लामा सबकथानी?" जवना के मतलब बा कि, हमार भगवान, हमार भगवान, तू हमरा के काहे छोड़ देले बाड़?
35 ओहिजा खड़ा कुछ लोग ई बात सुन के कहलस, "देखऽ, उ एलियास के बोलावतारे।"
36 एक आदमी दौड़ के एगो स्पंज में सिरका भर के एगो खढ़ पर डाल के ओकरा के पी के कहलस कि, "त दूर के बात बा! देखल जाव कि एलियास ओकरा के उतारे अइहें कि ना.
37 ईसा जोर से चिल्ला के आपन भूत छोड़ दिहलन।
38 मंदिर के पर्दा ऊपर से नीचे तक दु भाग में फाट गईल।
39 जब उनकरा सामने खड़ा सेनापति देखलस कि उ अतना चिल्लात बा आ भूत छोड़ देले बा, त उ कहलस कि, "ई आदमी सचमुच परमेश्वर के बेटा ह।"
40 उहाँ मेहरारू लोग भी दूर से देखत रहली, जेकरा में मरियम मगदलीनी, याकूब छोट आ योसेस के महतारी मरियम आ सलोमी रहली।
41 (जब ऊ गलील में रहलन त उनकरा पीछे-पीछे चलल आ उनकर सेवा कइलन) आ अउरी बहुत मेहरारू जे उनकरा साथे यरूशलेम चली।
42 अब जब साँझ हो गइल, काहे कि ऊ तइयारी के दिन रहे, माने कि सब्त के दिन से पहिले के दिन।
43 अरिमाथिया के यूसुफ, एगो आदरणीय सलाहकार, जे परमेश्वर के राज्य के इंतजार करत रहले, आके निर्भीकता से पिलातुस के लगे गईले अवुरी यीशु के लाश के लालसा करत रहले।
44 पिलातुस अचरज में पड़ गईले कि उ पहिलही मर चुकल बाड़े, त उ सेनापति के बोला के पूछले कि का उ अभी मर चुकल बाड़े।
45 जब उ सेनापति के बारे में जान गईले त उ लाश यूसुफ के दे देले।
46 ऊ बढ़िया लिनन खरीद के ओकरा के उतार के लिनन में लपेट के एगो कब्र में सुता दिहलन जवन चट्टान से काटल रहे आ कब्र के दुआर पर पत्थर लुढ़का दिहलन.
47 मरियम मगदलीनी आ योसेस के महतारी मरियम देखली कि उनुका के कहाँ राखल गइल बा।

अध्याय 16 के बा

1 जब सब्त के दिन बीत गईल त मरियम मगदलीनी, याकूब आ सलोमी के महतारी मरियम मीठ मसाला खरीदले रहली ताकि उ लोग आके उनुका के अभिषेक कर सकस।
2 हफ्ता के पहिला दिन सबेरे-सबेरे उ लोग सूरज उगते कब्र के लगे पहुंचले।
3 उ लोग आपस में पूछले, "के हमनी के कब्र के दुआर से पत्थर के लुढ़का दिही?"
4 जब उ लोग देखले त देखले कि उ पत्थर लुढ़क गईल बा, काहेकी उ बहुत बड़ रहे।
5 कब्र में घुसते देखलन कि एगो नवही एगो लमहर सफेद कपड़ा पहिनले दाहिना ओर बईठल बा। आ उ लोग डेरा गईले।
6 ऊ ओह लोग से कहलन कि मत डेराईं, तू लोग नासरत के यीशु के खोजत बाड़ऽ जेकरा के सूली पर चढ़ावल गइल रहे। उ इहाँ नईखन, देखऽ उ जगह जहाँ उ लोग ओकरा के रखले बा।
7 लेकिन जाके उनकर चेलन आ पतरस के बताईं कि उ रउवां से पहिले गलील जात हउवें।
8 उ लोग जल्दी से निकल के कब्र से भाग गईले। काहे कि ऊ लोग काँपत रहे आ अचरज में पड़ गइलन आ ना केहू से कुछ कहलन. काहे कि उ लोग डेरा गईल रहले।
9 जब यीशु हफ्ता के पहिला दिन सबेरे जी उठलन त सबसे पहिले मरियम मगदलीनी के सामने प्रकट भईले, जेकरा में से उ सात गो दुष्टात्मा के निकालले रहले।
10 ऊ लोग शोक मनावत आ रोवत घरी उनकरा साथे रहल लोग के बतवली।
11 उ लोग जब सुनले कि उ जिंदा बाड़े अवुरी उनुका से देखल गईले, त उ लोग विश्वास ना कईले।
12 ओकरा बाद ऊ दू गो लोग के घूमत-फिरत आ देहात में जात घरी दोसरा रूप में प्रकट भइलन।
13 उ लोग जाके बचे वाला लोग के इ बात बतवले अवुरी ना उ लोग उनुका प विश्वास कईले।
14 ओकरा बाद उ एगारह लोग के खाना खात घरी प्रकट भईले अवुरी उ लोग के अविश्वास अवुरी कठोर दिल से डांटले, काहेंकी उ लोग उनुका जी उठला के बाद उनुका के देखे वाला लोग प विश्वास ना कईले।
15 उ लोग से कहलन, " तू लोग पूरा दुनिया में जाके हर प्राणी के सुसमाचार सुनाईं।"
16 जे विश्वास करी आ बपतिस्मा लेला, उ उद्धार पाई। लेकिन जे विश्वास ना करी ओकरा के सजा मिल जाई।
17 आ विश्वास करे वाला लोग के बाद इ चिन्हार होई। हमरा नाम से उ लोग शैतान के भगा दिहे। ऊ लोग नया भाषा में बोलिहें।
18 उ लोग साँप के उठा लीहे। आ अगर ऊ लोग कवनो जानलेवा चीज पी लेत बा त ओकरा से कवनो नुकसान ना होखी. बेमार लोग पर हाथ डाल के ठीक हो जइहें।
19 तब प्रभु उनसे बात कईला के बाद उनुका के स्वर्ग में ले जाके परमेश्वर के दाहिना ओर बईठ गईले।
20 उ लोग बाहर निकल के हर जगह प्रचार करत रहले, प्रभु ओ लोग के संगे काम करत रहले अवुरी ओकरा बाद संकेत के संगे वचन के पुष्टि कईले। आमीन के बा।

लूका के सुसमाचार के बारे में बतावल गइल बा

अध्याय 1 के बा

1 काहे कि बहुत लोग हमनी के बीच जवन बात पर विश्वास बा, ओकरा बारे में बतावे के काम में लागल बाड़े।
2 जइसे उ लोग हमनी के हाथ में देले रहले, जवन कि शुरू से चश्मदीद गवाह रहले अवुरी वचन के सेवक रहले।
3 हे परम श्रेष्ठ थियोफिलस, पहिले से ही सब बात के पूरा तरह से समझल हमरा भी अच्छा लागल।
4 ताकि तू ओह बातन के निश्चतता के बारे में जान सकीले जवना के बारे में तोहरा के सिखावल गइल बा।
5 यहूदिया के राजा हेरोदेस के समय में जकरयाह नाम के एगो याजक अबिया के रहे, उनकर मेहरारू हारून के बेटी में से रहली आ उनकर नाम एलिजाबेथ रहे।
6 उ दुनो लोग परमेश्वर के सामने धर्मी रहले अवुरी प्रभु के सभ आज्ञा अवुरी नियम में निर्दोष चलत रहले।
7 ओह लोग के कवनो संतान ना रहे काहे कि एलिजाबेथ बंजर रहली आ दुनु जने के उमिर बहुते हो गइल रहे.
8 जब उ अपना क्रम के अनुसार परमेश्वर के सामने पुरोहित के काम पूरा करत रहले।
9 पुरोहित के पद के रिवाज के अनुसार प्रभु के मंदिर में जाके उनकर भाग्य धूप जरावे के रहे।
10 धूप के समय में पूरा भीड़ बाहर प्रार्थना करत रहे।
11 धूप के वेदी के दाहिना ओर खड़ा प्रभु के एगो स्वर्गदूत ओकरा से प्रकट भईले।
12 जब जकरयाह ओकरा के देखले त ऊ घबरा गइलन आ ओकरा पर डर लाग गइल।
13 लेकिन स्वर्गदूत ओकरा से कहलस, "जकराह, मत डेरा, काहेकि तोहार प्रार्थना सुनल गईल बा। तोहार मेहरारू एलिजाबेथ तोहरा के एगो बेटा पैदा करी आ ओकर नाम यूहन्ना राखब।
14 आ तोहरा खुशी आ खुशी होई। आ ओकरा जनम पर बहुत लोग खुश हो जइहें।
15 काहेकि ऊ प्रभु के नजर में महान होई आ ना त शराब पीई आ ना मादक पेय। उ अपना महतारी के पेट से ही पवित्र आत्मा से भरल होई।
16 उ इस्राएल के बहुत लोग के अपना परमेश्वर यहोवा के ओर मुड़ जाई।
17 ऊ एलियास के आत्मा आ शक्ति से ओकरा से पहिले चल के बाप-दादा के दिल लइकन के ओर आ आज्ञा ना माने वाला लोग के धर्मी लोग के बुद्धि के ओर मोड़ दीहें। प्रभु खातिर तइयार लोग के तइयार करे खातिर।
18 जकरयाह स्वर्गदूत से कहलन, "हम ई बात कइसे जानब? काहे कि हम बूढ़ हो गइल बानी आ हमार मेहरारू के उमिर बहुते हो गइल बा.
19 स्वर्गदूत ओकरा से कहलस, "हम जिब्राईल हईं, जे परमेश्वर के सामने खड़ा हई। आऊ तोहरा से बात करे आ तोहरा के ई खुशखबरी बतावे खातिर भेजल गइल बानी।
20 देखऽ, जबले ई काम पूरा ना हो जाई, तबले तू गूंगा रहबऽ आ बोले में सक्षम ना होखबऽ, काहे कि तू हमार बात पर विश्वास नइखऽ करत जवन अपना समय में पूरा हो जाई।
21 लोग जकरयाह के इंतजार करत रहे आ अचरज में पड़ गइल कि ऊ एतना दिन तक मंदिर में रहले।
22 जब उ बाहर निकलले त उ लोग से बात ना क पवले अवुरी उ लोग के पता चलल कि उ मंदिर में एगो दर्शन देखले बाड़े, काहेंकी उ ओ लोग के इशारा कईले अवुरी बेजुबान रहले।
23 जइसहीं उनकर सेवा के दिन पूरा भइल त ऊ अपना घरे चल गइलन।
24 ओह दिनन के बाद उनकर मेहरारू एलिजाबेथ गर्भवती होके पांच महीना तक लुका के कहली।
25 जवना दिन उ हमरा के देखत रहले, उ दिन में प्रभु हमरा संगे अईसन व्यवहार कईले, ताकि हम आदमी के बीच हमार निंदा दूर हो सके।
26 छठवाँ महीना में परमेश्वर के ओर से जिब्राईल स्वर्गदूत के गलील के एगो शहर नासरत में भेजल गईल|
27 एगो कुंवारी के बियाह दाऊद के घराना के यूसुफ नाम के आदमी से भईल रहे। आ कुंवारी के नाम मरियम रहे।
28 तब स्वर्गदूत ओकरा लगे आके कहलस, "हे जय, जे बहुत अनुग्रहित बा, प्रभु तोहरा साथे बाड़े।
29 जब उ ओकरा के देखली त उनुका इ बात से घबरा गईली अवुरी मन में आ गईली कि इ कवना तरह के नमस्कार होखे।
30 स्वर्गदूत ओकरा से कहलस, "हे मरियम, मत डेरा, काहेकि तोहरा पर परमेश्वर के अनुग्रह मिलल बा।"
31 देखऽ, तू अपना पेट में गर्भवती होके एगो बेटा पैदा करबऽ आ ओकर नाम यीशु रखबऽ।
32 ऊ महान होई आ परमात्मा के बेटा कहल जाई आ प्रभु परमेस् वर ओकरा के ओकर बाप दाऊद के सिंहासन दे दिहें।
33 ऊ याकूब के घराना पर हमेशा खातिर राज करीहें। आ ओकर राज्य के कवनो अंत ना होई।
34 मरियम स्वर्गदूत से कहली, "जब हम कवनो आदमी के नईखी जानत त इ कईसे होई?
35 तब स्वर्गदूत ओकरा से कहलस, "पवित्र आत्मा तोहरा पर आ जाई आ परमात्मा के शक्ति तोहरा पर छा जाई, एही से जवन पवित्र चीज तोहरा से पैदा होई ओकरा के भी परमेश्वर के बेटा कहल जाई।
36 देखऽ, तोहार चचेरी बहिन एलिजाबेथ भी बुढ़ापा में एगो बेटा के गर्भवती हो गइल बाड़ी आ ओकरा साथे ई छठवाँ महीना बा, जेकरा के बंजर कहल जात रहे।
37 काहेकि परमेश्वर के खातिर कुछुओ असंभव ना होई।
38 मरियम कहली, "देखऽ, प्रभु के दासी हई। तोहरा वचन के अनुसार हमरा खातिर होखे। आ स्वर्गदूत ओकरा से दूर हो गइल।
39 ओह दिन मरियम उठ के जल्दबाजी में पहाड़ी इलाका में यहूदा के एगो शहर में चल गइली।
40 जकरयाह के घर में घुस के एलिजाबेथ के नमस्कार कइलन।
41 जब एलिजाबेथ मरियम के अभिवादन सुनली त उ बच्चा उनुका पेट में कूद गईल। एलिजाबेथ पवित्र आत्मा से भर गइली।
42 ऊ जोर-जोर से कहली, "मेहरारू लोग के बीच तू धन्य बाड़ऽ आ तोहार पेट के फल धन्य बाड़ऽ।"
43 हमरा खातिर ई कहाँ से बा कि हमरा प्रभु के महतारी हमरा लगे आवे?
44 काहे कि देख, जइसहीं तोहार अभिवादन के आवाज हमरा कान में बाजल, त बच्चा हमरा पेट में खुशी से कूद गईल।

45 धन्य हई जे विश्वास कइली, काहे कि प्रभु के ओर से जवन बात ओकरा के बतावल गइल रहे, ओकर पूरा हो जाई।
46 मरियम कहली, "हमार प्राण प्रभु के बड़ाई करेले।
47 हमार आत्मा हमरा उद्धारकर्ता परमेश्वर में खुश हो गईल बा।
48 काहेकि उ अपना दासी के नीच स्थिति के देखत बा, काहेकि देख, अब से सब पीढ़ी हमरा के धन्य कहत होई।
49 काहे कि जे पराक्रमी बा, उ हमरा साथे बहुत बड़ काम कइले बा। आ उनकर नाम पवित्र बा।
50 पीढ़-पीढ़ी ओकरा से डेराए वाला लोग पर ओकर दया बा।
51 उ अपना बांह से ताकत देखवले बा। उ घमंडी लोग के दिल के कल्पना में बिखर देले बाड़े।
52 ऊ पराक्रमी लोग के आसन से उतार के नीचता के ऊपर उठा दिहले बाड़न।
53 ऊ भूखल लोग के नीमन चीजन से भर दिहले बाड़न। आ अमीर लोग के ऊ खाली भेज दिहले बाड़न.
54 ऊ अपना दया के याद में अपना सेवक इस्राएल के पकड़ले बा।
55 जइसे उ हमनी के पुरखन, अब्राहम आ उनकर संतान से हमेशा खातिर कहले रहले।
56 मरियम करीब तीन महीना तक ओकरा संगे रहली अवुरी अपना घरे लवट गईली।
57 एलिजाबेथ के प्रसव के पूरा समय आ गईल। आ ऊ एगो बेटा के जनम दिहली।
58 ओकर पड़ोसी आ ओकर चचेरा भाई लोग सुनल कि कइसे प्रभु ओकरा पर बहुते दया कइले बाड़न। आ उ लोग ओकरा संगे खुश हो गईले।
59 आठवाँ दिन उ लोग लइका के खतना करे आइल। उ लोग ओकरा के जकरयाह, ओकर पिता के नाम प रखले।
60 उनकर माई जवाब दिहली, "अइसन नइखे; लेकिन ओकर नाम यूहन्ना होई।
61 उ लोग ओकरा से कहलस, "तोहरा रिश्तेदार में से केहू अइसन नइखे जेकरा के एह नाम से बोलावल जाव।"
62 उ लोग उनकर बाबूजी के संकेत देले कि उ कइसे उनुका के बोलावल चाहत बाड़े।
63 ऊ एगो लिखे के मेज मंगले आ लिखले कि, "उनकर नाम यूहन्ना ह।" आ उ लोग सबके अचरज में पड़ गईले।
64 तुरते उनकर मुँह खुलल आ जीभ ढीला हो गइल आ ऊ बोललन आ भगवान के स्तुति कइलन।
65 ओह लोग के आसपास के सब लोग के डर लागल आ यहूदिया के पूरा पहाड़ी इलाका में ई सब बात के आवाज सुनाई पड़ल।
66 एह सब के सुनल सब लोग अपना मन में रख के कहलस कि, "ई कवन बच्चा होई!" आ प्रभु के हाथ ओकरा साथे रहे।
67 उनकर बाप जकरयाह पवित्र आत्मा से भर गइलन आ भविष्यवाणी कइलन।
68 इस्राएल के परमेश्वर यहोवा के धन्य होखे। काहेकि उ अपना लोग के मुलाकात क के छुड़ा लेले बाड़े।
69 उ अपना सेवक दाऊद के घर में हमनी खातिर उद्धार के सींग उठवले बाड़े।
70 जइसे उ अपना पवित्र भविष्यवक्ता लोग के मुँह से कहले रहले, जवन दुनिया के शुरू से ही बा।
71 हमनी के दुश्मनन से आ हमनी से नफरत करे वाला सब लोग के हाथ से बचावल जा सके।
72 हमनी के पुरखन से वादा कइल दया के पूरा करे के आ उनकर पवित्र वाचा के याद करे के।
73 जवन किरिया उ हमनी के पिता अब्राहम के किरिया खइले रहले।
74 हमनी के दुश्मनन के हाथ से मुक्त होके बिना डर के उनकर सेवा करे के मौका देस।
75 हमनी के जीवन के पूरा दिन ओकरा सामने पवित्रता आ धार्मिकता में।
76 हे बच्चा, तू परमात्मा के भविष्यवक्ता कहल जाई, काहे कि तू प्रभु के सामने जाके ओकर रास्ता तइयार करबऽ।
77 अपना लोग के पाप के माफी से मुक्ति के ज्ञान देवे।
78 हमनी के परमेश्वर के कोमल दया से। जवना से ऊपर से दिन के झरना हमनी के सामने आइल बा।
79 अन्हार आ मौत के परछाई में बइठल लोग के रोशनी देवे खातिर हमनी के गोड़ के शांति के रास्ता पर ले जाए खातिर।
80 ऊ लइका बढ़ल आ आत्मा में मजबूत हो गइल आ इस्राएल के सामने देखावे के दिन तक रेगिस्तान में रहल।

अध्याय 2 के बा

1 ओह दिन में सीजर अगस्त से एगो फरमान निकलल कि पूरा दुनिया पर कर लगावल जाव।
2 (आ ई कर पहिला बेर तब भइल जब कुरेनियस सीरिया के गवर्नर रहले।)
3 सब लोग कर लगावे खातिर चल गइल, हर केहू अपना शहर में।
4 यूसुफ भी नासरत शहर से गलील से यहूदिया में दाऊद के शहर में चल गइलन, जवना के बेतलेहेम कहल जाला। (काहे कि उ दाऊद के घर आ वंश के रहले:)
5 गर्भवती होके उनकर बियाह कइल पत्नी मरियम के साथे कर लगावे खातिर।
6 जबले उ लोग उहाँ रहले तबले उनुकर प्रसव होखे के दिन पूरा हो गईल।
7 ऊ अपना पहिलका बेटा के जनम दिहली आ ओकरा के लपेट के कपड़ा में लपेट के एगो चरनी में सुता दिहली। काहे कि सराय में ओह लोग खातिर कवनो जगह ना रहे.
8 उहे देस में चरवाहा खेत में रहत रहले आ रात में अपना भेड़ के पहरा देत रहले।
9 तब प्रभु के दूत ओह लोग पर आ गइलन आ प्रभु के महिमा ओह लोग के चारो ओर चमकल आ ऊ लोग बहुते डेरा गइल.
10 स्वर्गदूत उनके कहलस, "मत डेराईं, काहेकि हम तोहनी के बहुत खुशी के सुसमाचार लेके आवत बानी जवन सब लोग के होई।
11 काहेकि आज दाऊद के नगर में तोहनी खातिर एगो उद्धारकर्ता पैदा भइल बा, जवन मसीह प्रभु हवें।
12 ई तोहनी खातिर एगो निशानी होई। तोहनी के लइका लपेट के कपड़ा में लपेटल मिल जाई, जवन चरनी में पड़ल बा।
13 अचानक स्वर्गदूत के साथे स्वर्ग के सेना के भीड़ भगवान के स्तुति करत कहलस।
14 परमेश् वर के महिमा होखे आ धरती पर शांति आ आदमी के प्रति सद्भावना होखे।

15 जब स्वर्गदूत लोग स्वर्ग में चल गइलन त चरवाहा लोग एक दूसरा से कहलस, "आइ हमनी के अब बेतलेहेम तक जाके इ घटना के देखल जाव जवन प्रभु बता देले बाड़े।" हमनीं के।
16 उ लोग जल्दबाजी में आके मरियम, यूसुफ आ बच्चा के एगो चरनी में पड़ल देखले।
17 उ लोग एकरा के देख के उ लोग के बारे में जवन बात कहल गईल रहे, उ बात के बारे में बता देले।
18 एकरा के सुनल सब लोग चरवाहा लोग के बतावल बात से अचरज में पड़ गईले।
19 लेकिन मरियम इ सब बात के मन में मनन करत रहली।
20 चरवाहा लोग जवन कुछ सुनले आ देखले रहे, ओकरा खातिर परमेश्वर के महिमा आ स्तुति करत वापस आ गईले|
21 जब आठ दिन पूरा हो गइल त लइका के खतना होखे के बाद ओकर नाम यीशु रखल गइल, जेकर नाम स्वर्गदूत के गर्भ में होखे से पहिले रखल गइल रहे।
22 जब मूसा के नियम के अनुसार ओकर शुद्धि के दिन पूरा हो गईल त उ लोग उनुका के यरूशलेम ले गईले ताकि उनुका के प्रभु के सोझा पेश कईल जा सके।
23 (जइसन कि प्रभु के नियम में लिखल बा कि, जे नर के गर्भ खोलल जाई, ओकरा के प्रभु खातिर पवित्र कहल जाई।)
24 आउर प्रभु के नियम में कहल गइल बा कि एक जोड़ी कबूतर भा दू गो कबूतर के बच्चा बलि चढ़ावे के चाहीं।
25 यरूशलेम में एगो आदमी रहले, जेकर नाम शिमोन रहे। उहे आदमी धर्मी आ भक्तिशील रहे, इस्राएल के सांत्वना के इंतजार करत रहे, आ पवित्र आत्मा ओकरा पर रहे।
26 पवित्र आत्मा के द्वारा उनकरा पर प्रगट भइल कि प्रभु के मसीह के देखला से पहिले उ मौत के ना देखे।
27 ऊ आत्मा के द्वारा मंदिर में अइले आ जब माई-बाबूजी लइका यीशु के ले अइले कि ऊ ओकरा खातिर व्यवस्था के रिवाज के मुताबिक काम करस।
28 तब ऊ ओकरा के अपना कोरा में लेके भगवान के आशीष दिहलन आ कहलन।
29 प्रभु, अब तू अपना सेवक के अपना वचन के अनुसार शांति से जाए दीं।
30 काहेकि हमार आँख तोहार उद्धार देखले बा।
31 जवना के तू सब लोग के सामने तइयार कइले बाड़ऽ।
32 गैर-यहूदी लोग के रोशनी आ तोहरा लोग इस्राएल के महिमा के रोशनी देवे खातिर एगो रोशनी।
33 यूसुफ आ उनकर माई उनकरा बारे में जवन बात कहल गइल रहे, ओकरा से अचरज में पड़ गइलन।
34 शिमोन ओह लोग के आशीष दिहलन आ अपना महतारी मरियम से कहलन, "देखऽ, ई लइका इस्राएल में बहुत लोग के पतन आ जी उठला खातिर बनावल गइल बा। आ एगो अइसन निशानी खातिर जवना के खिलाफ बात कइल जाई।
35 (हँ, तलवार तोहार आत्मा में भी छेद करी) ताकि बहुत लोग के मन के विचार प्रकट हो सके।
36 आसेर के गोत्र के एगो भविष्यवक्ता हन्ना रहली, जवन फनुएल के बेटी रहली।
37 उ करीब चौंसठ साल के विधवा रहली, जवन मंदिर से ना निकलल रहली, बालुक रात-दिन उपवास अवुरी प्रार्थना के संगे भगवान के सेवा करत रहली।
38 उ ओही पल में आके प्रभु के धन्यवाद दिहली आ यरूशलेम में मुक्ति के इंतजार करे वाला सब लोग से उनकरा बारे में बतवली।
39 उ लोग प्रभु के नियम के अनुसार सब कुछ पूरा क के गलील में वापस आ गईले, जवन कि अपना शहर नासरत में चल गईले।
40 ऊ लइका बढ़ल आ बुद्धि से भरल आ आत्मा में मजबूत हो गइल आ भगवान के कृपा ओकरा पर भइल।
41 उनकर माई-बाबूजी हर साल फसह के परब पर यरूशलेम जात रहले।
42 जब उ बारह साल के भईले त उ लोग परब के रिवाज के मुताबिक यरूशलेम चल गईले।
43 जब उ लोग के दिन पूरा हो गईल त उ लोग लईका यीशु यरूशलेम में रह गईले। आ यूसुफ आ उनकर माई के ई बात ना मालूम रहे।
44 लेकिन उ लोग ओकरा के संगत में रहल समझ के एक दिन के सफर चल गईले। आ ऊ लोग अपना रिश्तेदारन आ परिचितन का बीच ओकरा के खोजत रहे.
45 जब उ लोग ओकरा के ना मिलल त उ लोग ओकरा के खोजत वापस यरूशलेम चल गईले।
46 तीन दिन बाद उ लोग मंदिर में डॉक्टर के बीच बईठल देखले अवुरी दुनो लोग के बात सुनत अवुरी सवाल पूछत रहले।
47 उनकर बात सुन के सब लोग उनकर समझ आ जवाब देख के अचरज में पड़ गइलन।
48 जब उ लोग ओकरा के देख के अचरज में पड़ गईले अवुरी उनुकर महतारी उनुका से कहली, "बेटा, तू हमनी के संगे अयीसन काहें कईले बाड़ू?" देखऽ, हम आ तोहार बाप दुखी होके तोहरा के खोजले बानी जा।
49 ऊ ओह लोग से पूछले, " तू लोग हमरा के कइसे खोजत रहलू? का तोहनी के ना ह कि हमरा अपना पिता के काम में लागल होखे के चाहीं?
50 उ लोग जवन बात उ लोग से कहले रहले, उ ना समझ पवले।
51 ऊ ओह लोग के साथे चल के नासरत आ गइलन आ ओह लोग के अधीन रहलन, बाकिर उनकर माई ई सब बात अपना मन में रखले रहली।
52 यीशु के बुद्धि आ कद बढ़ल आ भगवान आ आदमी के अनुग्रह में बढ़ गइलन।

अध्याय 3 के बा

1 तिबेरियस सीजर के शासन के पन्द्रहवाँ साल में, पोंतियुस पिलातुस यहूदिया के राज्यपाल रहले, हेरोदेस गलील के राज्यपाल रहले, आ उनकर भाई फिलिप इतुरिया आ ट्रैकोनिटिस के क्षेत्र के राज्यपाल रहले, आ लाइसानिया अबिलीन के राज्यपाल रहले।
2 हन्ना आ कैफा महायाजक रहलन, जंगल में जकरयाह के बेटा यूहन्ना के परमेश्वर के वचन आइल।
3 ऊ पाप के माफी खातिर पश्चाताप के बपतिस्मा के प्रचार करत यरदन के आसपास के पूरा इलाका में अइले।
4 जइसे कि यशायाह भविष्यवक्ता के वचन के किताब में लिखल बा कि, "जंगल में चिल्लात के आवाज, "प्रभु के रास्ता तइयार करऽ, ओकर रास्ता सीधा करऽ।"
5 हर घाटी भर जाई, हर पहाड़ आ पहाड़ी के नीचे गिरावल जाई। टेढ़ रास्ता सीधा हो जाई आ खुरदुरा रास्ता चिकना हो जाई।

6 आ सब शरीर परमेस् वर के उद्धार देखे के मिली।
7 तब उ अपना से बपतिस्मा लेवे खातिर निकलल भीड़ से कहलस, "हे साँप के पीढ़ी, तोहनी के आवे वाला क्रोध से भागे के चेतवले बा?
8 एह से पश्चाताप के लायक फल पैदा करीं आ अपना मन में ई मत कहे के शुरू करीं कि हमनी के पिता के अब्राहम बाड़े, काहेकि हम तोहनी से कहत बानी कि परमेश्वर एह पत्थरन से अब्राहम के संतान पैदा करे में सक्षम बाड़े।
9 अब कुल्हाड़ी भी पेड़ के जड़ तक रखल गईल बा, जवन भी पेड़ बढ़िया फल ना देवेला, ओकरा के काट के आग में फेंक दिहल जाला।
10 लोग ओकरा से पूछलस, "तब हमनी के का करीं जा?"
11 ऊ जवाब दिहलन, "जेकरा लगे दू गो कोट बा, ऊ जेकरा लगे कोट नइखे ओकरा के दे देव। जेकरा लगे भोजन बा, उहो अयीसने करे।
12 तब कर लेवे वाला लोग भी बपतिस्मा लेवे खातिर आके पूछले, "गुरु, हमनी के का करीं जा?"
13 ऊ ओह लोग से कहलन कि, "तू लोग के जवन निर्धारित कइल गइल बा ओकरा से अधिका ना जुटाईं."
14 सिपाही लोग भी उनकरा से पूछल, "हम का करीं जा?" ऊ ओह लोग से कहलन, "केहू के हिंसा मत करीं आ केहू के झूठा आरोप मत लगाईं; आ अपना मजदूरी से संतुष्ट रहीं।
15 लोग के उम्मीद रहे आ सब लोग अपना मन में यूहन्ना के बारे में मनन करत रहे कि उ मसीह हवे कि ना।
16 यूहन्ना उनकरा सब से कहलन कि हम तोहनी के पानी से बपतिस्मा देत बानी। लेकिन हमरा से भी ताकतवर एगो आवेला, जेकर जूता के कुंडी खोले के लायक नईखी, उ तोहनी के पवित्र आत्मा आ आग से बपतिस्मा दिही।
17 जेकर पंखा ओकरा हाथ में बा, आ ऊ अपना फर्श के पूरा तरह से साफ करी आ गेहूं के अपना भंडार में बटोर दी। बाकिर भूसा के ऊ अमिट आग से जरा दीहें.
18 उ अपना उपदेश में अउरी बहुत बात के प्रचार कइलन।
19 लेकिन हेरोदेस राज्यपाल के उनकर भाई फिलिप के मेहरारू हेरोदियास आ हेरोदेस के कइल सब बुराई खातिर डांटल गइल।
20 सबले बढ़ के इ बात जोड़लस कि उ यूहन्ना के जेल में बंद क देले।
21 जब सब लोग बपतिस्मा लिहले त यीशु भी बपतिस्मा लेत प्रार्थना करत स्वर्ग खुल गइल।
22 पवित्र आत्मा कबूतर नियर शरीर के आकार में ओकरा पर उतरल आ स्वर्ग से आवाज आइल कि तू हमार प्रिय बेटा हउअ। तोहरा में हम बहुत खुश बानी।
23 यीशु खुद लगभग तीस साल के होखे लगले, उ यूसुफ के बेटा रहले, जवन कि हेली के बेटा रहले।
24 उ मत्तत के बेटा रहलन, जवन लेवी के बेटा रहलन, मल्की के बेटा रहलन, जवन जन्ना के बेटा रहलन, जवन यूसुफ के बेटा रहलन।
25 उ मत्तियास के बेटा रहले, जवन आमोस के बेटा रहले, जवन नाउम के बेटा रहले, जवन एस्ली के बेटा रहले, जवन नग्गे के बेटा रहले।
26 ऊ माथ के बेटा रहलन, जे मत्तियास के बेटा रहलन, जे सेमेई के बेटा रहलन, जे यूसुफ के बेटा रहलन, जे यहूदा के बेटा रहलन।
27 उ योआना के बेटा रहे, जवन रेसा के बेटा रहे, जवन सोरोबाबेल के बेटा रहे, जवन सलाथियल के बेटा रहे, जवन नेरी के बेटा रहे।
28 उ मल्की के बेटा रहे, जवन अदी के बेटा रहे, उ कोसम के बेटा रहे, जवन एलमोदाम के बेटा रहे, जवन एर के बेटा रहे।
29 ऊ योसे के बेटा रहले, जे एलीएजर के बेटा रहले, जवन योरीम के बेटा रहले, जवन मत्तत के बेटा रहले, जवन लेवी के बेटा रहले।
30 ऊ शिमोन के बेटा रहलन, जवन यहूदा के बेटा रहलन, ऊ यूसुफ के बेटा रहलन, जवन योनान के बेटा रहलन, जे एलियाकीम के बेटा रहलन।
31 ऊ मेलेआ के बेटा रहलन, जे मेनान के बेटा रहलन, मत्तथा के बेटा रहलन, जवन नाथन के बेटा रहलन, जे दाऊद के बेटा रहलन।
32 ऊ यिशै के बेटा रहलन, जे ओबेद के बेटा रहलन, ऊ बूज के बेटा रहलन, जवन सल्मोन के बेटा रहलन आ नासोन के बेटा रहलन।
33 उ अमीनादब के बेटा रहले, जवन अराम के बेटा रहले, जवन एस्रोम के बेटा रहले, जवन फारेस के बेटा रहले, जवन यहूदा के बेटा रहले।
34 ऊ याकूब के बेटा, इसहाक के बेटा, अब्राहम के बेटा, थारा के बेटा, नाकोर के बेटा।
35 उ सरुच के बेटा रहले, जवन रगौ के बेटा रहले, जवन फालेक्स के बेटा रहले, उ हेबर के बेटा रहले, जवन कि साला के बेटा रहले।
36 ऊ कैनन के बेटा रहलन, जवन अरफक्सद के बेटा रहलन, सेम के बेटा रहलन, जवन नोआ के बेटा रहलन, जे लामेक के बेटा रहलन।
37 उ मथुसाला के बेटा हनोक के बेटा रहले, जवन यारेद के बेटा रहले, जवन मलेएल के बेटा रहले, जवन कैनन के बेटा रहले।
38 ऊ हनोस के बेटा रहलन, जे सेठ के बेटा रहलन, आदम के बेटा रहलन, जवन परमेश्वर के बेटा रहलन।

अध्याय 4 के बा

1 यीशु पवित्र आत्मा से भरल होके यरदन से वापस आके आतमा के द्वारा जंगल में ले जाइल गइलन।
2 चालीस दिन शैतान के परीक्षा में रहला के चलते। ओह दिन में ऊ कुछ ना खइले आ जब ऊ सब खतम हो गइल त ओकरा बाद भूख लागल।
3 शैतान ओकरा से कहलस, "अगर तू परमेश्वर के बेटा हउअ त एह पत्थर के रोटी बनावे के आदेश दीं।"
4 यीशु ओकरा के जवाब दिहलन, " लिखाइल बा कि आदमी खाली रोटी से ना जियत बा, बल्कि परमेश्वर के हर वचन से जिंदा रही।"
5 शैतान ओकरा के एगो ऊँच पहाड़ पर ले जाके दुनिया के सब राज्य के कुछ पल में देखा दिहलस।
6 शैतान ओकरा से कहलस, "हम तोहरा के इ सब शक्ति आ ओह लोग के महिमा देब। आ जेकरा चाहब ओकरा के दे देनी।
7 अगर तू हमार आराधना करब त सब तोहार हो जाई।
8 यीशु ओकरा से कहलन, "हे शैतान, हमरा पीछे हट जा, काहेकि लिखल बा कि, "तू अपना प्रभु परमेश्वर के आराधना करऽ आ खाली उनकर सेवा करऽ।"

9 ऊ ओकरा के यरूशलेम ले अइले आ मंदिर के एगो चोटी पर बइठा के कहलन कि अगर तू परमेश्वर के बेटा हउअ त इहाँ से नीचे गिर जा।
10 धर्म में लिखल बा कि, "उ आपन स्वर्गदूतन के तोहरा के रखे के जिम्मा दे दिहे।"
11 आ उ लोग तोहरा के अपना हाथ में उठाई, कहीं तू कबो आपन गोड़ पत्थर से ना टकरा जा।
12 यीशु ओकरा से कहलन, " कहल जाला कि तू अपना प्रभु परमेश्वर के परख मत करऽ।"
13 जब शैतान के सब परीक्षा खतम हो गईल त उ कुछ समय खातिर ओकरा से दूर हो गईल।
14 यीशु आत्मा के शक्ति से गलील वापस आ गईले अवुरी चारो ओर के इलाका में उनुका बारे में एगो प्रसिद्धि निकलल।
15 ऊ ओह लोग के आराधनालयन में पढ़ावत रहले आ सभे के महिमा मिलत रहे।
16 उ नासरत पहुंचले, जहवाँ उ पलल-बढ़ल रहले, आ अपना रिवाज के मुताबिक सब्त के दिन आराधनालय में जाके पढ़े खातिर खड़ा हो गईले।
17 ओकरा बाद यशायाह भविष्यवक्ता के किताब ओकरा के सौंप दिहल गईल। जब उ किताब खोलले त उ जगह मिल गईल, जहां उ किताब लिखल रहे।
18 प्रभु के आत्मा हमरा पर बा, काहे कि उ हमरा के गरीबन के सुसमाचार सुनावे खातिर अभिषेक कइले बाड़न। ऊ हमरा के भेजले बाड़न कि हम टूटल दिल वाला लोग के ठीक कर सकीले, बंदी लोग के मुक्ति के प्रचार करीं आ आन्हर लोग के दृष्टि ठीक होखे के प्रचार करीं आ चोट खाए वाला लोग के मुक्त कर दीं।
19 प्रभु के स्वीकार्य साल के प्रचार करे खातिर।
20 ऊ किताब बंद क के सेवक के फेरु से दे के बइठ गइलन। आराधनालय में मौजूद सब लोग के नजर ओकरा पर टिकल रहे।
21 ऊ ओह लोग से कहे लगलन, " आज ई शास्त्र तोहनी के कान में पूरा हो गइल बा।"
22 सब लोग उनकरा के गवाही देके उनकर मुँह से निकलल कृपालु शब्दन पर अचरज में पड़ गइलन। उ लोग पूछले, का इ यूसुफ के बेटा ना ह?
23 ऊ ओह लोग से कहलन, " तू लोग हमरा से ई कहावत जरूर कहब कि, "वैद्य, अपना के ठीक करऽ।"
24 उ कहले, " हम तोहनी से सच कहत बानी कि कवनो भविष्यवक्ता के अपना देश में स्वीकार ना कईल जाला।"
25 लेकिन हम तोहके साँच कहत हईं कि एलियास के समय में इस्राएल में बहुत विधवा रहली, जब तीन साल छह महीना तक स्वर्ग बंद रहे, जब पूरा देश में बहुत अकाल रहे।
26 लेकिन सीदोन के एगो शहर सरेप्टा के छोड़ के एलियाह के कवनो विधवा महिला के लगे ना भेजल गईल।
27 एलीसिया भविष्यवक्ता के समय में इस्राएल में बहुत कोढ़ी रहले। अरामी नामान के छोड़ के ओह लोग में से केहू के शुद्ध ना भइल।
28 आराधनालय के सब लोग ई बात सुन के क्रोध से भर गइल।
29 ऊ उठ के शहर से बाहर निकाल के ओकरा के ओह पहाड़ी के मोड़ पर ले गइलन जवना पर उनकर शहर बनल रहे, ताकि ऊ लोग ओकरा के सिर से नीचे गिरा सके।
30 लेकिन उ ओह लोग के बीच से गुजरत चल गईले।
31 ऊ गलील के कफरनहूम शहर में उतर के सब्त के दिन ओह लोग के सिखावत रहले।
32 उ लोग उनकर शिक्षा देख के अचरज में पड़ गईले, काहेकि उनकर वचन सामर्थ्य से रहे|
33 आराधनालय में एगो आदमी रहे, जेकरा में अशुद्ध शैतान के आत्मा रहे आ ऊ जोर से चिल्लात रहे।
34 कहलन, "हमनी के छोड़ दीं। हे नासरत के यीशु, तोहरा से हमनी के का संबंध बा? का तू हमनी के नाश करे आइल बाड़ऽ? हम तोहरा के जानत बानी कि तू के हईं; भगवान के पवित्र आदमी के ह।
35 यीशु ओकरा के डांटत कहलन कि चुप रहऽ आ ओकरा से बाहर निकल जा। जब शैतान ओकरा के बीच में फेंक दिहलस त उ ओकरा से निकल के ओकरा के कवनो नुकसान ना पहुंचवलस।
36 उ सब अचरज में पड़ गईले अवुरी आपस में बोलत रहले कि, "ई कवन बात ह! काहे कि ऊ अधिकार आ शक्ति से अशुद्ध आत्मा के आज्ञा देत बाड़न आ ऊ लोग बाहर निकल जाला.
37 ओकरा बारे में चारो ओर के हर जगह पर ओकर प्रसिद्धि बढ़ल।
38 ऊ आराधनालय से उठ के शमौन के घर में घुस गइलन। शमौन के मेहरारू के महतारी के बहुते बोखार से लेके चल गइल। आ ऊ लोग ओकरा खातिर उनकरा से निहोरा कइल।
39 ऊ ओकरा ऊपर खड़ा होके बोखार के डांटले। ऊ ओकरा के छोड़ के चल गइल आ तुरते ऊ उठ के ओह लोग के सेवा कइली.
40 जब सूरज डूबत रहे त जवन भी बेमारी से पीड़ित रहले, उ लोग उनुका लगे ले अईले। हर एक पर हाथ रख के ठीक कर दिहलन।
41 बहुत लोग के बीच से दुष्टात्मा भी चिल्लात कहले कि, "तू मसीह परमेश्वर के बेटा हउअ।" उ लोग के डांटत उ लोग के बोले ना दिहलन, काहेकि उ लोग जानत रहे कि उ मसीह हवे।
42 जब दिन हो गइल त ऊ निकल गइलन आ एगो रेगिस्तान में चल गइलन आ लोग उनका के खोजत रहले आ उनका लगे आके रोक दिहलन कि ऊ ओह लोग से ना हट जाव.
43 ऊ ओह लोग से कहलन, " हमरा दोसरा शहरन में भी परमेश्वर के राज्य के प्रचार करे के पड़ी, काहे कि हमरा के एही से भेजल गइल बा।"
44 ऊ गलील के आराधनालयन में प्रचार करत रहले।

अध्याय 5 के बा

1 जब लोग परमेश्वर के वचन सुने खातिर उनकरा पर दबावत रहलन त उ गेनेसरत झील के किनारे खड़ा हो गइलन।
2 ऊ झील के किनारे दू गो जहाज खड़ा देखले, लेकिन मछुआरा लोग ओह जहाज से बाहर निकल के आपन जाल धोवत रहे।
3 ऊ एगो जहाज में बइठ के सिमोन के रहे आ ओकरा से प्रार्थना कइलन कि ऊ देश से तनी बाहर निकाल देव. ऊ बईठ के जहाज से निकल के लोग के सिखावत रहले।
4 जब ऊ बात छोड़ के सिमोन से कहलन, " गहिरा में निकल के आपन जाल नीचे गिरा दऽ।
5 शमौन जवाब दिहलन, "गुरु, हम रात भर मेहनत कइनी आ कुछ ना लेहनी, बाकिर तोहरा बात पर हम जाल गिरा देब।"
6 जब उ लोग इ काम पूरा कईले त उ लोग बहुत मछरी के बंद क लेले अवुरी उनुकर जाल टूट गईल।

7 उ लोग दूसरा नाव में सवार अपना साथी लोग के इशारा कईले कि उ लोग आके ओ लोग के मदद करस। उ लोग आके दुनो जहाज के भर देले, जवना से उ डूबे लगले।
8 शमौन पतरस ई देख के यीशु के घुटना पर गिर के कहले, "हमरा से हट जा; काहे कि हम पापी आदमी हईं, हे प्रभु।
9 काहेकि उ आ ओकरा साथे के सब लोग अचरज में पड़ गईले कि उ लोग जवन मछरी पकड़ले रहले, उ मछरी के झोंका देख के अचरज में पड़ गईले।
10 जबदी के बेटा याकूब आ यूहन्ना भी शिमोन के साथी रहले। यीशु शमौन से कहले, " मत डेरा; अब से तू आदमी के पकड़ब।
11 जब उ लोग आपन जहाज जमीन प ले अईले त उ सब कुछ छोड़ के उनुका पीछे चल गईले।
12 जब उ एगो शहर में रहले त एगो कोढ़ से भरल आदमी देखले, उ यीशु के देख के मुंह से गिर गईले अवुरी उनुका से निहोरा कईले कि, "प्रभु, अगर तू चाहब त हमरा के साफ क सकतानी।"
13 ऊ आपन हाथ बढ़ा के ओकरा के छू के कहलस, " हम चाहब, तू साफ हो जा।" आ तुरते कोढ़ ओकरा से दूर हो गइल।
14 ऊ ओकरा के केहू के ना बतावे के आज्ञा दिहलन, बलुक जाके याजक के सामने आपन शुद्धि खातिर चढ़ाईं, जइसन कि मूसा के आज्ञा के अनुसार उनकरा के गवाही खातिर चढ़ाईं।
15 लेकिन उहाँ के बारे में एतना प्रसिद्धि बढ़ल आ बहुत भीड़ उनकर बात सुने आ उनकरा से आपन कमजोरी से ठीक होखे खातिर जुट गईल|
16 ऊ जंगल में हट के प्रार्थना कइलन।
17 एक दिन उ सिखावत रहलन कि गलील, यहूदिया आ यरूशलेम के हर शहर से निकलल फरीसी आ कानून के डाक्टर बईठल रहले ओह लोग के ठीक करे खातिर मौजूद रहले.
18 देख, लोग एगो लकवा से पीड़ित आदमी के बिछौना पर ले अइले आ ओकरा के भीतर ले आवे आ ओकरा सोझा सुतावे के साधन खोजत रहले।
19 जब भीड़ के वजह से उ लोग के पता ना चलल कि उ लोग ओकरा के कवना रास्ता से ले आवल जा सकेला, त उ लोग घर के ऊपर चल गईले अवुरी उनुका के अपना सोफा के संगे खपड़ा के बीच से नीचे गिरा देले।
20 उ लोग के विश्वास देख के कहलन, " यार, तोहार पाप माफ हो गईल बा।"
21 शास्त्री आऊ फरीसी लोग तर्क करे लगलन कि, "ई के ह जे निंदा करत बा?" पाप के के माफ कर सकेला, खाली भगवान के छोड़ के?
22 जब यीशु ओह लोग के विचार के पता चलल त उ लोग से पूछले, " तू लोग अपना मन में का तर्क देत बाड़ू?
23 ई कहल आसान बा कि तोहार पाप माफ हो गइल बा। भा ई कहे खातिर कि उठ के चल जा?
24 बाकिर एह खातिर कि तू लोग ई जान सकी कि मनुष्य के बेटा के धरती पर पाप माफ करे के अधिकार बा, (उ पक्षाघात से पीड़ित से कहलन कि) हम तोहरा से कहत बानी कि उठ के आपन सोफा उठा के अपना घर में चल जा।
25 ऊ तुरते ओह लोग के सामने उठ के जवना पर ऊ लेट गइलन ओकरा के उठा के भगवान के महिमा करत अपना घरे चल गइलन.
26 उ सब अचरज में पड़ गईले अवुरी भगवान के महिमा कईले अवुरी डर से भर गईले कि, "आज हमनी के अजीब-अजीब बात देखले बानी।"
27 एह सब के बाद उ लेवी नाम के एगो करदाता के करवाला के घर बईठल देखले त उ ओकरा से कहलस, " हमरा पीछे चलीं।"
28 उ सब कुछ छोड़ के उठ के ओकरा पीछे चल गईले।
29 लेवी उनका के अपना घर में एगो बड़हन भोज बनवले आ कर लेवे वाला लोग आ अउरी लोग के भीड़ उहाँ बईठल रहले।
30 लेकिन उनकर शास्त्री आऊ फरीसियन उनकर चेलन के खिलाफ बड़बड़ात कहले, "तू लोग करदाता आ पापी लोग के साथे काहे खात-पीयत बाड़S?
31 यीशु जवाब दिहलन, " स्वस्थ लोग के वैद्य के जरूरत नइखे। लेकिन जे बेमार बाड़े।
32 हम धर्मी लोग के ना बलुक पापी लोग के पश्चाताप करे खातिर बोलावे आइल बानी।
33 उ लोग ओकरा से कहलस, "यूहन्ना के चेला लोग काहे बार-बार उपवास करेला आ प्रार्थना करेला आ फरीसियन के चेला लोग भी ओइसहीं काहे? बाकिर तोहार खात-पीयत बा?
34 ऊ ओह लोग से कहलन, " का तू लोग दुलहिन के साथे रहला पर दुलहिन के लइका के उपवास कर सकत बानी?"
35 लेकिन उ दिन आई जब दूल्हा के ओ लोग से दूर क दिहल जाई अवुरी ओ दिन उ लोग उपवास करीहे।
36 ऊ ओह लोग से एगो दृष्टांत भी कहले। केहू नया कपड़ा के टुकड़ा पुरान कपड़ा पर ना लगावेला। अगर ना त नया दुनु के किराया मिल जाला आ नया से जवन टुकड़ा निकालल गइल बा ऊ पुरनका से सहमत ना होखे.
37 केहू नया शराब के पुरान बोतल में ना डालेला। ना त नया शराब बोतल फाड़ के छलक जाई आ बोतल नाश हो जाई।
38 लेकिन नया शराब के नया बोतल में डालल जरूरी बा। आ दुनु के संरक्षित कइल गइल बा.
39 पुरान शराब पी के केहू भी तुरते नया शराब के इच्छा ना करे, काहेकि उ कहेला कि पुरान शराब बेहतर बा।

अध्याय 6 के बा

1 पहिला सब्त के बाद दूसरा सब्त के दिन उ खेत के खेत में से गुजरत रहले। उनकर चेला लोग धान के कान उखाड़ के हाथ में रगड़ के खात रहले।
2 कुछ फरीसियन से कहलन, "तू लोग उ काम काहे करेनी जवन सब्त के दिन करे के इजाजत नइखे?
3 यीशु उनके जवाब दिहलन, " का तू लोग एतना नइख पढ़ले कि दाऊद के काम जब ऊ भूख से मरल रहले आ उनकरा साथे रहले।
4 कइसे ऊ परमेश्वर के घर में जाके देखावे के रोटी लेके खइले आ अपना साथे रहे वाला लोग के भी देले। जवना के खाइल जायज नइखे, लेकिन खाली पुजारी लोग खातिर?
5 उ लोग से कहलन, "मनुष्य के बेटा सब्त के दिन के भी प्रभु हवे।"
6 एगो अउरी सब्त के दिन उ आराधनालय में घुस के सिखावत रहले।
7 शास्त्री आ फरीसी लोग उनकरा पर नजर रखत रहलन कि उ सब्त के दिन ठीक करीहें कि ना। ताकि उ लोग ओकरा प कवनो आरोप लगा सके।
8 लेकिन उ ओ लोग के विचार जान गईले अवुरी मुरझल हाथ वाला आदमी से कहले, " उठ जा अवुरी बीच में खड़ा हो जा।" उ उठ के खड़ा हो गईले।

9 तब यीशु उनकरा से कहलन, " हम तोहसे एक बात पूछब। का सब्त के दिन भलाई कइल जायज बा कि बुराई कइल? जान बचावे खातिर, कि ओकरा के नष्ट करे खातिर?
10 उ सब के चारो ओर देखत उ आदमी से कहले, " अपना हाथ बढ़ा द।" उ अयीसन कईले अवुरी उनुकर हाथ दोसरा निहन ठीक हो गईल।
11 उ लोग पागलपन से भर गईल। आ एक दूसरा से संवाद करत रहले कि उ लोग यीशु के का कर सकेले।
12 ओह दिन में उ एगो पहाड़ पर प्रार्थना करे निकलले आ रात भर भगवान से प्रार्थना करत रहले।
13 जब भोर भइल त ऊ अपना चेलन के बोलवले आ ओहमें से बारह गो के चुनले, जेकरा के ऊ प्रेरित भी रखले।
14 सिमोन (जेकर नाम पतरस भी रखले रहले) आ उनकर भाई अँड्रियास, याकूब आ यूहन्ना, फिलिप आ बर्थोलोमी।
15 मत्ती आ थोमा, अल्फीस के बेटा याकूब आ सिमोन जेलोत नाम के।
16 याकूब के भाई यहूदा आ इस्करियोती यहूदा, जे गद्दार भी रहले।
17 ऊ ओह लोग के साथे उतर के मैदान में खड़ा हो गइलन आ अपना चेलन के दल आ पूरा यहूदिया आ यरूशलेम से आ सोर आ सीदोन के समुंदर के किनारे से बहुते लोग के भीड़ जवन उनकर बात सुन के आइल रहले. आ ओह लोग के बेमारी से ठीक होखे के;
18 अशुद्ध आत्मा से परेशान लोग ठीक हो गईले।
19 पूरा भीड़ ओकरा के छूवे के कोशिश कईलस, काहेकि उनुका में से सद्‌गुण निकलल अवुरी सभके ठीक क देलस।
20 ऊ अपना चेलन पर नजर उठवले आ कहलन कि, " धन्य हो जा गरीबन, काहे कि भगवान के राज्य तोहनी के ह."
21 धन्य बाड़, जे अब भूखल बानी, काहेकि तोहनी के तृप्त हो जाईब। धन्य बानी तू जे अब रोवत बाड़ऽ, काहेकि तू हँसबऽ।
22 धन्य बानी जब आदमी तोहनी से नफरत करी आ तोहरा के अपना संगत से अलगा करी आ तोहनी के निंदा करी आ तोहार नाम के बुरा बता दी, आदमी के बेटा खातिर।
23 ओह दिन तू लोग खुश होके खुशी से कूद जा, काहेकि देखऽ, तोहनी के इनाम स्वर्ग में बहुत बा, काहे कि ओही तरह से ओह लोग के बाप-दादा भविष्यवक्ता लोग के साथे कइले रहले।
24 तोहनी के धिक्कार बा जे अमीर हईं! काहे कि तोहनी के सांत्वना मिलल बा।
25 तोहनी के धिक्कार बा जे पेट भरल बानी! काहे कि तू लोग भूख से मरब। धिक्कार बा तोहनी के जे अब हँसत बानी! काहे कि तू लोग शोक मना के रोवे के काम करब।
26 तोहनी के हाय, जब सब लोग तोहरा बारे में अच्छा बात करी! काहे कि उनकर बाप-दादी झूठा भविष्यवक्ता लोग के साथे भी अइसने कइले रहले।
27 लेकिन हम तोहनी से कहत बानी कि जे सुनत बा, अपना दुश्मनन से प्रेम करीं, जे तोहनी से नफरत करेला ओकरा साथे भलाई करीं।
28 जे तोहनी के गारी देत बा, ओकरा के आशीष दीं आ जे तोहरा के घृणित करत बा, ओकरा खातिर प्रार्थना करीं।
29 जे तोहरा एक गाल पर चोट करी ओकरा के दूसरा गाल भी चढ़ाईं। आ जे तोहार चोगा छीन लेव ओकरा के तोहार कोट भी लेबे से मना करऽ।
30 जे भी आदमी तोहरा से माँगेला ओकरा के दे दीं। आ जे तोहार माल छीन लेव ओकरा से फेरु से मत माँगऽ।
31 आऊ जइसे तू लोग चाहत बाड़ऽ कि आदमी तोहनी के साथे करस, तूहूँ ओह लोग के साथे भी ओइसहीं करऽ।
32 अगर तू लोग से प्रेम करे वाला लोग से प्रेम करेनी त तोहनी के का धन्यवाद बा? काहेकि पापी लोग भी उनकरा से प्रेम करे वाला से प्यार करेला।
33 अगर तू लोग के भलाई करे वाला लोग के भलाई करब त तोहनी के का धन्यवाद? काहेकि पापी लोग भी इहे करेलन।
34 अगर तू ओह लोग के उधार देब जिनका से मिले के उम्मीद बा त तोहनी के का धन्यवाद? काहेकि पापी लोग भी पापी लोग के उधार देवेला ताकि उ उधार मिल सके|
35 लेकिन तू लोग अपना दुश्मनन से प्रेम करीं, भलाई करीं आ उधार दीं, फिर से कुछुओ के उम्मीद ना करीं। तोहार इनाम बहुत होई, आ तोहनी परमात्मा के संतान होखब, काहेकि उ अशुभ आ बुराई पर दयालु ह।
36 एही से तू लोग दयालु रहीं, जइसे तोहनी के पिता भी दयालु हउवन।
37 न्याय मत करीं, आ तोहनी के न्याय ना होई, दोषी मत लगाईं, आ तोहनी के दोषी ना ठहरावल जाई।
38 दे दीं त तोहनी के दिहल जाई। नीमन नाप, दबा के, हिलावल आ दौड़त, आदमी तोहरा गोदी में दे दी। काहे कि जवना नाप से तू नापब, ओकरा से तोहनी के फेर से नापल जाई।
39 ऊ ओह लोग से एगो दृष्टांत कहलन कि का आन्हर आन्हर के ले जा सकेला? का ऊ दुनु खाई में ना गिर जइहें?
40 चेला अपना गुरु से ऊपर ना होला, लेकिन जे भी सिद्ध बा उ ओकर गुरु निहन होई।
41 आउर तू अपना भाई के आँख में जवन कटहर बा ओकरा के काहे देखत बाड़, लेकिन अपना आँख में जवन बीम बा ओकरा के काहे नईखी बुझत?
42 या त तू अपना भाई से कइसे कहब कि भाई, हम तोहरा आँख में जवन कड़ाही बा ओकरा के निकाल लेनी, जबकि तू खुद अपना आँख में जवन बीम बा ओकरा के नईखी देखत? तू पाखंडी, पहिले अपना आँख से बीम निकाल के ओकरा बाद तोहरा भाई के आँख में जवन कड़ाही बा ओकरा के निकाले खातिर साफ-साफ देखाई दिही।
43 काहे कि बढ़िया पेड़ नाश फल ना देला। ना त जड़ल पेड़ बढ़िया फल देला।
44 काहेकि हर पेड़ के आपन फल से जानल जाला। काहे कि काँट से आदमी अंजीर ना बटोरेला आ ना ही कांटे के झाड़ी से अंगूर बटोरेला।
45 अच्छा आदमी अपना दिल के अच्छा खजाना से अच्छा काम निकालेला। आ दुष्ट आदमी अपना मन के बुरा खजाना से बुरा के निकालेला काहे कि दिल के भरमार के बात ओकर मुँह बोलेला।
46 तू लोग हमरा के प्रभु, प्रभु काहे कहत बाड़ऽ, आ हम जवन बात कहत बानी, ओकरा के काहे नइखऽ?
47 जे भी हमरा लगे आके हमार बात सुन के ओकरा के पूरा करी, हम तोहके बता देब कि उ केकरा निहन बा।
48 ऊ अइसन आदमी नियर हउवें जे घर बना के गहिराह खोद के चट्टान पर नींव रखले बा आ जब बाढ़ आइल त धार ओह घर पर बहुते धक्का मार दिहलसि आ ओकरा के ना हिला पवलसि काहे कि ओकर नींव चट्टान पर बनल रहे .

49 लेकिन जे सुन के ना करेला, उ आदमी निहन बा, जवन बिना नींव के धरती प घर बनवले बा। जवना के खिलाफ धारा जोरदार धड़क उठल आ तुरते गिर गइल। आ ओह घर के खंडहर बहुते रहे।

अध्याय 7 के बा

1 जब उ लोग के सामने आपन सब बात खतम क के कफरनहूम में घुस गईले।
2 एगो सेनापति के नौकर जे उनकर प्रिय रहे, ऊ बेमार रहे आ मरला खातिर तइयार रहे।
3 जब ऊ यीशु के बारे में सुन के यहूदी लोग के बुजुर्ग लोग के उनकरा से निहोरा करे खातिर भेजले कि उ आके आपन नौकर के ठीक करस।
4 जब उ लोग यीशु के लगे पहुंचले त उ लोग तुरंत उनुका से निहोरा कईले अवुरी कहले कि, उ जेकरा खाती इ काम करे के लायक बाड़े।
5 काहेकि उ हमनी के राष्ट्र से प्यार करेलन आ हमनी के एगो आराधनालय बनवले बाड़न।
6 तब यीशु ओह लोग के साथे चल गइलन। जब उ घर से दूर ना रहले त सेनापति उनुका लगे दोस्त भेजले कि, "हे प्रभु, अपना के परेशान मत कर, काहेकि हम अयीसन नईखी कि तू हमरा छत के नीचे घुस जा।
7 एही से हम अपना के तोहरा लगे आवे के लायक ना समझनी, लेकिन एक बात में कह दीं कि हमार सेवक ठीक हो जाई।
8 हमहूँ एगो अधिकार के अधीन आदमी हईं आ हमरा नीचे सिपाही हईं आ हम एगो से कहत बानी कि जा, ऊ चल जाई। आ दोसरा के कहलस कि, आ जा, उ आ जाई। आ हमरा सेवक के, "ई करऽ, त ऊ पूरा कर लेला."
9 ई बात सुन के यीशु ओकरा पर अचरज में पड़ गइलन आ ओकरा पीछे-पीछे आवे वाला लोग से कहलन, " हम तोहनी से कहत बानी कि हमरा अतना बड़हन विश्वास नइखे मिलल, इस्राएल में ना।"
10 घर में लौट के भेजल लोग के उ नौकर ठीक हो गईल जवन बीमार रहे|
11 ओकरा बाद के दिन उ नैन नाम के शहर में चल गईले। उनकर बहुत चेला आ बहुत लोग उनका साथे चल गइलन।
12 जब उ शहर के फाटक के नजदीक पहुंचले त देख, एगो मरेवाला आदमी के बहरी ले जाइल गईल, जवन कि ओकर महतारी के एकलौता बेटा रहे अवुरी उ विधवा रहली अवुरी शहर के बहुत लोग उनुका संगे रहले।
13 जब प्रभु ओकरा के देखले त ओकरा पर दया आके कहलन कि, " मनी रोअ."
14 ऊ आके लास के छू लिहले आ ओकरा के ढोवे वाला लोग खड़ा हो गइल। उ कहलस, " युवक, हम तोहरा से कहत बानी कि उठ जा।"
15 मरल आदमी उठ के बईठ के बोले लागल। आ ऊ ओकरा के अपना महतारी के हवाले कर दिहलन.
16 तब सबके डर लागल आ उ लोग परमेश्वर के महिमा करत कहलन कि हमनी के बीच एगो बड़हन भविष्यवक्ता उठल बा। आ, कि भगवान अपना लोग के दौरा कइले बाड़न।
17 ओकरा बारे में ई अफवाह पूरा यहूदिया आ चारो ओर के पूरा इलाका में फइलल।
18 यूहन्ना के चेला लोग उनकरा के ई सब बात बतावत रहलन।
19 यूहन्ना अपना दू गो चेलन के बोला के यीशु के लगे भेजलन कि, "का तू उ जे आवे वाला हऽ?" भा हमनी के दोसरा के खोजत बानी जा?
20 जब उ लोग उनकरा लगे अइले त उ लोग पूछले, "यूहन्ना बपतिस्मा देवे वाला हमनी के तोहरा लगे भेजले बाड़न कि, "का तू उहे आवे वाला हउअ?" भा हमनी के दोसरा के खोजत बानी जा?
21 ओही घरी उ बहुत लोग के कमजोरी आ विपत्ति आ दुष्टात्मा से ठीक कर दिहलन। आ आन्हर बहुत लोग के ऊ दृष्टि दे दिहलन।
22 तब यीशु उनकरा से कहलन, "जा के यूहन्ना के बताईं कि जवन बात रउवां देखले आ सुनले बानी। कइसे आन्हर लोग देखत बा, लंगड़ा चलत बा, कोढ़ी लोग शुद्ध हो गइल बा, बहिर लोग सुनत बा, मरल लोग के जिंदा कइल गइल बा, गरीबन के सुसमाचार सुनावल जाला।
23 धन्य बा उ जे हमरा से कवनो नाराज ना होई।
24 जब यूहन्ना के दूत चल गइलन त ऊ लोग से यूहन्ना के बारे में कहे लगलन कि, " तू लोग जंगल में का देखे खातिर निकलल रहलू?" हवा से हिलल एगो खढ़?
25 लेकिन तू लोग का देखे निकलल रहलू? कोमल कपड़ा पहिनले आदमी? देखऽ, जे लोग खूबसूरत कपड़ा पहिनले बा आ नाजुक तरीका से जियत बा, ऊ राजा लोग के आँगन में बा।
26 लेकिन तू लोग का देखे निकलल रहलू? एगो भविष्यवक्ता? हँ, हम तोहनी से कहत बानी, आ एगो भविष्यवक्ता से बहुते अधिका।
27 इ उहे ह, जेकरा बारे में लिखल बा, "देख, हम अपना दूत के तोहरा सामने भेजत बानी, जवन तोहरा सामने रास्ता तैयार करी।"
28 हम तोहनी से कहत हईं कि मेहरारू से जनमल लोग में यूहन्ना बपतिस्मा देवे वाला से बड़ भविष्यवक्ता नईखन।
29 उनकर बात सुने वाला सब लोग आ करदाता लोग यूहन्ना के बपतिस्मा से बपतिस्मा लेत परमेश्वर के धर्मी ठहरवले|
30 लेकिन फरीसी आ कानून के वकील लोग परमेश्वर के अपना खिलाफ सलाह के ठुकरा देले, काहे कि उ लोग उनुका से बपतिस्मा ना लेले रहले।
31 प्रभु कहले, " तब हम एह पीढ़ी के आदमी के कवना से तुलना करब? आ ऊ लोग कवना तरह के बा?
32 उ लोग बाजार में बईठल लईकन निहन बाड़े, जवन कि एक दूसरा के आवाज़ देतारे अवुरी कहत बाड़े कि, हम तोहनी के नाच पिया देले बानी, लेकिन तू नाचले नईख। हमनी के तोहनी के शोक कईले बानी जा, लेकिन तू लोग नईखी रोअल।
33 काहेकि यूहन्ना बपतिस्मा देवे वाला ना त रोटी खइले आ ना शराब पी के अइले। आ तू लोग कहत बाड़ऽ कि ओकरा में शैतान बा।
34 आदमी के बेटा खात-पीत आइल बा। आ तू लोग कहत बाड़ऽ कि देखऽ, पेटू आदमी, शराब पीये वाला, कर लेवे वाला आ पापी लोग के दोस्त ह!
35 लेकिन बुद्धि ओकर सब संतान के धर्मी ठहरावल जाला।
36 एगो फरीसी उनकरा से निहोरा कइलन कि ऊ उनका साथे खाना खाए। उ फरीसी के घर में जाके खाना खाए बईठ गईले।
37 शहर में एगो औरत जवन पापी रहली, जब उ जान गईली कि यीशु फरीसी के घर में खाना खात रहले, त उ एगो अलबास्टर के डिब्बा में मरहम लेके आईल।

38 रोवत-रोवत उनकर गोड़ के पीछे खड़ा होके उनकर गोड़ लोर से धोवे लगलन आ उनकर माथा के बाल से पोंछले आ उनकर गोड़ चुम्मा लेहले आ मरहम से अभिषेक कइले।
39 जब फरीसी ओकरा के बोलवले रहले त उ मन में कहलस कि, "जदि इ आदमी भविष्यवक्ता रहित त जान गईल रहित कि इ के अवुरी कवन महिला ह, जवन कि ओकरा के छूवेले, काहेंकी उ पापी हई।"
40 यीशु ओकरा से कहलन, " शमौन, हमरा तोहरा से कुछ कहे के बा।" ऊ कहलन, "गुरु जी, आगे कहऽ."
41 एगो लेनदार रहे जवना के दू गो कर्जदार रहे, एगो के पांच सौ पेंस आ दूसरा पचास पेंस के बकाया रहे।
42 जब उ लोग के कुछुओ देवे के ना रहे त उ दुनो के साफ-साफ माफ क देले। एहसे बताईं कि ओहमें से कवन ओकरा से जादे प्यार करी?
43 शमौन जवाब दिहलन, "हमरा लागता कि उहे जेकरा के उ सबसे जादा माफ कईले रहले।" उ ओकरा से कहलस, " तू सही न्याय कईले बाड़।"
44 ऊ ओह औरत के ओर मुड़ के सिमोन से पूछले, " का तू ई मेहरारू देखत बाड़ऽ?" हम तोहरा घर में घुस गईनी, तू हमरा के गोड़ खातिर पानी ना देहनी, लेकिन उ हमार गोड़ लोर से धो के अपना माथा के बाल से पोंछ देले बिया।
45 तू हमरा के कवनो चुम्मा ना देहनी, लेकिन जब से हम अंदर आईल बानी, तब से इ मेहरारू हमरा गोड़ चुंबन ना छोड़ले बिया।
46 तू हमरा माथा पर तेल ना लगवले बाड़ू, लेकिन इ मेहरारू हमरा गोड़ में मरहम लगा देले बिया।
47 एही से हम तोहरा से कहत बानी कि ओकर बहुत पाप माफ हो गइल बा। काहेकि उ बहुत प्यार करत रहली, लेकिन जेकरा से कम माफ कईल जाला, उ बहुत कम प्रेम करेले।
48 उ ओकरा से कहले, " तोहार पाप माफ हो गईल बा।"
49 उनकरा साथे खाना खाए वाला लोग मन में कहे लगलन कि, "ई के ह जे पाप के भी माफ करेला?"
50 उ मेहरारू से कहलस, " तोहार विश्वास तोहरा के बचा लेले बा। चैन से चल जाइए।

अध्याय 8 के बा

1 ओकरा बाद ऊ हर शहर आ गाँव में घूम के परमेशवर के राज्य के शुभ समाचार सुनावत आउर सुनवले।
2 कुछ औरत, जवन कि दुष्टात्मा आ कमजोरी से ठीक हो गईल रहली, मरियम नाम मगदलीनी रहली, जेकरा में से सात गो दुष्टात्मा निकलल रहली।
3 हेरोदेस के भंडारी चूजा के मेहरारू योआना आ सुसाना आ अउरी कई लोग जे उनकर धन के सेवा करत रहे।
4 जब बहुत लोग जुटल आ हर शहर से उनकरा लगे अइले त उ एगो दृष्टांत से बोलले।
5 एगो बोवे वाला आपन बीया बोवे खातिर निकलल आ जब ऊ बोवत रहे त कुछ लोग रास्ता के किनारे गिर गइल। आ ओकरा के दबा दिहल गइल आ हवा के चिरई ओकरा के खा गइल.
6 कुछ लोग चट्टान पर गिर गइल। आ जइसहीं ऊ उगलस, ऊ मुरझा गइल, काहे कि ओकरा में नमी के कमी रहे।
7 कुछ लोग काँट के बीच में गिर गइल। आ ओकरा साथे काँटा उग के ओकरा के गला घोंट दिहलस।
8 कुछ लोग बढ़िया जमीन पर गिरल आ उग के सौ गुना फल दिहलस। इ बात कहला के बाद उ चिल्ला के कहलस, " जेकरा लगे सुने के कान बा, उ सुनस।"
9 उनकर चेलन उनकरा से पूछले, "ई दृष्टान्त का हो सकेला?"
10 ऊ कहलन, " परमेशवर के राज के रहस्यन के जाने के तोहनी के दिहल गइल बा। ताकि देख के उ लोग ना देखस, आ सुन के उ लोग ना समझे।
11 उदाहरण इहे ह कि बीज परमेश्वर के वचन ह।
12 रास्ता के किनारे के लोग सुनत ह। तब शैतान आके ओह लोग के दिल से वचन के हटा देला कि कहीं उ लोग विश्वास ना करस आ उ लोग के उद्धार ना हो जाव।
13 चट्टान पर उहे लोग हवे जे सुन के खुशी से वचन के स्वीकार करेला। आ एह लोग के कवनो जड़ नइखे, जवन कुछ देर खातिर विश्वास करेला आ परीक्षा के समय गिर जाला।
14 काँट के बीच में गिरल उहे ह जवन सुन के निकल जाला आ एह जीवन के चिंता आ धन आ सुख से घुटन हो जाला आ कवनो फल ना मिलेला।
15 लेकिन अच्छा जमीन पर उ लोग हवें जे ईमानदार आ निमन मन से वचन सुन के ओकरा के पालन करेला आ धैर्य से फल देला।
16 केहू दीया जरा के ओकरा के बर्तन से ढंक के ना बिछौना के नीचे ना रखेला। लेकिन ओकरा के दीया के डंडा पर रखेला ताकि भीतर जाए वाला लोग रोशनी देख सके।
17 काहेकि कवनो बात गुप्त नइखे जवन प्रकट ना होई। ना ही कवनो अइसन चीज छिपल जवना के पता ना चली आ ऊ बाहर ना आ जाई।
18 एह से सावधान रहीं कि तू लोग कइसे सुनत बानी, काहे कि जेकरा लगे बा ओकरा के दिहल जाई। जेकरा लगे नइखे, ओकरा से उहे भी छीन लिहल जाई जवन ओकरा लगे लागत बा।
19 तब उनकर माई आ भाई लोग उनकरा लगे अइले आ दबाव के चलते उनकरा पर ना आ पवले।
20 ओकरा बाद कुछ लोग कहलन कि, "तोहार माई आ तोहार भाई तोहरा से मिले के चाहत बाहर खड़ा बाड़े।"
21 ऊ जवाब दिहलन, " हमार माई आ हमार भाई इहे हवें जे परमेश्वर के वचन सुन के पूरा करेलन।
22 एक दिन उ अपना चेलन के साथे एगो जहाज में बईठ के कहलन, " चलऽ हमनी के झील के ओह पार चल जाइ जा।" आ ऊ लोग आगे बढ़ गइल.
23 जब ऊ लोग जहाज से चलत रहे त ऊ नींद आ गइल आ झील पर हवा के तूफान आ गइल। आ ऊ लोग पानी से भर गइल आ खतरा में पड़ गइल।
24 उ लोग उनका लगे आके जगवले कि, "गुरु, गुरु, हमनी के नाश हो जानी जा।" तब ऊ उठ के हवा आ पानी के उफान के डांटले आ ऊ लोग रुक गइल आ शांति हो गइल।
25 ऊ ओह लोग से पूछले, " तोहार बिसवास कहाँ बा? ऊ लोग डेरा के एक दोसरा से कहत रहे कि ई कवन आदमी ह! काहे कि ऊ हवा आ पानी के भी आज्ञा देला आ ऊ लोग ओकर बात मानेला।
26 उ लोग गदारी के देश में पहुंचले, जवन गलील के सामने बा।
27 जब ऊ जमीन पर गइलन त शहर से बाहर एगो आदमी मिलल, जेकरा लगे बहुत दिन से दुष्टात्मा रहे, आ ना कपड़ा पहिनले रहे, ना कवनो घर में रहे, बलुक कब्र में रहे।

28 जब ऊ यीशु के देख के चिल्ला के उनका सामने गिर गइलन आ जोर से कहलस, "हे परम परमेश्वर के बेटा यीशु, तोहरा से हमार का संबंध बा?" हम तोहरा से निहोरा करत बानी कि हमरा के सताव मत।
29 (काहेकि उ अशुद्ध आत्मा के आदमी से बाहर निकले के आदेश देले रहले। काहेकि उ बहुत बार ओकरा के पकड़ लेले रहे, ओकरा के जंजीर अवुरी बेड़ी में बान्ह के राखल गईल, अवुरी उ पट्टी के तोड़ के शैतान जंगल में भगा दिहलस।) के बा .
30 यीशु ओकरा से पूछले, " तोहार नाम का ह? ऊ कहलन, "सेना, काहे कि ओकरा में बहुते दुष्टात्मा घुस गइल रहले."
31 उ लोग उनकरा से निहोरा कईले कि उ ओ लोग के गहिराई में जाए के आदेश मत देस।
32 उहाँ पहाड़ पर बहुत सुअर के झुंड खात रहे आ उ लोग उनकरा से निहोरा कईले कि उ ओ लोग के ओ लोग के भीतर घुसे देस। आ ऊ ओह लोग के कष्ट उठवले.
33 तब ऊ आदमी से दुष्टात्मा निकल के सुअर में घुस गइल आ झुंड एगो खड़ा जगह से नीचे झील में जोर से दौड़ल आ गला घोंट गइल।
34 जब ओह लोग के चरावे वाला लोग का भइल देख के भाग गइलन आ शहर आ देहात में ई बात बतवले।
35 तब उ लोग इ देखे खातिर निकल गईले कि का भईल बा। ऊ यीशु के लगे अइले त ऊ आदमी, जेकरा से शैतान निकलल रहले, ऊ आदमी के कपड़ा पहिनले आ सही दिमाग में बइठल देखले।
36 जे लोग एकरा के देखले उ लोग भी बतवले कि जे दुष्टात्मा से ग्रस्त रहे, उ कवना तरीका से ठीक हो गईल।
37 तब चारो ओर के गदारन के पूरा भीड़ ओकरा से निकले के निहोरा कइलस। काहेकि उ लोग बहुत डर से पकड़ाइल रहले, त उ नाव में चढ़ के वापस लवट गईले।
38 जवना आदमी से दुष्टात्मा निकलल रहे, उ आदमी ओकरा से निहोरा कईलस कि उ ओकरा संगे रहस।
39 अपना घरे लवट के बताईं कि परमेश्वर तोहरा साथे केतना बड़ काम कइले बाड़न। उ अपना रास्ता से पूरा शहर में प्रचार कईले कि यीशु उनुका संगे केतना बड़ काम कईले बाड़े।
40 जब यीशु वापस अइले त लोग खुशी से उनकर स्वागत कइल, काहे कि सब लोग उनकर इंतजार करत रहे।
41 देखलस कि याइरूस नाम के एगो आदमी आइल, उ आराधनालय के मालिक रहले, त उ यीशु के गोड़ में गिर गईले अवुरी उनुका से निहोरा कईले कि उ अपना घर में आ जास।
42 काहेकि उनकर एकलौती बेटी रहली, उमर लगभग बारह साल के रहे। लेकिन जइसे-जइसे उ जात-जात लोग उनका के भीड़ लगा दिहलस।
43 बारह साल से खून से लथपथ एगो औरत के आपन पूरा गुजारा वैद्य के काम में लगा देले रहे, ना ही केहू से ठीक हो पावल।
44 उनकरा पीछे आके उनकर कपड़ा के सीमा के छू लिहलस आ तुरते उनकर खून के धार रुक गईल।
45 यीशु पूछले, " हमरा के के छूवलस? जब सब लोग इनकार कइल त पतरस आ उनकरा साथे के लोग कहलस, "गुरु, भीड़ तोहरा के भीड़ लगा के दबावत बा आ कहत बा कि हमरा के के छूवलस?
46 यीशु कहले, " केहु हमरा के छू लेले बा, काहेकि हम समझत बानी कि हमरा से सद्गुण निकल गईल बा।"
47 जब ऊ मेहरारू देखलस कि ऊ छिपल नइखे त ऊ काँपत आ गइल आ ओकरा सोझा गिर के सब लोग के सामने ओकरा के बतवली कि ऊ ओकरा के कवना कारण से छूले बाड़ी आ कइसे ऊ तुरते ठीक हो गइल बाड़ी.
48 ऊ ओकरा से कहलस, " बेटी, सांत्वना राखऽ, तोहार विश्वास तोहरा के ठीक कर दिहले बा। चैन से चल जाइए।
49 जब ऊ बोलत रहले तबले आराधनालय के मालिक से एगो आदमी आके कहलस कि, "तोहार बेटी मर गइल बिया। परेशानी ना मालिक के।
50 जब यीशु ई बात सुन के कहलन कि, " डर मत, खाली विश्वास करीं, त उ ठीक हो जइहें।"
51 जब उ घर में अईले त पतरस, याकूब, यूहन्ना अवुरी लईकी के पिता अवुरी महतारी के छोड़ के केहु के भीतर जाए ना देले।
52 सब लोग रोवत-रोवत ओकरा से विलाप करत रहे, लेकिन उ कहलस, " मत रोअ; ऊ मरल नइखे, बाकिर सुतल बाड़ी।
53 उ लोग उनुका के तिरस्कार करत हंसत रहले, इ जान के कि उ मर गईल बाड़ी।
54 उ सब के बाहर निकाल के ओकर हाथ पकड़ के आवाज देके कहलस कि, " नौकरानी, उठ जा।"
55 जब उनकर आत्मा फेर से आ गइल आ ऊ तुरते उठ गइली आ ऊ ओकरा के खाना देबे के आदेश दिहलन.
56 उनकर माई-बाबूजी अचरज में पड़ गइलन, लेकिन उ लोग के आज्ञा दिहलन कि जवन भइल बा ओकरा के केहू के ना बतावे।

अध्याय 9 के बा

1 तब उ अपना बारह चेलन के एकट्ठा क के सब शैतान पर आ बेमारी ठीक करे के अधिकार आ अधिकार दे दिहलन।
2 ऊ ओह लोग के परमेश्वर के राज्य के प्रचार करे आ बेमार लोग के ठीक करे खातिर भेजलन।
3 ऊ ओह लोग से कहलन कि, " अपना यात्रा खातिर कुछ ना ले जाईं, ना लाठी, ना चीर, ना रोटी आ ना पइसा। ना त एक-एक के दू गो कोट बा।
4 जवना घर में जाइब, ओहिजा रहब आ ओहिजा से निकलब।
5 जे भी तोहनी के ना ग्रहण करी, जब तू लोग ओह शहर से निकलब त ओकरा खिलाफ गवाही देवे खातिर अपना गोड़ के धूल के ही हिला दीं।
6 उ लोग निकल के शहरन में घूम के सुसमाचार के प्रचार करत आ हर जगह चंगाई करत रहले।
7 हेरोदेस राजशासी उनकरा द्वारा कइल गइल सब काम सुन के ऊ अचरज में पड़ गइलन काहे कि कुछ लोग के बारे में कहल गइल रहे कि यूहन्ना मुवलन में से जी उठल बाड़न।
8 कुछ लोग में इलियाह प्रगट हो गइल रहे। आ कुछ लोग के कहनाम बा कि पुरान भविष्यवक्ता लोग में से एगो भविष्यवक्ता जी उठल बा।
9 हेरोदेस कहले, "हम यूहन्ना के सिर काट देले बानी, लेकिन इ के ह, जेकरा बारे में हम अयीसन बात सुनतानी?" आ ओकरा के देखे के मन कइलस।
10 जब प्रेरित लोग वापस अईले त उ सब काम उनुका के बतवले। उ ओह लोग के लेके बेतसैदा शहर के एगो रेगिस्तानी जगह में एकांत में चल गईले।

11 लोग ई जान के उनकर पीछे-पीछे चल गइल आ ऊ उनकरा के ग्रहण कइलन आ उनकरा से परमेश्वर के राज्य के बारे में बात कइलन आ ठीक होखे के जरूरत वाला लोग के ठीक कर दिहलन।
12 जब दिन खतम होखे लागल त बारह लोग आके कहलन कि, "भीड़ के भगा द, ताकि उ लोग आसपास के नगर अवुरी देहात में जाके ठहर के खाना खाए, काहेकि हमनी के इहाँ एगो... रेगिस्तान के जगह ह।
13 लेकिन उ ओ लोग से कहलस, " तू लोग ओकनी के खाए के दे दऽ।" उ लोग कहले, "हमनी के लगे पांच रोटी अवुरी दु मछरी के अलावे अवुरी कुछूओ नईखे। सिवाय हमनी के जाके एह सब लोग खातिर मांस खरीदे के चाहीं।
14 काहेकि उ लोग करीब पांच हजार आदमी रहले। ऊ अपना चेलन से कहलन, "पचास लोग के एक दल में बइठा दीं."
15 उ लोग अयीसन कईले अवुरी सभके बईठवले।
16 तब ऊ पांच रोटी आ दू गो मछरी लेके आकाश के ओर देखत आशीष दिहलन आ तोड़ के चेलन के भीड़ के सामने रखे खातिर दे दिहलन।
17 उ लोग खाना खइले आ सब पेट भर गइलन आ ओह लोग के लगे बारह गो टोकरी के टुकड़ा-टुकड़ा उठा लिहल गइल।
18 जब उ अकेले प्रार्थना करत रहले त उनुकर चेला उनुका संगे रहले अवुरी उ पूछले कि, " लोग हमरा के के कहतारे?"
19 उ लोग जवाब देले, "यूहन्ना बपतिस्मा देवे वाला; बाकिर कुछ लोग कहत बा कि एलियास; आ कुछ लोग कहत बा कि पुरान भविष्यवक्ता में से एगो जी उठल बा।
20 ऊ ओह लोग से पूछले, " लेकिन तू लोग के कहत बाड़ऽ कि हम के हईं?" पतरस जवाब देत कहले, "परमेशवर के मसीह।"
21 ऊ ओह लोग के कड़ा आज्ञा दिहलन कि ऊ बात केहू के मत बताईं.
22 ऊ कहलन कि, " मनुष्य के बेटा के बहुत कष्ट उठावे के पड़ी, आउर बुजुर्ग, मुख्य याजक आ शास्त्री लोग के नजर से ठुकरा दिहल जाई, आ तीसरा दिन मारल जाई आ जिंदा हो जाई।"
23 उ सब से कहलन, " जदि केहू हमरा पीछे आवे के चाहत बा त उ अपना के नकार देवे आ रोज आपन क्रूस उठा के हमरा पीछे चले।"
24 काहेकि जे आपन जान बचावेला उ ओकर जान गँवावेला, लेकिन जे हमरा खातिर आपन जान गँवावेला, उहे ओकरा के बचाई।
25 अगर आदमी के पूरा दुनिया के फायदा हो जाव आ ऊ अपना के गँवा देव भा फेंक दिहल जाव त ओकरा का फायदा?
26 काहे कि जे भी हमरा आ हमरा बात से शर्मिंदा होई, उ आदमी के बेटा जब अपना महिमा में, अपना पिता के आ पवित्र स्वर्गदूतन के महिमा में आई त ओकरा से शर्मिंदा होई।
27 लेकिन हम तोहनी के साँच कहत बानी कि इहाँ कुछ लोग खड़ा बा, जब तक उ लोग परमेश्वर के राज्य के ना देख लेव, तब तक उ लोग के मौत के स्वाद ना चली।
28 एह बात के करीब आठ दिन बाद उ पतरस, यूहन्ना आ याकूब के लेके एगो पहाड़ पर प्रार्थना करे खातिर चल गईले।
29 जब ऊ प्रार्थना करत रहले त उनकर चेहरा के फैशन बदल गइल आ उनकर कपड़ा उज्जर आ चमकत रहे।
30 देख, दू आदमी उनकरा से बात करत रहले, जवन कि मूसा आ एलियाह रहले।
31 उ महिमा में प्रकट होके आपन मौत के बारे में बतवले, जवन उ यरूशलेम में पूरा करे वाला रहले।
32 पतरस आ उनकर साथ के लोग नींद से भारी पड़ गइलन आ जब ऊ लोग जागल त उनकर महिमा आ उनकरा साथे खड़ा दुनु आदमी के देखले।
33 जब उ लोग ओकरा से निकलल त पतरस यीशु से कहलस, "गुरु, हमनी के इहाँ रहला से अच्छा बा। एगो तोहरा खातिर, एगो मूसा खातिर, आ एगो एलियाह खातिर।
34 जब ऊ ई बात कहत रहले त एगो बादल आके ओह लोग पर छाया डाल दिहलस आ बादल में घुसत घरी ऊ लोग डेरा गइल।
35 बादल से एगो आवाज आइल कि, "ई हमार प्रिय बेटा हवें।
36 जब आवाज बीत गईल त यीशु अकेले मिल गईले। उ लोग ओकरा के नजदीक से रखले अवुरी उ लोग जवन कुछ देखले रहले, ओकरा में से कवनो बात केहु के ना बतवले।
37 अगिला दिने जब उ लोग पहाड़ी से उतरले त बहुत लोग उनुका से मिलले।
38 तब एगो आदमी चिल्ला के कहलस, "गुरु, हम तोहरा से निहोरा करत बानी कि हमार बेटा के देखऽ, काहे कि ऊ हमार एकलौता संतान ह।"
39 देखऽ, एगो आत्मा ओकरा के पकड़ लेला आ ऊ अचानक चिल्लात बा। आ ओकरा के फाड़ देला कि ऊ फेरु से झाग बन जाला आ ओकरा के चोट खा के ओकरा से मुश्किल से दूर हो जाला.
40 हम तोहरा चेलन से निहोरा कइनी कि ओकरा के बाहर निकाल दीं। आ ऊ लोग ना कर सकल.
41 यीशु जवाब दिहलन, " हे अविश्वास आ विकृत पीढ़ी, हम कब तक तोहरा साथे रहब आ तोहरा के सहन करब? अपना बेटा के इहाँ ले आवऽ।
42 जब ऊ अबहीं आवे वाला रहले त शैतान ओकरा के नीचे फेंक दिहलस आ ओकरा के फाड़ दिहलस। यीशु ओह अशुद्ध आत्मा के डांट के ओह लइका के ठीक कर दिहलन आ ओकरा के अपना बाप के फेर से सौंप दिहलन.
43 उ सब परमेश्वर के पराक्रमी शक्ति देख के अचरज में पड़ गईले। लेकिन जब उ लोग यीशु के हर काम से आश्चर्यचकित रहले, त उ अपना चेलन से कहले।
44 ई बात तोहनी के कान में डूब जाव, काहेकि मनुष्य के बेटा के आदमी के हाथ में सौंपल जाई।
45 लेकिन उ लोग इ बात ना समझले अवुरी इ बात उनुका से छिपल रहे कि उ लोग एकरा के ना समझ पवले अवुरी उनुका से इ बात पूछे से डेरा गईले।
46 तब ओह लोग के बीच एगो तर्क शुरू हो गइल कि ओह लोग में से कवन बड़हन होखे के चाहीं.
47 यीशु ओह लोग के मन के बात समझ के एगो बच्चा के लेके ओकरा लगे रखले।
48 उ लोग से कहलस, " जे हमरा नाम से एह लइका के ग्रहण करी, उ हमरा के ग्रहण करी, आ जे हमरा के ग्रहण करी, उ हमरा के भेजे वाला के ग्रहण करी, काहे कि तोहनी में से जे छोट बा, उहे महान होई।"
49 यूहन्ना जवाब दिहलन, "गुरु, हमनी के देखनी जा कि एगो तोहरा नाम से दुष्टात्मा के भगावत रहे। आ हम ओकरा के मना कर दिहनी काहे कि ऊ हमनी का साथे ना चले.
50 यीशु ओकरा से कहलन, " ओकरा के मना मत करऽ, काहेकि जे हमनी के खिलाफ नइखे उ हमनी के पक्ष में बा।"

51 जब उनुका के उठावे के समय आईल त उ अड़ल होके यरूशलेम जाए के ओर मुड़ गईले।
52 ओकरा सामने दूत भेजलन आ ऊ लोग ओकरा खातिर तइयार करे खातिर सामरी लोग के गाँव में घुस गइलन।
53 उ लोग उनुका के ना ग्रहण कईले, काहेकी उनुकर चेहरा अयीसन रहे जईसे उ यरूशलेम जईहे।
54 जब उनकर चेला याकूब आ यूहन्ना ई देख के कहले, "हे प्रभु, का तू चाहत बाड़ू कि हमनी के आकाश से आग उतर के ओह लोग के भस्म करे के आज्ञा दीं, जइसे कि एलियास कइले रहले?"
55 लेकिन उ मुड़ के ओ लोग के डांटत कहले, " तू लोग नईखन जानत कि तू लोग कवना तरह के आत्मा से बाड़ू।"
56 काहे कि मनुष्य के बेटा आदमी के जान नाश करे खातिर ना आइल बा, बलुक ओकरा के बचावे खातिर आइल बा। आ ऊ लोग दोसरा गाँव में चल गइल.
57 जब उ लोग रास्ता में चलत रहले त एगो आदमी ओकरा से कहलस, "प्रभु, हम तोहरा पीछे-पीछे जहाँ भी जाईब।"
58 यीशु ओकरा से कहलन, " लोमड़ी के छेद होला आ हवा के चिरई के घोंसला होला। लेकिन आदमी के बेटा के लगे आपन माथा कहाँ रखे के जगह नईखे।
59 ऊ दोसरा से कहलन, " हमरा पीछे चलऽ." लेकिन उ कहलस, प्रभु, पहिले हमरा के बाबूजी के दफनावे के अनुमति दीं।
60 यीशु ओकरा से कहलन, " मुअल लोग के आपन मुवलन के दफनावे दीं, लेकिन तू जाके परमेश्वर के राज्य के प्रचार करऽ।"
61 एगो अउरी भी कहलस, "प्रभु, हम तोहरा पीछे चलब। बाकिर पहिले हम ओह लोग के विदाई देबे जाइब, जवन हमरा घरे घर में बा.
62 यीशु ओकरा से कहलन, " हत में हाथ डाल के पीछे मुड़ के देख के केहू परमेश्वर के राज्य के योग्य नइखे।"

अध्याय 10 के बा

1 एह सब के बाद प्रभु अउरी सत्तर लोग के नियुक्ति क के दू-दू गो के अपना सामने हर शहर आ जगह में भेज दिहलन जहाँ उ खुद आवे वाला रहले।
2 एह से ऊ ओह लोग से कहलन कि फसल बहुते बा, बाकिर मजदूर कम बाड़े, एहसे फसल के मालिक से प्रार्थना करीं कि ऊ मजदूरन के अपना फसल में भेज देव.
3 जा, हम तोहके भेड़िया के बीच मेमना के रूप में भेजत बानी।
4 ना पर्स, ना स्क्रप, ना जूता लेके चलब, आ रास्ता में केहू के नमस्कार मत करीं।
5 जवना घर में जाइब, पहिले कह दीं कि एह घर में शांति होखे।
6 अगर शांति के बेटा उहाँ बा त तोहार शांति ओकरा पर टिकल होई, अगर ना त उ फेर से तोहरा ओर मुड़ जाई।
7 उहे घर में रह के जवन कुछ देले बाड़े, खाईं-पीईं, काहेकि मजदूर अपना किराया के लायक बा। घर-घर ना जाओ।
8 जवना शहर में तू लोग जाइब आ उ लोग तोहरा के ग्रहण करी, उहे चीज खा लीं जवन तोहनी के सामने राखल गइल बा।
9 ओहमें से बेमार लोग के ठीक करऽ आ ओकरा से कहऽ कि परमेश्वर के राज्य तोहनी के नजदीक आ गइल बा।
10 लेकिन जवना शहर में तू लोग जाइब आ उ लोग रउआ के ना ग्रहण ना करऽ, उहे शहर के गली में जाके कहऽ।
11 तोहनी के नगर के धूल भी जवन हमनी से चिपकल बा, हमनी के तोहनी के खिलाफ पोंछ देले बानी जा।
12 लेकिन हम तोहनी से कहत हई कि ओह दिन सदोम के शहर से ज्यादा सहनशील होई।
13 कोराज़िन, तोहरा पर धिक्कार बा! धिक्कार बा, बेतसैदा! काहे कि अगर सोर आ सीदोन में जवन पराक्रमी काम तोहनी में भइल रहित त ऊ लोग बहुत पहिले बोरा आ राख में बइठ के पश्चाताप कइले रहित।
14 लेकिन न्याय के समय सोर आ सीदोन खातिर तोहनी से ज्यादा सहनशील होई।
15 आ तू कफरनहूम, जे स्वर्ग तक ऊँच हो गइल बाड़ऽ, नरक में गिरावल जाई।
16 जे तोहनी के बात सुनेला ऊ हमार बात सुनेला। जे तोहनी के तुच्छ समझेला ऊ हमरा के तिरस्कार करेला। जे हमरा के तिरस्कार करेला, उ हमरा के भेजे वाला के तिरस्कार करेला।
17 सत्तर लोग खुशी से वापस आके कहलस, "हे प्रभु, तोहरा नाम से शैतान भी हमनी के अधीन बाड़े।"
18 उ लोग से कहलस कि हम शैतान के आकाश से बिजली निहन गिरत देखनी।
19 देखऽ, हम तोहके साँप आ बिच्छू आ दुश्मन के सब शक्ति पर रौंद के अधिकार देत बानी आ कवनो चीज तोहरा के कवनो तरह से नुकसान ना पहुँचाई।
20 एकरा बादो एह बात से खुश मत होखब कि आत्मा तोहनी के अधीन बा। बल्कि आनन्दित हो जा, काहे कि तोहनी के नाम स्वर्ग में लिखल बा।
21 ओही घरी यीशु आत्मा से खुश होके कहले, " हे पिता, आकाश आ धरती के मालिक, हम तोहरा के धन्यवाद देत बानी कि तू ई सब बात बुद्धिमान आ समझदार लोग से छिपा के लइकन के सामने प्रगट कइले बाड़ऽ। काहे कि तोहरा नजर में अईसने अच्छा लागल।
22 सब कुछ हमरा पिता के ओर से सौंपल गईल बा, लेकिन पिता के छोड़ के केहु नईखे जानत कि बेटा के ह। आ पिता के हवें, बलुक बेटा के हवें आ ऊ जेकरा के बेटा ओकरा के प्रगट करीहें।
23 ऊ अपना चेलन के ओर मुड़ के एकांत में कहलन, " धन्य बा ऊ आँख जवन तू जवन देखत बाड़ऽ ओकरा के देखत बा।
24 हम तोहनी से कहत हई कि बहुत भविष्यवक्ता आ राजा लोग जवन चीज रउआ देखत बानी ओकरा के देखे के इच्छा रखले बा, लेकिन उ नईखन देखले। आ जवन बात तू सुनत बाड़ऽ, ओकरा के सुन के नइखऽ सुनले।
25 एगो कानून के जानकार खड़ा होके ओकरा के परखत कहलस, "गुरु, हम अनन्त जीवन पावे खातिर का करब?
26 ऊ ओकरा से पूछले, " कानून में का लिखल बा? तू कइसे पढ़त बाड़ू?
27 ऊ जवाब दिहलन, "तू अपना प्रभु परमेश्वर से पूरा मन से, पूरा प्राण से, पूरा ताकत आ पूरा दिमाग से प्रेम करीं। आ अपना पड़ोसी के अपना जइसन।
28 उ ओकरा से कहलस, " तू सही जवाब देले बाड़ू, अयीसन करीं, त तू जिंदा रहब।"
29 लेकिन उ अपना के धर्मी ठहरावे के इच्छुक यीशु से कहलस, "हमार पड़ोसी के ह?"
30 यीशु जवाब दिहलन, " एक आदमी यरूशलेम से यरीहो गइल आ चोर के बीच गिर गइल आ चोर ओकरा के कपड़ा उतार के घायल क के ओकरा के आधा मरल छोड़ के चल गइल।
31 संजोग से एगो याजक ओहि रास्ता से उतरल आ ओकरा के देख के ऊ ओहिजा से गुजरल।

32 ओइसहीं एगो लेवी उहाँ पहुँचला पर आके ओकरा के देखलस आ ओहिजा से गुजरल।
33 एगो सामरी जात घरी उहाँ पहुँचल आ ओकरा के देख के ओकरा पर दया आ गइल।
34 ऊ ओकरा लगे जाके तेल आ शराब डाल के ओकर घाव के बान्ह के अपना जानवर पर बइठा के एगो सराय में ले अइले आ ओकर देखभाल कइले।
35 अगिला दिने जब ऊ चल गइलन त दू पइसा निकाल के सेना के दे दिहलन आ कहलन कि, "उनकर देखभाल करऽ; आ जवन कुछ अउरी खरच करबऽ, जब हम फेर अइब त हम तोहरा के चुका देब।
36 तू सोचत बाड़ू कि एह तीनों में से कवन चोर के बीच में गिरल के पड़ोसी रहे?
37 ऊ कहलन, "जे ओकरा पर दया कइलस।" तब यीशु ओकरा से कहलन, " जा के तू भी ओइसहीं करऽ।"
38 जब उ लोग जात रहले त उ एगो गांव में घुस गईले अवुरी मार्था नाम के एगो महिला उनुका के अपना घर में ले गईली।
39 उनकर एगो बहिन मरियम रहली, उहो यीशु के गोड़ में बईठ के उनकर बात सुनत रहली।
40 लेकिन मार्था बहुत सेवा करे में बोझिल होके उनकरा लगे अइली आ कहली, "हे प्रभु, का तोहरा परवाह नइखे कि हमार बहिन हमरा के अकेले सेवा करे खातिर छोड़ देले बिया?" एहसे ओकरा से बोली लगाईं कि ऊ हमार मदद करऽ.
41 यीशु ओकरा से कहलन, " मार्टा, मार्था, तू बहुत बात से सावधान आ परेशान बाड़ू।
42 लेकिन एक बात के जरूरत बा कि मरियम उ बढ़िया हिस्सा चुनले बाड़ी, जवन कि उनुका से ना छीनल जाई।

अध्याय 11 के बा

1 जब उ एगो जगह पर प्रार्थना करत रहले, त उनुकर एगो चेला उनुका से कहलस, "प्रभु, हमनी के प्रार्थना करे के सिखाव, जईसे यूहन्ना अपना चेलन के भी सिखवले रहले।"
2 ऊ ओह लोग से कहलन, " जब तू प्रार्थना करत बाड़ऽ त कहऽ कि हे स्वर्ग में बाप, तोहार नाम पवित्र होखे।" तोहार राज आ जा। तोहार इच्छा पूरा होखे, जइसे स्वर्ग में, ओइसहीं धरती में।
3 हमनी के दिन पर दिन हमनी के रोज के रोटी दे दीं।
4 आ हमनी के पाप माफ करऽ। काहेकि हमनी के भी हर केहू के माफ कर देनी जा जे हमनी के ऋणी बा। आ हमनी के परीक्षा में मत ले जाईं; लेकिन हमनी के बुराई से बचाईं।
5 ऊ ओह लोग से कहलस, " तोहनी में से केकर दोस्त होखी आ आधा रात के ओकरा लगे जाके ओकरा से कह दी कि दोस्त, हमरा के तीन गो रोटी उधार दऽ।
6 काहेकि हमार एगो दोस्त अपना यात्रा में हमरा लगे आइल बा आ हमरा लगे ओकरा सोझा कुछुओ नइखे रखल?
7 ऊ भीतर से जवाब दीहें, "हमरा के परेशान मत करीं, अब दरवाजा बंद हो गइल बा आ हमार लइका-लइकी हमरा साथे बिछौना पर बाड़े। हम उठ के तोहरा के ना दे सकेनी।
8 हम तोहनी से कहत हई कि भले उ उठ के ओकरा के ना दिहे, काहेकि उ ओकर दोस्त ह, लेकिन अपना आग्रह के चलते उ उठ के ओकरा के जतना जरूरत बा, ओतना दे दिहे।
9 हम तोहनी से कहत बानी कि माँगऽ, त तोहनी के दिहल जाई। खोजीं, त तू लोग मिल जाई। खटखटावऽ त तोहनी खातिर खोलल जाई।
10 काहे कि जे भी माँगेला, ओकरा के मिल जाला। आ जे खोजत बा ऊ पा लेला। जे खटखटावेला ओकरा खातिर खोलल जाई।
11 अगर कवनो बेटा तोहनी में से केहू के बाप से रोटी मांगे त का उ ओकरा के पत्थर दिही? या मछरी मांगे त का मछरी के बदले ओकरा के साँप दिही?
12 या अगर उ अंडा मांगे त का ओकरा के बिच्छू चढ़ावे?
13 अगर तू लोग दुष्ट होके अपना लइकन के नीमन वरदान देवे के जानत बाड़ऽ त तोहनी के स्वर्गीय पिता पवित्र आत्मा केतना जादा ना दीहें जे ओकरा से माँगेला?
14 उ एगो शैतान के बाहर निकालत रहले अवुरी उ गूंगा रहे। जब शैतान निकलल त गूंगा लोग बोलल। आ जनता अचरज में पड़ गइल।
15 लेकिन उ लोग में से कुछ लोग कहल कि, उ दुष्टात्मा के प्रमुख बेलजबुल के माध्यम से दुष्टात्मा के भगावेला।
16 दूसर लोग उनकरा के परीक्षा में आके स्वर्ग से एगो चमत्कार के मांग कइलन।
17 लेकिन उ लोग के विचार जान के उ लोग से कहलस कि, " हर राज्य अपना आप में बंटल उजड़ हो जाला। आ घर में बँटल घर गिर जाला।
18 अगर शैतान भी अपना खिलाफ बंटल बा त ओकर राज्य कईसे खड़ा होई? काहे कि तू लोग कहत बाड़ऽ कि हम बेलजबुल के माध्यम से दुष्टात्मा के भगावत बानी।
19 अगर हम बेलजबुल के द्वारा दुष्टात्मा के बाहर निकालत बानी त तोहार बेटा केकरा से ओकरा के निकालत बाड़े? एही से उ लोग तोहार न्यायाधीश होईहे।
20 लेकिन अगर हम परमेश्वर के अंगुरी से दुष्टात्मा के बाहर निकालत बानी त निसंदेह परमेश्वर के राज्य तोहनी पर आ गईल बा।
21 जब कवनो मजबूत आदमी हथियारबंद अपना महल के रखेला त ओकर माल शांति में रहेला।
22 लेकिन जब ओकरा से भी ताकतवर ओकरा पर आके ओकरा पर विजय पावेला त ऊ ओकरा से ओकर सब कवच छीन लेला जवना पर ऊ भरोसा कइले रहे आ आपन लूट के बँटवारा कर देला।
23 जे हमरा साथे नइखे ऊ हमरा खिलाफ बा, आ जे हमरा साथे ना जुटावेला ऊ तितर-बितर कर देला।
24 जब आदमी में से अशुद्ध आत्मा निकल जाला त उ सूखा जगह में घूम के आराम के तलाश में चलेला। आ कवनो ना मिलला पर ऊ कहत बाड़न कि हम अपना घर में लवटब जहाँ से निकलल बानी.
25 जब उ अईले त ओकरा के झाड़ू लगा के सजावल मिलता।
26 तब ऊ जाके अपना से अधिका दुष्ट सात गो अउरी आत्मा के अपना लगे ले जाला। उ लोग ओहिजा घुस के ओहिजा रहेला, आ ओह आदमी के आखिरी हालत पहिलका से भी खराब बा।
27 जब ऊ ई बात कहत रहले त ओह लोग के एगो मेहरारू आवाज उठा के कहलस कि, "धन्य बा ऊ गर्भ जवन तोहरा के पैदा कइले बा आ ऊ पेट जवन तू चूसले बाड़ू."
28 लेकिन उ कहले, " हँ, बल्कि धन्य बा उ लोग जे परमेश्वर के वचन सुन के ओकर पालन करेला।"

29 जब लोग मोट हो गइल त ऊ कहे लगलन, " ई एगो बुरा पीढ़ी ह। आ ओकरा के कवनो निशानी ना दिहल जाई, सिवाय योना भविष्यवक्ता के निशानी के।
30 जइसे योना नीनवी लोग खातिर एगो निशानी रहलन, ओइसहीं आदमी के बेटा भी अबकी पीढ़ी खातिर एगो निशानी होखीहें।
31 दक्खिन के रानी न्याय के दिन एह पीढ़ी के लोग के साथे उठ के ओह लोग के दोषी ठहराई, काहे कि ऊ धरती के छोर से सुलेमान के बुद्धि सुने खातिर आइल रहली। आ देखऽ, सुलेमान से भी बड़ एगो इहाँ बा।
32 नीनवे के लोग एह पीढ़ी के साथे न्याय के समय उठ के ओकरा के दोषी ठहराई, काहेकि उ लोग योना के प्रचार से पश्चाताप कईले। आ देखऽ, योनास से बड़हन एगो इहाँ बा।
33 केहू दीया जरा के ओकरा के गुप्त जगह पर ना रखेला, ना कवनो झाड़ी के नीचे, बलुक दीया के डंडा पर रखेला ताकि भीतर आवे वाला लोग रोशनी देख सके।
34 शरीर के रोशनी आँख ह, एही से जब तोहार आँख एकल होखे त तोहार पूरा शरीर भी रोशनी से भरल हो जाला। लेकिन जब तोहार आँख बुरा हो जाला त तोहार शरीर भी अन्हार से भरल हो जाला।
35 एह से सावधान रहऽ कि तोहरा में जवन रोशनी बा ऊ अन्हार ना होखे।
36 अगर तोहार पूरा शरीर रोशनी से भरल होखे आ कवनो हिस्सा अन्हार ना होखे त पूरा शरीर रोशनी से भरल हो जाई, जइसे कि जब कवनो दीया के चमक से तोहरा के रोशनी मिलेला।
37 जब ऊ बोलत रहले त एगो फरीसी उनका से खाना खाए के निहोरा कइलन आ ऊ भीतर जाके खाना खाए बइठ गइलन.
38 फरीसी ई देख के अचरज में पड़ गइल कि ऊ पहिले रात के खाना खाए से पहिले ना धोवल।
39 प्रभु ओकरा से कहलन, " अब तू फरीसी लोग प्याला आ थाली के बाहरी हिस्सा के साफ कर रहल बाड़ऽ। बाकिर तोहार भीतर के हिस्सा खरखर आ दुष्टता से भरल बा।
40 हे मूर्ख लोग, का बाहर के बनावे वाला भीतर के भी ना बनवले?
41 लेकिन जवन चीज तोहरा लगे बा ओकरा से भिक्षा दीं। आ देखऽ, तोहनी खातिर सब कुछ साफ बा।
42 लेकिन हे फरीसियन, तोहनी के हाय! काहे कि तू लोग पुदीना आ रुई आ हर तरह के जड़ी-बूटी के दसवां हिस्सा देत बाड़ऽ आ न्याय आ भगवान के प्रेम के पार करत बाड़ऽ.
43 हे फरीसियन, तोहनी के हाय! काहे कि तोहनी के सभाघर में सबसे ऊपर के आसन आ बाजार में अभिवादन से प्यार बा।
44 हे शास्त्री आ फरीसी, पाखंडी लोग, तोहनी के हाय! काहे कि तू लोग अइसन कब्र नियर बाड़ऽ जवन ना लउकेला आ ओकरा पर चले वाला लोग ओकरा बारे में ना जानत बाड़ऽ.
45 तब एगो वकील ओकरा से कहलस, "गुरु, तू हमनी के भी निंदा करत बाड़ू।"
46 ऊ कहले, " हे वकील लोग, तोहनी के भी हाय! काहे कि तू लोग आदमी के बोझ उठावे के कठिन बोझ डालत बाड़ू, आ तू खुद ओह बोझ के अपना एक अँगुरी से ना छूवत बाड़ू।
47 तोहनी के हाय! काहे कि तू लोग भविष्यवक्ता लोग के कब्र बनावत बाड़ऽ आ तोहनी के पुरखा लोग ओह लोग के मार दिहले बाड़ऽ.
48 तू लोग साँचहू गवाही देत बाड़ऽ कि तू लोग अपना पुरखन के काम के अनुमति देत बाड़ऽ काहे कि ऊ लोग ओह लोग के मार दिहले बा आ तू लोग ओह लोग के कब्र बनावत बाड़ऽ.
49 एही से परमेश्वर के बुद्धि भी कहलस कि हम ओह लोग के भविष्यवक्ता आ प्रेरित भेजब आ ओह लोग में से कुछ लोग के मार के सताई।
50 ताकि दुनिया के सृष्टि के समय से बहावल सब भविष्यवक्ता के खून एह पीढ़ी से मांगल जा सके।
51 हाबिल के खून से लेके जकरयाह के खून तक जवन वेदी आ मंदिर के बीच में नाश हो गईल रहे।
52 हे वकील लोग, तोहनी के हाय! काहेकि तू लोग ज्ञान के चाभी छीन लेले बाड़ऽ, तू लोग अपना में ना घुसलऽ आ जे लोग में प्रवेश करत रहे ओकरा के तू लोग रोक दिहलऽ।
53 जब उ इ बात कहत रहले त शास्त्री आ फरीसियन उनका के बहुत आग्रह करे लगले अवुरी बहुत बात कहे खातिर उकसावे लगले।
54 उनकर इंतजार करत रहले आ उनकर मुँह से कुछ निकाले के कोशिश करत रहले ताकि उ लोग ओकरा प आरोप लगावे।

अध्याय 12 के बा

1 एही बीच जब अनगिनत लोग के भीड़ एकट्ठा भइल आ एक दूसरा पर दउड़त उ लोग अपना चेलन से सबसे पहिले कहे लगलन कि, " फरीसियन के खमीर से सावधान रहऽ, जवन पाखंड ह।"
2 काहे कि कवनो ढंकल कवनो चीज नइखे जवन प्रकट ना होखे। ना लुकाइल, कि पता ना चली।
3 एह से जवन कुछ तू लोग अन्हार में कहले बाड़ू, उ उजाला में सुनल जाई। आ जवन बात तूँ कोठरी में कान में बोलले बाड़ऽ ऊ घरन के चोटी पर सुनावल जाई।
4 हम तोहनी से कहत बानी कि जे शरीर के मारेले, आ ओकरा बाद ओकरा लगे अउरी काम ना होखे वाला लोग से मत डेराईं।
5 लेकिन हम तोहनी के पहिले से चेता देब कि तू केकरा से डेराईब, ओकरा से डेराईं, जेकरा मारला के बाद नरक में फेंके के ताकत बा। हँ, हम तोहनी से कहत बानी कि ओकरा से डेराईं।
6 का पाँच गो गौरैया दू फार्टिंग में ना बेचल जाला आ ओहमें से एक गो गौरैया भगवान के सामने ना भुला जाला?
7 लेकिन तोहनी के माथा के बाल तक सब गिनल गईल बा। एह से मत डेराईं, तोहनी के बहुते गौरैया से अधिका मोल बा।
8 हम तोहनी से कहत हईं कि जे भी हमरा के आदमी के सामने कबूल करी, उ आदमी के बेटा भी परमेश्वर के दूत के सामने कबूल करी।
9 लेकिन जे आदमी के सामने हमरा से इनकार करी, उ परमेश्वर के दूत के सामने नकारल जाई।
10 जे भी आदमी के बेटा के खिलाफ कवनो बात कहे त ओकरा के माफ कर दिहल जाई, लेकिन जे पवित्र आत्मा के निंदा करी ओकरा के माफ ना कईल जाई।
11 जब उ लोग तोहनी के आराधनालय, मजिस्ट्रेट आ अधिकार के पास ले आई त तू लोग के मन में कवनो विचार ना होखे कि तू लोग कइसे जवाब देबऽ आ का कहबऽ।
12 काहेकि पवित्र आत्मा ओही घड़ी तोहनी के सिखा दिहे कि तोहनी के का कहे के चाहीं।

13 मंडली में से एगो आदमी ओकरा से कहलस, "गुरु, हमरा भाई से कहीं कि उ हमरा संगे विरासत के बंटवारा करस।"
14 ऊ ओकरा से कहलस, " यार, हमरा के तोहरा पर न्यायाधीश भा बंटवारा के बनवले?
15 ऊ ओह लोग से कहलन, " सावधान रहऽ आ लोभ से सावधान रहऽ, काहेकि आदमी के जीवन ओकरा लगे मौजूद चीजन के भरमार से ना होला।
16 ऊ ओह लोग से एगो दृष्टांत सुनवले कि, " एक सेठ के जमीन से भरपूर पैदावार भइल।
17 ऊ मन में सोचत रहले कि हम का करब काहे कि हमरा लगे आपन फल देबे के कवनो जगह नइखे?
18 उ कहले, "हम इहे करब, हम आपन कोठी उखाड़ के अवुरी बड़ बना देब। आ उहाँ हम आपन सब फल आ संपत्ति देब।
19 हम अपना जान से कहब कि, तोहरा लगे बहुत साल तक बहुत सारा संपत्ति बा। आराम से खाईं, पीईं आ मस्त रहऽ।
20 लेकिन परमेश्वर ओकरा से कहलस, "हे मूर्ख, आज रात तोहार प्राण तोहरा से मांगल जाई।
21 अइसने होला जे अपना खातिर खजाना जमा करेला आ भगवान के सामने अमीर ना होला।
22 उ अपना चेलन से कहले, " एही से हम तोहनी से कहत हई कि तू लोग का खाएब, एकरा बारे में आपन जान के बारे में मत सोचीं। ना त देह खातिर, जवन तू लोग पहिनबऽ।
23 जीवन भोजन से अधिका बा आ शरीर कपड़ा से अधिका बा।
24 काग पर विचार करीं, काहे कि ऊ ना त बोवेला ना काटेला। जवना में ना त भंडार बा ना कोठी। आ भगवान ओह लोग के पेट भरत बाड़न, तू लोग चिरई से केतना बढ़िया बाड़ऽ?
25 तोहनी में से के सोच के अपना कद में एक हाथ बढ़ा सकेला?
26 अगर तू लोग छोट काम ना कर पवनी त बाकी के बारे में काहे सोचत रहब?
27 कुमुद के बारे में सोचीं कि ऊ कइसे बढ़ेला, ऊ मेहनत ना करेला, ना घुमावेला। आ तबो हम तोहनी से कहत बानी कि सुलेमान अपना पूरा महिमा में एहमें से कवनो एक जइसन सज-धज के ना रहे।
28 अगर भगवान घास के अईसन कपड़ा पहिनले बाड़े, जवन आज खेत में बा अवुरी काल्ह अंडा में फेंकल जाता। हे कम विश्वास के लोग, ऊ तोहनी के केतना अउरी कपड़ा पहिराई?
29 तू लोग का खाएब आ का पीबऽ, ई मत खोजीं आ ना ही मन में संदेह होखे।
30 काहेकि दुनिया के राष्ट्र एह सब चीजन के खोजत बाड़े आ तोहनी के पिता जानत बाड़न कि तोहनी के एह चीजन के जरूरत बा।
31 बल्कि तू लोग परमेश्वर के राज्य के खोजत रहऽ। आ ई सब चीज तोहनी के जोड़ल जाई।
32 हे छोट झुंड, मत डेराईं। काहेकि तोहनी के पिता के तोहके राज देवे के खुशी बा।
33 जवन बा ओकरा के बेच के भिक्षा दीं। अपना खातिर झोरा जवन पुरान ना होखे, आकाश में एगो अइसन खजाना उपलब्ध कराईं जवन ना खतम होखे, जहाँ कवनो चोर नजदीक ना आवे आ ना पतई नाश करे।
34 काहे कि जहाँ तोहार खजाना होई, उहाँ तोहार मन भी होई।
35 तोहार कमर के पट्टी बान्हल होखे आ तोहार रोशनी जरत होखे।
36 आ तू खुद ओह लोग जइसन बानी जे अपना मालिक के इंतजार करत बा कि जब ऊ बियाह से लवट अइहें. ताकि जब उ आके खटखटावेला त तुरंत ओकरा सोझा खुल जास।
37 धन्य हउवें ऊ नौकर, जेकरा के प्रभु अइला पर जागल पाईहें, हम तोहनी से सच कहत बानी कि ऊ अपना के पट्टी बान्ह के खाना खाए खातिर बइठा दीहें आ बाहर आके ओह लोग के सेवा करीहें।
38 अगर उ दूसरा प्रहर में आके या तीसरा प्रहर में आके ओ लोग के अईसन पा लेले त धन्य बाड़े उ नौकर।
39 ई जान लीं कि अगर घर के मालिक के मालूम रहित कि चोर कवना घड़ी आईत त ऊ जागल रहित आ अपना घर के तोड़े ना देत.
40 एही से तोहनी भी तइयार रहीं, काहेकि मनुष्य के बेटा ओही घड़ी में आवेला जब तू लोग ना सोचे।
41 पतरस ओकरा से कहलन, "हे प्रभु, का तू ई दृष्टांत हमनी से कहत बाड़ऽ कि सब लोग से?
42 प्रभु कहलन, " तब ऊ विश्वासी आ बुद्धिमान भंडारी के ह, जेकरा के ओकर मालिक अपना घर के मालिक बना के समय पर ओह लोग के भोजन के हिस्सा दे दीहें?"
43 धन्य बा ऊ नौकर जे ओकर मालिक अइला पर अइसन करत पाई।
44 हम तोहनी से साँच कहत बानी कि ऊ ओकरा के अपना सब कुछ पर शासक बना दीहें।
45 लेकिन अगर उ नौकर मन में कहे कि हमार मालिक अपना आवे में देरी करतारे। आ मरद नौकरानी आ लइकिन के पीटे लागी, खाए-पीये आ नशा में धुत्त होखे लागी।
46 ओह नौकर के मालिक ओह दिन में अइहें जब ऊ ओकरा के ना खोजत होई आ ओह घरी जब ओकरा पता ना चली आ ओकरा के काट के ओकरा के काट के ओकरा के अविश्वासी लोग के साथे आपन हिस्सा दे दी।
47 जवन नौकर अपना मालिक के मर्जी के जानत रहे आ अपना के तइयार ना करत रहे आ ना ही ओकर मर्जी के मुताबिक काम करत रहे, ओकरा के बहुत मारल जाई।
48 लेकिन जे ना जानत रहे आ ओकरा के मारे लायक काम करत रहे, ओकरा के कम चोट से मारल जाई। काहे कि जेकरा के बहुत कुछ दिहल जाई ओकरा से बहुत कुछ मांगल जाई, आ जेकरा के लोग बहुत कुछ देले बा, ओकरा से जादा मांग करीहे।
49 हम धरती पर आग भेजे आइल बानी। आ अगर पहिले से जरल बा त हम का करब?
50 लेकिन हमरा लगे बपतिस्मा लेवे के बा। आ जबले ई पूरा ना हो जाई तबले हम कइसे तनाव में बानी!
51 का तू लोग मान लीं कि हम धरती पर शांति देवे आइल बानी? हम तहरा से कहत बानी, ना; बल्कि बंटवारा के बजाय:
52 काहे कि अब से एक घर में पांच लोग बंटल होई, तीन लोग दुगो के खिलाफ अवुरी दु लोग तीन के खिलाफ होईहे।
53 बाप बेटा के खिलाफ आ बेटा बाप के खिलाफ बंटल होई। माई बेटी के खिलाफ आ बेटी महतारी के खिलाफ। सास अपना पतोह के खिलाफ, आ पतोह अपना सास के खिलाफ।
54 ऊ लोग से भी कहलन, " पच्छिम से बादल उठत देख के तुरते कहत बानी कि बरखा आवेला। आ अइसहीं बा.
55 जब तू लोग दक्खिन के हवा बहत देखऽ त कहबऽ कि गरमी होई। आ ई हो जाला।

56 हे पाखंडी लोग, तू लोग आकाश आ धरती के चेहरा के समझ सकेनी। बाकिर अबकी बेर तू लोग कइसे ना समझत बाड़ऽ?
57 हँ, आ तू लोग अपना से भी सही के न्याय काहे ना करऽ?
58 जब तू अपना विरोधी के साथे मजिस्ट्रेट के लगे जाइब, जइसे रास्ता में रहब, त पूरा मेहनत करीं कि ओकरा से मुक्ति मिल सके। कहीं ऊ तोहरा के न्यायाधीश के लगे ना भेज देव आ न्यायाधीश तोहरा के अफसर के हवाले ना कर देव आ अधिकारी तोहरा के जेल में ना डाल देव.
59 हम तोहरा से कहत बानी कि जबले तू आखिरी माइट ना चुका लेब तबले तू ओहिजा से ना निकलबऽ।

अध्याय 13 के बा

1 ओह समय में कुछ लोग ओकरा के गलील लोग के बारे में बतवले रहे, जेकर खून पिलातुस ओह लोग के बलिदान में मिलावल रहे।
2 यीशु उनकरा से कहलन, " का तू लोग मानत हव कि इ गलील लोग सब गलील लोग से ज्यादा पापी हवें, काहे कि उ लोग के अइसन कष्ट उठावे के पड़ल?
3 हम तोहनी से कहत हईं कि ना, लेकिन जब तक तू पश्चाताप ना करब, तब तक तू सब ओसही नाश होखब।
4 या अठारह लोग, जेकरा पर सिलोआम के बुर्ज गिर के मार दिहलस, उ लोग के लागत बा कि उ लोग यरूशलेम में रहे वाला सब लोग से ज्यादा पापी रहले?
5 हम तोहनी से कहत हईं कि ना, लेकिन जब तक तू पश्चाताप ना करब तब तक तू सब ओसही नाश होखब।
6 उ इ दृष्टांत भी कहले। एगो आदमी के अंगूर के बगइचा में अंजीर के पेड़ लगावल रहे। उ आके ओकरा से फल खोजत रहले, लेकिन कवनो फल ना मिलल।
7 तब ऊ अपना अंगूर के बगइचा के साज-सज्जा करे वाला से कहलस, "देखऽ, तीन साल से हम एह अंजीर के पेड़ पर फल खोजत आवत बानी आ कवनो ना मिलल, एकरा के काट दीं। एकरा के जमीन काहे बोझिल बा?
8 ऊ जवाब दिहलन, "प्रभु, एह साल भी छोड़ दीं जबले हम ओकरा आसपास खोद के ओकरा के गोबर ना देब।
9 अगर उ फल देला त ठीक बा, आ अगर ना त ओकरा बाद ओकरा के काट देब।
10 उ सब्त के दिन एगो आराधनालय में शिक्षा देत रहले।
11 एगो मेहरारू रहली जेकरा अठारह साल से कमजोरी के आत्मा रहे आ ऊ एक संगे झुकल रहली आ ऊ कवनो तरह से अपना के ऊपर ना उठा पवली।
12 जब यीशु ओकरा के देखले त ओकरा के अपना लगे बोलवले अवुरी कहले, " मेरी, तू अपना कमजोरी से मुक्त हो गईल बाड़ू।"
13 ऊ ओकरा पर हाथ रख दिहलन आ तुरते ऊ सीधा हो गइल आ भगवान के महिमा कइलन.
14 आराधनालय के मालिक क्रोध से जवाब दिहलन कि यीशु सब्त के दिन ठीक कर दिहले रहले आ लोग से कहले रहले कि, "छह दिन में आदमी के काम करे के चाहीं सब्त के दिन के दिन।
15 तब प्रभु ओकरा के जवाब दिहलन, " हे पाखंडी, का तोहनी में से हर केहू सब्त के दिन आपन बैल भा गदहा के ठेला से ना छोड़ के ओकरा के पानी पियावे खातिर ना ले जाला?
16 का ई मेहरारू अब्राहम के बेटी होखे के चाहीं, जेकरा के शैतान एह अठारह साल से बान्हले बा, सब्त के दिन एह बंधन से मुक्त ना होखे के चाहीं?
17 जब उ इ बात कहलन त उनकर सब विरोधी शर्मिंदा हो गईले, आऊ सब लोग उनकरा द्वारा कईल गईल सब गौरवशाली काम खातिर खुश हो गईले|
18 तब उ कहलस, "परमेशवर के राज कइसन बा? आ हम एकरा से कवना चीज से मिलत जुलत होखब?
19 ई सरसों के दाना नियर बा जवन आदमी लेके अपना बगइचा में फेंक दिहलस। ऊ बढ़ल आ एगो बड़हन पेड़ के मोम बना दिहलस। आ हवा के चिरई ओकरा डाढ़ में ठहर गइल।
20 ऊ फेरु से कहलन, " हम परमेश्वर के राज्य के कवना से तुलना करब?
21 ई खमीर जइसन ह, जवना के मेहरारू लेके तीन नाप के आटा में छिपा के रखले रहे, जब तक कि पूरा खमीर ना हो गईल।
22 ऊ शहर आ गाँव में घूम के सिखावत रहले आ यरूशलेम के ओर जात रहले।
23 एक आदमी ओकरा से कहलस, "हे प्रभु, का कुछ लोग के उद्धार हो सकेला?" ऊ ओह लोग से कहलन कि .
24 संकीर्ण फाटक से घुसे के कोशिश करीं, काहेकि हम तोहनी से कहत बानी कि बहुत लोग घुसे के कोशिश करी, लेकिन ना हो पाई।
25 जब एक बेर घर के मालिक उठ के दरवाजा बंद कर देला आ तोहनी बाहर खड़ा होके दरवाजा खटखटावे लगबऽ कि, "प्रभु, प्रभु, हमनी के खोल दीं। ऊ जवाब दीहें आ तोहनी से कहसु कि हम तोहनी के नइखी जानत कि तू कहाँ से आइल बाड़ऽ.
26 तब तू कहे लागब कि हम तोहरा सोझा खइले-पियले बानी आ तू हमनी के गली-गली में सिखवले बाड़ू।
27 लेकिन उ कहसु कि हम तोहके बतावत हईं कि हम तोहके नईखी जानत कि तू कहाँ से आइल बाड़ू। हे सब अधर्म के काम करे वाला, हमरा से दूर हो जा।
28 जब तू लोग अब्राहम, इसहाक, याकूब आऊ सब भविष्यवक्ता लोग के परमेश्वर के राज्य में देखब आ खुद के बाहर निकालल देखब।
29 उ लोग पूरब, पश्चिम, उत्तर आ दक्षिण से आके परमेश्वर के राज्य में बइठ जईहे।
30 आ देखऽ, आखिरी बा जे पहिले होई, आ पहिले के बा जे आखिरी होई।
31 ओही दिन कुछ फरीसी लोग ओकरा से कहलन, "तू बाहर निकल के इहाँ से चल जा, काहेकि हेरोदेस तोहरा के मार दिहे।"
32 ऊ ओह लोग से कहलन, " जा के ओह लोमड़ी के बताईं कि देखऽ, हम शैतान के भगावत बानी आ आजु काल्हु इलाज करत बानी आ तिसरका दिने हम सिद्ध होखब."
33 तबहूँ हमरा आज, काल्ह आ ओकरा बाद के दिन चले के पड़ी, काहे कि यरूशलेम से कवनो भविष्यवक्ता के नाश ना हो सकेला।
34 हे यरूशलेम, यरूशलेम, जे भविष्यवक्ता लोग के मारत बा आ तोहरा लगे भेजल गइल लोग के पत्थर मारत बा। हम केतना बेर तोहार लइकन के एकट्ठा कर लेतीं जइसे मुर्गी अपना बच्चा के पाँख के नीचे बटोर लेले, आ तू ना चाहत रहलू!

35 देखऽ, तोहार घर तोहनी खातिर उजाड़ हो गइल बा, आ हम तोहनी से सच कहत बानी कि जबले ऊ समय ना आई जबले तू लोग ना कहब कि, 'प्रभु के नाम से आवे वाला धन्य बा।

अध्याय 14 के बा

1 जब उ सब्त के दिन रोटी खाए खातिर एगो मुखिया फरीसी के घर में जात रहले, त उ लोग उनुका के देखत रहले।
2 ओकरा से पहिले एगो आदमी रहे, जेकरा बूंद के बेमारी रहे।
3 यीशु कानून के वकील आ फरीसियन से कहलन, " का सब्त के दिन ठीक कइल जायज बा?
4 उ लोग चुप रह गईले। ऊ ओकरा के लेके ठीक कर दिहलन आ छोड़ दिहलन.
5 उ लोग के जवाब दिहलस, " तोहनी में से केकरा के गदहा भा बैल गड्ढा में गिर गईल होई अवुरी उ सब्त के दिन तुरंत ओकरा के ना निकाली?
6 उ लोग ओकरा के फेर से एह बात के जवाब ना दे पवले।
7 ऊ लोग के बोलावल गइल लोग खातिर एगो दृष्टांत दिहलन जब ऊ लोग प्रमुख कमरा के कइसे चुनले बा। कहलन कि,
8 जब तोहरा के केहू बियाह में बोलावल जाला त सबसे ऊँच कमरा में मत बईठऽ। कहीं तोहरा से अधिका इज्जतदार आदमी के ओकरा से ना बोलावल जा सके.
9 जे तोहरा आ ओकरा के बोलवले बा, ऊ आके तोहरा से कहत बा कि, "एह आदमी के जगह दे दऽ। आ तू लाज से निचला कमरा लेबे के शुरुआत करऽ.
10 लेकिन जब तोहरा के बोलावल जाई त जाके सबसे निचला कमरा में बईठ जा। ताकि जब तोहरा के बोलावे वाला आई त तोहरा से कह सके कि दोस्त, ऊपर चढ़ जा, तब तोहरा साथे खाना खाए वाला लोग के सामने पूजा करऽ।
11 काहे कि जे केहू अपना के ऊपर उठावेला, ओकरा के नीचा देखावल जाई। आ जे अपना के नम्र करी ओकरा के ऊंचा कइल जाई.
12 तब ऊ ओकरा से कहलन, " जब तू रात के खाना बनावत बाड़, ना अपना भाई लोग के, ना अपना रिश्तेदारन के आ ना अपना अमीर पड़ोसी के बोलावऽ। कहीं ऊ लोग तोहरा के फेर से बोलावे आ तोहरा के कवनो जवाब ना दे देव.
13 लेकिन जब तू भोज करब त गरीब, अपंग, लंगड़ा, आन्हर के बोलावऽ।
14 आ तोहरा के आशीष मिल जाई। काहेकि उ लोग तोहरा के बदला ना दे सकेले, काहेकि धर्मी लोग के जी उठला के समय तोहरा बदला मिल जाई।
15 जब उनकरा साथे खाना खाए वाला लोग में से केहू ई बात सुन के कहलस, "धन्य बा जे परमेश्वर के राज्य में रोटी खाई।"
16 तब ऊ ओकरा से कहलस, " एक आदमी एगो बड़हन भोज बनवले रहे आ बहुत लोग के बोलवले रहे।
17 भोजन के समय अपना नौकर के भेजलस कि उ लोग के बोलावल गईल लोग से कहे कि, "आ जा! काहे कि अब सब कुछ तइयार हो गइल बा.
18 उ सब एके सहमति से बहाना बनावे लगले। पहिला आदमी ओकरा से कहलस, "हम एगो जमीन खरीदले बानी, आ हमरा जाके देखे के जरूरत बा।
19 एगो अउरी कहलस, "हम पाँच गो जुआ बैल खरीदले बानी आ हम ओह लोग के परीक्षण करे जात बानी।
20 दूसर कहलस, "हम मेहरारू से बियाह क लेले बानी, एही से हम ना आ सकत बानी।"
21 तब उ नौकर आके अपना मालिक के इ सब बात बता दिहलस। तब घर के मालिक खिसिया के अपना नौकर से कहलस, "जल्दी से शहर के गली-गली में निकल जा, आ गरीब, अपंग, रुकल आ आन्हर के इहाँ ले आवऽ।
22 नौकर कहलस, "प्रभु, तोहरा आज्ञा के मुताबिक काम हो गईल बा, लेकिन तबहूँ जगह बा।"
23 प्रभु नौकर से कहलन, "राजमार्ग आ हेज में जाके ओह लोग के भीतर आवे खातिर मजबूर कर दीं ताकि हमार घर भरल जा सके।"
24 काहेकि हम तोहनी से कहत हईं कि जवन आदमी बोलावल गईल बा, ओकरा में से केहु हमरा भोज के स्वाद ना चख पाई।
25 उनकरा साथे बहुत भीड़ गइल आ ऊ मुड़ के ओह लोग से कहलस।
26 अगर केहू हमरा लगे आके अपना बाप, महतारी, मेहरारू, संतान, भाई, बहिन, हँ, आ अपना जान से भी नफरत ना करे त उ हमार चेला ना हो सकेला।
27 जे भी आपन क्रूस ना उठा के हमरा पीछे ना आवेला, उ हमार चेला ना हो सकेला।
28 तोहनी में से के के बुर्ज बनावे के इरादा से पहिले बईठ के लागत ना गिनत बा कि ओकरा लगे एकरा के पूरा करे खातिर पर्याप्त बा कि ना?
29 कहीं कहीं ऊ नींव रखला के बाद ओकरा के पूरा ना कर पावे के बाद ओकरा के देखे वाला सब लोग ओकर मजाक उड़ावे लागे।
30 कहलन, "ई आदमी निर्माण करे लागल, लेकिन काम पूरा ना कर पवलस।"
31 का राजा दोसरा राजा से लड़ाई करे जाके पहिले बईठ के विचार ना करेला कि का उ दस हजार के संगे बीस हजार के संगे अपना खिलाफ आवे वाला से मिले में सक्षम बा कि ना?
32 ना त जब दोसरा के बहुत दूर बा त ऊ दूत भेज के शांति के शर्त चाहत बा।
33 ओइसहीं तोहनी में से जे भी आपन सब कुछ ना छोड़े, उ हमार चेला ना हो सकेला।
34 नमक बढ़िया होला, लेकिन अगर नमक के सुगंध खतम हो गईल बा त ओकरा के कवना से मसाला दिहल जाई?
35 ई ना त जमीन खातिर फिट बा, ना अबहीं ले गोबर खातिर। बाकिर आदमी ओकरा के बाहर निकाल देला. जेकरा सुने के कान बा, उ सुनस।

अध्याय 15 के बा

1 तब सब कर लेवे वाला आ पापी लोग उनकर बात सुने खातिर उनकर नजदीक आ गईले|
2 फरीसियन आ शास्त्री लोग बड़बड़ात कहले, "ई आदमी पापी लोग के ग्रहण करेला आ ओह लोग के साथे खाना खाला।"
3 ऊ ई दृष्टान्त ओह लोग से कहलन।
4 तोहनी में से कवन आदमी के सौ भेड़ बा, अगर ओकरा में से एगो भेड़ गँवा दी त उननब्बे के जंगल में छोड़ के हेराइल भेड़ के पीछे ना चली, जब तक कि ओकरा के ना मिल जाव?
5 जब उ ओकरा के पा लेला त उ खुश होके ओकरा के अपना कंधा प रख देले।

6 जब उ घरे अईले त उ अपना दोस्त अवुरी पड़ोसी के एकट्ठा क के कहेले कि, "हमरा संगे खुश हो जा। काहे कि हम आपन भेड़ पा लेले बानी जवन हेराइल रहे।
7 हम तोहनी से कहत हई कि पश्चाताप करे वाला एगो पापी पर स्वर्ग में भी उननबे धर्मी लोग से अधिका खुशी होई, जेकरा पश्चाताप के जरूरत नइखे।
8 चाँदी के दस टुकड़ी वाला कवन मेहरारू अगर एक टुकड़ा गँवा देला त ऊ दीया ना जरा के घर में झाड़ू ना लगावे आ जबले ओकरा के ना मिल जाव तबले पूरा लगन से खोजत होखे?
9 जब ऊ ओकरा के पा लेले त अपना दोस्तन आ अपना पड़ोसी लोग के एकट्ठा क के कहेले कि, "हमरा साथे आनन्दित हो जा; काहे कि हमरा ऊ टुकड़ा मिल गइल बा जवन हम गँवा देले रहनी।
10 ओइसहीं हम तोहनी से कहत हई कि एगो पापी के पश्चाताप करे वाला पर परमेश्वर के दूत के सामने खुशी होला।
11 ऊ कहलन, " एक आदमी के दू गो बेटा रहे।
12 छोटका अपना बाप से कहलस, "बाबूजी, हमरा के जवन धन आवेला ओकरा के हमरा के दे द।" उ आपन गुजारा ओह लोग के बाँट दिहलन।
13 कुछ दिन बाद छोटका बेटा सब लोग के एकट्ठा क के दूर के देश में निकल गईल अवुरी उहाँ उधम मचावे से आपन संपत्ति बर्बाद क देलस।
14 जब ऊ सब कुछ खतम कर दिहलन त ओह देश में बहुते अकाल पड़ गइल. आ ओकरा के कमी होखे लागल।
15 ऊ जाके ओह देश के एगो नागरिक से जुड़ गइलन। ओकरा के सुअर चरावे खातिर अपना खेत में भेज दिहलस।
16 ऊ सुअर के खाए वाला छिलका से आपन पेट भरल चाहत रहले आ केहू ओकरा के ना दिहलस।
17 जब ऊ मन में अइले त ऊ कहले, "हमार बाप के केतना भाड़ा के नौकरन के लगे रोटी आ बचल बा, आ हम भूख से नाश हो जानी!
18 हम उठ के अपना बाबूजी के लगे जाइब आ ओकरा से कहब कि बाबूजी, हम स्वर्ग आ तोहरा सामने पाप कइले बानी।
19 अब हम आपन बेटा कहे लायक नईखी, हमरा के अपना भाड़ा के नौकर में से एगो बना द।
20 ऊ उठ के अपना बाप के लगे अइले। लेकिन जब उ अभी बहुत दूर रहले त ओकर बाप ओकरा के देख के दया कईले अवुरी भाग गईले अवुरी उनुका गरदन प गिर गईले अवुरी चुम्मा लेले।
21 बेटा ओकरा से कहलस, "बाबू, हम स्वर्ग आ तोहरा नजर में पाप कइले बानी आ अब तोहार बेटा कहे लायक नइखी।"
22 बाप अपना नौकरन से कहले, "सबसे बढ़िया वस्त्र लेके आके ओकरा के पहिन लीं। हाथ में अंगूठी आ गोड़ में जूता लगा दिहलन।
23 मोट बछड़ा के इहाँ ले आके ओकरा के मार दीं। आ हमनी के खाईं आ मस्ती करीं जा।
24 काहेकि हमार ई बेटा मर गइल रहे आ फेर जिंदा बा। ऊ भटक गइल रहे, आ मिल गइल बा. आ उ लोग मस्त होखे लगले।
25 उनकर बड़का बेटा खेत में रहे आ जब ऊ घर के नजदीक आवत रहे त गाना आ नाच सुनलस।
26 उ एगो नौकर के बोलवले अवुरी पूछले कि इ बात के का मतलब बा।
27 उ ओकरा से कहलस, "तोहार भाई आ गईल बा। आ तोहार बाप मोट बछड़ा के मार देले बाड़े, काहे कि उ ओकरा के सुरक्षित आ स्वस्थ रखले बाड़े।
28 ऊ खिसिया के भीतर ना जाए के चाहत रहले, एही से उनकर बाप बाहर आके उनकरा से निहोरा कइलन।
29 उ अपना पिता से कहलस, "देखऽ, हम एतना साल से तोहार सेवा करत बानी आ ना ही तोहार आज्ञा के उल्लंघन कइनी।
30 लेकिन जइसहीं तोहार बेटा आइल, जवन वेश्या के साथे तोहार रोजी-रोटी के खा चुकल बा, तू ओकरा खातिर मोट बछड़ा के मार देले बाड़ु।
31 ऊ ओकरा से कहलस, "बेटा, तू हमेशा हमरा साथे रहेलऽ आ हमरा लगे जवन कुछ बा ऊ तोहार हऽ."
32 हमनी के मस्ती आ खुश होखल उचित रहे काहे कि ई तोहार भाई मर गइल रहे आ जिंदा हो गइल बा। आ हेरा गइल रहे आ मिल गइल बा.

अध्याय 16 के बा

1 उ अपना चेलन से भी कहले, " एक अमीर आदमी रहले, जेकरा लगे एगो भंडारी रहे। आ ओकरा पर आरोप लगावल गइल कि ऊ आपन माल बरबाद कर दिहले बा.
2 ऊ ओकरा के बोलवले आ कहलन कि हम तोहरा बारे में ई बात कइसे सुनत बानी? अपना भंडारी के हिसाब दे दीं। काहे कि तू अब भंडारी ना रहबऽ।
3 तब भंडारी मन में कहलस कि हम का करब? काहे कि हमार मालिक हमरा से भंडारी छीन लेत बाड़न, हम खोद नइखीं सकत। भीख मांगे खातिर हमरा लाज लागत बा।
4 हम सोचले बानी कि हम का करीं कि जब हमरा के भंडारी से बाहर निकाल दिहल जाई त उ लोग हमरा के अपना घर में समेट सके।
5 ऊ अपना मालिक के हर कर्जदार के अपना लगे बोलवले आ पहिला से पूछले, "हमरा मालिक के तोहार केतना कर्जा बा?
6 ऊ कहलन, "सौ नाप तेल।" उ ओकरा से कहलस कि, आपन बिल लेके जल्दी से बईठ जा अवुरी पचास लिख द।
7 तब ऊ दोसरा से कहलस, "तोहरा पर केतना कर्जा बा? ऊ कहलन, "सौ नाप गेहूं." उ ओकरा से कहलस, "अपना बिल लेके 48 लिख द।"
8 प्रभु अधर्मी भंडारी के तारीफ कइलन काहे कि ऊ बुद्धिमानी से काम कइले बा काहे कि एह संसार के लइका लोग अपना पीढ़ी में प्रकाश के संतान से भी बुद्धिमान बा।
9 हम तोहनी से कहत हई कि अधर्म के धन से अपना खातिर दोस्त बनाईं। ताकि जब तू लोग कमजोर हो जाइब त उ लोग तोहनी के अनन्त निवास में ले सके।
10 जे छोटका में विश्वासी होला ऊ बहुत कुछ में भी विश्वासी होला आ जे छोटका में अन्यायी होला ऊ बहुत में भी अन्यायी होला।
11 एह से अगर तू लोग अधर्मी धन में वफादार ना रहलू त सच्चा धन के तोहनी के भरोसा में देई?
12 अगर तू लोग दोसरा के काम में वफादार ना रहलू त तोहनी के के देई?
13 कवनो नौकर दू गो मालिक के सेवा ना कर सकेला काहे कि ऊ एक से नफरत करी आ दोसरा से प्यार करी. ना त एक के पकड़ के दोसरा के तिरस्कार करी। रउआ भगवान आ धन के सेवा ना कर सकेनी।

14 लोभी फरीसी लोग भी इ सब बात सुन के मजाक उड़ावत रहलन|
15 उ लोग से कहलन, " तू लोग आदमी के सामने अपना के धर्मी ठहरावे वाला हउअ। लेकिन परमेश्वर तोहनी के दिल के जानत हउवें, काहेकि जवन आदमी के बीच बहुत आदर बा, उ परमेश्वर के नजर में घिनौना ह।
16 व्यवस्था आ भविष्यवक्ता यूहन्ना तक रहे, तब से परमेश्वर के राज्य के प्रचार होला आ हर केहू ओकरा में दबाव डालत रहेला।
17 आउर धरती के पास होखल आसान बा, ना कि व्यवस्था के एक छोटा भी ना होखे।
18 जे केहू अपना मेहरारू के छोड़ के दोसरा से बियाह करेला, उ व्यभिचार करेला, आ जे केहू ओकरा पति से अलग होखे वाला से बियाह करेला, उ व्यभिचार करेला।
19 एगो अमीर आदमी रहले, जे बैंगनी आ महीन लिनन के कपड़ा पहिनले रहले अवुरी रोज शानदार तरीका से काम करत रहले।
20 लाजर नाम के एगो भिखारी रहे, जवन ओकरा दुआर पर घाव से भरल रहे।
21 ऊ अमीर के मेज से गिरल टुकड़न से खाना खियावे के चाहत रहले, एकरा अलावे कुकुर आके ओकर घाव चाटत रहले।
22 ऊ भिखारी मर गइल आ स्वर्गदूतन ओकरा के अब्राहम के गोदी में ले गइलन.
23 नरक में ऊ यातना में पड़ल आँख उठा के अब्राहम के दूर से आ लाजर के अपना गोदी में देखले।
24 ऊ चिल्ला के कहलस, "बाबू अब्राहम, हमरा पर दया करऽ आ लाजर के भेजऽ कि ऊ आपन अँगुरी के नोक पानी में डुबा के हमार जीभ ठंडा करस। काहे कि हम एह लौ में तड़पत बानी।
25 लेकिन इब्राहीम कहले, "बेटा, याद राखऽ कि तोहरा जिनिगी में आपन नीमन चीज मिलल बा आ लाजर के भी बुरा बात मिलल बा, लेकिन अब ओकरा दिलासा मिलल बा आ तू तड़पत बाड़ू।"
26 एह सब के अलावा हमनी आ तोहनी के बीच एगो बड़हन खाड़ी बनल बा, जवना से जे लोग इहाँ से तोहरा लगे जाए के चाहत बा, ऊ लोग ना कर सके। ना ही उ लोग हमनी के पास जा सकेला, जवन उहाँ से आवत होई।
27 तब उ कहलस, "हे बाबूजी, हम तोहरा से निहोरा करतानी कि तू ओकरा के हमरा पिता के घरे भेज दीं।
28 काहेकि हमरा पांच भाई बाड़े। ताकि उ लोग के गवाही दे सके कि उ लोग भी एह यातना के जगह में ना आ जास।
29 अब्राहम ओकरा से कहलन, "ओकनी के लगे मूसा आ भविष्यवक्ता लोग बाड़े। उ लोग के बात सुने के चाही।
30 ऊ कहलन, "ना, बाबू अब्राहम, बाकिर अगर केहू मरला के बीच से ओह लोग के लगे गइल त ऊ लोग पश्चाताप करी।"
31 उ ओकरा से कहलस, "जदि उ लोग मूसा आ भविष्यवक्ता लोग के बात ना सुनी त उ लोग के मन में ना मनाई, भले ही केहु मुवलन में से जी उठल होखस।"

अध्याय 17 के बा

1 तब उ चेलन से कहलन, " असंभव बा कि अपराध आवेला।
2 ओकरा गरदन में चक्की के पत्थर लटका के समुंदर में फेंक दिहल जाव, एह से कि ऊ एह छोट-छोट लइकन में से कवनो एक के ठेस पहुँचावे।
3 अपना से सावधान रहऽ, अगर तोहार भाई तोहरा खिलाफ अपराध करऽ त ओकरा के डाँटऽ। आ अगर ऊ पश्चाताप करी त ओकरा के माफ कर दीं.
4 अगर उ एक दिन में सात बेर तोहरा खिलाफ अपराध करे, आ एक दिन में सात बेर तोहरा ओर वापस आके कहे कि, 'हम पश्चाताप करतानी।' तू ओकरा के माफ करऽ।
5 प्रेरित लोग प्रभु से कहलन कि हमनी के विश्वास बढ़ाईं।
6 प्रभु कहले, " अगर तोहनी के सरसों के दाना निहन विश्वास रहित त तू एह सिकमिन के पेड़ से कह सकत रहलू कि जड़ से उखाड़ के समुंदर में रोपल जा। आ ओकरा तोहार बात माने के चाहीं।
7 तोहनी में से केकर नौकर जोतत भा मवेशी चरावत बा, ऊ खेत से अईला पर ओकरा से कहत होई कि, "जा के खाना खाए बईठ जा?"
8 ऊ ओकरा से ई ना कहसु कि जबले हम खाना ना खाइब, तबले हम जवना तरह से खाना खाईं, ओकरा से तइयार करऽ आ कठरी पहिन के हमार सेवा करऽ. आ ओकरा बाद तू खाई-पीबऽ?
9 का उ ओह सेवक के धन्यवाद देत बा काहे कि उ उहे काम करत बा जवन ओकरा के दिहल गईल रहे? हम ट्राउ ना करत बानी।
10 ओइसहीं जब तू लोग के आज्ञा दिहल गइल सब काम कर लेब त कहऽ कि हमनी के बेमतलब के सेवक हईं जा।
11 जब ऊ यरूशलेम जात रहले त सामरिया आ गलील के बीच से गुजरत रहले।
12 जब ऊ एगो गाँव में घुसल त ओकरा से दस गो कोढ़ी आदमी मिललन जे दूर खड़ा रहले.
13 उ लोग आवाज उठा के कहलस, "हे गुरु, यीशु, हमनी पर दया करऽ।"
14 उ लोग के देख के कहलन कि जाके याजकन के सामने आपन बात देखाईं। जात-जात उ लोग शुद्ध हो गईले।
15 ओह लोग में से एगो आदमी के ठीक हो गइल देख के पीछे मुड़ल आ जोर से भगवान के महिमा कइलस।
16 उनकरा गोड़ पर मुंह से गिर के उनकर धन्यवाद दिहलन आ ऊ सामरी रहले।
17 यीशु जवाब दिहलन, " का दस लोग शुद्ध ना भइल रहे? बाकिर नौ गो कहाँ बा?
18 एह परदेशी के छोड़ के केहू अइसन ना मिलल जे परमेश्वर के महिमा करे खातिर वापस आ गइल होखे।
19 उ ओकरा से कहलस, " उठ जा, तोहार विश्वास तोहरा के ठीक कर देले बा।"
20 जब फरीसियन से पूछल गइल कि भगवान के राज्य कब आई त ऊ ओह लोग से कहलन, " परमेशवर के राज्य देखते ना आवेला।
21 आ उ लोग ना कहसु कि इहाँ देखऽ! भा, लो उहाँ! काहे कि देखऽ, परमेश्वर के राज्य तोहनी के भीतर बा।
22 उ चेलन से कहलन, " अब दिन आई जब तू लोग आदमी के बेटा के कवनो एक दिन के देखे के इच्छा करब, लेकिन ओकरा के ना देखब।"
23 उ लोग तोहरा से कहत होई कि, इहाँ देखऽ। या, उहाँ देखल जाव: ओह लोग के पीछे मत जाईं, ना ओह लोग के पीछे पड़ जाईं।

24 जइसे कि आकाश के नीचे के एक भाग से बिजली चमकेला आ आकाश के नीचे दूसरा भाग तक चमकेला। आदमी के बेटा भी अपना समय में ओइसहीं होई।
25 लेकिन पहिले ओकरा के बहुत कष्ट उठावे के होई, अवुरी ओकरा के अबकी पीढ़ी के लोग नकार देवे के होई।
26 जइसे नूह के जमाना में भइल रहे, ओइसहीं मनुष्य के बेटा के समय में भी होई।
27 जब तक नूह जहाज में ना घुसल आ जलप्रलय आके सबके नाश कर दिहलस, तब तक उ लोग खईले, पियले, पत्नी के बियाह कईले अवुरी बियाह कईले।
28 ओइसहीं जइसे लूत के समय में भइल रहे। खइले, पियले, खरीदले, बेचले, रोपले, बनवले;
29 लेकिन जवना दिन लूत सदोम से निकलल रहले, उहे दिन स्वर्ग से आग अवुरी गंधक बरस के सभके नाश क देलस।
30 आदमी के बेटा के प्रगट होखे के दिन भी अईसने होई।
31 ओह दिन घर के चोटी आ घर में आपन सामान ले जाए खातिर उतरे के ना चाहीं आ खेत में रहे वाला भी वापस ना लवट आवे।
32 लूत के मेहरारू के याद करऽ।
33 जे केहू आपन जान बचावे के कोशिश करी, उ ओकरा के गंवा दी। आ जे आपन जान गँवा दी ऊ ओकरा के बचा ली.
34 हम तोहके बतावत बानी कि ओह रात में दू आदमी एक बिछौना पर बइठ जइहें। एक के ले लिहल जाई आ दोसरका छोड़ दिहल जाई.
35 दू गो मेहरारू एक साथे पीसत रहीहें। एक के ले जाइल जाई आ दोसरका छोड़ दिहल जाई.
36 दू आदमी खेत में होई। एक के ले जाइल जाई आ दोसरका छोड़ दिहल जाई.
37 उ लोग ओकरा से पूछले, "हे प्रभु, कहाँ? उ लोग से कहलस, " जहाँ लाश होई, उहाँ चील एकट्ठा होईहे।

अध्याय 18 के बा

1 ऊ ओह लोग से एह खातिर एगो दृष्टांत कहलन कि आदमी के हमेशा प्रार्थना करे के चाहीं आ बेहोश ना होखे के चाहीं.
2 ऊ कहलन, " एक शहर में एगो न्यायाधीश रहले, जे भगवान से ना डेरात रहले, ना आदमी के परवाह करत रहले।
3 ओह शहर में एगो विधवा रहली। ऊ ओकरा लगे अइली आ कहली कि, "हमरा से हमरा प्रतिद्वंद्वी के बदला लीं."
4 उ कुछ देर खातिर ना मनले, लेकिन ओकरा बाद उ मन में कहले, "हम भगवान से ना डेरात बानी, ना आदमी के परवाह करत बानी।
5 तबो ई विधवा हमरा के परेशान करे के चलते हम ओकर बदला लेब, कहीं ऊ लगातार आवे से हमरा के थका ना देस।
6 प्रभु कहले, " सुनऽ कि अधर्मी न्यायाधीश का कहत बाड़े।"
7 का परमेस् वर अपना चुनल लोग के बदला ना लेव, जे दिन रात ओकरा से पुकारत रहेला, भले ऊ ओह लोग के बहुत दिन ले सहन?
8 हम तोहनी से कहत हई कि उ जल्दी से ओ लोग के बदला ले लिहे। लेकिन जब मनुष्य के बेटा आई त का ओकरा धरती पर विश्वास मिली?
9 ऊ ई दृष्टांत कुछ लोग से कहलन जे अपना पर भरोसा करत रहे कि ऊ धर्मी हवें आ दोसरा के तुच्छ समझत रहले.
10 दू आदमी प्रार्थना करे खातिर मंदिर में गइलन। एगो फरीसी आ दोसर कर चुकावे वाला।
11 फरीसी खड़ा होके अपना मन से प्रार्थना कइलस, "परमेशवर, हम तोहरा के धन्यवाद देत बानी कि हम दोसरा लोग नियर, लुटेरा, अन्यायी, व्यभिचारी भा एह करदाता जइसन नइखीं।
12 हम हफ्ता में दू बेर उपवास करेनी, जवन कुछ भी बा ओकरा से दसवां हिस्सा देनी।
13 कर चुकावे वाला दूर खड़ा होके स्वर्ग के ओर आँख ना उठावे के मन कइलस, बलुक ओकरा छाती पर चोट करत कहलस कि, "परमेशवर हमरा पर दया करस, हम पापी हईं।"
14 हम तोहनी से कहत हई कि इ आदमी दूसरा के बजाय धर्मी होके अपना घरे चल गईल, काहेकि जे केहू अपना के ऊपर उठावेला, उ नीच हो जाई। आ जे अपना के नम्र करी ओकरा के ऊंचा कइल जाई.
15 उ लोग ओकरा लगे शिशु के भी ले अइले कि उ ओ लोग के छूवे, लेकिन जब ओकर चेला लोग एकरा के देखले त उ लोग के डांटले।
16 लेकिन यीशु ओ लोग के अपना लगे बोलवले अवुरी कहले, " लईकन के हमरा लगे आवे दीं अवुरी ओ लोग के मना मत करीं, काहेकि परमेश्वर के राज्य अयीसन लोग के ह।"
17 हम तोहनी से सच कहत हई कि जे भी परमेश्वर के राज्य के छोट बच्चा निहन ना पाई, उ कवनो तरीका से ओकरा में ना जाई।
18 एगो शासक ओकरा से पूछलस, "गुरु जी, हम अनन्त जीवन पावे खातिर का करब?
19 यीशु ओकरा से कहलन, " तू हमरा के अच्छा काहे कहत बाड़ऽ? एक के छोड़ के केहू नीमन नइखे, माने कि भगवान।
20 तू ई आज्ञा जानत बाड़ऽ कि व्यभिचार मत करऽ, हत्या मत करऽ, चोरी मत करऽ, झूठा गवाही मत देऽ, अपना बाप-माई के आदर मत करऽ।
21 उ कहलस, "हम जवानी से इ सब के रखले बानी।"
22 ई बात सुन के यीशु ओकरा से कहलन कि तोहरा एक चीज के कमी बा, तोहरा लगे जवन कुछ बा ओकरा के बेच के गरीबन के बाँट दीं, त तोहरा स्वर्ग में खजाना हो जाई।
23 इ बात सुन के उ बहुत दुखी हो गईले, काहेकि उ बहुत अमीर रहले।
24 जब यीशु देखलन कि उ बहुत दुखी बाड़े त उ कहले, " अमीर लोग के परमेश्वर के राज्य में प्रवेश कतना मुश्किल बा!
25 ऊंट के सुई के आँख से गुजरल आसान बा, ना कि अमीर आदमी के परमेश्वर के राज्य में घुसल।
26 एकरा के सुनल लोग कहल कि, "तब के के उद्धार हो सकेला?"
27 उ कहले, " जवन काम आदमी खातिर असंभव बा, उ परमेश्वर के सामने संभव बा।
28 पतरस कहलन, "देखऽ, हमनी के सब कुछ छोड़ के तोहरा पीछे चल गइल बानी जा।"
29 ऊ ओह लोग से कहलन, " हम तोहनी से सच कहत बानी कि भगवान के खातिर घर, माई-बाप, भाई, मेहरारू भा संतान के छोड़े वाला कवनो आदमी नइखे।
30 एह समय में आ आवे वाला दुनिया में अनन्त जीवन में ओकरा के अउरी कई गो ना मिली।
31 तब ऊ बारह गो के अपना लगे ले गइलन आ कहलन, " देखऽ, हमनी के यरूशलेम चलत बानी जा आ जवन भी बात

भविष्यवक्ता लोग मनुष्य के बेटा के बारे में लिखले बा, ऊ सब पूरा हो जाई।
32 काहेकि ऊ गैर-यहूदी लोग के हाथ में सौंपल जाई, आ ओकरा पर मजाक उड़ावल जाई, ओकरा के विनती कइल जाई आ थूक दिहल जाई।
33 ऊ लोग ओकरा के कोड़ा मार के मार दी आ तीसरा दिन ऊ जी उठ जाई।
34 उ लोग एह में से कवनो बात ना समझ पवले अवुरी इ बात उनुका से छिपल रहे अवुरी ना उ लोग के बात के पता चलल।
35 जब ऊ यरीहो के नजदीक पहुँचल त एगो आन्हर रास्ता के किनारे बइठल भीख मांगत रहे।
36 भीड़ के गुजरत सुन के उ पूछले कि एकर मतलब का बा?
37 उ लोग ओकरा के बतवले कि नासरत के यीशु ओहिजा से गुजरत बाड़े।
38 ऊ चिल्ला के कहलस, "हे दाऊद के बेटा यीशु, हमरा पर दया करऽ।"
39 ओकरा से पहिले के लोग ओकरा के डांटत रहे कि ऊ चुप रह जाव, बाकिर ऊ अउरी चिल्लात रहे कि, "हे दाऊद के बेटा, हमरा पर दया करऽ."
40 यीशु खड़ा होके ओकरा के अपना लगे ले आवे के आदेश दिहलन।
41 ऊ कहलन कि तू का चाहत बाड़ू कि हम तोहरा के करीं? ऊ कहलस, "प्रभु, हम आपन दर्शन कर सकीले।"
42 यीशु ओकरा से कहलन, " तोहार बिसवास तोहरा के बचा लेले बा।"
43 उ तुरते उनकर नजर देख के परमेश्वर के महिमा करत उनकर पीछे चल गईले आ सब लोग एकरा के देख के परमेश्वर के स्तुति कईलस|

अध्याय 19 के बा

1 यीशु यरीहो से गुजर के चल गइलन।
2 देख, जक्कई नाम के एगो आदमी रहले, जवन कर लेवे वाला लोग में प्रमुख रहले अवुरी उ अमीर रहले।
3 ऊ यीशु के देखे के कोशिश कइलन कि ऊ के हवें। आ प्रेस खातिर ना कर सकल, काहे कि ओकर कद कम रहे।
4 ऊ ओकरा के देखे खातिर एगो सिकोमोर के पेड़ पर चढ़ गइलन काहे कि ऊ ओहि रास्ता से गुजरे वाला रहले.
5 जब यीशु ओह जगह पर पहुँचले त ऊ आँख उठा के देखलन आ कहलन, " जक्केआ, जल्दी से नीचे आ जा। काहे कि आज हमरा तोहरा घर में रहे के पड़ी।
6 उ जल्दी से उतर के ओकरा के खुशी से स्वागत कईले।
7 इ देख के सब लोग बड़बड़ात कहले कि, उ एगो पापी के संगे मेहमान बने गईल बाड़े।
8 जक्केआ खड़ा होके प्रभु से कहलन कि; देखऽ हे प्रभु, हमार आधा धन हम गरीबन के देत बानी। आ अगर हम केहू से झूठा आरोप लगा के कवनो चीज लेले बानी त ओकरा के चार गुना वापस कर देनी।
9 यीशु ओकरा से कहलन, " आज एह घर में उद्धार आ गईल बा, काहेकि उ अब्राहम के बेटा भी हवे।"
10 काहेकि मनुष्य के बेटा जे हेराइल रहे ओकरा के खोजे आ बचावे खातिर आइल बाड़े।
11 जब उ लोग इ बात सुन के एगो दृष्टांत जोड़ले, काहे कि उ यरूशलेम के नजदीक रहले अवुरी उ लोग सोचत रहले कि परमेश्वर के राज्य तुरंत प्रकट हो जाई।
12 ऊ कहलन, " कवनो कुलीन आदमी अपना खातिर राज्य लेबे आ लवट आवे खातिर दूर के देश में गइल रहे।
13 ऊ अपना दस गो नौकरन के बोला के दस पाउंड दे दिहलन आ कहलन कि जबले हम ना आ जाईं तबले कब्जा करऽ.
14 लेकिन ओकर नागरिक ओकरा से नफरत करत ओकरा पीछे-पीछे संदेश भेजले कि, "हमनी के इ आदमी हमनी प राज ना करीहे।"
15 जब उ राज्य पा के वापस अईले त उ ए नौकरन के अपना लगे बोलावे के आदेश देले, जेकरा के उ पईसा देले रहले, ताकि उनुका पता चल सके कि हरेक आदमी के व्यापार से केतना फायदा भईल बा।
16 तब पहिला आदमी आके कहलस, "हे प्रभु, तोहार पाउंड में दस पाउंड बढ़ गईल बा।"
17 ऊ ओकरा से कहलस, "अच्छा, हे अच्छा सेवक, काहे कि तू बहुत कम समय में वफादार रहलू, एहसे तोहरा दस शहरन पर अधिकार बा।"
18 दूसरका आके कहलस, "प्रभु, तोहार पाउंड में पांच पाउंड बढ़ गईल बा।"
19 उहो ओकरा से कहलस, "तू भी पांच शहर के मालिक रहऽ।"
20 एगो अउरी आके कहलस, "हे प्रभु, देखऽ, तोहार पइसा बा जवन हम नैपकिन में रखले बानी।
21 हम तोहरा से डेरात रहनी काहे कि तू तपस्वी आदमी हउअ, तू जवन ना बिछवले रहलू ओकरा के उठावत बाड़ू आ जवन ना बोवल रहलू ओकरा के काटत बाड़ू।
22 उ ओकरा से कहलस, "हे दुष्ट सेवक, हम तोहरा मुंह से तोहार न्याय करब।" तू जानत रहलू कि हम एगो तपस्वी आदमी हईं, जवन हम ना रखले रहनी, ओकरा के उठावत रहनी आ जवन ना बोवल रहनी, ओकरा के काटत रहनी।
23 त तू हमार पईसा बैंक में काहे ना देहनी कि हमरा आवे के समय हम आपन पईसा सूद के संगे मांग लेती?
24 उहाँ खड़ा लोग से कहलन कि, "उनका से पाउंड लेके दस पाउंड वाला के दे दीं।"
25 (उ लोग ओकरा से कहलस, "प्रभु, ओकरा लगे दस पाउंड बा।"
26 हम तोहनी से कहत हईं कि जेकरा लगे बा ओकरा के दिहल जाई। जेकरा लगे नइखे, ओकरा से जवन बा, ओकरा से छीन लिहल जाई।
27 लेकिन हमार उ दुश्मन जे हमरा के राज ना करे के चाहत रहले, उ लोग के इहाँ ले आके हमरा सोझा मार देस।
28 ई बात कहला के बाद उ यरूशलेम में चढ़त आगे चल गईले|
29 जब ऊ जैतून के पहाड़ नाम के पहाड़ पर बेतफाग आ बेथानी के नजदीक पहुँचले त उ अपना दू गो चेला के भेजले।
30 कहलन, "तू लोग अपना सामने वाला गाँव में जा। जवना में घुसते तोहनी के एगो बछड़ा के बछड़ा बान्हल मिल जाई, जवना पर केहू ना बइठल रहे, ओकरा के ढीला क के इहाँ ले आवऽ।
31 अगर केहु तोहसे पूछे कि तू ओकरा के काहे खोलत बाड़ू? तू लोग ओकरा से अईसन कहब कि प्रभु के ओकर जरूरत बा।
32 जेकरा के भेजल गईल रहे, उ लोग अपना रास्ता से चल गईले अवुरी उ ओसही मिल गईले, जईसे उ उनुका से कहले रहले।

33 जब उ लोग बछड़ा के ढीला करत रहले त ओकर मालिक ओ लोग से पूछले, "तू लोग बछड़ा के काहे खोलत बाड़ू?
34 उ लोग कहले, "प्रभु के ओकर जरूरत बा।"
35 ऊ लोग ओकरा के यीशु के लगे ले अइले आ ऊ लोग आपन कपड़ा बछड़ा पर डाल दिहल आ यीशु के ओकरा पर बइठा दिहल।
36 जब उ जात रहले त उ लोग रास्ता में आपन कपड़ा पसार देले।
37 जब ऊ जैतून के पहाड़ से उतरे के जगह पर पहुँचले त चेला लोग के भीड़ उ लोग के देखल सब पराक्रम खातिर तेज आवाज में भगवान के स्तुति करे लगले।
38 ऊ कहलन, "प्रभु के नाम से आवे वाला राजा के धन्य होखे, स्वर्ग में शांति होखे आ परम में महिमा होखे।"
39 भीड़ के बीच से कुछ फरीसी लोग ओकरा से कहलस, "गुरु, अपना चेलन के डांट द।"
40 ऊ जवाब दिहलन आ कहलन कि, " हम तोहनी से कहत बानी कि अगर ई लोग चुप रह जइहें त पत्थर तुरते चिल्लात हो जइहें."
41 जब उ नजदीक पहुंचले त उ शहर के देख के रोवे लगले।
42 ऊ कहलन, " अगर तू कम से कम एह दिन में ऊ बात जानत रहितऽ जवन तोहरा शांति के हऽ! बाकिर अब ऊ लोग तोहरा आँख से छिपल बा.
43 काहेकि तोहरा पर अइसन दिन आ जाई कि तोहार दुश्मन तोहरा चारो ओर खाई डाल के तोहरा के चारो ओर घेर के तोहरा के चारो ओर से राखी।
44 तोहरा के जमीन के साथे आ तोहरा लइका-लइकी के भी तोहरा भीतर बिछा दिही। आ ऊ लोग तोहरा में एक पत्थर पर एक पत्थर ना छोड़ी। काहे कि तू अपना मुलाकात के समय ना जानत रहलू।
45 ऊ मंदिर में जाके ओहिजा बेचे वाला आ खरीदे वाला के भगावे लगलन।
46 उ लोग से कहलस, " लिखाइल बा कि हमार घर प्रार्थना के घर ह, लेकिन तू लोग ओकरा के चोर के मांद बना देले बाड़ू।
47 उ रोज मंदिर में पढ़ावत रहले। लेकिन मुखिया याजक, शास्त्री आउर जनता के मुखिया ओकरा के नाश करे के कोशिश कईले।
48 उ लोग के काम ना मिलल काहेकि सब लोग उनकर बात सुने में बहुत ध्यान देत रहे|

अध्याय 20 के बा

1 एक दिन जब उ मंदिर में लोग के सिखावत रहले आ सुसमाचार के प्रचार करत रहले त मुख्य याजक आ शास्त्री लोग बड़का लोग के साथे उनकरा पर आ गईले।
2 ऊ ओकरा से कहलस, "बतावऽ कि तू कवना अधिकार से ई सब काम करत बाड़ऽ? भा ऊ के ह जे तोहरा के ई अधिकार देले बा?
3 ऊ जवाब दिहलन आ कहलन कि हमहूँ तोहनी से एगो बात पूछब। आ हमरा के जवाब दीं कि:
4 यूहन्ना के बपतिस्मा स्वर्ग से रहे कि आदमी के?
5 उ लोग आपस में बतकही करत कहले, "अगर हमनी के कहब जा कि, 'स्वर्ग से आईल बा; ऊ कहसु कि तू लोग ओकरा पर विश्वास काहे ना कइलऽ?
6 लेकिन अगर हमनी के कहत बानी जा कि, "मनुष्य के; सब लोग हमनी के पत्थर मार दिहे, काहेकि उ लोग के विश्वास हो गईल बा कि यूहन्ना एगो भविष्यवक्ता रहले।
7 उ लोग जवाब देले कि उ लोग इ ना बता पवले कि इ कहाँ से आईल बा।
8 यीशु ओह लोग से कहलन, " हम तोहनी के ई ना बतावत बानी कि हम कवना अधिकार से ई काम करत बानी।"
9 तब उ लोगन से इ दृष्टांत बतावे लगले। एगो आदमी अंगूर के बगइचा लगा के किसानन के दे दिहलस आ बहुत देर तक दूर के देस में चल गईल।
10 मौसम के समय उ एगो नौकर के किसानन के लगे भेजले कि उ लोग अंगूर के बगइचा के फल देवे, लेकिन किसान ओकरा के पीट के खाली भेज देले।
11 फिर से उ एगो अउरी नौकर के भेजले, उ लोग ओकरा के भी पीट के शर्मिंदा तरीका से निहोरा कईले अवुरी ओकरा के खाली भेज देले।
12 ऊ फेरु से तीसरा के भेजलन आ ऊ लोग ओकरा के घायल क के बाहर निकाल दिहल।
13 अंगूर के बगइचा के मालिक कहलस, हम का करब? हम अपना प्रिय बेटा के भेजब, हो सकता कि उ लोग ओकरा के देख के ओकर आदर करीहे।
14 किसान लोग ओकरा के देख के आपस में बतकही करत कहलस कि, "इहे वारिस ह।
15 उ लोग ओकरा के अंगूर के बगइचा से बाहर निकाल के मार देले। अंगूर के बगइचा के मालिक ओह लोग के का करीहें?
16 ऊ आके एह किसानन के नष्ट कर दी आ अंगूर के बगइचा दोसरा के दे दी। सुन के कहलस कि भगवान ना करस।
17 ऊ ओह लोग के देख के कहलन, " तब ई का लिखल बा कि, "जवना पत्थर के निर्माण करे वाला लोग ठुकरा दिहले रहे, उहे कोना के सिर बन गइल बा?"
18 जे भी ओह पत्थर पर गिर जाई, उ टूट जाई। बाकिर जेकरा पर गिर जाई ओकरा के पीस के पाउडर बना दी.
19 ओही समय मुख्य याजक आ शास्त्री लोग ओकरा पर हाथ डाले के कोशिश कइल। उ लोग लोग से डेरात रहले, काहेकि उ लोग समझत रहले कि उ इ दृष्टांत ओ लोग के खिलाफ कहले बाड़े।
20 उ लोग ओकरा के देखत रहले अवुरी जासूस भेजले, जवन कि अपना के धर्मी आदमी के नाटक करत रहले, ताकि उ लोग उनुका बात के पकड़ लेव, ताकि उ लोग उनुका के राज्यपाल के अधिकार अवुरी अधिकार में सौंप सकस।
21 उ लोग ओकरा से पूछले, "गुरु, हमनी के जानत बानी जा कि तू सही कहत बाड़ू आ सिखावत बाड़ू, ना केहू के व्यक्ति के स्वीकार करत बाड़ू, बल्कि सही में परमेश्वर के रास्ता सिखावत बाड़ू।
22 का हमनी के कैसर के कर देवे के उचित बा कि ना?
23 लेकिन उ ओह लोग के चालबाजी के समझ के कहलस, " तू लोग हमरा के काहे परीक्षा देत बाड़ू?
24 हमरा के एक पइसा देखा दऽ। केकर छवि आ सुपरस्क्रिप्ट बा? उ लोग जवाब देके कहलस कि कैसर के ह।
25 ऊ ओह लोग से कहलन, " एहसे कैसर के जवन चीज बा ऊ कैसर के दे दीं आ भगवान के जवन चीज ह ऊ भगवान के दे दीं।"

26 उ लोग लोग के सामने उनकर बात के पकड़ ना पवलस, उ लोग उनकर जवाब देख के अचरज में पड़ गईले अवुरी चुप रह गईले।
27 तब सदुकी लोग में से कुछ लोग उनकरा लगे अइले, जे लोग एह बात से इनकार करत बा कि कवनो जिंदा होखे के बात बा। उ लोग उनुका से पूछले कि
28 "गुरु जी, मूसा हमनी के लिखले बाड़न कि अगर केहू के भाई के मेहरारू होके मर जाव आ ऊ बिना संतान के मर जाव त ओकर भाई अपना मेहरारू के लेके अपना भाई के संतान पैदा कर देव।"
29 एह से सात भाई रहलन आ पहिला भाई के बियाह कइलस आ बिना संतान के मर गइल।
30 दूसरका ओकरा के बियाह क लिहलस अवुरी उ बिना संतान के मर गईल।
31 तीसरा ओकरा के पकड़ लिहलस। आ ओही तरह से सातों लोग भी कवनो संतान ना छोड़ के मर गइलन।
32 आखिर में उ औरत के भी मौत हो गईल।
33 एह से पुनरुत्थान के समय उ ओह लोग में से केकर मेहरारू हईं? काहे कि सात लोग के उनुकर पत्नी बनवले रहे।
34 यीशु उनकरा से कहलन, " एह संसार के लइका लोग बियाह करेला आ बियाह में दिहल जाला।
35 लेकिन जे लोग ओह संसार आ मुवलन में से जी उठला के लायक मानल जाई, उ ना त बियाह करीहे, ना बियाह में दिहल जाई।
36 ना ही उ लोग अब मर सकेलन, काहेकि उ लोग स्वर्गदूतन के बराबर बा। आ जी उठला के संतान होके परमेश्वर के संतान हवें।
37 अब जब मुइल लोग जिंदा हो गइल बा त मूसा भी झाड़ी के सामने देखा दिहलन जब ऊ प्रभु के अब्राहम के परमेश्वर, इसहाक के परमेश्वर आ याकूब के परमेश्वर कहत रहलन।
38 काहेकि उ मुअल लोग के परमेश्वर ना हउवें, बल्कि जिंदा लोग के परमेश्वर हउवें, काहेकि सब लोग उनकरा खातिर जिंदा बा।
39 तब कुछ शास्त्री लोग जवाब दिहलस, "गुरु जी, तू बढ़िया से कहले बाड़।"
40 ओकरा बाद उ लोग ओकरा से कवनो सवाल पूछे के हिम्मत ना कईले।
41 ऊ ओह लोग से पूछले, " उ लोग कइसे कहत बा कि मसीह दाऊद के बेटा ह?"
42 दाऊद खुद भजन संहिता के किताब में कहले बाड़न कि, "परमेशवर हमरा प्रभु से कहले, "तू हमरा दाहिना ओर बईठ जा।"
43 जबले हम तोहार दुश्मनन के तोहार गोड़ के ठेहुन ना बना देब।
44 तब दाऊद ओकरा के प्रभु कहत हउवें, त ऊ आपन बेटा कइसे ह?
45 तब सब लोग के सुनत उ अपना चेलन से कहलन।
46 ओह शास्त्री लोग से सावधान रहऽ जे लमहर कपड़ा में चले के चाहत बाड़े आ बाजारन में नमस्कार करे के चाहत बाड़े, आराधनालयन में सबसे ऊँच आसन आ भोज में मुख्य कमरा से चले के चाहत बाड़े।
47 ऊ लोग विधवा लोग के घर खात बा आ देखावे खातिर लमहर प्रार्थना करत बा आ ओकरा के अउरी सजा मिल जाई।

अध्याय 21 के बा

1 ऊ आँख उठा के देखलन कि अमीर लोग आपन उपहार खजाना में डालत बा।
2 उ एगो गरीब विधवा के भी दू गो माइटी डालत देखले।
3 उ कहलस, " हम तोहनी से सच कहत हई कि इ गरीब विधवा सब से जादा घर डाल देले बिया।
4 काहेकि ई सब लोग आपन भरमार से परमेस् वर के बलिदान में डाल देले बा, लेकिन उ अपना गरीबी में जवन कुछ भी रहे, ओकरा के डाल देले बिया।
5 जइसे कुछ लोग मंदिर के बारे में कहत रहे कि कइसे ऊ बढ़िया पत्थर आ उपहार से सजावल गइल बा।
6 रहल बात इ सब जवन तू देखब त उ दिन आई, जवना में एक पत्थर दूसरा प ना छोड़ल जाई, जवन कि ना फेंकल जाई।
7 उ लोग ओकरा से पूछले, "गुरु, लेकिन इ सब कब होई? आ जब ई सब हो जाई त कवन निशानी होई?
8 ऊ कहलन, " सावधान रहऽ कि तू लोग धोखा मत खाईं, काहेकि बहुत लोग हमरा नाम से आके कहत होई कि हम मसीह हईं। आ समय नजदीक आवत बा, एहसे तू लोग ओह लोग के पीछे मत जाईं।
9 जब तू लोग युद्ध आ हंगामा के खबर सुनब त डेरा मत जाईं काहे कि पहिले ई सब होखे के चाहीं। बाकिर अंत धीरे-धीरे ना होला.
10 तब उ उनकरा से कहलन, " एक जाति राष्ट्र के खिलाफ आ राज्य के खिलाफ राज्य के खिलाफ उठत होई।
11 आ कई जगह पर बड़हन भूकंप आ अकाल आ महामारी हो जाई। आ स्वर्ग से भयावह नजारा आ बड़हन निशानी लउकी।
12 लेकिन एह सब से पहिले उ लोग तोहनी पर हाथ डाल के तोहनी के सताई, तोहनी के हमरा नाम खातिर राजा आ शासकन के सामने ले आवल जाई।
13 उ गवाही खातिर तोहनी के ओर मुड़ जाई।
14 एह से अपना मन में ई बात तय करीं कि तू लोग जवन जवाब देब ओकरा से पहिले मनन मत करीं।
15 काहेकि हम तोहरा के एगो अइसन मुँह आ बुद्धि देब जवना के तोहार सब विरोधी ना रोक पइहें ना विरोध कर पइहें।
16 तोहनी के माई-बाप, भाई, रिश्तेदार आ दोस्त दुनु के धोखा दिहल जाई। आ तोहनी में से कुछ लोग के हत्या कर दीहें।
17 हमरा नाम के चलते तोहनी से सब लोग नफरत करी।
18 लेकिन तोहरा माथा के एको बाल नाश ना होई।
19 अपना धैर्य से आपन प्राणी के अपना कब्जा में ले लीं।
20 जब तू यरूशलेम के सेना से घेरल देखब त जान लीं कि ओकर उजाड़ होखे के समय करीब बा।
21 तब यहूदिया के लोग पहाड़ पर भाग जास। आ जे ओकरा बीच में बा, उ लोग बाहर निकल जाव। आ जे देशन में बा ऊ लोग ओहमें ना घुसे.
22 काहेकि इहे बदला लेवे के दिन ह, ताकि लिखल सब बात पूरा होखे।
23 लेकिन ओह दिनन में गर्भवती आ दूध पियावे वाला के हाय! काहे कि एह देश में बहुते संकट आ एह लोग पर क्रोध हो जाई.
24 ऊ लोग तलवार के धार से गिर जाई आ सब जाति में बंदी बना के ले जाइल जाई आ यरूशलेम गैर-यहूदी लोग के दबा दिहल जाई जब तक कि गैर-यहूदी लोग के समय पूरा ना हो जाई।

25 सूरज, चाँद आ तारा में निशानी देखाई दिही। आ धरती पर राष्ट्रन के संकट, भ्रम के साथ। समुंदर आ लहर के गर्जना;
26 आदमी के दिल डर से आ धरती पर आवे वाला चीजन के देखभाल करे से कमजोर हो जाला, काहे कि स्वर्ग के शक्ति हिल जाई।
27 तब उ लोग मनुष्य के बेटा के बादल में शक्ति आ बहुत महिमा से आवत देखिहे।
28 जब ई सब होखे लागी त ऊपर देख के आपन माथा उठाईं। काहे कि तोहार मोक्ष नजदीक आ गइल बा।
29 ऊ ओह लोग से एगो दृष्टान्त बोलवले। अंजीर के पेड़ आ सब पेड़ देखऽ।
30 जब उ लोग अब उड़त बाड़े त तू लोग खुदे देखब आ जानत होखब कि गर्मी के समय नजदीक आ गईल बा।
31 ओइसहीं तू लोग जब ई सब होखत देखऽ त जान लीं कि परमेश्वर के राज्य नजदीक आ गइल बा।
32 हम तोहनी से सच कहत हई कि जब तक सब कुछ पूरा ना हो जाई तब तक इ पीढ़ी ना बीत पाई।
33 आकाश आ धरती खतम हो जाई, लेकिन हमार बात ना खतम होई।
34 आ अपना के सावधान रहीं कि कहीं कबो तोहनी के दिल में अतिशयोक्ति, नशा, आउर जीवन के चिंता के भार ना होखे आ उ दिन तोहनी पर अनजाने में ना आ जाव।
35 काहेकि ई पूरा धरती पर रहे वाला सब लोग पर जाल के रूप में आ जाई।
36 एह से तू लोग जागल रहऽ आ हमेशा प्रार्थना करत रहऽ कि तू लोग के एह सब घटना से बचे के लायक मानल जा सके आ मनुष्य के बेटा के सामने खड़ा होखे के लायक मानल जा सके।
37 दिन में उ मंदिर में शिक्षा देत रहले। रात में ऊ बाहर निकल के जैतून के पहाड़ कहल जाला।
38 सब लोग सबेरे सबेरे मंदिर में उनकर बात सुने खातिर उनकरा लगे अईले|

अध्याय 22 के बा

1 अब खमीर के रोटी के परब नजदीक आ गईल, जवना के फसह कहल जाला।
2 मुख्य याजक आ शास्त्री लोग ओकरा के कइसे मार सके, ओकरा के खोजत रहे। काहे कि उ लोग जनता से डेरात रहले।
3 तब शैतान इस्करियोती नाम के यहूदा में घुस गईल।
4 ऊ अपना रास्ता से चल के मुख्य याजक आ सेनापति लोग से बातचीत कइलन कि ऊ ओकरा के कइसे धोखा दे सकेला।
5 उ लोग खुश होके ओकरा के पईसा देवे के वादा कईले।
6 ऊ वादा कइलन आ भीड़ के अनुपस्थिति में उनकरा के धोखा देवे के मौका खोजत रहलन।
7 तब अखमीरी रोटी के दिन आईल जब फसह के पर्व के मारल जरूरी रहे।
8 ऊ पतरस आ यूहन्ना के भेजलन कि, " जा के हमनी के फसह के पर्व तइयार करऽ, ताकि हमनी के खाना खाईं जा।"
9 उ लोग ओकरा से पूछले, "तू चाहत बाड़ू कि हमनी के कहाँ तैयार करीं जा?"
10 ऊ ओह लोग से कहलन, " देखऽ, जब तू लोग शहर में घुसबऽ तऽ पानी के घड़ा लेके एगो आदमी मिल जाई। ओकरा पीछे-पीछे ओह घर में घुस जाला जहाँ ऊ घुसेला।
11 घर के मालिक से कहब कि गुरु तोहरा से कहतारे कि, उ अतिथि कक्ष कहाँ बा, जहवा हम अपना चेलन के संगे फसह खाएब?
12 ऊ तोहके ऊपर के एगो बड़हन कमरा देखा दी जवन सुसज्जित बा, ओहिजा तइयार करऽ।
13 उ लोग जाके उ लोग के कहला के मुताबिक मिलल।
14 जब समय आईल त उ बारह गो प्रेरित भी बईठ गईले।
15 ऊ ओह लोग से कहलन, " हम दुख से पहिले तोहनी के साथे ई फसह के पर्व खाए के इच्छुक बानी।
16 हम तोहनी से कहत हई कि जब तक परमेश्वर के राज्य में पूरा ना हो जाई तब तक हम एकर फल ना खाएब।
17 ऊ प्याला लेके धन्यवाद दिहलन आ कहले, " ई ले के आपस में बाँट लीं।
18 हम तोहनी से कहत हई कि जब तक परमेश्वर के राज्य ना आई तब तक हम बेल के फल ना पीब।
19 ऊ रोटी लेके धन्यवाद दिहलन आ ओकरा के तोड़ के ओह लोग के दिहलन आ कहलन कि ई हमार देह ह जवन तोहनी खातिर दिहल गइल बा.
20 ओइसहीं रात के खाना खइला के बाद प्याला भी कहत रहे कि, " ई प्याला हमरा खून से नया नियम ह जवन तोहनी खातिर बहावल गइल बा।"
21 लेकिन देख, हमरा के धोखा देवे वाला के हाथ हमरा संगे मेज प बा।
22 आदमी के बेटा जइसन तय कइल गइल रहे, ओइसहीं चलत बा, बाकिर धिक्कार बा कि ऊ आदमी जेकरा द्वारा ओकरा के धोखा दिहल गइल बा!
23 उ लोग आपस में पूछताछ करे लगले कि उ लोग में से के इ काम करे वाला बा।
24 ओह लोग के बीच झगड़ा भी हो गइल कि ओह लोग में से केकरा के सबसे बड़ मानल जाव।
25 ऊ ओह लोग से कहलन, " गैर-यहूदी के राजा लोग ओह लोग पर प्रभुत्व राखेला। आ जे ओह लोग पर अधिकार राखेला ओकरा के उपकारी कहल जाला.
26 लेकिन तू लोग अइसन ना होखब, लेकिन जे तोहनी में से बड़ बा, उ छोटका निहन होखे। आ जे मुखिया बा, उ सेवा करे वाला के निहन।
27 काहे कि खाना खाए बईठल भा सेवा करे वाला के बड़ बा? का उ भोजन करे बईठल ना ह? लेकिन हम तोहनी के बीच में ओइसहीं बानी जइसे सेवा करेला।
28 तू उहे हईं जे हमरा परीक्षा में हमरा साथे बनल रहलू।
29 हम तोहनी खातिर एगो राज्य के नियुक्ति करत बानी, जइसे हमार पिता हमरा खातिर तय कइले बाड़न।
30 ताकि तू लोग हमरा राज्य में हमरा मेज पर खाईं-पी सकीले आ सिंहासन पर बइठ के इस्राएल के बारह गो गोत्र के न्याय कर सकीले।
31 प्रभु कहलन, " शमौन, शमौन, देखऽ, शैतान तोहरा के लेबे के चाहत बा कि ऊ तोहनी के गेहूं नियर छान सके।
32 लेकिन हम तोहरा खातिर प्रार्थना कइले बानी कि तोहार विश्वास कमजोर मत होखे, आ जब तू फेर से बदल जाईब त अपना भाई लोग के मजबूत करऽ।
33 ऊ ओकरा से कहलस, "प्रभु, हम तोहरा साथे जेल आ मौत दुनु में जाए खातिर तइयार बानी।"

34 ऊ कहलस, " पतरस, हम तोहरा से कहत बानी कि आज मुर्गा ना बाजत, ओकरा से पहिले कि तू हमरा के जाने से तीन बेर इनकार करऽ।"
35 ऊ ओह लोग से कहलस, " जब हम तोहनी के बिना पर्स, स्प्रिप आ जूता के भेजले रहनी त तोहनी के कवनो कमी रहे? उ लोग कहलस, कुछुओ ना।
36 तब ऊ ओह लोग से कहलस, " जेकरा लगे पर्स बा, ऊ ओकरा के ले लेव आ ओइसहीं ओकर तलवार ले जाव, आ जेकरा लगे तलवार नइखे, ऊ आपन कपड़ा बेच के खरीद लेव।
37 काहेकि हम तोहनी से कहत बानी कि हमरा में जवन लिखल लिखल बा, उ अभी तक पूरा होखे के चाही कि उ अपराधी लोग में गिनल गईल, काहेकि हमरा बारे में बात के अंत हो गईल बा।
38 उ लोग कहलस, "प्रभु, देख, इहाँ दुगो तलवार बा।" ऊ ओह लोग से कहलन, " बहुत हो गइल बा."
39 ऊ बाहर निकल के अपना आदत के अनुसार जैतून के पहाड़ पर चल गइलन। उनकर चेला लोग भी उनकरा पीछे-पीछे चलल।
40 जब उहाँ उहाँ पहुँचले त उ लोग से कहले, " प्रार्थना करीं कि तू लोग परीक्षा में मत पड़ जाइब।"
41 ऊ ओह लोग से लगभग पत्थर के ढाल से दूर हो गइलन आ घुटना टेक के प्रार्थना कइलन.
42 ऊ कहलन, " हे पिता, अगर तू चाहत बाड़ऽ त ई प्याला हमरा से हटा दीं, बाकिर हमार इच्छा ना, तोहार इच्छा पूरा होखे."
43 ऊ स्वर्ग से एगो स्वर्गदूत उनका के मजबूत करत प्रकट भइलन।
44 ऊ तड़पत रहलन आउर गंभीरता से प्रार्थना कइलन आ पसीना जमीन पर गिरत खून के बड़हन बूंद जइसन हो गइल।
45 जब उ प्रार्थना से उठ के अपना चेलन के लगे पहुंचले त उ लोग के दुख से सुतल देखले।
46 उ लोग से कहलस, " तू लोग काहे सुतत बाड़ू? उठ के प्रार्थना करीं कि कहीं परीक्षा में मत पड़ जाइब।
47 जब उ अभी तक बोलत रहले त देखलस कि एगो भीड़ आ बारह में से एगो यहूदा नाम के आदमी उ लोग के आगे बढ़ के यीशु के चुम्मा लेवे के नजदीक आ गईले।
48 लेकिन यीशु ओकरा से पूछले, " यहूदा, का तू आदमी के बेटा के चुम्मा लेके धोखा दे रहल बाड़ू?"
49 जब ओकरा आसपास के लोग ओकरा बाद का होखे वाला देख के कहलस, "हे प्रभु, का हमनी के तलवार से मार देब जा?"
50 ओहमें से एगो महायाजक के नौकर के पीट के ओकर दाहिना कान काट दिहलस।
51 यीशु जवाब दिहलन, " तू लोग अब तक सहन करऽ।" आऊ उनकर कान छू के ठीक कर दिहलन।
52 तब यीशु उनकरा लगे आइल मुख्य याजक, मंदिर के सेनापति आ बुजुर्ग लोग से कहले, " का रउवां तलवार आ लाठी लेके चोर के खिलाफ निकलल बानी?"
53 जब हम रोज तोहनी के साथे मंदिर में रहनी त तू हमरा खिलाफ हाथ ना बढ़वनी, लेकिन इहे तोहार समय ह आ अन्हार के ताकत ह।
54 तब उ लोग ओकरा के लेके महायाजक के घर में ले गईले। पतरस दूर-दूर तक पीछे-पीछे चल गईले।
55 जब उ लोग दलान के बीच में आग जरा के एक संगे बईठ गईले त पतरस ओ लोग के बीच बईठ गईले।
56 एगो नौकरानी ओकरा के आग के लगे बईठल देख के ओकरा के गंभीरता से देखलस अवुरी कहलस कि, इ आदमी भी उनुका संगे रहे।
57 उ ओकरा से इनकार करत कहले, "मेरी, हम ओकरा के नईखी जानत।"
58 कुछ देर बाद एगो अउरी आदमी उनका के देख के कहलस, "तू भी ओह लोग में से हउअ।" पतरस कहलस, "यार, हम नइखी।"
59 करीब एक घंटा के बाद एगो आदमी भरोसा से कहलस कि, "सच में इ आदमी भी ओकरा संगे रहे, काहेकि उ गलील के हवे।"
60 पतरस कहलस, "यार, हम नइखी जानत कि तू का कहत बाड़ू।" आ जब ऊ अबहीं बोलत रहले त तुरते मुर्गा क्रूर हो गइल.
61 प्रभु मुड़ के पतरस के ओर देखले। पतरस प्रभु के वचन के याद कइलन कि ऊ कइसे कहले रहले कि मुर्गा बाजे से पहिले तू हमरा से तीन बेर इनकार करऽ।
62 पतरस बाहर निकल के कड़ुआ रोअत रहले।
63 यीशु के पकड़े वाला लोग उनकर मजाक उड़ावत मार दिहलस।
64 जब उ लोग उनकर आँख पर पट्टी बांध के उनकर चेहरा पर मार के पूछले कि, "भविष्यवाणी करऽ, तोहरा के के मार दिहलस?"
65 उ लोग उनकरा खिलाफ अउरी बहुत बात के निंदा करत रहले|
66 दिन होते ही लोग के बुजुर्ग आउर मुखिया याजक आ शास्त्री लोग एकजुट होके उनका के अपना मंडली में ले गईले आ कहलन|
67 का तू मसीह हउअ? बताईं हमनी के। ऊ ओह लोग से कहलन कि अगर हम तोहनी के बताइब त तू लोग विश्वास ना करबऽ।
68 अगर हमहूँ तोहसे पूछब त तू लोग हमरा के जवाब ना देबऽ आ ना ही हमरा के जाए देबऽ।
69 एकरा बाद मनुष्य के बेटा परमेश्वर के शक्ति के दाहिना ओर बईठ जाई।
70 तब उ सब कहलस, "का तू परमेश्वर के बेटा हउअ?" ऊ ओह लोग से कहलन, " तू लोग कहत बाड़ऽ कि हम हईं."
71 उ लोग पूछले, "हमनी के अउरी गवाही के का जरूरत बा? काहे कि हम खुदे उनकर मुँह सुनले बानी।

अध्याय 23 के बा

1 उ लोग के पूरा भीड़ उठ के ओकरा के पिलातुस के लगे ले गईल।
2 उ लोग ओकरा प आरोप लगावे लगले, "हमनी के इ आदमी के राष्ट्र के बिगाड़त देखनी अवुरी कैसर के कर देवे से मना करत देखनी कि उ खुद मसीह राजा हवे।"
3 पिलातुस ओकरा से पूछले, "का तू यहूदी लोग के राजा हउअ?" ऊ जवाब दिहलन आ कहलन कि तू कहत बाड़ऽ.
4 पिलातुस मुख्य याजक आ लोग से कहले, "हमरा एह आदमी में कवनो दोष नइखे लागत।"
5 उ लोग अउरी भयंकर होके कहत रहले कि, "उ गलील से लेके इ जगह तक पूरा यहूदी देश में शिक्षा देत लोग के भड़कावेला।"
6 जब पिलातुस गलील के बारे में सुनले त पूछले कि का उ आदमी गलील के हवे।

7 जइसहीं उनुका पता चलल कि ऊ हेरोदेस के अधिकार क्षेत्र के हवें, ऊ ओकरा के हेरोदेस के लगे भेज दिहलन, जे ओह घरी खुद यरूशलेम में रहले।
8 हेरोदेस जब यीशु के देखले त उ बहुत खुश हो गईले, काहेकि उ बहुत दिन से उनुका के देखे के चाहत रहले, काहेकी उ उनुका बारे में बहुत बात सुनले रहले। आ उनुका उमेद रहे कि ऊ अपना ओर से कवनो चमत्कार देखले होखीहें.
9 तब ऊ ओकरा से बहुत शब्दन में पूछताछ कइलन। लेकिन उ ओकरा के कुछूओ जवाब ना देले।
10 तब मुख्य याजक आ शास्त्री लोग खड़ा होके ओकरा पर कड़ा आरोप लगवलस।
11 हेरोदेस अपना लड़ाकू लोग के साथे उनकरा के बदनाम कइलस आ मजाक उड़ा दिहलस आ एगो बढ़िया वस्त्र पहिन के पिलातुस के लगे भेज दिहलस।
12 ओही दिन पिलातुस आ हेरोदेस के दोस्ती हो गइल काहे कि पहिले दुनु जाना के बीच दुश्मनी रहे।
13 पिलातुस जब ऊ मुख्य याजक, शासक आ लोग के एकट्ठा कइलन।
14 ओह लोग से कहलन कि, "तू लोग एह आदमी के हमरा लगे ले आइल बाड़ऽ जइसे कि ऊ लोग के बिगाड़त बा, आ देखऽ, हम तोहनी से सामने ओकर जाँच क के एह आदमी में कवनो दोष नइखीं पावल जवना के बारे में तू लोग ओकरा पर आरोप लगावत बाड़ऽ।
15 ना, ना ही हेरोदेस, काहेकि हम तोहके ओकरा लगे भेजले बानी। आ देखऽ, ओकरा साथे मौत के लायक कवनो काम नइखे होखत।
16 एहसे हम ओकरा के ताड़ब आ ओकरा के छोड़ देब।
17 (काहेकि ओकरा के भोज में एगो के छोड़ देवे के पड़ी।)
18 उ लोग एके बेर चिल्ला के कहलस कि, "एह आदमी के दूर क के बरब्बा के हमनी के छोड़ दीं।
19 (उनका के शहर में एगो विद्रोह आ हत्या के कारण जेल में डाल दिहल गइल।)
20 पिलातुस यीशु के छोड़े के इच्छुक होके फेर से उनकरा से बात कईले|
21 लेकिन उ लोग चिल्ला के कहलस, "उनुका के सूली पर चढ़ा दऽ, सूली पर चढ़ा दऽ।"
22 ऊ तीसरा बेर ओह लोग से पूछलन, "काहे, ऊ कवन बुराई कइले बा?" हम ओकरा में कवनो मौत के कारण नईखी मिलल, एहसे हम ओकरा के सजा देब अवुरी ओकरा के छोड़ देब।
23 उ लोग तुरते तेज आवाज में कहलस कि उनुका के सूली पर चढ़ावल जा सके। आ उनकर आ मुख्य याजकन के आवाज हावी हो गइल।
24 पिलातुस सजा सुनवले कि उ लोग के मांग के मुताबिक होखे।
25 जेकरा के उ लोग बगावत आ हत्या के आरोप में जेल में डाल दिहल गइल रहे, ओकरा के छोड़ दिहलन। लेकिन उ यीशु के ओ लोग के मर्जी के मुताबिक सौंप देले।
26 जब उ लोग ओकरा के ले जात रहे, त उ लोग एगो सिरेनियन के एगो शमौन के पकड़ लिहले, जवन कि एगो सिरेनियन रहे, जवन कि देहात से निकलत रहे अवुरी ओकरा प क्रूस डाल देले, ताकि उ यीशु के बाद ओकरा के उठा सके।
27 उनकरा पीछे-पीछे बहुत लोग आ मेहरारू लोग भी उनकर विलाप आ विलाप करत रहे।
28 लेकिन यीशु ओह लोग के ओर मुड़ के कहलन, " यरूशलेम के बेटी लोग, हमरा खातिर मत रोईं, बलुक अपना आ अपना लइकन खातिर रोईं।
29 काहे कि देखऽ, ऊ दिन आवे वाला बा जब ऊ लोग कह दी कि, "धन्य बा बंजर, ऊ गर्भ जवन कबो ना पैदा कइले रहे आ ऊ बच्चा जवन कबो दूध ना पवले रहे."
30 तब ऊ लोग पहाड़न से कहे लागी कि हमनी पर गिर जाईं। आ पहाड़ी तक, हमनी के ढंक लीं।
31 अगर उ लोग हरियर पेड़ में इ काम करीहे त सूखल पेड़ में का होई?
32 दू गो अउरी अपराधी भी रहले, जेकरा के ओकरा साथे हत्या करे खातिर ले जाइल गइल।
33 जब उ लोग कलवारी नाम के जगह प पहुंचले त उ लोग उनुका अवुरी अपराधी के एगो दाहिना ओर अवुरी दूसरा बायां ओर सूली प चढ़ा देले।
34 तब यीशु कहलन, " बाबू, ओ लोग के माफ करऽ। काहे कि ऊ लोग नइखे जानत कि ऊ लोग का करत बा. उ लोग उनकर कपड़ा बांट के चिट्ठी खेलले।
35 लोग देखत खड़ा हो गइल। उ लोग के साथे शासक भी उनकर मजाक उड़ावत कहले, "उ दोसरा के बचा लिहले। अगर उ परमेश्वर के चुनल मसीह हवे त उ खुद के बचावे।
36 सिपाही भी उनकर मजाक उड़ावत उनकरा लगे आके सिरका चढ़वले|
37 ऊ कहलन कि अगर तू यहूदी लोग के राजा हउअ त अपना के बचा लीं।
38 ओकरा ऊपर ग्रीक, लैटिन आ हिब्रू के अक्षर में लिखल रहे कि ई यहूदी लोग के राजा ह।
39 फांसी पर लटकल अपराधी में से एगो दोषी ओकरा के गारी देत कहलस कि, "अगर तू मसीह हउअ त अपना के आ हमनी के बचा लीं।"
40 लेकिन दूसरका ओकरा के डांटत कहलस, "का तू भगवान से डेरात नइखऽ कि तू ओही सजा में बाड़ऽ?
41 आ हमनी के साँचहू न्यायसंगत बानी जा। काहे कि हमनी के अपना काम के उचित इनाम मिलेला, लेकिन इ आदमी कवनो गलत काम नईखे कईले।
42 ऊ यीशु से कहलन, "प्रभु, जब तू अपना राज्य में अइबऽ त हमरा के याद करऽ।"
43 यीशु ओकरा से कहलन, " हम तोहरा से सच कहत बानी कि आज तू हमरा साथे जन्नत में रहब।"
44 छठवाँ बजे के करीब रहे आ नौवां बजे तक पूरा धरती पर अन्हार हो गइल।
45 सूरज अन्हार हो गइल आ बीच में मंदिर के पर्दा फाट गइल।
46 जब यीशु जोर से चिल्ला के कहले, " बाबू , हम आपन आत्मा तोहरा हाथ में सौंप देले बानी।
47 जब सेनापति के काम देखलन त उ परमेश्वर के महिमा करत कहले, "सचहूँ इ एगो धर्मी आदमी रहले।"
48 उ सब लोग जवन सब लोग ओह दर्शन में एकट्ठा हो गईल रहे, उ सब काम देख के आपन छाती पीट के वापस आ गईले।
49 उनकर सब जान-पहचान आ गलील से उनकर पीछे-पीछे आवे वाली मेहरारू लोग दूर खड़ा होके ई सब देखत रहली।
50 यूसुफ नाम के एगो आदमी एगो सलाहकार रहले। उ एगो अच्छा आदमी आ धर्मी रहले।

51 (उहे ओह लोग के सलाह आ काम से सहमत ना रहले) उ यहूदी लोग के शहर अरिमाथिया के रहले, उ खुद परमेश्वर के राज्य के इंतजार करत रहले।
52 इ आदमी पिलातुस के पास जाके यीशु के लाश के भीख मांगलस|
53 ऊ ओकरा के उतार के लिनन में लपेट के एगो कब्र में रख दिहलन जवन पत्थर में उकेरल रहे, जवना में कबो केहू के ना बिछावल गइल रहे।
54 उ दिन तइयारी के दिन रहे आ सब्त के दिन आवत रहे।
55 गलील से उनकरा साथे आइल मेहरारू लोग भी पीछे-पीछे चल के कब्र के देखली आ उनकर लाश कइसे बिछावल गइल बा।
56 उ लोग वापस आके मसाला आ मरहम तैयार कईले। आज्ञा के अनुसार सब्त के दिन आराम कइलन।

अध्याय 24 के बा

1 हफ्ता के पहिला दिन सबेरे-सबेरे उ लोग जवन मसाला तैयार कईले रहले, ओकरा संगे कुछ अवुरी लोग लेके कब्र के लगे पहुंचले।
2 उ लोग कब्र से पत्थर के लुढ़कावल देखले।
3 उ लोग अंदर घुसल त प्रभु यीशु के लाश ना मिलल।
4 जब उ लोग एह बारे में बहुत अचरज में पड़ल रहले त देख, उ लोग के लगे चमकत कपड़ा पहिनले दु आदमी खड़ा रहले।
5 जब ऊ लोग डेराइल आ धरती के सामने मुँह झुका के कहलस, "तू लोग मुअल लोग के बीच में जिंदा लोग के काहे खोजत बाड़ऽ?
6 उ इहाँ नईखन, लेकिन जी उठल बाड़े, याद करीं कि जब उ गलील में रहले, त उ रउआ से कईसे कहले रहले।
7 ऊ कहलन कि, "मनुष्य के बेटा के पापी लोग के हाथ में सौंपल के सूली पर चढ़ावल जरूरी बा आ तीसरा दिन जी उठल जरूरी बा।"
8 ऊ लोग उनकर बात याद कइल।
9 कब्र से लवट के एगारह लोग आ बाकी सब लोग के इ सब बात बतवले।
10 मरियम मगदलीनी, योआना, याकूब के महतारी मरियम आ अउरी मेहरारू लोग प्रेरित लोग के ई बात बतवली।
11 उ लोग के बात बेकार के किस्सा निहन लागल, लेकिन उ लोग ओकरा प विश्वास ना कईले।
12 पतरस उठ के कब्र के ओर भाग गईले। झुक के ऊ लिनन के कपड़ा के अपना से बिछल देखलन आ अपना मन में अचरज से चल गइलन कि जवन भइल बा.
13 ओही दिन उनमें से दू गो इमाऊस नाम के गाँव में चल गइलन जवन यरूशलेम से करीब साठ फर्लांग दूर रहे।
14 उ लोग एक संगे इ सब घटना के बारे में बतियावत रहले।
15 जब उ लोग एक संगे बतकही करत रहले अवुरी चर्चा करत रहले, त यीशु खुद नजदीक आके ओ लोग के संगे चल गईले।
16 लेकिन उ लोग के नजर टिकल रहे कि उ लोग उनुका के ना जानस।
17 ऊ ओह लोग से पूछले, " चलत-चलत-चलत दुखी होके एक-दूसरा से कवन-कवन संवाद बा?
18 ओह लोग में से एगो जेकर नाम क्लिओपास रहे, ऊ ओकरा से कहलस, "का तू यरूशलेम में खाली परदेसी हउअ आ आजकल उहाँ के घटना के बारे में नइख जानत?"
19 ऊ ओह लोग से पूछले, " का बात बा? उ लोग ओकरा से कहलस, "नासरत के यीशु के बारे में, जे परमेश्वर आ सब लोग के सामने काम आ बात में शक्तिशाली भविष्यवक्ता रहले।
20 कइसे मुख्य याजक आ हमनी के शासक ओकरा के मौत के सजा सुनावे खातिर सौंप दिहले आ ओकरा के सूली पर चढ़ा दिहले।
21 लेकिन हमनी के भरोसा रहे कि उहे इस्राएल के छुड़ावे वाला रहले, अवुरी एकरा अलावे आज इ काम भईला के तीसरा दिन बा।
22 हँ, हमनी के साथी के कुछ मेहरारू भी हमनी के अचरज में डाल दिहली, जवन कि कब्र पर सबेरे-सबेरे रहली।
23 जब उनकर लाश ना मिलल त उ लोग आके कहले कि उ लोग स्वर्गदूत के एगो दर्शन भी देखले बाड़े, जवन कहत रहले कि उ जिंदा बाड़े।
24 हमनी के साथे कुछ लोग कब्र पर जाके उहे देखले जइसन कि मेहरारू लोग कहले रहे, लेकिन उ लोग ओकरा के ना देखले।
25 तब ऊ ओह लोग से कहलन, " हे मूर्ख लोग, आ भविष्यवक्ता लोग के कहल सब बात पर विश्वास करे में धीमा दिल वाला लोग।
26 का मसीह के इ सब कष्ट उठा के अपना महिमा में प्रवेश ना करे के चाहत रहे?
27 मूसा आऊ सब भविष्यवक्ता लोग से शुरू होके उ सब पवित्रशास्त्र में उनकरा के बारे में बतावत रहलन।
28 ऊ लोग ओह गाँव के नजदीक आ गइल जहाँ ऊ लोग जात रहे आ ऊ अइसे कइल जइसे ऊ अउरी आगे बढ़ल चाहत होखे.
29 लेकिन उ लोग ओकरा के मजबूर क के कहलस कि, "हमनी के संगे रह, काहेकि सांझ हो गईल बा अवुरी दिन बहुत दूर हो गईल बा।" आ ऊ ओह लोग के साथे रहे खातिर भीतर चल गइलन.
30 जब उ ओ लोग के संगे खाना खात रहले त उ रोटी लेके आशीष देले अवुरी तोड़ के ओ लोग के देले।
31 उ लोग के आँख खुल गईल अवुरी उ लोग उनुका के जान गईले। आ ऊ ओह लोग के नजर से गायब हो गइल.
32 उ लोग एक दूसरा से कहलस, "का हमनी के मन में ना जरल जब उ रास्ता में हमनी से बात करत रहले अवुरी जब उ हमनी के पवित्रशास्त्र के बात खोलत रहले?
33 ओही घरी उ लोग उठ के यरूशलेम लवट के एगारह लोग आ ओह लोग के साथे मौजूद लोग के एकट्ठा होके देखले।
34 ऊ कहलन कि, प्रभु सचहूँ जी उठल बाड़न आ शमौन से प्रगट हो गइल बाड़न।
35 उ लोग बतवले कि रास्ता में का भईल रहे अवुरी रोटी तोड़े में उनुका के कइसे जानल जाला।
36 जब उ लोग इहे बात करत रहले त यीशु खुद ओ लोग के बीच में खड़ा होके कहले, " रउआ लोग के शांति होखे।"
37 लेकिन उ लोग डेरा गईले अवुरी डेरा गईले अवुरी सोचले कि उ लोग कवनो आत्मा के देखले बाड़े।
38 ऊ ओह लोग से कहलन, " तू लोग काहे घबरा गइल बाड़ऽ? आ तोहनी के दिल में काहे विचार उठत बा?
39 हमार हाथ आ गोड़ देखऽ कि हम खुदे हईं, हमरा के संभाल के देखऽ। काहेकि आत्मा के मांस आ हड्डी ना होला, जइसन कि रउआ हमरा के देखत बानी।
40 ई बात कहलन त ऊ लोग के आपन हाथ-गोड़ देखा दिहलन।

41 जब उ लोग अभी तक खुशी से विश्वास ना कईले अवुरी अचरज में रहले, त उ ओ लोग से कहले, " का तोहनी के इहाँ कवनो खाना बा?
42 उ लोग ओकरा के भूसल मछरी के टुकड़ा आ मधुकोश के टुकड़ा दे दिहले।
43 ऊ ओकरा के लेके ओह लोग के सामने खइले।
44 उ लोग से कहलन कि, " हम तोहनी के साथे रहला के दौरान तोहनी से इहे बात कहले रहनी कि मूसा के व्यवस्था, भविष्यवक्ता आ भजन में लिखल सब बात पूरा होखे के चाहीं। हमरा बारे में बतावल गइल बा.
45 तब उ उनकर समझ खोल दिहलन ताकि उ लोग पवित्रशास्त्र के समझ सके।
46 उ लोग से कहलन, "लिखित में लिखल बा कि मसीह के तीसरा दिन कष्ट उठावे के आ मुवलन में से जिए के चाहीं।
47 आउर यरूशलेम से शुरू होके सब जाति के बीच उनकरा नाम से पश्चाताप आ पाप के माफी के प्रचार होखे।
48 तू लोग एह बात के गवाह हउअ।
49 हम अपना पिता के वादा तोहनी पर भेजत बानी, लेकिन जब तक तोहनी के ऊपर से शक्ति ना मिल जाई, तब तक तू यरूशलेम शहर में रहब।
50 ऊ ओह लोग के बेथानी तक ले गइलन आ हाथ उठा के आशीष दिहलन।
51 जब ऊ ओह लोग के आशीष देत रहले त ऊ ओह लोग से अलगा हो गइलन आ स्वर्ग में ले जाइल गइलन.
52 ऊ लोग उनकर आराधना कइल आ बहुत खुशी से यरूशलेम लवट गइल।
53 ऊ लोग मंदिर में लगातार भगवान के स्तुति आ आशीष करत रहलन। आमीन के बा।

यूहन्ना के सुसमाचार के बारे में बतावल गइल बा

अध्याय 1 के बा

1 शुरू में वचन रहे, आ वचन परमेश्वर के साथे रहे, आ वचन परमेश्वर रहले।
2 शुरू में भगवान के साथे भी उहे रहे।
3 सब कुछ उनुके द्वारा बनावल गइल बा। आ ओकरा बिना कवनो अइसन चीज ना बनल जवन बनल होखे।
4 उनकरा में जिनगी रहे। आ जिनगी आदमी के रोशनी रहे।
5 अन्हार में उजाला चमकेला। आ अन्हार ओकरा के ना समुझत रहे।
6 भगवान के ओर से एगो आदमी भेजले रहले, जेकर नाम यूहन्ना रहे।
7 उ इजोत के गवाही देवे खातिर आइल रहे ताकि सब लोग उनकरा से विश्वास कर सके|
8 उ उ रोशनी ना रहले, बालुक उ प्रकाश के गवाही देवे खाती भेजल गईल रहले।
9 उहे सच्चा प्रकाश रहे जवन दुनिया में आवे वाला हर आदमी के रोशन करेला।
10 ऊ दुनिया में रहलन आ दुनिया उनकरा से बनल रहे आ दुनिया उनका के ना जानत रहे।
11 ऊ अपना घरे आ गइलन, बाकिर ओकरे लोग ओकरा के ना ग्रहण कइलन.
12 लेकिन जे भी उनकरा के ग्रहण कइल, उ उनकरा नाम पर विश्वास करे वाला लोग के परमेश्वर के बेटा बने के अधिकार दिहलन।
13 उ लोग खून से ना, ना शरीर के इच्छा से, ना आदमी के इच्छा से, बल्कि परमेश्वर से पैदा भईल बाड़े।
14 वचन शरीर हो गइल आ हमनी के बीच में रह गइलन (आउर हमनी के उनकर महिमा, पिता के एकलौता के महिमा नियर देखनी जा) अनुग्रह आ सच्चाई से भरल।
15 यूहन्ना उनकरा बारे में गवाही देके चिल्ला के कहले, "हम उहे हउवें जेकरा बारे में हम कहले रहनी कि हमरा बाद आवे वाला हमरा से बढ़िया बा, काहेकि उ हमरा से पहिले रहे।"
16 हमनी के सब केहू के उनकर पूर्णता आ अनुग्रह के बदले अनुग्रह मिलल बा।
17 व्यवस्था मूसा के द्वारा दिहल गइल बा, लेकिन अनुग्रह आ सच्चाई यीशु मसीह के द्वारा मिलल बा।
18 केहू भगवान के कबो ना देखले बा। एकलौता बेटा जवन पिता के गोदी में बा, उ ओकरा के बता देले बाड़े।
19 यूहन्ना के इहे गवाही ह जब यहूदी लोग यरूशलेम से याजक आ लेवी लोग के भेज के पूछले कि, "तू के हउअ?"
20 ऊ कबूल कइलन आ इनकार ना कइलन। लेकिन कबूल कईले कि, हम मसीह ना हईं।
21 उ लोग ओकरा से पूछले, "त का? का तू एलियास हउअ? उ कहलस कि हम नईखी। का तू ऊ भविष्यवक्ता हउअ? ऊ जवाब दिहलन, "ना!"
22 तब उ लोग ओकरा से पूछले, "तू के हउअ?" ताकि हमनी के भेजल लोग के जवाब दे सकीले। तू अपना बारे में का कहत बाड़ू?
23 ऊ कहलन, "हम जंगल में एगो के आवाज हईं जे चिल्लात बा कि, "प्रभु के रास्ता सीधा करऽ, जइसन कि यशायाह भविष्यवक्ता कहले रहले."
24 जेकरा के भेजल गइल उ लोग फरीसियन में से रहलन।
25 उ लोग ओकरा से पूछले कि, "तब तू उ मसीह ना हईं, ना एलियास आ ना ही भविष्यवक्ता?
26 यूहन्ना ओह लोग के जवाब दिहलन, "हम पानी से बपतिस्मा देत बानी, लेकिन तोहनी में से एगो खड़ा बा, जेकरा के तू लोग नइखऽ जानत।
27 उहे ह, जे हमरा बाद आवे वाला बा, हमरा से अधिका बा, जेकर जूता के कुंडी खोले लायक नईखी।
28 ई सब यरदन के पार बेथाबरा में भइल जहाँ यूहन्ना बपतिस्मा देत रहले।
29 अगिला दिने यूहन्ना यीशु के अपना लगे आवत देखले आ कहले, "देखऽ, उ परमेश्वर के मेमना ह, जवन दुनिया के पाप के दूर कर देला।"
30 इ उहे ह जेकरा बारे में हम कहले रहनी कि, "हमरा बाद एगो आदमी आई जवन हमरा से जादे बा, काहेकि उ हमरा से पहिले रहे।"
31 हम ओकरा के ना जानत रहनी, लेकिन इस्राएल के सामने उ प्रगट होखे के चलते हम पानी से बपतिस्मा देवे आईल बानी।
32 यूहन्ना गवाही देके कहले कि, हम आत्मा के कबूतर निहन स्वर्ग से उतरत देखनी अवुरी उ ओकरा प रह गईल।
33 हम ओकरा के ना जानत रहनी, लेकिन जे हमरा के पानी से बपतिस्मा देवे खातिर भेजले बा, उ हमरा से कहलस कि, "जेकरा प तू आत्मा के उतरत देखब अवुरी ओकरा प रहत देखब, उहे पवित्र आत्मा से बपतिस्मा देवेला।"
34 हम देखनी आ गवाही देनी कि इ परमेश्वर के बेटा हवे।
35 यूहन्ना के दू गो चेलन के बाद अगिला दिने फेरु खड़ा हो गइलन।
36 चलत-चलत यीशु के देखत कहलन, "देखऽ, परमेश्वर के मेमना हउवें!"
37 दुनो चेला उनकर बात सुन के यीशु के पीछे-पीछे चल गईले।
38 तब यीशु मुड़ के देखलन कि उ लोग के पीछे-पीछे पीछे-पीछे चलत रहले आ पूछले, " तू लोग का खोजत बाड़ू? उ लोग ओकरा से पूछले, "रब्बी, (जवना के मतलब बा कि "गुरु" तू कहाँ रहत बाड़ू?
39 उ लोग से कहलस, " आके देखऽ।" उ लोग आके देखले कि उ कहाँ रहत रहले अवुरी उ दिन उनुका संगे रहले, काहेंकी करीब दसवां बजे के समय रहे।
40 यूहन्ना के बात सुन के उनकरा पीछे-पीछे चलल दुनो लोग में से एगो सिमोन पतरस के भाई अंद्रियास रहले।
41 उ सबसे पहिले आपन भाई सिमोन के पाके कहलस, "हमनी के मसीह मिल गईल बा, जवना के मतलब मसीह ह।"
42 उ ओकरा के यीशु के लगे ले अइले। जब यीशु ओकरा के देखले त कहले, " तू योना के बेटा शमौन हउअ।
43 ओकरा बाद के दिने यीशु गलील जाए के चाहत रहले, आ फिलिपुस के पाके कहले, " हमरा पीछे चलीं।"
44 फिलिपुस बेतसैदा के रहे वाला रहले, जवन अंद्रियास आ पतरस के शहर रहे।
45 फिलिपुस नथनील के खोज के कहलस, "हमनी के उ यूसुफ के बेटा नासरत के यीशु मिल गईल बा, जेकरा बारे में मूसा व्यवस्था में लिखले रहले।"

46 नथनील ओकरा से कहलस, का नासरत से कवनो बढ़िया बात निकल सकेला? फिलिपुस ओकरा से कहलस, "आके देखऽ।"
47 यीशु नथनील के उनकरा लगे आवत देख के उनकरा बारे में कहलन, " देखऽ, एगो इस्राएली हउवें, जेकरा में कवनो धोखा नइखे!"
48 नथनील ओकरा से कहलस, "तू हमरा के कहाँ से जानत बाड़ू? यीशु जवाब दिहलन, " फिलीप तोहरा के बोलावे से पहिले जब तू अंजीर के पेड़ के नीचे रहलू त हम तोहरा के देखले रहनी।
49 नथनील ओकरा से कहलस, "रब्बी, तू परमेश्वर के बेटा हउअ। तू इस्राएल के राजा हउअ।
50 यीशु जवाब दिहलन, " हम तोहरा से कहनी कि हम तोहरा के अंजीर के पेड़ के नीचे देखले बानी, का तू विश्वास करत बाड़ऽ? तू एह से बड़हन चीज देखबऽ।
51 उ ओकरा से कहलस, "हम तोहसे सच कहत हई कि अब तोहके स्वर्ग खुलल देखब आ परमेश्वर के दूत के आदमी के बेटा पर चढ़त आ उतरत देखब।"

अध्याय 2 के बा

1 तीसरा दिन गलील के काना में बियाह भइल। आ यीशु के महतारी उहाँ रहली।
2 यीशु आ उनकर चेलन दुनु के बियाह में बोलावल गइल।
3 जब उ लोग के शराब के कमी रहे त यीशु के महतारी उनुका से कहली, "ओकनी के शराब नईखे।"
4 यीशु ओकरा से पूछले, " मेरी, तोहरा से हमार का संबंध बा? हमार घड़ी अभी तक नइखे आइल।
5 उनकर माई नौकरन से कहली, "उ तोहनी से जवन कुछ कहे, उहे करऽ।"
6 उहाँ यहूदी लोग के शुद्ध करे के तरीका के अनुसार छह गो पत्थर के घड़ा रखल रहे, जवना में एक-एक में दू-तीन फरकीन रहे।
7 यीशु उनकरा से कहलन, "घड़ा में पानी भर दीं।" आ ऊ लोग ओह लोग के किनारा तक भर दिहल.
8 ऊ ओह लोग से कहलन कि अब बाहर निकाल के भोज के राज्यपाल के लगे ले जा। आ ऊ लोग ओकरा के उघार कर दिहल.
9 जब भोज के शासक शराब बनावल पानी के स्वाद लेले, लेकिन ना पता चलल कि उ कहाँ से आईल बा।
10 ऊ ओकरा से कहलस, "शुरुआत में हर आदमी बढ़िया शराब पीयेला। आ जब आदमी बढ़िया से शराब पी लेले बा त जवन खराब होला, लेकिन तू अब तक बढ़िया शराब के रखले बाड़ू।
11 ई चमत्कार के शुरुआत गलील के काना में कइलन आ आपन महिमा प्रकट कइलन। उनकर चेला लोग उनकरा पर बिसवास कइल।
12 एकरा बाद उ अपना महतारी, भाई-बहिन आ चेला लोग कफरनहूम गईले अवुरी उ लोग बहुत दिन ना रहले।
13 यहूदियन के फसह के परब नजदीक आ गइल आ यीशु यरूशलेम चल गइलन।
14 मंदिर में बैल, भेड़ आ कबूतर बेचे वाला लोग आ पइसा बदले वाला लोग बइठल मिलल।
15 जब ऊ छोट-छोट डोरी से कोड़ा मार के सब लोग के मंदिर से भगा दिहलन, भेड़ आ बैल के भी। आ बदले वाला लोग के पइसा उझिल के टेबुल उखाड़ दिहलस।
16 कबूतर बेचे वाला लोग से कहलस, " ई सब चीज इहाँ से ले जा। हमरा पिता के घर के माल के घर मत बनाईं।
17 उनकर चेलन के इयाद भइल कि धर्म में लिखल रहे, "तोहरा घर के जोश हमरा के खा गइल बा।"
18 तब यहूदी लोग ओकरा से पूछले, "तू इ सब काम करत हमनी के कवन निशानी देखावत बाड़ू?"
19 यीशु जवाब दिहलन, " ई मंदिर के नष्ट कर दीं आ हम तीन दिन में एकरा के खड़ा कर देब।"
20 यहूदी लोग कहल कि, "छियालीस साल से इ मंदिर बनत रहे, आ का तू तीन दिन में एकरा के खड़ा करब?"
21 लेकिन उ अपना देह के मंदिर के बारे में बतवले।
22 जब उ मुवलन में से जी उठलन त उनकर चेलन के याद आ गईल कि उ उ लोग से इ बात कहले रहले। उ लोग पवित्रशास्त्र आऊ यीशु के कहल बात पर विश्वास कइल।
23 जब उ फसह के पर्व के दिन यरूशलेम में रहले त बहुत लोग उनुका नाम प विश्वास कईले।
24 लेकिन यीशु अपना के ओ लोग के हाथ में ना रखले, काहेकि उ सब आदमी के जानत रहले।
25 आदमी के बारे में गवाही देवे के जरूरत ना रहे, काहेकि उ आदमी में का बा, ओकरा के जानत रहे।

अध्याय 3 के बा

1 फरीसियन में से एगो आदमी रहले, जेकर नाम निकोदेमस रहे, जवन यहूदी लोग के शासक रहले।
2 उ रात में यीशु के लगे आके कहलस, "गुरु, हम जानत बानी कि तू परमेश्वर के ओर से आइल एगो गुरु हउअ, काहेकि तू जवन चमत्कार करत बाड़ू, तब तक केहू भी ना कर सकेला, जब तक कि परमेश्वर ओकरा साथे ना होखस।"
3 यीशु ओकरा से कहलन, " हम तोहरा से सच कहत हई कि जब तक आदमी के नया जनम ना होई, तब तक उ परमेश्वर के राज्य के ना देख पाई।"
4 निकोदेमस ओकरा से कहलस, "जब आदमी बूढ़ हो जाई त कइसे पैदा हो सकेला? का ऊ दूसरा बेर अपना महतारी के पेट में घुस के जनम ले सकेला?
5 यीशु जवाब दिहलन, " हम तोहरा से सच कहत बानी कि जब तक आदमी पानी आ आत्मा से पैदा ना होई तब तक उ परमेश्वर के राज्य में ना जा सकेला।
6 जवन शरीर से पैदा होला ऊ मांस ह। आ जवन आत्मा से पैदा भइल बा ऊ आत्मा ह।
7 अचरज मत करीं कि हम तोहरा से कहनी कि तोहरा के नया जनम लेबे के पड़ी।
8 हवा जहाँ मन करेला उहाँ बहेला आ तू ओकर आवाज सुनत बाड़ू, लेकिन इ ना बता पवनी कि उ कहाँ से आवेला आ कहाँ जात बा।
9 निकोदेमस ओकरा से कहलन, "ई सब कइसे हो सकेला?
10 यीशु जवाब दिहलन, "का तू इस्राएल के मालिक हउअ आ ई सब बात नइख जानत?"
11 हम तोहरा से साँच कहत बानी कि हमनी के उहे बात कहत बानी जा जवन हमनी के जानत बानी जा आ गवाही देत बानी जा

कि हमनी के देखले बानी जा। आ तू हमनी के गवाही नइखऽ पावत।
12 अगर हम तोहनी के सांसारिक बात बतवले बानी आ तू विश्वास ना करब त तू लोग कइसे बिसवास करब?
13 केहू स्वर्ग में ना चढ़ल, सिवाय स्वर्ग से उतरल आदमी के बेटा जे स्वर्ग में बा।
14 जइसे मूसा जंगल में साँप के उठवले रहले, ओइसहीं आदमी के बेटा के ऊपर उठावे के होई।
15 ताकि जे भी ओकरा पर विश्वास करेला, उ नाश ना होखे, बल्कि अनन्त जीवन पावे।
16 काहेकि परमेश्वर दुनिया से एतना प्रेम कइलन कि उ आपन एकलौता बेटा दे दिहलन ताकि जे भी उनकरा पर विश्वास करेला उ नाश ना होखे, बल्कि अनन्त जीवन पावे।
17 काहेकि परमेश्वर अपना बेटा के दुनिया में नइखन भेजले कि उ दुनिया के दोषी ठहरावे। लेकिन ओकरा से दुनिया के उद्धार होखे।
18 जे ओकरा पर विश्वास करेला ओकरा के दोषी ना ठहरावल जाला, लेकिन जे विश्वास ना करेला, ओकर दोष पहिलही से हो गईल बा, काहेकि उ परमेश्वर के एकलौता बेटा के नाम प विश्वास नईखे कईले।
19 इहे दोषी बा कि दुनिया में रोशनी आ गईल बा, आ आदमी रोशनी से ज्यादा अन्हार से प्यार करत रहे, काहे कि उनकर काम बुरा रहे।
20 काहे कि जे भी बुराई करेला उ रोशनी से नफरत करेला आ ना ही उ रोशनी में आवेला कि कहीं ओकर काम के डांट ना मिले।
21 लेकिन जे सच्चाई के काम करेला, उ रोशनी में आवेला ताकि ओकर कर्म प्रकट होखे कि उ परमेश्वर में भईल बा।
22 एकरा बाद यीशु आ उनकर चेलन यहूदिया के देश में अइले। उहाँ उ ओकनी के संगे रह के बपतिस्मा लेले।
23 यूहन्ना भी सलीम के लगे एनोन में बपतिस्मा देत रहले, काहे कि उहाँ बहुत पानी रहे।
24 काहेकि यूहन्ना के अभी तक जेल में ना डालल गईल रहे|
25 तब यूहन्ना के कुछ चेलन आ यहूदी लोग के बीच शुद्धि के बारे में सवाल उठल।
26 ऊ लोग यूहन्ना के लगे जाके कहलस, "रब्बी, ऊ जे तोहरा साथे यरदन के ओह पार रहे, जेकरा बारे में तू गवाही देले रहलू, ऊ बपतिस्मा देत बा आ सब लोग ओकरा लगे आवत बा।
27 यूहन्ना जवाब दिहलन, "मनुष्य के कुछुओ ना मिल सकेला जब तक कि ओकरा के स्वर्ग से ना दिहल जाव।"
28 तू खुदे हमरा के गवाही देत बानी कि हम कहनी कि हम मसीह ना हईं, बलुक ओकरा से पहिले भेजल गइल बानी।
29 जेकरा लगे दुलहिन बा ऊ दूल्हा ह, लेकिन दूल्हा के दोस्त जे खड़ा होके ओकर बात सुनेला, उ दुल्हिन के आवाज से बहुत खुश हो जाला, एहसे हमार खुशी पूरा हो गईल।
30 ओकरा बढ़े के पड़ी, लेकिन हमरा घटे के पड़ी।
31 ऊपर से आवे वाला सब से ऊपर बा, धरती से आवे वाला पृथ्वी के हवे आ धरती के बारे में बात करेला।
32 उ जवन देखले आ सुनले बाड़े, उहे गवाही देत बाड़े। आ केहू ओकर गवाही ना ग्रहण करेला।
33 जे ओकर गवाही ग्रहण कइले बा ऊ अपना मुहर पर लगा दिहले बा कि भगवान सच्चा हउवें.
34 काहेकि जेकरा के परमेश्वर भेजले बाड़न उ परमेश्वर के बात कहेला, काहेकि परमेश्वर ओकरा के नाप में आत्मा ना देले।
35 पिता बेटा से प्यार करेलन आ सब कुछ अपना हाथ में देले बाड़न।
36 जे बेटा पर विश्वास करेला ओकरा अनन्त जीवन बा, आ जे बेटा पर विश्वास ना करी ओकरा जीवन ना लउकी। लेकिन भगवान के क्रोध ओकरा पर बनल रहेला।

अध्याय 4 के बा

1 जब प्रभु जान गइलन कि फरीसी लोग कइसे सुनले बा कि यीशु यूहन्ना से अधिका चेला बना के बपतिस्मा देले।
2 (हालांकि यीशु खुदे बपतिस्मा ना दिहलन, बलुक उनकर चेला लोग के बपतिस्मा दिहलन)।
3 ऊ यहूदिया छोड़ के फेर से गलील चल गइलन।
4 आ ओकरा सामरिया से होके जाए के जरूरत बा।
5 तब उ सामरिया के एगो शहर में पहुंचले, जवना के नाम सकर कहल जाला, जवन जमीन याकूब के अपना बेटा यूसुफ के देले रहले।
6 अब याकूब के इनार उहाँ रहे। यीशु अपना यात्रा से थक के इनार पर अईसन बईठ गईले।
7 उहाँ एगो सामरिया के मेहरारू पानी खींचे आइल बिया, यीशु ओकरा से कहलन, " हमरा के पीये दीं।"
8 (काहेकि उनकर चेला लोग खाना खरीदे खातिर शहर चल गईल रहले।)
9 सामरिया के मेहरारू ओकरा से कहलस कि, तू यहूदी होखला के नाते हमरा से पीये के मांग कईसे? काहे कि यहूदी लोग के सामरी लोग से कवनो व्यवहार नइखे।
10 यीशु ओकरा से कहलन, " जदि तू परमेश्वर के वरदान के जानत रहितऽ अउर के ह जे तोहरा से कहत बा कि हमरा के पी दऽ। तू ओकरा से माँगले रहतऽ आ ऊ तोहरा के जिंदा पानी देत।
11 मेहरारू ओकरा से कहलस, "महाराज, तोहरा लगे कुछ भी नइखे, आ इनार गहिराह बा।
12 का तू हमनी के बाप याकूब से बड़ बाड़, जे हमनी के कुआं देले रहले अवुरी उ खुद, अपना लईका अवुरी अपना पशु-पक्षी के पियले रहले?
13 यीशु ओकरा से कहलन, " जे केहू एह पानी से पीयेला, ओकरा फेर से प्यास लागी।
14 लेकिन जे भी पानी हम देब, उ कबो प्यास ना करी। लेकिन जवन पानी हम ओकरा के देब उ ओकरा में पानी के कुआँ बन जाई जवन अनन्त जीवन में उभर के निकलेला।
15 ऊ मेहरारू ओकरा से कहलस, "महाराज, हमरा के ई पानी दे दीं कि हम प्यास मत करीं आ ना ही इहाँ पानी पानी निकाले आईं।"
16 यीशु ओकरा से कहलन, " जा, अपना पति के बोला के इहाँ आ जा।"
17 मेहरारू जवाब दिहली, "हमरा कवनो पति नइखे।" यीशु ओकरा से कहलन, " तू बढ़िया से कहले बाड़ऽ कि हमार कवनो पति नइखे।
18 काहेकि तोहरा पांच गो पति रहलन। आ जे तोहरा लगे अब बा ऊ तोहार पति ना हऽ।

19 मेहरारू ओकरा से कहलस, “महाराज, हम समझत बानी कि तू एगो भविष्यवक्ता हउअ।”
20 हमनी के पुरखा लोग एह पहाड़ में पूजा करत रहले। आ तू कहत रहलू कि यरूशलेम में उ जगह ह जहाँ आदमी के पूजा करे के चाहीं।
21 यीशु ओकरा से कहलन, “ मेरी, हमरा पर विश्वास करीं, उ समय आई जब तू लोग ना त एह पहाड़ में आ ना यरूशलेम में पिता के पूजा करब।
22 तू लोग आराधना करत बाड़ऽ, तूँ का नइखऽ जानत, हमनी के जानत बानी जा कि हमनी के का पूजत बानी जा, काहे कि उद्धार यहूदी लोग से मिलेला।
23 लेकिन उ समय आवत बा, आ अब बा, जब सच्चा उपासक लोग आत्मा आ सच्चाई से पिता के आराधना करीहे, काहेकि पिता अयीसन लोग के उपासना करे के कोशिश करेले।
24 परमेस् वर एगो आत् मा हवें, आउर जे उनकर आराधना करेलन, उनके आत् मा आ सच्चाई से उनकर आराधना करे के चाहीं।
25 ऊ मेहरारू ओकरा से कहलस, “हम जानत बानी कि मसीह आवे वाला बाड़न, जेकरा के मसीह कहल जाला।
26 यीशु ओकरा से कहलन, “ हम जे तोहरा से बात करत बानी, उहे हईं।”
27 एह पर उनकर चेलन आके अचरज में पड़ गइलन कि ऊ ओह औरत से बात करत रहले, तबो केहू ना कहलस कि, “तू का खोजत बाड़ू?” या, तू ओकरा से काहे बात करत बाड़ू?
28 ऊ मेहरारू आपन घड़ा छोड़ के शहर में चल गइल आ आदमी लोग से कहलस।
29 आके एगो आदमी के देखऽ, जे हमरा के जवन कुछ कइले बानी, उ सब कुछ बतवले रहे।
30 तब उ लोग शहर से बाहर निकल के उनुका लगे पहुंचले।
31 एही बीच उनकर चेला लोग उनकरा से प्रार्थना करत कहलन कि, “गुरु, खा लीं!”
32 लेकिन उ ओ लोग से कहलस, “ हमरा लगे खाना बा जवना के बारे में तोहनी नईखी जानत।”
33 एह से चेला लोग एक दूसरा से कहलस, “का केहू ओकरा के खाना खाए खातिर ले आइल बा?”
34 यीशु उनकरा से कहलन, “ हमरा के भेजे वाला के मर्जी पूरा करे के आ ओकर काम पूरा करे के हमार भोजन बा।”
35 तू लोग ई ना कहऽ कि अब चार महीना बा, ओकरा बाद फसल के फसल आवे वाला बा? देखऽ, हम तोहनी से कहत बानी कि आँख उठा के खेत के ओर देखऽ। काहे कि ऊ लोग फसल काटे खातिर पहिलहीं से गोर हो गइल बा.
36 फसल काटे वाला के मजदूरी मिलेला आ अनन्त जीवन खातिर फल बटोरेला, ताकि बोवे वाला आ कटाई करे वाला दुनु एक संगे खुश हो सके।
37 इ कहत साँच बा, “एक बोवेला आ दोसर फसल काटेला।”
38 हम तोहनी के उहे फसल काटे खातिर भेजले बानी जवना पर तू लोग कवनो मेहनत ना कइनी, दोसर लोग मेहनत कइल आ तोहनी ओह लोग के मेहनत में लागल बाड़ऽ।
39 ओह नगर के बहुत सारा सामरी लोग उनकरा पर बिसवास कइल, उ औरत के इ बात के चलते जवन गवाही देले रहे कि, “उ हमरा के जवन कुछ कईले रहनी, उ सब बतवले रहले।”
40 जब सामरी लोग उनकरा लगे अइले त उनकरा से निहोरा कइलन कि उ उनकरा साथे रहे।
41 उनकरा आपन वचन के चलते अउरी बहुत लोग विश्वास कईले|
42 ऊ मेहरारू से कहलस, “अब हमनी के तोहार बात के चलते विश्वास करत बानी जा, काहेकि हमनी के खुद ओकर बात सुनले बानी जा आ जानत बानी जा कि ई सचमुच दुनिया के उद्धारकर्ता मसीह हवें।
43 दू दिन बाद उ ओहिजा से निकल के गलील चल गइलन।
44 काहेकि यीशु खुद गवाही देले बाड़न कि भविष्यवक्ता के अपना देश में कवनो आदर ना होला।
45 जब ऊ गलील में अइले त गलील के लोग उनकरा के स्वागत कइल आ उ यरूशलेम में भोज में जवन कुछ कइले रहे, ओकरा के देख के उ लोग भी भोज में गइल रहे।
46 तब यीशु फेर से गलील के काना में अईले, उहाँ उ पानी के शराब बना देले। उहाँ एगो कुलीन आदमी रहले, जेकर बेटा कफरनहूम में बेमार रहे।
47 जब उ सुनले कि यीशु यहूदिया से गलील आ गईल बाड़े, त उ उनुका लगे गईले अवुरी उनुका से निहोरा कईले कि उ उतर के अपना बेटा के ठीक करस, काहेंकी उ मौत के स्थिति में बा।
48 तब यीशु ओकरा से कहलन, “ जब तक तू लोग कवनो चमत्कार आ चमत्कार ना देखब, तब तक तू विश्वास ना करब।”
49 रईस ओकरा से कहलस, “महाराज, हमार लइका मरला से पहिले नीचे आ जाइए।”
50 यीशु ओकरा से कहलन, “ जा जा। तोहार बेटा जिंदा बा। उ आदमी यीशु के कहल बात प विश्वास कईलस अवुरी उ अपना रास्ता से चल गईल।
51 जब ऊ उतरत रहले त उनकर नौकर उनकरा से भेंट करत कहलन कि तोहार बेटा जिंदा बा।
52 तब उ ओह लोग से पूछले कि कब उ सुधार करे लगले। उ लोग ओकरा से कहलस कि काल्ह सातवां बजे बोखार ओकरा के छोड़ के चल गईल।
53 तब पिता जान गईले कि उहे समय बा, जब यीशु ओकरा से कहले रहले कि, “ तोहार बेटा जिंदा बा। ”
54 ई दूसरका चमत्कार बा जवन यीशु यहूदिया से निकल के गलील में कइले रहले।

अध्याय 5 के बा

1 एकरा बाद यहूदी लोग के भोज भइल। आ यीशु यरूशलेम चल गइलन।
2 यरूशलेम में भेड़ के बाजार के किनारे एगो कुंड बा, जवना के इब्रानी भाषा में बेथेस्दा कहल जाला, जवना में पांच गो बरामदा बा।
3 एह में नपुंसक लोग के बहुत भीड़, आन्हर, रुकल, मुरझा गइल, पानी के हिलला के इंतजार करत रहे।
4 काहेकि एक समय में एगो स्वर्गदूत कुंड में उतर के पानी के झकझोर दिहलस।
5 उहाँ एगो आदमी रहे, जे अड़तीस साल से कमजोर रहे।
6 जब यीशु ओकरा के लेट के देखलन आ जान गइलन कि ऊ बहुत दिन से अइसन हालत में बा, त ऊ पूछले, “का तू ठीक होखल चाहत बाड़ू?”
7 ऊ नपुंसक ओकरा के जवाब दिहलस, “महाराज, हमरा लगे केहू नइखे कि जब पानी घबरा जाला त हमरा के कुंड में डाल सके।

8 यीशु ओकरा से कहलन, " उठ, आपन बिछौना उठा के चल जा।"
9 तुरते ऊ आदमी ठीक हो गइल आ आपन बिछौना उठा के चलल आ ओही दिन सब्त के दिन रहे।
10 एही से यहूदी लोग ठीक भइला से कहलन, "सबत के दिन ह, तोहरा बिछौना उठावल जायज नइखे।"
11 ऊ ओह लोग के जवाब दिहलन, "जे हमरा के ठीक कइलस, उहे हमरा से कहलस, "अपना बिछौना उठा के चल जा."
12 तब उ लोग पूछले, "कौन आदमी ह जे तोहरा से कहलस कि, 'अपना बिछौना उठा के चल जा?"
13 जे ठीक भइल ओकरा के पता ना चलल कि ई के ह, काहे कि यीशु ओहिजा के भीड़ रहे।
14 ओकरा बाद यीशु ओकरा के मंदिर में पाके कहलन, " देखऽ, तू ठीक हो गइल बाड़ऽ, अब पाप मत करऽ, कहीं एकरा से भी बुरा बात तोहरा पर मत आ जाव।"
15 उ आदमी चल के यहूदी लोग के बतवले कि यीशु ही उनुका के ठीक कईले बाड़े।
16 एही से यहूदी लोग यीशु के सतावत रहले अवुरी उनुका के मारे के कोशिश कईले, काहेंकी उ सब्त के दिन इ काम कईले रहले।
17 लेकिन यीशु ओ लोग के जवाब देले, " हमार पिता अब तक काम करत बाड़े अवुरी हम काम करतानी।"
18 एही से यहूदी लोग ओकरा के मारे के अउरी कोशिश करत रहे, काहे कि उ ना सिर्फ सब्त के दिन तोड़ देले रहले, बालुक इहो कहले रहले कि परमेश्वर उनुकर पिता हवे अवुरी अपना के परमेश्वर के बराबर बना देले रहले।
19 तब यीशु उनकरा से कहलन, " हम तोहनी से सच कहत हई कि बेटा अपना से कुछ ना कर सकेला, बल्कि उहे काम कर सकेला जवन उ पिता के करत देखत बा।
20 काहेकि पिता बेटा से प्रेम करेलन, आऊ उ सब काम ओकरा के देखावेलन, अउर उ ओकरा के एह से भी बड़ काम देखावेलन ताकि रउवां अचरज में पड़ जाइब।
21 जइसे कि पिता मुअल लोग के जिंदा कर के जिंदा कर देले। ओइसहीं बेटा जेकरा के चाहेला ओकरा के जिंदा कर देला।
22 काहेकि पिता केहू के न्याय ना करेलन, बलुक पूरा न्याय बेटा के सौंप देले बाड़न।
23 सब लोग बेटा के आदर करे, जइसे पिता के आदर करेला। जे बेटा के आदर ना करेला, उ पिता के आदर ना करेला, जे ओकरा के भेजले बाड़े।
24 हम तोहनी से सच कहत हई कि जे हमार बात सुन के हमरा के भेजे वाला पर विश्वास करी, ओकरा अनन्त जीवन बा, लेकिन उ दोषी ना होई। लेकिन मौत से जीवन में आ गईल बा।
25 हम तोहनी से साँच कहत हई कि उ समय आ रहल बा आ अब बा, जब मुअल लोग परमेश्वर के बेटा के आवाज सुन जइहें आ सुनत लोग जिंदा हो जइहें।
26 जइसे पिता के अपना में जीवन बा। ओइसहीं ऊ बेटा के अपना में जीवन पावे खातिर देले बाड़न।
27 ओकरा के न्याय करे के अधिकार भी देले बा, काहे कि उ आदमी के बेटा हवे।
28 एह बात से अचरज मत करीं, काहेकि उ समय आवे वाला बा, जवना में कब्र में मौजूद सब लोग उनुकर आवाज सुनाई।
29 आऊ निकल के निकलिहें। जे लोग भलाई कइले बा, उ लोग जीवन के जी उठला खातिर। आ बुराई करे वाला लोग के दंड के जी उठल।
30 हम अपना से कुछ ना कर सकेनी, जइसे सुनत बानी, हम न्याय करत बानी, आ हमार न्याय न्यायसंगत बा। काहे कि हम आपन इच्छा ना खोजत बानी, बलुक ओह पिता के इच्छा के खोजत बानी जे हमरा के भेजले बाड़न।
31 अगर हम अपना बारे में गवाही देत बानी त हमार गवाही सही नइखे।
32 एगो अउरी बा जे हमरा बारे में गवाही देत बा। आ हम जानत बानी कि ऊ हमरा बारे में जवन गवाही देत बाड़न ऊ साँच बा.
33 तोहनी यूहन्ना के लगे भेजनी, उ सच्चाई के गवाही देले।
34 लेकिन हम आदमी से गवाही नईखी पावत, लेकिन इ बात हम कहत बानी कि तोहनी के उद्धार हो सके।
35 ऊ एगो जरत आ चमकत रोशनी रहले आ रउरा सभे ओकरा रोशनी में कुछ समय खातिर खुश रहे के तइयार रहनी।
36 लेकिन यूहन्ना से भी बड़ गवाह हमरा लगे बा, काहेकि जवन काम पिता हमरा के पूरा करे के देले बाड़े, उहे काम हम करेनी, उहे काम हमरा बारे में गवाही देत बाड़े कि पिता हमरा के भेजले बाड़े।
37 हमरा के भेजल पिता खुद हमरा बारे में गवाही देले बाड़े। ना त कबो ओकर आवाज सुनले होखब, ना ओकर आकार देखले होखब।
38 तोहनी में ओकर वचन टिकल नइखे, काहे कि जेकरा के ऊ भेजले बा, ओकरा पर तू विश्वास नइखऽ।
39 शास्त्र के खोज करीं; काहेकि तू लोग सोचत हऽ कि तोहनी के अनन्त जीवन मिलल बा आ उहे लोग हमरा बारे में गवाही देत बा।
40 तू लोग हमरा लगे ना आवे के चाहत बाड़ू कि तोहनी के जीवन मिल सके।
41 हमरा आदमी से आदर ना मिलेला।
42 लेकिन हम तोहनी के जानत हई कि तोहनी में परमेश्वर के प्रेम नइखे।
43 हम अपना पिता के नाम से आईल बानी, लेकिन तू हमरा के ग्रहण नईखी करत।
44 तू लोग कइसे बिसवास कर सकेला कि एक दूसरा के आदर पावेला आ खाली परमेश्वर के ओर से मिले वाला आदर के खोज ना करेनी?
45 ई मत सोचऽ कि हम तोहनी पर पिता के सामने आरोप लगाइब, एगो अइसन आदमी बा जे तोहनी पर आरोप लगावत बा, ऊ मूसा ह, जेकरा पर तू भरोसा करत बाड़ऽ।
46 अगर तू लोग मूसा के बिसवास करित त हमरा पर बिसवास करित, काहेकि उ हमरा बारे में लिखले रहलन।
47 लेकिन अगर तू उनकर लेखन पर विश्वास ना करब त हमार बात पर विश्वास कईसे करब?

अध्याय 6 के बा

1 एकरा बाद यीशु गलील के समुंदर के पार चल गईले, जवन कि तिबेरिया के समुंदर ह।
2 बहुत भीड़ उनकरा पीछे-पीछे चलल, काहेकि उ लोग उनकर चमत्कार देख के जवन उ बेमार लोग पर करत रहले|

3 यीशु एगो पहाड़ पर चढ़ गइलन आ उहाँ उ अपना चेलन के साथे बइठ गइलन।
4 यहूदी लोग के फसह के परब नजदीक आ गईल रहे।
5 जब यीशु आपन आँख उठा के देखलन कि एगो बड़हन भीड़ उनका लगे आवत बा, त फिलिपुस से पूछले, " हमनी के रोटी कहाँ से खरीदब जा ताकि इ लोग खा सके?
6 उ इ बात ओकरा के परख के कहलस, काहेकि उ खुद जानत रहले कि उ का करीहे।
7 फिलिपुस जवाब दिहलन, "उनका खातिर दू सौ पइसा के रोटी पर्याप्त नइखे कि हर केहू थोड़-बहुत रोटी ले सके।"
8 उनकर एगो चेला सिमोन पतरस के भाई अँड्रियास उनका से कहलस।
9 इहाँ एगो लईका बा, जेकरा लगे पांच जौ के रोटी अवुरी दुगो छोट मछरी बा, लेकिन एतना मछरी में इ का बा?
10 यीशु कहलन, "पुरुषन के बइठा दऽ।" अब ओह जगहा बहुत घास हो गइल रहे। त उ लोग बईठ गईले, संख्या में करीब पांच हजार।
11 यीशु रोटी लेके चल गइलन। जब ऊ धन्यवाद दिहलन त चेला लोग के आ चेला लोग के बईठल लोग में बाँट दिहलन। आ ओही तरह मछरी के भी ओतने जतना चाहत रहे।
12 जब उ लोग पेट भर गईले त उ अपना चेलन से कहले, " बचे वाला टुकड़ा के बटोर लीं ताकि कुछुओ ना गँवावल जा सके।"
13 एही से उ लोग ओह लोग के बटोर के बारह गो टोकरी में जौ के पांच रोटी के टुकड़ा भर देले, जवन कि खाए वाला लोग के ऊपर से ऊपर रहे।
14 उ लोग यीशु के कइल चमत्कार देख के कहले, "ई सच में उ भविष्यवक्ता हवे जे दुनिया में आवे वाला बा।"
15 जब यीशु के पता चलल कि उ लोग ओकरा के राजा बनावे खातिर जबरन पकड़ के ले जईहे त उ खुद अकेले पहाड़ प चल गईले।
16 जब साँझ हो गइल त उनकर चेला लोग समुंदर में उतर गइलन।
17 एगो जहाज में सवार होके समुंदर के पार कफरनहूम के ओर चल गईले। अब अन्हार हो गइल रहे आ यीशु ओह लोग के लगे ना अइले।
18 तेज हवा के चलते समुंदर उठल।
19 जब उ लोग करीब पांच बीस-तीस फर्लांग तक नाव चलावत रहले त उ लोग यीशु के समुंदर प चलत देख के जहाज के नजदीक आवत रहले, त उ लोग डेरा गईले।
20 लेकिन उ लोग से कहलस, " हम हईं। डेराए के ना होखे।
21 तब उ लोग ओकरा के अपना मर्जी से जहाज में सवार कईले अवुरी तुरंत जहाज उ जमीन प पहुंच गईल, जहां उ लोग जात रहले।
22 ओकरा बाद जब समुंदर के ओह पार खड़ा लोग देखलस कि उहाँ कवनो नाव के अलावा कवनो नाव नइखे, जवना में उनकर चेला लोग घुसल रहे, आ यीशु अपना चेलन के साथे नाव में ना बईठ गइलन चेला लोग अकेले चल गइल रहले;
23 (तबकि प्रभु धन्यवाद दिहला के बाद तिबेरिया से दोसर नाव ओहि जगह के नजदीक आ गईली, जहवा उ लोग रोटी खात रहले।)
24 जब लोग देखल कि यीशु उहाँ नइखन, ना उनकर चेलन, त उ लोग भी जहाज से सवार होके कफरनहूम आके यीशु के खोजत चल गईले|
25 जब उ लोग ओकरा के समुंदर के ओह पार मिल के पूछले, "गुरु, तू कब इहाँ आईल बाड़ू?"
26 यीशु ओह लोग के जवाब दिहलन, " हम तोहनी से सच कहत बानी कि तू लोग हमरा के एह से ना खोजत बाड़ऽ कि तू लोग चमत्कार देखनी, बलुक एह से कि तू लोग रोटी खा के पेट भर गइल बाड़ऽ।
27 नाश होखे वाला भोजन खातिर मेहनत मत करीं, बलुक ओह भोजन खातिर मेहनत करीं जवन अनन्त जीवन खातिर टिकल बा, जवन मनुष्य के बेटा तोहनी के दिहे।
28 तब उ लोग ओकरा से पूछले, "हमनी के का करीं जा कि हमनी के परमेश्वर के काम के काम कर सकीले?"
29 यीशु उ लोग से कहलन, " परमेशवर के काम इहे ह कि रउवां जेकरा के उ भेजले बाड़े, ओकरा पर विश्वास करीं।"
30 उ लोग उनकरा से पूछले, "तब तू कवन निशानी देखावत बाड़ू कि हमनी के तोहरा के देख के विश्वास कर सकीले?" तू का काम करत बाड़ू?
31 हमनी के पुरखा लोग रेगिस्तान में मन्ना खात रहले। जइसे कि लिखल बा, "उ ओह लोग के स्वर्ग से रोटी देले बाड़न कि ऊ लोग खाए।"
32 तब यीशु ओह लोग से कहलन, " हम तोहनी से सच कहत हई कि मूसा तोहनी के ऊ रोटी स्वर्ग से ना दिहले रहले। लेकिन हमार पिता तोहनी के स्वर्ग से सच्चा रोटी देत बाड़े।
33 काहेकि परमेश्वर के रोटी उहे ह जवन स्वर्ग से उतर के दुनिया के जीवन देवेला।
34 तब उ लोग ओकरा से कहलस, "प्रभु, हमनी के हमेशा इ रोटी दे दीं।"
35 यीशु उनकरा से कहलन, " हम जीवन के रोटी हईं, जे हमरा लगे आई, उ कबो भूख ना लागी। आ जे हमरा पर बिसवास करी ऊ कबो प्यास ना करी।
36 लेकिन हम तोहनी से कहनी कि तू भी हमरा के देखले बाड़ू, लेकिन विश्वास नईखी करत।
37 पिता हमरा के जवन कुछ देले बाड़े उ सब हमरा लगे आई। आ जे हमरा लगे आई ओकरा के हम कवनो तरह से बाहर ना निकालब।
38 हम स्वर्ग से उतरल बानी, अपना मर्जी के पूरा करे खातिर, बलुक हमरा के भेजे वाला के इच्छा के पूरा करे खातिर उतरल बानी।
39 हमरा के भेजल पिता के इहे इच्छा ह कि उ हमरा के जवन कुछ देले बाड़े, ओकरा में से हम कुछ ना गंवा दीं, लेकिन अंतिम दिन ओकरा के फेर से जिंदा कर दीं।
40 हमरा के भेजे वाला के इहे इच्छा बा कि जे केहू बेटा के देख के ओकरा पर विश्वास करी ओकरा अनन्त जीवन मिले, आ हम ओकरा के अंतिम दिन जिंदा कर देब।
41 तब यहूदी लोग ओकरा पर बड़बड़ात रहले काहे कि उ कहले रहले कि, हम उ रोटी हई जवन स्वर्ग से उतरल बा।
42 उ लोग पूछले, "का इ यूसुफ के बेटा यीशु ना हवे, जेकर बाप-माई के हमनी के जानत बानी जा?" तब ऊ कइसे कहत बाड़न कि हम स्वर्ग से उतरल बानी?
43 यीशु उ लोग से कहलन कि आप लोग आपस में बड़बड़ाहट मत करीं।
44 जबले हमरा के भेजले बाप के पिता ओकरा के ना खींच लेव, तब तक केहु हमरा लगे ना आ सकेला।

45 भविष्यवक्ता लोग में लिखल बा कि, "उ सब के परमेश्वर से सिखावल जाई।" एह से जे भी आदमी पिता के बारे में सुनले बा आ सीखले बा, उ हमरा लगे आवेला।
46 ई ना कि केहू पिता के देखले बा, सिवाय उहे परमेश्वर के, उ पिता के देखले बा।
47 हम तोहनी से सच कहत हई कि जे हमरा पर विश्वास करेला ओकरा अनन्त जीवन बा।
48 हम उ जीवन के रोटी हई।
49 तोहार पुरखन जंगल में मन्ना खइले रहले आ मर गइल बाड़े।
50 इहे रोटी ह जवन स्वर्ग से उतरत बा, ताकि आदमी ओकरा के खा के मर ना पावे।
51 हम स्वर्ग से उतरल जिंदा रोटी हईं, अगर केहू एह रोटी के खाई त ऊ हमेशा खातिर जिंदा रही आ हम जवन रोटी देब ऊ हमार मांस ह जवन हम दुनिया के जान खातिर देब।
52 यहूदी लोग आपस में झगड़ा करत कहले, "ई आदमी हमनी के आपन मांस कइसे दे सकेला?
53 तब यीशु ओह लोग से कहलन, " हम तोहनी से सच कहत हई कि जब तक तू लोग मनुष्य के बेटा के मांस ना खाइब आ ओकर खून ना पीबऽ, तब तक तोहनी में कवनो जान नइखे।
54 जे हमार मांस खा के हमार खून पीयेला, ओकरा अनन्त जीवन बा। आ हम ओकरा के अंतिम दिन जिंदा कर देब।
55 काहेकि हमार मांस साँचहू भोजन ह आ हमार खून साँचहू पेय ह।
56 जे हमार मांस खाला आ हमार खून पीयेला, उ हमरा में रहेला आ हम ओकरा में।
57 जइसे जीवित पिता हमरा के भेजले बाड़न आ हम पिता के द्वारा जियत बानी, ओइसहीं जे हमरा के खाई, उ हमरा से जिंदा रही।
58 इहे उ रोटी ह जवन स्वर्ग से उतरल रहे, जईसे तोहनी के पुरखन मन्ना खईले रहले अवुरी मर गईल रहले।
59 ऊ कफरनहूम में पढ़ावत घरी आराधनालय में इ सब बात कहले।
60 ई बात सुन के उनकर बहुत चेलन कहलन कि ई कड़ा बात ह। के सुन सकेला?
61 जब यीशु अपना मन में जान गइलन कि उनकर चेलन एह बात पर बड़बड़ात बाड़े त उ लोग से कहलन कि का ई तोहनी के ठेस पहुँचावत बा?
62 अगर तू लोग आदमी के बेटा के जहाँ पहिले रहले ओहिजा चढ़त देखब त का होई?
63 इहे आत्मा ह जवन जीव देवेला। शरीर के कवनो फायदा ना होला, जवन बात हम तोहनी से कहत बानी, उ आत्मा ह आ जीवन ह।
64 तोहनी में से कुछ लोग अइसन बा जे विश्वास ना करेला। काहेकि यीशु शुरू से ही जानत रहलन कि उ लोग के हवें जे विश्वास ना कइले आ के उनकरा के धोखा देवे वाला बा।
65 उ कहलस, " हम तोहनी से कहनी कि जब तक हमार पिता के ओर से ओकरा के ना दिहल जाई, तब तक केहु हमरा लगे ना आ सकता।"
66 तब से उनकर बहुत चेला वापस चल गईले अवुरी अब उनुका संगे ना चलले।
67 तब यीशु बारह लोग से कहलन, " का तूहूँ चल जाईं?"
68 तब सिमोन पतरस ओकरा से कहलन, "हे प्रभु, हमनी के केकरा लगे जाईं जा?" तोहरा लगे अनन्त जीवन के वचन बा।
69 हमनी के विश्वास बा आ पक्का बा कि तू उ मसीह, जिंदा परमेश्वर के बेटा हउअ।
70 यीशु उनके जवाब दिहलन, " का हम तोहनी के बारह लोग के ना चुनले बानी आ तोहनी में से एगो शैतान ह?
71 उ शिमोन के बेटा यहूदा इस्करियोती के बारे में कहले रहले, काहेकि उ बारह में से एगो रहले, उहे उनुका के धोखा देवे वाला रहले।

अध्याय 7 के बा

1 एह सब के बाद यीशु गलील में चलल, काहेकि उ यहूदी धर्म में ना चले के चाहत रहले, काहेकि यहूदी लोग उनकरा के मारे के कोशिश करत रहले।
2 यहूदियन के तम्बू के परब नजदीक आ गईल रहे।
3 उनकर भाई लोग उनकरा से कहलन, "इहाँ से जाके यहूदिया में जा, ताकि तोहार चेलन भी देख सके कि तू जवन काम करत बाड़ऽ।"
4 काहे कि केहू अइसन नइखे जे गुप्त रूप से कवनो काम करेला आ ऊ खुदे खुल के जानल चाहत होखे। अगर तू ई काम करत बाड़ऽ त दुनिया के सामने आपन बात देखा दऽ।
5 काहेकि उनकर भाई लोग भी उनकरा पर विश्वास ना करत रहे|
6 तब यीशु उनकरा से कहलन, " हमार समय अभी नइखे आइल, लेकिन तोहनी के समय हमेशा तइयार बा।"
7 दुनिया तोहरा से नफरत नइखे कर सकत। लेकिन हम हमरा से नफरत करेला, काहे कि हम एकरा बारे में गवाही देत बानी कि ओकर काम बुरा ह।
8 तू लोग एह भोज में जा, हम अभी तक एह भोज में नईखी गईल। काहे कि हमार समय अभी पूरा नइखे भइल।
9 ई बात कहलन त ऊ गलील में रह गइलन।
10 जब उनकर भाई लोग चढ़ गइलन त ऊ भी भोज में खुल के ना, बल्कि गुप्त रूप से चढ़ गइलन।
11 तब यहूदी लोग भोज में ओकरा के खोजत कहले, "उ कहाँ बा?"
12 लोग के बीच उनकरा बारे में बहुत बड़बड़ाहट हो गईल, काहेकि कुछ लोग कहत रहे कि उ अच्छा आदमी हवे। लेकिन उ लोग के धोखा देवेला।
13 लेकिन यहूदी लोग के डर से केहू ओकरा बारे में खुल के ना बोलल।
14 भोज के बीच में यीशु मंदिर में जाके शिक्षा देत रहले।
15 यहूदी लोग अचंभित होके कहले, "ई आदमी कबो चिट्ठी के कइसे जानत बा?
16 यीशु उनकरा के जवाब दिहलन, " हमार शिक्षा हमार ना ह, बल्कि उहे ह जवन हमरा के भेजले बा।"
17 अगर केहू आपन मर्जी पूरा करे के चाहत बा त ओकरा पता चल जाई कि ई शिक्षा परमेश्वर के ह कि हम अपना बारे में कहत बानी।
18 जे अपना बारे में बात करेला, उ आपन महिमा के तलाश करेला, लेकिन जे ओकरा के भेजे वाला के महिमा के तलाश करेला, उहे सच्चा ह अवुरी ओकरा में कवनो अधर्म नईखे।
19 का मूसा तोहनी के व्यवस्था ना देले रहले, लेकिन तोहनी में से केहु व्यवस्था के पालन ना करेले? काहे हमरा के मारे वाला बानी?
20 लोग जवाब दिहलस, "तोहरा लगे एगो शैतान बा, तोहरा के के मारे वाला बा?

21 यीशु जवाब दिहलन, " हम एके काम कइले बानी आ तू सभे अचरज में पड़ गइल बाड़ऽ।"
22 मूसा तोहनी के खतना दे दिहलन। (एह से ना कि ई मूसा के ह, बलुक बाप-पिता के ह।) आ तू सब्त के दिन आदमी के खतना करऽ।
23 अगर कवनो आदमी के सब्त के दिन खतना करावल जाव त मूसा के नियम के उल्लंघन ना होखे। का तू हमरा पर खिसियाइल बाड़ऽ काहे कि हम सब्त के दिन एगो आदमी के ठीक कर देले बानी?
24 देखाई देवे के हिसाब से न्याय मत करीं, बल्कि धार्मिक न्याय के न्याय करीं।
25 यरूशलेम के कुछ लोग कहलस, "का इ उ ना ह, जेकरा के उ लोग मारे के कोशिश करत बाड़े?
26 लेकिन देखऽ, ऊ हिम्मत से बोलत बाड़न आ ऊ लोग ओकरा से कुछ ना कहत बा। का शासक लोग सचमुच जानत बा कि इहे मसीह हवें?
27 लेकिन हमनी के ई आदमी के जानत बानी जा कि उ कहाँ से आइल बा, लेकिन जब मसीह अइहें त केहू के पता ना चले कि उ कहाँ से आइल बाड़े।
28 तब यीशु मंदिर में सिखावत घरी चिल्ला के कहले, " तू दुनु जाना हमरा के जानत बानी आ हम कहाँ से बानी, हम अपना से ना आइल बानी, लेकिन जे हमरा के भेजले बा, उ सच्चा ह, जेकरा के तू नईखी जानत।"
29 लेकिन हम ओकरा के जानत हई, काहेकि हम ओकरा से हई अवुरी उ हमरा के भेजले बाड़े।
30 तब उ लोग ओकरा के पकड़े के कोशिश कईले, लेकिन केहु ओकरा प हाथ ना डाललस, काहेंकी उनुकर समय अभी तक ना आईल रहे।
31 लोग में से बहुत लोग उनकरा पर बिसवास कइल आ कहलस, "जब मसीह अइहें त का उ एह आदमी से भी जादा चमत्कार करीहें?"
32 फरीसी लोग सुनले कि लोग उनकरा बारे में अइसन बात कहत रहे। फरीसियन आ मुखिया याजक लोग ओकरा के पकड़े खातिर अधिकारी भेजलन।
33 तब यीशु उनकरा से कहलन, " अब तनी देर हम तोहनी के साथे रहब आ ओकरा बाद हम जे हमरा के भेजले बा, ओकरा लगे चल जाईब।"
34 तू लोग हमरा के खोजब आ हमरा के ना पाईब आ जहाँ हम बानी, उहाँ तू ना आ सकेनी।
35 तब यहूदी लोग आपस में पूछल, "उ कहाँ जाई कि हमनी के ओकरा के ना मिल पाई?" का ऊ गैर-यहूदी लोग के बीच बिखराइल लोग के लगे जाके गैर-यहूदी लोग के सिखाई?
36 इ कवन बात ह कि उ कहले कि, 'तू हमरा के खोजब, लेकिन हमरा के ना पाईब।'
37 अंतिम दिन, पर्व के महान दिन, यीशु खड़ा होके चिल्लात कहले, " जदि केहू के प्यास लागल बा त उ हमरा लगे आके पीये।"
38 जे हमरा पर विश्वास करी, जइसन कि पवित्रशास्त्र में कहल गइल बा कि ओकरा पेट से जिंदा पानी के नदी बहत होई।
39 (लेकिन इ बात उ आत्मा के बारे में कहले रहले, जवन कि उनुका प विश्वास करेवाला के मिले के चाही, काहेंकी पवित्र आत्मा अभी तक ना दिहल गईल रहे, काहेकी अभी तक यीशु के महिमा ना भईल रहे।)
40 इ बात सुन के बहुत लोग कहलस, "सच में इहे भविष्यवक्ता हउवें।"
41 दूसर लोग कहलस, "ई मसीह हउवें।" लेकिन कुछ लोग कहल कि, का मसीह गलील से निकल जइहें?
42 का पवित्रशास्त्र में इ नइखे कहल गइल कि मसीह दाऊद के वंशज से आ बेतलेहेम शहर से निकलल हउवें जहाँ दाऊद रहले?
43 ओकरा चलते लोग में फूट पड़ल।
44 उ लोग में से कुछ लोग ओकरा के पकड़ लेत रहले। लेकिन केहू ओकरा पर हाथ ना डाललस।
45 तब अफसर लोग मुख्य याजक आ फरीसियन के लगे पहुँचल। उ लोग उ लोग से पूछले कि, "तू लोग ओकरा के काहे ना ले आईल?"
46 अफसर लोग जवाब दिहलस, "एह आदमी जइसन कबो केहू ना बोलल।"
47 तब फरीसियन से कहलन, "का तू भी धोखा में पड़ल बाड़ऽ?"
48 का कवनो शासक भा फरीसी उनकरा पर विश्वास कइले बा?
49 लेकिन इ लोग जे व्यवस्था के ना जानेला, उ लोग अभिशप्त बा।
50 निकोदेमस उनकरा से कहलन, "जे रात में यीशु के पास आइल रहे, उ ओह लोग में से एगो रहलन)।
51 का हमनी के व्यवस्था केहू के सुनला से पहिले ओकर न्याय करेला आ ओकरा के का करत बा?
52 उ लोग ओकरा से पूछले, "का तू भी गलील के हउअ?" खोजीं आ देखऽ, काहे कि गलील से कवनो भविष्यवक्ता ना उठल बा।
53 हर आदमी अपना घरे चल गइल।

अध्याय 8 के बा

1 यीशु जैतून के पहाड़ पर चल गइलन।
2 सबेरे-सबेरे उ फिर से मंदिर में अईले अवुरी सब लोग उनुका लगे आ गईले। उ बईठ के ओ लोग के सिखवले।
3 शास्त्री आ फरीसी लोग व्यभिचार में पकड़ल एगो औरत के उनकरा लगे ले अइले। आ जब ऊ लोग ओकरा के बीच में बइठा दिहल.
4 उ लोग ओकरा से कहलस, "गुरु, इ औरत व्यभिचार में पकड़ल गईल रहे।
5 मूसा व्यवस्था में हमनी के आज्ञा देले बाड़न कि अइसन लोग के पत्थर मारल जाव, लेकिन तू का कहत बाड़ऽ?
6 इ बात उ लोग ओकरा के परीक्षा देत कहले कि ओकरा प आरोप लगावे के पड़े। लेकिन यीशु झुक के अपना अँगुरी से जमीन प लिखले, जईसे उ ओ लोग के बात नईखन सुनले।
7 जब उ लोग उनकरा से पूछत रहलन त उ उठ के कहलस, " जे तोहनी में से पाप ना होखे, उ पहिले ओकरा प पत्थर फेंके।"
8 ऊ फेरु झुक के जमीन पर लिखले।
9 ई बात सुन के लोग अपना विवेक से दोषी होके एक-एक करके बड़का से लेके आखिरी तक निकल गईले, त यीशु अकेले रह गईले अवुरी महिला बीच में खड़ा हो गईले।
10 जब यीशु उठ के ओह औरत के छोड़ के केहू ना देखले त उ ओकरा से पूछले, " मेरी, तोहार आरोप लगावे वाला कहाँ बाड़े? का केहू तोहरा के दोषी ना ठहरवले बा?
11 ऊ कहली, हे प्रभु, केहू ना। यीशु ओकरा से कहलन, " हम तोहरा के दोषी ना ठहरावत बानी, जा आ अब पाप मत करऽ।"

12 तब यीशु फेर से कहलन, " हम दुनिया के रोशनी हईं, जे हमरा पीछे चली, उ अन्हार में ना चली, बल्कि ओकरा जीवन के रोशनी मिली।
13 फरीसी लोग ओकरा से कहलस कि तू अपना बारे में गवाही देत बाड़। तोहार रिकार्ड सही नइखे।
14 यीशु जवाब दिहलन, " हम भले अपना बारे में गवाही देत बानी, लेकिन हमार गवाही सही बा, काहेकि हम जानत बानी कि हम कहाँ से आइल बानी आ कहाँ जात बानी। बाकिर हम कहाँ से आवत बानी आ कहाँ जात बानी, ई ना बता सकत बानी।
15 तू लोग शरीर के हिसाब से न्याय करेनी। हम कवनो आदमी के न्याय ना करेनी।
16 अगर हम न्याय करब त हमार फैसला सही बा, काहे कि हम अकेले नईखी, बालुक हम अवुरी उ पिता बानी, जवन कि हमरा के भेजले रहले।
17 तोहरा व्यवस्था में इहो लिखल बा कि दू आदमी के गवाही सही बा।
18 हम अपना बारे में गवाही देवे वाला हई अवुरी हमरा के भेजे वाला पिता हमरा बारे में गवाही देवेले।
19 तब उ लोग ओकरा से पूछले, "तोहार पिता कहाँ बाड़े? यीशु जवाब दिहलन, " तू लोग ना हमरा के जानत बाड़, ना हमरा पिता के, अगर तू हमरा के जानत रहतीं त हमरा पिता के भी जानत रहतीं।"
20 यीशु मंदिर में पढ़ावत घरी खजाना में इ बात कहले रहले, लेकिन केहु उनुका प हाथ ना डाललस। काहेकि उनकर समय अभी तक ना आईल रहे।
21 तब यीशु फेर से कहलन, " हम अपना रास्ता से चलत बानी, आ तू हमरा के खोजब आ अपना पाप में मरब।
22 तब यहूदी लोग कहलस, "का उ खुद के मार लेत बा?" काहे कि ऊ कहत बाड़न कि हम जहाँ जाइब, तू लोग ना आ सकऽ।
23 ऊ ओह लोग से कहलन, " तू लोग नीचे के हउअ। हम ऊपर के हईं, तू लोग एह संसार के हउअ। हम एह दुनिया के ना हईं।
24 हम तोहनी से कहनी कि तू अपना पाप में मरब, काहेकि अगर तू विश्वास ना करब कि हम उ हईं त तू अपना पाप में मरब।
25 तब उ लोग ओकरा से पूछले, "तू के हउअ?" यीशु उनसे कहलन, " उहे जवन हम तोहनी से शुरू से कहले रहनी ह।"
26 तोहनी के बारे में हमरा बहुत कुछ कहे के बा आ न्याय करे के बा, लेकिन जे हमरा के भेजले बा उ सच्चा ह। हम दुनिया से उहे बात कहत बानी जवन हम ओकरा बारे में सुनले बानी।
27 उ लोग इ ना समझ पवले कि उ ओ लोग से पिता के बारे में बोलत रहले।
28 तब यीशु उनकरा से कहलन, " जब तू लोग मनुष्य के बेटा के ऊपर उठा लेबऽ तबे तोहनी के पता चल जाई कि हम उ हईं आ हम अपना से कुछ नइखी करत। लेकिन जईसे हमार पिता हमरा के सिखवले बाड़े, हम इ बात कहत बानी।
29 जे हमरा के भेजले बा, उ हमरा संगे बा, पिता हमरा के अकेले नईखन छोड़ले। काहे कि हम हमेशा उहे काम करेनी जवन ओकरा के खुश करेला।
30 जब उ इ बात कहत रहले त बहुत लोग उनुका प विश्वास कईले।
31 तब यीशु उनकरा पर बिसवास करे वाला यहूदियन से कहलन, " जदि तू लोग हमरा वचन पर चलत रहब त तू हमार चेला हउअ।
32 तू लोग सच्चाई के जानब आ सच्चाई तोहनी के आजाद कर दी।
33 उ लोग जवाब देले, "हम अब्राहम के वंशज हई अवुरी कबो केहु के गुलाम ना रहनी।
34 यीशु उनके जवाब दिहलन, " हम तोहनी से सच कहत हई कि जे भी पाप करेला उ पाप के दास ह|
35 सेवक घर में हमेशा खातिर ना रहेला, लेकिन बेटा हमेशा खातिर रहेला।
36 अगर बेटा तोहनी के आजाद कर दी त तोहनी सचमुच आजाद होखब।
37 हम जानत बानी कि तू अब्राहम के वंशज हउअ। लेकिन तू लोग हमरा के मारे के कोशिश करत बाड़, काहेकि हमार वचन के तोहनी में कवनो जगह नईखे।
38 हम उहे कहत बानी जवन हम अपना पिता के साथे देखले बानी, आ तू उहे कर रहल बानी जवन तू अपना पिता के साथे देखले बानी।
39 उ लोग जवाब देले, "अब्राहम हमनी के बाप हवे।" यीशु उनकरा से कहलन, " अगर रउवां अब्राहम के संतान रहतीं त अब्राहम के काम करतीं।"
40 लेकिन अब तू हमरा के मारे के कोशिश करत बाड़, जवन हम तोहनी के उ सच्चाई बतवले बा, जवन हम परमेश्वर से सुनले बानी।
41 तू लोग अपना बाप के काम करत बाड़ऽ। तब उ लोग ओकरा से कहलस कि हमनी के व्यभिचार से पैदा ना भईल बानी जा। हमनी के एके गो पिता बाड़े, उहे भगवान।
42 यीशु उनकरा से कहलन, " जदि परमेश्वर तोहनी के पिता रहते त तोहनी हमरा से प्रेम करित। ना हम अपना से आइल रहनी, बलुक उ हमरा के भेजले बाड़े।
43 तू हमार बात काहे नइखऽ समुझत? इहाँ तक कि तू हमार बात नईखन सुन सकत।
44 तू लोग अपना बाप शैतान के हउअ आ अपना बाप के वासना के पूरा करब। उ शुरू से ही हत्यारा रहले अवुरी सच्चाई में ना रहले, काहेंकी उनुका में कवनो सच्चाई नईखे। जब ऊ झूठ बोलेला त ऊ आपन बात कहेला काहे कि ऊ झूठा ह आ ओकर बाप ह.
45 आऊ हम तोहके सच कहत हई, तू हमरा पर विश्वास नइखऽ।
46 तोहनी में से के हमरा के पाप के बारे में बतावेला? अगर हम साँच कहत बानी त तू लोग हमरा पर काहे नइखऽ बिसवास करत?
47 जे परमेस् वर के ह, उ परमेस् वर के बात सुनत हव, एही से तू उ बात नई सुनत हव, काहेकि तू परमेस् वर से ना हईं।
48 तब यहूदी लोग ओकरा से कहलस, "हमनी के अच्छा नईखी कहत कि तू सामरी हउअ आ ओकरा में एगो शैतान बा?"
49 यीशु जवाब दिहलन, " हमरा लगे कवनो शैतान नइखे। लेकिन हम अपना पिता के आदर करेनी अवुरी तू हमार बेइज्जत करतानी।
50 हम आपन महिमा नइखी खोजत, केहू बा जे खोजत बा आ न्याय करेला।
51 हम तोहनी से सच कहत हई कि अगर केहू हमार बात के पालन करी त ओकरा कबो मौत ना देखाई दिही।
52 तब यहूदी लोग ओकरा से कहलस, "अब हमनी के पता चल गईल बा कि तोहरा में एगो शैतान बा।" अब्राहम मर गइल बाड़न आ भविष्यवक्ता लोग। आ तू कहत बाड़ कि अगर आदमी हमार बात के पालन करी त ओकरा कबो मौत के स्वाद ना चली।

53 का तू हमनी के पिता अब्राहम से बड़ बाड़ू, जवन मर चुकल बाड़े? आ भविष्यवक्ता लोग मर गइल बा, तू खुद के के बनावत बाड़ू?
54 यीशु जवाब दिहलन, " अगर हम अपना के आदर करब त हमार आदर कुछुओ ना ह। जेकरा बारे में तू लोग कहत बाड़ऽ कि ऊ तोहार भगवान हउवन।
55 तबो तू लोग ओकरा के नइखी जानत। लेकिन हम ओकरा के जानत बानी, आ अगर हम कहब कि हम ओकरा के नईखी जानत त हम तोहनी निहन झूठा होखब, लेकिन हम ओकरा के जानतानी अवुरी ओकर बात के पालन करतानी।
56 तोहार बाप अब्राहम हमरा दिन देख के खुश हो गईले अवुरी उ एकरा के देख के खुश हो गईले।
57 तब यहूदी लोग ओकरा से कहलस, "तू अभी पचास साल के नईखन भईल अवुरी का तू अब्राहम के देखले बाड़ू?
58 यीशु ओह लोग से कहलन, " हम तोहनी से सच कहत बानी कि अब्राहम के रहे से पहिले हम बानी।
59 तब उ लोग पत्थर उठा के ओकरा पर फेंकले, लेकिन यीशु लुका के मंदिर से बाहर निकल के ओ लोग के बीच से गुजर गईले।

अध्याय 9 के बा

1 जब यीशु ओहिजा से गुजरत रहले त एगो आदमी के देखले जवन जन्म से ही आन्हर हो गईल रहे।
2 उनकर चेलन उनकरा से पूछले, "गुरु, ई आदमी भा ओकर माई-बाबूजी के पाप कइलस कि ऊ आन्हर पैदा भइल?
3 यीशु जवाब दिहलन, " ना ई आदमी पाप कइले बा, ना ओकर माई-बाबूजी, बलुक एह से कि परमेश्वर के काम ओकरा में प्रकट होखे।
4 हमरा के भेजे वाला के काम के काम करे के बा, जब तक कि हमरा के दिन होखे, रात आवेला, जब केहू काम ना कर सके।
5 जबले हम संसार में बानी, हम दुनिया के रोशनी हईं।
6 ई बात कहला के बाद ऊ जमीन पर थूक के थूक से माटी बनवलन आ आन्हर के आँख पर माटी से अभिषेक कर दिहलन।
7 ऊ ओकरा से कहलस, " जा के सिलोआम के कुंड में नहा जा, जवना के मतलब बा कि भेजल गइल बा।
8 पड़ोसी आउर जे पहिले उनका के आन्हर देखले रहले, उ लोग पूछले, "का इ उ ना ह जवन बईठ के भीख मांगत रहे?"
9 कुछ लोग कहल कि इ उ ह, कुछ लोग कहल कि उ उनुका निहन ह, लेकिन उ कहलस कि हम उ हई।
10 उ लोग ओकरा से पूछले, "तोहार आँख कईसे खुलल?
11 ऊ जवाब दिहलन, "ईसा नाम के एगो आदमी माटी बनवले आ हमरा आँख पर अभिषेक कइलस आ हमरा से कहलस कि, सिलोआम के कुंड में जाके धोईं, हम जाके नहा के देखनी।
12 तब उ लोग ओकरा से पूछले, "उ कहाँ बा?" ऊ कहले, हमरा नइखे मालूम.
13 उ लोग पहिले आन्हर के फरीसियन के लगे ले अइले।
14 उ सब्त के दिन रहे जब यीशु माटी बनवले आ आँख खोलले।
15 फिर फरीसियन भी उनकरा से पूछले कि उनकर दृष्टि कइसे हो गईल| उ लोग से कहलस कि उ हमरा आँख प माटी डाल देले अवुरी हम धो के देखतानी।
16 एह से कुछ फरीसी लोग कहल कि, "ई आदमी परमेश्वर के ना ह, काहेकि उ सब्त के दिन ना मनेला।" दोसरा लोग कहल कि पापी आदमी अइसन चमत्कार कइसे कर सकेला? आ ओह लोग के बीच बंटवारा हो गइल।
17 उ लोग फेर से आन्हर से पूछले कि, तू ओकरा बारे में का कहत बाड़ू कि उ तोहार आँख खोल देले बा? उ कहले कि, उ एगो भविष्यवक्ता हवे।
18 लेकिन यहूदी लोग उनकरा बारे में बिसवास ना कइल कि उ आन्हर हो गइल बा आ आँख ना देख पावेला, जब तक कि उ लोग के माई-बाप के ना बोलवले।
19 उ लोग पूछले, "का इ तोहार बेटा ह, जेकरा के रउआ कहत बानी कि आन्हर पैदा भईल बा?" त अब ऊ कइसे देखत बा?
20 उनकर माई-बाबूजी उनके जवाब देले, "हम जानत हई कि इ हमनी के बेटा ह अवुरी उ आन्हर पैदा भईल बा।
21 लेकिन अब उ कवना तरीका से देखत बाड़े, हमनी के नईखी जानत। या जे आपन आँख खोलले बा, उ हमनी के नईखी जानत। ओकरा से पूछीं, ऊ अपना खातिर बोली।
22 उनकर माई-बाबूजी इ बात एह से कहले कि उ लोग यहूदी लोग से डेरात रहले, काहेकि यहूदी लोग पहिलही से सहमत रहले कि अगर केहु अपना के मसीह के कबूल करी त ओकरा के सभाघर से बाहर निकाल दिहल जाए।
23 एही से उनकर माई-बाबूजी कहले, "उ उमिर के हो गइल बा। ओकरा से पूछीं।
24 तब उ लोग फेर से आन्हर आदमी के बोलवले आ कहलन कि, "परमेशवर के स्तुति करऽ, हमनी के जानत बानी जा कि इ आदमी पापी ह।"
25 उ जवाब देले, "उ पापी ह कि ना, हम नईखी जानत।
26 तब उ लोग फेरु से पूछले, "उ तोहरा के का कईले?" ऊ तोहार आँख कइसे खोललस?
27 उ लोग के जवाब देले, "हम तोहनी के पहिलही बता देले बानी, लेकिन तू लोग ना सुननी। का तोहनी भी ओकर चेला बनबऽ?
28 तब उ लोग ओकरा के गारी देत कहले, "तू ओकर चेला हउअ। लेकिन हमनी के मूसा के चेला हई।
29 हमनी के जानत बानी जा कि परमेश्वर मूसा से बात कईले रहले, लेकिन इ आदमी के बारे में हमनी के नईखी जानत कि उ कहाँ से आईल बाड़े।
30 ऊ आदमी ओह लोग से कहलस, "अचरज के बात काहे बा कि तोहनी नइखऽ जानत कि ऊ कहाँ से आइल बा, बाकिर तबहियों ऊ हमार आँख खोलले बा।
31 अब हमनी के जानत बानी जा कि परमेश्वर पापी के बात ना सुनेलन, लेकिन अगर केहू परमेश्वर के उपासक होखे आ आपन इच्छा के पालन करेला त उ ओकर बात सुनेला।
32 जबसे दुनिया के शुरुआत भइल रहे तबसे ई ना सुनल गइल कि केहू आन्हर पैदा भइल आदमी के आँख खोलले बा।
33 अगर इ आदमी परमेश्वर के ना रहित त उ कुछ ना कर सकत रहे।
34 उ लोग जवाब देके कहलस कि, तू पाप में पैदा भईल बाड़ू, का तू हमनी के सिखावत बाड़ू? आ ऊ लोग ओकरा के बाहर निकाल दिहल।
35 यीशु सुनले कि उ लोग ओकरा के बाहर निकाल देले बाड़े। जब उ ओकरा के पा के कहलस, " का तू परमेश्वर के बेटा प विश्वास करत बाड़ू?"
36 ऊ जवाब दिहलन, "हे प्रभु, ऊ के ह, कि हम ओकरा पर विश्वास कर सकीले?"

37 यीशु ओकरा से कहलन, " तू दुनु जाना ओकरा के देखले बाड़ऽ आ तोहरा से बात करे वाला उहे ह।"
38 ऊ कहलन, "प्रभु, हम विश्वास करत बानी।" आ ऊ उनकर पूजा कइलन।
39 यीशु कहलन, " हम न्याय खातिर एह दुनिया में आइल बानी ताकि जे ना देखेला उ लोग देख सके। आउर जे देखत बा, उ आन्हर हो जास।
40 ओकरा साथे कुछ फरीसी लोग इ बात सुन के पूछले, "का हमनी के भी आन्हर बानी जा?"
41 यीशु ओह लोग से कहलन, " अगर तू लोग आन्हर रहतीं त तोहनी के कवनो पाप ना रहित। एही से तोहार पाप बनल बा।

अध्याय 10 के बा

1 हम तोहनी से सच कहत हई कि जे दुआर से भेड़ के गोड़ में ना घुसेला, लेकिन कवनो दोसरा रास्ता से चढ़ जाला, उ चोर अवुरी डकैत ह।
2 लेकिन जे दुआर से घुसेला उ भेड़ के चरवाहा ह।
3 ओकरा खातिर द्वारपाल खुलेला। आ भेड़ ओकर आवाज सुनेला आ ऊ अपना भेड़न के नाम से बोलावेला आ ओकरा के बाहर निकाल देला।
4 जब ऊ आपन भेड़ के बाहर निकालेला त ऊ ओह लोग के आगे चल जाला आ भेड़ ओकरा पीछे-पीछे चलेला काहे कि ऊ लोग ओकर आवाज जानत बा.
5 ऊ लोग परदेसी के पीछे ना चली, बलुक ओकरा से भाग जइहें, काहे कि ऊ लोग परदेसी के आवाज ना जानत बा।
6 ई दृष्टान्त यीशु उनके से कहले रहले, लेकिन उ लोग इ ना समझ पवले कि उ कवन बात उ लोग से कहले रहले।
7 तब यीशु फेर से कहलन, " हम तोहनी से सच कहत हई कि हम भेड़ के दुआर हई।"
8 हमरा से पहिले के सब चोर आ लुटेरा ह, लेकिन भेड़ उ लोग के बात ना सुनलस।
9 हमहीं दुआर हईं, अगर केहू भीतर घुस जाई त ओकरा के बचावल जाई आ ऊ अंदर-बाहर जाई आ चारागाह पाई।
10 चोर चोरी करे, मारे आ नाश करे खातिर ना आवेला।
11 हम अच्छा चरवाहा हईं, अच्छा चरवाहा भेड़ के बदले आपन जान दे देला।
12 लेकिन जे भाड़ा के काम करेला, चरवाहा ना, जेकर भेड़ के मालिक ना होखे, उ भेड़िया के आवत देख के भेड़ के छोड़ के भाग जाला, अवुरी भेड़िया ओ लोग के पकड़ के भेड़ के तितर-बितर क देवेला।
13 भाड़ा वाला भाग जाला, काहे कि ऊ भाड़ा वाला ह आ भेड़न के परवाह ना करेला।
14 हम बढ़िया चरवाहा हईं आ अपना भेड़न के जानत हईं आ अपना भेड़न के जानत हईं।
15 जइसे पिता हमरा के जानत हउवें, ओइसहीं हम पिता के जानत बानी आ भेड़न खातिर आपन जान दे देनी।
16 हमरा लगे अउरी भेड़ बाड़ी स जवन एह झुंड के ना हई स, उहो हमरा ले आवे के होई, त उ हमार आवाज सुन जईहे। आ एके गो झुंड आ एके गो चरवाहा होई।
17 एही से हमार पिता हमरा से प्यार करेलन, काहे कि हम आपन जान दे देले बानी ताकि हम ओकरा के फेर से ले सकीले।
18 हमरा से केहू एकरा के ना लेवेला, लेकिन हम खुदे एकरा के दे देनी। हमरा लगे ओकरा के बिछावे के ताकत बा, आ ओकरा के फेर से लेबे के ताकत बा। ई आज्ञा हमरा अपना पिता से मिलल बा।
19 एह बात के चलते यहूदी लोग में फिर से फूट हो गईल|
20 उ लोग में से बहुत लोग कहल कि, "उनुका में एगो शैतान बा, उ पागल बा। ओकरा के काहे सुनत बाड़ऽ?
21 दूसर लोग कहलस, "ई बात ओह आदमी के ना ह जेकरा में शैतान बा।" का शैतान आन्हर के आँख खोल सकेला?
22 यरूशलेम में समर्पण के पर्व रहे आ जाड़ा के समय रहे।
23 यीशु सुलैमान के बरामदा में मंदिर में घूमत रहले।
24 तब यहूदी लोग उनकरा चारों ओर आके पूछले, "तू हमनी के कब तक संदेह करावत बाड़ू? अगर तू मसीह हउअ त हमनी के साफ-साफ बताईं।
25 यीशु उनकरा के जवाब दिहलन, " हम तोहनी के बतवले रहनी, लेकिन तू लोग विश्वास ना कईनी।
26 लेकिन तू लोग विश्वास नईखी करत, काहेकि तू लोग हमरा भेड़ के ना हई, जईसे हम तोहनी से कहले रहनी।
27 हमार भेड़ हमार आवाज सुनत बाड़ी स आ हम ओह लोग के जानत बाड़ी स आ उ लोग हमरा पीछे चलत बाड़ी स।
28 हम ओह लोग के अनन्त जीवन देत बानी। आ ऊ लोग कबो नाश ना होई आ ना केहू हमरा हाथ से उखाड़ पाई।
29 हमार पिता जे हमरा के देले बाड़े, उ सब से बड़ बाड़े। आ हमरा पिता के हाथ से केहू उखाड़ ना पावेला।
30 हम आ हमार पिता एके हईं।
31 तब यहूदी लोग ओकरा के पत्थर मारे खातिर फेर से पत्थर उठा लिहले।
32 यीशु उनके जवाब दिहलन, " हम अपना पिता के ओर से तोहनी के बहुत अच्छा काम देखवले बानी। ओह काम में से कवना काम खातिर तू हमरा के पत्थर मारत बाड़ऽ?
33 यहूदी लोग ओकरा के जवाब दिहल, "हमनी के अच्छा काम खातिर तोहरा के पत्थर नईखी मारत। लेकिन निंदा करे खातिर; आ एह से कि तू आदमी होखला के नाते अपना के भगवान बना लेत बाड़ू।
34 यीशु उनके जवाब दिहलन, " का तोहनी के व्यवस्था में लिखल नइखे कि हम कहनी कि तू लोग देवता हउवऽ?
35 अगर उ ओह लोग के देवता कहत रहले, जेकरा लगे परमेश्वर के वचन आइल रहे आ पवित्रशास्त्र के तोड़ल ना जा सके।
36 जेकरा के पिता पवित्र क के दुनिया में भेजले बाड़न, ओकरा बारे में कहऽ कि तू निंदा करत बाड़ऽ। काहे कि हम कहनी कि हम परमेश्वर के बेटा हईं?
37 अगर हम अपना पिता के काम ना करब त हमरा पर विश्वास मत करीं।
38 लेकिन अगर हम करब त भले ही तू हमरा पर विश्वास ना करब त काम पर विश्वास करीं, ताकि तू लोग जान सकीले कि पिता हमरा में बाड़े अवुरी हम उनुका में बानी।
39 एही से उ लोग फेर से ओकरा के पकड़े के कोशिश कईले, लेकिन उ ओ लोग के हाथ से बच गईले।
40 ऊ फेर यरदन के ओह पार चल गइलन जहाँ यूहन्ना पहिले बपतिस्मा दिहले रहले. आ उहाँ उ रह गईले।
41 बहुत लोग उनकरा लगे आके कहलन, "यूहन्ना कवनो चमत्कार ना कइले, लेकिन यूहन्ना एह आदमी के बारे में जवन भी बात कहले रहले उ सब सही रहे।"

42 उहाँ बहुत लोग उनकरा पर बिसवास कइल।

अध्याय 11 के बा

1 मरियम आ उनकर बहिन मार्था के शहर बेथानी के एगो आदमी बेमार रहे, जेकर नाम लाजर रहे।
2 (उ मरियम उहे रहली जे प्रभु के मरहम से अभिषेक कईली अवुरी बाल से उनुकर गोड़ पोंछली, जेकर भाई लाजर बेमार रहले।)
3 एही से उनकर बहिन लोग उनकरा लगे भेजलस कि, "प्रभु, देख, जेकरा से तू प्यार करेलऽ, उ बेमार बा।"
4 ई बात सुन के यीशु कहलन, " ई बेमारी मौत के ओर ना, बल्कि परमेश्वर के महिमा खातिर बा, ताकि परमेश्वर के बेटा के महिमा हो सके।"
5 यीशु मार्था, उनकर बहिन आ लाजर से प्यार करत रहले।
6 जब उ सुनले कि उ बेमार बाड़े, त उ दु दिन तक उहे जगह प रहले, जहां उ रहले।
7 ओकरा बाद उ अपना चेलन से कहलन, " हमनी के फिर से यहूदिया में चलल जाव।"
8 उनकर चेला लोग उनकरा से कहलन, "गुरु, देर से यहूदी लोग तोहरा के पत्थर मारे के कोशिश करत रहे। आ का तू फेर ओहिजा जा रहल बाड़?
9 यीशु जवाब दिहलन, का दिन में बारह घंटा ना होला? अगर केहू दिन में चलेला त ओकरा ठोकर ना लागेला काहे कि ओकरा एह दुनिया के रोशनी देखाई देला।
10 लेकिन अगर आदमी रात में चलेला त उ ठोकर खा जाला, काहे कि ओकरा में कवनो रोशनी नईखे।
11 उ इ सब कहलन आ ओकरा बाद उ लोग से कहलन कि, " हमनी के दोस्त लाजर सुतल बा। लेकिन हम जानी ताकि हम ओकरा के नींद से जगा सकी।
12 तब उनकर चेलन कहलन, "हे प्रभु, अगर उ सुत जाई त ठीक हो जाई।"
13 लेकिन यीशु अपना मौत के बात कहले, लेकिन उ लोग सोचले कि उ नींद में आराम करे के बात कहले बाड़े।
14 तब यीशु ओह लोग से साफ-साफ कहलन कि लाजर मर गइल बा।
15 हम तोहनी खातिर खुश बानी कि हम उहाँ ना रहनी, ताकि रउआ लोग विश्वास कर सकीले। तबो हमनी के उनुका लगे चलल जाव।
16 तब थोमा, जे डिडिमस कहल जाला, अपना साथी चेलन से कहलन, "हमनी के भी जाके उनकरा साथे मर सकीले।"
17 जब यीशु अइले त देखले कि उ चार दिन पहिले से कब्र में पड़ल रहले।
18 बेथानी यरूशलेम के नजदीक रहे, जवन कि लगभग पंद्रह फरलोंग दूर रहे।
19 कई गो यहूदी लोग मार्था आ मरियम के पास अपना भाई के बारे में दिलासा देवे खातिर अईले|
20 मार्था यीशु के आवे के बात सुनते जाके उनुका से भेंट कईली, लेकिन मरियम घर में स्थिर रहली।
21 मार्था यीशु से कहली, "हे प्रभु, अगर तू इहाँ रहते त हमार भाई ना मरित।"
22 लेकिन हम जानत बानी कि अभी भी तू जवन कुछ परमेश्वर से माँगब, उ तोहरा के दे दिहे।
23 यीशु ओकरा से कहलन, " तोहार भाई जी उठ जइहें।"
24 मार्था ओकरा से कहली, "हम जानत बानी कि आखिरी दिन में उ जी उठला में जी उठ जइहें।"
25 यीशु ओकरा से कहलन, " हम जी उठला आ जीवन हईं। जे हमरा पर बिसवास करी, भले ऊ मर गइल बा, तबो जिंदा रही।
26 जे भी जिंदा बा आ हमरा पर विश्वास करी, उ कबो ना मर पाई। का तू ई बात पर विश्वास करत बाड़ऽ?
27 ऊ ओकरा से कहली, "हे प्रभु, हम मानत बानी कि तू मसीह, परमेश्वर के बेटा हउअ, जे दुनिया में आवे वाला हउअ।"
28 इ कहला के बाद उ अपना बहिन मरियम के चुपके से बोलवली आ कहली कि, गुरु आके तोहरा के बोलावतारे।
29 इ बात सुनते उ जल्दी से उठ के उनुका लगे अईली।
30 यीशु अभी तक ओह नगर में ना आइल रहले, लेकिन उ उ जगह प रहले, जहवां मार्था उनुका से मिलली।
31 मरियम के साथे घर में सान्त्वना देवे वाला यहूदी लोग मरियम के जल्दबाजी में उठ के बाहर निकलल देख के उनकर पीछे-पीछे चल गईले आ कहले कि, "उ उहाँ रोवे खातिर कब्र में जात बाड़ी।"
32 जब मरियम उहाँ पहुँचली आ उनुका के देखली त उनुका गोड़ से गिर के कहली, "हे प्रभु, अगर तू इहाँ रहते त हमार भाई ना मरित।"
33 जब यीशु ओकरा के रोवत देखलन आ ओकरा साथे आइल यहूदी लोग के भी रोवत देखलन त ऊ मन में कराह उठल आ घबरा गइलन।
34 ऊ कहलन, " तू ओकरा के कहाँ रखले बाड़ऽ?" उ लोग ओकरा से कहलस, "प्रभु, आके देखऽ।"
35 यीशु रोवे लगलन।
36 तब यहूदी लोग कहलस, "देखीं, उ ओकरा से केतना प्यार करत रहले!
37 उ लोग में से कुछ लोग कहलस, "का इ आदमी जवन आन्हर के आँख खोलले रहे, उ ना हो सकत रहे कि इ आदमी के भी मौत ना हो सकत रहे?
38 ईसा फेर अपना में कराह के कब्र में आ गइलन। ऊ एगो गुफा रहे आ ओकरा पर एगो पत्थर पड़ल रहे।
39 यीशु कहलन, "पत्थर के हटा दऽ।" मरला के बहिन मार्था ओकरा से कहली, "प्रभु, अब तक उ बदबूदार हो गईल बा, काहेकि उ चार दिन से मर गईल बा।"
40 यीशु ओकरा से कहलन, " का हम तोहरा से ना कहनी कि अगर तू विश्वास करब त परमेश्वर के महिमा देखब?
41 तब उ लोग ओह जगह से पत्थर लेके चल गईले, जहवाँ मरेवाला लोग के बिछावल गईल रहे। यीशु आपन आँख उठा के कहले, " बाबू, हम तोहरा के धन्यवाद देत बानी कि तू हमार बात सुनले बाड़ू।"
42 हम जानत रहनी कि तू हमार बात हमेशा सुनत रहलू, लेकिन बगल में खड़ा लोग के चलते हम इ बात कहनी ताकि उ लोग विश्वास करस कि तू हमरा के भेजले बाड़ू।
43 ई बात कह के ऊ जोर से चिल्ला के कहलन कि लाजर, बाहर आ जा।
44 मरल आदमी कब्र के कपड़ा से हाथ-गोड़ बान्ह के निकलल आ ओकर चेहरा नैपकिन से बान्हल रहे। यीशु उनकरा से कहलन, " ओकरा के ढीला करऽ आ छोड़ दीं।"
45 तब बहुत सारा यहूदी मरियम के पास आइल आ यीशु के कइल काम देख के उनकरा पर बिसवास कइल।

46 लेकिन उ लोग में से कुछ लोग फरीसियन के लगे जाके यीशु के काम के बारे में बतवले|
47 तब मुख्य याजक आ फरीसियन के एगो मंडली बटोर के पूछले, "हम का करीं? काहेकि इ आदमी बहुत चमत्कार करेला।
48 अगर हमनी के ओकरा के अईसन छोड़ देनी जा त सब लोग ओकरा प विश्वास करीहे अवुरी रोमी लोग आके हमनी के जगह अवुरी राष्ट्र दुनो के छीन लीहे।
49 ओही साल ओह लोग में से एगो काइफा नाम के महायाजक रहलन आ कहलन कि, "तू लोग कुछुओ नइखऽ जानत।
50 आ ई ना सोचीं कि हमनी खातिर ई उचित बा कि एक आदमी लोग खातिर मर जाव आ पूरा राष्ट्र के नाश ना होखे।
51 ई बात ऊ अपना से ना कहले, बलुक ओह साल महायाजक के रूप में भविष्यवाणी कइले कि यीशु ओह राष्ट्र खातिर मर जइहें।
52 खाली ओह जाति खातिर ना, बलुक भगवान के संतान के एकट्ठा करे खातिर भी, जवन कि बिखराइल रहले।
53 तब से उ लोग ओकरा के मारे के फैसला कईले।
54 एह से यीशु अब यहूदी लोग के बीच खुल के ना चललन। लेकिन उहाँ से जंगल के नजदीक एप्रैम नाम के एगो शहर में चल गईले अवुरी उहाँ उनुकर चेलन के संगे रहले।
55 यहूदियन के फसह के परब नजदीक आ गईल रहे, त बहुत लोग फसह के पर्व से पहिले देश से बाहर निकल के यरूशलेम तक अपना के शुद्ध करे खातिर चल गईले।
56 तब उ लोग यीशु के खोजत रहले आ मंदिर में खड़ा होके आपस में बात करत रहले कि, "तू लोग के का लागत बा कि उ भोज में ना अइहें?"
57 मुख्य याजक आ फरीसियन दुनो लोग एगो आज्ञा देले रहले कि अगर केहु के पता होखे कि उ कहाँ बाड़े त उ ओकरा के बतावे ताकि उ लोग ओकरा के पकड़ सके।

अध्याय 12 के बा

1 फसह के पर्व से छह दिन पहिले यीशु बेथानी पहुंचले, जहवाँ लाजर मरल रहले, जेकरा के उ मुवलन में से जिंदा कईले रहले।
2 उहाँ उ लोग उनकरा के भोज बनवले। मार्था सेवा करत रहली, लेकिन लाजर उनुका संगे मेज प बईठल लोग में से एगो रहले।
3 तब मरियम एक पाउंड मलम के मलहम लेके, जवन बहुत महंगा रहे, लेके यीशु के गोड़ प अभिषेक कईली अवुरी उनुका बाल से उनुकर गोड़ पोंछली अवुरी घर में मरहम के गंध से भर गईल।
4 तब उनकर एगो चेला सिमोन के बेटा यहूदा इस्करियोती कहलस।
5 ई मरहम तीन सौ पेंस में बेच के गरीबन के काहे ना दिहल गइल?
6 इ बात उ इ ना कहले कि उ गरीब के परवाह करत रहले। लेकिन काहे कि ऊ चोर रहे आ ओकरा लगे झोरा रहे आ जवन कुछ ओकरा में डालल रहे ओकरा के लेके चलत रहे।
7 तब यीशु कहलन, " उनके छोड़ दीं।
8 काहेकि गरीबन के तोहनी के साथे हमेशा रहेला। लेकिन हमरा के तोहनी के हमेशा ना रहे।
9 यहूदियन के बहुत लोग जान गईले कि उ उहाँ बाड़े, लेकिन उ लोग सिर्फ यीशु के खातिर ना आईल रहले, बालुक लाजर के भी देखे खाती आईल रहले, जेकरा के उ मुवलन में से जिंदा कईले रहले।
10 लेकिन मुख्य याजक लोग लाजर के भी मार देवे खातिर विचार कईले।
11 काहे कि उनकरा चलते बहुत यहूदी लोग यीशु पर बिसवास कइल।
12 अगिला दिने बहुत लोग भोज में आवे वाला लोग सुन के कि यीशु यरूशलेम आवत बाड़े।
13 ताड़ के पेड़ के डाढ़ लेके ओकरा से मिले निकलल आ चिल्ला के कहलस कि, "होसाना, "धन्य हे इस्राएल के राजा जे प्रभु के नाम से आवेला।
14 जब यीशु के एगो गदहा के बच्चा मिल गईल त उ ओकरा प बईठ गईले। जइसे लिखल बा,
15 हे सियोन के बेटी, मत डेरा, देख, तोहार राजा गदहा के बछड़ा पर बईठल आवत बाड़े।
16 पहिले उनकर चेलन के इ सब बात ना बुझाइल, लेकिन जब यीशु के महिमा हो गईल त उ लोग याद कईले कि इ बात उनुका बारे में लिखल बा अवुरी उ लोग उनुका संगे इ काम कईले बाड़े।
17 जब ऊ लाजर के कब्र से बोला के जिंदा कइलन त उनकरा साथे रहल लोग गवाही दिहल।
18 एही से लोग भी उनकरा से भेंट कईले, काहेकि उ लोग सुनले कि उ इ चमत्कार कईले बाड़े।
19 फरीसी लोग आपस में कहलस, "का तू लोग समझत हव कि तोहनी के कुछुओ ना जीतल? देखऽ, दुनिया ओकरा पीछे चल गइल बा।
20 ओह लोग में कुछ यूनानी लोग भी रहलन जे भोज में पूजा करे आइल रहले।
21 उ गलील के बेतसैदा के रहे वाला फिलिप से निहोरा करत कहलस कि, "महाराज, हमनी के यीशु से मिले के चाहत बानी जा।"
22 फिलिपुस आके आंद्रियास के बतवले, आ फिर अँड्रियास आ फिलिपुस यीशु के बतवले।
23 यीशु ओह लोग के जवाब दिहलन, " समय आ गइल बा कि मनुष्य के बेटा के महिमा होखे।
24 हम तोहनी से साँच कहत हईं कि जब तक गेहूं के दाना जमीन में ना गिर के मर ना जाई त उ अकेले रहेला, लेकिन अगर मर जाई त बहुत फल देवेला।
25 जे आपन जान से प्यार करेला, उ ओकरा के गंवा दी। आ जे एह संसार में अपना जीवन से नफरत करेला, ऊ ओकरा के अनन्त जीवन खातिर रखी।
26 अगर केहू हमार सेवा करेला त उ हमरा पीछे चले। जहाँ हम बानी, उहाँ हमार सेवक भी होई, अगर केहू हमार सेवा करी त हमार पिता ओकर आदर करीहे।
27 अब हमार प्राण घबराइल बा। आ हम का कहब? बाबू, हमरा के एह घड़ी से बचाईं, लेकिन हम एही समय में आ गईनी।
28 हे पिता, आपन नाम के महिमा करऽ। तब स्वर्ग से एगो आवाज आइल कि हम एकर महिमा कइले बानी आ फेर से एकर महिमा भी करब।
29 ओहिजा खड़ा होके सुनल लोग कहलस कि गरजत बा।
30 यीशु जवाब दिहलन, " ई आवाज हमरा से ना, तोहनी खातिर आइल बा।"
31 अब एह संसार के न्याय बा, अब एह संसार के राजकुमार के बाहर निकालल जाई।

32 अगर हम धरती से उठावल जाइब त सब आदमी के अपना लगे खींच लेब।
33 इ बात उ इ बतावत कहले कि उ कवना मौत के मरला।
34 लोग जवाब दिहलस, "हमनी के व्यवस्था से सुनले बानी जा कि मसीह हमेशा खातिर रहेला। ई आदमी के बेटा के ह?
35 तब यीशु उनकरा से कहलन, " अभी तनी देर तोहनी के साथे इजोत बा।" जबले तोहनी के रोशनी बा तबले चलत रहऽ कि तोहनी पर अन्हार मत आ जाव काहे कि जे अन्हार में चलत बा ऊ ना जानत बा कि ऊ कहाँ जात बा.
36 जबले तोहनी के इजोत बा तब तक तोहनी के इजोत पर बिसवास करऽ ताकि तू लोग इजोत के संतान बनीं। ई बात ईसा कहलन आ चल गइलन आ ओह लोग से लुका गइलन.
37 लेकिन उ लोग से पहिले एतना चमत्कार कईले रहले, लेकिन उ लोग उनुका प विश्वास ना कईले।
38 ताकि यशायाह भविष्यवक्ता के इ बात पूरा होखे कि उ कहले रहले कि, "हे प्रभु, हमनी के बात प के विश्वास कईले बा?" आ प्रभु के बाँहि केकरा पर प्रगट भइल बा?
39 एही से उ लोग विश्वास ना कर पवले, काहेकि यशायाह फेर से इ बात कहले।
40 ऊ ओह लोग के आँख आन्हर कर दिहले बाड़न आ ओह लोग के दिल कठोर कर दिहले बाड़न. कि ऊ लोग आँख से ना देखे, ना मन से समझे, आ बदले, आ हम ओह लोग के ठीक कर दीं।
41 यशायाह उनकर महिमा देख के उनकरा बारे में बात कइलन।
42 एकरा बावजूद प्रमुख शासकन में भी बहुत लोग उनकरा पर बिसवास कइल। लेकिन फरीसियन के चलते उ लोग उनुका के कबूल ना कईले कि कहीं उ लोग के सभाघर से बाहर ना निकालल जा सके।
43 काहेकि उ लोग परमेश्वर के स्तुति से ज्यादा आदमी के स्तुति से ज्यादा प्यार करत रहले।
44 यीशु चिल्ला के कहलन, " जे हमरा पर विश्वास करेला, उ हमरा पर ना, बल्कि हमरा के भेजे वाला पर विश्वास करेला।"
45 जे हमरा के देखत बा, उ हमरा के भेजे वाला के देखत बा।
46 हम दुनिया में एगो रोशनी बनल बानी, ताकि जे भी हमरा पर विश्वास करेला, उ अन्हार में ना रहे।
47 अगर केहू हमार बात सुन के विश्वास ना करेला त हम ओकर न्याय ना करेनी काहे कि हम दुनिया के न्याय करे खातिर ना आईल बानी, बल्कि दुनिया के बचावे खातिर आईल बानी।
48 जे हमरा के ठुकरा के हमार बात ना ग्रहण करी, ओकरा लगे न्याय करे वाला बा।
49 काहेकि हम अपना बारे में नइखी बोलले। लेकिन जे पिता हमरा के भेजले रहले, उ हमरा के एगो आज्ञा देले रहले कि हम का कहब अवुरी का बोलब।
50 हम जानत बानी कि उनकर आज्ञा अनन्त जीवन ह, एहसे हम जवन कुछ कहत बानी, जइसे पिता हमरा से कहले रहले, उहे कहत बानी।

अध्याय 13 के बा

1 फसह के पर्व से पहिले जब यीशु के पता चलल कि उनकर समय आ गईल बा कि उ दुनिया से बाहर निकल के पिता के लगे जाए के बा, त उ अपना दुनिया में रहे वाला लोग से प्रेम कईले, त उ अंत तक प्रेम कईले।
2 रात के खाना खइला के बाद शैतान शिमोन के बेटा यहूदा इस्करियोती के दिल में डाल के ओकरा के धोखा दे दिहलस।
3 यीशु जानत रहलन कि पिता सब कुछ अपना हाथ में देले बाड़न आऊ परमेस् वर के ओर से आके परमेश्वर के पास चल गइलन।
4 ऊ रात के खाना खइला से उठ के आपन कपड़ा अलगा कर देला। आ एगो तौलिया लेके कमरबंद कर लिहले।
5 ओकरा बाद ऊ एगो तह में पानी डाल के चेलन के गोड़ धोवे लगलन आ जवना तौलिया से ऊ पट्टी बान्हले रहले ओकरा से पोंछे लगलन।
6 तब ऊ शमौन पतरस के लगे अइले आ पतरस ओकरा से कहलन, "हे प्रभु, का तू हमार गोड़ धोवत बाड़ऽ?"
7 यीशु जवाब दिहलन, " हम का करत बानी, तू अब नइखऽ जानत; बाकिर तूँ बाद में जानबऽ।
8 पतरस ओकरा से कहलन, "तू हमार गोड़ कबो ना धोईब।" यीशु जवाब दिहलन, " अगर हम तोहरा के ना धोइब त तोहरा हमरा से कवनो हिस्सा नइखे।
9 शमौन पतरस ओकरा से कहलन, "हे प्रभु, खाली हमार गोड़ ना, बलुक हमार हाथ आ माथा भी।"
10 यीशु ओकरा से कहलन, " जे धोवल गइल बा ओकरा गोड़ धोवे के छोड़ के जरूरत नइखे, बलुक ऊ हर कतरा साफ बा।
11 काहेकि उ जानत रहले कि के ओकरा के धोखा देवे के बा। एही से कहलन कि, "तू सब साफ नइखऽ।"
12 उ लोग के गोड़ धो के आपन कपड़ा लेके फिर से बइठला के बाद उ लोग से कहलस, "का तू लोग जानत बाड़ू कि हम तोहनी के का कईले बानी?
13 तू लोग हमरा के गुरु आ प्रभु कहत बाड़ऽ, आउर तू लोग अच्छा कहत बाड़ऽ। काहे कि हमहूँ अयीसन बानी।
14 त अगर हम तोहार मालिक आ गुरु तोहार गोड़ धो देले बानी। तोहनी के भी एक दूसरा के गोड़ धोवे के चाहीं।
15 काहेकि हम तोहनी के एगो उदाहरण देले बानी कि तू लोग भी उहे करीं जवन हम तोहनी के साथे कइले बानी।
16 हम तोहनी से साँच कहत बानी कि सेवक अपना मालिक से बड़ ना होला। ना ही भेजल गइल ओकरा के भेजे वाला से बड़हन।
17 अगर तू लोग इ सब बात जानत बाड़ू त खुश होखब कि अगर तू इ सब बात करब।
18 हम तोहनी के सब के बारे में नईखी बोलत, हम जानत बानी कि हम केकरा के चुनले बानी, लेकिन पवित्रशास्त्र के पूरा होखे खातिर कि हमरा संगे रोटी खाए वाला हमरा खिलाफ एड़ी उठवले बा।
19 हम ओकरा आवे से पहिले तोहनी के बतावत बानी कि जब ई बात हो जाई त रउआ लोग विश्वास कर सकी कि हम उ हईं।
20 हम तोहनी से साँच कहत बानी कि जे हम जेकरा के भेजत बानी ओकरा के ग्रहण करेला, उ हमरा के ग्रहण करेला। जे हमरा के ग्रहण करेला, उ हमरा के भेजे वाला के ग्रहण करेला।
21 जब ईसा ई बात कहलन त ऊ घबरा गइलन आ गवाही दिहलन कि, " हम तोहनी से सच कहत बानी कि तोहनी में से केहू हमरा के धोखा दे दी।"
22 तब चेलन एक दूसरा के देखत रहले, आ संदेह करत रहले कि उ केकरा से बात करतारे।

23 यीशु के एगो चेला, जेकरा से यीशु प्यार करत रहले, यीशु के छाती पर झुकल रहले।
24 सिमोन पतरस ओकरा से इशारा कइलन कि ऊ पूछस कि ऊ केकरा बारे में बात कइले बाड़न।
25 उ यीशु के छाती पर लेट के पूछले, "हे प्रभु, के ह?"
26 यीशु जवाब दिहलन, " उहे ह जेकरा के हम सोप डुबा के देब।" उ सोना डुबा के सिमोन के बेटा यहूदा इस्करियोती के दे दिहलन।
27 सोप के बाद शैतान ओकरा में घुस गईल। तब यीशु ओकरा से कहलन, "जवन तू करऽ, जल्दी से करऽ।"
28 मेज पर बइठल केहु के पता ना चलल कि उ कवना मकसद से इ बात कहले बाड़े।
29 ओह लोग में से कुछ लोग के लागल कि यहूदा के लगे बैग रहे कि यीशु ओकरा से कहले रहले कि, "भोज के खिलाफ जवन चीज हमनी के जरूरत बा, उ खरीद लीं। भा, कि ऊ गरीबन के कुछ दे देव.
30 ऊ सोप लेके तुरते बाहर निकल गइलन आ रात हो गइल।
31 एही से जब उ बाहर निकलले त यीशु कहले, " अब आदमी के बेटा के महिमा हो गईल बा अवुरी उनुका में परमेश्वर के महिमा हो गईल बा।"
32 अगर भगवान के महिमा ओकरा में होइहें त भगवान भी उनकर महिमा अपना में करीहें आ तुरते उनकर महिमा करीहें।
33 छोट लइका लोग, तनी देर हम तोहनी के साथे बानी। तू लोग हमरा के खोजब, आ जइसे हम यहूदी लोग से कहले रहनी कि हम जहाँ जाइब, तू लोग ना आ सकेनी। त अब हम रउरा से कहत बानी।
34 हम तोहनी के एगो नया आज्ञा देत बानी कि तू लोग एक दूसरा से प्रेम करीं। जइसे हम तोहनी से प्रेम कइले बानी, ओइसहीं तोहनी भी एक दूसरा से प्रेम करऽ।
35 अगर तोहनी के एक दूसरा से प्रेम बा त सब लोग जान जाई कि तोहनी हमार चेला हई।
36 शमौन पतरस ओकरा से पूछले, "हे प्रभु, तू कहाँ जात बाड़ू?" यीशु जवाब दिहलन, " हम जहाँ जाइब, तू अब हमरा पीछे नइखऽ चल सकत। बाकिर तू हमरा पीछे-पीछे चलब।
37 पतरस ओकरा से कहलस, "हे प्रभु, हम अब तोहरा पीछे काहे नईखी चल सकत? हम तोहरा खातिर आपन जान देब।
38 यीशु ओकरा से कहलन, " का तू हमरा खातिर आपन जान देबऽ?" हम तोहरा से साँच कहत बानी कि जबले तू हमरा से तीन बेर इनकार ना करऽ तबले मुर्गा ना बाज पाई।

अध्याय 14 के बा

1 तोहनी के मन घबराहट मत करऽ, तोहनी परमेस् वर पर बिसवास करऽ, हमरा पर भी बिसवास करऽ ।
2 हमरा पिता के घर में बहुत सारा हवेली बा, अगर अइसन ना रहित त हम तोहके बता देती। हम तोहरा खातिर जगह तइयार करे जाइले।
3 अगर हम जाके तोहनी खातिर जगह तैयार करब त हम फेर से आके तोहनी के अपना लगे ग्रहण करब। ताकि जहाँ हम बानी, उहाँ तू भी होखब।
4 हम कहाँ जात बानी, रउआ सभे जानत बानी आ रास्ता के बारे में रउआ जानत बानी।
5 थोमस ओकरा से कहलस, "प्रभु, हमनी के नईखी जानत कि तू कहाँ जात बाड़ू। आ हमनी के रास्ता कइसे जान सकेनी जा?
6 यीशु ओकरा से कहलन, " हम रास्ता, सच्चाई आ जीवन हईं।
7 अगर रउआ हमरा के जानत रहतीं त हमरा पिता के भी जानत रहतीं।
8 फिलिपुस ओकरा से कहलस, "हे प्रभु, हमनी के पिता के देखा द, त हमनी के बहुत हो गईल बा।"
9 यीशु ओकरा से कहलन, " फिलीप, का हम तोहरा साथे एतना दिन से रहनी, लेकिन तू हमरा के नइखऽ जानत? जे हमरा के देखले बा, उ पिता के देखले बा। त तू कइसे कहत बाड़ऽ कि हमनी के पिता देखा दऽ?
10 का तू विश्वास नइखऽ कि हम पिता में बानी आ पिता हमरा में बानी? जवन बात हम तोहनी से कहत बानी उ हम अपना से नईखी कहत, लेकिन जवन पिता हमरा में रहेले, उहे काम करेले।
11 हमरा पर विश्वास करऽ कि हम पिता में बानी आ पिता हमरा में बानी, ना त हमरा काम के खातिर विश्वास करीं।
12 हम तोहनी से साँच कहत हई कि जे हमरा पर बिसवास करी, उहे काम हम जवन काम करीले, उहो करी। आ एह से बड़हन काम ऊ करीहें. काहे कि हम अपना पिता के लगे जात बानी।
13 तू हमरा नाम से जवन भी माँगब, हम उहे करब ताकि पिता के महिमा बेटा में हो सके।
14 अगर तू हमरा नाम से कुछ माँगब त हम पूरा करब।
15 अगर तू हमरा से प्रेम करेलन त हमार आज्ञा के पालन करीं।
16 हम पिता से विनती करब कि उ तोहनी के एगो अउरी दिलासा देवे वाला दे दिहे ताकि उ तोहनी के साथे हमेशा खातिर रह सके।
17 इहाँ तक कि सच्चाई के आत्मा भी। जेकरा के दुनिया ग्रहण नइखे कर सकत, काहे कि ऊ ओकरा के ना देखत बा आ ना जानत बा, बाकिर तू लोग ओकरा के जानत बाड़ऽ. काहेकि ऊ तोहनी के साथे रहेला आ तोहनी में रही।
18 हम तोहरा के बेचैन ना छोड़ब, तोहरा लगे आईब।
19 कुछ देर बाद दुनिया हमरा के अब ना देख पाई। लेकिन तू लोग हमरा के देखत बाड़ू, काहेकि हम जिंदा रहब, तोहनी भी जिंदा रहब।
20 ओह दिन तोहनी के पता चल जाई कि हम अपना पिता में बानी, तोहनी हमरा में आ हम तोहनी में बानी।
21 जे हमार आज्ञा के पालन करेला, उहे हमरा से प्यार करेला, आ जे हमरा से प्यार करी, उ हमरा पिता से प्यार करी अवुरी हम ओकरा से प्यार करब अवुरी उनुका सोझा अपना के प्रकट करब।
22 इस्करियोती ना, यहूदा ओकरा से कहलस, "हे प्रभु, तू दुनिया के सामने ना, हमनी के सामने कइसे प्रकट होखब?
23 यीशु जवाब दिहलन, " जदि केहू हमरा से प्यार करी त उ हमार बात के पालन करी।
24 जे हमरा से प्रेम ना करेला, उ हमार बात के पालन ना करेला, आ जवन वचन रउआ सुनत बानी उ हमार ना ह, बल्कि उ पिता के ह जवन हमरा के भेजले बाड़े।
25 हम तोहनी से इ सब बात तोहनी के साथे रहला के बाद भी कहले बानी।
26 लेकिन सांत्वना देवे वाला पवित्र आत्मा ह, जेकरा के पिता हमरा नाम से भेज दिहे, उ तोहनी के सब कुछ सिखा दिहे अवुरी हम जवन कुछ कहले बानी, उ सब बात के याद दिहे।

27 हम तोहनी के शांति छोड़त बानी, आपन शांति तोहनी के देत बानी। तोहार मन घबराहट मत होखे, ना डेराए।
28 तू लोग सुनले बाड़ऽ कि हम तोहनी से कइसे कहनी कि हम चल जाइले आ तोहनी के लगे आवत बानी। अगर तू हमरा से प्रेम करत रहतीं त तू लोग खुश होखब काहे कि हम कहनी कि हम पिता के लगे जात बानी, काहेकि हमार पिता हमरा से बड़ बाड़े।
29 अब हम तोहनी के ई बात होखे से पहिले बता देले बानी कि जब ई बात हो जाई त तू लोग विश्वास कर सकीले।
30 एकरा बाद हम तोहनी से ज्यादा बात ना करब काहे कि एह संसार के राजकुमार आवत बाड़े, लेकिन हमरा में कुछुओ नईखे।
31 लेकिन दुनिया के लोग जान लेव कि हम पिता से प्रेम करेनी। आ जइसे पिता हमरा के आज्ञा देले बाड़न, ओइसहीं हमहूँ करत बानी। उठऽ, हमनी के इहाँ से चलल जाव।

अध्याय 15 के बा

1 हम सच्चा बेल हईं आ हमार पिता किसान हवें।
2 हमरा में जवन डाढ़ फल ना देला उ ओकरा के हटा देला आ जवन डाढ़ फल देला ओकरा के शुद्ध कर देला ताकि ऊ अउरी फल दे सके।
3 अब हम जवन वचन तोहनी से कहले बानी ओकरा से तोहनी शुद्ध हो गइल बानी।
4 हमरा में रहऽ आ हम तोहरे में। जइसे डाढ़ अपना से फल ना दे सके, जबले ऊ बेल में ना रहे। जबले तू हमरा में ना रहबऽ, तबले तोहनी अब ना कर सकबऽ।
5 हम बेल हईं, तू डाढ़ हईं, जे हमरा में रहेला आ हम ओकरा में रहेला, ऊ बहुत फल देला काहे कि हमरा बिना तू कुछ ना कर सकऽ।
6 अगर केहू हमरा में ना रहेला त ओकरा के डाढ़ नियर फेंकल जाला आ ऊ मुरझा जाला। आ आदमी ओह लोग के बटोर के आग में फेंक देला आ ऊ जरि जाला.
7 अगर तू हमरा में रहब आ हमार बात तोहनी में टिकल रहब त तू जवन चाहत माँगऽ आ तोहनी के पूरा हो जाई।
8 एही से हमार पिता के महिमा होला कि तू लोग बहुत फल देला। ओइसहीं तू हमार चेला बनबऽ।
9 जइसे पिता हमरा से प्रेम कइले बाड़न, ओइसहीं हम तोहनी से प्रेम कइले बानी।
10 अगर तू हमार आज्ञा के पालन करऽ त हमरा प्रेम में बनल रहबऽ। जइसे हम अपना पिता के आज्ञा के पालन कइले बानी आ उनकर प्रेम में बनल बानी।
11 हम ई बात तोहनी से कहले बानी कि हमार खुशी तोहनी में बनल रहे आ तोहनी के खुशी पूरा होखे।
12 हमार इ आज्ञा ह कि तू लोग एक दूसरा से ओइसहीं प्रेम करीं जइसे हम तोहनी से प्रेम कइले बानी।
13 एकरा से बड़ प्रेम केहू के नइखे कि आदमी अपना दोस्तन खातिर आपन जान दे देव।
14 तू हमार दोस्त हउअ, अगर हम जवन भी आज्ञा देत बानी, उहे करब।
15 अब से हम तोहनी के दास ना कहत बानी। काहे कि नौकर के मालूम नइखे कि ओकर मालिक का करत बा, बाकिर हम तोहनी के दोस्त कहले बानी. काहे कि हम अपना पिता के बारे में जवन कुछ सुनले बानी, ओकरा के हम तोहनी के बता देले बानी।
16 तू हमरा के ना चुनले बाड़, बलुक हम तोहनी के चुनले बानी आ तोहनी के नियुक्त कइलें बानी कि तू लोग जाके फल पैदा करऽ आ तोहनी के फल बनल रहे, ताकि तू हमरा नाम से पिता से जवन भी माँगबऽ, ऊ तोहके दे सके .
17 हम तोहनी के इहे आज्ञा देत बानी कि तू लोग एक दूसरा से प्रेम करीं।
18 अगर दुनिया तोहनी से नफरत करेला त तोहनी जानत हईं कि तोहरा से नफरत करे से पहिले हमरा से नफरत करत रहे।
19 अगर तू दुनिया के रहतीं त दुनिया अपना से प्यार करीत, लेकिन काहे कि तू दुनिया के ना हईं, लेकिन हम तोहनी के दुनिया से चुनले बानी, एही से दुनिया तोहनी से नफरत करत बा।
20 हम तोहनी से कहल बात के याद करऽ कि सेवक अपना मालिक से बड़ ना होला। अगर उ लोग हमरा के सतावले बाड़े त तोहनी के भी सताईहे। अगर उ लोग हमार बात के पालन कईले बाड़े त उ लोग आपके भी बात के पालन करीहे।
21 लेकिन इ सब काम उ लोग हमरा नाम के चलते तोहनी के करीहे, काहेकि उ लोग हमरा के भेजे वाला के नईखन जानत।
22 अगर हम ओह लोग से ना आके ना बतियावत रहतीं त ओह लोग के पाप ना रहित।
23 जे हमरा से नफरत करेला, उ हमरा पिता से भी नफरत करेला।
24 अगर हम ओह लोग के बीच में उ काम ना कइले रहतीं जवन केहू दोसर ना कइले रहित त ओह लोग के पाप ना भइल रहित, लेकिन अब उ लोग हमरा आ हमार पिता दुनु के देखले बाड़े आ नफरत करत बाड़े।
25 लेकिन इ अइसन होला कि उ लोग के व्यवस्था में लिखल वचन पूरा होखे कि उ लोग हमरा से बेवजह नफरत कईले।
26 जब उ दिलासा देवे वाला आ जाई, जेकरा के हम पिता के ओर से तोहनी के लगे भेजब, उ सच्चाई के आत्मा ह, जवन पिता से निकलेला, त उ हमरा बारे में गवाही दिहे।
27 तू लोग भी गवाही देब काहे कि तू लोग शुरू से हमरा साथे रहल बाड़ू।

अध्याय 16 के बा

1 हम तोहनी से इ बात कहले बानी कि तोहनी के कवनो नाराजगी मत होखे।
2 ऊ लोग तोहनी के आराधनालय से बाहर निकाल दीहें, हँ, समय आवत बा कि जे भी तोहनी के मार दी, ऊ सोची कि ऊ परमेश्वर के सेवा करत बा।
3 उ लोग तोहनी के साथे इ सब काम करीहे, काहेकि उ लोग पिता के ना जानत बाड़े, ना हमरा के।
4 लेकिन इ सब बात हम तोहनी के बता देले बानी कि जब समय आई त तोहनी के याद आ जाई कि हम तोहनी के बारे में बतवले रहनी। इ बात हम शुरू में तोहनी से ना कहनी, काहेकि हम तोहनी के साथे रहनी।
5 लेकिन अब हम ओकरा लगे जा रहल बानी जे हमरा के भेजले बा। तोहनी में से केहू हमरा से ना पूछेला कि तू कहाँ जात बाड़ू?
6 लेकिन हम तोहनी से इ बात कहे के चलते तोहनी के दिल में दुख भर गईल बा।
7 एकरा बावजूद हम तोहनी के सच कहत बानी। तोहनी खातिर ई उचित बा कि हम चल जाईं, काहे कि अगर हम ना जाईं त

दिलासा देवे वाला तोहनी के लगे ना आई। लेकिन अगर हम चल जाईब त ओकरा के तोहनी के लगे भेज देब।
8 जब उ अइहें त उ दुनिया के पाप, धार्मिकता आ न्याय के बारे में डांट दिहे।
9 पाप के बारे में, काहे कि उ लोग हमरा पर विश्वास ना करेला।
10 धार्मिकता के बारे में, काहे कि हम अपना पिता के लगे जात बानी, लेकिन तू हमरा के अब ना देखब।
11 न्याय के, काहे कि एह संसार के राजकुमार के न्याय होला।
12 हमरा लगे अभी बहुत कुछ कहे के बा, लेकिन अब तोहनी के सहन नईखी क सकत।
13 लेकिन जब उ सच्चाई के आत्मा आई त उ तोहनी के पूरा सच्चाई में ले जाई, काहेकि उ अपना बारे में ना बोली। लेकिन उ जवन कुछ सुनाई, उहे बात करी, अवुरी उ तोहनी के आवे वाला बात बताई।
14 उ हमरा के महिमा करीहे, काहेकि उ हमरा से मिल जाई आ तोहनी के बताई।
15 पिता के लगे जवन कुछ भी बा उ हमार ह, एही से हम कहनी कि उ हमरा से लेके तोहनी के बताई।
16 थोड़ देर त तू हमरा के ना देखब, आ कुछ देर में हमरा के देखब, काहे कि हम पिता के लगे चल जाइब।
17 तब उनकर कुछ चेला लोग आपस में कहलस, "ई का ह कि उ हमनी से कहत हव कि कुछ देर तक हमरा के ना देखब बाप?
18 उ लोग पूछले, "ई का कहत हव कि, "तनी देर में?" उ का कहत बाड़े, हमनी के नईखी बता सकत।
19 अब यीशु जान गईले कि उ लोग उनुका से पूछे के चाहत बाड़े अवुरी उ लोग से कहले, " का तू आपस में इ पूछताछ करीं कि हम कहले रहनी कि कुछ देर तक हमरा के ना देखब।" ?
20 हम तोहनी से साँच कहत बानी कि तू लोग रोवे आ विलाप करब, लेकिन दुनिया खुश होखब, आ तोहनी दुखी होखब, लेकिन तोहनी के दुख खुशी में बदल जाई।
21 जब मेहरारू के प्रसव होला त ओकरा दुख होला, काहे कि ओकर समय आ गइल बा, लेकिन जइसहीं ओकरा बच्चा के जन्म हो जाला त ओकरा मन के दुख के याद ना आवेला, काहे कि ओकरा खुशी से कि आदमी दुनिया में पैदा हो गइल बा।
22 अब तोहनी के दुख बा, लेकिन हम तोहनी के फेर से देखब, तोहनी के मन खुश हो जाई, आ तोहनी के खुशी केहु तोहनी से ना छीन पाई।
23 ओह दिन तू हमरा से कुछ ना पूछब। हम तोहनी से सच कहत हई कि तू जवन कुछ भी पिता से हमरा नाम से मांगब, उ तोहनी के दे दिहे।
24 अब तक तू हमरा नाम से कुछ ना मँगले बाड़ू, माँगS, त तू लोग के मिल जाई कि तोहनी के खुशी पूरा होखे।
25 हम इ सब बात तोहनी से कहावत में कहले बानी, लेकिन उ समय आवेला जब हम तोहनी से कहावत में ना बोलब, लेकिन हम तोहनी के पिता के बारे में साफ-साफ बता देब।
26 ओह दिन तू हमरा नाम से माँगबS आ हम तोहनी से नइखी कहत कि हम तोहनी खातिर पिता से प्रार्थना करब।
27 काहेकि पिता खुद तोहनी से प्यार करेलन, काहेकि तू लोग हमरा से प्रेम कइले बाड़S आ विश्वास कइले बाड़S कि हम परमेश्वर से निकलल बानी।
28 हम पिता से निकल के दुनिया में आ गईल बानी, फिर से हम दुनिया के छोड़ के पिता के पास चल जानी।
29 उनकर चेला लोग उनकरा से कहलन, "देखS, अब तू साफ-साफ बोलत बाड़S आ कवनो कहावत नइखS बोलत बाड़S।"
30 अब हमनी के पक्का विश्वास बा कि तू सब कुछ जानत बाड़ू आ केहू के तोहरा से पूछे के जरूरत नइखे।
31 यीशु ओह लोग के जवाब दिहलन, " का अब तू लोग विश्वास करत बाड़S?
32 देखS, ऊ समय आ गइल बा, हँ, अब आ गइल बा कि तू लोग हर केहू अपना घर में बिखर जाइब आ हमरा के अकेले छोड़ देबS, बाकिर तबहियों हम अकेले नइखीं, काहे कि पिता हमरा साथे बाड़न।
33 हम इ सब बात तोहनी से कहले बानी ताकि तोहनी के हमरा में शांति मिल सके। संसार में तोहनी के कष्ट होई, लेकिन हौसला से भरल रहब। हम दुनिया पर काबू पा लेले बानी।

अध्याय 17 के बा

1 ई बात ईसा कहलन आ स्वर्ग के ओर आँख उठा के कहलन, " पिता, समय आ गइल बा; अपना बेटा के महिमा करS ताकि तोहार बेटा भी तोहार महिमा कर सके।
2 जइसे तू ओकरा के सब शरीर पर अधिकार देले बाड़ू कि जेतना ओकरा के देले बाड़ू, ओकरा के अनन्त जीवन देस।
3 इ अनन्त जीवन ह, ताकि उ लोग तोहरा के एकलौता सच्चा परमेश्वर आ यीशु मसीह के जान सके, जेकरा के तू भेजले बाड़ू।
4 हम तोहरा के धरती पर महिमा देले बानी, जवन काम तू हमरा के करे के देले रहलू, ओकरा के हम पूरा कर लेले बानी।
5 अब हे पिता, तू हमरा के अपना साथे महिमा करS, जवन महिमा हमरा साथे दुनिया के होखे से पहिले रहे।
6 हम तोहार नाम ओह आदमी के सामने प्रगट कइले बानी जेकरा के तू हमरा के दुनिया से देले रहलू। आ ऊ लोग तोहार बात के पालन कइले बा।
7 अब उ लोग जान गईल बाड़े कि तू हमरा के जवन कुछ देले बाड़ू, उ सब तोरे से बा।
8 हम ओह लोग के उ बात देले बानी जवन तू हमरा के देले बाड़ू। उ लोग ओकरा के ग्रहण क लेले बाड़े अवुरी पक्का जान गईल बाड़े कि हम तोहरा से निकलल बानी अवुरी उ लोग मान लेले बाड़े कि तू हमरा के भेजले बानी।
9 हम ओह लोग खातिर प्रार्थना करत बानी, हम दुनिया खातिर ना, बलुक ओह लोग खातिर प्रार्थना करत बानी जवन तू हमरा के देले बाड़ू। काहे कि ऊ लोग तोहार ह.
10 हमार सब तोहार ह आ तोहार हमार ह। आ हम ओह लोग में महिमामंडित बानी।
11 अब हम दुनिया में नईखी, लेकिन इ लोग दुनिया में बाड़े अवुरी हम तोहरा लगे आईल बानी। पवित्र पिता, जेकरा के तू हमरा के देले बाड़ू, ओकरा के अपना नाम से रखीं ताकि उहो हमनी के जइसन एक हो सके।
12 जब हम दुनिया में ओह लोग के साथे रहनी तबले हम ओह लोग के तोहरा नाम से रखले रहनी, जवन तू हमरा के देले रहलू ओकरा के हम रखले बानी, लेकिन ओह लोग में से केहु ना खतम हो गईल बा, सिवाय नाश के बेटा के। ताकि शास्त्र पूरा होखे।
13 अब हम तोहरा लगे आवत बानी। आ ई बात हम दुनिया में कहत बानी, ताकि उ लोग हमार खुशी अपना आप में पूरा होखे।

14 हम ओह लोग के तोहार वचन देले बानी। आ दुनिया ओह लोग से नफरत कइले बिया काहे कि ऊ लोग दुनिया के ना ह, जइसे हम दुनिया के ना हईं.
15 हम ई नइखी करत कि तू ओह लोग के दुनिया से निकाल लीं, बलुक ओकरा के बुराई से बचा लीं।
16 उ लोग दुनिया के ना हवें, जइसे हम दुनिया के ना हईं।
17 अपना सच्चाई से ओह लोग के पवित्र करऽ, तोहार वचन सच्चाई ह।
18 जइसे तू हमरा के दुनिया में भेजले बाड़ू, ओइसहीं हम ओह लोग के दुनिया में भेजले बानी।
19 आऊ ओह लोग खातिर हम अपना के पवित्र करत बानी ताकि उ लोग भी सच्चाई के द्वारा पवित्र हो सके।
20 हम खाली एह लोग खातिर प्रार्थना नइखीं करत, बलुक ओह लोग खातिर भी प्रार्थना करत बानी जे अपना वचन से हमरा पर विश्वास करीहें।
21 ताकि उ सब एक हो सके। जइसे तू, हे पिता, हमरा में बानी आ हम तोहरा में, ताकि उ लोग भी हमनी में एक हो सके, ताकि दुनिया विश्वास कर सके कि तू हमरा के भेजले बाड़ू।
22 आऊ जवन महिमा तू हमरा के देले बाड़ू, हम ओह लोग के देले बानी। ताकि उ लोग एक हो सके, जइसे हमनी के एक बानी जा।
23 हम ओह लोग में बानी आ तू हमरा में, ताकि उ लोग एक में सिद्ध हो जास। आ दुनिया के पता चल सके कि तू हमरा के भेजले बाड़ू आ ओकरा से प्रेम कइले बाड़ऽ, जइसे तू हमरा से प्रेम कइले बाड़ऽ।
24 बाबू, हम चाहत बानी कि तू जेकरा के तू हमरा के देले बाड़ू, उहो हमरा साथे रहस जहाँ हम बानी। ताकि उ लोग हमार महिमा देख सकस जवन तू हमरा के देले बाड़ू, काहेकि तू हमरा से दुनिया के सृष्टि से पहिले प्यार करत रहलू।
25 हे धर्मी पिता, दुनिया तोहरा के ना जानत बा, लेकिन हम तोहरा के जानत बानी आ ई लोग जानत बा कि तू हमरा के भेजले बाड़ू।
26 हम ओह लोग के तोहार नाम सुनवले बानी आ बताइब, ताकि जवन प्रेम तू हमरा से प्रेम कइले बाड़ू ऊ ओह लोग में होखे आ हम ओह लोग में।

अध्याय 18 के बा

1 जब यीशु इ बात कहलन त उ अपना चेलन के साथे सीड्रोन नदी के पार चल गईले, जहवाँ एगो बगइचा रहे, जवना में उ आउर चेला लोग प्रवेश कईले|
2 ओकरा के धोखा देवे वाला यहूदा भी उ जगह के जानत रहले, काहेकि यीशु अपना चेलन के संगे अक्सर उहाँ घूमत रहले।
3 यहूदा मुख्य याजक आ फरीसियन से आदमी आ अफसरन के एगो दल लेके लालटेन, मशाल आ हथियार लेके उहाँ अइले।
4 यीशु अपना पर आवे वाला सब बात के जान के निकल के पूछले, " तू केकरा के खोजत बानी?"
5 उ लोग ओकरा के जवाब देले, "नासरत के यीशु।" यीशु उनकरा से कहलन, "हम उ हईं।" ओकरा के धोखा देवे वाला यहूदा भी ओ लोग के संगे खड़ा हो गईले।
6 जइसहीं ऊ ओह लोग से कहलन कि, "हम ऊ हईं, ऊ लोग पीछे हट के जमीन पर गिर गइलन."
7 तब उ फेर से पूछले कि, " तू केकरा के खोजत बानी?" उ लोग कहले, "नासरत के यीशु।"
8 यीशु जवाब दिहलन, " हम तोहनी के बता देले बानी कि हम उ हईं।
9 ताकि उ कहल बात पूरा होखे कि तू हमरा के जवन देले बाड़ू, ओकरा में से हम कवनो के गंवा नईखी कईले।
10 तब सिमोन पतरस तलवार लेके तलवार निकाल के महायाजक के सेवक के मार दिहलन आ ओकर दाहिना कान काट दिहलन। नौकर के नाम मालकुस रहे।
11 तब यीशु पतरस से कहले, " अपना तलवार के म्यान में डाल द, जवन प्याला हमार पिता हमरा के देले बाड़े, का हम ओकरा के ना पीब?
12 तब के दल आउर सेनापति आ यहूदियन के अफसर यीशु के पकड़ के बान्ह लिहले।
13 ऊ पहिले हन्ना के लगे ले गइलन। काहेकि उ कैफा के ससुर रहले, जवन कि ओही साल महायाजक रहले।
14 काइफा उहे रहलन जे यहूदी लोग के सलाह दिहलन कि लोग खातिर एक आदमी के मौत होखल जरूरी बा।
15 शमौन पतरस यीशु के पीछे-पीछे चलल आ एगो अउरी चेला भी, उ चेला महायाजक के जानत रहलन आ यीशु के साथे महायाजक के महल में चल गइलन।
16 लेकिन पतरस बाहर दुआर पर खड़ा रहले। तब ऊ दूसर चेला जे महायाजक के जानल-पहचानल रहे, बाहर निकल के दरबज्जा के रखवाली से बात क के पतरस के भीतर ले अइले।
17 दरवाजा के रखवाली लइकी पतरस से कहलस, "का तू भी एह आदमी के चेला में से ना हउअ?" ऊ कहत बाड़न कि हम नइखीं.
18 कोयला से आग जरा के नौकर आ अधिकारी उहाँ खड़ा रहले। काहे कि ठंडा रहे आ ऊ लोग गरम हो गइल आ पतरस ओह लोग के साथे खड़ा होके गरम हो गइल।
19 तब महायाजक यीशु से उनकर चेलन आ उनकर शिक्षा के बारे में पूछले|
20 यीशु जवाब दिहलन, " हम दुनिया से खुल के बोलत रहनी। हम कबो आराधनालय में, आ मंदिर में, जहाँ यहूदी लोग हमेशा सहारा लेला। आ गुप्त रूप से हम कुछ नइखी कहले।
21 तू हमरा से काहे पूछत बाड़? जे हमरा के सुनले बा, ओकरा से पूछीं कि हम का कहले बानी।
22 जब ऊ ई बात कहलन त ओहिजा खड़ा एगो अफसर यीशु के हाथ के हथेली से मार के कहलस, "का तू महायाजक के अईसन जवाब देत बाड़?"
23 यीशु जवाब दिहलन, " अगर हम बुरा बात कहले बानी त बुराई के गवाही दीं, लेकिन अगर ठीक बा त तू हमरा के काहे मारत बाड़?
24 हन्ना ओकरा के बान्ह के महायाजक कैफा के लगे भेजले रहले।
25 शमौन पतरस खड़ा होके गरम हो गइलन। उ लोग उनका से पूछले, "का तू भी उनकर चेला में से एगो ना हउअ?" उ एकरा से इनकार क के कहले, हम नईखी।
26 महायाजक के एगो सेवक उनकर रिश्तेदार रहले, जेकर कान पतरस काट देले रहले, उ कहलस कि, का हम तोहरा के उनुका संगे बगइचा में ना देखनी?
27 पतरस फेर से इनकार कर दिहलन आ तुरते मुर्गा कूद गइल।

28 तब उ लोग यीशु के कैफा से न्याय के हॉल में ले गईले। उ लोग खुद न्याय कक्ष में ना गईले कि कहीं उ लोग अशुद्ध ना होखस। लेकिन उ लोग फसह के पर्व के खाए खातिर।
29 पिलातुस ओह लोग के लगे जाके पूछले, "तू लोग एह आदमी पर कवन आरोप लगावत बानी?
30 उ लोग जवाब देले, "जदि उ अपराधी ना रहित त हम ओकरा के तोहरा हाथ में ना सौंप देले रहते।"
31 पिलातुस ओह लोग से कहलन, "तू लोग ओकरा के लेके अपना नियम के अनुसार ओकर न्याय करीं।" यहूदी लोग ओकरा से कहलस, "हमनी के केहू के मारल जायज नईखे।
32 ताकि यीशु के बात पूरा होखे, जवन उ कहले रहले कि उ कवना मौत के बारे में बतावत रहले।
33 तब पिलातुस फेर से न्याय के घर में घुस के यीशु के बोलवले आ पूछले, "का तू यहूदी लोग के राजा हउअ?"
34 यीशु जवाब दिहलन, " का तू ई बात अपना बारे में कहत बाड़ऽ कि दोसर लोग हमरा बारे में बतवले बा?
35 पिलातुस जवाब दिहलन, "का हम यहूदी हईं?" तोहार जाति आ मुख्य याजक तोहरा के हमरा सौंप देले बाड़े, तू का कईले बाड़?
36 यीशु जवाब दिहलन, " हमार राज्य एह दुनिया के ना ह, अगर हमार राज्य एह दुनिया के रहित त हमार सेवक लड़त कि हम यहूदी लोग के हाथ में ना सौंप दीं।
37 पिलातुस ओकरा से पूछले, "त का तू राजा हउअ?" यीशु जवाब दिहलन, " तू कहत हव कि हम राजा हईं।" हम एही खातिर पैदा भइल बानी आ एही से हम दुनिया में अइनी कि हम सच्चाई के गवाही देब। जे भी सच्चाई के बा, उ हमार आवाज सुनेला।
38 पिलातुस ओकरा से कहलन, "सत्य का ह? इ कहला के बाद उ फिर से यहूदी लोग के लगे गईले अवुरी कहले कि, "हमरा उनुका में कवनो दोष नईखे।"
39 तोहनी के एगो रिवाज बा कि हम फसह के दिन तोहनी खातिर एगो के छोड़ देब, का तू लोग यहूदी लोग के राजा के छोड़ देब?
40 तब सब लोग फेरु से चिल्ला के कहलस, "ई आदमी ना, बरब्बा ह।" अब बरब्बा एगो डकैत रहले।

अध्याय 19 के बा

1 पिलातुस यीशु के पकड़ के कोड़ा मार दिहलन।
2 सिपाही लोग काँट के मुकुट बना के ओकरा माथा पर पहिनले आ बैंगनी रंग के वस्त्र पहिनले।
3 ऊ कहलस, "यहूदियन के राजा, जय हो! आ ऊ लोग ओकरा के हाथ से मार दिहल।
4 पिलातुस फेरु से निकल के कहलन, "देखऽ, हम ओकरा के तोहनी के लगे ले आवत बानी ताकि तोहनी के पता चल सके कि हमरा ओकरा में कवनो दोष नइखे।"
5 तब यीशु काँट के मुकुट आ बैंगनी रंग के वस्त्र पहिनले निकलले। पिलातुस ओह लोग से कहलन, "देखऽ ऊ आदमी!"
6 जब मुख्य याजक आ अफसर लोग उनका के देख के चिल्ला के कहलस कि, "उनुका के सूली पर चढ़ा द, सूली पर चढ़ा दीं।" पिलातुस ओह लोग से कहलन, "तू लोग ओकरा के लेके सूली पर चढ़ा दऽ, काहेकि हमरा ओकरा में कवनो दोष नइखे मिलत।"
7 यहूदी लोग ओकरा के जवाब दिहल, "हमनी के एगो नियम बा, आ हमनी के नियम के अनुसार ओकरा के मर जाए के चाहीं, काहे कि उ अपना के परमेश्वर के बेटा बनवले बा।"
8 पिलातुस इ बात सुन के अउरी डेरा गईले।
9 फिर से न्यायालय में जाके यीशु से पूछले, "तू कहाँ से आइल बाड़?" लेकिन यीशु ओकरा के कवनो जवाब ना देले।
10 पिलातुस ओकरा से कहलन, "का तू हमरा से बात नइखऽ?" का तू नइख जानत कि हमरा तोहरा के सूली पर चढ़ावे के अधिकार बा आ तोहरा के छोड़े के अधिकार बा?
11 यीशु जवाब दिहलन, " जब तक तोहरा के ऊपर से ना दिहल जाई, तब तक तोहरा हमरा खिलाफ कवनो अधिकार ना हो सकत रहे।
12 तब से पिलातुस ओकरा के छोड़े के कोशिश कईले, लेकिन यहूदी लोग चिल्ला के कहलस कि, "अगर तू ए आदमी के छोड़ देब त तू सीजर के दोस्त ना हव।
13 पिलातुस ई बात सुन के यीशु के बाहर ले अइले आ न्याय के आसन पर बईठ गइलन जवन कि फुटपाथ कहल जाला, लेकिन हिब्रू भाषा में गब्बाथा कहल जाला।
14 फसह के पर्व के तइयारी आ लगभग छठवाँ घंटा के समय रहे आ ऊ यहूदी लोग से कहले, "देखऽ तोहार राजा!"
15 लेकिन उ लोग चिल्ला के कहलस कि, "उन के दूर कर दीं, ओकरा के सूली पर चढ़ा दीं।" पिलातुस उनकरा से कहलन, का हम तोहनी के राजा के सूली पर चढ़ा देब? मुख्य याजक लोग जवाब दिहलस, "हमनी के कैसर के अलावा कवनो राजा नईखे।"
16 तब उ उनकरा के सूली पर चढ़ावे खातिर सौंप दिहलन। उ लोग यीशु के लेके चल गईले।
17 ऊ आपन क्रूस लेके एगो अइसन जगह पर चल गइलन जवना के हिब्रू भाषा में गोल्गोथा कहल जाला।
18 उहाँ उ लोग ओकरा के सूली पर चढ़वले, आ दू गो अउरी लोग के दुनो ओर से एक आ बीच में यीशु के सूली पर चढ़वले।
19 पिलातुस एगो शीर्षक लिख के क्रूस पर रख दिहलन। लिखल रहे, "नासरत के यीशु यहूदियन के राजा।"
20 तब ई उपाधि बहुत यहूदी लोग पढ़त रहे काहे कि जहाँ यीशु के सूली पर चढ़ावल गइल रहे उ जगह शहर के नजदीक रहे।
21 तब यहूदी लोग के मुख्य याजक पिलातुस से कहले, "यहूदियन के राजा, मत लिखीं। लेकिन उ कहले कि, हम यहूदी लोग के राजा हईं।
22 पिलातुस जवाब दिहलन, "हम जवन लिखले बानी उहे लिखले बानी।"
23 तब सिपाही यीशु के सूली पर चढ़ा के उनकर कपड़ा लेके हर सिपाही के चार भाग में रखले| आ ओकर कोट भी, अब कोट बिना सीम के रहे, ऊपर से पूरा बुनल रहे।
24 उ लोग आपस में कहलस, "हमनी के एकरा के फाड़ के ना, बल्कि एकरा खातिर चिट्ठी डालल जाव कि इ केकर होई, ताकि पवित्रशास्त्र पूरा होखे, जवन कहत बा कि, उ लोग हमार कपड़ा ओ लोग के बीच बांटले अवुरी हमरा कपड़ा खाती चिट्ठी खेलले। एही से सिपाही लोग इ सब काम कईले।
25 यीशु के क्रूस के पास उनकर माई, उनकर माई के बहिन, क्लिओफा के पत्नी मरियम आ मरियम मगदलीनी खड़ा रहली।
26 जब यीशु अपना माई आ चेला के बगल में खड़ा देखलन, जेकरा से उ प्यार करत रहले, त उ अपना महतारी से कहले, " मेरी, देख तोहार बेटा!"

27 तब उ चेलन से कहलस, " देखऽ तोहार माई!" तब से उ चेला ओकरा के अपना घरे ले गईल।
28 एकरा बाद यीशु इ जान के कि अब सब कुछ पूरा हो गईल बा, ताकि पवित्रशास्त्र के बात पूरा हो सके, उ कहले कि, " हम प्यासल बानी।"
29 एगो बर्तन में सिरका से भरल रहे आ ऊ लोग एगो स्पंज में सिरका भर के हिसोप पर डाल के ओकरा मुँह में डाल दिहल।
30 जब यीशु सिरका लेहले त उ कहले, " ख़त्म हो गईल।"
31 एही से यहूदी लोग ई तइयारी रहे कि लाश सब्त के दिन क्रूस पर ना रहे, (काहे कि ऊ सब्त के दिन एगो ऊँच दिन रहे) पिलातुस से निहोरा कइले कि उनकर गोड़ टूट जाव आ ऊ लोग टूट जाव छीन लिहल गइल बा.
32 तब सिपाही लोग आके पहिला आ दूसरा के गोड़ तोड़ दिहल जवन ओकरा साथे सूली पर चढ़ावल गइल रहे।
33 जब उ लोग यीशु के लगे पहुंचले अवुरी देखले कि उ पहिलही मर चुकल बाड़े, त उनुकर गोड़ ना तोड़ले।
34 लेकिन एगो सिपाही भाला से ओकर बगल में छेद क दिहलस अवुरी तुरंत उहाँ से खून अवुरी पानी निकलल।
35 जे एकरा के देखलस उ गवाही दिहलस अवुरी ओकर गवाही सही बा, अवुरी उ जानत बा कि उ सही कहता, ताकि आप लोग विश्वास कर सकी।
36 ई सब एह से भइल कि शास्त्र पूरा होखे कि, "उनकर हड्डी ना टूटी।"
37 एगो अउरी शास्त्र में कहल गइल बा कि, "उ लोग जेकरा के छेदले बा, ओकरा के देखत होईहे।"
38 एकरा बाद अरिमाथिया के यूसुफ यीशु के चेला रहलन, लेकिन यहूदी लोग के डर से गुप्त रूप से पिलातुस से निहोरा कईले कि उ यीशु के लाश ले जास। उ आके यीशु के लाश लेके चल गईले|
39 निकोदेमस भी अइले, जे पहिले रात में यीशु के लगे आके गंधक आ मुसब्बर के मिश्रण लेके अइले, जवन लगभग सौ पाउंड वजन के रहे।
40 तब उ लोग यीशु के लाश लेके मसाला के संगे लिनन के कपड़ा में घाव देले, जईसे कि यहूदी लोग के दफनावे के तरीका ह।
41 जहाँ उनुका के सूली पर चढ़ावल गइल रहे, ओहिजा एगो बगइचा रहे। आ बगइचा में एगो नया कब्र रहे, जवना में अबहीं ले केहू के ना बिछावल गइल रहे।
42 यहूदी लोग के तैयारी के दिन के चलते उ लोग यीशु के उहाँ सुता देले। काहे कि कब्र नजदीक रहे।

अध्याय 20 के बा

1 हफ्ता के पहिला दिन मगदलीनी मरियम भोरे-सबेरे कब्र के पास अईली आ कब्र से पत्थर के हटावल देखली।
2 तब उ भाग के शमौन पतरस आ दूसरा चेला के लगे गईली, जेकरा से यीशु बहुत प्यार करत रहले अवुरी कहली कि, उ लोग प्रभु के कब्र से निकाल देले बाड़े, लेकिन हमनी के नईखी जानत कि उ लोग उनुका के कहाँ रखले बाड़े।
3 पतरस आउर उ दूसर चेला कब्र के पास चल गईले|
4 दुनो लोग एक संगे भाग गईले अवुरी दूसरा चेला पतरस से आगे भाग गईले अवुरी पहिले कब्र के पास पहुंच गईले।
5 ऊ झुक के भीतर देखत देखलन कि लिनन के कपड़ा पड़ल बा। फिर भी गईल उ अंदर ना।
6 तब शमौन पतरस उनका पीछे-पीछे आके कब्र में जाके लिनन के कपड़ा पड़ल देखले।
7 उनकर माथा के बगल में लागल नैपकिन लिनन के कपड़ा के साथे ना पड़ल रहे, बलुक एक जगह एक जगह पर एक साथ लपेटल रहे।
8 तब उ दूसर चेला भी अंदर गईल, जवन पहिले कब्र के पास आईल रहले, उ देख के विश्वास कईले।
9 उ लोग अभी तक पवित्रशास्त्र के बारे में ना जानत रहले कि उनुका मुवलन में से जी उठल जरूरी बा।
10 तब चेला लोग फेरु से अपना घरे चल गइलन।
11 लेकिन मरियम कब्र के पास रोवत-रोवत बाहर खड़ा रहली।
12 उ सफेद कपड़ा में दुगो स्वर्गदूत बईठल देखलस, एगो माथा प अवुरी दूसरा गोड़ प, जहां यीशु के लाश पड़ल रहे।
13 उ लोग ओकरा से पूछले, "मेरी, तू काहे रोवत बाड़ू? उ ओ लोग से कहली, काहेकि उ लोग हमरा प्रभु के छीन लेले बाड़े अवुरी हमरा नईखे मालूम कि उ लोग उनुका के कहाँ रखले बाड़े।
14 इ कहला के बाद उ पीछे मुड़ के यीशु के खड़ा देखली, लेकिन इ ना बुझली कि उ यीशु हवे।
15 यीशु ओकरा से पूछले, " मेरी, तू काहे रोवत बाड़ू? तू केकरा के खोजत बाड़ू? उ ओकरा के माली समझ के कहली, "महाराज, अगर तू ओकरा के इहाँ से ले गईल बाड़ू त बताव कि तू ओकरा के कहाँ रखले बाड़ू, हम ओकरा के लेके चल देब।"
16 यीशु ओकरा से कहलन, "मरियम।" ऊ मुड़ के ओकरा से कहली, "रब्बोनी!" जवना के मतलब बा कि गुरु।
17 यीशु ओकरा से कहलन, " हमरा के मत छूईं। काहेकि हम अभी तक अपना पिता के पास नईखी चढ़ल, लेकिन अपना भाई लोग के लगे जाके कहब कि हम अपना पिता अवुरी आपके पिता के लगे चढ़तानी। आ हमरा भगवान आ तोहार भगवान के।
18 मरियम मगदलीनी आके चेलन के बतवली कि उ प्रभु के देखले बाड़ी अवुरी उ उनुका से इ बात कहले बाड़े।
19 ओही दिन साँझ के हफ्ता के पहिला दिन जब यहूदी लोग के डर से जहाँ चेला लोग जुटल रहे, उहाँ के दरवाजा बंद हो गईल रहे, त यीशु बीच में खड़ा होके कहले, " रउआ लोग के शांति होखे।"
20 इ कहला के बाद उ ओ लोग के आपन हाथ अवुरी बगल देखवले। तब चेला लोग प्रभु के देख के खुश हो गईले।
21 तब यीशु फेर से कहलन, " तू लोग के शांति होखे, जइसे हमार पिता हमरा के भेजले बाड़े, ओइसहीं हम तोहनी के भेजत बानी।
22 ई कहला के बाद उ ओह लोग पर साँस लेहले आ कहलन कि पवित्र आत्मा के ग्रहण करऽ।
23 जेकर पाप तू माफ करबऽ, ओकरा के माफ कर दिहल जाला। आ जेकर पाप के तू लोग रखले बाड़ऽ, ओकरा के रोकल जाला।
24 जब यीशु अइले त बारह लोग में से एगो थोमस, जेकरा के डिडिमस कहल जाला, उ लोग के साथे ना रहे।
25 बाकी चेला लोग ओकरा से कहलस, "हम प्रभु के देखले बानी।" लेकिन उ ओ लोग से कहलस कि जब तक हम उनुका हाथ में नाखून के छाप ना देखब अवुरी नाखून के छाप में अँगुरी

ना डालब अवुरी ओकरा बगल में हाथ ना डालब, तब तक हम विश्वास ना करब।
26 आठ दिन बाद फिर से उनकर चेला लोग आ थोमस भी भीतर रहले, तब यीशु दरवाजा बंद होके अइले आ बीच में खड़ा होके कहले, " तोहरा खातिर शांति होखे।"
27 तब ऊ थोमस से कहलस, " अपना अँगुरी इहाँ पहुँच के हमार हाथ देखऽ। आऊ आपन हाथ इहाँ पहुँच के हमरा बगल में धकेल दऽ, आ अविश्वासी मत होखऽ, लेकिन विश्वास करे वाला होखऽ।
28 थोमस जवाब दिहलन, "हमार प्रभु आ हमार भगवान।"
29 यीशु ओकरा से कहलन, " थॉमस, काहेकि तू हमरा के देखले बाड़ऽ, तू विश्वास कर लेले बाड़ऽ।
30 यीशु अपना चेलन के सामने साँचहू अउरी बहुत चमत्कार कइलन जवन एह किताब में नइखे लिखल।
31 लेकिन इ सब एही खातिर लिखल गइल बा कि तू लोग विश्वास कर सकीले कि यीशु मसीह, परमेश्वर के बेटा हवें। आ विश्वास करके तोहनी के उनकर नाम से जीवन मिल सके।

अध्याय 21 के बा

1 एह सब के बाद यीशु तिबेरियास के समुंदर में चेला लोग के सामने फिर से देखा दिहलन। आ एही तरह से ऊ अपना के देखा दिहलन.
2 उहाँ शमौन पतरस, दिदिमस नाम के थोमा, गलील के काना के नथनील, जबदी के बेटा आउर उनकर दू गो अउरी चेला लोग एक साथ रहे।
3 शमौन पतरस उनकरा से कहलन, "हम मछरी मारे जात बानी।" उ लोग ओकरा से कहलस कि हमहूँ तोहरा साथे चलत बानी। उ लोग निकल के तुरंत एगो जहाज में बईठ गईले। आ ओह रात ऊ लोग कुछ ना पकड़ल.
4 जब सबेरे हो गईल त यीशु किनारे खड़ा हो गईले, लेकिन चेलन के इ ना मालूम रहे कि उ यीशु हवे।
5 तब यीशु उनकरा से पूछले, " लइका लोग, का तोहनी के कवनो भोजन बा? उ लोग ओकरा के जवाब देले कि ना।
6 ऊ ओह लोग से कहलन, " जाल के दाहिना ओर फेंक दीं त तोहनी के मिल जाई." उ लोग फेंकत रहले, लेकिन अब मछरी के भीड़ के चलते उ लोग ओकरा के ना खींच पवले।
7 एह से उ चेला जेकरा से यीशु प्यार करत रहले, पतरस से कहलस, "ई प्रभु हवें।" सिमोन पतरस जब सुनलस कि इ प्रभु हउवें त उ आपन मछुआरा के चोली ओकरा से बान्ह के समुन्दर में फेंक दिहलन|
8 बाकी चेला लोग एगो छोट नाव में चढ़ के अइले। (काहे कि ऊ लोग जमीन से दूर ना रहे, बलुक दू सौ हाथ जइसन रहे) मछरी से जाल घसीटत रहे।
9 जइसहीं ऊ लोग जमीन पर पहुँचल त उहाँ कोयला के आग लागल आ ओकरा पर मछरी आ रोटी बिछावल गइल।
10 यीशु उनकरा से कहलन, " अब जवन मछरी पकड़ले बानी, ओकरा के ले आवऽ।"
11 शमौन पतरस चढ़ के जाल खींच के जमीन पर पहुँच गइलन, जवन कि एक सौ तेवन मछरी से भरल रहे।
12 यीशु उनकरा से कहलन, " आके खाना खाईं।" कवनो चेला के हिम्मत ना भइल कि ऊ पूछे कि तू के हउअ? ई जानत कि ई प्रभु हवें।
13 तब यीशु आके रोटी लेके ओह लोग के आ मछरी भी देले।
14 मुवलन में से जी उठला के बाद अब ई तीसरा बेर बा जब यीशु अपना चेलन के सामने आपन बात देखावत रहलन।
15 जब उ लोग खाना खइले त यीशु शमौन पतरस से पूछले, " शमौन, योना के बेटा, का तू हमरा से एह लोग से जादे प्यार करेलन?" ऊ ओकरा से कहलस, "हँ, प्रभु; तू जानत बाड़ू कि हम तोहरा से प्यार करेनी। उ ओकरा से कहलस, " हमार मेमना के चरवऽ।"
16 ऊ दूसर बेर फेरु से कहलस, " यूनास के बेटा शमौन, का तू हमरा से प्यार करेलन?" ऊ ओकरा से कहलस, "हँ, प्रभु; तू जानत बाड़ू कि हम तोहरा से प्यार करेनी। उ ओकरा से कहलस, " हमार भेड़ के चरवऽ।"
17 ऊ तीसरा बेर ओकरा से कहलस, " शमौन, योना के बेटा, का तू हमरा से प्यार करेलन?" पतरस दुखी हो गइलन काहे कि ऊ तीसरा बेर ओकरा से कहले, "का तू हमरा से प्यार करत बाड़ऽ?" उ ओकरा से कहलस, "प्रभु, तू सब कुछ जानत बाड़ू। तू जानत बाड़ू कि हम तोहरा से प्यार करेनी। यीशु ओकरा से कहलन, " हमार भेड़न के चरावऽ।"
18 हम तोहरा से साँच कहत बानी कि जब तू जवान रहलू त तू अपना के कमरबंद क के जहाँ चाहत रहलू ओहिजा चलत रहलू ना चाहत रहे।
19 इ बात उ इ बतावत रहले कि उ कवना मौत से परमेश्वर के महिमा करीहे। ई बात कहके कहलन, " हमरा पीछे चलऽ."
20 पतरस घूम के देखलन कि उ चेला जेकरा से यीशु प्यार करत रहले। उहो रात के खाना खात घरी अपना छाती पर झुक के कहलस, "हे प्रभु, तोहरा के धोखा देवे वाला के ह?"
21 पतरस ओकरा के देख के यीशु से कहलस, "प्रभु, इ आदमी का करी?"
22 यीशु ओकरा से कहलन, " जदि हम चाहत बानी कि जबले हम ना आईब तब तक उ टिकल रहस त तोहरा खातिर का बा? तू हमरा पीछे-पीछे चल जा।
23 तब भाई लोग के बीच इ बात फैलल कि उ चेला ना मरे। लेकिन, अगर हम चाहब कि जब तक उ हम ना आईब, तब तक उ टिकल रहस त तोहरा खातिर का होई?
24 इहे चेला ह जवन एह बातन के गवाही देत बा आ इ सब लिखले बा।
25 अउरी भी बहुत काम बा जवन यीशु कइले रहले, जवन अगर हर एक के लिखल जाव त हमरा लागता कि दुनिया में भी उ किताब ना हो सकत रहे जवन लिखल जाव| आमीन के बा।

प्रेरित लोग के काम

अध्याय 1 के बा

1 हे थियोफिलस, हम पहिले के ग्रंथ बनवले बानी, जवन कुछ यीशु करे आ सिखावे के शुरू कइले रहले।
2 जब तक उनकरा के ऊपर उठावल गईल, ओकरा बाद उ पवित्र आत्मा के द्वारा ओह प्रेरित लोग के आज्ञा ना देले रहले, जेकरा के उ चुनले रहले।
3 ऊ अपना कष्ट के बाद चालीस दिन तक उनकरा से जिन्दा देखावत रहलन।
4 उ लोग के साथे एकट्ठा होके आज्ञा दिहलन कि यरूशलेम से ना निकले के चाहीं, बलुक पिता के वादा के इंतजार करे के चाहीं जवन तू लोग हमरा बारे में सुनले बाड़ऽ।
5 काहेकि यूहन्ना सचमुच पानी से बपतिस्मा देले रहले। लेकिन तोहनी के बहुत दिन बाद पवित्र आत्मा से बपतिस्मा लेवे के पड़ी।
6 जब उ लोग एकट्ठा भईले त उ लोग उनुका से पूछले कि, "हे प्रभु, का तू एही समय इस्राएल के राज्य फेर से देब?"
7 उ लोग से कहलन, " ई तोहनी के काम नइखे कि उ समय भा मौसम के बारे में जानीं, जवन पिता अपना अधिकार में रखले बाड़े।
8 लेकिन पवित्र आत्मा के तोहनी पर अइला के बाद तोहनी के शक्ति मिल जाई आ यरूशलेम, पूरा यहूदिया, सामरिया आ धरती के अंत तक हमार गवाह बनब।
9 जब उ लोग इ बात कहले त उ लोग के ऊपर उठावल गईल। आ बादल ओकरा के ओह लोग के नजर से दूर ले लिहलस।
10 जब उ लोग चढ़त-चढ़त आकाश के ओर मजबूती से देखत रहले, त देखले कि उ सफेद कपड़ा पहिनले दु आदमी ओ लोग के बगल में खड़ा रहले।
11 उ लोग इहो कहत रहे कि, "हे गलील के लोग, तू लोग स्वर्ग के ओर देखत काहे खड़ा हो जानी जा?" इहे यीशु, जे तोहनी से स्वर्ग में ले जाइल गइल बा, ओइसहीं अइहें जइसे तोहनी के स्वर्ग में जात देखले बानी।
12 उ लोग जैतून नाम के पहाड़ से यरूशलेम वापस आ गईले, जवन यरूशलेम से सब्त के दिन के यात्रा के दूरी प बा।
13 जब ऊ लोग अंदर अइले त ऊ लोग एगो ऊपरी कमरा में चल गइलन जहाँ पतरस, याकूब, यूहन्ना, अँड्रियास, फिलिप, थोमा, बार्थोलोम्यू आ मत्ती, अल्फीस के बेटा याकूब आ शमौन सिलोतस दुनु रहले. आ याकूब के भाई यहूदा।
14 ई सब मेहरारू लोग आ यीशु के महतारी मरियम आ उनकर भाई लोग के साथे एक मन से प्रार्थना आ निहोरा करत रहलन।
15 ओह दिन में पतरस चेलन के बीच में खड़ा होके कहले, "नाम के संख्या लगभग एक सौ बीस रहे|
16 भाई लोग, ई शास्त्र पूरा हो गइल होई, जवन पवित्र आत्मा दाऊद के मुंह से यहूदा के बारे में पहिले कहले रहले, जवन यीशु के ले जाए वाला लोग के मार्गदर्शक रहे।
17 काहेकि उ हमनी के साथे गिनल गईल रहले अवुरी उ एह सेवा के हिस्सा मिल गईल रहले।
18 इ आदमी अधर्म के इनाम से खेत खरीदले। आ माथा से गिर के बीच में फाट गइल आ ओकर सगरी आंत निकल गइल.
19 यरूशलेम में रहे वाला सब लोग के ई बात पता चलल। एतना कि ओह खेत के ओह लोग के उचित भाषा में एसेल्डामा कहल जाला, माने कि खून के खेत।
20 भजन संहिता के किताब में लिखल बा कि, "उनुकर निवास उजाड़ होखे, आ ओकरा में केहू ना रहे।"
21 एह से ई आदमी जे हर समय हमनी के साथे रहलन जब प्रभु यीशु हमनी के बीच में आवत-जात रहलन।
22 यूहन्ना के बपतिस्मा से शुरू होके उहे दिन जब उ हमनी से उठावल गईल रहले, ओकरा के हमनी के संगे उनुका जी उठला के गवाह बने के चाही।
23 उ लोग दू गो के नियुक्त कइलन, यूसुफ, जेकर नाम बरसाबास रहे, जेकर नाम यूसुस रहे आ मथियास।
24 उ लोग प्रार्थना करत कहले, "हे प्रभु, जे सब लोग के दिल के जानेला, बताईं कि तू ए दुनो में से चुनले बाड़ कि ना।
25 एह से उ एह सेवा आ प्रेरित के काम में हिस्सा ले सके, जवना से यहूदा अपराध के चलते गिर गईले, ताकि उ अपना जगह प जा सके।
26 ऊ लोग आपन भाग्य दे दिहल। आ चिट्ठी मथियस पर पड़ल। आ उनकर गिनती एगारह गो प्रेरितन के साथे भइल।

अध्याय 2 के बा

1 जब पेंटेकोस्ट के दिन पूरा हो गईल त उ सब एक-एक जगह एक-मती में रहले।
2 अचानक आकाश से एगो तेज हवा निहन आवाज आईल अवुरी उ पूरा घर में भर गईल, जहां उ लोग बईठल रहले।
3 ओह लोग के आग जइसन फाटल जीभ लउकल आ ऊ ओह लोग में से हर केहू पर बइठल रहे।
4 उ सब पवित्र आत्मा से भर गईले अवुरी आत्मा के बात के मुताबिक दोसरा भाषा में बोले लगले।
5 यरूशलेम में स्वर्ग के नीचे के हर जाति में से यहूदी लोग, भक्तिमान आदमी रहत रहले।
6 जब ई बात के आवाज भइल त भीड़ एकट्ठा होके लजाइल, काहे कि हर केहू ओह लोग के अपना भाषा में बोलत सुनलस।
7 उ सब लोग अचरज में पड़ गईले अवुरी एक दूसरा से कहत रहले कि, "का इ सब लोग गलील के लोग नईखन?"
8 हमनी के हर केहू अपना-अपना भाषा में कइसे सुनत बानी जा, जवना में हमनी के जनम भइल बानी जा?
9 पार्थियन, मादी, इलामी आ मेसोपोटामिया, यहूदिया, कप्पडोसिया, पोंतुस आ एशिया में रहे वाला लोग।
10 मिस्र के फ्रिगिया आ पम्फिलिया आ सीरेन के आसपास के लीबिया के इलाका में आ रोम के परदेसी लोग, यहूदी आ धर्म परिवर्तन करे वाला लोग।
11 क्रेते आ अरब लोग, हमनी के उ लोग के अपना भाषा में परमेश्वर के अद्भुत काम कहत सुनत बानी जा।
12 उ सब लोग अचरज में पड़ गईले अवुरी एक दूसरा से पूछत रहले कि, एकर का मतलब बा?
13 दूसर लोग मजाक उड़ावत कहलस, "ई लोग नया शराब से भरल बा।"
14 लेकिन पतरस एगारह लोग के साथे खड़ा होके आवाज उठा के कहलन कि, "हे यहूदिया के लोग आ यरूशलेम में रहे वाला सब लोग, ई बात के पता लगाईं आ हमार बात सुनीं।
15 काहेकि ई लोग नशा में धुत नइखन, जइसन कि तोहनी के लागत बा, काहेकि ई दिन के तीसरा घंटा ह।
16 लेकिन इहे बात ह जवन योएल भविष्यवक्ता कहले रहले।

17 भगवान कहत बाड़न कि आखिरी दिन में हम आपन आत्मा के सब शरीर पर उझल देब आ तोहार बेटा-बेटी भविष्यवाणी करीहें आ तोहार नवही लोग दर्शन देखिहें आ तोहार बुढ़ लोग सपना देखसु : 1।
18 आ ओह दिनन में हम अपना नौकरन आ दासी लोग पर आपन आत्मा डालब। उ लोग भविष्यवाणी करीहे।
19 हम ऊपर से स्वर्ग में चमत्कार करब आ नीचे धरती पर चिन्हार देखब। खून, आग, आ धुँआ के वाष्प।
20 प्रभु के ऊ महान आ उल्लेखनीय दिन आवे से पहिले सूरज अन्हार में बदल जाई आ चंद्रमा खून में बदल जाई।
21 आउर अइसन होई कि जे भी प्रभु के नाम पुकारत उ उद्धार पाई।
22 हे इस्राएल के लोग, ई बात सुनीं। नासरत के यीशु, तोहनी में चमत्कार आ चमत्कार आ चमत्कार आ चमत्कार आ चमत्कार आ चमत्कार से परमेस् वर के अनुमोदित रहलन, जवन परमेश्वर तोहनी के बीच में उनकरा द्वारा कइलन, जइसन कि रउवां खुद जानत बानी।
23 परमेस् वर के निश्चित सलाह आ पूर्वाज्ञान से ओकरा के बचावल जाके तू लोग ओकरा के पकड़ लेले बाड़ऽ आ दुष्ट हाथ से सूली पर चढ़ा के मार देले बाड़ऽ।
24 परमेस् वर ओकरा के जिंदा कर देले बाड़न आ मौत के पीड़ा ढीला कर दिहले बाड़न, काहे कि ओकरा के पकड़ल संभव ना रहे।
25 दाऊद उनकरा बारे में कहत बाड़न कि हम हमेशा प्रभु के सामने देखत रहनी, काहे कि उ हमरा दाहिना ओर बाड़े, ताकि हम ना हिल जाईं।
26 एही से हमार मन खुश हो गइल आ जीभ खुश हो गइल। एकरा अलावा हमार शरीर भी आशा में आराम करी।
27 काहे कि तू हमरा प्राण के नरक में ना छोड़ब आ ना ही अपना पवित्र के नाश होखे देब।
28 तू हमरा के जीवन के रास्ता बता देले बाड़ू। तू हमरा के अपना चेहरा से आनन्द से भरल बना देबऽ।
29 भाई लोग, हम तोहनी से कुलपति दाऊद के बारे में बतावत बानी कि उ मर गईल बाड़े अवुरी दफन हो गईल बाड़े अवुरी उनुकर कब्र आज तक हमनी के संगे बा।
30 एह से ऊ एगो भविष्यवक्ता रहलन आ ई जानत रहलन कि परमेश्वर उनकरा के कसम खइले बाड़न कि उनकर कमर के फल से शरीर के हिसाब से उ मसीह के जिंदा कर के अपना सिंहासन पर बइठा दिहे।
31 ई देख के उ पहिले मसीह के जी उठला के बारे में बतवले कि उनकर प्राण नरक में ना छोड़ल गइल आ ना उनकर शरीर नाश होखे लागल।
32 एह यीशु के परमेश्वर जिंदा कर देले बाड़न, जेकर गवाह हमनी के सब केहू हईं जा।
33 एह से परमेश्वर के दाहिना हाथ से ऊँच होके पिता से पवित्र आत्मा के प्रतिज्ञा मिलला के बाद उ इ बात बहा दिहले बाड़न जवन रउवां अब देखत आ सुनत बानी।
34 काहे कि दाऊद आकाश में ना चढ़ल बाड़न, बाकिर ऊ खुदे कहत बाड़न कि प्रभु हमरा प्रभु से कहले बाड़न कि तू हमरा दाहिना ओर बईठऽ.
35 जब तक हम तोहरा दुश्मनन के तोहार गोड़ के आधार ना बना देब।
36 एह से पूरा इस्राएल के घराना के ई बात पक्का हो जाव कि परमेश्वर उहे यीशु के प्रभु आ मसीह बना देले बाड़न, जेकरा के रउवां सूली पर चढ़वले बानी।
37 इ सुन के उ लोग के मन में चुभन हो गईल अवुरी पतरस अवुरी बाकी प्रेरित लोग से कहलस, "हे भाई लोग, हमनी के का करीं?
38 पतरस ओह लोग से कहलन, "पश्चाताप करीं आ पाप के माफी खातिर तोहनी में से हर केहू यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा लीं, त तोहनी के पवित्र आत्मा के वरदान मिल जाई।"
39 काहेकि ई वादा तोहनी खातिर, तोहनी के लइकन खातिर आ दूर के सब लोग खातिर बा, जेकरा के हमनी के परमेश्वर प्रभु बोलावेलन।
40 उ अउरी बहुत शब्दन के साथे गवाही देत कहले कि, "अपना के एह अशुभ पीढ़ी से बचा लीं।"
41 तब जे लोग उनकर वचन के खुशी से ग्रहण कइल, उ लोग बपतिस्मा लिहले आ ओही दिन ओह लोग में करीब तीन हजार लोग के जोड़ल गइल।
42 ऊ लोग प्रेरित लोग के शिक्षा आ संगति में, रोटी तोड़े आ प्रार्थना में अडिग रहलन।
43 हर आदमी पर डर लागल आ प्रेरित लोग के द्वारा बहुत चमत्कार आ चमत्कार कइल गइल।
44 बिसवास करे वाला सब लोग एक साथ रहे आ सब कुछ साझा रहे।
45 ऊ लोग आपन संपत्ति आ सामान बेच के हर आदमी के जरूरत के हिसाब से सब लोग के बाँट दिहल।
46 उ लोग रोज एक मन से मंदिर में रहत रहले अवुरी घर-घर रोटी तोड़त रहले अवुरी खुशी-खुशी अवुरी अकेला मन से आपन खाना खात रहले।
47 परमेश्वर के स्तुति करत अउर सब लोग के अनुग्रह करत। आ प्रभु रोज कलीसिया में अइसन लोग के जोड़त रहले जेकरा के बचावे के चाहीं।

अध्याय 3 के बा

1 पतरस आ यूहन्ना प्रार्थना के समय में एक संगे मंदिर में चढ़ गईले।
2 एगो लंगड़ा आदमी के माई के पेट से लेके चलल गईल, जेकरा के उ लोग रोज मंदिर में घुसे वाला लोग से भिक्षा मांगे खातिर मंदिर के फाटक प सुतावत रहले, जवन कि सुंदर कहल जाला।
3 पतरस आ यूहन्ना के मंदिर में जाए वाला देख के उ भिक्षा मंगले|
4 पतरस यूहन्ना के साथे उनकरा पर नजर डाल के कहले, "हमनी के देखऽ।"
5 उ लोग के कुछुओ पावे के उम्मीद करत उ लोग के ध्यान देले।
6 पतरस कहलन, "हमरा लगे चाँदी आ सोना नइखे। लेकिन जवन हमरा लगे बा, हम तोहरा के देत बानी, नासरत के यीशु मसीह के नाम से उठ के चल जा।
7 ऊ उनकर दाहिना हाथ पकड़ के ऊपर उठा लिहलन आ तुरते उनकर गोड़ आ टखना के हड्डी में ताकत मिल गइल।
8 ऊ कूद के खड़ा होके चलल आ ओह लोग के साथे मंदिर में घुस गइल आ चलत आ उछलत आ भगवान के स्तुति करत।
9 सब लोग ओकरा के चलत आ भगवान के स्तुति करत देखले।

10 उ लोग जान गईले कि उहे मंदिर के सुंदर फाटक प भिक्षा देवे खातिर बईठल रहले अवुरी उनुका संगे भईल घटना से उ लोग अचरज अवुरी अचरज से भर गईले।
11 जब ऊ लंगड़ा ठीक हो गइल रहे, पतरस आ यूहन्ना के पकड़ले रहे, त सब लोग बहुत आश्चर्यचकित होके सुलेमान के बरामदा में एक संगे भाग गईले।
12 पतरस ई देख के लोग से कहलन, "हे इस्राएल के लोग, तू लोग एह बात से काहे आश्चर्यचकित होखब? का तू लोग हमनी के एतना गंभीरता से काहे देखत बाड़ू कि जइसे हमनी के अपना शक्ति भा पवित्रता से एह आदमी के चले के काम कइले बानी जा?
13 अब्राहम, इसहाक आ याकूब के परमेश्वर, हमनी के पुरखन के परमेश्वर, अपना बेटा यीशु के महिमा कइले बाड़न। पिलातुस के सामने जब पिलातुस ओकरा के छोड़े के ठान लेले रहले त तू ओकरा के सौंप देनी।
14 लेकिन तू पवित्र आ धर्मी के नकारत रहलू आ चाहत रहलू कि तोहनी के एगो हत्यारा के अनुमति दिहल जाव।
15 उ जीवन के राजकुमार के मार दिहलस, जेकरा के परमेश्वर मुवलन में से जिंदा कईले बाड़े। जवना के हमनी के गवाह बानी जा।
16 आउर उनकर नाम उनकरा नाम पर बिसवास से एह आदमी के मजबूत बना देले बा, जेकरा के रउवां देखत बानी आ जानत बानी।
17 अब हे भाई लोग, हमरा मालूम बा कि तू लोग अज्ञानता के चलते इ काम कईनी, जईसे कि आपके शासक भी कईले रहले।
18 लेकिन जवन बात परमेश्वर पहिले अपना सब भविष्यवक्ता लोग के मुंह से बता देले रहले कि मसीह के कष्ट उठावे के बा, उ पूरा क देले बाड़े।
19 एह से तू लोग पश्चाताप करीं आ फेर से बदल जाईं ताकि तोहनी के पाप मिटा दिहल जा सके, जब प्रभु के सामने से ताजा होखे के समय आई।
20 उ यीशु मसीह के भेज दिहे, जेकर प्रचार पहिले तोहनी से भइल रहे।
21 जब तक परमेस् वर दुनिया के शुरू से ही अपना सब पवित्र भविष्यवक्ता लोग के मुंह से कहले बाड़न, तब तक स्वर्ग के उनकरा के ग्रहण करे के पड़ी।
22 काहेकि मूसा सही मायने में पुरखन से कहले रहले कि, प्रभु तोहनी के परमेस् वर तोहनी के भाई लोग में से हमरा निहन एगो भविष्यवक्ता के खड़ा करीहे। उ जवन कुछ भी कहत होई, ओकरा के तू लोग सुनब।
23 आऊ हर आदमी जे ओह भविष्यवक्ता के बात ना सुन पाई, उ लोग के बीच से नाश हो जाई।
24 हँ, शमूएल से लेके ओकरा बाद के सब भविष्यवक्ता लोग भी एही दिन के बारे में भविष्यवाणी कइले बा।
25 तू लोग भविष्यवक्ता लोग के संतान हउअ आउर उ वाचा के संतान हउअ जवन परमेश्वर हमनी के पुरखन से इब्राहीम से कहले रहले कि, "तोहरा संतान से धरती के सब जाति के आशीष मिल जाई।"
26 सबसे पहिले परमेस् वर अपना बेटा यीशु के जिंदा क के तोहनी में से हर एक के आपन पाप से दूर करे खातिर तोहनी के आशीर्वाद देवे खातिर भेजले|

अध्याय 4 के बा

1 जब उ लोग लोग से बात करत रहले त पुजारी, मंदिर के सेनापति आ सदुकी लोग ओह लोग पर आ गईले।
2 उ लोग लोग के सिखावे के बात से दुखी होके यीशु के द्वारा मुवलन में से जी उठला के प्रचार कईले|
3 ऊ लोग ओह लोग पर हाथ डाल के अगिला दिने ले रोक दिहल, काहे कि अब साँझ हो गइल रहे।
4 बाकिर वचन सुनल लोग में से बहुत लोग बिसवास कइल। आ आदमी के संख्या करीब पांच हजार रहे।
5 अगिला दिने ओह लोग के शासक, बुजुर्ग आ शास्त्री लोग।
6 महायाजक हन्ना, कैफा, यूहन्ना, सिकंदर आ महायाजक के परिवार के जेतना लोग यरूशलेम में जुटल रहले।
7 जब उ लोग ओह लोग के बीच में बइठा के पूछले, "तू लोग कवना शक्ति से आ कवना नाम से ई काम कइले बाड़ऽ?"
8 तब पतरस पवित्र आत्मा से भरल उनके कहलन, "हे लोग के शासक आ इस्राएल के बूढ़ लोग।
9 अगर आज हमनी के नपुंसक के साथे कइल गइल अच्छा काम के बारे में जाँचल जाव त ऊ कवना तरीका से ठीक हो गइल बा।
10 रउआ सभे आ इस्राएल के सब लोग के ई पता चल जाव कि नासरत के यीशु मसीह के नाम से, जेकरा के रउआ सूली पर चढ़ा देले बानी, जेकरा के परमेश्वर मुवलन में से जिंदा कइले रहलन, इ आदमी इहाँ तोहनी के सामने ठीक हो गइल बा।
11 इहे उ पत्थर ह जवन तोहनी बिल्डर लोग के कुछुओ ना हो गईल रहे, जवन कोना के सिर बन गईल बा।
12 आऊ कवनो दोसर में उद्धार नइखे, काहेकि स्वर्ग के नीचे आदमी के बीच कवनो दोसर नाम नइखे दिहल गइल जवना से हमनी के उद्धार होखे के चाहीं।
13 जब उ लोग पतरस आ यूहन्ना के हिम्मत देख के देखले कि उ लोग अशिक्षित आ अज्ञानी आदमी हवें त उ लोग अचरज में पड़ गईले। उ लोग के पता चल गईल कि उ लोग यीशु के संगे रहले।
14 ऊ लोग ठीक हो गइल आदमी के अपना साथे खड़ा देख के ऊ लोग एकरा खिलाफ कुछ ना कह पवलस।
15 लेकिन जब उ लोग परिषद से बाहर निकले के आदेश देले त उ लोग आपस में बातचीत कईले।
16 ऊ कहलन कि हमनी के एह लोग के का करीं जा? काहे कि यरूशलेम में रहे वाला सब लोग के ई बात साफ बा कि ओह लोग के द्वारा एगो उल्लेखनीय चमत्कार भइल बा। आ हमनी के एकरा से इनकार नईखी क सकत।
17 लेकिन अगर ई बात लोग के बीच अउरी ना फइल जाव त हमनी के ओह लोग के कड़ा धमकी दीं कि अब से उ लोग एह नाम से केहू से बात मत करस।
18 उ लोग ओ लोग के बोलवले अवुरी आदेश देले कि उ लोग यीशु के नाम से कवनो बात मत बोलस अवुरी ना सिखाई।
19 पतरस आ यूहन्ना उनकरा से कहलन, "परमेशवर के नजर में परमेश्वर से जादा तोहनी के बात सुनल सही बा कि ना, त तोहनी के न्याय करीं।
20 हमनी के जवन देखल आ सुनले बानी जा, उ बात ना बोल सकेनी जा।
21 जब उ लोग ओह लोग के अउरी धमकवले त उ लोग के छोड़ देले, काहेकि लोग के वजह से उ लोग के कुछ ना मिलल कि उ लोग के सजा देवे के तरीका कुछूओ ना मिलल, काहेकि सब लोग इ काम के चलते भगवान के महिमा करत रहले।

22 काहेकि उ आदमी चालीस साल से ऊपर के रहे, जेकरा पर चंगाई के चमत्कार कईल गईल रहे|
23 छोड़ के ऊ लोग अपना दल में जाके मुख्य याजक आ बुजुर्ग लोग के कहल सब बात के जानकारी दिहल।
24 ई सुन के ऊ लोग एक मन से भगवान के ओर आवाज उठा के कहलस, “प्रभु, तू भगवान हउअ, जे आकाश, धरती, समुंदर आ ओहमें मौजूद सब कुछ बनवले बानी।
25 ऊ तोहार सेवक दाऊद के मुँह से कहले बा कि गैर-यहूदी लोग काहे नाराज हो गइल आ लोग बेकार के कल्पना काहे कइल?
26 धरती के राजा लोग खड़ा हो गइलन आ शासक लोग प्रभु आ उनकर मसीह के खिलाफ एकट्ठा हो गइलन।
27 साँचहू तोहरा पवित्र संतान यीशु के खिलाफ, जेकरा के तू अभिषेक कइले बाड़ू, हेरोदेस आ पोंतियुस पिलातुस, गैर-यहूदी आ इस्राएल के लोग के साथे एकट्ठा हो गइल रहले।
28 काहे कि तोहार हाथ आ सलाह जवन पहिले से तय कइले रहे, ओकरा के पूरा करीं।
29 अब हे प्रभु, ओह लोग के धमकी देखऽ, आ अपना सेवकन के एह बात के अनुमति दीं कि ऊ लोग पूरा हिम्मत से तोहार बात कह सके.
30 ठीक करे खातिर आपन हाथ बढ़ा के। आ तोहार पवित्र संतान यीशु के नाम से चमत्कार आ चमत्कार हो सके।
31 जब उ लोग प्रार्थना कईले त उ जगह हिल गईल, जहां उ लोग एक संगे जुटल रहले। उ सब पवित्र आत्मा से भर गईले अवुरी उ लोग निर्भीकता से परमेश्वर के वचन बतवले।
32 विश्वास करे वाला लोग के भीड़ एक दिल आ एक आत्मा के रहे, आ ना ही कहलस कि ओकरा लगे जवन चीज बा ओकरा के ओकर आपन ह। बाकिर दुनु में सब कुछ साझा रहे।
33 प्रेरित लोग प्रभु यीशु के जी उठला के बारे में बहुत शक्ति से गवाही देले।
34 ओह लोग में से केहू के कमी ना रहे, काहे कि जेतना जमीन भा घर के मालिक रहे, ऊ बेच के बेचल चीज के दाम लेके आवत रहे।
35 प्रेरित लोग के गोड़ पर सुता दिहलन आ हर आदमी के जरूरत के हिसाब से बाँट दिहल गइल।
36 योसेस, जे प्रेरित लोग के द्वारा बरनबास (जवना के मतलब होला, सांत्वना देवे वाला बेटा) लेवी आ साइप्रस के देश के रहे।
37 जमीन रहला के बाद बेच के पईसा लेके आके प्रेरित लोग के गोड़ में रख देहले|

अध्याय 5 के बा

1 लेकिन अननिया नाम के एगो आदमी अपना पत्नी सफीरा के संगे आपन संपत्ति बेच देलस।
2 उनकर मेहरारू के भी पता रहे कि उ दाम के कुछ हिस्सा रोक के एगो हिस्सा लेके प्रेरित लोग के गोड़ में रख दिहली।
3 पतरस कहलन, “अननिया, पवित्र आत्मा से झूठ बोले खातिर शैतान तोहार मन में काहे भरले बा आ देश के दाम के कुछ हिस्सा के रोक के रखले बा?
4 जबले ऊ रहल, का ऊ तोहार ना रहे? आ बेचला के बाद का ई तोहरा अधिकार में ना रहे? तू अपना मन में ई बात काहे सोचले बाड़ू? तू आदमी से झूठ ना बोलले बाड़ू, बल्कि भगवान से झूठ बोलले बाड़ू।
5 अननिया ई बात सुन के गिर गइलन आ भूत छोड़ दिहलन आ ई बात सुनल सभे लोग में बहुते डर लाग गइल।
6 युवक उठ के ओकरा के घायल क के बाहर ले गईले अवुरी दफना देले।
7 लगभग तीन घंटा के बाद उनकर मेहरारू के इ ना मालूम रहे कि का भईल बा।
8 पतरस ओकरा से कहलन, “बतावऽ कि का तू लोग जमीन के एतना दाम में बेचले बाड़ऽ?” ऊ कहली, हँ, एतना खातिर।
9 तब पतरस ओकरा से कहलन, “प्रभु के आत्मा के परीक्षा देवे खातिर तू लोग कइसे सहमत हो गइल बाड़ऽ? देखऽ, तोहार पति के दफनावे वाला लोग के गोड़ दुआर पर बा आ तोहरा के बाहर ले जाई।
10 तब ऊ तुरते उनकर गोड़ पर गिर गइल आ भूत के छोड़ दिहली आ नवही लोग भीतर आके ओकरा के मरल देखले आ ओकरा के ले जाके ओकरा के पति के लगे दफना दिहलस।
11 पूरा कलीसिया आ जे लोग ई बात सुनले रहे, ओकरा पर बहुत डर लाग गइल।
12 प्रेरित लोग के हाथ से लोग के बीच बहुत चमत्कार आ चमत्कार कइल गइल। (आ उ सब एक मन से सुलेमान के बरामदा में रहले।
13 बाकी लोग में से केहू ओह लोग के साथे आवे के हिम्मत ना कइलस, लेकिन लोग ओह लोग के बड़ाई कइल।
14 आउर विश् वासी लोग प्रभु में अउरी बढ़ल, मरद मेहरारू के भीड़।)
15 एतना कि उ लोग बेमार लोग के सड़क प ले आके बिछौना अवुरी सोफा प सुता देले, ताकि कम से कम उहाँ से गुजरत पतरस के परछाई ओ लोग में से कुछ लोग के छा जा सके।
16 यरूशलेम के आसपास के शहरन से भीड़ भीड़ बेमार लोग आ अशुद्ध आत्मा से परेशान लोग के लेके आइल आ हर केहू ठीक हो गइल।
17 तब महायाजक आ ओकरा साथे रहल सब लोग (जवन सदुकी लोग के पंथ ह) उठ के क्रोध से भर गइल।
18 ऊ लोग प्रेरितन पर हाथ रख के आम जेल में डाल दिहलन।
19 लेकिन प्रभु के दूत रात में जेल के दरवाजा खोल के ओ लोग के बाहर ले आके कहलस।
20 जाके मंदिर में खड़ा होके लोगन से एह जीवन के सब बात बताईं।
21 इ बात सुन के उ लोग सबेरे-सबेरे मंदिर में घुस के शिक्षा देले। लेकिन महायाजक आ ओकरा साथे के लोग आके परिषद आ इस्राएल के सब सीनेट के एकट्ठा क के जेल में भेज दिहलस कि उ लोग के ले आवल जाव|
22 जब अफसर लोग जेल में ना मिलल त उ लोग वापस आके बतवले।
23 ऊ कहले, “जेल हमनी के पूरा सुरक्षित बंद हो गईल रहनी जा, आ रखवाला लोग के बाहर दरवाजा के सामने खड़ा हो गईल रहे।
24 जब महायाजक, मंदिर के सेनापति आ मुखिया याजक इ बात सुनले त उ लोग के शक भईल कि इ बात कवना बात से बढ़ी।
25 एक आदमी आके कहलस, “देखऽ, जवन आदमी के तू जेल में डालले बाड़ऽ, ऊ मंदिर में खड़ा होके लोग के सिखावत बा।”
26 तब सेनापति अफसरन के साथे जाके बिना कवनो हिंसा के ले अइले, काहेकि उ लोग लोग से डेरात रहे कि कहीं उ लोग के पत्थर ना मारल जा सकत रहे।

27 जब उ लोग ओकनी के परिषद के सामने रखले, त महायाजक ओ लोग से पूछले।
28 ऊ कहलन कि का हम तोहनी के कड़ा आज्ञा ना देले रहनी कि तू लोग एह नाम से शिक्षा मत दीं? आ देखऽ, तू लोग यरूशलेम के आपन शिक्षा से भर दिहलऽ आ एह आदमी के खून हमनी पर ले आवे के इरादा रखले बाड़ऽ।
29 तब पतरस आउर प्रेरित लोग जवाब दिहलन, "हमनी के आदमी के आज्ञा माने के बजाय परमेश्वर के आज्ञा माने के चाहीं।"
30 हमनी के पुरखन के परमेश्वर यीशु के जिंदा कईले, जेकरा के तू लोग मार के पेड़ पर लटका देले रहलू।
31 परमेश्वर अपना दाहिना हाथ से ओकरा के एगो राजकुमार आ उद्धारकर्ता बने खातिर ऊपर उठवले बाड़न, ताकि उ इस्राएल के पश्चाताप करे आ पाप के माफी दे सके।
32 हमनी के उनकर गवाह हईं जा। आ पवित्र आत्मा भी, जेकरा के परमेश्वर उनकर आज्ञा माने वाला लोग के देले बाड़न।
33 इ बात सुन के उ लोग के मन में कट गईल अवुरी उ लोग के मारे के सलाह लेले।
34 तब मंडली में एगो फरीसी खड़ा होके गमालिएल नाम के एगो फरीसी रहले, जवन कि व्यवस्था के डाक्टर रहले, जवन कि सभ लोग के बीच में नामी रहले अवुरी प्रेरित लोग के तनी जगह छोड़े के आदेश देले।
35 उ लोग से कहलस, "हे इस्राएल के लोग, एह लोग के लेके जवन करे के बा, ओकरा के अपना से ध्यान राखीं।
36 काहे कि एह दिनन से पहिले थ्यूदास उठ के अपना के केहू होखे के घमंड करत रहले। जेकरा से लगभग चार सौ आदमी जुड़ गइलन, जेकरा के मार दिहल गइल। आ जेतना उनकर बात मानत रहे, उ सब बिखरा गईले अवुरी नाश हो गईले।
37 एकरा बाद कर लगावे के समय में गलील के यहूदा उठ के बहुत लोग के अपना पीछे खींच लिहले। आ सभे, जेतना उनकर बात मानत रहे, तितर-बितर हो गइल।
38 अब हम तोहनी से कहत बानी कि एह लोग से परहेज करीं आ ओह लोग के छोड़ दीं काहे कि अगर ई सलाह भा ई काम आदमी के होखी त ई बेकार हो जाई.
39 लेकिन अगर उ परमेश्वर के ह त तू ओकरा के उखाड़ नईब। कहीं कहीं तोहनी के परमेश्वर से लड़त भी ना मिल जाई।
40 उ लोग ओकरा से सहमत हो गईले अवुरी जब उ लोग प्रेरित लोग के बोलवले अवुरी ओ लोग के पीट देले त उ लोग आज्ञा देले कि उ लोग यीशु के नाम से मत बोलस अवुरी उनुका के छोड़ देले।
41 उ लोग खुश होके परिषद के सामने से चल गईले कि उनुका नाम के चलते उ लोग के शर्मिंदगी के लायक मानल गईल।
42 उ लोग रोज मंदिर में आ हर घर में यीशु मसीह के सिखावे आ प्रचार करे से ना छोड़त रहले।

अध्याय 6 के बा

1 ओह घरी जब चेलन के संख्या बढ़ल त यूनानी लोग इब्रानियन के खिलाफ बड़बड़ाहट उठल काहे कि ओह लोग के विधवा लोग के रोज सेवा में उपेक्षा कइल जात रहे।
2 बारह लोग चेलन के भीड़ के बोला के कहलन, "ई कवनो कारण नइखे कि हमनी के परमेश्वर के वचन छोड़ के मेज परोसल जाव।"
3 एह से हे भाई लोग, पवित्र आत्मा आ बुद्धि से भरल सात गो आदमी के देखल जाव, जेकरा के हमनी के एह काम के काम में नियुक्त कर सकीले।
4 लेकिन हमनी के लगातार प्रार्थना में आउर वचन के सेवा में अपना के देके रहब जा।
5 ई बात पूरा भीड़ के मन खुश हो गइल आ ऊ लोग स्टीफन, जे विश्वास आ पवित्र आत्मा से भरल आदमी, फिलिपुस, प्रोकोरस, निकानोर, तिमोन, परमेनास आ अंताकिया के धर्म परिवर्तन करे वाला निकोलस के चुनले।
6 उ लोग प्रेरित लोग के सामने रखले आ प्रार्थना कईला के बाद उ लोग उनकरा पर हाथ रखले|
7 भगवान के वचन बढ़ल। यरूशलेम में चेलन के संख्या बहुत बढ़ गइल। आ पुजारी लोग के एगो बड़हन दल विश्वास के आज्ञाकारी रहे।
8 विश्वास आ शक्ति से भरल स्टीफन लोग के बीच में बड़हन चमत्कार आ चमत्कार कइलन।
9 तब कुछ लोग आराधनालय में से कुछ लोग उठल जवना के उदार लोग के आराधनालय कहल जाला, कुरेनियन, सिकंदरिया के लोग आ किलिसिया आ एशिया के लोग में से कुछ लोग स्टीफन से विवाद करत रहे।
10 उ लोग जवना बुद्धि आ आत्मा से बात करत रहले, ओकरा के विरोध ना कर पवले।
11 तब उ लोग लोग के धक्का देके कहलस कि, हमनी के उनुका के मूसा अवुरी परमेश्वर के खिलाफ निंदा करत सुनले बानी।
12 ऊ लोग लोग, बुजुर्ग आ शास्त्री लोग के भड़क के ओकरा पर आके ओकरा के पकड़ के परिषद में ले अइले।
13 झूठा गवाहन के खड़ा कर के कहलन कि, "ई आदमी एह पवित्र स्थान आ व्यवस्था के खिलाफ निंदा करे के बात नइखे छोड़त।
14 हमनी के उनकर ई कहत सुनले बानी जा कि नासरत के ई यीशु एह जगह के नष्ट कर दिहे आ मूसा हमनी के जवन रीति-रिवाज छोड़ले रहले, ओकरा के बदल दिहे।
15 परिषद में बईठल सब लोग उनकरा ओर अडिग नजर से देखत रहले, उनकर चेहरा एगो स्वर्गदूत के चेहरा निहन देखाई देलस।

अध्याय 7 के बा

1 तब महायाजक कहलस, "का इ सब बात अईसन बा?
2 ऊ कहलन, "हे भाई लोग आ बाप-दादा लोग, सुनीं। महिमा के परमेश्वर हमनी के बाबूजी अब्राहम के मेसोपोटामिया में रहलन, चरन में रहला से पहिले।
3 ऊ ओकरा से कहलस, "तू अपना देस आ अपना रिश्तेदारन से निकल के ओह देश में आ जा जवना के हम तोहरा के देखा देब।"
4 तब ऊ कसदीयन के देश से निकल के चरन में रह गइलन आ उहाँ से जब उनकर बाप मर गइलन त उहाँ से उनकरा के एह देश में ले गइलन जवना में अब रउरा रहत बानी।
5 ऊ ओकरा के कवनो विरासत ना दिहलन, ना कि ऊ आपन गोड़ खड़ा कर सके, तबहियो ऊ वादा कइलन कि ऊ एकरा के ओकरा के आ ओकरा बाद के संतान के दे दीहें जब ओकरा लगे अबहीं ले कवनो संतान ना रहे .

6 परमेस् वर एही तरह से कहलन कि उनकर संतान परदेसी देश में रहस। आ कि ऊ लोग ओह लोग के गुलाम बना के चार सौ साल तक बुराई के निहोरा करस।
7 भगवान कहलन कि जवना राष्ट्र के गुलाम बनल रहीहें, ओकरा के हम न्याय करब, आ ओकरा बाद उ लोग बाहर आके एह जगह पर हमार सेवा करीहें।
8 ऊ ओकरा के खतना के वाचा दे दिहलन आ एही से अब्राहम के इसहाक के जनम भइल आ आठवाँ दिन ओकर खतना कर दिहलन. इसहाक के जनम याकूब से भइल। आ याकूब के बारह गो कुलपति के जनम भइल।
9 ईर्ष्या से कुलपति लोग यूसुफ के मिस्र में बेच दिहलन, लेकिन परमेश्वर उनकरा साथे रहले।
10 ऊ ओकरा के अपना सब दुख से बचा के मिस्र के राजा फिरौन के नजर में अनुग्रह आ बुद्धि दिहलन। उ ओकरा के मिस्र आ ओकर पूरा घराना के गवर्नर बनवले।
11 अब पूरा मिस्र आ कनान देश में कमी आ बहुत कष्ट हो गइल आ हमनी के पुरखा लोग के कवनो रोजी-रोटी ना मिलल।
12 जब याकूब सुनलस कि मिस्र में खान बा, त उ पहिले हमनी के पुरखन के भेज देले।
13 दूसरा बेर यूसुफ के आपन भाई लोग के सामने बतावल गईल। आ यूसुफ के रिश्तेदारन के बारे में फिरौन के बतावल गइल।
14 तब यूसुफ के भेज के आपन बाप याकूब आ उनकर सब रिश्तेदार, साठ पंद्रह लोग के अपना लगे बोलवले।
15 तब याकूब मिस्र में चल गइलन आ ऊ आ हमनी के पुरखा लोग मर गइलन.
16 ऊ लोग के सिकेम में ले जाके ओह कब्र में डाल दिहल गइल जवन अब्राहम सिकेम के पिता इमोर के बेटा लोग से पइसा में खरीदले रहले।
17 जब परमेश्वर अब्राहम के किरिया खइला के समय नजदीक आ गइल त मिस्र में लोग बढ़ल आ बढ़ल।
18 जब तक कवनो दोसर राजा ना उठल जवन यूसुफ के ना जानत रहे।
19 उहे हमनी के रिश्तेदारन के साथे धोखाधड़ी कइलस आ हमनी के बाप-दादा लोग से बुराई कइलस कि उ लोग अपना छोट लइकन के बाहर निकाल दिहलस ताकि उ लोग जिंदा ना रह सके।
20 ओही समय में मूसा के जनम भइल आ ऊ बहुते सुन्दर रहलन आ तीन महीना ले अपना पिता के घर में पोसले।
21 जब ओकरा के बाहर निकाल दिहल गइल त फिरौन के बेटी ओकरा के लेके अपना बेटा खातिर पोस दिहलस।
22 मूसा मिस्र के सब बुद्धि में विद्वान रहले अवुरी बात अवुरी काम में ताकतवर रहले।
23 जब ऊ चालीस बरिस के हो गइलन त उनकर मन में आपन भाई इस्राएल के लोग से मिले के मन में आइल।
24 ओह लोग में से एगो के गलती करत देख के ऊ ओकर बचाव कइलस आ दबलल आदमी के बदला ले लिहलस आ मिस्र के मार दिहलस।
25 काहेकि ऊ सोचत रहले कि उनकर भाई लोग समझत होई कि परमेश्वर उनकरा हाथ से कइसे बचावेला, लेकिन उ लोग ना समझले|
26 अगिला दिने उ लोग के झगड़ा करत घरी उ लोग के सामने आपन बात देखावत कहले कि, "हे मालिक लोग, तू लोग भाई हउअ। तू लोग एक दूसरा से काहे अन्याय करत बाड़ू?
27 लेकिन जे अपना पड़ोसी के गलत काम करत रहे, उ ओकरा के भगा दिहलस अवुरी कहलस कि, "के तोहरा के हमनी के मालिक अवुरी न्यायाधीश बनवले?
28 का तू हमरा के ओइसहीं मारब जइसे काल्हु मिस्र के मारले रहलू?
29 तब मूसा ई बात सुन के भाग गइलन आ मदीआन के देश में परदेसी रहलन, जहाँ से दू गो बेटा भइलन।
30 चालीस साल पूरा भइला पर सीना पहाड़ के जंगल में एगो झाड़ी में आग के लौ में प्रभु के एगो दूत प्रकट भइलन।
31 जब मूसा ई देख के अचरज में पड़ गइलन आ जब ऊ एकरा के देखे खातिर नजदीक अइले त प्रभु के आवाज उनका लगे आइल।
32 ऊ कहले, "हम तोहार पुरखन के परमेश्वर, अब्राहम के परमेश्वर, इसहाक के परमेश्वर आ याकूब के परमेश्वर हईं।" तब मूसा काँप गइलन आ देखे के हिम्मत ना भइल।
33 तब प्रभु ओकरा से कहलन, "अपना गोड़ से जूता उतार द, काहे कि जहाँ तू खड़ा बाड़ उ पवित्र भूमि ह।"
34 हम देखले बानी, हम अपना लोग के मिस्र के कष्ट देखले बानी आ ओह लोग के कराह सुनले बानी आ ओह लोग के बचावे खातिर उतरल बानी। अब आ जा, हम तोहरा के मिस्र भेज देब।
35 एह मूसा के उ लोग मना क दिहले कि, "के तोहरा के शासक आ न्यायाधीश बनवले?" उहे भगवान झाड़ी में प्रकट भइल स्वर्गदूत के हाथ से शासक आ उद्धारकर्ता बने खातिर भेजले रहले।
36 चालीस साल तक मिस्र, लाल सागर आ जंगल में चमत्कार आ चमत्कार देखवला के बाद उ ओ लोग के बाहर ले अइले।
37 इहे उ मूसा हउवें जे इस्राएल के लोग से कहले रहले कि, "रहवा तोहनी के परमेस् वर तोहनी के भाई लोग में से हमरा जइसन एगो भविष्यवक्ता के खड़ा करीहे। ओकरा के सुनब।
38 इहे उ हवे जे जंगल में कलीसिया में सीना पहाड़ में उनुका से बात करे वाला स्वर्गदूत के संगे अवुरी हमनी के पुरखन के संगे रहले।
39 हमनी के पुरखा लोग उनकर बात ना मनले, बलुक ओकरा के अपना से भगा दिहलन आ मन में फेर से मिस्र में मुड़ गइलन।
40 हारून से कहलन कि, "हमनी के आगे जाए खातिर देवता बनाईं, काहे कि ई मूसा के बारे में जवन हमनी के मिस्र देश से बाहर ले अइले, हमनी के पता नइखे कि उनकर का भइल बा।"
41 उ लोग ओह दिन में एगो बछड़ा बना के मूर्ति के बलि चढ़ावत रहले अवुरी अपना हाथ के काम में खुश रहले।
42 तब परमेश्वर मुड़ के स्वर्ग के सेना के पूजा करे खातिर छोड़ दिहलन। जइसे कि भविष्यवक्ता लोग के किताब में लिखल बा, "हे इस्राएल के घराना, का तू लोग हमरा खातिर जंगल में चालीस साल के दौरान मारल जानवर आ बलिदान चढ़वले बाड़?"
43 हँ, तूँ मोलोक के तम्बू आ अपना देवता रेम्फान के तारा के उठा लिहनी जवन तू लोग ओह लोग के पूजा करे खातिर बनवले रहलू आ हम तोहनी के बेबिलोन के ओह पार ले जाइब।
44 हमनी के पुरखा लोग जंगल में गवाही के तम्बू रखले रहले, जईसे उ मूसा से बात कईले रहले कि उ जवना तरीका से देखले रहले, ओसही बनावस।

45 हमनी के पुरखा लोग भी यीशु के साथे गैर-यहूदी लोग के अपना कब्जा में ले अइले, जेकरा के परमेश्वर हमनी के पुरखन के सामने दाऊद के समय तक भगा दिहले।
46 ऊ परमेस् वर के सामने अनुग्रह पावलन आ याकूब के परमेस् वर खातिर एगो तम्बू खोजे के चाहत रहलन।
47 लेकिन सुलेमान ओकरा खातिर एगो घर बनवले।
48 लेकिन परम ऊँच आदमी हाथ से बनल मंदिरन में ना रहेला। जइसे कि भविष्यवक्ता कहले बाड़न कि
49 स्वर्ग हमार सिंहासन ह, आ धरती हमार गोड़ के आधार ह, तू हमरा खातिर कवन घर बनाईब? प्रभु कहत बाड़न कि हमार विश्राम के जगह का बा?
50 का हमार हाथ ई सब चीज ना बनवले बा?
51 हे अकड़ गर्दन वाला आ दिल आ कान के खतना ना भइल, तू लोग हमेशा पवित्र आत्मा के विरोध करत रहेनी।
52 तोहनी के पुरखन कवना भविष्यवक्ता के सतावले नइखन? उ लोग ओह लोग के मार देले बाड़े जे पहिले से धर्मी के आवे के बारे में बतावत रहले। तू लोग अब ओकरा के धोखा देवे वाला आ हत्यारा रहल बाड़।
53 ऊ लोग स्वर्गदूतन के स्वभाव से व्यवस्था के ग्रहण कइले बा आ ओकर पालन ना कइले बा।
54 इ बात सुन के उ लोग के मन में कट गईल अवुरी उ लोग उनुका प दांत से चीर-फाड़ कईले।
55 लेकिन उ पवित्र आत्मा से भरल होके अड़ल होके स्वर्ग के ओर देखले त परमेश्वर के महिमा आ यीशु के परमेश्वर के दाहिना ओर खड़ा देखले।
56 ऊ कहलस, "देखऽ, हम देखत बानी कि आकाश खुलल बा आ आदमी के बेटा के परमेश्वर के दाहिना ओर खड़ा बा।"
57 तब ऊ लोग जोर से चिल्ला के कान रोक के एक मन से ओकरा पर दौड़ल।
58 ओकरा के शहर से बाहर निकाल के पत्थर मार दिहलस आ गवाह लोग एगो नवही के गोड़ में आपन कपड़ा रख दिहल, जेकर नाम शाऊल रहे।
59 उ लोग स्टीफन के पत्थर मार के भगवान के पुकारत कहले, "प्रभु यीशु, हमार आत्मा ग्रहण करऽ।"
60 ऊ घुटना टेक के जोर से चिल्ला के कहले, "हे प्रभु, ई पाप ओह लोग के जिम्मा मत लगाईं." आ जब ई बात कहलन त उनकर नींद आ गइल।

अध्याय 8 के बा

1 शाऊल अपना मरला के सहमति देत रहले। ओह घरी यरूशलेम के कलीसिया के खिलाफ बहुत प्रताड़ना भइल। प्रेरित लोग के छोड़ के उ सब यहूदिया आ सामरिया के इलाका में बिखराइल रहले।
2 भक्त लोग स्टीफन के दफनावे खातिर ले गइलन आ ओकरा खातिर बहुते विलाप कइलन।
3 रहल बात शाऊल के त ऊ कलीसिया के तबाही मचावत घर-घर में घुस के मरद मेहरारू के जेल में डाल दिहलन।
4 एह से बिखराइल लोग हर जगह वचन के प्रचार करत चलल।
5 फिलिपुस सामरिया शहर में जाके उनके मसीह के प्रचार कईले|
6 फिलिपुस के कइल चमत्कार सुन के आ देख के लोग एक मन से ओह बातन पर ध्यान दिहल।
7 काहे कि बहुत लोग के बीच से अशुद्ध आत्मा जोर से चिल्लात निकलल आ बहुत लोग लकवा से पीड़ित आ लंगड़ा ठीक हो गईल।
8 ओह शहर में बहुत खुशी भइल।
9 लेकिन एगो आदमी शिमोन नाम के रहे जवन पहिले ओही शहर में जादू-टोना करत रहे आ सामरिया के लोग के जादू करत रहे आ बतावत रहे कि ऊ कवनो बड़ आदमी ह।
10 छोट से लेके बड़का तक सब केहू उनकर बात पर ध्यान देत रहलन कि, "ई आदमी परमेश्वर के महान शक्ति ह।"
11 उ लोग ओकर परवाह करत रहे, काहेकि उ बहुत दिन से जादू-टोना से जादू-टोना करत रहले।
12 जब उ लोग फिलिपुस के परमेश् वर के राज आ यीशु मसीह के नाम के बारे में प्रचार करत विश्वास कईले त उ लोग मरद-मेहरारू दुनो के बपतिस्मा लेले।
13 तब शमौन खुद भी बिसवास कइलन आ जब ऊ बपतिस्मा लिहलन त फिलिपुस के साथे रहलन आ चमत्कार आ चमत्कार आ चमत्कार के देख के अचरज में पड़ गइलन।
14 जब यरूशलेम में मौजूद प्रेरित लोग सुनले कि सामरिया परमेस् वर के वचन ग्रहण कर लेले बा, त उ लोग पतरस आ यूहन्ना के पास भेजले|
15 जब उ लोग उतरले त उ लोग खातिर प्रार्थना कईले कि उ लोग पवित्र आत्मा के ग्रहण कर सकस।
16 (काहेकि अभी तक उ ओ लोग में से केहु प ना गिरल रहले, सिर्फ उ लोग प्रभु यीशु के नाम से बपतिस्मा लेले रहले।)
17 तब उ लोग ओह लोग पर हाथ रख के पवित्र आत्मा मिल गईल।
18 जब शमौन देखलन कि प्रेरित लोग के हाथ रखला से पवित्र आत्मा मिल गईल बा।
19 ऊ कहलन, "हमरा के इ शक्ति भी दीं ताकि हम जेकरा पर हाथ डालब, उ पवित्र आत्मा पा सके।"
20 पतरस ओकरा से कहलन, "तोहार पइसा तोहरा साथे नाश हो जाई काहे कि तू सोचले बाड़ू कि परमेश्वर के वरदान पइसा से खरीदल जा सकेला।"
21 एह बात में तोहार ना हिस्सा बा ना भाग्य, काहेकि तोहार मन भगवान के नजर में ठीक नइखे।
22 एह से अपना बुराई से पश्चाताप करीं आ भगवान से प्रार्थना करीं कि अगर तोहार मन के विचार माफ हो जाव।
23 हम समझत बानी कि तू कड़वाहट के पित्त आ अधर्म के बंधन में बाड़ू।
24 तब शमौन जवाब दिहलन, "तू लोग हमरा खातिर प्रभु से प्रार्थना करीं कि तू जवन बात कहले बाड़ू, ओकरा में से कवनो बात हमरा पर ना आवे।"
25 जब उ लोग गवाही देके प्रभु के वचन के प्रचार कईले त यरूशलेम वापस आके सामरी लोग के कई गांव में सुसमाचार के प्रचार कईले।
26 तब प्रभु के दूत फिलिप से कहलन, "उठ के दक्षिण के ओर जाके यरूशलेम से गाजा तक जाए वाला रास्ता पर चल जा, जवन रेगिस्तान ह।"
27 ऊ उठ के चल गइलन आ देखलन कि इथियोपिया के एगो आदमी इथियोपिया के रानी कंडास के अधीन बहुते अधिकार के मालिक रहलन आ उनकर पूरा खजाना के जिम्मा लेत रहले आ पूजा करे खातिर यरूशलेम आइल रहले.

28 वापस आके रथ में बईठ के यशायाह भविष्यवक्ता के पढ़त रहले।
29 तब आत्मा फिलिपुस से कहलस, "नजदीक जा आ एह रथ के साथे जुड़ जा।"
30 फिलिपुस ओकरा लगे दौड़ के ओकरा लगे यशायाह भविष्यवक्ता के पढ़त सुनले आ कहले, "का तू समझत बाड़ू कि तू जवन पढ़त बाड़ू?"
31 ऊ कहलन, "जब तक केहू हमरा के मार्गदर्शन ना करी तबले हम कइसे कर सकीले?" उ फिलिपुस के इच्छा कईले कि उ ऊपर आके उनुका संगे बईठ जास।
32 उ पवित्रशास्त्र के जगह इ रहे कि उ भेड़ निहन कत्ल के ओर ले गईले। आ जइसे मेमना अपना कतरने वाला के सामने गूंगा हो जाला, ओइसहीं ऊ आपन मुँह ना खोललस।
33 उनकर अपमान में उनकर न्याय हटा दिहल गइल आ उनकर पीढ़ी के के बताई? काहे कि ओकर जान धरती से छीन लिहल गइल बा.
34 नपुंसक फिलिपुस के जवाब देके कहलस कि, "नबी, भविष्यवक्ता केकरा बारे में इ बात कहतारे? अपना के, कि कवनो दोसरा आदमी के?
35 फिलिपुस आपन मुंह खोल के उहे शास्त्र से शुरू होके यीशु के प्रचार कइलन।
36 जात घरी ऊ लोग एगो पानी के लगे पहुँचल त नपुंसक कहलस, "देखऽ, इहाँ पानी बा। हमरा के बपतिस्मा लेवे में कवन बाधा बा?
37 फिलिपुस कहले, "जदि तू पूरा मन से विश्वास करब त हो सकेला।" ऊ जवाब दिहलन, "हम विश्वास करत बानी कि ईसा मसीह परमेश्वर के बेटा हवें।"
38 ऊ रथ के खड़ा होखे के आदेश दिहलन आ ऊ लोग फिलिप आ नपुंसक दुनु पानी में उतर गइलन. आऊ उनकरा के बपतिस्मा दिहलन।
39 जब उ लोग पानी से बाहर निकलले त प्रभु के आत्मा फिलिपुस के लेके चल गईल, ताकि उ नपुंसक ओकरा के अब ना देखलस।
40 फिलिपुस अजोत में मिल गइलन आ ऊ सब शहरन में प्रचार करत रहले जबले ऊ कैसरिया ना चहुँप गइलन.

अध्याय 9 के बा

1 शाऊल परमेस् वर के चेलन के धमकावत आ वध के साँस देत महायाजक के लगे चल गइलन।
2 ऊ दमिश्क के आराधनालयन के चिट्ठी मँगले कि अगर ओकरा एह रास्ता में से कवनो आदमी होखे भा मेहरारू, त ऊ ओकरा के बान्ह के यरूशलेम ले जास।
3 जात घरी ऊ दमिश्क के लगे पहुँचल आ अचानक ओकरा चारो ओर स्वर्ग से एगो रोशनी चमकल।
4 ऊ धरती पर गिर गइलन आ एगो आवाज सुनलन कि ऊ कहत रहे, " शाऊल, शाऊल, तू हमरा के काहे सतावत बाड़ऽ?
5 ऊ कहलन, "हे प्रभु, तू के हउअ?" प्रभु कहले, " हम यीशु हईं जेकरा के तू सतावत बाड़ू, तोहरा खातिर चुभन से लात मारल मुश्किल बा।"
6 ऊ काँप के अचरज में कहलस, "हे प्रभु, तू हमरा से का करे के चाहत बाड़ू?" प्रभु ओकरा से कहलन कि उठ के शहर में जा, त तोहरा के बतावल जाई कि तोहरा का करे के बा।
7 उनकरा साथे जात आदमी आवाज सुन के बेजुबान खड़ा हो गईले, लेकिन केहू के ना देखले।
8 शाऊल धरती से उठल। जब उनकर आँख खुलल त केहू के ना देखले, लेकिन उ लोग उनकर हाथ पकड़ के दमिश्क ले अइले।
9 तीन दिन तक उ नजर से दूर रहले अवुरी ना खईले अवुरी ना पियले।
10 दमिश्क में एगो चेला रहले, जेकर नाम अननिया रहे। आउर प्रभु एगो दर्शन में ओकरा से कहलन कि अननिया। ऊ कहलस, "देखऽ, हम इहाँ बानी, हे प्रभु।"
11 प्रभु ओकरा से कहलन, "उठ के सीधा नाम के गली में जाके यहूदा के घर में तारसुस के शाऊल नाम के एगो के बारे में पूछताछ करऽ, काहे कि देखऽ, ऊ प्रार्थना करत बा।
12 ऊ एगो दर्शन में अननिया नाम के आदमी के भीतर आके ओकरा पर हाथ डाल के देखले बाड़न कि ऊ देख सके।
13 तब अननिया जवाब दिहलन, "हे प्रभु, हम एह आदमी के बारे में बहुत लोग के बात से सुनले बानी कि ऊ यरूशलेम में तोहार पवित्र लोग के केतना बुराई कइले बा।
14 इहाँ ओकरा मुखिया याजकन के अधिकार बा कि ऊ तोहरा नाम के पुकारे वाला सब लोग के बान्ह सके।
15 लेकिन प्रभु ओकरा से कहलन, " जा, काहेकि उ हमरा खातिर एगो चुनल बर्तन हवे, जवन गैर-यहूदी, राजा आ इस्राएल के संतान के सामने हमार नाम लेके चले।
16 हम ओकरा के देखा देब कि ओकरा हमरा नाम खातिर केतना कष्ट उठावे के पड़ी।
17 अननिया घर में घुस गइलन। आऊ ओकरा पर हाथ रख के कहलस, "भाई शाऊल, प्रभु, इहे यीशु, जे तू अइला के रास्ता में तोहरा के प्रकट भइले, हमरा के भेजले बाड़न कि तू आपन दृष्टि पावे आ पवित्र आत्मा से भरल हो जा।"
18 तुरते उनकर आँख से तराजू निहन गिर गईल अवुरी उ तुरते देखाई देले अवुरी उठ के बपतिस्मा लेले।
19 जब उ खाना मिल गईल त उ मजबूत हो गईले। तब शाऊल कुछ दिन दमिश्क में रहे वाला चेलन के साथे रहले|
20 ऊ तुरते आराधनालयन में मसीह के प्रचार कइलन कि ऊ परमेश्वर के बेटा हवें।
21 उनकर बात सुन के सब लोग अचरज में पड़ गइलन आ कहलन कि; का इहे ना ह जे यरूशलेम में एह नाम के पुकारे वाला लोग के नाश कईले अवुरी एही मकसद से इहाँ आईल रहले कि उ ओ लोग के बान्ह के मुख्य याजक के लगे ले जास?
22 लेकिन शाऊल अउरी ताकत बढ़ल आ दमिश्क में रहे वाला यहूदी लोग के लज्जित कर दिहलस आ ई साबित कर दिहलस कि इहे मसीह हउवें।
23 बहुत दिन पूरा भइला के बाद यहूदी लोग ओकरा के मारे के सलाह लेले।
24 लेकिन शाऊल के पता चलल कि उ लोग के इंतजार रहे। उ लोग ओकरा के मारे खातिर दिन-रात फाटक प नजर रखत रहले।
25 तब चेला लोग रात में ओकरा के लेके देवाल के किनारे एगो टोकरी में गिरा देले।
26 जब शाऊल यरूशलेम पहुंचले त उ चेलन के संगे जुड़ जाए के कोशिश कईले, लेकिन उ सब उनुका से डेरा गईले अवुरी विश्वास ना कईले कि उ चेला हवे।
27 बरनबास ओकरा के लेके प्रेरित लोग के लगे ले अइले आ उ लोग के बतवले कि कइसे उ रास्ता में प्रभु के देखले रहले आ

ओकरा से बात कइले रहले आ कइसे ऊ दमिश्क में यीशु के नाम पर निर्भीकता से प्रचार कइले रहले।
28 ऊ यरूशलेम में आवत-जात ओह लोग के साथे रहले।
29 ऊ प्रभु यीशु के नाम से निर्भीकता से बोलत रहले आ यूनानी लोग के खिलाफ विवाद करत रहले, लेकिन उ लोग उनुका के मारे में लागल रहले।
30 भाई लोग के ई बात पता चलल कि ऊ लोग ओकरा के कैसरिया ले अइले आ तारसुस भेज दिहलन।
31 तब पूरा यहूदिया, गलील आ सामरिया में कलीसिया के आराम दिहलस आ उनके बढ़ल। आऊ प्रभु के भय आ पवित्र आत्मा के आराम में चलत-चलत बढ़ल।
32 जब पतरस चारो ओर से घूमत रहले त उ लुद्दा में रहे वाला पवित्र लोग के लगे भी उतरले।
33 उहाँ उ एनियस नाम के एगो आदमी मिलल, जवन आठ साल तक बिछौना प रहले अवुरी पक्षाघात से बेमार रहे।
34 पतरस ओकरा से कहलन, "एनियस, ईसा मसीह तोहरा के ठीक कर देत बाड़न। आ ऊ तुरते उठ गइलन.
35 लुद्दा आ सारोन में रहे वाला सब लोग उनका के देख के प्रभु के ओर मुड़ल।
36 याफा में तबीता नाम के एगो चेला रहली, जवना के मतलब डोरकास कहल जाला।
37 ओह दिन में ऊ बेमार होके मर गइली आ ओकरा के धो के ऊपर के कोठरी में सुता दिहले।
38 जबसे लुद्दा याफा के नजदीक रहे आ चेला लोग सुनले रहे कि पतरस उहाँ बाड़े, त उ लोग दु आदमी के भेजले कि उ लोग के लगे आवे में देरी मत करस।
39 पतरस उठ के ओह लोग के साथे चल गइलन। जब उ अईले त उ लोग ओकरा के ऊपर के कोठरी में ले गईले अवुरी सभ विधवा उनुका संगे रोवत-रोवत खड़ा रहली अवुरी डोरकास के बनावल वस्त्र अवुरी कपड़ा देखावत रहली, जवन कि उनुका संगे रहली।
40 लेकिन पतरस सब के बाहर निकाल के घुटना टेक के प्रार्थना कईले। आ ओकरा के लाश के ओर घुमा के कहलस, "तबीता, उठऽ!" उ आपन आँख खोल के पतरस के देखली त उठ के बईठ गईली।
41 ऊ ओकरा के आपन हाथ देके ओकरा के उठा के संत आ विधवा लोग के बोलवले आ ओकरा के जिंदा पेश कइलन।
42 पूरा याफा में ई बात जानल गइल। आ बहुत लोग प्रभु पर बिसवास कइले।
43 ऊ याफा में बहुत दिन तक एगो सिमोन के साथे चमड़ा के काम करे वाला रहले।

अध्याय 10 के बा

1 कैसरिया में कुरनेलियुस नाम के एगो आदमी रहले, उ इटैलियन दल नाम के दल के एगो सेनापति रहले।
2 एगो भक्तिमान आदमी आ अपना पूरा घर के साथे भगवान से डेरात रहे, जे लोग के बहुत भिक्षा देत रहे आ हमेशा भगवान से प्रार्थना करत रहे।
3 उ दिन के नौवां बजे एगो दर्शन में देखलन कि परमेश्वर के एगो दूत उनका लगे आके कहलस, "कुर्नेलियुस!"
4 जब ऊ ओकरा के देखलन त ऊ डेरा गइलन आ कहलन, "हे प्रभु, ई का ह?" उ ओकरा से कहलस, "तोहार प्रार्थना आ भिक्षा परमेश्वर के सामने याद करे खातिर आ गईल बा।"
5 अब याफा में आदमी के भेज के एगो शमौन के बोलावऽ, जेकर उपनाम पतरस ह।
6 ऊ एगो सिमोन के घर चमड़ा के काम करे वाला के लगे रहेला, जेकर घर समुंदर के किनारे बा, उ तोहरा के बताई कि तोहरा का करे के बा।
7 जब कुरनेलियुस से बात करे वाला स्वर्गदूत चल गइलन त ऊ अपना घर के दू गो नौकरन के बोलवले आ लगातार उनकर इंतजार करे वाला लोग में से एगो भक्त सिपाही के बोलवले।
8 जब उ सब बात ओ लोग के बता देले त उ लोग के याफा भेज देले।
9 अगिला दिने जब उ लोग आपन यात्रा पर निकलल आ शहर के नजदीक पहुंचल त पतरस छठवाँ बजे प्रार्थना करे खातिर घर के चोटी पर चढ़ गइलन।
10 उ बहुत भूख से खाए के चाहत रहले, लेकिन जब उ लोग तैयार हो गईले त उ समाधि में पड़ गईले।
11 ऊ आकाश खुलल देखलस आ एगो बर्तन उनका लगे उतरत रहे जवन कि चारो कोना में एगो बड़हन चादर के रूप में बुनल गइल रहे आ धरती पर गिरल रहे।
12 एह में धरती के चार गोड़ वाला जानवर, जंगली जानवर, रेंगत जानवर आ हवा के चिरई सभ के प्रकार रहे।
13 ओकरा से एगो आवाज आइल, "ई पतरस, उठऽ। मार के खाईं।
14 पतरस कहलन, "हे प्रभु, अइसन नइखे। काहे कि हम कबो कवनो अशुद्ध भा अशुद्ध चीज ना खइले बानी।
15 ऊ आवाज दूसर बेर ओकरा से कहलस, "जवना के परमेश्वर साफ कइले बाड़न, ओकरा के तू अशुद्ध मत कहऽ।"
16 तीन बेर अइसन भइल आ बर्तन फेर से स्वर्ग में ले जाइल गइल।
17 जब पतरस अपना मन में शक करत रहले कि उ देखले दर्शन के का मतलब होई, त देख, कुरनेलियुस से भेजल आदमी शमौन के घर के बारे में पूछताछ क के फाटक के सामने खड़ा हो गईले।
18 उ लोग फोन क के पूछले कि का शमौन, जेकर नाम पतरस रहे, उहाँ ठहरल बाड़े?
19 पतरस जब उ दर्शन के बारे में सोचत रहले त आत्मा उनुका से कहलस कि देख, तीन आदमी तोहरा के खोजत बाड़े।
20 एह से उठ के उतर के ओह लोग के साथे चल जा, आ कवनो बात पर शक ना करऽ, काहे कि हम ओह लोग के भेजले बानी।
21 तब पतरस कुरनेलियुस के ओर से उनुका लगे भेजल आदमी के लगे चल गईले। ऊ कहलस, "देखऽ, हम उहे हईं जेकरा के तू खोजत बाड़ऽ।
22 ऊ लोग कहल कि, "सेनापति कुरनेलियुस, एगो धर्मी आदमी, आ परमेश्वर से डेराए वाला आ पूरा यहूदी जाति के बीच अच्छाई के काम करे वाला, परमेश्वर के ओर से एगो पवित्र स्वर्गदूत के द्वारा चेतावल गइल कि ऊ तोहरा के अपना घर में बोलावे आ सुन लेव तोहरा के बात बा।
23 तब उ ओ लोग के घर में बोलवले अवुरी ठहरवले। अगिला दिने पतरस ओह लोग के साथे चल गइलन आ याफा के कुछ भाई लोग उनकरा साथे चल गइलन।

24 ओकरा बाद उ लोग कैसरिया में घुस गईले। कुरनेलियुस ओह लोग के इंतजार करत रहले आ अपना रिश्तेदारन आ करीबी दोस्तन के एकट्ठा कर लिहले रहले.
25 जब पतरस भीतर जात रहले त कुरनेलियुस उनुका से मिलले अवुरी उनुका गोड़ प गिर गईले अवुरी उनुकर आराधना कईले।
26 पतरस ओकरा के उठा के कहले, "उठ जा; हम खुद भी एगो आदमी हईं।
27 जब उ ओकरा से बात करत रहले त उ भीतर गईले अवुरी बहुत लोग के एक संगे जुटल देखले।
28 ऊ ओह लोग से कहलन कि, "तू लोग जानत बाड़ऽ कि एगो यहूदी आदमी के संगत में रहला भा दोसरा जाति के साथे आवे के गैरकानूनी काम ह। लेकिन भगवान हमरा के बता देले बाड़े कि हम कवनो आदमी के अशुद्ध ना कहब।
29 एह से हम बिना कवनो गड़बड़ी के तोहनी के लगे अइनी, जइसहीं हमरा के बोलावल गइल।
30 कुरनेलियुस कहले, "चार दिन पहिले हम आज तक उपवास करत रहनी। नौवां बजे हम अपना घर में प्रार्थना कइनी त देखनी कि एगो आदमी चमकदार कपड़ा में हमरा सामने खड़ा हो गइल।
31 ऊ कहलन, "कुर्नेलियुस, तोहार प्रार्थना सुनल गइल बा आ तोहार भिक्षा परमेस् वर के नजर में याद कइल गइल बा।"
32 एही से याफा में भेज के शिमोन के बोलावऽ, जेकर उपनाम पतरस ह। ऊ समुंदर के किनारे एगो चमड़ा के काम करे वाला शमौन के घर में ठहरल बा आ जब ऊ अइहें त तोहरा से बात करीहें.
33 हम तुरते तोहरा लगे भेजनी। आ तू बढ़िया से कइले बाड़ू कि तू आ गइल बाड़ू। अब हमनी के सब केहू परमेश्वर के सामने मौजूद बानी जा, ताकि उ सब बात सुनल जा सके जवन रउवा के परमेश्वर के ओर से दिहल गईल बा।
34 तब पतरस आपन मुंह खोल के कहलन, "हम सचमुच समझत बानी कि परमेश्वर केहू के कवनो आदर ना करेलन।
35 लेकिन हर जाति में जे ओकरा से डेराला आ धार्मिकता के काम करेला, उ ओकरा के स्वीकार करेला।
36 उ वचन जवन परमेश्वर इस्राएल के लोग के भेजले रहले, उ यीशु मसीह के द्वारा शांति के प्रचार करत रहले।
37 हम कहत बानी कि यूहन्ना के बपतिस्मा के प्रचार के बाद पूरा यहूदिया में प्रचारित होके गलील से शुरू भइल।
38 कइसे परमेश्वर नासरत के यीशु के पवित्र आत्मा आ शक्ति से अभिषेक कइलन, ऊ भलाई करत घूमत रहलन आ शैतान के दबावल सब लोग के ठीक करत रहलन। काहेकि भगवान ओकरा साथे रहले।
39 हमनी के उ सब काम के गवाह बानी जा जवन उ यहूदी देश में आ यरूशलेम में कईले रहले। जेकरा के मार के पेड़ पर लटका दिहले।
40 परमेस् वर तीसरा दिन ओकरा के जिंदा कर दिहलन आ ओकरा के खुल के देखा दिहलन।
41 सब लोग के ना, बल्कि परमेश्वर के द्वारा पहिले चुनल गवाहन के, हमनी के खातिर, जे उ मुवलन में से जी उठला के बाद उनकरा संगे खात-पीयत रहले।
42 उ हमनी के आज्ञा दिहलन कि हमनी के लोग के प्रचार करीं आ गवाही दीं कि उहे परमेश्वर के द्वारा जिंदा आ मरल लोग के न्यायाधीश बने के नियुक्ति कइल गइल बा।
43 ओकरा बारे में सब भविष्यवक्ता गवाही देस कि जे भी ओकरा पर विश्वास करी ओकरा नाम से पाप के माफी मिल जाई।
44 जब पतरस इ बात कहत रहले त पवित्र आत्मा उ सब लोग प गिर गईल, जवन कि वचन सुनले रहले।
45 खतना करे वाला लोग जे पतरस के साथे आइल रहे, उ लोग अचरज में पड़ गईले, काहेकि पवित्र आत्मा के वरदान गैर-यहूदी लोग पर भी डालल गईल रहे|
46 उ लोग उ लोग के दोसरा भाषा में बोलत सुनले रहले अवुरी भगवान के बड़ाई करत रहले। तब पतरस जवाब दिहलन।
47 का केहू पानी से मना कर सकेला कि ई लोग बपतिस्मा ना लेव जवन हमनी के जइसन पवित्र आत्मा के ग्रहण कइले बा?
48 उ लोग के प्रभु के नाम से बपतिस्मा लेवे के आदेश देले। तब उ लोग ओकरा से कुछ दिन रुके के प्रार्थना कईले।

अध्याय 11 के बा

1 यहूदिया में मौजूद प्रेरित आ भाई लोग सुनले कि गैर-यहूदी लोग भी परमेश्वर के वचन के ग्रहण कइले बा।
2 जब पतरस यरूशलेम पहुंचले त खतना करे वाला लोग उनुका से झगड़ा कईले।
3 ऊ कहत रहलन, "तू खतना ना भइल आदमी के लगे जाके ओह लोग के साथे खाना खइले हउअ।"
4 लेकिन पतरस शुरू से ही एह बात के सुनवाई करत उ लोग के आदेश के अनुसार समझवले।
5 हम याफा शहर में प्रार्थना करत रहनी आ समाधि में एगो दर्शन देखनी कि एगो बड़हन चादर जइसन एगो बर्तन नीचे उतरत बा जवन स्वर्ग से चार कोना से नीचे उतरल रहे। आ हमरा भीरी ई बात आइल।
6 जवना पर हम आपन आँख लगा के देखनी त धरती के चार गोड़ वाला जानवर, जंगली जानवर, रेंगत जानवर आ हवा के चिरई देखनी।
7 हम एगो आवाज सुननी कि हमरा से कहत रहे कि, "ई पतरस, उठ जा; मार के खा लीं।
8 लेकिन हम कहनी, "हे प्रभु, अइसन ना, काहेकि कवनो अशुद्ध भा अशुद्ध बात हमरा मुँह में नइखे आइल।"
9 लेकिन स्वर्ग से आवाज हमरा के फेरु से जवाब दिहलस, "जवना के परमेश्वर साफ कईले बाड़े, ओकरा के तू अशुद्ध मत कहऽ।"
10 तीन बेर अइसन भइल आ सब लोग फेर से स्वर्ग में खींच लिहल गइल।
11 देखऽ कि कैसरिया से हमरा लगे भेजल तीन आदमी पहिले से ओह घर में आ गइल रहले जहाँ हम रहनी।
12 आत् मा हमरा के ओह लोग के साथे जाए के कहलन, कवनो संदेह ना करत। इ छह भाई हमरा संगे चल गईले अवुरी हमनी के ओ आदमी के घर में घुस गईनी।
13 उ हमनी के बतवले कि कइसे उ अपना घर में एगो स्वर्गदूत के देखले रहले, जवन खड़ा होके उनुका से कहले रहले कि, "याफा में आदमी भेज के शमौन के बोलाव, जेकर उपनाम पतरस ह।
14 के तोहरा के बात बताई कि तू आ तोहार घर के सब के उद्धार कईसे होई।
15 जब हम बोले लगनी त पवित्र आत्मा ओह लोग पर गिर गइल, जइसे कि शुरू में हमनी पर पड़ल।

16 तब हम प्रभु के वचन के याद कईनी कि उ कहले रहले कि, यूहन्ना पानी से बपतिस्मा देले रहले। लेकिन तोहनी के पवित्र आत्मा से बपतिस्मा दिहल जाई।
17 एह से परमेश्वर उ लोग के उहे वरदान देले जवन हमनी के प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास करे वाला लोग के देले रहले। हम का रहनी, कि हम भगवान के सहन कर सकीले?
18 इ बात सुन के उ लोग चुप होके परमेश्वर के महिमा करत कहले, "तब परमेश्वर गैर-यहूदी लोग के भी जीवन खातिर पश्चाताप के मौका देले बाड़े।"
19 स्टीफन के बारे में जवन उत्पीड़न पैदा भइल रहे ओकरा पर बिखराइल लोग फीनीक, साइप्रस आ अंताकिया तक पहुँच के खाली यहूदी लोग के छोड़ के केहू के वचन ना सुनवलस।
20 ओहमें से कुछ लोग साइप्रस आ कुरेन के लोग रहलन जे लोग अंताकिया पहुँच के यूनानी लोग से प्रभु यीशु के प्रचार करत रहले।
21 प्रभु के हाथ उनकरा साथे रहल आ बहुत लोग विश्वास कइल आ प्रभु के ओर मुड़ल।
22 एह बात के खबर यरूशलेम के कलीसिया के कान में आईल अवुरी उ लोग बरनबास के अंताकिया तक जाए खाती भेजले।
23 जब उ आके परमेस् वर के कृपा देख के खुश होके उ सबके निहोरा कईले कि उ लोग मन से प्रभु से चिपकल रहस|
24 काहेकि उ एगो अच्छा आदमी रहले, पवित्र आत्मा आ विश्वास से भरल रहले।
25 तब बरनबास शाऊल के खोजे खातिर तरसुस चल गइलन।
26 जब उ ओकरा के पा के अंताकिया ले अइले। एक साल भर उ लोग कलीसिया के संगे जुट गईले अवुरी बहुत लोग के सिखवले। आ चेला लोग के सबसे पहिले अंताकिया में मसीही कहल गइल।
27 एह दिनन में यरूशलेम से भविष्यवक्ता लोग अंताकिया आ गइल।
28 ओह लोग में से एगो अगाबस नाम के एगो खड़ा होके आत्मा के माध्यम से इ संकेत दिहलस कि पूरा दुनिया में बहुत कमी हो जाई।
29 तब चेलन हर केहू अपना क्षमता के हिसाब से यहूदिया में रहे वाला भाई लोग के राहत भेजे के ठान लिहले।
30 उ लोग भी इहे क के बरनबास आ शाऊल के हाथ से बुजुर्ग लोग के लगे भेजले|

अध्याय 12 के बा

1 ओही समय के बारे में राजा हेरोदेस कलीसिया के कुछ लोग के परेशान करे खातिर आपन हाथ बढ़वले।
2 ऊ यूहन्ना के भाई याकूब के तलवार से मार दिहलन।
3 ऊ यहूदियन के ई बात से खुश होके देख के पतरस के भी पकड़ लेहले| (तब बिना खमीर रोटी के दिन रहे।)
4 जब ऊ ओकरा के पकड़ लिहलस त ओकरा के जेल में डाल दिहलस आ ओकरा के राखे खातिर चार चौथाई सैनिकन के सौंप दिहलस। ईस्टर के बाद ओकरा के जनता के सोझा ले आवे के इरादा से।
5 पतरस के जेल में रखल गईल, लेकिन कलीसिया के ओर से उनुका खातिर परमेश्वर से बिना रुकले प्रार्थना कईल गईल।
6 जब हेरोदेस ओकरा के बाहर ले आवे के चाहत रहले त ओही रात पतरस दू गो जंजीर से बान्हल दू गो सिपाही के बीच सुतल रहले आ दुआर के सामने के रखवाला जेल के रखवाली करत रहले।
7 तब प्रभु के दूत ओकरा पर अइले आ जेल में एगो रोशनी चमकल आ ऊ पतरस के बगल में मार के उठवले आ कहले, "जल्दी उठऽ।" आ उनकर जंजीर उनका हाथ से गिर गइल।
8 स्वर्गदूत ओकरा से कहलस, "अपना के पट्टी बांध के चप्पल पहिन लीं।" आ अइसहीं ऊ कइलन. उ ओकरा से कहलस, "अपना कपड़ा के अपना चारों ओर फेंक के हमरा पीछे-पीछे चल जा।"
9 ऊ बाहर निकल के उनकर पीछे-पीछे चल गइलन। आ ई ना जानत रहे कि ई साँच बा जवन स्वर्गदूत के द्वारा कइल गइल बा; बाकिर सोचलसि कि ऊ एगो दर्शन देखत बा.
10 जब ऊ लोग पहिला आ दूसरा वार्ड से गुजरल त लोहा के फाटक पर पहुँचल जवन शहर में जाला। उ अपना मर्जी से उनकरा खातिर खुलल, आ उ लोग बाहर निकल के एक गली से गुजरल। आ तुरते स्वर्गदूत ओकरा से दूर हो गइल।
11 जब पतरस मन में अईले त उ कहले, "अब हम पक्का जान गईनी कि प्रभु आपन दूत भेजले बाड़े अवुरी हमरा के हेरोदेस के हाथ से अवुरी यहूदी लोग के सभ उम्मीद से बचा लेले बाड़े।
12 ई बात के बारे में सोच के उ यूहन्ना के महतारी मरियम के घरे पहुंचले, जेकर उपनाम मरकुस रहे। जहाँ बहुत लोग प्रार्थना करत जुटल रहले।
13 जब पतरस फाटक के दरवाजा खटखटवले त एगो लईकी रोदा नाम के बात सुन के आईल।
14 जब उ पतरस के आवाज जान गईली त उ खुशी से फाटक ना खोलली, बालुक दौड़ के भीतर गईली अवुरी बतवली कि पतरस कइसे फाटक के सोझा खड़ा रहले।
15 उ लोग ओकरा से कहलस, "तू पागल हो गईल बाड़ू।" बाकिर ऊ लगातार एह बात के पुष्टि करत रहली कि अइसनो बा. तब उ लोग कहलस, "ई उनकर दूत ह।"
16 लेकिन पतरस खटखटावत रहलन आ जब उ लोग दरवाजा खोल के ओकरा के देखले त उ लोग अचरज में पड़ गईले।
17 लेकिन उ लोग के चुप रहे खातिर हाथ से इशारा करत उ लोग के बतवले कि प्रभु उनुका के कइसे जेल से बाहर निकालले बाड़े। ऊ कहलन, "जाके ई बात याकूब आ भाई लोग के बतावऽ।" उहाँ से उहाँ से निकल के दोसरा जगह चल गईले।
18 दिन होते ही सिपाही लोग के बीच कवनो छोट हलचल ना भइल कि पतरस के का हाल भइल।
19 जब हेरोदेस ओकरा के खोजले, लेकिन ओकरा के ना मिलल, त उ रखवाला लोग से पूछताछ कईले अवुरी आदेश देले कि उनुका के हत्या क दिहल जाए। ऊ यहूदिया से कैसरिया चल गइलन आ ओहिजा रह गइलन.
20 हेरोदेस सोर आ सीदोन के लोग से बहुत नाराज रहले, लेकिन उ लोग एक मन से उनुका लगे पहुंचले अवुरी ब्लास्टस के राजा के कोठरी के दोस्त बना के शांति के इच्छा कईले। काहे कि ओह लोग के देश के पोषण राजा के देश से होखत रहे।
21 एक दिन पर हेरोदेस राज के कपड़ा पहिन के अपना सिंहासन पर बइठ के ओह लोग के भाषण दिहलन।
22 लोग चिल्ला के कहलस, "ई कवनो देवता के आवाज ह, आदमी के ना ह।"
23 तुरते प्रभु के दूत ओकरा के मार दिहलस काहे कि ऊ भगवान के महिमा ना दिहलन आ ऊ कीड़ा खा गइल आ ऊ भूत छोड़ दिहलसि.

24 लेकिन परमेश्वर के वचन बढ़ल आ बढ़ल।
25 बरनबास आ साउल आपन सेवा पूरा कइला के बाद यरूशलेम से वापस आके अपना साथे यूहन्ना के लेके चल गइलन, जेकर उपनाम मरकुस रहे।

अध्याय 13 के बा

1 अंताकिया के कलीसिया में कुछ भविष्यवक्ता आ गुरु रहले। जइसे बरनबास, नाइजर नाम के शिमोन, कुरेन के लूसियस आ मनेन, जे हेरोदेस के राजशाही के साथे पलल-बढ़ल रहले, आ शाऊल के रूप में।
2 जब उ लोग प्रभु के सेवा करत रहले आ उपवास करत रहले, त पवित्र आत्मा कहलस, "हमरा खातिर बरनबास आ शाऊल के अलगा कर द, जवना काम खातिर हम ओह लोग के बोलवले बानी।"
3 जब उ लोग उपवास क के प्रार्थना क के ओ लोग प हाथ रखले त उ लोग के छोड़ देले।
4 एही से उ लोग पवित्र आत्मा के द्वारा भेज के सेलुसिया चल गईले। उहाँ से उ लोग जहाज से साइप्रस चल गईले।
5 जब ऊ लोग सलामी में पहुँचल त यहूदी लोग के आराधनालयन में परमेश्वर के वचन सुनावत रहलन आ यूहन्ना के भी सेवक के काम में रखले रहलन।
6 जब उ लोग द्वीप के रास्ता से पाफोस तक गईले त उ लोग के एगो जादूगर, एगो झूठा भविष्यवक्ता, एगो यहूदी मिलल, जेकर नाम बरयीस रहे।
7 उ देश के उपाध्यक्ष सर्जियस पौलुस के साथे रहले, जे एगो समझदार आदमी रहले। उ बरनबास आ शाऊल के बोलवले आ परमेश्वर के वचन सुने के चाहत रहले।
8 लेकिन एलीमास जादूगर (काहेकि ओकर नाम भी अईसन बा) उ लोग के विरोध कईले अवुरी उ नायक के विश्वास से दूर करे के कोशिश कईले।
9 तब शाऊल (जेकरा के पौलुस भी कहल जाला) पवित्र आत्मा से भरल उनकर नजर ओकरा पर रखलस।
10 ऊ कहलस, "हे शैतान के लइका, हर धर्म के दुश्मन, का तू प्रभु के सही रास्ता के बिगाड़ल ना छोड़ब?
11 अब देखऽ, प्रभु के हाथ तोहरा पर बा आ तू आन्हर होखबऽ आ एक मौसम ले सूरज ना देखबऽ। आ तुरते ओकरा पर धुंध आ अन्हार हो गइल। ऊ कुछ लोग के हाथ पकड़ के ले जाए खातिर घूमत रहले।
12 जब उ परमेश् वर के बात देख के परमेस् वर के शिक्षा से अचंभित होके बिसवास कइलस।
13 जब पौलुस आ उनकर दल पाफोस से मुक्त हो गइलन त उ लोग पम्फिलिया के पर्गा में आ गइलन आ यूहन्ना ओह लोग से निकल के यरूशलेम लवट गइलन।
14 जब उ लोग पेर्गा से निकलल त पिसिदिया के अंताकिया पहुंचले अवुरी सब्त के दिन सभाघर में जाके बईठ गईले।
15 व्यवस्था आ भविष्यवक्ता लोग के पढ़ला के बाद आराधनालय के अधिकारी लोग ओह लोग के लगे भेजले कि, "हे भाई लोग, अगर तोहनी के लोग खातिर कवनो उपदेश के बात बा त आगे बढ़ीं।
16 तब पौलुस खड़ा होके आपन हाथ से इशारा करत कहलन, "इस्राएल के लोग आऊ परमेश्वर से डेरात लोग, सुनीं।"
17 एह इस्राएल के लोग के परमेश्वर हमनी के पुरखा लोग के चुनले, जब उ लोग मिस्र के देश में परदेसी के रूप में रहत रहले त उ लोग के ऊपर उठवले अवुरी एगो ऊँच बांह से ओ लोग के ओहिजा से निकाल देले।
18 चालीस साल तक उ जंगल में उनकर शिष्टाचार के सामना कइलन।
19 जब ऊ कनान देश में सात गो राष्ट्रन के नाश कर दिहलन त ओह लोग के देश चिट्ठी से बाँट दिहलन.
20 ओकरा बाद ऊ ओह लोग के लगभग चार सौ पचास साल के न्यायाधीश के काम दिहलन, जबले कि शमूएल भविष्यवक्ता ना होखसु.
21 ओकरा बाद ऊ लोग राजा के निहोरा कइल आ भगवान ओह लोग के चालीस साल के बीच सिस के बेटा साउल के दे दिहलन जवन बिन्यामीन के गोत्र के रहले.
22 जब ऊ ओकरा के हटा दिहलन त दाऊद के राजा बने खातिर खड़ा कर दिहलन। उ ओकरा के गवाही देके कहले कि, "हमरा यिशै के बेटा दाऊद मिलल बा, जवन हमरा मन के मुताबिक आदमी हवे अवुरी हमार पूरा इच्छा पूरा करी।"
23 एह आदमी के संतान में से परमेश्वर अपना वादा के अनुसार इस्राएल खातिर एगो उद्धारकर्ता यीशु के जिन्दा कइले बाड़न।
24 जब यूहन्ना अपना आवे से पहिले पहिला बेर इस्राएल के सब लोग के पश्चाताप के बपतिस्मा के प्रचार कईले रहले।
25 जब यूहन्ना आपन रास्ता पूरा कइलन त ऊ कहले, "तू लोग हमरा के के समझत बाड़ऽ?" हम उ ना हईं। लेकिन देखऽ, हमरा बाद एगो अइसन आदमी आवेला, जेकर गोड़ के जूता हम खोले लायक नइखीं।
26 हे भाई लोग, अब्राहम के वंश के संतान, आ तोहनी में से जे भी परमेश्वर से डेराला, तोहनी के इ उद्धार के वचन भेजल गईल बा।
27 काहेकि यरूशलेम में रहे वाला आऊ ओकर शासक ओकरा के ना जानत रहले आ ना ही हर सब्त के दिन पढ़ल जाए वाला भविष्यवक्ता लोग के आवाज के ना जानत रहले।
28 भले ही उ लोग के मौत के कवनो कारण ना मिलल, लेकिन उ लोग पिलातुस से निहोरा कईले कि उनुका के मार दिहल जाए।
29 जब उ लोग उनकरा बारे में लिखल सब कुछ पूरा क के ओकरा के पेड़ से उतार के एगो कब्र में सुता देले।
30 लेकिन परमेश्वर ओकरा के मुवलन में से जिंदा कर दिहलन।
31 ओकरा साथे गलील से यरूशलेम तक चढ़े वाला लोग के बहुत दिन तक देखल गईल।
32 हमनी के तोहनी के खुशखबरी सुनावत बानी जा कि जवन वादा बाप-दादा से कईल गईल रहे|
33 परमेस् वर हमनी के उनके लइकन खातिर उहे पूरा कइले बाड़न कि उ यीशु के फेर से जिंदा कर दिहले बाड़न। जइसे कि दूसरा भजन में भी लिखल बा, "तू हमार बेटा हउअ, आज हम तोहरा के जनम देले बानी।"
34 ऊ ओकरा के मुवलन में से जिंदा कर दिहलन आ अब ऊ नाश में ना लवटत रहले, त ऊ एह तरह से कहले कि, "हम तोहके दाऊद के पक्का दया देब।"
35 एही से उ एगो अउरी भजन में भी कहत हउवें कि, "तू अपना पवित्र के नाश ना होखे देब।"
36 दाऊद परमेस् वर के मर्जी से अपना पीढ़ी के सेवा कइला के बाद नींद में आ गइलन आ उनके बाप-दादा के बिछावल गइल आ ऊ नाश हो गइल।

37 लेकिन परमेश्वर जेकरा के जिंदा कईले रहले, उ कवनो भ्रष्टाचार ना देखले।
38 एह से हे भाई लोग, तोहनी के पता चल जाव कि एही आदमी के द्वारा तोहनी के पाप के माफी के प्रचार कइल गइल बा।
39 आउर उनकरा द्वारा विश्वास करे वाला सब लोग ओह सब बात से धर्मी ठहरावल जाला, जवना से रउवां मूसा के व्यवस्था के द्वारा धर्मी ना ठहरावल जा सकत रहनी।
40 एह से सावधान रहीं कि कहीं तोहनी पर उ बात ना आ जाव जवना के बारे में भविष्यवक्ता लोग में कहल गइल बा।
41 देखऽ, तू लोग तिरस्कार करे वाला लोग, आ आश्चर्यचकित होके आ नाश हो जाइब, काहे कि हम तोहनी के दिन में एगो काम करत बानी, जवना काम पर तोहनी विश्वास ना करब, भलही केहू तोहनी के बतावे।
42 जब यहूदी लोग आराधनालय से बाहर निकलल त गैर-यहूदी लोग निहोरा कईले कि अगिला सब्त के दिन उ लोग के इ बात सुनावल जाए।
43 जब मंडली टूट गईल त बहुत यहूदी अवुरी धार्मिक धर्म परिवर्तन करेवाला लोग पौलुस अवुरी बरनबास के पीछे-पीछे चल गईले।
44 अगिला सब्त के दिन लगभग पूरा शहर भगवान के वचन सुने खातिर एकट्ठा हो गईले।
45 लेकिन जब यहूदी लोग भीड़ के देख के ईर्ष्या से भर गईले आ पौलुस के कहल बात के खिलाफ बोलत रहले अवुरी निंदा करत रहले।
46 तब पौलुस आ बरनबास निर्भीक होके कहले, "जरुरी रहे कि परमेश्वर के वचन पहिले तोहनी से कहल जाव, लेकिन जब तू लोग ओकरा के अपना के अनन्त जीवन के लायक ना समझत बाड़, त हमनी के गैर-यहूदी लोग के ओर मुड़त बानी जा .
47 काहेकि प्रभु हमनी के इहे आज्ञा देले बाड़न कि हम तोहरा के गैर-यहूदी लोग के रोशनी बनवले बानी ताकि तू धरती के छोर तक उद्धार खातिर रहऽ।
48 ई बात सुन के गैर-यहूदी लोग खुश हो गइल आ प्रभु के वचन के महिमा कइल आ जे लोग अनन्त जीवन खातिर नियुक्त भइल रहे, उ लोग विश्वास कइल।
49 पूरा इलाका में प्रभु के वचन प्रचारित हो गईल।
50 लेकिन यहूदी लोग भक्त आ इज्जतदार मेहरारू आ शहर के मुखिया लोग के भड़का के पौलुस आ बरनबास के खिलाफ सतावला आ ओह लोग के अपना इलाका से निकाल दिहल।
51 लेकिन उ लोग अपना गोड़ के धूल के हिला के इकोनियम में पहुंच गईले।
52 चेला लोग खुशी से आ पवित्र आत्मा से भर गईल।

अध्याय 14 के बा

1 आइकोनियम में दुनो लोग एक संगे यहूदी लोग के सभाघर में गईले अवुरी अईसन बात कईले कि यहूदी अवुरी यूनानी के भी बहुत भीड़ विश्वास कईले।
2 लेकिन अविश्वासी यहूदी लोग गैर-यहूदी लोग के भड़का दिहल आ भाई लोग के खिलाफ आपन मन बुरा कर दिहल।
3 उ लोग बहुत दिन तक प्रभु में निर्भीकता से बोलत रहले, जवन कि उनुका कृपा के वचन के गवाही देत रहले अवुरी उनुका हाथ से चमत्कार अवुरी चमत्कार करे के मौका देले।
4 लेकिन शहर के भीड़ में बंटवारा हो गईल अवुरी कुछ लोग यहूदी अवुरी कुछ प्रेरित लोग के संगे रह गईल।
5 जब गैर-यहूदी लोग आ यहूदी लोग के साथे-साथे उनके शासक लोग के साथे मारपीट हो गइल कि उ लोग के घृणा करे आ पत्थर से मार दिहलस।
6 उ लोग एकरा से जागरूक होके लूकानिया के शहर लुस्त्रा आ दर्बे आ आसपास के इलाका में भाग गईले।
7 उहाँ उ लोग सुसमाचार के प्रचार कईले।
8 लुस्त्रा में एगो आदमी बईठल रहे, जवन अपना महतारी के पेट से अपंग रहे, जवन कबो ना चलल रहे।
9 उहे पौलुस के बात सुनले, उ उनका के देख के अडिग रहलन आ ई बुझ के कि उनकरा में ठीक होखे के विश्वास बा।
10 जोर से कहलस, "अपना गोड़ पर सीधा खड़ा हो जा।" आ ऊ उछल के चलत चल गइल.
11 जब लोग पौलुस के कइल काम देख के लोग लूकानिया के बात में आवाज उठा के कहलस कि, "देवता लोग आदमी के रूप में हमनी के लगे उतरल बाड़े।"
12 उ लोग बरनबास के बृहस्पति कहल। आ पौलुस, बुध, काहे कि उ मुख्य वक्ता रहले।
13 तब उनके शहर से पहिले बृहस्पति के पुजारी दुआर पर बैल आ माला लेके अइले आ लोग के साथे बलि चढ़ावे के चाहत रहले।
14 जब प्रेरित बरनबास आ पौलुस ई बात सुनले त उ लोग आपन कपड़ा फाड़ के लोग के बीच में चिल्लात भाग गईले|
15 ऊ कहलन, "हे मालिक लोग, तू लोग ई सब काहे करत बाड़ऽ?" हमनी के भी तोहनी के साथे अइसने जुनून वाला आदमी हईं जा आ तोहनी के प्रचार करत बानी जा कि तू लोग एह व्यर्थता से जीवित परमेश्वर के ओर मुड़ल जा, जे आकाश, धरती, समुंदर आ ओकरा में मौजूद सब चीज के बनवले बाड़न।
16 उ पहिले सब जाति के अपना राह पर चले के अनुमति देत रहले।
17 फिर भी उ अपना के बिना गवाह के ना छोड़ले कि उ भलाई कईले अवुरी हमनी के स्वर्ग से बरखा अवुरी फल के मौसम देले अवुरी हमनी के दिल के खाना अवुरी खुशी से भर देले।
18 एह बातन से लोग के बहुत मुश्किल से रोकल कि ऊ लोग ओह लोग खातिर बलि ना चढ़ावल।
19 अंताकिया आ इकोनियम से कुछ यहूदी लोग ओहिजा आके लोग के मना लिहले आ पौलुस के पत्थर मार के शहर से बाहर निकाल के ले अइले कि ऊ मर गइल बा।
20 लेकिन जब चेला लोग उनका चारो ओर खड़ा रहले त उ उठ के शहर में आ गईले अवुरी अगिला दिने उ बरनबास के संगे दर्बे चल गईले।
21 जब उ लोग ओह शहर में सुसमाचार के प्रचार कईले अवुरी बहुत लोग के शिक्षा देले, त उ लोग फेर से लुस्त्रा, इकोनियम अवुरी अंताकिया वापस चल गईले।
22 चेलन के आत्मा के पुष्टि करत आ विश्वास में रहे खातिर आग्रह करत कि हमनी के बहुत कष्ट के बीच परमेश्वर के राज्य में प्रवेश करे के पड़ी।
23 जब उ लोग हर कलीसिया में प्राचीन के रूप में नियुक्त कईले अवुरी उपवास के संगे प्रार्थना कईले, त उ लोग ओ लोग के प्रभु के सोझा सौंप देले, जेकरा प उ लोग विश्वास कईले।
24 उ लोग पूरा पिसिदिया से गुजरला के बाद पम्फिलिया पहुंचले।

25 जब उ लोग पेर्गा में वचन के प्रचार कईले त उ लोग अतालिया में उतर गईले।
26 उहाँ से जहाज से अंताकिया चल गईले, जहाँ से उ लोग जवन काम पूरा कईले, ओकरा खातिर परमेश्वर के कृपा में सिमटावल गईल रहले।
27 जब उ लोग आके कलीसिया के बटोरले त उ लोग के बारे में बतावल गईल कि परमेश्वर उनुका संगे जवन कुछ कईले बाड़े अवुरी उ गैर-यहूदी लोग खाती विश्वास के दरवाजा कईसे खोलले बाड़े।
28 उ लोग उहाँ बहुत दिन तक चेला लोग के संगे रहले।

अध्याय 15 के बा

1 यहूदिया से उतरल कुछ लोग भाई लोग के सिखावत कहले, "जब तक तू लोग मूसा के तरीका से खतना ना होखब, तब तक तोहनी के उद्धार ना हो पाई।"
2 जब पौलुस आ बरनबास के बीच कवनो छोट मतभेद आ विवाद ना भइल त ऊ लोग तय कइल कि पौलुस आ बरनबास आ ओह लोग में से कुछ लोग के एह सवाल के लेके यरूशलेम में प्रेरित आ बुजुर्ग लोग के लगे जाए के चाहीं।
3 कलीसिया के रास्ता में ले अइला के बाद उ लोग गैर-यहूदी लोग के धर्म परिवर्तन के बारे में बतावत फीनीक आ सामरिया से होके चलल आ सब भाई लोग के बहुत खुशी पैदा कइल।
4 जब उ लोग यरूशलेम पहुंचले त कलीसिया, प्रेरित अवुरी प्राचीन लोग के ओर से उनुकर स्वागत भईल अवुरी उ लोग उनुका संगे जवन कुछ कईले बाड़े, ओकरा बारे में बता देले।
5 लेकिन फरीसियन के कुछ पंथ जे विश्वास करे वाला लोग उठ के कहत रहे कि, "ओकनी के खतना कर के मूसा के व्यवस्था के पालन करे के आज्ञा दिहल जरूरी बा।"
6 प्रेरित आउर प्राचीन लोग एह बात पर विचार करे खातिर एकजुट हो गइलन।
7 जब बहुत विवाद भइल त पतरस उठ के कहलन, "हे भाई लोग, तू लोग जानत बाड़ऽ कि कइसे कुछ समय पहिले परमेश्वर हमनी के बीच से चुनले बाड़न कि गैर-यहूदी लोग हमरा मुँह से सुसमाचार के वचन सुनस। आ विश्वास करीं.
8 परमेस् वर जे दिल के जानेलन, उ लोग के गवाही देके पवित्र आत्मा दे दिहलन, ठीक ओइसहीं जइसे उ हमनी के देले रहलन।
9 हमनी आ ओह लोग के बीच कवनो फर्क मत डालीं आ विश्वास से उनकर दिल के शुद्ध करीं।
10 अब तोहिन परमेस् वर के काहे परखत हव कि चेलन के गरदन पर एगो जुआ लगाईं, जवना के ना त हमनी के बाप-दादा सहन कर पवनी जा ना हमनी के?
11 लेकिन हमनी के विश्वास बा कि प्रभु यीशु मसीह के कृपा से हमनी के उ लोग निहन उद्धार पाईब।
12 तब सब भीड़ चुप होके बरनबास आ पौलुस के सुन के इ बतावत रहे कि परमेश्वर गैर-यहूदी लोग के बीच कवन चमत्कार आ चमत्कार कइले बाड़न।
13 ऊ लोग चुप रहला के बाद याकूब कहलन, " भाई लोग, हमार बात सुनीं।
14 शिमोन बता देले बाड़न कि कइसे परमेस् वर पहिले गैर-यहूदी लोग के मुलाकात कइलन आ ओह लोग में से एगो लोग के अपना नाम खातिर निकाल दिहलन।
15 भविष्यवक्ता लोग के बात एही से सहमत बा। जइसे लिखल बा,
16 एकरा बाद हम वापस आके दाऊद के तम्बू के फेर से बनाइब जवन गिरल बा। हम ओकर खंडहर के फेर से बना देब आ ओकरा के खड़ा करब।
17 ई सब काम करे वाला प्रभु कहत हउवें कि बाकी लोग प्रभु के खोज करस, आउर सब गैर-यहूदी लोग, जेकरा पर हमार नाम बोलावल गइल बा।
18 दुनिया के शुरुआत से ही परमेश्वर के सब काम के बारे में पता बा।
19 एही से हमार वाक्य बा कि हमनी के ओह लोग के परेशान मत करीं जा, जे गैर-यहूदी लोग के बीच से परमेश्वर के ओर मुड़ल बा।
20 लेकिन हमनी के ओह लोग के लिख दीं कि उ लोग मूर्ति के गंदगी, व्यभिचार, गला रेत के खून से परहेज करे।
21 पहिले के समय में मूसा के हर शहर में हर सब्त के दिन आराधनालय में पढ़ल जाला।
22 तब प्रेरित आ बूढ़ लोग पूरा कलीसिया के साथे इ निहोरा कइल कि पौलुस आ बरनबास के साथे अपना दल के चुनल आदमी के अंताकिया भेजल जाव। अर्थात बरसाबास नाम के यहूदा आ भाई लोग के प्रमुख आदमी सिलास।
23 उ लोग ओह लोग के द्वारा एही तरह से चिट्ठी लिखत रहले। प्रेरित आउर बुजुर्ग आ भाई लोग अंताकिया आ सीरिया आ किलिसिया के गैर-यहूदी भाई लोग के अभिवादन भेजत बाड़े।
24 हमनी के सुनले बानी जा कि हमनी के बाहर निकलल कुछ लोग तोहनी के बात से परेशान करत तोहनी के जान के उखाड़ फेंकत बा कि, "तोहनी के खतना कर के व्यवस्था के पालन करे के पड़ी।
25 हमनी के एक मन से जुटल रहनी जा कि हमनी के प्रिय बरनबास आ पौलुस के साथे चुनल आदमी के तोहनी के लगे भेजल जा।
26 जवन आदमी हमनी के प्रभु यीशु मसीह के नाम खातिर आपन जान खतरा में डाल देले बाड़े।
27 हमनी के यहूदा आ सिलास के भेजले बानी जा कि उ लोग भी इहे बात तोहनी के मुंह से बताई।
28 पवित्र आत्मा आ हमनी के अच्छा लागल कि हमनी के एह जरूरी चीजन से बड़हन बोझ तोहनी पर ना डालल जाव।
29 मूर्ति के चढ़ावल भोजन, खून, गला घोंटल चीज आ व्यभिचार से परहेज करीं। फेयर ये वेल।
30 जब उ लोग विदा हो गईले त उ लोग अंताकिया पहुंचले अवुरी लोग के एकट्ठा क के उ लोग चिट्ठी पहुंचवले।
31 उ लोग पढ़ के सांत्वना खातिर खुश हो गईले।
32 यहूदा आ सिलास खुद भविष्यवक्ता होके भाई लोग के बहुत शब्दन से सलाह दिहलन आ ओह लोग के मजबूती दिहलन।
33 उ लोग उहाँ कुछ देर रुकला के बाद भाई लोग के ओर से शांति से प्रेरित लोग के लगे छोड़ दिहल गईल।
34 एकरा बावजूद सिलास के उहाँ स्थिर रहे के मन कइलस।
35 पौलुस आ बरनबास भी बहुत लोग के साथे अंताकिया में प्रभु के वचन के शिक्षा आ प्रचार करत रहलन।
36 कुछ दिन बाद पौलुस बरनबास से कहलन, "चलऽ हमनी के फेरु से जाके अपना भाई लोग के हर शहर में देखनी जा जहाँ हमनी के प्रभु के वचन के प्रचार कइले बानी जा आ देखल जाव कि उ लोग कइसे करत बा।"

37 बरनबास यूहन्ना के अपना साथे ले जाए के ठान लिहलन, जेकर उपनाम मरकुस रहे।
38 पौलुस ओकरा के अपना साथे ले जाए में अच्छा ना लागल, जे पम्फिलिया से निकल के ओह लोग के साथे काम में ना गइलन।
39 उ लोग के बीच में झगड़ा एतना तेज हो गईल कि उ लोग एक दूसरा से अलग हो गईले अवुरी बरनबास मरकुस के लेके जहाज से साइप्रस चल गईले।
40 पौलुस सिलास के चुन के परमेस् वर के अनुग्रह खातिर भाई लोग के ओर से सिखाव के चल गईले|
41 ऊ सीरिया आ किलिसिया के बीच से कलीसिया के मजबूती देत गइलन।

अध्याय 16 के बा

1 तब ऊ दर्बे आ लुस्त्रा गइलन आ देखलन कि उहाँ एगो चेला तिमुथियुस नाम के एगो औरत के बेटा रहले, जवन एगो यहूदी रहली आ विश्वास करत रहली। लेकिन उनकर पिता यूनानी रहले।
2 जवना के बारे में लुस्त्रा आ इकोनियम में रहे वाला भाई लोग बढ़िया से बतवले रहले।
3 ओकरा के पौलुस के साथे निकले के पड़ी। आऊ ओह इलाका में मौजूद यहूदी लोग के चलते ओकरा के लेके खतना कर दिहलस, काहेकि उ लोग सब जानत रहे कि ओकर पिता यूनानी हवे।
4 शहरन में घूमत घरी ऊ लोग यरूशलेम में मौजूद प्रेरित आ प्राचीन लोग के द्वारा निर्धारित नियम के पालन करे खातिर सुनवले।
5 एही तरे कलीसिया लोग विश्वास में मजबूत होत रहे आ रोज संख्या में बढ़त रहे।
6 जब उ लोग पूरा फ्रीगिया आ गलातिया के इलाका में जाके पवित्र आत्मा के द्वारा एशिया में वचन के प्रचार करे से मना कर दिहल गईल|
7 मिसिया अइला के बाद उ लोग बिथिनिया में जाए के कोशिश कईले, लेकिन आत्मा ओ लोग के अनुमति ना दिहलस।
8 मिसिया से गुजरत उ लोग त्रोआस में उतर गईले।
9 रात में पौलुस के एगो दर्शन भइल। उहाँ मकिदुनिया के एगो आदमी खड़ा होके ओकरा से प्रार्थना कइलस कि, "मैसिडोनिया में आके हमनी के मदद करऽ."
10 उ दर्शन देखला के बाद तुरते हमनी के मकिदुनिया जाए के कोशिश कईनी जा आ ई बात के पक्का बटोरनी कि प्रभु हमनी के बोलवले बाड़े कि उ लोग के सुसमाचार सुनावे।
11 एह से हमनी के त्रोआस से निकल के सीधा रास्ता से समोथ्रासिया आ अगिला दिने नियोपोलिस पहुँचनी जा।
12 उहाँ से फिलिप्पी, जवन मकिदुनिया के ओह इलाका के प्रमुख शहर ह आ एगो उपनिवेश ह, आ हमनी के कुछ दिन ओह शहर में रहनी जा।
13 सब्त के दिन हमनी के शहर से एगो नदी के किनारे निकलनी जा, जहाँ प्रार्थना होखे के आदत रहे। हमनी के बईठ के उहाँ के सहारा लेवे वाली महिला से बात कईनी।
14 थियाती नगर के बैंगनी रंग के कपड़ा बेचे वाली लिडिया नाम के एगो मेहरारू हमनी के बात सुनली, जवन परमेश्वर के आराधना करत रहे।
15 जब उ आउर उनकर घर के लोग बपतिस्मा लिहली त उ हमनी से निहोरा कईली कि अगर तू हमरा के प्रभु के प्रति वफादार मानले बानी त हमरा घर में आके उहाँ रह जा। आ ऊ हमनी के मजबूर कर दिहली.
16 जब हमनी के प्रार्थना करे जात रहनी जा त एगो लईकी हमनी से मिलल जवन भविष्यवाणी करे के आत्मा से ग्रस्त रहली, जवन कि उनुका मालिकन के भविष्यवाणी से बहुत फायदा पहुंचवलस।
17 उहे पौलुस आ हमनी के पीछे-पीछे चल के चिल्ला के कहलस, "ई लोग परम परमेश्वर के सेवक हवें, जवन हमनी के उद्धार के रास्ता देखावेले।"
18 उ बहुत दिन तक अयीसन कईली। लेकिन पौलुस दुखी होके आत्मा से मुड़ के कहलन, "हम तोहरा के यीशु मसीह के नाम से आज्ञा देत बानी कि उ ओकरा से बाहर निकलऽ।" आ ऊ ओही घड़ी बाहर निकल गइलन.
19 जब उनकर मालिक लोग देखल कि उ लोग के फायदा के उम्मीद खतम हो गईल बा, त उ लोग पौलुस आ सिलास के पकड़ के बाजार में शासकन के लगे ले गईले।
20 ऊ ओह लोग के मजिस्ट्रेट के लगे ले अइले आ कहलन कि, "ई लोग यहूदी होके हमनी के शहर के बहुते परेशान करेला।
21 आऊ अइसन रीति-रिवाज सिखाईं जवन हमनी के रोमी होखला के नाते ग्रहण करे के आ ना ही पालन करे के इजाजत बा।
22 तब भीड़ एकजुट होके ओह लोग के खिलाफ उठल आ मजिस्ट्रेट ओह लोग के कपड़ा फाड़ के ओह लोग के पीटे के आदेश दिहले।
23 जब ऊ लोग ओह लोग पर बहुते प्रहार कइल आ जेल में डाल दिहल आ जेलर के आज्ञा दिहल कि ऊ ओह लोग के सुरक्षित राखे.
24 उ लोग के अईसन आज्ञा मिलला के बाद उ लोग के भीतरी जेल में डाल दिहलस अवुरी उ लोग के गोड़ कड़ाही में मजबूत क देलस।
25 आधा रात के बाद पौलुस आ सिलास प्रार्थना करत रहलन आ परमेश्वर के स्तुति गावत रहलन।
26 अचानक एगो बड़हन भूकंप आइल आ जेल के नींव हिल गइल आ तुरते सब दरवाजा खुलल आ हर केहू के पट्टी ढीला हो गइल।
27 जेल के रखवाला नींद से जाग के जेल के दरवाजा खुलल देख के आपन तलवार निकाल के खुद के मार लेत रहले, इ मान के कि कैदी भाग गईल बाड़े।
28 लेकिन पौलुस जोर से चिल्लात कहले, "अपना के कवनो नुकसान मत करऽ, काहेकि हमनी के सब इहाँ बानी जा।"
29 तब उ एगो रोशनी के आवाज देके उछल के भीतर आके काँपत-काँप के पौलुस आ सिलास के सामने गिर गईले।
30 उ लोग के बाहर ले आके कहलस, "हे मालिक लोग, हमरा के बचावे खातिर का करे के बा?"
31 उ लोग कहले, "प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास कर, त तू आ तोहार घराना के उद्धार हो जाई।"
32 उ लोग प्रभु के वचन आ उनकर घर में रहे वाला सब लोग से कहलन।
33 रात के ओही समय उ ओ लोग के लेके ओ लोग के चोट धो दिहलस। उ आ ओकर सब लोग तुरंत बपतिस्मा लेले।

34 जब उ ओ लोग के अपना घर में ले अईले त उ लोग के सामने खाना रखले अवुरी अपना पूरा घर के संगे भगवान प विश्वास करत खुश हो गईले।
35 जब दिन भइल त मजिस्ट्रेट लोग सार्जेंट लोग के भेज के कहलस कि, "ओह लोग के जाए दीं।"
36 जेल के रखवाला पौलुस से इ बात कहलस कि, मजिस्ट्रेट तोहनी के छोड़े खातिर भेजले बाड़े।
37 पौलुस उनकरा से कहलन, "रोमियन होखला के नाते उ लोग हमनी के बिना दोषी के पीट के जेल में डाल देले बाड़े। आ अब का ऊ लोग हमनी के गुप्त रूप से बाहर निकालत बा? ना त साँचहू; लेकिन उ लोग खुद आके हमनी के बाहर ले आवे।
38 जब सार्जेंट लोग ई बात मजिस्ट्रेट लोग के बतवले आ ऊ लोग ई सुन के डेरा गइल कि ऊ लोग रोमी हवे।
39 उ लोग आके ओ लोग से निहोरा कईले अवुरी ओ लोग के बाहर ले आके शहर से बाहर निकले के निहोरा कईले।
40 ऊ लोग जेल से बाहर निकल के लिडिया के घर में घुस गइलन आ भाई लोग के देख के दिलासा देके चल गइलन।

अध्याय 17 के बा

1 जब उ लोग अम्फीपोलिस आ अपोलोनिया से होके थिस्सलुनिका पहुंचले, जहवाँ यहूदी लोग के आराधनालय रहे।
2 पौलुस अपना तरीका से ओह लोग के लगे गइलन आ तीन सब्त के दिन ओह लोग से पवित्रशास्त्र से तर्क कइलन।
3 ई बतावत कि मसीह के कष्ट उठावे के जरूरत बा आ मुवलन में से जी उठला के जरूरत बा। आ कि इहे यीशु, जेकरा के हम तोहनी के प्रचार करत बानी, उ मसीह हवें।
4 उ लोग में से कुछ लोग बिसवास कइल आ पौलुस आ सिलास के साथे मिलन कइल। आ भक्त यूनानी लोग के भीड़ आ मुखिया मेहरारू लोग में से कुछे ना।
5 लेकिन जवन यहूदी विश्वास ना कईले, उ लोग ईर्ष्या से भड़क गईले, उ लोग अपना लगे कुछ अभद्र लोग के लेके चल गईले अवुरी एक दल के बटोरले अवुरी पूरा शहर में हंगामा कईले अवुरी यासोन के घराना प हमला क देले अवुरी ओ लोग के बाहर निकाले के कोशिश कईले जनता के दिहल जाला।
6 जब उ लोग के ना मिलल त उ लोग जेसन आ कुछ भाई लोग के शहर के शासकन के लगे खींच के चिल्लात रहले, "दुनिया के उल्टा-पुल्टा करे वाला लोग इहाँ भी आ गईल बाड़े।
7 यासोन ओकरा के ग्रहण कइले बाड़न आ ई सब कैसर के फरमान के उल्टा कहत बाड़न कि एगो अउरी राजा बाड़न, एगो यीशु।
8 ई बात सुन के उ लोग शहर के लोग आऊ मालिक लोग के परेशान कर दिहले।
9 जब उ लोग यासोन आ दूसरा के सुरक्षा लेके चल गईले।
10 भाई लोग तुरते रात में पौलुस आ सिलास के बिरिया भेज दिहल।
11 इ लोग थिस्सलुनीकिया के लोग से भी जादा उदात्त रहले, काहे कि उ लोग पूरा मन से वचन के ग्रहण करत रहले अवुरी रोज शास्त्र के जांच करत रहले कि उ बात सही बा कि ना।
12 एही से उनकरा में से बहुत लोग बिसवास कइल। इज्जतदार मेहरारू लोग के भी जवन यूनानी रहली, आ मरद के भी, कुछे ना।
13 जब थिस्सलोनिकी के यहूदी लोग के पता चलल कि पौलुस के बारे में बेरिया में परमेश्वर के वचन सुनावल गईल बा, त उ लोग उहाँ भी आके लोग के भड़कावे लगले।
14 भाई लोग तुरते पौलुस के समुद्र में जाए खातिर भेज दिहल, लेकिन सिलास आ तीमुथियुस उहाँ रह गईले।
15 पौलुस के चलावे वाला लोग ओकरा के एथेंस ले अइले आ सिलास आ तीमुथियुस के आज्ञा मिल के कि ऊ लोग तेजी से उनकरा लगे आवे के आज्ञा लेके चल गइलन।
16 जब पौलुस एथेंस में ओ लोग के इंतजार करत रहले, त उ शहर के मूर्तिपूजा में पूरा तरह से समर्पित देख के उनुका मन में हलचल पैदा हो गईल।
17 एही से ऊ आराधनालय में यहूदी लोग से, भक्ति करे वाला लोग से आ बाजार में रोज-रोज अपना से मिले वाला लोग से विवाद करत रहले।
18 तब इपिकुरियन आ स्टोइक के कुछ दार्शनिक लोग उनकर मुलाकात कइल। आ कुछ लोग कहल कि ई बकबक का कही? कुछ लोग के कहनाम बा कि उ परदेसी देवता के पैदा करे वाला लागत बाड़े, काहेकि उ ओ लोग के यीशु अवुरी जी उठला के प्रचार कईले रहले।
19 उ लोग ओकरा के पकड़ के अरेओपगस ले अइले आ कहलन कि, का हमनी के पता चल सकेला कि तू जवन नया शिक्षा के बारे में कहत बाड़, का ह?
20 तू हमनी के कान में कुछ अजीब बात लेके आवत बाड़, एहसे हमनी के इ जानल चाहत बानी जा कि इ बात के का मतलब बा।
21 (काहेकि उहाँ के सब एथेंस के लोग आ परदेशी लोग आपन समय कवनो नया बात बतावे भा सुनला के अलावा अउरी कवनो काम में ना बितावत रहे।)
22 तब पौलुस मंगल ग्रह के पहाड़ी के बीच में खड़ा होके कहले, "हे एथेंस के लोग, हम समझत बानी कि तू लोग सब बात में बहुत जादे अंधविश्वासी बाड़।"
23 जब हम ओहिजा से गुजरत आ तोहनी के भक्ति के देखत रहनी त एगो वेदी मिलल जवना पर लिखल रहे कि, "अज्ञात भगवान के नाम।" जेकरा के तू लोग अनजाने में पूजत बाड़, हम ओकरा के तोहनी के बतावत बानी।
24 दुनिया आ ओकरा में मौजूद सब चीजन के बनावे वाला परमेस् वर, ई देखत कि ऊ आकाश आ धरती के मालिक हवें, ऊ हाथ से बनल मंदिरन में ना रहेलें।
25 आ आदमी के हाथ से पूजा ना कइल जाला जइसे कि ओकरा कवनो चीज के जरूरत होखे, काहे कि ऊ सब के जीवन, साँस आ सब कुछ देला।
26 आ एक खून से आदमी के सब राष्ट्र के पूरा धरती पर रहे खातिर बना दिहले बा आ पहिले से तय समय आ ओह लोग के निवास के सीमा तय कइले बा।
27 ताकि उ लोग प्रभु के खोजत रहस, अगर शायद उ लोग प्रभु के पीछे-पीछे महसूस करस अवुरी उनुका के पा सके, हालांकि उ हमनी में से हरेक से दूर नईखन।
28 काहेकि हमनी के उनकरा में जियत बानी जा, हिलत बानी जा आ आपन अस्तित्व बा। जइसे कि तोहार कुछ कवि लोग भी कहले बा कि हमनी के भी ओकर संतान हईं जा।
29 काहेकि हमनी के परमेश्वर के संतान हईं जा, हमनी के ई ना सोचे के चाहीं कि भगवान सोना भा चांदी भा पत्थर जइसन हउवें जवन कला आ आदमी के चाल से उकेरल गइल बा.

30 एह अज्ञानता के समय पर भगवान आँखि मिचौले। लेकिन अब सब लोग के हर जगह पश्चाताप करे के आज्ञा देले बा।
31 काहे कि ऊ एगो दिन तय कइले बाड़न जवना में ऊ ओह आदमी के द्वारा दुनिया के धार्मिकता से न्याय करीहें, जेकरा के ऊ तय कइले बाड़न। जवना के बारे में उ सब आदमी के भरोसा देले बाड़े कि उ ओकरा के मुवलन में से जिंदा कईले बाड़े।
32 जब उ लोग मुअल लोग के जी उठला के बारे में सुनले त कुछ लोग मजाक उड़ावलस, त कुछ लोग कहल कि, "हमनी के इ बात फेर से सुनब जा।"
33 एही से पौलुस ओह लोग के बीच से चल गइलन।
34 कुछ लोग उनकरा से चिपकल रहलन आ विश्वास कइलन, जेकरा में डायोनिसियस अरेओपागियन आ दमारी नाम के एगो औरत आ उनकरा साथे अउरी लोग भी रहलन।

अध्याय 18 के बा

1 एकरा बाद पौलुस एथेंस से निकल के कुरिन्थ अईले।
2 एगो यहूदी के नाम अकीला मिलल, जेकर जनम पोंतुस में भइल रहे, आ अपना मेहरारू प्रिस्किला के साथे इटली से आइल रहे। (काहे कि क्लाउडियस सभ यहूदी लोग के रोम से निकले के आदेश देले रहले।) आ उ लोग के लगे अईले।
3 उ एकही कारीगरी के काम करे वाला रहले, एहसे उ ओ लोग के संगे रहले अवुरी काम करत रहले, काहेंकी ओ लोग के काम से उ लोग डेरा बनावे वाला रहले।
4 ऊ हर सब्त के दिन सभाघर में बतकही करत रहले आ यहूदी आ यूनानी लोग के मनावत रहले।
5 जब सिलास आ तीमुथियुस मकिदुनिया से अइले त पौलुस के मन में दबाव पड़ल आ ऊ यहूदी लोग के गवाही दिहलन कि यीशु मसीह हवें।
6 जब ऊ लोग अपना के विरोध कइल आ निंदा कइल त ऊ आपन कपड़ा हिला के कहलस, "तोहार खून तोहनी के माथा पर होखे। हम साफ बानी, अब से हम गैर-यहूदी लोग के लगे चलब।
7 उ उहाँ से निकल के एगो आदमी के घर में घुस गईले, जेकर नाम रहे जस्टस, जे परमेश्वर के आराधना करत रहे।
8 आराधनालय के मुखिया क्रिस्पस अपना पूरा घराना के साथे प्रभु पर बिसवास कइलन। सुन के कुरिन्थियों में से बहुत लोग बिसवास कइले आ बपतिस्मा लिहले।
9 तब प्रभु रात में पौलुस से एगो दर्शन से कहलन कि, मत डेरा, बाकि बोलऽ आ चुप मत रहऽ।
10 काहेकि हम तोहरा साथे बानी आ केहू तोहरा के चोट पहुँचावे खातिर ना चढ़ी काहे कि हमरा एह शहर में बहुत लोग बा।
11 उहाँ एक साल छह महीना तक उहाँ रहलन आ उ लोग के बीच परमेश्वर के वचन सिखावत रहलन।
12 जब गलिओ अखाया के उपाध्यक्ष रहले त यहूदी लोग एक मन से पौलुस के खिलाफ विद्रोह क के उनुका के न्याय के आसन में ले गईले।
13 कहलन, "ई आदमी आदमी के व्यवस्था के विपरीत परमेश्वर के आराधना करे खातिर मनावेला।"
14 जब पौलुस आपन मुंह खोले वाला रहले त गलिओ यहूदी लोग से कहले, "हे यहूदी लोग, अगर गलत या दुष्ट अश्लीलता के बात होखे त हम तोहनी के सहन करे के कारण चाहत रहीं।
15 लेकिन अगर ई बात शब्दन आ नाम आउर आपन व्यवस्था के सवाल बा त तू लोग एकरा के देखऽ। काहे कि हम अइसनका मामिला के कवनो न्यायाधीश ना होखब.
16 ऊ ओह लोग के न्याय के आसन से भगा दिहलन।
17 तब सब यूनानी आराधनालय के प्रमुख सोस्थनीस के लेके न्याय के आसन के सामने पीट दिहले। आ गैलियो ओहमें से कवनो बात के परवाह ना कइलन.
18 एकरा बाद पौलुस उहाँ बहुत देर तक रहलन आ फिर भाई लोग से विदाई ले के उहाँ से जहाज से अराम में चल गइलन आ उनकरा साथे प्रिस्किला आ अकीला भी चल गइलन। कंकरिया में आपन माथा काट लिहले रहले, काहे कि उनुकर व्रत रहे।
19 इफिसुस आके उ लोग के ओहिजा छोड़ के चल गईले, लेकिन उ खुद आराधनालय में घुस के यहूदी लोग के संगे बतकही कईले।
20 जब उ लोग उनकरा से अधिका समय तक रहे के निहोरा कईले त उ सहमति ना देले।
21 लेकिन उ लोग के विदाई देत कहलन कि, "यरूशलेम में आवे वाला इ भोज हमरा हर तरह से मनावल जरूरी बा, लेकिन अगर भगवान चाहस त हम तोहनी के लगे वापस आ जाईब।" उ इफिसुस से जहाज से चल गईले।
22 जब ऊ कैसरिया में उतर के कलीसिया के नमस्कार कइलन त अंताकिया चल गइलन।
23 उहाँ कुछ समय बिता के उहाँ से निकल गईले आ गलाती आ फ्रिगिया के पूरा इलाका के क्रम से घूम के सब चेलन के मजबूती देले।
24 अपुलोस नाम के एगो यहूदी सिकंदरिया में जनमल रहले, जवन वाक्पटु आ पवित्रशास्त्र में पराक्रमी रहले।
25 एह आदमी के प्रभु के राह के शिक्षा दिहल गइल। आ आत्मा में उग्र होके प्रभु के बात पूरा मेहनत से बोलत आ सिखावत रहलन, उ खाली यूहन्ना के बपतिस्मा के बारे में जानत रहलन।
26 ऊ आराधनालय में निर्भीकता से बोले लगलन, अकीला आ प्रिस्किला उनकर बात सुन के उनकरा के अपना लगे ले गइलन आ परमेश्वर के रास्ता के अउरी सिद्ध तरीका से समझवले।
27 जब उ अखाया में जाए के इच्छुक रहले त भाई लोग चिट्ठी लिखले कि चेलन के उनुका के ग्रहण करे के आग्रह कईले।
28 काहेकि उ यहूदी लोग के आउर उ लोग के सार्वजनिक रूप से समझा दिहलन, आ पवित्रशास्त्र के द्वारा ई देखावत रहलन कि यीशु मसीह हवें।

अध्याय 19 के बा

1 जब अपोलोस कुरिन्थ में रहले त पौलुस ऊपरी इलाका से होके इफिसुस पहुंचले।
2 उ लोग से कहलन कि जबसे तू विश्वास कइले बाड़ऽ, का तोहनी के पवित्र आत्मा मिलल बा? उ लोग ओकरा से कहलस, "हमनी के एतना नईखी सुनले कि कवनो पवित्र आत्मा बा कि ना।"
3 ऊ ओह लोग से पूछले, "तब तोहनी के बपतिस्मा का खातिर भइल? उ लोग कहले, "यूहन्ना के बपतिस्मा तक।"
4 तब पौलुस कहलन, "यूहन्ना पश्चाताप के बपतिस्मा से बपतिस्मा दिहलन कि उ लोग उनकरा बाद आवे वाला पर विश्वास करस, यानी मसीह यीशु पर।
5 इ सुन के उ लोग प्रभु यीशु के नाम से बपतिस्मा लेले।

6 जब पौलुस ओह लोग पर हाथ डाल दिहलन त पवित्र आत्मा ओह लोग पर आ गइलन. उ लोग दोसरा भाषा में बोलत रहले अवुरी भविष्यवाणी करत रहले।
7 सब आदमी लगभग बारह साल के रहले।
8 ऊ आराधनालय में जाके तीन महीना तक निर्भीकता से बोलत रहलन आ परमेश्वर के राज्य के बारे में बात पर विवाद करत आ समझावत रहलन।
9 जब गोताखोर लोग कठोर हो गइलन आ विश्वास ना कइलन, बलुक भीड़ के सामने बुराई कइलन त ऊ ओह लोग से दूर हो गइलन आ चेलन के अलगा कर दिहलन आ रोज एक टायरानस के स्कूल में विवाद करत रहले.
10 दू साल तक इहे चलत रहल। एह से एशिया में रहे वाला सब यहूदी आ यूनानी प्रभु यीशु के वचन सुनले।
11 परमेश्वर पौलुस के हाथ से खास चमत्कार कइलन।
12 एह से उनकर देह से बेमार गमछा भा एप्रन ले आवल गइल आ ओह लोग से बेमारी दूर हो गइल आ ओह लोग में से बुरा आत्मा निकल गइल।
13 तब कुछ आवारा यहूदी लोग, जे भूत भगावे वाला लोग, उ लोग दुष्टात्मा वाला लोग के प्रभु यीशु के नाम से पुकारत कहले कि, "हम तोहनी के शपथ देत बानी कि यीशु के नाम से जवन पौलुस प्रचार करत बाड़े।"
14 एगो स्केवा के सात गो बेटा रहले, जवन यहूदी रहले अवुरी याजक के प्रमुख रहले।
15 दुष्टात्मा जवाब दिहलस, "हम यीशु के जानत बानी आ पौलुस के जानत बानी। बाकिर तू के हईं?
16 जवना आदमी में दुष्टात्मा रहे, उ लोग ओ लोग प कूद के ओ लोग के हरा दिहलस अवुरी ओ लोग प जीत गईल, जवना से उ लोग नंगा अवुरी घायल होके ओ घर से भाग गईले।
17 इफिसुस में रहे वाला सब यहूदी आ यूनानी लोग के इ बात पता चलल। आऊ सब पर डर लागल आ प्रभु यीशु के नाम के बड़ाई हो गइल।
18 विशवास करे वाला बहुत लोग आके आपन काम कबूल कईले।
19 उत्सुक कला के इस्तेमाल करे वाला लोग में से बहुत लोग आपन किताब के एकट्ठा क के सब लोग के सोझा जरा के ओकर दाम गिन के पचास हजार चांदी के टुकड़ा मिलल।
20 भगवान के वचन एतना ताकतवर होके बढ़ल आ जीत हासिल कइलस।
21 ई सब बात खतम भइला के बाद पौलुस मकिदुनिया आ अखाया से होके यरूशलेम जाए के मन में सोचले कि, "हमरा उहाँ गइला के बाद रोम के भी देखे के पड़ी।"
22 ऊ अपना सेवा करे वाला दू गो लोग के मैसिडोनिया भेजलन, तिमुथियुस आ इरास्टस। बाकिर ऊ खुदे एशिया में एक मौसम खातिर रहले.
23 ओही समय ओह रास्ता पर कवनो छोट हलचल ना भइल।
24 काहे कि देमेत्रियुस नाम के एगो आदमी चांदी के काम करे वाला रहले, जवन डायना खातिर चांदी के तीर्थ बनवले रहले, उ कारीगरन के कवनो छोट फायदा ना देत रहले।
25 उनुका के ओही काम के मजदूरन के संगे बोलवले अवुरी कहले कि, "हे मालिक, तू लोग जानतानी कि ए काम से हमनी के धन-दौलत बा।"
26 तू लोग देखत आ सुनत हव कि इफिसुस में अकेले ना, बल्कि लगभग पूरा एशिया में इ पौलुस बहुत लोग के समझा के भटकवले बाड़े कि उ लोग हाथ से बनल देवता ना हवे।
27 ताकि खाली इहे हमनी के कारीगरी के नुकसान ना होखे के खतरा बा। बाकिर ईहो कि महान देवी डायना के मंदिर के तिरस्कार कइल जाव आ ओकर भव्यता के नाश कइल जाव, जेकर पूजा पूरा एशिया आ दुनिया करेला.
28 इ बात सुन के उ लोग गुस्सा से भर गईले अवुरी चिल्लात कहले कि, इफिसियों के डायना बड़ हई।
29 पूरा शहर उलझन से भर गइल आ पौलुस के साथी मकिदुनिया के लोग गैयस आ अरिस्तार्कस के पकड़ के ऊ लोग एक मन से रंगमंच में भाग गइल।
30 जब पौलुस लोग के बीच में जाए के चाहत रहले त चेला लोग उनुका के अनुमति ना देले।
31 एशिया के कुछ मुखिया जे उनकर दोस्त रहले, उनकरा से निहोरा करे खातिर भेजले कि उ रंगमंच में साहस ना करे।
32 एह से कुछ लोग एक बात के चिल्लात रहे आ कुछ लोग दूसर बात। आ अधिकतर लोग के पता ना रहे कि ऊ लोग काहे एक साथ आइल बा.
33 ऊ लोग सिकंदर के भीड़ में से निकाल के यहूदी लोग ओकरा के आगे बढ़ा दिहल। सिकन्दर हाथ से इशारा कइलन आ लोग के सामने आपन बचाव करे के चाहत रहले।
34 जब उ लोग के पता चलल कि उ यहूदी हवे, त सब लोग एक आवाज़ में लगभग दु घंटा के बीच चिल्ला उठल, "इफिसियों के डायना महान हई।"
35 जब नगर के चपरासी लोग के खुश क दिहलस त कहलस, "हे इफिसुस के लोग, इफिसी के लोग के कवन आदमी इ नईखे जानत कि इफिसियन के शहर महान देवी डायना अवुरी बृहस्पति से गिरल मूर्ति के पूजा करेवाला ह।" ?
36 एह से ई बात के विरोध ना कइल जा सकेला, एहसे तोहनी के चुप रहे के चाहीं आ बेधड़क कुछ ना करे के चाहीं।
37 काहेकि तू लोग एह आदमी के इहाँ ले आइल बाड़ू, जे ना त कलीसिया के लुटेरा हवें, ना ही तोहनी के देवी के निंदा करे वाला हवें।
38 एह से अगर देमेत्रियुस आ ओकरा साथे मौजूद कारीगरन के केहू के खिलाफ कवनो बात होखे त कानून खुलल बा आ ओकरा लगे कवनो काम करे वाला लोग भी बा।
39 लेकिन अगर तू लोग कवनो दोसर बात के बारे में पूछताछ करीं त ओकर फैसला कवनो कानूनी सभा में होई।
40 काहेकि आज के हंगामा के चलते हमनी के सवाल उठावे के खतरा बा, काहेकि हमनी के कवनो कारण नईखे कि हमनी के ए मुठभेड़ के हिसाब दे सकीले।
41 ई बात कह के ऊ सभा के भगा दिहलन।

अध्याय 20 के बा

1 हंगामा खतम भइला के बाद पौलुस चेलन के बोला के गले लगा के मकिदुनिया जाए खातिर निकल गइलन।
2 जब ऊ ओह इलाका के पार क के ओह लोग के बहुते सलाह दिहलन त ऊ यूनान में आ गइलन.
3 तीन महीना उहाँ रहलन। जब यहूदी लोग उनकर इंतजार करत रहले, जब उ सीरिया में जहाज से जाए वाला रहले, त उ मकिदुनिया के रास्ता से वापस आवे के योजना बनवले।

4 उहाँ उनकरा साथे एशिया में बेरिया के सोपाटर चल गइलन। आ थिस्सलुनीकियों में से अरिस्तार्कस आ सेकुंडस। आ दर्बे के गैयस आ तीमुथियुस। आ एशिया के तिकीकस आ ट्रॉफिमस के नाम से जानल जाला।
5 ई लोग हमनी खातिर त्रोआस में रह गइल।
6 हमनी के बिना खमीर के रोटी के दिन के बाद फिलिप्पी से जहाज से निकल गईनी जा आ पांच दिन में ओ लोग के लगे त्रोआस पहुंच गईनी जा। जहाँ हम सात दिन तक रहनी।
7 हफ्ता के पहिला दिन जब चेलन रोटी तोड़े खातिर एकट्ठा भइले त पौलुस ओह लोग के प्रचार कइलन आ अगिला दिने जाए खातिर तइयार हो गइलन. आ आधा रात तक आपन भाषण जारी रखले।
8 ऊपर के कोठरी में बहुत रोशनी रहे, जहाँ उ लोग एक संगे जुटल रहले।
9 एगो खिड़की में यूटिकस नाम के एगो नवही बईठल रहले, जवन कि बहुत दिन तक प्रचार करत रहले, त उ नींद में डूब गईले अवुरी तीसरा मचान से गिर गईले अवुरी मर गईले।
10 पौलुस नीचे उतर के ओकरा पर गिर गइलन आ ओकरा के गले लगा के कहले, "अपना के परेशान मत करीं। काहे कि ओकर जिनगी ओकरा में बा।
11 जब उ फेर से ऊपर आके रोटी तोड़ के खाना खइले आ दिन भोर तक बहुत देर तक बतियावत रहले त उ चल गईले।
12 उ लोग ओह नवही के जिंदा ले अइले, लेकिन तनको दिलासा ना मिलल।
13 हमनी के पहिले जहाज पर चढ़ के असोस के ओर बढ़नी जा, उहाँ पौलुस के अपना में समेटे के इरादा रहे, काहेकि उ अपना के पैदल चले के सोच के अईसन नियुक्त कईले रहले।
14 जब उ असोस में हमनी से मिलले त हमनी के उनुका के अपना घर में ले गईनी अवुरी मितिलेन पहुंचनी।
15 हमनी के ओहिजा से जहाज से निकलनी जा आ अगिला दिने किओस के ओ पार आ गईनी जा। अगिला दिने हमनी के सामोस पहुँचनी जा आ ट्रोगिलियम में रुक गइनी जा। आ अगिला दिने हमनी के मिलेतुस आ गइनी जा।
16 काहेकि पौलुस इफिसुस के रास्ता से जहाज से जाए के ठान लेले रहले, काहेकि उ एशिया में समय ना बितावे के चाहत रहले, काहेकि अगर संभव होखे त उ जल्दी से पेंटेकोस्ट के दिन यरूशलेम में पहुंचे के फैसला कईले रहले।
17 मिलिटस से इफिसुस भेज के कलीसिया के बड़का लोग के बोलवले|
18 जब उ लोग उनुका लगे पहुंचले त उ लोग से कहलस कि, "हम एशिया में अईला के पहिला दिन से जानतानी कि हम हर समय तोहनी के संगे कईसन रहनी।
19 हम पूरा नम्रता से, बहुत लोर आ परीक्षा से प्रभु के सेवा करत रहनी, जवन हमरा पर यहूदी लोग के लेट गइल रहे।
20 हम तोहनी के कवनो फायदा के बात ना रखनी, बलुक तोहनी के देखा दिहनी आ सार्वजनिक रूप से आ घर-घर में तोहनी के सिखवनी।
21 यहूदी आ यूनानी लोग के भी गवाही देत बानी कि परमेश्वर के प्रति पश्चाताप करीं आ हमनी के प्रभु यीशु मसीह के प्रति विश्वास करीं।
22 अब देखऽ, हम आत्मा में बान्हल यरूशलेम जात बानी, काहे कि हम उहाँ हमरा पर का होखे वाला बात नइखी जानत।
23 सिवाय एह बात के कि पवित्र आत्मा हर शहर में गवाही देत बा कि हमरा बंधन आ कष्ट बनल बा।
24 लेकिन एह में से कवनो बात हमरा के ना हिलावत बा आ ना ही हम अपना जीवन के प्रिय मानत बानी, ताकि हम आपन रास्ता खुशी से पूरा कर सकीले, जवन सेवा हमरा प्रभु यीशु से मिलल बा, ताकि हम परमेश्वर के अनुग्रह के सुसमाचार के गवाही दे सकी .
25 अब देखऽ, हम जानत बानी कि तू सभे, जेकरा बीच में हम परमेश्वर के राज्य के प्रचार करत गइल बानी, अब हमार चेहरा ना देखब।
26 एही से हम आज तोहनी के गवाही देवे के कहत बानी कि हम सब आदमी के खून से शुद्ध बानी।
27 काहेकि हम तोहनी के परमेश्वर के सब सलाह बतावे से परहेज नईखी करत।
28 एह से अपना आ ओह सब झुंड के सावधान रहीं, जवना पर पवित्र आत्मा तोहनी के पर्यवेक्षक बनवले बा, ताकि परमेश्वर के कलीसिया के चरावल जा सके जवन उ अपना खून से खरीदले बाड़े।
29 हम ई जानत बानी कि हमरा गइला के बाद तोहनी में गंभीर भेड़िया घुस जाई, जवन भेड़ के ना छोड़िहें।
30 तोहनी से भी आदमी उठ के चेलन के अपना पीछे खींच लेबे खातिर विकृत बात कहत होईहे।
31 एह से जागल रहऽ आ याद राखऽ कि तीन साल के बीच में हम हर एक रात-दिन रोवत-रोवत चेतावे ना छोड़नी।
32 भाई लोग, अब हम तोहनी के परमेश्वर आ उनकर अनुग्रह के वचन के ओर सौंप रहल बानी जवन तोहनी के मजबूत करे में सक्षम बा आ पवित्र कइल गइल सब लोग के बीच तोहनी के विरासत देवे में सक्षम बा।
33 हम केहू के चांदी, सोना आ कपड़ा के लालच ना कइले बानी।
34 हँ, रउआ खुदे जानत बानी कि ई हाथ हमरा आ हमरा साथे रहे वाला लोग के जरूरत के सेवा कइले बा।
35 हम तोहनी के सब कुछ बता देले बानी कि अतना मेहनत करत तोहनी के कमजोर लोग के भरण पोषण करे के चाहीं आ प्रभु यीशु के बात के याद करे के चाहीं कि ऊ कहले रहले कि, " पावे से बेसी दिहल धन्य ह।"
36 इ बात कहला के बाद उ सबके संगे घुटना टेक के प्रार्थना कईले।
37 उ सब बहुत रोवत पौलुस के गरदन पर गिर के चुम्मा लिहले।
38 सबसे जादा दुखी रहले कि उ जवन बात कहले रहले कि उ लोग अब उनुकर चेहरा ना देखस। उ लोग ओकरा संगे जहाज तक पहुंच गईले।

अध्याय 21 के बा

1 हमनी के ओह लोग से निकल के जहाज से उतरला के बाद सीधा रास्ता से कूस आ अगिला दिने रोड्स आ ओहिजा से पटारा पहुँचनी जा।
2 फीनिक्स के ओर जात एगो जहाज मिल के हमनी के चढ़ के निकल गइनी जा।
3 जब हमनी के साइप्रस के खोज कइनी जा त ओकरा के बाईं ओर छोड़ के सीरिया में चल गइनी जा आ सूर में उतर गइनी जा, काहे कि ओहिजा जहाज के आपन बोझ उतारे के रहे।

4 हमनी के चेलन के खोज के सात दिन तक उहाँ रहनी जा, उ लोग आत्मा के माध्यम से पौलुस से कहले कि उ यरूशलेम ना जास।
5 जब हमनी के उ दिन पूरा हो गईनी जा त हमनी के निकल गईनी जा। जब तक हमनी के शहर से बाहर ना निकल गईनी जा, तब तक उ सब हमनी के पत्नी अवुरी बच्चा के संगे रास्ता में ले गईले अवुरी हमनी के किनारे घुटना टेक के प्रार्थना कईनी।
6 जब हमनी के एक दूसरा से विदाई लेहनी जा त जहाज पर चढ़ गईनी जा। आ ऊ लोग फेर से घरे लवट गइल.
7 जब हमनी के सोर से आपन रास्ता पूरा क के टोलेमैस पहुँचनी जा आ भाई लोग के प्रणाम कईनी जा आ एक दिन ओह लोग के साथे रह गईनी जा|
8 अगिला दिने हमनी के पौलुस के दल से निकल के कैसरिया में आ गइनी जा आ सात गो में से एगो सुसमाचार प्रचारक फिलिप के घर में घुस गइनी जा। आ ओकरा साथे रह गइल।
9 उहे आदमी के चार गो बेटी कुंवारी रहली, जवन भविष्यवाणी करत रहली।
10 हमनी के उहाँ बहुत दिन रुकला के बाद यहूदिया से एगो भविष्यवक्ता अगाबस उतरल|
11 जब उ हमनी के लगे अईले त उ पौलुस के पट्टी लेके आपन हाथ-गोड़ बान्ह के कहले, "पवित्र आत्मा इ कहत हव कि यरूशलेम के यहूदी लोग अईसन कमरबंद के मालिक के बान्ह के ओकरा के सौंप दिहे।" गैर-यहूदी लोग के हाथ।
12 हमनी के इ बात सुन के हमनी के आ ओह जगह के लोग उनुका से निहोरा कईनी कि उ यरूशलेम ना जास।
13 तब पौलुस जवाब दिहलन, "तोहरा रोवे आ हमार दिल तोड़े के का मतलब बा? काहेकि हम खाली बान्हल ना, बल्कि प्रभु यीशु के नाम खातिर यरूशलेम में मरला खातिर भी तैयार बानी।
14 जब उ ना समझल चाहत रहले त हमनी के इ कहत रुक गईनी कि, "प्रभु के इच्छा पूरा होखे।"
15 ओह दिनन के बाद हम आपन गाड़ी उठा के यरूशलेम चल गइनी।
16 हमनी के साथे कैसरिया के कुछ चेला लोग भी अपना साथे साइप्रस के एगो म्नासोन, एगो पुरान चेला लेके अइले, जेकरा लगे हमनी के ठहरल रहे।
17 जब हम यरूशलेम पहुंचनी त भाई लोग हमनी के खुशी से स्वागत कईले।
18 ओकरा बाद के दिन पौलुस हमनी के साथे याकूब के लगे चल गईले। आ सब बुजुर्ग लोग मौजूद रहे।
19 जब ऊ ओह लोग के नमस्कार कइलन त ऊ खास तौर पर बता दिहलन कि भगवान अपना सेवा से गैर-यहूदी लोग के बीच कवन काम कइले बाड़न.
20 ई सुन के ऊ लोग प्रभु के महिमा करत कहलन, "हे भाई, तू देखत बाड़ऽ कि केतना हजार यहूदी लोग विश्वास करेला। आऊ सब व्यवस्था के काम में जोश रखेला।
21 ऊ लोग तोहरा बारे में बतावल गइल बा कि तू गैर-यहूदी लोग के मूसा के छोड़े के सिखावत बाड़ कि ओह लोग के अपना लइकन के खतना ना करे के चाहीं आ ना ही रीति-रिवाज के पालन करे के चाहीं।
22 एह से ई का ह? भीड़ के जरूरत एकट्ठा होखे के चाहीं, काहे कि ऊ लोग सुनत होई कि तू आइल बाड़ू।
23 एह से हम जवन कहत बानी उहे करऽ कि हमनी के चार गो आदमी बाड़े जेकरा पर व्रत बा।
24 ऊ लोग अपना के लेके अपना के शुद्ध करऽ आ ओह लोग के साथे आरोप लगाईं कि ऊ लोग आपन माथा मुंडवा सके, आ सभे जान सके कि जवन बात ओह लोग के तोहरा बारे में बतावल गइल रहे, ऊ कुछुओ नइखे। बाकि तूँ भी सुव्यवस्थित चले आ व्यवस्था के पालन करे ।
25 विश् वास करे वाला गैर-यहूदी लोग के बारे में हमनी के लिखले बानी जा आ निष्कर्ष निकालले बानी जा कि उ लोग अइसन कवनो बात ना मानेला, सिवाय मूर्ति के चढ़ावल चीजन से, खून से, गला रेत के आ व्यभिचार से बचावे के।
26 तब पौलुस ओह लोग के लेके अगिला दिने ओ लोग के साथे पवित्र होके मंदिर में घुस गईले, ताकि शुद्धि के दिन पूरा होखे के बात बतावल जा सके, जब तक कि ओह लोग में से हर एक के बलिदान ना चढ़ावल जा सके।
27 जब सात दिन लगभग खतम हो गईल त एशिया के यहूदी लोग उनुका के मंदिर में देख के सभ लोग के भड़कवले अवुरी उनुका प हाथ डाल देले।
28 हे इस्राएल के लोग, मदद करीं, चिल्लात: इहे उ आदमी ह जवन हर जगह लोग के, व्यवस्था अवुरी ए जगह के खिलाफ सभ के सिखावेला, अवुरी यूनानी लोग के भी मंदिर में ले आईल अवुरी इ पवित्र जगह के गंदा क देले।
29 (काहेकि उ लोग पहिले भी नगर में ट्रोफिमस के एगो इफिसी के देखले रहले, जेकरा के उ लोग मानत रहले कि पौलुस मंदिर में ले आईल बाड़े।)
30 पूरा शहर हिल गइल आ लोग एक साथ भाग गइल आ ऊ लोग पौलुस के पकड़ के मंदिर से बाहर निकाल दिहल आ तुरंत दरवाजा बंद हो गइल।
31 जब उ लोग ओकरा के मारे वाला रहले त दल के प्रमुख सेना के खबर आईल कि पूरा यरूशलेम में हंगामा हो गईल बा।
32 ऊ लोग तुरते सिपाही आ सेनापति लोग के लेके दौड़ के ओह लोग के लगे चल गइलन आ जब ऊ लोग सरदार आ सैनिकन के देखले त ऊ लोग पौलुस के मारपीट छोड़ दिहल।
33 तब मुख्य सेनापति ओकरा के पकड़ के दू गो जंजीर से बान्हे के आदेश दिहलन। आ मांग कइलस कि ऊ के ह आ का कइले बा.
34 कुछ लोग भीड़ के बीच में एक बात चिल्लात रहे, आ जब उ हंगामा के पक्का ना जानत रहले त उनुका के महल में ले जाए के आदेश देले।
35 जब उ सीढ़ी पर चढ़ले त लोग के हिंसा के चलते सिपाही लोग के ओर से उनुका के उठावल गईल।
36 लोग के भीड़ पीछे-पीछे चिल्लात रहे, "उनुका के दूर करऽ।"
37 जब पौलुस के महल में ले जाए के रहे त ऊ सरदार से कहलस, "का हम तोहरा से बात कर सकीले?" के कहलस कि का तू यूनानी बोलत बाड़ू?
38 का तू ऊ मिस्र के ना हउअ जे एह दिनन से पहिले हंगामा मचा के चार हजार हत्यारा लोग के जंगल में ले गइल?
39 पौलुस कहलन, "हम किलिसिया के एगो शहर तारस के यहूदी हईं आ कवनो नीच शहर के नागरिक हईं आ हम तोहरा से निहोरा करत बानी कि हमरा के लोग से बात करे दीं।
40 जब ऊ ओकरा के लाइसेंस दे दिहलन त पौलुस सीढ़ी पर खड़ा होके लोग के हाथ से इशारा कइलन। जब बहुत चुप हो गईल त उ हिब्रू भाषा में ओ लोग से कहले।

अध्याय 22 के बा

1 भाई लोग, भाई लोग, हमार बचाव सुनीं जवन हम अब तोहनी के सामने करत बानी।
2 (उ लोग सुन के कि उ हिब्रू भाषा में बोलत बाड़े त उ लोग अउरी चुप हो गईले।
3 हम सचहूँ एगो यहूदी हईं, जे किलिसिया के एगो शहर तारसुस में जनमल हईं, बाकिर गमलीएल के गोड़ में एह शहर में पलल बढ़ल बानी आ पुरखन के नियम के सिद्ध तरीका से सिखवले बानी आ ओकरा खातिर जोश में रहनी भगवान, जइसे आज तू सभे बाड़।
4 हम एह तरह से मरद तक सतावत रहनी, मरद मेहरारू के बान्ह के जेल में डाल देनी।
5 जइसे महायाजक हमरा आ बुजुर्गन के पूरा संपत्ति के गवाही देत बाड़े, ओइसहीं हम भाई लोग के चिट्ठी लेके दमिश्क चल गइनी कि ओहिजा के बान्हल लोग के यरूशलेम ले आवल जाव ताकि सजा मिल सके।
6 जब हम दुपहरिया के करीब यात्रा करत दमिश्क के नजदीक आवत रहनी त अचानक स्वर्ग से हमरा चारो ओर एगो बड़हन रोशनी चमकल।
7 हम जमीन पर गिर गइनी आ एगो आवाज सुननी कि हमरा से कहत रहे, " शाऊल, शाऊल, तू हमरा के काहे सतावत बाड़?"
8 हम जवाब देनी, "हे प्रभु, तू के हउअ?" उ हमरा से कहलस, " हम नासरत के यीशु हई, जेकरा के तू सतावत बाड़।"
9 हमरा साथे रहे वाला लोग सचमुच उजाला देख के डेरा गईल। लेकिन उ लोग हमरा से बात करे वाला के आवाज ना सुनले।
10 हम कहनी, "हे प्रभु, हम का करब? प्रभु हमरा से कहलन कि उठ के दमिश्क में चल जा। आ उहाँ तोहरा के ऊ सब काम बतावल जाई जवन तोहरा खातिर तय कइल गइल बा।
11 जब हम ओह रोशनी के महिमा के चलते ना देख पवनी त हम अपना संगे के लोग के हाथ से दमिश्क में आ गईनी।
12 एगो अननियास, जे व्यवस्था के अनुसार भक्ति करे वाला रहले, आ उहाँ रहे वाला सब यहूदियन के बारे में बढ़िया से बतावत रहले।
13 हमरा लगे आके खड़ा होके हमरा से कहलस, "शाऊल भाई, आपन नजर देखऽ।" आ ओही घड़ी हम ओकरा ओर आँख उठा के देखनी।
14 ऊ कहलन, "हमनी के पुरखन के भगवान तोहरा के चुनले बाड़न कि तू ओकर इच्छा के जान सकीले आ ओह धर्मी के देख सकीलें आ ओकर मुँह के आवाज सुन सकीलें."
15 काहे कि तू जवन देखले आ सुनले बाड़, ओकर गवाह सब लोग के सामने होखब।
16 अब तू काहे देरी करत बाड़? उठ के बपतिस्मा लीं आ प्रभु के नाम के पुकारत आपन पाप धो दऽ।
17 जब हम यरूशलेम में आके मंदिर में प्रार्थना करत रहनी त हम समाधि में रहनी।
18 उ हमरा से कहत देखले कि, " जल्दी से यरूशलेम से निकल जा, काहेकि उ लोग हमरा बारे में तोहार गवाही ना पईहे।"
19 हम कहनी, "प्रभु, उ लोग जानत बा कि हम तोहरा पर विश्वास करे वाला के हर आराधनालय में जेल में बंद क के पीटत रहनी।
20 जब तोहार शहीद स्टीफन के खून बहल रहे त हमहूँ ओकरा लगे खड़ा होके ओकर मौत के सहमति देत रहनी आ ओकरा के मारे वाला लोग के कपड़ा रखत रहनी।
21 उ हमरा से कहलस, " जा जा, काहेकि हम तोहरा के इहाँ से दूर गैर-यहूदी लोग के लगे भेज देब।"
22 ऊ लोग ओकरा के ई बात सुन के आवाज उठा के कहलस कि, "अइसन आदमी के धरती से दूर कर द, काहेकि उ जिंदा रहना उचित नइखे।"
23 जब उ लोग चिल्लात रहले, आपन कपड़ा उतार के हवा में धूल फेंकत रहले।
24 मुख्य सेनापति ओकरा के महल में ले आवे के आदेश दिहलन आ कहलन कि ओकरा के कोड़ा मार के जांच करावल जाव. ताकि उ पता चल सके कि उ लोग ओकरा खिलाफ काहें अयीसन चिल्लात बाड़े।
25 जब उ लोग ओकरा के पेटी से बान्हत रहले, त पौलुस ओहिजा खड़ा सेनापति से कहले, "का तोहनी के कवनो रोमी आदमी के कोड़ा मारल जायज बा, जवन कि बिना दोषी होखे?"
26 जब सेनापति इ बात सुन के सरदार से कहलस, "तू जवन कर रहल बाड़, ओकरा से सावधान रहऽ, काहेकि इ आदमी रोमी ह।"
27 तब सेनापति आके पूछले, "कहऽ, का तू रोमी हउअ?" ऊ कहले, हँ।
28 प्रधान सेनापति जवाब दिहलन, "हमरा बहुते रकम से ई आजादी मिलल बा." पौलुस कहलन, "लेकिन हम आजाद हो गईनी।"
29 तब उ लोग तुरते उनकरा से निकल गइलन जे उनकरा से पूछताछ करे के चाहत रहे, आउर सेनापति भी डेरा गईले, जब उ जान गईले कि उ रोमी हवे अवुरी ओकरा के बान्ह के रखले बाड़े।
30 अगिला दिने, काहे कि ऊ ई बात के पक्का जानत रहले कि यहूदी लोग के आरोप ओकरा पर का बा, एहसे ऊ ओकरा के अपना दल से छोड़ दिहलन आ मुख्य याजकन आ ओह लोग के सगरी मंडली के हाजिर होखे के आदेश दिहलन आ पौलुस के नीचे ले आके अपना सोझा बइठा दिहलन.

अध्याय 23 के बा

1 पौलुस मंडली के गंभीरता से देखत कहले, "हे भाई लोग, हम आज तक परमेश्वर के सामने पूरा सद्विवेकी से जियत बानी।
2 तब महायाजक हनन्याह उनकरा लगे खड़ा लोग के आज्ञा दिहलन कि उनकर मुंह पर गोली मार दीं।
3 तब पौलुस ओकरा से कहले, "हे सफेद देवाल, परमेश्वर तोहरा के मार दिहे, का तू हमरा के व्यवस्था के मुताबिक न्याय करे खातिर बईठल बाड़ अवुरी हमरा के कानून के विपरीत मारे के आज्ञा देत बाड़?
4 ओहिजा खड़ा लोग कहलस, "का तू परमेश्वर के महायाजक के निंदा कर रहल बाड़?"
5 तब पौलुस कहलस, "हे भाई लोग, हम नइखी जानत कि उ महायाजक रहले, काहेकि लिखल बा कि, "तू अपना लोग के शासक के बुरा मत बोलऽ।"
6 जब पौलुस के पता चलल कि एक भाग सदूकी आ दूसरा फरीसी हवें, त ऊ मंडली में चिल्ला के कहले, " भाई लोग, हम एगो फरीसी हई, एगो फरीसी के बेटा हईं सवाल में बा।
7 जब उ अईसन कहलन त फरीसियन आ सदुकी लोग के बीच विवाद हो गईल आ भीड़ में बंटवारा हो गईल|
8 काहेकि सदुकी लोग कहत बा कि ना त जी उठल बा, ना स्वर्गदूत आ ना आत्मा, लेकिन फरीसियन दुनो के कबूल करेले।

9 तब एगो बड़हन चिल्लाहट उठल आ फरीसियन के शास्त्री लोग उठ के झगड़ा कइलन कि, "हमनी के एह आदमी में कवनो बुराई नइखे मिलत, लेकिन अगर कवनो आत्मा भा स्वर्गदूत ओकरा से बात कइले बा त हमनी के ओकरा से लड़ाई मत करीं जा।" भगवान।
10 जब बड़का झगड़ा हो गइल त सरदार सेनापति एह डर से कि कहीं पौलुस के टुकड़ा-टुकड़ा ना हो जाव, सिपाही लोग के आज्ञा दिहलन कि ऊ लोग नीचे जाके ओकरा के जबरदस्ती अपना बीच से लेके महल में ले जास।
11 ओकरा बाद के रात में प्रभु उनकरा लगे खड़ा होके कहले, " हौ पौलुस, साहब रहऽ, काहेकि जइसे तू यरूशलेम में हमरा बारे में गवाही देले बाड़ऽ, ओइसहीं तोहरा रोम में भी गवाही देवे के पड़ी।"
12 जब भोर हो गइल त कुछ यहूदी लोग एकजुट होके गारी में बान्ह के कहत रहे कि जबले पौलुस के ना मार दीहें तबले ना त खाएब ना पीयेब।
13 ऊ लोग चालीस से अधिका रहे जे ई साजिश रचले रहे।
14 उ लोग मुख्य याजक आ बुजुर्ग लोग के लगे जाके कहले, "हमनी के एगो बड़हन श्राप के तहत बान्हल बानी जा कि जब तक हमनी के पौलुस के ना मारब जा तब तक हमनी के कुछ ना खाएब जा।"
15 अब तू लोग परिषद् के साथे सरदार से कहत बानी कि ऊ काल्हु ओकरा के तोहनी के लगे ले आवे, जइसे कि तू ओकरा बारे में कुछ अउरी सही पूछताछ करऽ, आ हमनी के, भा ऊ कबो ओकरा लगे आवे, ओकरा के मारे खातिर तइयार बानी जा।
16 जब पौलुस के बहिन के बेटा ओ लोग के लेट के खबर सुनलस त उ महल में जाके पौलुस के बतवले।
17 तब पौलुस एगो सेनापति के बोला के कहलन, "एह नवही के सरदार के लगे ले आवऽ, काहे कि ओकरा से कुछ बात बतावे के बा।"
18 तब उ ओकरा के लेके सरनापति के लगे ले गईले अवुरी कहले कि, "कैदी पौलुस हमरा के अपना लगे बोलवले अवुरी हमरा से निहोरा कईले कि हम ए युवक के तोहरा लगे ले आव, जवना के तोहरा से कुछ कहे के बा।"
19 तब सेनापति उनकर हाथ पकड़ के ओकरा साथे एकांत में जाके पूछले, "तू हमरा के का बतावे के बा?"
20 ऊ कहलन, "यहूदी लोग तोहरा से इहे चाहत बा कि काल्हु पौलुस के परिषद में ले आवऽ, जइसे कि ऊ लोग ओकरा से कुछ अउरी सही पूछताछ कर लेव।"
21 बाकिर तू ओह लोग के सामने मत मत मानऽ काहे कि चालीस से अधिका आदमी ओकरा के किरिया खा के बान्हल बा कि जबले ऊ लोग ओकरा के ना मार दी तबले ऊ लोग ना खाई ना पीय, आ अब ऊ लोग तइयार बा. तोहरा से कवनो वादा के तलाश में।
22 तब सेनापति ओह नवही के जाए दिहलन आ ओकरा के आज्ञा दिहलन कि, "देखऽ, तू केहू के ई बात मत बताईं कि तू हमरा के ई बात बतवले बाड़ऽ."
23 ऊ दू गो सेनापति के बोलवले आ कहलन कि रात के तीसरा बजे दू सौ सैनिकन, सठ गो घुड़सवारन आ दू सौ भाला चलावे वाला लोग के कैसरिया जाए खातिर तइयार करऽ.
24 आऊ ओह लोग के जानवरन के इंतजाम करऽ ताकि ऊ लोग पौलुस के सवार कर सके आ ओकरा के सुरक्षित राज्यपाल फेलिक्स के लगे ले जा सके।
25 उ एही तरह से एगो चिट्ठी लिखले।
26 क्लाउडियस लिसियस सबसे बढ़िया राज्यपाल फेलिक्स के अभिवादन भेजलन।
27 ई आदमी यहूदी लोग के हाथ से पकड़ लिहल गइल आ ओकरा के मारे के चाहत रहे, तब हम एगो सेना के साथे अइनी आ ओकरा के बचा लेहनी आ ई समझ के कि ऊ रोमन ह।
28 जब हम जान चाहत रहीं कि ऊ लोग ओकरा पर आरोप लगावे के कारण का बा, त हम ओकरा के ओह लोग के मंडली में ले अइनी।
29 हम ओकरा पर ओह लोग के कानून के सवाल के आरोप लगनी, लेकिन ओकरा प मौत के लायक कवनो आरोप ना लागल बा।
30 जब हमरा के बतावल गइल कि यहूदी लोग ओह आदमी के कइसे इंतजार करत बा त हम तुरते तोहरा लगे भेजनी आ ओकरा पर आरोप लगावे वालन के भी आज्ञा दे दिहनी कि ऊ लोग तोहरा सोझा बतावे कि ओकरा खिलाफ का बा। बिदाई।
31 तब सिपाही लोग पौलुस के लेके रात में एंटीपैट्रिस ले अइले।
32 अगिला दिने उ लोग घुड़सवारन के छोड़ के महल में वापस आ गईले।
33 जब उ लोग कैसरिया पहुंचले अवुरी पत्र राज्यपाल के देले अवुरी पौलुस के भी उनुका सोझा पेश कईले।
34 जब राज्यपाल चिट्ठी पढ़ के पूछले कि उ कवना प्रांत के हवे। जब ऊ समझ गइलन कि ऊ किलिसिया के हउवें.
35 जब तोहार आरोप लगावे वाला लोग भी अइहें त हम तोहार बात सुनब। उ ओकरा के हेरोदेस के दण्डालय में रखे के आदेश दिहलन।

अध्याय 24 के बा

1 पांच दिन बाद अननिया महायाजक बुजुर्ग लोग के साथे आ तर्तुलुस नाम के एगो वक्ता के साथे उतरले, जवन राज्यपाल के पौलुस के खिलाफ जानकारी दिहलस।
2 जब उनकरा के बोलावल गइल त तर्तुलुस उनकरा पर आरोप लगावे लगलन आ कहलन कि, "तोहरा द्वारा हमनी के बहुत शांतता मिलत बा, आ तोहरा व्यवस्था से एह राष्ट्र के साथे बहुत योग्य काम हो रहल बा।
3 हमनी के एकरा के हमेशा, आ हर जगह, सबसे कुलीन फेलिक्स, पूरा धन्यवाद के साथ स्वीकार करेनी जा।
4 एकरा बावजूद हम तोहरा से अउरी थकाऊ ना होखब, हम तोहरा से निहोरा करत बानी कि तू हमनी के आपन दया के कुछ शब्द सुन लीं।
5 हमनी के ई आदमी एगो महामारी वाला आदमी आ दुनिया भर के सब यहूदी लोग के बीच बगावत करे वाला आ नासरीन के पंथ के सरगना मिलल बा।
6 उ मंदिर के अपवित्र करे खातिर घूमत रहले, हमनी के ओकरा के लेके हमनी के व्यवस्था के मुताबिक न्याय करे के चाहत रहनी जा।
7 लेकिन सरदार लिसिया हमनी के ऊपर आके बहुत जोरदार तरीका से उनुका के हमनी के हाथ से निकाल लिहले।
8 ओकरा पर आरोप लगावे वाला लोग के तोहरा लगे आवे के आज्ञा देत बानी, जवना के बारे में हमनी के ओकरा पर आरोप लगावत बानी जा, ओकरा बारे में केकरा से जाँच कर सकेनी जा।
9 यहूदी लोग भी सहमत हो गईले कि इ सब बात अईसन बा।

10 तब पौलुस गवर्नर के इशारा कइला के बाद कहलन कि हम जानत बानी कि तू बहुत साल से एह जाति के न्यायाधीश रहल बाड़ू, हम अपना खातिर अउरी हँसी-खुशी से जवाब देत बानी।
11 काहे कि तू समझे कि अबहीं बारह दिन बा जब हम यरूशलेम पूजा करे गइल रहीं।
12 ना त उ लोग हमरा के मंदिर में केहू से विवाद करत मिलल, ना ही लोग के उठवले, ना आराधनालय में, ना शहर में।
13 ना ही उ लोग हमरा पर आरोप लगावे वाला बात के परख नईखन कर सकत।
14 लेकिन हम तोहरा से इ बात कबूल करत बानी कि जवना रास्ता के उ लोग पाखण्ड कहेला, हम अपना पुरखन के परमेश्वर के आराधना करेनी, व्यवस्था अवुरी भविष्यवक्ता में लिखल सभ बात प विश्वास करत।
15 आऊ परमेस् वर के प्रति आशा रखीं, जवना के उ लोग भी अनुमति देत बा कि मुअल लोग के जी उठल, धर्मी आ अधर्मी दुनो के।
16 हम एही से अपना के पूरा करे के कोशिश करत बानी कि हम हमेशा परमेश्वर आ आदमी के प्रति दोष से मुक्त विवेक राखीं।
17 कई साल बाद हम अपना जाति के भिक्षा आ चढ़ावे खातिर अइनी।
18 एशिया के कुछ यहूदी लोग हमरा के मंदिर में शुद्ध भइल, ना भीड़ के साथ, ना ही हंगामा के साथ।
19 अगर हमरा खिलाफ कवनो बात होखे त ओकरा के तोहरा से पहिले इहाँ आके आपत्ति करे के चाहत रहे।
20 ना त इहे लोग कहे कि जब हम परिषद के सामने खड़ा रहनी त हमरा में कवनो बुराई करत देखले बा।
21 सिवाय इहे एक आवाज के कि हम ओह लोग के बीच खड़ा होके चिल्लात रहनी कि, "मुअल लोग के जी उठला के छूवत आज हमरा पर रउआ लोग सवाल उठावत बानी।"
22 फेलिक्स के ई बात सुन के ऊ रास्ता के बारे में अउरी पूरा जानकारी होके कहलन, "जब प्रमुख सेनापति लिसियस उतरिहें त हम तोहार बात के पूरा जानकारी लेब।"
23 ऊ एगो सेनापति के आज्ञा दिहलन कि ऊ पौलुस के राखे आ ओकरा के आजादी दे देव आ अपना कवनो परिचित के सेवा करे भा ओकरा लगे आवे से मना ना करे.
24 कुछ दिन बाद जब फेलिक्स अपना मेहरारू दरुसिला के साथे अईले, जवन कि एगो यहूदी रहली, त उ पौलुस के बोलावे के भेजले कि उ मसीह में विश्वास के बारे में सुनले।
25 जब ऊ धार्मिकता, संयम आ आवे वाला न्याय के बारे में तर्क करत रहले त फेलिक्स काँपत कहले, "एह समय खातिर जा। जब हमरा कवनो सुविधाजनक मौसम होई त हम तोहरा के बोलावब।
26 उ आशा करत रहले कि पौलुस के ओर से उनुका के पईसा दिहल जाता, ताकि उ उनुका के खोल सके, एहसे उ बार-बार उनुका के बोलावे अवुरी उनुका से बातचीत करत रहले।
27 लेकिन दू साल बाद पोर्कियस फेस्टस फेलिक्स के कमरा में अईले अवुरी फेलिक्स यहूदी लोग के खुश करे के इच्छुक होके पौलुस के बान्ह के छोड़ देले।

अध्याय 25 के बा

1 फेस्तस तीन दिन बाद कैसरिया से यरूशलेम चढ़ गइलन।
2 तब महायाजक आ यहूदियन के मुखिया पौलुस के खिलाफ उनकरा से सूचना देके उनकरा से निहोरा कईले|
3 ऊ ओकरा पर अनुग्रह के निहोरा कइलन कि ऊ ओकरा के यरूशलेम बोलावे आ ओकरा के मारे खातिर रास्ता में इंतजार करत रहे।
4 फेस्तूस जवाब दिहलन कि पौलुस के कैसरिया में रखल जाव आ ऊ जल्दीए उहाँ चल जइहें।
5 तोहनी में से जे सक्षम बा, उ लोग हमरा साथे जाके एह आदमी पर कवनो बुराई के आरोप लगावस।
6 जब ऊ दस दिन से अधिका ओह लोग के बीच रहलन त ऊ कैसरिया चल गइलन. अगिला दिने न्याय आसन पर बइठ के पौलुस के ले आवे के आदेश दिहलन।
7 जब ऊ अईले त यरूशलेम से उतरल यहूदी लोग चारो ओर खड़ा होके पौलुस के खिलाफ बहुत गंभीर शिकायत कईले, जवना के उ लोग साबित ना क पवले।
8 जब ऊ अपना खातिर जवाब दिहलन, "ना त यहूदी लोग के नियम के खिलाफ, ना मंदिर के खिलाफ, ना ही कैसर के खिलाफ, हम कवनो अपराध कईले बानी।"
9 फेस्तूस यहूदी लोग के खुश करे के इच्छुक होके पौलुस के कहलस, "का तू यरूशलेम जाके हमरा सोझा एह सब बात के न्याय होखे के चाहत बाड़ू?"
10 तब पौलुस कहलस, "हम कैसर के न्याय के आसन पर खड़ा बानी, जहाँ हमरा पर न्याय होखे के चाहीं।
11 अगर हम अपराधी हईं आ कवनो मौत के लायक काम कइले बानी त हम मरला से मना ना कर देत बानी बाकिर अगर एहमें से कवनो बात ना होखे जवना से ई लोग हमरा पर आरोप लगावत बा त केहू हमरा के ओह लोग के हाथ में ना सौंप सकेला. हम सीजर से अपील करत बानी।
12 फेस्तस परिषद से बातचीत क के कहलस, "का तू सीजर से अपील कईले बाड़ू?" तू सीजर के लगे जइबऽ।
13 कुछ दिन बाद राजा अग्रिपा आ बर्नीस फेस्तस के नमस्कार करे खातिर कैसरिया अईले।
14 उ लोग बहुत दिन तक उहाँ रहला के बाद फेस्तूस राजा के पौलुस के बात बतावत कहले, "एक आदमी फेलिक्स के द्वारा बंद में छोड़ल गईल बा।
15 जब हम यरूशलेम में रहनी त मुख्य याजक आ यहूदी लोग के बूढ़ लोग हमरा के बतावत रहले कि उनुका खिलाफ न्याय होखे।
16 हम ओकरा से जवाब देनी कि, "रोमियन के इ तरीका नईखे कि उ लोग केहु के मौत के सजा देवे, एहसे पहिले कि आरोपी के आरोप लगावे वाला के आमने-सामने होखे अवुरी ओकरा खिलाफ लगावल अपराध के बारे में खुद जवाब देवे के लाइसेंस मिले।"
17 एह से जब उ लोग इहाँ पहुंचल त अगिला दिने बिना कवनो देरी के हम न्याय के आसन प बईठ के ओ आदमी के बाहर ले आवे के आदेश देनी।
18 जब आरोप लगावे वाला लोग उ लोग के खिलाफ खड़ा हो गईले त उ लोग हमरा लागत के मुताबिक कवनो आरोप ना लगवले।
19 लेकिन उ लोग के अंधविश्वास आ एगो यीशु के बारे में कुछ सवाल उठत रहे जवन कि मरल रहले, जेकरा के पौलुस जिंदा बतावत रहले।
20 काहे कि हमरा एह तरह के सवालन पर संदेह रहे, हम ओकरा से पूछनी कि का उ यरूशलेम जाके उहाँ एह बातन के न्याय कइल जाई।

21 जब पौलुस अगस्त के सुनवाई खातिर सुरक्षित रहे के गोहार लगवले त हम ओकरा के तब तक रखे के आदेश देनी जब तक हम ओकरा के कैसर के पास ना भेज सकी।
22 अग्रिपा फेस्टस से कहली, "हमहूँ ओह आदमी के बात सुनल चाहत बानी।" काल्ह, ऊ कहलस, तू ओकर बात सुनबऽ।
23 अगिला दिने जब अग्रिपा आ बर्नीस बहुत धूमधाम से अइले आ शहर के प्रमुख सेनापति आ प्रमुख लोग के साथे सुनवाई के जगहा में घुसल त फेस्त के आज्ञा पर पौलुस के बाहर ले आवल गइल।
24 फेस्तूस कहले, "राजा अग्रिपा आ हमनी के साथे मौजूद सब लोग के तू लोग एह आदमी के देखत बाड़ऽ, जेकरा बारे में यहूदी लोग के भीड़ यरूशलेम आ इहाँ भी हमरा साथे व्यवहार कइले बा आ ई चिल्लात बा कि ओकरा ना करे के चाहीं।" अब जिए के बा।
25 लेकिन जब हम देखनी कि उ मौत के लायक कवनो काम नईखन कईले अवुरी उ खुद अगस्त के गुहार लगवले बाड़े, त हम उनुका के भेजे के ठान लेले बानी।
26 जेकरा बारे में हमरा लगे कवनो खास बात नइखे कि हम अपना मालिक के लिख सकीले। एही से हम ओकरा के तोहरा सोझा आ खास तौर प, हे राजा अग्रिपा, तोहरा सोझा ले आईल बानी, ताकि जांच के बाद हमरा कुछ लिखे के मौका मिल सके।
27 हमरा त ई बेवजह लागत बा कि कवनो कैदी के भेजल जाव आ ओकरा खिलाफ लगावल अपराध के संकेत ना दिहल जाव.

अध्याय 26 के बा

1 अग्रिपा पौलुस से कहली, "तोहरा आपन बात कहे के इजाजत बा।" तब पौलुस हाथ बढ़ा के अपना खातिर जवाब दिहलन।
2 हे राजा अग्रिपा, हम अपना के खुश समझत बानी, काहेकि हम आज तोहरा सोझा अपना खातिर जवाब देब, जवना के बारे में हमरा पर यहूदी लोग के ओर से आरोप लगावल गईल बा।
3 खास कर के एह से कि हम तोहरा के यहूदियन के बीच के सभ रीति-रिवाज आ सवालन में निपुण जानत बानी, एही से हम तोहरा से निहोरा करत बानी कि हमार बात धैर्य से सुनी।
4 जवानी से हमार जीवनशैली जवन पहिले यरूशलेम में हमरा अपना जाति के बीच रहे, उ सब यहूदी लोग जानत बा।
5 उ लोग हमरा के शुरू से जानत रहले, अगर उ लोग गवाही देत रहले कि हमनी के धर्म के सबसे कड़ी पंथ के मुताबिक हम फरीसी रहत रहनी।
6 अब हम खड़ा होके न्याय हो रहल बानी, काहे कि परमेश्वर हमनी के पुरखन से कइल वादा के आशा के चलते।
7 जवना वादा से हमनी के बारह गोत्र दिन-रात भगवान के सेवा करत रहेला, ओकरा से आवे के उम्मीद बा। जवना आशा के चलते राजा अग्रिपा, हमरा पर यहूदी लोग के आरोप लागल बा।
8 तोहनी खातिर ई काहे अविश्वसनीय बात मानल जाई कि परमेश्वर मुवलन के जिंदा करस?
9 हम अपना मन से सोचत रहनी कि हमरा नासरत के यीशु के नाम के विपरीत बहुत काम करे के चाहीं।
10 इ काम हम यरूशलेम में भी कईनी, आउर कई गो पवित्र लोग के जेल में बंद क देनी, काहे कि हम मुख्य याजकन के अधिकार पा के रखले रहनी। आ जब ओह लोग के मार दिहल गइल त हम ओह लोग के खिलाफ आपन आवाज देनी।
11 हम हर आराधनालय में अक्सर ओह लोग के सजा देत रहनी आ निंदा करे खातिर मजबूर करत रहनी। हम ओह लोग के खिलाफ बहुते पागल होके परदेसी शहरन तक ओह लोग के सतावत रहनी।
12 जब हम मुख्य याजकन के अधिकार आ आज्ञा के साथे दमिश्क जात रहनी।
13 हे राजा, दुपहरिया में हम रास्ता में स्वर्ग से एगो रोशनी देखनी, जवन सूरज के चमक से ऊपर, हमरा आ हमरा साथे यात्रा करे वाला लोग के चारो ओर चमकत रहे।
14 जब हमनी के सब केहू धरती पर गिर गईनी जा त हम एगो आवाज सुननी जवन हमरा से बोलत रहे आ इब्रानी भाषा में कहत रहे कि, " शाऊल, शाऊल, तू हमरा के काहे सतावत बाड़ू?" चुभन से लात मारल तोहरा खातिर मुश्किल बा।
15 हम कहनी, हे प्रभु, तू के हउअ? ऊ कहलन, " हम यीशु हईं जेकरा के तू सतावत बाड़ऽ."
16 बाकिर उठ के अपना गोड़ पर खड़ा हो जा, काहे कि हम तोहरा के एही खातिर प्रकट भइल बानी कि तू जवन देखले बाड़ऽ आ जवना चीजन में हम तोहरा के देखावेब, दुनु के सेवक आ गवाह बनवनी।
17 हम तोहरा के ओह लोग आ गैर-यहूदी लोग से बचावत बानी, जेकरा लगे हम तोहरा के अब भेजत बानी।
18 उ लोग के आँख खोल के अन्हार से उजाला में आ शैतान के शक्ति से परमेश्वर के ओर मोड़ के, ताकि उ लोग के पाप के माफी मिल सके आ हमरा पर विश्वास से पवित्र होखे वाला लोग के बीच उत्तराधिकार मिल सके।
19 हे राजा अग्रिपा, हम स्वर्गीय दर्शन के आज्ञा ना मानेनी।
20 लेकिन पहिले दमिश्क, यरूशलेम, यहूदिया के पूरा इलाका आ फिर गैर-यहूदी लोग के बता दिहनी कि उ लोग पश्चाताप क के परमेश्वर के ओर मुड़ के पश्चाताप करे लायक काम करस।
21 एही कारण से यहूदी लोग हमरा के मंदिर में पकड़ के हमरा के मारे में लागल रहले।
22 एह से हम आजु ले छोट-बड़ लोग के गवाही देत बानी आ भविष्यवक्ता आ मूसा के कहल बात के अलावा अउरी कुछ ना कहत बानी।
23 मसीह के कष्ट उठावे के चाहीं आ ऊ सबसे पहिले मुवलन में से जी उठ के लोग आ गैर-यहूदी लोग के रोशनी देखावे।
24 जब उ अपना खातिर इ बात कहत रहले त फेस्तूस जोर से कहले, "पौलुस, तू बेहोश हो गईल बाड़ू। बहुत कुछ सीखल तोहरा के पागल बना देला।
25 लेकिन उ कहलस, "हम पागल नईखी, परम कुलीन फेस्टस। बाकिर सच्चाई आ संयम के बात बोलऽ।
26 काहेकि राजा इ सब बात जानत हउवें, जेकरा सोझा हम खुल के बोलत बानी, काहेकि हमरा पूरा विश्वास बा कि एह में से कवनो बात ओकरा से छिपल नइखे। काहे कि ई काम कवनो कोना में ना भइल रहे।
27 राजा अग्रिपा, का तू भविष्यवक्ता लोग पर विश्वास करत बाड़ऽ? हम जानत बानी कि तू विश्वास करत बाड़ू।
28 अग्रिपा पौलुस से कहली, "तू हमरा के मसीही बने खातिर लगभग मनावत बाड़ू।"
29 पौलुस कहले, "हम परमेश्वर से चाहत बानी कि खाली तू ही ना, बल्कि आज हमार बात सुनावे वाला सब भी लगभग हमरा जइसन होखस, सिवाय एह बंधन के।"

30 ई बात कहलन त राजा, राज्यपाल, बर्नीस आ उनकरा साथे बईठल लोग उठ के चल गइलन।
31 जब उ लोग एक ओर चल गईले त उ लोग आपस में बतियावत रहले कि, इ आदमी मौत अवुरी बंधन के लायक कवनो काम नईखे करत।
32 तब अग्रिपा फेस्तस से कहली, "जदि उ कैसर के सोझा अपील ना कईले रहित त इ आदमी के मुक्त करावल जा सकत रहे।"

अध्याय 27 के बा

1 जब हमनी के इटली जाए के फैसला भईल त उ लोग पौलुस अवुरी कुछ अवुरी कैदी के अगस्त के दल के एगो शताब्दी जूलियस नाम के एगो सेना के हाथ में सौंप देले।
2 हमनी के अद्रामितियम के एगो जहाज में चढ़ के आशिया के तट के किनारे चल के चल गइनी जा। एगो अरिस्तार्कस, जे थिस्सलुनीकिया के मकिदुनियाई रहले, हमनी के साथे रहले।
3 अगिला दिने हमनी के सीदोन में पहुँचनी जा। जूलियस पौलुस के विनम्रता से निहोरा कईले अवुरी उनुका के अपना दोस्तन के लगे जाके अपना के ताजा करे के आजादी देले।
4 हमनी के ओहिजा से निकल के साइप्रस के नीचे जहाज से चल गइनी जा, काहे कि हवा उल्टा रहे।
5 हमनी के किलिसिया आ पम्फिलिया के समुंदर के पार क के हमनी के लूसिया के एगो शहर माइरा पहुंचनी जा।
6 उहाँ सेनापति के सिकंदरिया के एगो जहाज इटली में जात मिलल। आ उ हमनी के ओहि में डाल देले।
7 जब हमनी के बहुत दिन तक धीरे-धीरे जहाज से चलनी जा आ क्निडस के ओर बहुत मुश्किल से पहुंचनी जा, हवा हमनी के ना रोकत रहे, त हमनी के क्रेते के नीचे सल्मोन के ओर जहाज से चल गईनी जा।
8 मुश्किल से ओहिजा से गुजरत एगो अइसन जगह पर पहुँचनी जवना के गोरी ठिकाना कहल जाला। जवना के नजदीक लासिया शहर रहे।
9 जब बहुत समय बीत गइल आ जहाज चलावे में अब खतरनाक हो गइल, काहे कि अब रोजा बीत चुकल रहे, त पौलुस ओह लोग के सलाह दिहलन।
10 ऊ लोग से कहलन, "हे मालिक लोग, हम समझत बानी कि ई यात्रा खाली जहाज आ जहाज के ना, बलुक हमनी के जान के भी चोट आ बहुत नुकसान के साथ होई।
11 फिर भी सेनापति पौलुस के कहल बात से ज्यादा जहाज के मालिक आ मालिक पर विश्वास कईले|
12 जाड़ा बितावे खातिर उहाँ के ठिकाना ना रहे, एहसे अधिका लोग के सलाह रहे कि अगर कवनो तरीका से फिनीस आ जाड़ा बितावे खातिर उहाँ से निकल जास। जवन क्रेते के एगो अड्डा ह आ दक्षिण पश्चिम आ उत्तर पश्चिम के ओर पड़ेला।
13 जब दक्खिन के हवा मंद मंद बहल आ ई सोच के कि ऊ लोग आपन मकसद पूरा हो गइल बा, त ऊ लोग क्रेते के नजदीक जहाज से चल गइल।
14 लेकिन कुछ देर बाद ओकरा खिलाफ एगो तूफानी हवा उठल, जवना के नाम यूरोक्लाइडन कहल गईल।
15 जब जहाज पकड़ के हवा में ना चढ़ल त हमनी के ओकरा के चलावे देनी।
16 क्लाउडा नाम के एगो द्वीप के नीचे दौड़त हमनी के नाव से बहुत काम आवे के रहे।
17 जब उ लोग जहाज के ऊपर उठा के जहाज के नीचे से सहायिका के इस्तेमाल करत रहले। आ एह डर से कि कहीं ऊ लोग जीवंत बालू में ना गिर जाव, पाल मार दिहलस आ एही से भगा दिहल गइल.
18 हमनी के बहुत तूफान से उछाल के अगिला दिने उ लोग जहाज के हल्का क दिहलस।
19 तीसरा दिन हमनी के जहाज के सामान अपना हाथ से बाहर निकाल देनी जा।
20 जब बहुत दिन में ना त सूरज ना तारा लउकल आ हमनी पर कवनो छोट तूफान ना आइल त हमनी के उद्धार होखे के पूरा उम्मीद खतम हो गइल।
21 लेकिन बहुत दिन से परहेज कइला के बाद पौलुस ओह लोग के बीच में खड़ा होके कहले, "हे मालिक लोग, तोहनी के हमार बात सुनल चाहत रहे, आउर क्रेते से ना छोड़ल चाहत रहे।
22 अब हम तोहनी से निहोरा करत बानी कि हौसला बढ़ाईं, काहेकि तोहनी में नाव के छोड़ के केहू के जान के नुकसान ना होई।
23 काहेकि आज रात हमरा लगे परमेशवर के दूत खड़ा रहलन, जेकर हम हईं आ जेकर हम सेवा करत बानी।
24 ऊ कहत रहलन कि, पौलुस, मत डेराईं। तोहरा के सीजर के सोझा ले आवल जरूरी बा, आ देखऽ, भगवान तोहरा साथे जहाज चलावे वाला सब लोग के दे दिहले बाड़न।
25 एही से हे मलिकार लोग, हौसला बढ़ाईं, काहेकि हम भगवान पर विश्वास करत बानी कि जइसन हमरा के बतावल गइल रहे, ओइसने होई।
26 बाकिर हमनी के एगो खास द्वीप पर फेंकल जरूरी बा।
27 चौदहवीं रात जब हमनी के एड्रिया में ऊपर-नीचे जात रहनी जा त आधा रात के करीब जहाज चलावे वाला लोग के लागल कि उ लोग कवनो देश के नजदीक आ गईल बाड़े।
28 ऊ लोग आवाज कइल त बीस फुट के दूरी पर मिलल आ कुछ आगे बढ़ला पर फेर से आवाज कइल आ पन्द्रह फुट के मिलल।
29 तब उ लोग एह डर से कि कहीं हमनी के चट्टान पर ना गिर जाईं जा, उ लोग जहाज के पीछे से चार गो लंगर फेंक के दिन के कामना कइल।
30 जहाज से भागे वाला लोग नाव के समुंदर में उतार के अईसन रंग के नीचे गिरा देले रहले जईसे कि उ लोग अग्रगामी जहाज से लंगर डालले होखस।
31 पौलुस सेनापति आ सैनिकन से कहलन कि जब तक इ लोग नाव में ना रहिहें तब तक तोहनी के उद्धार ना हो सकेला।
32 तब सिपाही नाव के रस्सी काट के गिर जाए देले।
33 जब दिन आवत रहे त पौलुस सब लोग से खाना खाए के निहोरा करत कहले, "आज चौदहवाँ दिन ह जब तू लोग कुछ भी ना खइले बाड़ऽ आ उपवास रखले बाड़ऽ।"
34 एही से हम तोहसे से निहोरा करत बानी कि कुछ खाना खाईं, काहेकि ई तोहनी के स्वास्थ्य खातिर बा, काहेकि तोहनी में से केहू के माथा से एक भी बाल ना गिरी।
35 ई बात कहला के बाद उ रोटी लेके सब के सामने भगवान के धन्यवाद दिहलन आ ओकरा के तोड़ के खाए लगले।
36 तब सब केहू के हौसला बढ़ल आ कुछ खाना भी खइले।

37 हमनी के कुल मिला के दू सौ सोलह आदमी जहाज में रहनी जा।
38 जब उ लोग भरपूर खाना खईले त जहाज के हल्का क देले अवुरी गेहूं के समुंदर में फेंक देले।
39 जब दिन हो गइल त ऊ लोग देश के ना जानत रहे, बाकिर एगो किनारे के खाड़ी के पता चलल, जवना में अगर संभव होखे त जहाज के धकेलल चाहत रहे।
40 जब ऊ लोग लंगर उठा के समुंदर में सटा गइल आ पतवार के पट्टी खोल के मुख्य पाल के हवा के ओर बढ़ा के किनारे के ओर बढ़ गइल।
41 दू गो समुंदर के मिलन वाला जगह पर गिर के ऊ लोग जहाज के डूब गइल। आ अग्रभाग मजबूती से अटक गइल आ अचल रह गइल बाकिर पिछला हिस्सा लहरन के हिंसा से टूट गइल.
42 सैनिकन के सलाह रहे कि कैदियन के मार दिहल जाव कि कहीं ओह लोग में से केहू तैर के बाहर ना निकल जाव.
43 लेकिन सेनापति पौलुस के बचावे के इच्छुक रहलन आ उ लोग के अपना मकसद से बचावलस। आ आदेश दिहलन कि जे लोग तैर सकेला ऊ लोग पहिले समुंदर में फेंक के जमीन पर चहुँप जाव.
44 बाकी कुछ तख्त पर आ कुछ नाव के टूटल-फूटल टुकड़ा पर। आ अइसे भइल कि ऊ सब सुरक्षित रूप से जमीन पर निकल गइलन.

अध्याय 28 के बा

1 जब उ लोग बच गईले त उ लोग के पता चलल कि उ द्वीप के नाम मेलिता बा।
2 बर्बर लोग हमनी पर कवनो छोट दया ना कइलस काहे कि ऊ लोग आग जरा के हमनी के हर केहू के स्वागत कइल, वर्तमान बरखा आ जाड़ा के चलते।
3 जब पौलुस लाठी के गठरी बटोर के आग पर रख दिहलन त गरमी से एगो साँप निकलल आ ओकरा हाथ पर जकड़ल।
4 जब बर्बर लोग ओकरा हाथ में जहरदार जानवर के लटकल देख के आपस में कहलस, "निस्संदेह इ आदमी एगो हत्यारा ह, जवन कि समुंदर से बच गईल बा, लेकिन बदला लेवे के जिए के मौका नईखे मिलत।
5 उ जानवर के आग में झटका देले अवुरी उनुका कवनो नुकसान ना भईल।
6 लेकिन जब उ सूज जाए के चाहत रहे, या अचानक मर के गिर गईले, लेकिन बहुत देर तक देखला के बाद अवुरी उनुका कवनो नुकसान ना भईल देखले त उ लोग आपन मन बदल के कहले कि उ देवता हवे।
7 ओही इलाका में द्वीप के प्रमुख आदमी के संपत्ति रहे, जेकर नाम पब्लियस रहे। जे हमनी के स्वागत कइले आ तीन दिन के विनम्रता से ठहरवले।
8 पब्लियो के पिता बोखार आ खून के बहाव से बेमार पड़ल रहले, जेकरा से पौलुस ओकरा से प्रार्थना कईले अवुरी उनुका प हाथ रख के ठीक क देले।
9 जब ई काम भइल त ओह द्वीप में बेमारी से पीड़ित दोसरो लोग आके ठीक हो गइलन।
10 उ हमनी के बहुत सम्मान से आदर देले। आ जब हमनी के चल गइनी जा त ऊ लोग हमनी के अइसन चीजन के बोझ डाल दिहल जवन जरूरी रहे।
11 तीन महीना बाद हमनी के सिकंदरिया के एगो जहाज में सवार होके निकलनी जा जवन द्वीप में जाड़ा बिता चुकल रहे।
12 सिराक्यूज में उतर के हमनी के तीन दिन उहाँ रुकल रहनी जा।
13 उहाँ से हमनी के कम्पास लेके रेगियम पहुँचनी जा आ एक दिन बाद दक्षिण के हवा चलल आ हमनी के अगिला दिने पुतेओली पहुँचनी जा।
14 उहाँ हमनी के भाई लोग मिलनी आ उनके साथे सात दिन रहे के निहोरा भइल आ हमनी के रोम के ओर चल गइनी जा।
15 उहाँ से भाई लोग हमनी के बारे में सुन के अप्पियो के मंच आ तीनों ढाबा तक हमनी से मिले अइले।
16 जब हमनी के रोम पहुंचनी जा त सेनापति कैदियन के पहरेदार के सेनापति के सौंप देले, लेकिन पौलुस के एगो सैनिक के संगे अकेले रहे दिहल गईल।
17 तीन दिन बाद पौलुस यहूदी लोग के सरदारन के एकट्ठा कइलन आ जब ऊ लोग एकट्ठा भइल त ऊ लोग से कहलन कि भाई लोग, भले हम अपना पुरखन के लोग भा रीति-रिवाज के खिलाफ कुछ ना कइले बानी , तबो हमरा के यरूशलेम से कैदी बन के रोमियन के हाथ में सौंपल गईल।
18 जब उ लोग हमरा से पूछताछ कईले त हमरा के छोड़े के चाहत रहले, काहेकी हमरा में मौत के कवनो कारण ना रहे।
19 लेकिन जब यहूदी लोग एकरा खिलाफ बोलल त हम कैसर के सोझा अपील करे के मजबूर हो गईनी। अइसन ना कि हमरा अपना राष्ट्र पर आरोप लगावे के चाहीं.
20 एही से हम तोहरा के देखे आ बात करे खातिर बोलवले बानी काहे कि इस्राएल के आशा खातिर हम एह जंजीर से बान्हल बानी।
21 उ लोग ओकरा से कहलस कि, "हमनी के यहूदिया से तोहरा बारे में कवनो चिट्ठी ना मिलल, ना ही कवनो भाई जे तोहरा बारे में कवनो बुराई के बात कईले अवुरी ना बोलले।
22 लेकिन हमनी के तोहरा बारे में सुनल चाहत बानी जा कि तोहार का विचार बा, काहेकि हमनी के जानत बानी जा कि हर जगह एकर विरोध कईल जाता।
23 जब उ लोग ओकरा के एक दिन तय कईले त बहुत लोग उनुका लगे उनुका ठहरल गईले। जेकरा के ऊ सबेरे से साँझ ले मूसा के व्यवस्था आ भविष्यवक्ता लोग के बारे में यीशु के बारे में समझावत रहलन।
24 कुछ लोग कहल बातन पर विश्वास कइल आ कुछ लोग विश्वास ना कइल।
25 जब उ लोग आपस में सहमत ना भईले त पौलुस एक बात कहला के बाद उ लोग चल गईले, "पवित्र आत्मा यशायाह भविष्यवक्ता के द्वारा हमनी के पुरखन से बढ़िया से कहले रहले।
26 ऊ कहत रहलन कि एह लोग के लगे जाके कहऽ कि सुन के तू सुनबऽ आ ना समझबऽ। देख के तोहनी देखब, लेकिन ना बुझब।
27 काहेकि एह लोग के दिल स्थूल हो गइल बा आ कान सुनला से सुस्त हो गइल बा आ आँख बंद हो गइल बा। कहीं ऊ लोग आँख से ना देख पावे आ कान से सुन के मन से ना समझ पावे आ ना बदल जाव आ हम ओह लोग के ठीक कर दीं.
28 एह से तोहनी के पता चल जाव कि परमेश्वर के उद्धार गैर-यहूदी लोग के पास भेजल गइल बा आ उ लोग एकरा के सुनत होई।

29 ई बात कहलन त यहूदी लोग चल गइलन आ आपस में बहुते तर्क-वितर्क करत रहले।
30 पौलुस पूरा दू साल तक अपना भाड़ा के घर में रहलन आ अपना लगे आवे वाला सब लोग के समेटले।
31 भगवान के राज्य के प्रचार करत आ प्रभु यीशु मसीह के बारे में बात के पूरा भरोसा के साथ सिखावत रहलन, केहू ओकरा के मना ना करत रहे।

रोमन लोग के ह

अध्याय 1 के बा

1 पौलुस, यीशु मसीह के सेवक, जेकरा के प्रेरित होखे खातिर बोलावल गइल बा, परमेश्वर के सुसमाचार खातिर अलग हो गइल बा।
2 (जवन उ पवित्र शास्त्र में अपना भविष्यवक्ता लोग के द्वारा पहिले से वादा कईले रहले)।
3 अपना बेटा यीशु मसीह के बारे में, जे दाऊद के वंशज से शरीर के हिसाब से बनल रहले।
4 ऊ पवित्रता के आत्मा के अनुसार मुवलन में से जी उठला के द्वारा शक्ति के साथ परमेश्वर के बेटा होखे के घोषणा कइले।
5 हमनी के उनकरा नाम खातिर सब जाति के बीच विश्वास के आज्ञा के पालन करे खातिर उनकरा द्वारा अनुग्रह आ प्रेरित के रूप मिलल बा।
6 उनकरा में से तू भी यीशु मसीह के बोलावल हउअ।
7 रोम में जे भी बा, परमेश्वर के प्रिय लोग, पवित्र लोग बने खातिर बोलावल गइल बा, हमनी के पिता परमेश्वर आ प्रभु यीशु मसीह के ओर से तोहनी के कृपा आ शांति मिले।
8 सबसे पहिले हम तोहनी सब खातिर यीशु मसीह के द्वारा अपना परमेश्वर के धन्यवाद देत बानी कि तोहनी के विश्वास के बारे में पूरा दुनिया में बात कईल गईल बा।
9 काहेकि हम परमेश्वर हमार गवाह हवें, जेकर हम अपना आत्मा से उनकर बेटा के सुसमाचार में सेवा करत बानी, कि हम अपना प्रार्थना में हमेशा तोहनी के जिक्र करत बानी।
10 निहोरा करत बानी कि अगर कवनो तरीका से अब लंबा समय तक हमरा परमेश् वर के इच्छा से तोहनी के लगे आवे खातिर एगो समृद्ध यात्रा हो सके।
11 हम तोहनी के देखे के तरसत बानी ताकि हम तोहनी के कुछ आध्यात्मिक वरदान दे सकीले ताकि तोहनी के मजबूती मिल सके।
12 माने कि तोहनी आ हम दुनु के आपसी विश्वास से हम तोहनी के साथे सान्त्वना पाईं।
13 भाई लोग, हम तोहनी के अनजान ना चाहत बानी कि हम बहुत बार तोहनी के लगे आवे के इरादा रखले रहनी, (लेकिन अब तक के अनुमति मिलल बा) ताकि हम तोहनी के बीच भी कुछ फल पा सकीले, जईसे कि बाकी गैर-यहूदी लोग के बीच।
14 हम यूनानी आ बर्बर दुनु के ऋणी बानी। ज्ञानी लोग के आ अज्ञानी लोग के भी।
15 एह से हम जेतना हमरा में बा, हम तोहनी के रोम में भी सुसमाचार सुनावे खातिर तैयार बानी।
16 काहेकि हम मसीह के सुसमाचार से शर्म नइखी करत, काहेकि ई परमेश्वर के शक्ति ह जवन हर विश्वास करे वाला के उद्धार देवेला। पहिले यहूदी के आ यूनानी के भी।
17 काहेकि उहे में परमेश्वर के धार्मिकता विश्वास से विश्वास में प्रकट होला।
18 काहेकि परमेस् वर के क्रोध स्वर्ग से प्रगट हो रहल बा, जे लोग सच्चाई के अधर्म में रखले बा।
19 काहे कि जवन बात परमेश्वर के बारे में जानल जा सकेला उ उ लोग में प्रकट होला। काहेकि भगवान उ लोग के ई बात बता देले बाड़े।
20 काहेकि दुनिया के सृष्टि के समय से उनकर अदृश्य चीज साफ-साफ लउकेला, आउर उनकर अनन्त शक्ति आ परमेश्वर के रूप में जवन चीज बनल बा, ओकरा से समझल जाला। ताकि उ लोग बिना बहाना के होखस:
21 काहे कि जब उ लोग परमेश्वर के जानत रहलन त उ लोग उनकरा के परमेश्वर के रूप में महिमा ना कइलन आ ना ही धन्यवाद दिहलन। बाकिर ओह लोग के कल्पना में व्यर्थ हो गइल आ ओह लोग के मूर्ख दिल अन्हार हो गइल.
22 उ लोग अपना के बुद्धिमान बतावत मूर्ख हो गईले।
23 ऊ अविनाशी परमेश्वर के महिमा के नाशवान आदमी, चिरई, चार गोड़ वाला जानवर आ रेंगत जानवर जइसन मूर्ति में बदल दिहलस।
24 एही से परमेस् वर उनके मन के कामना से अशुद्धि के काम में सौंपि देहले कि उ लोग आपस में अपना शरीर के बेइज्जत करस|
25 ऊ परमेश्वर के सच्चाई के झूठ में बदल दिहलन, आ सृष्टिकर्ता से अधिका प्राणी के आराधना आ सेवा कइलन, जे हमेशा खातिर धन्य बाड़न। आमीन के बा।
26 एही से परमेस् वर ओह लोग के घृणित स्नेह में छोड़ दिहलन, काहेकि ओह लोग के मेहरारू लोग भी स्वाभाविक उपयोग के स्वभाव के खिलाफ बदल दिहली।
27 ओइसहीं मरद भी औरत के स्वाभाविक उपयोग छोड़ के एक दूसरा के प्रति अपना लालसा में जरत रहले। आदमी के साथे आदमी जवन अयोग्य काम करेला, आ अपना में अपना गलती के ऊ प्रतिफल पावेला जवन उचित रहे।
28 आऊ जइसे उ लोग अपना ज्ञान में परमेश्वर के रखल पसंद ना करत रहले, ओइसहीं परमेश्वर उ लोग के एगो निंदा करे वाला दिमाग में सौंप देले रहले कि उ काम ना करे।
29 उ सब अधर्म, व्यभिचार, दुष्टता, लोभ, दुष्टता से भरल बानी। ईर्ष्या, हत्या, बहस, धोखा, दुर्भावना से भरल; फुसफुसावे वाला लोग,
30 बकबक करे वाला, भगवान से नफरत करे वाला, घमंडी, घमंडी, घमंड करे वाला, बुराई के आविष्कार करे वाला, माई-बाबूजी के आज्ञा ना माने वाला।
31 बिना समझ के, वाचा तोड़े वाला, बिना स्वाभाविक स्नेह के, अदम्य, अदयालु।
32 उ लोग परमेश्वर के न्याय के जानत हई कि अइसन काम करे वाला लोग मौत के लायक बा, उ ना खाली उहे काम करेला, बल्कि उ काम करे वाला लोग में खुश रहेला।

अध्याय 2 के बा

1 एह से हे आदमी, तू जे भी न्याय करे वाला हउअ, तू अक्षम्य बाड़ऽ, काहे कि जवना से तू दोसरा के न्याय करत बाड़ऽ, ऊ अपना के दोषी ठहरावत बाड़ऽ। काहेकि तू न्याय करे वाला उहे काम करेलऽ।
2 लेकिन हमनी के पक्का विश्वास बा कि परमेश्वर के न्याय सच्चाई के मुताबिक बा, जवन कि अयीसन काम करेले।
3 हे आदमी, जे अइसन काम करे वाला लोग के न्याय करेनी आ उहे करेले, का तू ई सोचत बाड़ऽ कि तू भगवान के न्याय से बची जाइब?
4 का तूँ ओकर भलाई आ सहनशीलता आ धैर्य के धन के तुच्छ समझत बाड़ऽ; ई ना जानत हई कि परमेश्वर के भलाई तोहरा के पश्चाताप करे के ओर ले जाला?

5 लेकिन तोहार कठोरता आ पश्चाताप करे वाला दिल के बाद क्रोध आ परमेश्वर के धार्मिक न्याय के प्रकटीकरण के दिन के खिलाफ अपना खातिर क्रोध के खजाना रखीं।
6 उ हर आदमी के ओकर कर्म के मुताबिक बदला दिही।
7 जे लोग धीरज से भलाई करत महिमा, आदर आ अमरता के खोजत बा, ओकरा के अनन्त जीवन दिहल जाई।
8 लेकिन जे लोग विवाद में बा, आ सच्चाई के बात ना मानेला, लेकिन अधर्म, क्रोध आ क्रोध के बात मानेला।
9 बुराई करे वाला हर आदमी पर, पहिले यहूदी आ गैर-यहूदी के भी कष्ट आ पीड़ा।
10 लेकिन भलाई करे वाला हर आदमी के महिमा, आदर आ शांति पहिले यहूदी के आ गैर-यहूदी के भी दिहल जाव।
11 काहेकि परमेश्वर के सामने कवनो व्यक्ति के आदर ना होला।
12 काहेकि जे लोग बिना व्यवस्था के पाप कइले बा, उहो बिना व्यवस्था के नाश हो जाई, आ जे भी व्यवस्था में पाप कइले बा, ओकरा के व्यवस्था के अनुसार न्याय कइल जाई।
13 (काहे कि व्यवस्था के सुननिहार परमेश्वर के सामने न्यायी ना होखस, लेकिन व्यवस्था के पालन करे वाला लोग के धर्मी ठहरावल जाई।
14 जब गैर-यहूदी लोग, जेकरा लगे व्यवस्था नइखे, ऊ लोग व्यवस्था में निहित बातन के स्वभाव से करेला, त उ लोग के व्यवस्था ना होखला के बावजूद उ लोग अपना खातिर एगो नियम बन जाला।
15 उ लोग अपना मन में लिखल व्यवस्था के काम के देखावेले, उ लोग के विवेक भी गवाही देवेले अवुरी उ लोग एक दूसरा प आरोप लगावे चाहे बहाना बनावे के काम के नीच बतावेले।)
16 ओह दिन जब परमेश्वर हमरा सुसमाचार के अनुसार यीशु मसीह के द्वारा मनुष्य के रहस्य के न्याय करीहें।
17 देखऽ, तोहरा के यहूदी कहल गइल बा आ तोहके व्यवस्था में टिकल बाड़ऽ अउर परमेश्वर के बड़ाई करत बाड़ऽ।
18 आऊ उनकर इच्छा के जान के जवन सबसे बढ़िया चीज ह, ओकरा के मंजूरी देत बानी, आ व्यवस्था के आधार पर सिखावल जाला।
19 आउर भरोसा बा कि तू खुद आन्हर लोग के मार्गदर्शक हईं, अन्हार में रहे वाला लोग के रोशनी हईं।
20 मूर्ख लोग के उपदेशक, शिशु के गुरु, जेकरा में व्यवस्था में ज्ञान आ सच्चाई के रूप बा।
21 तू जे दोसरा के सिखावत बाड़ऽ, का तू खुदे ना सिखावत बाड़ऽ? तू जे आदमी के प्रचार ना करे के चाहीं, का तू चोरी करत बाड़ऽ?
22 तू जे कहत बाड़ऽ कि आदमी के व्यभिचार ना करे के चाहीं, का तू व्यभिचार करत बाड़ऽ? मूर्ति से घृणा करे वाला, का तू बलिदान करेला?
23 तू जे व्यवस्था के बड़ाई करत बाड़ऽ, ऊ कानून के तोड़ के भगवान के बेइज्जत करत बाड़ऽ?
24 काहेकि तोहनी के द्वारा गैर-यहूदी लोग के बीच परमेस् वर के नाम के निंदा कइल जाला, जइसन कि लिखल बा।
25 अगर तू व्यवस्था के पालन करऽ त खतना के फायदा होला, लेकिन अगर तू व्यवस्था के तोड़े वाला होखऽ त तोहार खतना खतना ना हो जाला।
26 एह से अगर खतना ना भईल आदमी व्यवस्था के धार्मिकता के पालन करेला त का ओकर खतना ना भईल आदमी के खतना के रूप में ना गिनल जाई?
27 का जवन अखतना स्वभाव से बा, अगर ऊ व्यवस्था के पूरा करेला त तोहरा पर न्याय ना करी, जे पत्र आ खतना से व्यवस्था के उल्लंघन करेला?
28 उ यहूदी ना हवे, जवन बाहरी रूप से एक हवे। ना त ऊ खतना ह जवन शरीर में बाहरी होला।
29 लेकिन उ एगो यहूदी हवे, जवन भीतर से एक हवे। आ खतना दिल के, आत्मा में होला, आ अक्षर में ना; जेकर स्तुति आदमी के ना, भगवान के होला।

अध्याय 3 के बा

1 त यहूदी के कवन फायदा बा? भा खतना से कवन फायदा होला?
2 हर तरह से बहुत कुछ, मुख्य रूप से एह से कि परमेश्वर के बात उ लोग के सौंपल गईल रहे।
3 अगर कुछ लोग विश्वास ना करीत त का होई? का उनकर अविश्वास से परमेश्वर के विश्वास के बेकार हो जाई?
4 भगवान ना करस, हँ, भगवान सच्चा होखे, लेकिन हर आदमी झूठा होखे। जइसे कि लिखल बा कि, "तू अपना बातन में धर्मी हो जाइब आ जब तोहार न्याय होइब त तू जीत जाइब।"
5 लेकिन अगर हमनी के अधर्म परमेश्वर के धार्मिकता के तारीफ करेला त हमनी के का कहब जा? का भगवान अधर्मी हवें जे बदला लेत बाड़े? (हम एगो आदमी के रूप में बोलत बानी)
6 भगवान ना करस, काहेकि भगवान दुनिया के कइसे न्याय करीहें?
7 काहेकि अगर परमेश्वर के सच्चाई हमरा झूठ के द्वारा उनकर महिमा खातिर अउरी बढ़ गईल बा। अबहियों हमरा के पापी के रूप में काहे न्याय कइल जाला?
8 ई ना कि हमनी के निंदा के बात कहल जाला आ कुछ लोग हमनी के कहे के बात कहत बा कि हमनी के बुराई करीं जा ताकि भलाई होखे? जेकर अभिशाप न्यायसंगत बा।
9 तब का होई? का हमनी के ओह लोग से बेहतर बानी जा? ना, कवनो तरीका से ना, काहेकि हमनी के पहिले से यहूदी आ गैर-यहूदी दुनो के परख लेले बानी जा कि उ सब पाप के अधीन बाड़े।
10 जइसन कि लिखल बा कि, "केहू धर्मी नइखे, ना केहू नइखे।
11 केहू समझे वाला नइखे आ भगवान के खोजे वाला केहू नइखे।
12 उ सब रास्ता से हट गईल बाड़े, एक संगे बेमतलब हो गईल बाड़े। केहू भलाई करे वाला नइखे, ना, एकहू नइखे।
13 उनकर गला खुला कब्र ह। अपना जीभ से धोखा के इस्तेमाल कइले बाड़न; एस्प के जहर ओह लोग के होंठ के नीचे बा।
14 जेकर मुँह गारी आ कड़वाहट से भरल बा।
15 उनकर गोड़ खून बहावे में तेज होला।
16 विनाश आ दुख के रास्ता में बा।
17 शांति के रास्ता उ लोग नईखन जानत।
18 ओह लोग के नजर में भगवान के कवनो डर नइखे।
19 अब हमनी के जान गईल बानी जा कि व्यवस्था जवन कुछ कहेले, उ व्यवस्था के अधीन लोग से कहेले कि हर मुंह के रोकल जा सके अवुरी पूरा दुनिया परमेश्वर के सामने दोषी हो सके।
20 एह से व्यवस्था के कर्म से कवनो आदमी के ओकरा नजर में धर्मी ना मानल जाई, काहेकि व्यवस्था के द्वारा पाप के ज्ञान होला।
21 लेकिन अब व्यवस्था के बिना परमेश्वर के धार्मिकता प्रकट हो गईल बा|

22 ईसा मसीह के बिसवास से परमेशवर के धार्मिकता सभ आउर सभ बिसवासी लोग के खातिर मिलेला, काहेकि कवनो अंतर नइखे।
23 काहेकि सब लोग पाप कइले बा आ परमेश्वर के महिमा से कम हो गइल बा।
24 मसीह यीशु में मिलल मोक्ष के द्वारा उनकर अनुग्रह से मुक्ति से धर्मी ठहरावल जा रहल बानी।
25 परमेस् वर अपना खून में बिस्वास के द्वारा प्रायश्चित के रूप में रखले बाड़न, आऊ परमेस् वर के सहनशीलता के द्वारा बीतल पाप के माफी खातिर आपन धार्मिकता के घोषणा कइले बाड़न।
26 हम एह समय आपन धार्मिकता के बारे में बतावत बानी, ताकि उ धर्मी हो सके आ जे यीशु पर विश्वास करेला, ओकरा के धर्मी ठहरावे।
27 तब घमंड कहाँ बा? एकरा के बाहर राखल गइल बा. कवना कानून से? के काम के? ना, लेकिन विश्वास के व्यवस्था के द्वारा।
28 एह से हमनी के ई निष्कर्ष निकालत बानी जा कि बिना व्यवस्था के काम के आदमी के विश्वास से धर्मी ठहरावल जाला।
29 का उ खाली यहूदी लोग के परमेश्वर हवें? का उ गैर-यहूदी लोग के भी ना हवे? हँ, गैर-यहूदी लोग के भी।
30 काहेकि ई एके गो परमेस् वर हवें जे बिस्वास से खतना के आ अखतना के बिसवास से धर्मी ठहरावे।
31 का हमनी के विश्वास के चलते व्यवस्था के बेकार कर देनी जा? भगवान ना करस, हँ, हमनी के व्यवस्था के स्थापित करेनी जा।

अध्याय 4 के बा

1 त हमनी के का कहब जा कि हमनी के पिता अब्राहम के शरीर के संबंध में मिलल बा?
2 अगर अब्राहम के काम से धर्मी ठहरावल गइल त ओकरा में घमंड करे के बा। लेकिन भगवान के सामने ना।
3 काहे कि पवित्रशास्त्र में का कहल गइल बा? इब्राहीम परमेस् वर पर बिसवास कइलन आ ई उनकरा खातिर धार्मिकता के रूप में गिनल गइल।
4 काम करे वाला के इनाम अनुग्रह के रूप में ना, बल्कि ऋण के रूप में गिनल जाला।
5 लेकिन जे काम ना करेला, बल्कि अभक्त के धर्मी ठहरावे वाला पर विश्वास करेला, ओकर विश्वास धर्म के रूप में गिनल जाला।
6 जइसे दाऊद ओह आदमी के आशीष के बारे में बतावत बाड़न, जेकरा पर परमेश्वर बिना काम के धार्मिकता मानत बाड़न।
7 ऊ कहत रहलन, "धन्य बा ऊ लोग जेकर पाप माफ हो गइल बा आ जेकर पाप ढंकल बा।"
8 धन्य बा ऊ आदमी जेकरा पर प्रभु पाप ना लगाईहें।
9 त ई आशीष खाली खतना करे वाला लोग पर मिलेला कि खतना ना भइल लोग पर भी? काहे कि हम कहत बानी कि अब्राहम के विश्वास के धार्मिकता के हिसाब से गिनल गइल।
10 तब एकर हिसाब कइसे भइल? जब उ खतना में रहले, कि खतना ना भईल रहले? खतना में ना, बिना खतना में।
11 ओकरा खतना के निशानी मिलल, जवन विश्वास के धार्मिकता के मोहर रहे जवन उ अभी तक खतना ना कईले रहले। ताकि उनकरा पर भी धार्मिकता के गिनती कइल जा सके।
12 खतना के बाप उ लोग खातिर जे खाली खतना करे वाला के ना हवें, बलुक हमनी के पिता अब्राहम के विश्वास के कदम पर चलत रहले, जवन कि उ अभी तक खतना ना कईले रहले।
13 काहेकि उ वादा कि उ दुनिया के वारिस बने, अब्राहम भा उनकर वंशज के व्यवस्था के माध्यम से ना, बल्कि विश्वास के धार्मिकता के माध्यम से भईल रहे|
14 अगर व्यवस्था के वारिस होखे त विश्वास बेकार हो जाई आ वादा बेकार हो जाई।
15 काहेकि व्यवस्था क्रोध पैदा करेला, काहेकि जहाँ व्यवस्था ना होखे, उहाँ कवनो उल्लंघन ना होला।
16 एह से ई विश्वास से होला कि ई अनुग्रह से होखे। अंत तक वादा सब बीया के पक्का हो सकेला; खाली व्यवस्था से जुड़ल लोग के ना, बलुक अब्राहम के विश्वास से जुड़ल लोग के भी। जे हमनी सब के बाप ह,
17 (जइसन कि लिखल बा कि, "हम तोहरा के बहुत जाति के पिता बना देले बानी,) जेकरा सामने उ विश्वास कईले रहले, उहे परमेश्वर हवे, जे मुवल के जिंदा करेले अवुरी जवन ना होखे ओकरा के अयीसन कहेले।
18 उ आशा के खिलाफ आशा में विश्वास कईले कि उ बहुत जाति के पिता बनस, जईसे कि कहल गईल रहे कि, "तोहार संतान अयीसन होईहे।"
19 उ विश्वास में कमजोर ना होखला के चलते उ अपना शरीर के मरल ना मानत रहले, जब उ करीब सौ साल के रहले अवुरी ना ही सारा के पेट के मरल रहले।
20 उ अविश्वास के चलते परमेश्वर के वादा पर डगमगात ना रहले। लेकिन विश्वास में मजबूत रहलन आ परमेश्वर के महिमा करत रहलन।
21 उ पूरा तरह से विश्वास हो गईल कि उ जवन वादा कईले रहले, उ पूरा करे में भी सक्षम रहले।
22 एही से ओकरा के धार्मिकता के रूप में गिनल गईल।
23 अब खाली उनकरा खातिर लिखल ना रहे कि ई बात उनकरा पर गिनल गइल।
24 अगर हमनी के प्रभु यीशु के मुवलन में से जिंदा करे वाला पर बिसवास करीं जा त हमनी के भी, जेकरा पर ई मानल जाई।
25 उ हमनी के अपराध के चलते सौंपल गईले अवुरी हमनी के धर्मी ठहरावे खाती जिंदा हो गईले।

अध्याय 5 के बा

1 एह से हमनी के विश्वास से धर्मी ठहरावल जाके हमनी के प्रभु यीशु मसीह के द्वारा परमेश्वर के साथे शांति मिल गईल बा।
2 उनकरा द्वारा हमनी के विश्वास से एह अनुग्रह में प्रवेश कर सकेनी जा जवना में हमनी के खड़ा बानी जा आ परमेश्वर के महिमा के आशा में आनन्दित बानी जा।
3 खाली इहे ना, बलुक हमनी के कष्ट में भी घमंड करेनी जा।
4 आ धैर्य, अनुभव; आ अनुभव, आशा बा कि:
5 आ आशा से शर्म ना आवेला। काहे कि हमनी के दिहल पवित्र आत्मा के द्वारा परमेश्वर के प्रेम हमनी के दिल में बहल बा।
6 जब हमनी के ताकत ना रहे त समय पर मसीह अभक्त लोग खातिर मर गइलन।
7 काहे कि कवनो धर्मी आदमी खातिर शायदे मरल होई, लेकिन शायद एगो भला आदमी खातिर केहू मरला के हिम्मत तक करी।
8 लेकिन परमेश्वर हमनी के प्रति आपन प्रेम बतावेलन कि जब हमनी के पापी रहनी जा त मसीह हमनी खातिर मर गईले।
9 अब हमनी के उनकर खून से धर्मी ठहरावल गइला से हमनी के उनकरा द्वारा क्रोध से बचावल जा सकेला।

10 जब हमनी के दुश्मन रहनी जा त उनकर बेटा के मौत से हमनी के परमेश्वर से मेल मिलाप हो गईल रहे, त मेल मिलाप हो गईला के बाद हमनी के उनकर जान से बचावल जा सकेला।
11 खाली इहे ना, बलुक हमनी के प्रभु यीशु मसीह के द्वारा परमेश्वर में भी आनन्दित बानी जा, जेकरा द्वारा हमनी के अब प्रायश्चित मिलल बा।
12 एही से जइसे एक आदमी के द्वारा पाप दुनिया में आ गइल आ पाप के कारण मौत। आ एही से सब आदमी पर मौत हो गइल, काहे कि सब पाप कइले बा।
13 (काहेकि जब तक व्यवस्था ना रहे तब तक दुनिया में पाप रहे, लेकिन जब तक व्यवस्था ना होखे त पाप के गिनती ना कईल जाला।
14 आदम से लेके मूसा तक मौत के राज रहे, उ लोग पर जे आदम के अपराध के समान पाप ना कईले रहले, जवन कि आवे वाला के रूप ह।
15 लेकिन अपराध के रूप में ना, मुफ्त वरदान भी ओइसने होला। काहेकि अगर एक आदमी के अपराध से बहुत लोग मर गईल बाड़े त भगवान के कृपा अवुरी कृपा से मिलल वरदान बहुत जादे बहुत जादे हो गईल बा।
16 आऊ जइसे पाप करे वाला के द्वारा भइल, ओइसहीं वरदान भी ना ह, काहेकि न्याय के सजा एक आदमी के द्वारा दोषी ठहरावल गइल बा, लेकिन मुफ्त वरदान बहुत अपराध के कारण से धर्मी ठहरावल जाला।
17 अगर एक आदमी के अपराध से एक आदमी के मौत के राज हो गईल। जे लोग के भरपूर अनुग्रह आ धार्मिकता के वरदान मिलेला, उ लोग एकही यीशु मसीह के द्वारा जीवन में राज करीहे।)
18 एही से जइसे एके न्याय के अपराध से सब लोग के दोषी ठहरावल गइल। ओइसहीं एक आदमी के धार्मिकता से जीवन के धर्मी ठहरावे खातिर सब आदमी पर मुफ्त वरदान मिलल।
19 जइसे एक आदमी के आज्ञा ना माने से बहुत लोग पापी बन गइलन, ओइसहीं एक आदमी के आज्ञा मनला से बहुत लोग धर्मी हो जइहें।
20 एकरा अलावा कानून के भी प्रवेश हो गईल ताकि अपराध के भरमार होखे। लेकिन जहाँ पाप के भरमार रहे, उहाँ अनुग्रह के भरमार रहे।
21 जइसे पाप मौत तक राज कइले बा, ओइसहीं अनुग्रह हमनी के प्रभु यीशु मसीह के द्वारा धार्मिकता के द्वारा अनन्त जीवन खातिर राज करे।

अध्याय 6 के बा

1 तब हमनी के का कहब जा? का हमनी के पाप में रहब जा ताकि अनुग्रह के भरमार होखे?
2 भगवान ना करस। हमनी के जे पाप खातिर मरल बानी जा, ओकरा में अब कइसे जियब जा?
3 का रउवां नइख जानत कि हमनी में से जेतना लोग यीशु मसीह में बपतिस्मा लेले बानी जा, उनकरा मौत में बपतिस्मा लेले बानी जा?
4 एही से हमनी के बपतिस्मा से उनकरा साथे मौत में दफन हो गइल बानी जा ताकि जइसे मसीह के पिता के महिमा से मुवलन में से जिंदा हो गइल, ओइसहीं हमनी के भी जीवन के नयापन में चले के चाहीं।
5 अगर हमनी के उनकर मौत के रूप में एक साथ रोपल गईल बानी जा त हमनी के उनकर जी उठला के रूप में भी होखब जा|
6 इ जानत हई कि हमनी के बूढ़ आदमी के ओकरा साथे सूली पर चढ़ावल गईल बा, ताकि पाप के शरीर के नाश हो सके, ताकि हमनी के अब से पाप के सेवा मत करीं जा।
7 काहेकि जे मरल बा, उ पाप से मुक्त हो गईल बा।
8 अगर हमनी के मसीह के साथे मरल बानी जा त हमनी के विश्वास बा कि हमनी के उनुका साथे भी जिंदा रहब जा।
9 ई जानत हई कि मसीह मुवलन में से जिंदा होके अब मर नाइहें। अब ओकरा पर मौत के कवनो अधिकार नइखे।
10 काहेकि उ मरला के बाद एक बार पाप खातिर मर गईले, लेकिन जिन्दा रहला से उ परमेश्वर खातिर जिंदा बाड़े।
11 ओइसहीं तोहनी भी अपना के पाप खातिर मरल समझीं, लेकिन हमनी के प्रभु यीशु मसीह के द्वारा परमेश्वर खातिर जिंदा समझीं।
12 एह से पाप के अपना नश्वर शरीर में राज मत होखे के चाहीं कि तू ओकर इच्छा के पालन करीं।
13 आ तू लोग आपन अंग के अधर्म के औजार के रूप में पाप के हाथ में मत सौंपऽ, बलुक अपना के परमेश्वर के सामने सौंप दीं, जइसे कि मुवलन में से जिंदा बा, आ आपन अंग के धार्मिकता के साधन के रूप में परमेश्वर के सामने सौंप दीं।
14 पाप के तोहनी पर राज ना होई, काहेकि तू लोग व्यवस्था के अधीन नईख, बल्कि अनुग्रह के अधीन बाड़ू।
15 तब का होई? का हमनी के पाप करीं जा, काहे कि हमनी के व्यवस्था के अधीन ना, बल्कि अनुग्रह के अधीन बानी जा? भगवान ना करस।
16 का रउवां ई नइखी जानत कि जेकरा के तू लोग आपन सेवक के रूप में आज्ञा मानत बानी, ओकर सेवक हईं, जेकर आज्ञा मानत बानी। पाप से मौत के बात होखे भा धर्म के आज्ञाकारिता के?
17 लेकिन परमेश्वर के धन्यवाद कि तू पाप के सेवक रहनी, लेकिन तोहनी के मन से उ शिक्षा के पालन कईले बानी जवन तोहनी के छोड़ल गईल रहे।
18 तब तू पाप से मुक्त होके धार्मिकता के सेवक बन गईनी।
19 हम तोहनी के शरीर के कमजोरी के चलते आदमी के तरीका से बोलत बानी, काहेकि जइसे तू लोग अपना अंग के अशुद्धता आ अधर्म के दास बना के अधर्म के दास बना देले बाड़ू। एही तरे अब आपन अंग के पवित्रता के सेवक बना के धार्मिकता के सेवक बना दीं।
20 जब तू पाप के सेवक रहनी त धर्म से मुक्त हो गइल रहलू।
21 तब तोहनी के कवन फल मिलल जवना से अब तोहनी के लाज लागत बा? काहे कि ओह चीजन के अंत मौत ह।
22 लेकिन अब पाप से मुक्त होके परमेश्वर के सेवक बन गइला के बाद तोहनी के फल मिलल बा कि पवित्रता आ अंत अनन्त जीवन बा।
23 पाप के मजदूरी मौत ह। लेकिन परमेश्वर के वरदान हमनी के प्रभु यीशु मसीह के द्वारा अनन्त जीवन ह।

अध्याय 7 के बा

1 भाई लोग, का तू लोग नइख जानत कि हम व्यवस्था के जाने वाला लोग से कहत बानी कि जब तक आदमी जिंदा बा तब तक व्यवस्था के प्रभुत्व बा?

2 काहे कि जवना औरत के पति बा, तब तक अपना पति के संगे कानून के मुताबिक बान्हल रहेला। लेकिन अगर पति मर गईल बा त उ अपना पति के नियम से मुक्त हो गईल बा।
3 तब अगर ओकर पति जिंदा रहते त ओकरा के दोसरा आदमी से बियाह क लिहल जाई त ओकरा के व्यभिचारी कहल जाई, लेकिन अगर ओकर पति मर गईल बा त उ नियम से मुक्त हो गईल बा। एह से ऊ कवनो व्यभिचारी ना ह, भले ऊ दोसरा आदमी से बियाह कर लिहले होखे.
4 एह से हे भाई लोग, रउआ भी मसीह के शरीर से व्यवस्था के खातिर मर गइल बानी। कि तोहनी के बियाह दोसरा से हो जाईं, उहे मुवलन में से जी उठल से, ताकि हमनी के भगवान के फल देवे के चाहीं।
5 जब हमनी के शरीर में रहनी जा त पाप के गति जवन व्यवस्था के द्वारा भइल रहे, हमनी के अंग में काम करत रहे कि हमनी के मौत के फल देवे।
6 लेकिन अब हमनी के ओह व्यवस्था से मुक्त हो गईल बानी जा, जवना में हमनी के मरल रहनी जा। कि हमनी के आत्मा के नयापन में सेवा करीं जा, ना कि अक्षर के पुरानपन में।
7 त हमनी के का कहब जा? का कानून पाप ह? भगवान ना करस। ना, हम पाप के ना जानत रहनी, बल्कि व्यवस्था के द्वारा, काहेकि हम कामवासना के ना जानत रहनी, जब तक कि व्यवस्था इ ना कहत रहे कि तू लोभ मत करऽ।
8 लेकिन पाप आज्ञा के मौका लेके हमरा में हर तरह के कामुकता पैदा कईलस। काहेकि व्यवस्था के बिना पाप मर गईल रहे|
9 हम एक बेर व्यवस्था के बिना जिंदा रहनी, लेकिन जब आज्ञा आईल त पाप जिंदा हो गईल अवुरी हम मर गईनी।
10 आज्ञा जवन जीवन खातिर दिहल गइल रहे, ओकरा के हम मौत के खातिर मिलल।
11 पाप आज्ञा से मौका लेके हमरा के धोखा दिहलस आ ओकरा से हमरा के मार दिहलस।
12 एही से व्यवस्था पवित्र बा, आज्ञा पवित्र, न्यायी आ अच्छा बा।
13 का नीमन चीज हमरा खातिर मौत बना दिहलस? भगवान ना करस। लेकिन पाप पाप के रूप में देखाई देवे, जवन कि अच्छाई से हमरा में मौत के काम करेला। ताकि आज्ञा से पाप बहुत पाप हो सके।
14 हमनी के जानत बानी जा कि व्यवस्था आध्यात्मिक ह, लेकिन हम शारीरिक हईं आ पाप के अधीन बेचल बानी।
15 हम जवन करेनी ओकरा के हम ना करेनी, काहे कि हम जवन चाहत बानी उ ना करेनी। बाकिर जवना से हमरा नफरत बा, ऊ हम करेनी.
16 अगर हम उहे करब जवन हम ना चाहत बानी त हम कानून के बात से सहमत बानी कि इ निमन बा।
17 अब हम इ काम ना करेनी, बलुक पाप हमरा में रहेला।
18 काहेकि हम जानत बानी कि हमरा में (अर्थात हमरा शरीर में) कवनो अच्छा चीज ना रहेला, काहेकि इच्छा हमरा में मौजूद बा। बाकिर जवन बढ़िया होखे ओकरा के कइसे कइल जाव हमरा नइखे लागत.
19 काहे कि हम जवन अच्छाई चाहत बानी उ ना करेनी, लेकिन जवन बुराई हम ना चाहत बानी, उहे हम करेनी।
20 अगर हम उहे करब जवन हम ना चाहत बानी त अब हम ना करेनी, बल्कि पाप जवन हमरा में रहेला।
21 तब हमरा एगो नियम मिलत बा कि जब हम भलाई करे के चाहत बानी त हमरा साथे बुराई मौजूद बा।
22 काहेकि हम भीतर के आदमी के अनुसार परमेश्वर के व्यवस्था में आनन्दित बानी।
23 लेकिन हम अपना अंग में एगो अउरी व्यवस्था देखत बानी जवन हमरा मन के नियम के खिलाफ लड़त बा आ हमरा के पाप के नियम के बंदी बनावत बा जवन हमरा अंग में बा।
24 हे दयनीय आदमी जवन हम हईं! के हमरा के एह मौत के देह से मुक्ति दिही?
25 हम अपना प्रभु यीशु मसीह के द्वारा परमेश्वर के धन्यवाद देत बानी। त हम खुद मन से परमेश्वर के व्यवस्था के सेवा करत बानी। लेकिन शरीर के साथे पाप के व्यवस्था।

अध्याय 8 के बा

1 एह से अब मसीह यीशु में जे लोग शरीर के अनुसरण ना करेला, बल्कि आत्मा के अनुसार चलेला, ओकरा खातिर कवनो सजा नइखे।
2 काहेकि मसीह यीशु में जीवन देवे वाला आत्मा के व्यवस्था हमरा के पाप आ मौत के व्यवस्था से मुक्त कर देले बा।
3 काहे कि व्यवस्था जवन ना कर पवलस, उ शरीर के द्वारा कमजोर रहे, परमेश्वर अपना बेटा के पापी शरीर के रूप में भेज के पाप के खातिर शरीर में पाप के दोषी ठहरवले।
4 हमनी में व्यवस्था के धार्मिकता पूरा होखे, जे शरीर के अनुसार ना, बल्कि आत्मा के अनुसार चलेनी।
5 काहेकि जे शरीर के पालन करेलन, उ लोग शरीर के बात पर मन करेला। लेकिन जे लोग आत्मा के पालन करेला उ लोग आत्मा के बात करेला।
6 काहेकि शारीरिक विचार कइल मौत ह। बाकिर आध्यात्मिक विचार कइल जीवन आ शांति ह.
7 काहे कि शारीरिक मन भगवान के खिलाफ दुश्मनी ह, काहेकि उ परमेश्वर के व्यवस्था के अधीन नईखे अवुरी ना हो सकता।
8 एहसे जे शरीर में बा, उ लोग परमेश्वर के खुश नईखन क सकत।
9 लेकिन तू लोग शरीर में ना, बलुक आत्मा में बाड़, अगर परमेश्वर के आत्मा तोहनी में रहेला। अगर केहू के लगे मसीह के आत्मा नइखे त उ ओकर केहू ना ह।
10 अगर मसीह तोहनी में बा त पाप के चलते शरीर मर गईल बा। लेकिन आत्मा धार्मिकता के चलते जीवन ह।
11 लेकिन अगर यीशु के मुवलन में से जिंदा करे वाला के आत्मा तोहनी में रहत बा त मसीह के जिंदा करे वाला भी तोहनी में रहे वाला अपना आत्मा के द्वारा तोहनी के नश्वर शरीर के जिंदा करी।
12 एह से भाई लोग, हमनी के शरीर के ऋणी ना हईं जा कि हमनी के शरीर के अनुसार जिए के चाहीं।
13 अगर तू लोग शरीर के अनुसार जियब त मरब, लेकिन अगर आत्मा के द्वारा शरीर के काम के मरब त तू लोग जिंदा रहब।
14 काहेकि जे भी परमेश्वर के आत्मा के अगुवाई में चलेला, उ लोग परमेश्वर के बेटा हवे।
15 काहेकि तोहनी के फेर से डर के गुलामी के आत्मा ना मिलल बा। लेकिन तोहनी के गोद लेवे के आत्मा मिल गईल बा, जवना से हमनी के पुकारत बानी जा, "अब्बा, पिताजी।"
16 आत्मा ही हमनी के आत्मा के साथे गवाही देत बा कि हमनी के परमेश्वर के संतान हई।

17 आ अगर संतान होखस त वारिस होखब। परमेश्वर के वारिस हवें, आ मसीह के साथ वारिस हवें। अगर हमनी के उनकरा साथे कष्ट उठावेनी जा त हमनी के भी एक साथ महिमा होखे।
18 काहेकि हम मानत बानी कि एह समय के दुख के तुलना ओह महिमा से करे लायक नइखे जवन हमनी में प्रकट होई।
19 काहे कि सृष्टि के पूरा उम्मीद परमेश्वर के बेटा लोग के प्रकट होखे के इंतजार करेला।
20 काहेकि प्राणी के मन से ना, बल्कि उहे के कारण से आडंबर के अधीन कइल गइल बा जे आशा में ओकरा के अधीन कइले बा।
21 काहे कि प्राणी भी भ्रष्टाचार के बंधन से मुक्त होके परमेश्वर के संतान के महिमामंडित मुक्ति में आ जाई।
22 हमनी के जानत बानी जा कि अब तक पूरा सृष्टि एक संगे कराहत बा आ पीड़ा से पीड़ित बा।
23 आऊ खाली उहे ना, बलुक हमनी के भी, जेकरा में आत्मा के पहिला फल बा, हमनी के अपना भीतर कराहत बानी जा, आ अपना शरीर के मोक्ष के इंतजार करत बानी जा।
24 काहेकि हमनी के आशा से उद्धार मिलल बा, लेकिन जवन आशा देखल जाला उ आशा ना ह, काहेकि जवन देखेला, उ अभी तक उम्मीद काहे करेला?
25 लेकिन अगर हमनी के उहे उम्मीद बा जवन हमनी के ना देखनी जा, त हमनी के धैर्य से ओकर इंतजार करेनी जा।
26 ओइसहीं आत्मा हमनी के कमजोरी में भी मदद करेला, काहेकि हमनी के इ नईखी जानत कि हमनी के का प्रार्थना करे के चाहीं, लेकिन आत्मा खुद हमनी खातिर बिनती करेला, जवन कि ना कहल जा सकेला।
27 जे दिल के जाँच करेला ऊ जानत बा कि आत्मा के मन का ह, काहे कि ऊ परमेश्वर के इच्छा के अनुसार पवित्र लोग खातिर बिनती करेला।
28 हमनी के जानत बानी जा कि परमेश्वर से प्रेम करे वाला लोग के भलाई खातिर सब कुछ मिलजुल के काम करेला, जे उनकर उद्देश्य के अनुसार बोलावल गइल बा।
29 जेकरा के उ पहिले से जानत रहले, उ अपना बेटा के प्रतिरूप के रूप में होखे के पहिले से तय कईले रहले, ताकि उ बहुत भाई के बीच में जेठ हो सके।
30 जेकरा के उ पहिले से तय कईले रहले, उ लोग के भी बोलवले अवुरी जेकरा के बोलवले रहले, उ लोग के भी धर्मी ठहरवले अवुरी जेकरा के उ धर्मी ठहरवले रहले, उ लोग के भी महिमा कईले।
31 तब हमनी के एह बातन के का कहब जा? अगर भगवान हमनी के पक्ष में बाड़े त हमनी के खिलाफ के हो सकता?
32 जे अपना बेटा के ना बख्शल, बलुक हमनी सब के खातिर ओकरा के सौंप दिहलस, उ हमनी के सब कुछ मुफ्त में कइसे ना दिही?
33 परमेस् वर के चुनल लोग पर के कवनो आरोप लगाई? ई भगवान हवें जे धर्मी ठहरावेलें।
34 दोषी के ह? ई मसीह हवें जे मर गइलन, बलुक ऊ जी उठल बाड़न, जे परमेश्वर के दाहिना ओर भी बाड़न आ हमनी खातिर भी बिनती करत बाड़न।
35 हमनी के मसीह के प्रेम से के अलग करी? का संकट, या संकट, या सतावल, या अकाल, या नंगापन, या खतरा या तलवार?
36 जइसे कि धर्मशास् त्र में लिखल बा, "हमनी के दिन भर तोहरा खातिर मारल जा रहल बानी जा। हमनी के वध खातिर भेड़ के रूप में गिनल जाला।
37 ना, एह सब बात में हमनी के प्रेम करे वाला के द्वारा विजयी होखे वाला से भी ज्यादा बानी जा।
38 काहेकि हमरा विश्वास बा कि ना मौत, ना जीवन, ना स्वर्गदूत, ना रियासत, ना शक्ति, ना वर्तमान चीज आ ना आवे वाला चीज।
39 ना ऊँचाई, ना गहराई, ना कवनो दोसर प्राणी हमनी के परमेश्वर के प्रेम से अलग ना कर पाई जवन हमनी के प्रभु मसीह यीशु में बा।

अध्याय 9 के बा

1 हम मसीह में सच्चाई कहत बानी, हम झूठ नईखी बोलत, हमार विवेक भी पवित्र आत्मा में गवाही देत बा।
2 कि हमरा दिल में बहुत भारीपन आ लगातार दुख बा।
3 हम चाहत रहनी कि हम अपना भाई लोग खातिर मसीह के ओर से अभिशप्त होखब, जवन कि शरीर के हिसाब से हमार रिश्तेदार हवें।
4 जे इस्राएली हवें; जेकरा खातिर गोद लेवे, महिमा, वाचा, व्यवस्था के दान, परमेश्वर के सेवा आ प्रतिज्ञा के संबंध बा।
5 उनकर बाप-पत्नी उनकर हवें आ जिनका से मसीह शरीर के बारे में आइल बाड़न, जे सब पर बा, परमेश्वर हमेशा खातिर धन्य बाड़न। आमीन के बा।
6 अइसन ना कि परमेश्वर के वचन के कवनो असर ना भइल होखे। काहेकि उ सब इस्राएल ना हवें, जवन इस्राएल के हवें।
7 इ सब अब्राहम के वंशज होखला के चलते उ सब संतान ना हवे, बालुक, "तोहार संतान इसहाक में कहल जाई।"
8 माने कि जे शरीर के संतान हवें, उ लोग परमेश्वर के संतान ना हवें, लेकिन प्रतिज्ञा के संतान के वंश के रूप में गिनल जाला।
9 काहेकि वादा के वचन इहे ह कि हम एही समय आईब आ सारा के एगो बेटा होई।
10 आ खाली इहे ना; लेकिन जब रिबेका भी हमनी के बाप इसहाक से गर्भवती हो गईल रहली।
11 (काहे कि लइका अभी पैदा नइखन कइले, ना कवनो अच्छाई भा बुराई कइले, ताकि परमेश्वर के उद्देश्य चुनल के अनुसार काम से ना, बल्कि बोलावे वाला के द्वारा खड़ा होखे।)
12 ओकरा से कहल गइल कि बड़का छोटका के सेवा करी।
13 जइसन कि लिखल बा, "हम याकूब से प्रेम कइले बानी, लेकिन एसाव से हम नफरत कइले बानी।"
14 तब हमनी के का कहब जा? का भगवान के साथे अधर्म बा? भगवान ना करस।
15 काहेकि उ मूसा से कहत हव कि हम जेकरा पर दया करब ओकरा पर दया करब आ जेकरा पर हम दया करब ओकरा पर दया करब।
16 त इ चाहला से ना, ना दौड़त के, बलुक दया करे वाला परमेस् वर के ह।
17 काहेकि पवित्र शास्त्र फिरौन से कहत हव कि, "हम तोहरा के एही मकसद से जिंदा कइले बानी कि हम तोहरा में आपन शक्ति देखा सकीले आ पूरा धरती में हमार नाम के प्रचार कर सकीले।"
18 एही से जेकरा पर दया कइल चाहत बा, ओकरा पर दया करेला आ जेकरा पर ऊ कठोर कर देला।

19 तब तू हमरा से कहब कि ऊ अबहीं ले दोष काहे खोजत बा? काहे कि ओकर मर्जी के विरोध के कइले बा?
20 हे आदमी, तू के हईं जे परमेश्वर के खिलाफ जवाब देत बाड़ऽ? का बनल चीज ओकरा के बनावे वाला से कह दी कि तू हमरा के अईसन काहे बनवले बाड़?
21 का कुम्हार के मार्टी पर, एके गांठ से एगो बर्तन के आदर खातिर आ दोसर के बेइज्जती खातिर बनावे के अधिकार नइखे?
22 अगर परमेश्वर आपन क्रोध देखावे आ आपन शक्ति के बारे में बतावे के इच्छुक क्रोध के बर्तन के बहुत धैर्य से सहन करस त का होई।
23 उ दया के बर्तन पर आपन महिमा के धन के बारे में बतावे, जवन उ पहिले महिमा खातिर तैयार कईले रहले।
24 हमनी के भी, जेकरा के उ खाली यहूदी लोग में से ना, बल्कि गैर-यहूदी लोग के भी बोलवले बाड़े?
25 जइसे कि ऊ ओसी में भी कहले बाड़न कि हम ओह लोग के आपन लोग कहब जवन हमार लोग ना रहे। आ ओकर प्रियतम, जवन प्रिय ना रहे।
26 जवना जगहा ओह लोग से कहल गइल रहे कि, "तू हमार लोग नइखऽ। उहाँ उ लोग के जिंदा भगवान के संतान कहल जाई।
27 यशायाह इस्राएल के बारे में भी चिल्लात बाड़न कि, "इस्राएल के संतान के संख्या समुंदर के बालू निहन होखे, लेकिन कुछ लोग के उद्धार होई।
28 काहेकि उ काम पूरा क के धार्मिकता में ओकरा के छोट कर दिहे, काहेकि प्रभु धरती प छोट काम करीहे।
29 जइसे कि यशायाह पहिले कहले रहले कि, "जब तक दल के प्रभु हमनी के एगो संतान ना छोड़ले रहते, त हमनी के सदोम निहन हो गईल रहती अवुरी अमोरा निहन हो गईल रहती।"
30 तब हमनी के का कहब जा? कि गैर-यहूदी लोग जे धार्मिकता के बाद ना चलल, उ धार्मिकता के प्राप्ति कईले बा, उ धार्मिकता जवन विश्वास से मिलेला।
31 लेकिन इस्राएल जे धार्मिकता के नियम के पालन करत रहे, उ धार्मिकता के नियम के पूरा नईखे कईले।
32 काहे? काहे कि उ लोग एकरा के विश्वास से ना, बल्कि व्यवस्था के काम से खोजत रहले। काहे कि ऊ लोग ओह ठोकर के पत्थर पर ठोकर खा गइल।
33 जइसन कि लिखल बा, "देखऽ, हम सियोन में ठोकर के पत्थर आ अपराध के चट्टान डाल देले बानी।

अध्याय 10 के बा

1 भाई लोग, इस्राएल खातिर हमार मन के इच्छा आ परमेश्वर से प्रार्थना बा कि उ लोग के उद्धार हो सके।
2 काहेकि हम ओह लोग के गवाही देत बानी कि उ लोग में परमेश्वर के प्रति जोश बा, लेकिन ज्ञान के अनुसार ना।
3 काहेकि उ लोग परमेश्वर के धार्मिकता से अनजान होके आपन धार्मिकता के स्थापित करे में लागल बाड़े, लेकिन उ लोग अपना के परमेश्वर के धार्मिकता के अधीन नईखन कईले।
4 काहेकि मसीह व्यवस्था के अंत हउवें ताकि हर विश्वास करे वाला के धार्मिकता मिल सके।
5 मूसा व्यवस्था से निकले वाला धार्मिकता के बारे में बतावत बाड़न कि जवन आदमी उ काम करेला उ ओकरा से जिंदा रही।
6 लेकिन विश्वास से मिले वाला धार्मिकता एही तरह से कहत बा कि, "अपना मन में मत कहऽ कि स्वर्ग में के चढ़ी?" (अर्थात मसीह के ऊपर से नीचे ले आवे खातिर:)
7 या गहिराह में के उतरी? (अर्थात मसीह के मुवलन में से फेर से उठावे खातिर)।
8 बाकिर ई का कहत बा? वचन तोहरा लगे बा, तोहरा मुँह आ दिल में, माने कि विश्वास के वचन जवन हमनी के प्रचार करत बानी जा।
9 अगर तू अपना मुँह से प्रभु यीशु के कबूल करब आ अपना मन में विश्वास करब कि भगवान ओकरा के मुवलन में से जिंदा कर दिहले बाड़े त तोहार उद्धार हो जाई।
10 काहेकि आदमी मन से धार्मिकता खातिर विश्वास करेला। आ मुँह से कबूल कइल जाला कि उद्धार हो जाला।
11 काहेकि पवित्रशास्त्र में कहल गइल बा कि जे ओकरा पर बिसवास करी ओकरा लाज ना होई।
12 काहेकि यहूदी आ यूनानी में कवनो अंतर नइखे, काहे कि सब पर एकही प्रभु अपना के पुकार करे वाला सब खातिर धनवान हवें।
13 काहे कि जे भी प्रभु के नाम पुकारत उ उद्धार पाई।
14 तब उ लोग ओकरा के कइसे पुकारत होई जेकरा पर उ लोग विश्वास नईखन कईले? जवना के बारे में उ लोग नईखन सुनले, ओकरा प उ लोग कईसे विश्वास करीहे? आ बिना प्रचारक के कइसे सुनाईहें?
15 जबले उ लोग ना भेजल जाई तब तक उ लोग कइसे प्रचार करीहे? जइसे कि लिखल बा, "शांति के सुसमाचार के प्रचार करे वाला लोग के गोड़ केतना सुन्दर बा आ बढ़िया बात के शुभ समाचार देवे वाला लोग के गोड़ केतना सुन्दर बा!"
16 लेकिन उ सब सुसमाचार के बात नईखन मानले। काहे कि यशायाह कहत बाड़न कि, "प्रभु, हमनी के खबर के के बिसवास कइले बा?"
17 त विश्वास सुनला से मिलेला आ सुनल परमेश्वर के वचन से मिलेला।
18 लेकिन हम कहत बानी कि का उ लोग नईखन सुनले? हँ सचहूँ, उनकर आवाज पूरा धरती में चल गइल आ उनकर बात दुनिया के छोर तक पहुँच गइल।
19 लेकिन हम कहत बानी कि का इस्राएल के मालूम ना रहे? पहिले मूसा कहले, "हम तोहनी के ऊ लोग से ईर्ष्या कर देब जे कवनो लोग ना ह, आ एगो मूर्ख राष्ट्र के द्वारा हम तोहनी के नाराज करब।"
20 लेकिन यशायाह बहुत हिम्मत से कहत बाड़न कि, "हमरा के ना खोजत लोग के मिलल। जे लोग हमरा पीछे ना माँगल, उनके सामने हम प्रगट हो गईनी।
21 लेकिन इस्राएल से कहलन कि हम दिन भर एगो आज्ञा ना माने वाला लोग के सामने आपन हाथ बढ़ा देले बानी।

अध्याय 11 के बा

1 त हम कहत बानी कि का परमेश्वर अपना लोग के फेंक देले बाड़े? भगवान ना करस। हमहूँ इब्राहीम के वंशज आ बिन्यामीन के गोत्र के इस्राएली हईं।
2 परमेस् वर अपना लोग के ना फेंकलन, जवना के उ पहिले से जानत रहलन। का तोहनी के ई ना बुझाइल कि पवित्रशास्त्र

एलियास के बारे में का कहत बा? कइसे ऊ इस्राएल के खिलाफ भगवान से बिनती करत बाड़न कि
3 प्रभु, ऊ लोग तोहार भविष्यवक्ता लोग के मार के तोहार वेदी खोद दिहले बा। आ हम अकेले रह गइल बानी आ ऊ लोग हमार जान खोजत बा.
4 लेकिन परमेश्वर के जवाब ओकरा से का कहत बा? हम अपना खातिर सात हजार आदमी सुरक्षित रखले बानी, जे बाल के मूर्ति के सामने घुटना ना झुकवले बाड़े।
5 एही तरे एह समय में भी अनुग्रह से चुनल गइल बचे वाला लोग बा।
6 अगर अनुग्रह से भइल त ई काम के ना ह, ना त अनुग्रह अब अनुग्रह ना ह। लेकिन अगर काम के ह त का इ कृपा ना रह जाई, ना त काम अब काम ना ह।
7 तब का होई? इस्राएल के उ चीज नइखे मिलल जवन ऊ खोजत बा। बाकिर चुनाव त मिल गइल बा आ बाकी लोग आन्हर हो गइल
8 (जइसन लिखल बा कि, "परमेशवर ओह लोग के नींद के आत्मा, आँख ना देखे, आ कान जवन ना सुन सके) देले बाड़न।) आज तक।
9 दाऊद कहलन कि, "ओकनी के मेज के जाल, जाल, ठोकर आ बदला बनावल जाव।
10 उनकर आँख अन्हार होखे, ताकि उ लोग ना देखस, आ हमेशा पीठ झुकस।
11 हम कहत बानी कि का उ लोग ठोकर खा के गिर गईल बाड़े? भगवान ना करस, लेकिन उ लोग के पतन से गैर-यहूदी लोग के उद्धार मिलल बा कि उ लोग के ईर्ष्या करे।
12 अगर ओह लोग के पतन दुनिया के धन होखे आ ओह लोग के कम होखे से गैर-यहूदी लोग के धन होखे; केतना जादा उनकर पूर्णता?
13 काहेकि हम गैर-यहूदी लोग से कहत बानी कि हम गैर-यहूदी लोग के प्रेरित हईं, हम अपना पद के बड़ाई करत बानी।
14 अगर हम कवनो तरीका से ओह लोग के अनुकरण करे खातिर उकसा सकेनी जवन हमरा शरीर हवे आ ओह लोग में से कुछ लोग के बचा सकेनी।
15 अगर ओह लोग के फेंकल दुनिया के बीच मेल मिलाप करे वाला बा त ओह लोग के ग्रहण कइल का होई, सिवाय मुवलन में से जीवन के?
16 अगर पहिला फल पवित्र बा त गांठ भी पवित्र बा।
17 अगर कुछ डाढ़ टूट गइल आ तू जंगली जैतून के पेड़ होखला के नाते ओह लोग के बीच में कलंकित हो गइल आ ओकरा साथे जैतून के पेड़ के जड़ आ मोटाई में से भाग लीं।
18 डाढ़ के खिलाफ घमंड मत करीं। लेकिन अगर तू घमंड करत बाड़ू त तू जड़ ना, जड़ तोहरा के सहत बाड़ू।
19 तब तू कहब कि डाढ़ टूट गईल बा, ताकि हमरा में कलम लगावल जा सके।
20 खैर, खैर; अविश्वास के चलते उ लोग टूट गईल, अवुरी तू विश्वास के चलते खड़ा बाड़ू। उच्च विचार मत करीं, बलुक डेराईं:
21 अगर भगवान प्राकृतिक डाढ़ के ना छोड़ले त सावधान रहब कि उ तोहरा के भी ना बख्शी।
22 एह से देखऽ परमेस् वर के भलाई आ कठोरता, गिरल लोग पर कठोरता। लेकिन तोहरा प्रति भलाई, अगर तू ओकर भलाई में रहब, ना त तोहरो भी कट गईल होखब।
23 आऊ अगर उ लोग अविश्वास में स्थिर ना रहिहें त ओह लोग के कलम लगावल जाई काहे कि भगवान ओह लोग के फेर से कलम लगावे में सक्षम बाड़े।
24 अगर तू स्वभाव से जंगली जैतून के पेड़ से काट के एगो बढ़िया जैतून के पेड़ में प्रकृति के विपरीत कलम लगावल गईल बाड़ू त इ जवन प्राकृतिक डाढ़ ह, ओकरा के अपना जैतून के पेड़ में केतना जादा कलमल जाई?
25 भाई लोग, हम नइखी चाहत कि तू लोग एह रहस्य से अनजान होखब, ताकि तू लोग अपना घमंड में बुद्धिमान ना होखब। कि कुछ हद तक इस्राएल के अंधकार हो गईल बा, जब तक कि गैर-यहूदी लोग के पूर्णता ना हो जाई।
26 एही से पूरा इस्राएल के उद्धार हो जाई, जईसे कि लिखल बा कि, "मुक्ति देवे वाला सियोन से निकल के याकूब से अभक्ति के मोड़ दिही।"
27 काहेकि हम ओह लोग के साथे हमार वाचा इहे ह जब हम ओह लोग के पाप के दूर करब।
28 सुसमाचार के बारे में त उ लोग तोहनी खातिर दुश्मन हवे, लेकिन चुनल के मामला में उ लोग बाप-पिता के खातिर प्रिय बाड़े।
29 काहेकि परमेश्वर के वरदान अउर बोलावल पश्चाताप के बिना होला।
30 जइसे तू पहिले परमेस् वर पर विश् वास ना कइले रहलू, तबहूँ अब ओह लोग के अविश्वास के कारण दया मिल गइल बा।
31 एही तरे इ लोग भी अब विश्वास ना कईले, ताकि तोहनी के दया से उ लोग भी दया पा सके|
32 काहेकि परमेस् वर सभके अविश् वास में ठहरा दिहले बाड़न ताकि उ सब पर दया कर सकस।
33 हे भगवान के बुद्धि आ ज्ञान दुनो के धन के गहराई केतना बा! ओकर फैसला केतना अनजान बा, आ ओकर रास्ता पता लगावे से बीतल बा!
34 काहे कि प्रभु के मन के के जानत बा? भा ओकर सलाहकार के रहल बा?
35 या ओकरा के पहिले के देले बा आ ओकर बदला ओकरा के दोबारा दिहल जाई?
36 काहेकि सब कुछ उनकरा से, उनकरा माध्यम से आ उनकरा खातिर बा, उनकर महिमा हमेशा खातिर होखे। आमीन के बा।

अध्याय 12 के बा

1 एह से हे भाई लोग, हम तोहनी से निहोरा करत बानी कि रउआ लोग आपन शरीर के जीवंत बलिदान, पवित्र आ परमेश्वर के स्वीकार्य बलिदान के रूप में पेश करीं, जवन कि रउआ सभे के उचित सेवा ह।
2 आ एह संसार के अनुरूप मत बनीं, बलुक अपना मन के नवीकरण से बदल जा, ताकि तू लोग ई परख सकी कि परमेश्वर के इच्छा का नीमन, स्वीकार्य आ सिद्ध ह।
3 काहेकि हम तोहनी में से हर आदमी से कहत बानी कि हमरा पर दिहल गइल अनुग्रह से उ अपना के ओतना ऊँच मत सोचे के चाहीं। लेकिन मन में सोचे के चाहीं कि जइसे भगवान हर आदमी के विश्वास के नाप देले बाड़न।
4 जइसे हमनी के एक शरीर में बहुत अंग बा, आ सब अंग के एक समान पद नइखे।

5 हमनी के बहुत होके मसीह में एक शरीर हईं जा आ हर केहू एक दोसरा के अंग हईं जा।
6 हमनी के दिहल अनुग्रह के अनुसार अलग-अलग वरदान बा, चाहे भविष्यवाणी होखे, हमनी के विश्वास के अनुपात के अनुसार भविष्यवाणी करीं जा।
7 हमनी के सेवा के इंतजार करीं जा, या जे सिखावेला, उ सिखावे के इंतजार करीं।
8 या जे उपदेश देत बा, उ आग्रह पर, जे देवेला, उ सादगी से काम करे। जे शासन करेला, ऊ लगन से; जे दया करेला, उ हँसी-खुशी से।
9 प्रेम बिना छद्म होखे के चाहीं। जवन बुराई बा ओकरा से घृणा करीं; जवन अच्छा बा ओकरा से चिपकल रहऽ।
10 भाई-बहिन के प्रेम से एक दूसरा से दयालुता से प्रेम करीं। एक दूसरा के पसंद करे के इज्जत में;
11 धंधा में आलसी ना होखे; भावना में उग्र होखे वाला; प्रभु के सेवा कइल;
12 आशा में आनन्दित होखे के चाहीं। संकट में धैर्यवान बा; प्रार्थना में तुरंत जारी रहे के;
13 संत लोग के जरूरत के हिसाब से बांटत बानी। मेहमाननवाजी के दिहल जाला।
14 जे तोहनी के सतावत बा, ओकरा के आशीष दीं, आशीष दीं आ गारी मत दीं।
15 आनन्दित होखे वाला लोग के साथे आनन्दित होखऽ आ रोवे वाला लोग के साथे रोईं।
16 एक दूसरा के प्रति एके मन में रहऽ। उच्च बात के ना मन करीं, बलुक निम्न संपत्ति के आदमी के प्रति क्षमा करीं। अपना अभिमान में बुद्धिमान मत बनीं।
17 बुराई के बदला केहू के बुराई के बदला मत दीं। सब आदमी के नजर में ईमानदार चीजन के इंतजाम करीं।
18 अगर संभव होखे त तोहनी में जेतना बा त सब लोग के साथे शांति से रहब।
19 प्रिय प्रियजन, अपना के बदला मत लीं, बलुक क्रोध के जगह दीं, काहेकि लिखल बा कि बदला लेबे के काम हमार ह। हम एकर बदला देब, प्रभु कहतारे।
20 एह से अगर तोहार दुश्मन के भूख लागल बा त ओकरा के खाना खियाईं। अगर ओकरा प्यास लागल बा त ओकरा के पी दीं, काहेकि अयीसन कईला से तू ओकरा माथा प आग के कोयला के ढेर लगा देब।
21 बुराई से हावी मत होख, लेकिन बुराई से अच्छाई से जीत जा।

अध्याय 13 के बा

1 हर प्राणी उच्च शक्तियन के अधीन होखे। काहेकि परमेश्वर के अलावा कवनो शक्ति नइखे, जवन शक्ति बा उ परमेश्वर के द्वारा निर्धारित कइल गइल बा।
2 जे भी शक्ति के विरोध करेला, उ परमेश्वर के नियम के विरोध करेला।
3 काहेकि शासक लोग अच्छा काम खातिर भयावह ना होला, बल्कि बुराई खातिर भयावह होला। तब का तू शक्ति से ना डेराईब? जवन नीमन बा, उहे करऽ, त ओकरा के तोहरा स्तुति होई।
4 काहेकि उ तोहरा भलाई खातिर परमेश्वर के सेवक हवे। लेकिन अगर तू बुराई करत बाड़ू त डेरा जा; काहे कि ऊ बेकार में तलवार ना उठावेला काहे कि ऊ भगवान के सेवक ह आ बुराई करे वाला पर क्रोध के बदला लेबे वाला ह.
5 एही से तोहनी के खाली क्रोध के चलते ना, बल्कि विवेक के खातिर भी अधीन होखे के जरूरत बा।
6 एही से तू लोग कर भी देवे, काहेकि उ लोग परमेश्वर के सेवक हवें आ लगातार एही काम के पूरा करेलन।
7 एह से ओह लोग के सब के बकाया दे दीं, जेकरा के कर देवे के बा ओकरा के कर दीं। रिवाज केकरा के रिवाज; डर जेकरा से डर लागेला; सम्मान जेकरा के सम्मान दिहल जाला।
8 एक दूसरा से प्रेम करे के अलावा केहू के कवनो कर्जा मत राखीं, काहेकि जे एक दूसरा से प्रेम करेला उ व्यवस्था के पूरा कर लेले बा।
9 एही खातिर, तू व्यभिचार मत करऽ, हत्या मत करऽ, चोरी मत करऽ, झूठा गवाही मत देबऽ, लालच मत करऽ। आ अगर कवनो दोसर आज्ञा बा त ओकरा के एह कहावत में संक्षेप में समझल गइल बा कि, तू अपना पड़ोसी से अपना जइसन प्रेम करीं.
10 प्रेम अपना पड़ोसी के कवनो बुराई ना करेला, एहसे प्रेम व्यवस्था के पूरा करे वाला ह।
11 आऊ समय के जान के कि अब नींद से जागे के समय आ गईल बा, काहेकि हमनी के उद्धार तब से भी नजदीक बा जब हमनी के विश्वास कईले रहनी जा|
12 रात बहुत दूर हो गईल बा, दिन नजदीक आ गईल बा, एहसे हमनी के अन्हार के काम के छोड़ के रोशनी के कवच पहिन के चलल जाए।
13 हमनी के दिन में जइसन ईमानदारी से चलल जाव। ना दंगा आ नशा में, ना चमचमात आ बेहूदापन में, ना झगड़ा आ ईर्ष्या में.
14 लेकिन प्रभु यीशु मसीह के कपड़ा पहिन के शरीर के इच्छा के पूरा करे खातिर ओकर इंतजाम मत करीं।

अध्याय 14 के बा

1 जे विश्वास में कमजोर बा ओकरा के तू लोग ग्रहण करीं, लेकिन संदेह के विवाद में ना।
2 काहे कि केहू के विश्वास होला कि ऊ सब कुछ खा सकेला, दोसर कमजोर होके जड़ी-बूटी खाला।
3 खाए वाला के ना खाए वाला के तुच्छ मत करे। जे ना खाए ओकरा के खाए वाला के न्याय मत करे, काहेकि भगवान ओकरा के ग्रहण कर लेले बाड़े।
4 तू के हउअ जे दोसरा के नौकर के न्याय करेला? अपना मालिक के सामने खड़ा हो जाला भा गिर जाला। हँ, ओकरा के पकड़ल जाई, काहे कि भगवान ओकरा के खड़ा करे में सक्षम बाड़े।
5 एक आदमी एक दिन के दोसरा दिन से अधिका मानेला, एक आदमी हर दिन के एके जइसन मानेला। हर आदमी अपना मन में पूरा तरह से मनावे।
6 जे दिन के मन करेला, उ ओकरा के प्रभु के सामने मानेला। जे दिन के परवाह ना करेला, उ ओकरा के प्रभु के ध्यान ना देला। जे खाला, उ प्रभु के खाला, काहेकि उ परमेश्वर के धन्यवाद देवेला। जे ना खाला ऊ प्रभु के ना खाला आ भगवान के धन्यवाद देला।
7 काहेकि हमनी में से केहू अपना खातिर ना जियत बा आ केहू अपना खातिर मरत नइखे।

8 हमनी के जिंदा बानी जा, लेकिन प्रभु खातिर जिंदा बानी जा। आ हमनी के मरब जा, प्रभु खातिर मरब जा, एही से हमनी के जिंदा रहब जा भा मरब, हमनी के प्रभु के हईं जा।
9 काहेकि मसीह एही खातिर मर गइलन, जी उठलन आ जिंदा हो गइलन, ताकि ऊ मुअल आ जिंदा दुनु के प्रभु बन सके।
10 लेकिन तू अपना भाई के न्याय काहे करत बाड़? भा तू अपना भाई के काहे बेकार करत बाड़? काहेकि हमनी के सब केहू मसीह के न्याय के आसन के सामने खड़ा होखब जा।
11 काहेकि लिखल बा कि, "जइसे हम जिंदा रहब, प्रभु कहत हउवें, हर घुटना हमरा सामने झुक जाई आ हर जीभ भगवान के सामने कबूल करी।"
12 त हमनी में से हर केहू अपना बारे में परमेस् वर के सामने लेखा-जोखा देई।
13 अब हमनी के एक दूसरा के न्याय मत करीं जा, बल्कि एकरा के न्याय करीं कि केहु अपना भाई के रास्ता में ठोकर ना डाल देव।
14 हम जानत बानी आ प्रभु यीशु से समझत बानी कि अपना से कवनो अशुद्ध कवनो चीज नइखे, लेकिन जे कवनो चीज के अशुद्ध मानेला, ओकरा खातिर उ अशुद्ध बा।
15 लेकिन अगर तोहार भाई तोहार भोजन से दुखी हो गईल बा त अब तू दान-पुण्य से नईखी चलत। जेकरा खातिर मसीह मरले, ओकरा के अपना खाना से नाश मत करऽ।
16 तब तोहार भलाई के बात ना होखे के चाहीं।
17 काहेकि परमेश्वर के राज्य खान-पान ना ह। लेकिन धर्म, शांति आ पवित्र आत्मा में आनन्द।
18 काहेकि जे एह बात में मसीह के सेवा करेला, उ परमेश्वर के स्वीकार्य होला आ आदमी के अनुमोदन होला।
19 एह से हमनी के ओह चीजन के पालन करीं जा जवन शांति पैदा करेला आ जवना चीजन से केहू दोसरा के बढ़ावल जा सकेला।
20 काहेकि भोजन से परमेश्वर के काम के नाश ना होखे। सब चीज वाकई में शुद्ध बा; लेकिन जवन आदमी अपराध से खाला, ओकरा खातिर बुराई बा।
21 ना त मांस खाइल, ना शराब पीयल, ना कवनो अइसन चीज जवना से तोहार भाई ठोकर खाए, ना ठेस पहुँचावे, भा कमजोर होखे, अच्छा बा।
22 का तोहरा विश्वास बा? भगवान के सामने अपना लगे राखीं। ऊ खुश बा जे अपना के ओह काम में दोषी ना ठहरावे जवना के ऊ अनुमति देला.
23 आ जे संदेह करेला ओकरा खाए पर दोषी ठहरावल जाई काहे कि ऊ विश्वास से ना खाला, काहे कि जवन भी विश्वास से ना होखे ऊ पाप ह।

अध्याय 15 के बा

1 हमनी के जे मजबूत बानी जा, ओकरा कमजोर लोग के कमजोरी के सहन करे के चाहीं, आ अपना के खुश ना करे के चाहीं।
2 हमनी में से हर केहू अपना पड़ोसी के भलाई खातिर खुश करे।
3 काहेकि मसीह भी अपना के खुश ना कइलन। लेकिन जइसन कि लिखल बा, "तोहरा के निंदा करे वाला लोग के निंदा हमरा पर पड़ल।"
4 काहे कि जवन कुछ भी पहिले लिखल गइल रहे उ हमनी के सीखला खातिर लिखल गइल रहे ताकि हमनी के धैर्य आ पवित्रशास्त्र के दिलासा से आशा मिल सके।
5 धैर्य आ सांत्वना देवे वाला परमेश्वर तोहनी के मसीह यीशु के अनुसार एक दूसरा के प्रति एक समान विचार करे के अनुमति देस।
6 ताकि तू लोग एक मन आ एक मुँह से हमनी के प्रभु यीशु मसीह के पिता परमेश्वर के महिमा कर सकीले।
7 एही से एक दूसरा के ग्रहण करीं, जइसे मसीह हमनी के परमेश्वर के महिमा खातिर ग्रहण कइले बाड़न।
8 अब हम कहत बानी कि यीशु मसीह परमेश्वर के सच्चाई खातिर खतना के सेवक रहले, ताकि उ वादा पुरखा लोग से कईल गईल रहे|
9 एह से कि गैर-यहूदी लोग उनकर दया खातिर परमेश्वर के महिमा करस। जइसे कि लिखल बा, "एही से हम गैर-यहूदी लोग के बीच तोहरा के कबूल करब आ तोहरा नाम के गाबब।"
10 ऊ फेरु कहत बाड़न, "हे गैर-यहूदी लोग, अपना लोग के साथे आनन्दित हो जाउ।"
11 फिर से, "हे सब गैर-यहूदी लोग प्रभु के स्तुति करीं। आऊ सब लोग, ओकर तारीफ करीं।
12 फिर से यशायाह कहत बाड़न कि, "यिशै के जड़ होखी आ ऊ जे गैर-यहूदी लोग पर राज करे खातिर उठी। गैर-यहूदी लोग ओकरा पर भरोसा करी।
13 आशा के परमेस् वर तोहनी के बिसवास करे में पूरा खुशी आ शांति से भर दे, ताकि पवित्र आत्मा के शक्ति से तोहनी के आशा में भरमार हो सके।
14 हे भाई लोग, हमहूँ तोहनी से विश्वास कर लेले बानी कि तोहनी भी भलाई से भरल बानी, हर ज्ञान से भरल बानी आ एक दूसरा के सलाह देवे में भी सक्षम बानी।
15 लेकिन हे भाई लोग, हम तोहनी के अउरी हिम्मत से लिखले बानी कि हम तोहनी के मन में रखले बानी, काहे कि परमेश्वर हमरा पर दिहल अनुग्रह के कारण।
16 एह से हम गैर-यहूदी लोग के यीशु मसीह के सेवक बन के परमेश्वर के सुसमाचार के सेवा करीं, ताकि गैर-यहूदी लोग के चढ़ावल स्वीकार्य होखे, पवित्र आत्मा के द्वारा पवित्र होखे।
17 एह से हमरा लगे अइसन बा जवना से हम यीशु मसीह के द्वारा भगवान के संबंध में घमंड कर सकीले।
18 काहे कि हम ओह बातन में से कवनो बात कहे के हिम्मत ना करब जवन मसीह हमरा से ना कइले बाड़न, जवना से गैर-यहूदी लोग के बात आ काम से आज्ञाकारी बनावल जा सके।
19 परमेश् वर के आत् मा के सामर्थ् य से पराक्रमी चिन् त्र आ चमत् कारन के द्वारा। एह से यरूशलेम से लेके इलिरिकम तक हम मसीह के सुसमाचार के पूरा प्रचार कईले बानी।
20 हँ, हम सुसमाचार के प्रचार करे के कोशिश कइले बानी, ना कि जहाँ मसीह के नाम लिहल गइल रहे, ताकि हम दोसरा के नींव पर ना बन पाईं।
21 लेकिन जइसन कि लिखल बा कि, "जेकरा के बारे में उनकर बात ना भइल रहे, उ लोग देखिहे।"
22 एही से हम तोहनी के लगे आवे में बहुत बाधा आईल बानी।
23 लेकिन अब एह इलाका में जगह ना रहे आ बहुत साल से तोहनी के लगे आवे के बहुत इच्छा बा।
24 जब भी हम स्पेन के यात्रा करब त हम तोहरा लगे अइब, काहे कि हमरा भरोसा बा कि हम तोहरा के अपना यात्रा में देखब आ

तोहरा से उहाँ के रास्ता में ले अइब, अगर पहिले हम तोहरा संगत से कुछ भरल रहब।
25 अब हम पवित्र लोग के सेवा करे खातिर यरूशलेम जात बानी।
26 काहे कि मकिदुनिया आ अखाया के लोग के मन में इष्ट बा कि उ यरूशलेम में मौजूद गरीब संत लोग खातिर कुछ योगदान देस।
27 ई ओह लोग के बहुते नीक लागल बा। आ ओह लोग के कर्जदार ऊ लोग बा. काहेकि अगर गैर-यहूदी लोग के आपन आध्यात्मिक चीजन में भागीदार बनावल गइल बा त उनकर कर्तव्य भी बा कि उ लोग शारीरिक चीजन में सेवा करे।
28 जब हम ई काम पूरा करब आ ओह लोग के एह फल पर मोहर लगा देब त हम तोहनी के रास्ता से स्पेन में आ जाईब।
29 हमरा पूरा भरोसा बा कि जब हम तोहनी के लगे आईब त मसीह के सुसमाचार के आशीष के पूरा तरीका से आईब।
30 भाई लोग, प्रभु यीशु मसीह के खातिर आ आत्मा के प्रेम खातिर हम तोहनी से निहोरा करत बानी कि तू लोग हमरा खातिर परमेश्वर से प्रार्थना में हमरा साथे संघर्ष करीं।
31 ताकि हम ओह लोग से मुक्त हो सकी जे यहूदिया में विश्वास ना करेला। आ ताकि हमार सेवा जवन यरूशलेम खातिर बा, उ पवित्र लोग के स्वीकार होखे।
32 ताकि हम परमेश्वर के इच्छा से तोहनी के पास खुशी से आ जाईं आ तोहनी के साथे तरोताजा हो सकीले।
33 अब शांति के परमेश्वर तोहनी सब के साथे रहस। आमीन के बा।

अध्याय 16 के बा

1 हम तोहके हमनी के बहिन फेबी के तारीफ करत बानी, जवन कि कंकरिया में कलीसिया के सेवक हई।
2 रउआ सभे ओकरा के प्रभु में ग्रहण करीं, जइसे कि पवित्र लोग के चाहीं आ ओकरा के जवना काम में तोहनी के जरूरत होखे, ओकरा में ओकर सहायता करीं, काहे कि ऊ बहुत लोग के सहायक रहल बाड़ी आ हमरा भी।
3 मसीह यीशु में हमार सहायक प्रिस्किला आ अकीला के अभिवादन करीं।
4 उ लोग हमरा जान खातिर आपन गरदन रखले बा, जेकरा के हम खाली ना, बल्कि गैर-यहूदी के सब कलीसिया के भी धन्यवाद देत बानी।
5 ओइसहीं ओह कलीसिया के अभिवादन करीं जवन ओह लोग के घर में बा। हमार प्रिय इपैनेटस के नमस्कार करीं, जे मसीह के अखाया के पहिला फल ह।
6 मरियम के अभिवादन करीं जे हमनी के बहुत मेहनत कइली।
7 एंड्रोनिकस आ जुनिया के नमस्कार करीं, जवन हमार रिश्तेदार आ हमार साथी कैदी हवें, जे प्रेरित लोग के बीच में उल्लेखनीय बाड़े, जे हमरा से पहिले मसीह में भी रहले।
8 प्रभु में हमार प्रिय अम्पलिया के अभिवादन करीं।
9 मसीह में हमनी के सहायक उर्बेन आ हमार प्रिय स्ताकीस के नमस्कार करीं।
10 मसीह में अनुमोदित अपेल्स के नमस्कार करीं। अरिस्टोबुलस के घर के लोग के नमस्कार करीं।
11 हमार रिश्तेदार हेरोदियोन के नमस्कार करीं। नार्सिसिज़ के घर के लोग के अभिवादन करीं जे प्रभु में बा।
12 प्रभु में मेहनत करे वाला त्रिफेना आ त्रिफोसा के नमस्कार करीं। प्रभु में बहुत मेहनत करे वाली प्रिय पर्सिस के नमस्कार करीं।
13 प्रभु में चुनल रूफस आ ओकर माई आ हमरा के नमस्कार करीं।
14 असिंक्रिटस, फ्लेगोन, हरमास, पट्रोबास, हर्मीस आ ओह भाई लोग के नमस्कार करीं।
15 फिलोलोगस, जूलिया, नेरेयस, उनकर बहिन, ओलंपस आ उनकर सब पवित्र लोग के नमस्कार करीं।
16 एक दूसरा के पवित्र चुंबन से नमस्कार करीं। मसीह के कलीसिया तोहनी के नमस्कार करत बा।
17 हे भाई लोग, हम तोहनी से निहोरा करत बानी कि, जवन लोग विभाजन आ अपराध पैदा करेला, ओकरा के चिन्हित करीं जवन तोहनी के सीखल शिक्षा के विपरीत बा। आ ओह लोग से बचे के चाहीं.
18 काहे कि अइसन लोग हमनी के प्रभु यीशु मसीह के सेवा ना करेला, बलुक अपना पेट के सेवा करेला। आ नीमन बात आ निष्पक्ष भाषण से साधारण लोग के दिल के धोखा देला।
19 काहेकि तोहनी के आज्ञाकारिता सब लोग के बीच हो गईल बा। एह से हम तोहनी से खुश बानी, लेकिन फिर भी हम चाहत बानी कि तोहनी के अच्छाई के बारे में बुद्धिमान आ बुराई के बारे में सरल होखब।
20 शांति के परमेश्वर शैतान के तोहरा गोड़ के नीचे जल्दीए कुचल दिहे। हमनी के प्रभु यीशु मसीह के कृपा तोहनी पर होखे। आमीन के बा।
21 हमार सहकर्मी तिमुथियुस, लूसियस, यासोन, सोसिपाटर, हमार रिश्तेदार, तोहके नमस्कार करत बाड़े।
22 ई पत्र लिखे वाला हम तीर्थियो प्रभु में तोहनी के नमस्कार करत बानी।
23 हमार सेना आ पूरा कलीसिया के गैयस तोहनी के नमस्कार करत बा। शहर के कोठरी इरास्टस आ भाई क्वार्तुस तोहरा के नमस्कार करत बा।
24 हमनी के प्रभु यीशु मसीह के कृपा तोहनी सब के साथे होखे। आमीन के बा।
25 जे हमरा सुसमाचार आ यीशु मसीह के प्रचार के अनुसार तोहनी के मजबूत करे के अधिकार बा, जवन रहस्य के प्रकटीकरण के अनुसार, जवन दुनिया के शुरुआत से ही गुप्त रखल गइल रहे।
26 लेकिन अब प्रगट हो गइल बा आ भविष्यवक्ता लोग के शास्त्र के द्वारा अनन्त परमेश्वर के आज्ञा के अनुसार सब राष्ट्र के विश्वास के आज्ञा के पालन करे खातिर बतावल गइल बा।
27 खाली परमेस् वर के ज्ञानी, यीशु मसीह के द्वारा हमेशा खातिर महिमा होखे। आमीन के बा। (कुरिन्थस से रोमन लोग के लिखल गइल, आ कंकरिया में कलीसिया के सेवक फेबे द्वारा भेजल गइल।)

1 कुरिन्थियों के ह

अध्याय 1 के बा

1 पौलुस, जे परमेश्वर के इच्छा से यीशु मसीह के प्रेरित बने खातिर बोलावल गइल बा, आ हमनी के भाई सोस्टेनीस।
2 कुरिन्थ के परमेश्वर के कलीसिया के, जे मसीह यीशु में पवित्र होखे खातिर बोलावल गइल बा, उ सब के साथे जे हर जगह हमनी के प्रभु यीशु मसीह के नाम के पुकारत बा, उ लोग के आ हमनी के भी।
3 हमनी के पिता परमेश्वर आ प्रभु यीशु मसीह के ओर से तोहनी पर अनुग्रह आ शांति होखे।
4 हम तोहनी खातिर हमेशा अपना परमेश्वर के धन्यवाद देत बानी, काहे कि परमेश्वर के कृपा तोहनी के यीशु मसीह के द्वारा दिहल गइल बा।
5 कि तू लोग उनकरा से हर बात में, सब बात में आ सब ज्ञान में समृद्ध हो जाइब।
6 जइसे तोहनी में मसीह के गवाही के पुष्टि भइल बा।
7 एह से तू लोग कवनो वरदान ना देके पीछे हट जाइब। हमनी के प्रभु यीशु मसीह के आवे के इंतजार करत बानी।
8 उ तोहनी के अंत तक मजबूत करी, ताकि हमनी के प्रभु यीशु मसीह के दिन में तू निर्दोष हो जाइब।
9 परमेश्वर वफादार हउवें, जेकरा द्वारा तोहनी के उनकर बेटा यीशु मसीह हमनी के प्रभु के साझीदारी खातिर बोलावल गइल बाड़ऽ।
10 भाई लोग, हम अपना प्रभु यीशु मसीह के नाम से तोहनी से निहोरा करत बानी कि तू सभे एके बात कहऽ आ तोहनी में मतभेद मत होखे। लेकिन एकही मन में आ एके बिचार में पूरा तरह से जुड़ल रहब।
11 हे भाई लोग, तोहनी के बारे में हमरा के क्लो के घराना के लोग बता देले बा कि तोहनी के बीच विवाद हो रहल बा।
12 अब हम इहे कहत बानी कि तोहनी में से हर केहू कहत बा कि हम पौलुस के हई। आ हम अपोलोस के; आ हम केफा के हईं; आ हम मसीह के हईं।
13 का मसीह बंटल बाड़े? का पौलुस के तोहरा खातिर सूली पर चढ़ावल गइल रहे? का रउवां पौलुस के नाम से बपतिस्मा लेले रहनी?
14 हम परमेश्वर के धन्यवाद देत बानी कि हम तोहनी में से केहू के बपतिस्मा ना दिहनी, सिवाय क्रिस्पस आ गैयस के।
15 कहीं ई ना कहे कि हम अपना नाम से बपतिस्मा लेले बानी।
16 हम स्टीफनास के घराना के भी बपतिस्मा देले रहनी, एकरा अलावे हम नईखी जानत कि हम कवनो दोसरा के बपतिस्मा देले बानी कि ना।
17 काहेकि मसीह हमरा के बपतिस्मा देवे खातिर ना भेजले बाड़न, बल्कि सुसमाचार के प्रचार करे खातिर भेजले बाड़न।
18 काहे कि नाश होखे वाला लोग खातिर क्रूस के प्रचार मूर्खता ह। लेकिन हमनी के जे उद्धार पावेला, ओकरा खातिर इ परमेश्वर के शक्ति ह।
19 काहेकि लिखल बा कि, "हम बुद्धिमान लोग के बुद्धि के नष्ट कर देब, आ समझदार के समझ के नाश कर देब।"
20 ज्ञानी कहाँ बा? लिपिकार कहाँ बा? कहाँ बा एह दुनिया के विवाद करे वाला? का भगवान एह संसार के बुद्धि के मूर्ख ना बनवले बाड़न?
21 काहेकि परमेश्वर के बुद्धि से दुनिया बुद्धि से परमेश्वर के ना जानत रहलन, लेकिन विश्वास करे वाला लोग के बचावे के मूर्खता से परमेश् वर के प्रसाद कइलन।
22 यहूदियन के एगो निशानी के मांग बा आ यूनानी लोग बुद्धि के खोज करेला।
23 लेकिन हमनी के मसीह के क्रूस पर चढ़ावल गइल, यहूदी लोग खातिर ठोकर आ यूनानी लोग खातिर मूर्खता के प्रचार करत बानी जा।
24 लेकिन जेकरा के बोलावल गइल बा, यहूदी आ यूनानी, मसीह परमेश्वर के शक्ति आ परमेश्वर के बुद्धि ह।
25 काहे कि परमेश्वर के मूर्खता आदमी से भी बुद्धिमान बा। आ भगवान के कमजोरी आदमी से भी मजबूत बा।
26 हे भाई लोग, तोहनी के आपन बोलावल देखत बाड़ऽ कि शरीर के हिसाब से बहुत ज्ञानी, बहुत ताकतवर, ना बहुत कुलीन लोग के ना बोलावल गइल बा।
27 लेकिन भगवान दुनिया के मूर्खतापूर्ण चीजन के चुनले बाड़न कि ऊ ज्ञानी लोग के शर्मिंदा कर सके। आ परमेस् वर दुनिया के कमजोर चीजन के चुनले बाड़न कि ऊ पराक्रमी चीजन के भ्रमित कर सके।
28 दुनिया के नीच चीज आ तुच्छ चीजन के परमेश्वर चुनले बाड़न, हँ, आ जवन नइखे, ओकरा के बेकार करे खातिर।
29 ताकि कवनो शरीर ओकरा सामने घमंड ना करे।
30 लेकिन तोहनी उनकरा से मसीह यीशु में बानी, जे परमेश्वर के द्वारा हमनी के बुद्धि, धार्मिकता, पवित्रता आ मुक्ति बनवले बानी।
31 जइसे कि लिखल बा कि, "जे घमंड करेला, उ प्रभु में घमंड करे।"

अध्याय 2 के बा

1 भाई लोग, जब हम तोहनी के लगे अइनी त तोहनी के परमेश्वर के गवाही के बारे में सुनावत ना आइल रहनी।
2 हम तय कइले बानी कि तोहनी में से ईसा मसीह आ सूली पर चढ़ावल गइला के छोड़ के कवनो बात ना जानब।
3 हम कमजोरी, डर से आ बहुत काँपत तोहरा साथे रहनी।
4 हमार बात आ प्रचार आदमी के बुद्धि के लुभावन शब्दन से ना, बलुक आत्मा आ शक्ति के प्रदर्शन में भइल।
5 ताकि तोहार विश्वास आदमी के बुद्धि में ना, बल्कि परमेश्वर के शक्ति में खड़ा होखे।
6 लेकिन हमनी के सिद्ध लोग के बीच में बुद्धि के बात कहेनी जा, फिर भी एह संसार के बुद्धि के बात ना कहेनी जा, ना ही एह दुनिया के राजकुमारन के बुद्धि के बात ना।
7 लेकिन हमनी के एगो रहस्य में परमेश्वर के बुद्धि के बात कहत बानी जा, उहे छिपल बुद्धि जवन परमेश्वर हमनी के महिमा खातिर दुनिया के सामने रखले रहले।
8 ई दुनिया के कवनो राजकुमार के ना मालूम रहे काहे कि अगर उ लोग एकरा के जानत रहित त महिमा के प्रभु के सूली पर ना चढ़वले रहते।
9 लेकिन जइसन कि लिखल बा कि, "आइख ना देखले बा, ना कान सुनले बा, ना आदमी के दिल में घुसल बा, जवन परमेश्वर ओकरा से प्रेम करे वाला लोग खातिर तैयार कईले बाड़े।"

10 लेकिन परमेश्वर अपना आत्मा के द्वारा हमनी के सामने उ लोग के प्रगट कईले बाड़े, काहेकि आत्मा सब कुछ, हँ, परमेश्वर के गहिराह बात के जांच करेला।
11 काहेकि आदमी के बात के के जानेला, सिवाय आदमी के आत्मा के जवन ओकरा में बा? ओइसहीं परमेश्वर के बात केहू के ना जानेला, सिवाय परमेश्वर के आत्मा के।
12 अब हमनी के दुनिया के आत्मा ना, बल्कि उ आत्मा मिलल बा जवन परमेश्वर के ह। ताकि हमनी के उ चीज के जान सकीले जवन परमेश्वर हमनी के मुफ्त में देले बाड़े।
13 हमनी के इ बात उ शब्दन से ना कहत बानी जा जवन आदमी के बुद्धि सिखावेला, बल्कि पवित्र आत्मा के सिखावेला। आध्यात्मिक चीजन के तुलना आध्यात्मिक चीजन से कइल।
14 लेकिन स्वाभाविक आदमी परमेश्वर के आत्मा के बात ना ग्रहण करेला, काहेकि उ ओकरा खातिर मूर्खता ह, ना ही उ ओकरा के जान सकेला, काहे कि उ आध्यात्मिक रूप से समझल जाला।
15 लेकिन जे आध्यात्मिक बा, उ सब बात के न्याय करेला, लेकिन उ खुद केहु के ओर से न्याय नईखे करत।
16 प्रभु के मन के के जानत बा कि उ ओकरा के सिखावे? लेकिन हमनी के मन मसीह के बा।

अध्याय 3 के बा

1 भाई लोग, हम तोहनी से आध्यात्मिक के रूप में ना बोल पवनी, बलुक शारीरिक लोग के रूप में, मसीह में शिशु के रूप में बोल सकत रहनी।
2 हम तोहनी के दूध से खियावत बानी, ना कि भोजन से, काहेकि अब तक तोहनी के सहन ना हो पावल आ अब तक तू लोग ना सह पावत रहलू।
3 काहेकि तू लोग अभी भी शारीरिक बानी, काहेकि तोहनी के बीच ईर्ष्या, झगड़ा आ बंटवारा बा, का तू लोग शारीरिक ना हईं आ आदमी निहन चलत बानी?
4 जब तक केहू कहेला कि हम पौलुस के हई। आ एगो अउरी, “हम अपोलोस के हईं; का तू शारीरिक नइखऽ?
5 त पौलुस के हवें आ अपोलोस के हवें, बलुक सेवक हवें जिनका से तू लोग बिसवास कइले रहलू, जइसे कि प्रभु हर आदमी के देले रहलन?
6 हम रोपले बानी, अपोलोस पानी देले बानी। बाकिर भगवान बढ़ा दिहले.
7 त ना त रोपे वाला आ ना पानी देवे वाला ह। लेकिन बढ़न्ती देवे वाला भगवान।
8 रोपे वाला आ पानी देवे वाला एके ह, आ हर आदमी के आपन मेहनत के हिसाब से आपन इनाम मिली।
9 हमनी के परमेश्वर के साथे मजदूर हईं जा, तू लोग परमेश्वर के खेती हउअ, तू परमेश्वर के निर्माण हउअ।
10 हम एगो बुद्धिमान मास्टर बिल्डर के रूप में परमेश्वर के अनुग्रह के अनुसार नींव रखले बानी अउर दूसर ओकरा पर निर्माण करेला। लेकिन हर केहू ध्यान राखे कि उ ओकरा प कइसे निर्माण करेला।
11 काहेकि नींव रखल नींव के अलावा केहू दोसर नींव ना रख सकेला, जवन कि यीशु मसीह ह।
12 अगर केहू एह नींव पर सोना, चाँदी, कीमती पत्थर, लकड़ी, घास, ठूंठ के निर्माण करी।
13 हर आदमी के काम प्रगट हो जाई, काहेकि उ दिन बताई, काहेकि उ आग से प्रगट होई। आ आग हर आदमी के काम के परीक्षण करी कि ऊ कवना तरह के काम ह.
14 अगर केहू के काम जवन ओकरा पर बनवले बा, ओकरा के इनाम मिल जाई।
15 अगर केहू के काम जरा दिहल जाई त ओकरा नुकसान होई, लेकिन उ खुद उद्धार हो जाई। तबो अइसने जइसे आग से।
16 का रउवां नइख जानत कि रउवां परमेश्वर के मंदिर हईं अउर परमेश्वर के आत्मा रउवां में बसल बा?
17 अगर केहू परमेश्वर के मंदिर के अशुद्ध करी त ओकरा के भगवान नष्ट कर दिहे। काहेकि परमेश्वर के मंदिर पवित्र ह, जवन मंदिर हउअ।
18 केहू अपना के धोखा ना देवे। अगर तोहनी में से केहू एह संसार में बुद्धिमान बुझाला त ऊ मूर्ख बन जाव, ताकि ऊ बुद्धिमान हो सके।
19 काहेकि एह संसार के बुद्धि परमेश् वर के नजर में मूर्खता ह। काहे कि लिखल बा कि ऊ ज्ञानी लोग के अपना चालबाजी में ले लेला।
20 आ फेर, “प्रभु ज्ञानी लोग के विचार के जानत हउवें कि उ व्यर्थ ह।”
21 एह से केहू आदमी के घमंड ना करे। काहे कि सब कुछ तोहार ह।
22 चाहे पौलुस, अपोलोस, काफा, या दुनिया, या जीवन, या मौत, या वर्तमान चीज या आवे वाला चीज। सब तोहार हउवें;
23 आ तू मसीह के हईं। आ मसीह भगवान के हवें।

अध्याय 4 के बा

1 केहू हमनी के मसीह के सेवक आ परमेश्वर के रहस्य के भण्डारी के रूप में मान लेव।
2 भण्डारी लोग में इ जरूरी बा कि आदमी के वफादार पावल जाव।
3 लेकिन हमरा खातिर ई बहुत छोट बात बा कि हम तोहनी से, या आदमी के न्याय से, हम अपना के न्याय ना करेनी।
4 काहेकि हम अपना से कुछ नइखी जानत। तबो हम एही से धर्मी नइखी मानत, लेकिन जे हमरा पर न्याय करेला उ प्रभु हवे।
5 एह से समय से पहिले कवनो बात के न्याय मत करीं, जब तक कि प्रभु ना अइहें, जे अन्हार के छिपल बातन के उजागर करीहें आ दिल के सलाह के प्रकट करीहें, तब हर आदमी के परमेश्वर के स्तुति होई।
6 भाई लोग, ई सब बात हम तोहनी खातिर अपना आ अपोलोस के आकृति में बदल देले बानी। ताकि तू लोग हमनी में ई सीख सकी कि लिखल बात से अधिका आदमी के बारे में ना सोचे के चाहीं कि तोहनी में से केहू एक दूसरा के खिलाफ बड़ाई मत होखे।
7 काहे कि तोहरा के दोसरा से अलगा के बनावेला? आ तोहरा लगे का बा जवन तोहरा ना मिलल? अब अगर तू एकरा के पा लिहले त तू काहे घमंड करत बाड़ू जइसे कि तू ओकरा के ना मिलल होखे?
8 अब तू लोग पेट भर गइल बाड़ऽ, अब तू लोग अमीर हो गइल बाड़ऽ, हमनी के बिना राजा बन के राज कइले बाड़ऽ।

9 काहेकि हमरा लागत बा कि परमेश्वर हमनी के प्रेरित लोग के मौत खातिर तय कइले बाड़न, काहे कि हमनी के दुनिया, स्वर्गदूत आ आदमी खातिर तमाशा बन गइल बानी जा।
10 हमनी के मसीह के खातिर मूर्ख हईं जा, लेकिन तू मसीह में बुद्धिमान हईं। हमनी के कमजोर बानी जा, लेकिन तू लोग मजबूत बाड़ू। तू लोग आदरणीय बाड़ू, लेकिन हमनी के तिरस्कृत बानी जा।
11 आज तक हमनी के भूख, प्यास, नंगा बानी, मारपीट बा, आ हमनी के कवनो निश्चित निवास स्थान नईखे।
12 हमनी के अपना हाथ से काम करत मेहनत करत बानी जा। हमनी के सतावल जाला, हमनी के एकर कष्ट उठावेनी जा।
13 हमनी के बदनाम होके निहोरा करत बानी जा, हमनी के दुनिया के गंदगी निहन बनावल गईल बानी जा अवुरी आज तक सभ चीज़ के गंदगी बनल बानी।
14 हम ई बात तोहनी के शर्मसार करे खातिर ना लिखत बानी, बलुक हम अपना प्रिय बेटा के रूप में तोहनी के चेतावत बानी।
15 भले ही तोहनी के मसीह में दस हजार प्रशिक्षक बाड़े, लेकिन तोहनी के बहुत पिता नईखन, काहेकि हम तोहनी के सुसमाचार के द्वारा मसीह यीशु में जनमले बानी।
16 एही से हम तोहसे से निहोरा करत बानी कि तू हमार अनुयायी बनीं।
17 एही से हम तीमुथियुस के तोहनी के लगे भेजले बानी, जे हमार प्रिय बेटा हउवें आ प्रभु में विश्वासी हउवें, जे तोहनी के मसीह में रहला के रास्ता के याद दिहे, जइसे कि हम हर कलीसिया में हर जगह सिखावत बानी।
18 अब कुछ लोग अईसन उड़त बाड़े कि हम तोहरा लगे ना आवे के चाहत बानी।
19 अगर प्रभु चाहसु त हम तोहनी के लगे जल्दीए आ जाईब आ उड़बड़ वाला लोग के बात ना, बलुक ताकत के बारे में जानब।
20 काहेकि परमेश्वर के राज्य वचन से ना, बलुक शक्ति से होला।
21 तू का चाहत बाड़ू? का हम तोहनी के लगे लाठी लेके आईब कि प्रेम से आ नम्रता के आत्मा से?

अध्याय 5 के बा

1 आम बात कहल जाला कि तोहनी में व्यभिचार हो रहल बा आ गैर-यहूदी लोग के बीच अइसन व्यभिचार के नाम नइखे रखल गइल बा कि केहू के अपना पिता के मेहरारू हो सकेला।
2 तोहनी के बड़ाई हो गइल बाड़ऽ आउर शोक नइखी कइल कि जे ई काम कइले बा ओकरा के तोहनी के बीच से हटा दिहल जा सके।
3 काहेकि हम शरीर में अनुपस्थित बानी, लेकिन आत् मा में मौजूद बानी, उ आदमी के बारे में पहिले से ही न्याय कईले बानी जईसे हम मौजूद बानी।
4 हमनी के प्रभु यीशु मसीह के नाम से जब तू लोग आ हमार आत्मा हमनी के प्रभु यीशु मसीह के शक्ति से एकट्ठा होखब।
5 अइसन आदमी के शरीर के नाश खातिर शैतान के सौंप दिहल जाव ताकि प्रभु यीशु के दिन में आत्मा के उद्धार हो सके।
6 तोहार घमंड नीमन नइखे। का तू नइख जानत कि तनी खमीर से पूरा गांठ खमीर हो जाला?
7 एह से पुरनका खमीर के शुद्ध करऽ ताकि तू लोग अखमीरी के जइसन नया गांठ बन जाइब। काहेकि मसीह हमनी के फसह के बलिदान हमनी खातिर चढ़ावल गइल बा।
8 एह से हमनी के भोज के मनावे के चाहीं, ना पुरान खमीर से, ना दुर्भावना आ दुष्टता के खमीर से। लेकिन ईमानदारी आ सच्चाई के अखमीरी रोटी के साथे।
9 हम तोहनी के एगो पत्र में लिखले बानी कि व्यभिचारी लोग के संगति मत करीं।
10 तबो पूरा तरह से एह संसार के व्यभिचारी लोग के साथे ना, ना लोभी लोग के साथे, ना रंगदारन के साथे, या मूर्तिपूजक लोग के साथे ना। काहे कि तब तोहनी के दुनिया से बाहर निकले के जरूरत बा।
11 लेकिन अब हम तोहनी के लिखले बानी कि अगर केहु के भाई कहल जाला, उ व्यभिचारी, लोभी, मूर्तिपूजक, निंदा करेवाला, शराबी, चाहे लूटपाट करेवाला होखे त संगत मत करीं। अइसन एक के साथ ना ना खाए के।
12 बाहर के लोग के भी न्याय करे खातिर हमरा का करे के बा? का तू लोग भीतर के लोग के न्याय ना करेनी?
13 लेकिन जे परमेश्वर से बाहर बा, उ लोग न्याय करेला। एह से ओह दुष्ट के आपस में से दूर कर दऽ।

अध्याय 6 के बा

1 तोहनी में से केहू के हिम्मत बा कि उ दोसरा से कवनो मामला में अधर्मी लोग के सामने कानून के सोझा जाए के बा, ना कि पवित्र लोग के सोझा?
2 का रउवां नइख जानत कि संत लोग दुनिया के न्याय करीहें? आ अगर दुनिया के न्याय तोहनी से होई त का तू छोट से छोट बात के न्याय करे के अयोग्य बाड़ू?
3 का रउवां नइख जानत कि हमनी के स्वर्गदूतन के न्याय करब जा? केतना अउरी बात जवन एह जीवन से संबंधित बा?
4 अगर तोहनी के एह जीवन के बारे में फैसला बा त ओह लोग के फैसला करे खातिर रख दीं कि कलीसिया में सबसे कम आदर वाला लोग बा।
5 हम तोहरा शर्म के बात करत बानी। का अइसन बा कि तोहनी में कवनो ज्ञानी आदमी नइखे? ना, अइसन ना जे अपना भाई लोग के बीच न्याय कर सके?
6 लेकिन भाई भाई के साथे कानून के बात करेला, आ उ अविश्वासी लोग के सामने।
7 अब तोहनी में एकदम दोष बा, काहेकि तू लोग एक दूसरा से कानून के बात करेनी। तूँ गलत काहे ना लेत बाड़ऽ? काहे ना तू लोग अपना के धोखा देवे के चाहीं?
8 ना, तू लोग गलत काम करत बाड़ऽ, आ धोखा देत बाड़ऽ, आ कि तोहार भाई लोग।
9 का रउवां नइख जानत कि अधर्मी लोग के परमेश्वर के राज्य के उत्तराधिकार ना मिली? धोखा मत खाईं, ना व्यभिचारी, ना मूर्तिपूजक, ना व्यभिचारी, ना स्त्रीलिंग, ना मनुष्य के साथे अपना के दुर्व्यवहार करे वाला।
10 ना चोर, ना लोभी, ना शराबी, ना गारी देवे वाला, ना लुटेरा, भगवान के राज्य के उत्तराधिकारी ना होईहे।
11 तोहनी में से कुछ लोग अइसने रहलन, लेकिन तू लोग धोआ गइल बाड़ऽ, लेकिन पवित्र हो गइल बाड़ऽ, लेकिन प्रभु यीशु के नाम से आ हमनी के परमेश्वर के आत्मा के द्वारा तू लोग के धर्मी ठहरावल गइल बाड़ऽ।

12 हमरा खातिर सब कुछ जायज बा, लेकिन सब कुछ ठीक नइखे, हमरा खातिर सब कुछ जायज बा, लेकिन हमरा के केहू के अधिकार में ना ले आवल जाई।
13 पेट खातिर भोजन, आ पेट भोजन खातिर, लेकिन भगवान ओकरा के आ ओकरा दुनो के नाश क दिहे। अब देह व्यभिचार खातिर ना, प्रभु खातिर ह। आ देह खातिर प्रभु के।
14 परमेस् वर प्रभु के जिंदा कइले बाड़न आ अपना शक्ति से हमनी के जिंदा भी करीहें।
15 का तू नइख जानत कि तोहनी के देह मसीह के अंग ह? तब का हम मसीह के अंग के लेके वेश्या के अंग बना लेब? भगवान ना करस।
16 का बा? तू लोग नइखऽ जानत कि वेश्या से जुड़ल एक शरीर ह? काहे कि दू गो, ऊ कहत बाड़न कि एक शरीर होखीहें.
17 लेकिन जे प्रभु से जुड़ल बा, उ एके आत्मा ह।
18 व्यभिचार से भाग जा। आदमी के हर पाप शरीर से बाहर होला। लेकिन जे व्यभिचार करेला उ अपना शरीर के खिलाफ पाप करेला।
19 का बा? तू नइखऽ जानत कि तोहनी के शरीर पवित्र आत्मा के मंदिर ह जवन तोहनी में बा, जवन तोहनी के परमेश्वर के ओर से बा, अउर तू आपन ना हईं?
20 काहेकि तोहनी के दाम से खरीदल गइल बाड़ऽ, एही से अपना शरीर आ आत्मा में परमेश्वर के महिमा करीं, जवन परमेश्वर के ह।

अध्याय 7 के बा

1 अब जवना बातन के बारे में तू हमरा के लिखले रहलू, ओकरा बारे में बढ़िया बा कि मरद मेहरारू के ना छूवे।
2 एकरा बावजूद व्यभिचार से बचे खातिर हर आदमी के आपन मेहरारू होखे आ हर मेहरारू के आपन पति होखे।
3 पति पत्नी के उचित उपकार करस, आ पत्नी भी पति के प्रति उचित उपकार करस।
4 मेहरारू के अपना शरीर से अधिकार ना होला, बलुक पति के अधिकार होला आ ओइसहीं पति के भी अपना शरीर पर अधिकार ना होला, बलुक मेहरारू के होला।
5 एक दूसरा के धोखा मत दीं, जब तक कि कुछ समय खातिर सहमति से ना होखे, ताकि तू लोग अपना के उपवास आ प्रार्थना में समर्पित कर सकी। आ फेर एकजुट हो जाइब कि शैतान तोहनी के असंयम के चलते ना परीक्षा लेव।
6 लेकिन हम इ बात आज्ञा से ना कहत बानी।
7 हम चाहत बानी कि सब लोग हमरा जइसन होखे। लेकिन हर आदमी के भगवान के आपन उचित वरदान बा, एक एही तरीका से आ दूसरा के बाद।
8 हम अविवाहित आ विधवा लोग से कहत बानी कि अगर उ लोग हमरा निहन टिकल रहस त उ लोग खातिर बढ़िया होई।
9 लेकिन अगर उ लोग के संयम ना हो पावेला त बियाह करस, काहेकि जरे से बियाह कईल निमन बा।
10 बियाहल लोग के हम आज्ञा देत बानी, लेकिन हम ना, बल्कि प्रभु के आज्ञा देत बानी कि पत्नी के अपना पति से दूर मत होखे के चाही।
11 लेकिन अगर उ चल गईल त उ अविवाहित रहस, चाहे अपना पति से मेल मिलाप कर लेव।
12 बाकी लोग से हम प्रभु ना कहत बानी कि अगर कवनो भाई के पत्नी विश्वास ना करेले अवुरी उनुका संगे रहे के मन करे त उ ओकरा के ना छोड़े।
13 जवना मेहरारू के पति विश्वास ना करे आ अगर ओकरा संगे रहे के मन करे त ओकरा के ना छोड़े।
14 काहेकि अविश्वासी पति के पत्नी के द्वारा पवित्र कइल जाला आ अविश्वासी पत्नी के पति के द्वारा पवित्र कइल जाला। लेकिन अब उ लोग पवित्र हो गईल बाड़े।
15 लेकिन अगर अविश्वासी चल गईल त उ चल जाए। अइसना में कवनो भाई भा बहिन बंधन में ना होला, लेकिन भगवान हमनी के शांति खातिर बोलवले बाड़े।
16 हे पत्नी, तू का जानत बाड़ू कि तू अपना पति के बचाईब कि ना? हे आदमी, तू कइसे जानत बाड़ू कि तू अपना मेहरारू के बचाईब कि ना?
17 जइसे परमेश्वर हर आदमी के बाँटले बाड़न, जइसे प्रभु हर केहू के बोलवले बाड़न, ओइसहीं चले के चाहीं। आ एही तरे हम सभ कलीसिया में नियुक्ति करत बानी।
18 का केहू के खतना करावे खातिर बोलावल गइल बा? उ खतना ना होखे। का केहू के खतना ना करे में बोलावल गइल बा? ओकर खतना ना होखे।
19 खतना कुछुओ ना ह आ खतना ना होखल कुछुओ ना ह, बल्कि परमेश्वर के आज्ञा के पालन कईल ह।
20 हर केहू उहे बोलावल जाव जवना के बोलावल गइल रहे।
21 का तू सेवक होके बोलावल गइल बाड़ऽ? एकर परवाह मत करीं, लेकिन अगर तू आजाद हो जाइब त एकर इस्तेमाल करीं।
22 काहेकि जे प्रभु में बोलावल गइल बा, उ सेवक होके प्रभु के स्वतंत्र आदमी ह।
23 तोहनी के दाम से खरीदल गइल बाड़ऽ। तू लोग आदमी के सेवक मत बनऽ।
24 भाई लोग, हर आदमी जवना के बोलावल गइल बा, उहे में परमेश्वर के साथे रहे।
25 कुंवारी लोग के बारे में हमरा लगे प्रभु के कवनो आज्ञा नईखे, लेकिन हम आपन न्याय ओसही देत बानी, जईसे कि प्रभु के दया मिलल बा कि उ विश्वासी होखे।
26 एह से हम कहत बानी कि आदमी के अईसन होखल अच्छा बा।
27 का तू मेहरारू से बान्हल बाड़ऽ? ढीला ना होखे के कोशिश करीं। का तू मेहरारू से ढीला हो गइल बाड़ऽ? मेहरारू के खोज ना करीं।
28 लेकिन अगर तू बियाह कर लिहऽ त तू पाप नइखऽ कइले बाड़ऽ। आ अगर कवनो कुंवारी बियाह कर लेव त ऊ पाप नइखे कइले. फिर भी अइसन लोग के शरीर में परेशानी होई, लेकिन हम तोहनी के बख्शत बानी।
29 भाई लोग, हम ई कहत बानी कि समय कम बा, अब बाकी बा कि जेकरा मेहरारू लोग के मेहरारू नइखे, उ लोग के पत्नी जइसन होखे।
30 रोवे वाला लोग जइसे रोवत नइखे। जे लोग खुश बा, उ लोग जइसे खुश ना होखे। खरीदे वाला लोग जइसे कि ओकरा लगे कवनो संपत्ति ना होखे।
31 आउर जे लोग एह दुनिया के इस्तेमाल करेला, उ लोग एकरा के दुरुपयोग ना करेला, काहेकि एह दुनिया के फैशन खतम हो जाला।

32 लेकिन हम तोहरा के बिना कवनो सावधानी के चाहत बानी। जे अविवाहित बा, उ प्रभु के चीजन के चिंता करेला कि उ प्रभु के कइसे खुश कर सके।
33 लेकिन जे बियाहल बा, उ दुनिया के चीजन के चिंता करेला ताकि उ अपना पत्नी के कइसे खुश कर सके।
34 पत्नी आ कुंवारी में भी अंतर होला। अविवाहित औरत प्रभु के बात के चिंता करेले ताकि उ शरीर अवुरी आत्मा दुनो में पवित्र होखे, लेकिन बियाहल महिला दुनिया के चीज़ के चिंता करेले, ताकि उ अपना पति के कइसे खुश कर सके।
35 ई बात हम तोहनी के फायदा खातिर कहत बानी। एह से ना कि हम तोहनी पर जाल डाल सकीले, बलुक एह खातिर कि जवन बढ़िया बा, ओकरा खातिर कि तू लोग बिना कवनो विकर्षण के प्रभु के सेवा कर सकीले।
36 लेकिन अगर केहू के लागत बा कि उ अपना कुंवारी के प्रति अयोग्य व्यवहार करेला, अगर उ अपना उम्र के फूल से गुजर गईल अवुरी ओकरा के जरूरत पड़ल त उ जवन मन करे, उ पाप ना करे, उ बियाह करे।
37 फिर भी जे अपना मन में अडिग बा आ ओकरा कवनो जरुरत नइखे, बलुक ओकरा अपना मर्जी पर अधिकार बा आ ओकरा मन में अतना फैसला बा कि ऊ अपना कुंवारी के राखे, ऊ भलाई करेला।
38 एही से जे ओकरा के बियाह देवेला, उ भलाई करेला। लेकिन जे ओकरा के बियाह में ना देवे, उ एकरा से निमन काम करेला।
39 पत्नी जब तक ओकर पति जिंदा रहेला, तब तक कानून के पालन से बान्हल रहेले। बाकिर अगर ओकर पति मर गइल बा त ओकरा के बियाह करे के आजादी बा जेकरा से ऊ चाहत होखे. खाली प्रभु में ही बा।
40 लेकिन अगर उ हमरा फैसला के बाद अईसन टिकल रही त उ अवुरी खुश होईहे, अवुरी हम इहो सोचतानी कि हमरा में परमेश्वर के आत्मा बा।

अध्याय 8 के बा

1 मूर्ति के चढ़ावल चीज के बारे में हमनी के जानत बानी जा कि हमनी के सब केहू के ज्ञान बा। ज्ञान फुलावेला, लेकिन दान संस्कारित करेला।
2 अगर केहू के लागत बा कि उ कवनो बात जानत बा त ओकरा अभी तक कुछुओ नईखे मालूम, जईसे ओकरा जाने के चाही।
3 लेकिन अगर केहू परमेश्वर से प्रेम करेला त उहे जान जाला।
4 मूर्ति के बलि में चढ़ावल चीज के खाए के बारे में हमनी के जानत बानी जा कि मूर्ति दुनिया में कुछुओ ना ह अवुरी एक के अलावे दोसर केहु भगवान नईखन।
5 भले ही स्वर्ग में चाहे धरती में देवता कहल जाए वाला लोग होखस, जइसे कि बहुत देवता आ प्रभु बहुत बाड़े।
6 लेकिन हमनी खातिर एके गो परमेश्वर बाप, जेकरा से सब कुछ बा आ हमनी के उनकरा में बानी जा। आ एगो प्रभु यीशु मसीह, जेकरा द्वारा सब कुछ बा आ हमनी के उनकरा द्वारा।
7 लेकिन हर आदमी में ज्ञान नइखे, काहेकि कुछ लोग मूर्ति के विवेक से आज तक मूर्ति के चढ़ावल चीज के रूप में खात बा। आ उनकर अंतरात्मा कमजोर होखला के चलते अशुद्ध हो जाला।
8 लेकिन भोजन हमनी के भगवान के सामने ना देवेला, काहेकि हमनी के खाना खात भी हमनी के बेहतर ना होखब जा। ना त अगर हमनी के ना खाईं जा त हमनी के खराब होखब जा।
9 लेकिन सावधान रहऽ कि तोहार ई आजादी कवनो तरह से कमजोर लोग खातिर ठोकर ना बन जाव।
10 अगर केहू तोहरा के ज्ञान वाला मूर्ति के मंदिर में खाना खात देखले त कमजोर आदमी के विवेक के हिम्मत ना मिली कि उ मूर्ति के चढ़ावल चीज़ खाए।
11 तोहरा ज्ञान से ऊ कमजोर भाई नाश हो जाई, जेकरा खातिर मसीह मरल रहले?
12 जब तू लोग भाई लोग के खिलाफ अईसन पाप करऽ आ ओह लोग के कमजोर विवेक के घाव देब त मसीह के खिलाफ पाप करऽ।
13 एही से अगर भोजन से हमरा भाई के दोषी ठहरावल जा सकेला त हम दुनिया के खड़ा होखे तक मांस ना खइब, ताकि हम अपना भाई के दोषी मत पैदा कर देब।

अध्याय 9 के बा

1 का हम प्रेरित ना हईं? का हम आजाद नइखीं? का हम अपना प्रभु यीशु मसीह के नइखीं देखले? का तू लोग प्रभु में हमार काम नइखऽ?
2 अगर हम दोसरा के प्रेरित ना हईं त निस्संदेह हम तोहनी खातिर हईं काहे कि हमरा प्रेरित होखे के मुहर तू लोग प्रभु में बाड़ऽ।
3 हमरा के परखत लोग के हमार जवाब इहे बा।
4 का हमनी के खाए-पीये के अधिकार नइखे?
5 का हमनी के कवनो बहिन, पत्नी, आउर प्रेरित लोग आ प्रभु के भाई आ केफा के रूप में घूमे के अधिकार नइखे?
6 का खाली हम आ बरनबास के काम ना करे के अधिकार नइखे?
7 के कबो भी अपना आरोप से युद्ध में जाला? के अंगूर के बगइचा लगा के ओकर फल ना खाला? भा के झुंड के चरवावेला आ झुंड के दूध ना खाला?
8 हम आदमी के रूप में इ बात कहत बानी? का व्यवस्था भी उहे नइखे कहत?
9 काहेकि मूसा के नियम में लिखल बा कि, तू जवन बैल धान के रौंदत बा ओकरा मुँह के थूथन मत लगाईं। का भगवान बैल के देखभाल करेले?
10 या उ हमनी के खातिर एकदम से कहत बाड़े? हमनी के खातिर, निस्संदेह, इ लिखल बा कि जो जोतला उ आशा में जोत। आ जे आशा में कुटत बा ऊ ओकर आशा के हिस्सा होखे।
11 अगर हमनी के तोहनी खातिर आध्यात्मिक चीजन के बोइले बानी जा त का ई बड़ बात बा कि अगर हमनी के तोहनी के शारीरिक चीज के फसल काटब जा?
12 अगर दोसरो लोग तोहनी पर एह अधिकार के भागीदार बा त का हमनी के एकरा से बढ़िया ना? एकरा बावजूद हमनी के एह शक्ति के इस्तेमाल नइखीं कइले; लेकिन सब कुछ कष्ट उठाईं, ताकि हमनी के मसीह के सुसमाचार में बाधा ना आवे।
13 का रउवां नइख जानत कि पवित्र चीजन के सेवा करे वाला लोग मंदिर के चीजन से जिएला? आ वेदी पर इंतजार करे वाला लोग वेदी के भागीदार हवें?
14 एही तरह से प्रभु तय कइले बाड़न कि सुसमाचार के प्रचार करे वाला लोग सुसमाचार से जिए के चाहीं।
15 लेकिन हम एह में से कवनो बात के इस्तेमाल नईखी कईले अवुरी ना हम इ बात लिखले बानी कि हमरा संगे अयीसन होखे,

काहेंकी हमरा मरला से निमन होई कि केहु हमार घमंड के शून्य क देवे।
16 हम भले सुसमाचार के प्रचार करब, लेकिन हमरा कवनो गौरव करे के नइखे, काहे कि हमरा पर जरुरत पड़ल बा। हँ, हमरा खातिर हाय, अगर हम सुसमाचार के प्रचार ना करब!
17 अगर हम इ काम मन से करब त हमरा इनाम मिलेला, लेकिन अगर हमरा इच्छा के खिलाफ होखे त सुसमाचार के प्रावधान हमरा के सौंपल गईल बा।
18 तब हमार इनाम का बा? सचहूं कि जब हम सुसमाचार के प्रचार करब त बिना कवनो आरोप के मसीह के सुसमाचार दे सकीले ताकि हम सुसमाचार में आपन शक्ति के दुरुपयोग मत करीं।
19 भले हम सब लोग से मुक्त बानी, लेकिन हम अपना के सभके सेवक बना लेले बानी ताकि हम अउरी फायदा उठा सकीले।
20 यहूदी लोग खातिर हम यहूदी निहन हो गईनी ताकि हम यहूदी लोग के फायदा उठा सकी। जे लोग व्यवस्था के अधीन बा, ओइसहीं व्यवस्था के अधीन बा, ताकि हम व्यवस्था के अधीन लोग के फायदा उठा सकीले।
21 जे लोग बिना व्यवस्था के बा, उ लोग के बिना कानून के जइसन, (परमेशवर के कानून से रहित ना होके मसीह के व्यवस्था के अधीन बानी) ताकि हम बिना कानून के लोग के फायदा उठा सकीले।
22 कमजोर लोग खातिर हम कमजोर निहन हो गईनी, ताकि हम कमजोर के फायदा उठा सकी।
23 हम ई काम सुसमाचार के खातिर करत बानी कि हम तोहनी के साथे ओकर हिस्सा बन सकीले।
24 का रउवां नइख जानत कि दौड़ में दौड़त लोग सब दौड़त बा, लेकिन एक आदमी के इनाम मिलेला? एही से दौड़ऽ कि तोहनी के मिल सके।
25 आ हर आदमी जे प्रभुत्व खातिर झगड़ा करेला ऊ सब काम में संयमी होला। अब ऊ लोग ई काम नाशवान मुकुट पावे खातिर करेला; लेकिन हमनी के एगो अविनाशी।
26 एही से हम ओतना अनिश्चितता से ना भागत बानी। त हम लड़त बानी, हवा के पीटे वाला जइसन ना।
27 लेकिन हम अपना देह के नीचे राखेनी अवुरी ओकरा के अपना अधीन क देनी, ताकि जब हम दोसरा के प्रचार क देनी त हम खुद कवनो तरह से भटकल ना होखब।

अध्याय 10 के बा

1 भाई लोग, हम नइखी चाहत कि तू लोग एह बात से अनजान होखब कि हमनी के सब पुरखन बादल के नीचे रहलन आ सब लोग समुंदर से गुजरत रहलन।
2 सब लोग बादल आ समुंदर में मूसा के बपतिस्मा लिहले।
3 सब लोग एके जइसन आध्यात्मिक भोजन खइले।
4 सब लोग एके गो आध्यात्मिक पेय पीयत रहले, काहेकि उ लोग ओह आध्यात्मिक चट्टान से पीयत रहले जवन उनकरा पीछे चलत रहे, आ उ चट्टान मसीह रहले।
5 लेकिन उ लोग में से बहुत लोग से परमेस् वर खुश ना भईले, काहेकि उ लोग जंगल में उखाड़ गईल रहले।
6 इ सब हमनी के उदाहरण रहे कि हमनी के बुराई के लालसा ना होखे, जईसे कि उ लोग भी चाहत रहले।
7 आ तू लोग मूर्तिपूजक मत बनीं, जइसे कि कुछ लोग रहले। जइसे कि लिखल बा कि, लोग खाए-पीये बइठल आ खेले खातिर उठल।
8 आ हमनी के व्यभिचार ना करे के चाहीं जइसे कि कुछ लोग एक दिन में तीन बीस हजार लोग के मौत हो गइल।
9 हमनी के भी मसीह के परीक्षा ना देवे के चाहीं, जइसे कि ओह लोग में से कुछ लोग साँप से नाश हो गइल रहे।
10 आउर गुनगुनाह, जइसे कि कुछ लोग गुनगुनात रहले आ नाश करे वाला से नाश हो गइल रहले।
11 ई सब बात उनकरा साथे उदाहरण खातिर भइल आ ई सब हमनी के सलाह खातिर लिखल गइल बा, जेकरा पर दुनिया के अंत आ गइल बा।
12 एही से जे सोचत बा कि ऊ खड़ा बा, ऊ सावधान रहे कि कहीं ऊ गिर मत जाव.
13 तोहनी के कवनो परीक्षा नइखे आइल, सिवाय आदमी के सामान्य परीक्षा के, लेकिन परमेश्वर वफादार हवें, जे तोहनी के परीक्षा में ना आवे दिहे। लेकिन परीक्षा के साथे भागे के रास्ता भी बनाई, ताकि तू लोग ओकरा के सहन कर सकी।
14 एह से हे हमार प्रियजन, मूर्तिपूजा से भाग जा।
15 हम बुद्धिमान लोग के जइसन बोलत बानी। हम जवन कहत बानी ओकर न्याय करीं।
16 आशीष के प्याला जवना के हमनी के आशीष देत बानी जा, का उ मसीह के खून के साझीदारी ना ह? जवन रोटी हमनी के तोड़ेनी जा, उ मसीह के शरीर के साझीदारी ना ह?
17 हमनी के बहुत होके एके रोटी आ एके शरीर हईं जा, काहेकि हमनी के सब केहू एके रोटी के हिस्सा हईं जा।
18 इस्राएल के शरीर के हिसाब से देखऽ, का बलिदान के खाए वाला लोग वेदी के हिस्सा ना हऽ?
19 तब हम का कहत बानी? कि मूर्ति कवनो चीज ह, भा मूर्ति के बलि में चढ़ावल कवनो चीज ह?
20 लेकिन हम कहत बानी कि जवन चीज गैर-यहूदी लोग बलिदान देवेले, उ लोग शैतान के बलिदान देवेले, लेकिन परमेश्वर के ना, लेकिन हम इ ना चाहत रहनी कि तू लोग शैतान के संगे संगत होखे।
21 तू लोग प्रभु के प्याला आ शैतान के प्याला ना पी सकेनी, प्रभु के मेज आ शैतान के मेज के भागीदार ना हो सकेनी।
22 का हमनी के प्रभु के ईर्ष्या करेनी जा? का हमनी के ओकरा से मजबूत बानी जा?
23 हमरा खातिर सब कुछ उचित बा, लेकिन सब कुछ उचित नइखे, हमरा खातिर सब कुछ जायज बा, लेकिन सब कुछ बढ़ा ना देला।
24 केहू आपन धन ना खोजे, बलुक दोसरा के धन खोजे।
25 जवन कुछ भी गड़बड़ में बेचल जाला, उहे खाईं, आ विवेक के खातिर कवनो सवाल मत पूछीं।
26 काहेकि धरती प्रभु के ह आ ओकर पूर्णता।
27 अगर विश्वास ना करे वाला में से केहू तोहनी के भोज में बोलावे आ तोहनी के जाए के इच्छुक हो जाइब। जवन कुछ भी तोहरा सामने रखल गइल बा, ओकरा के खाईं, विवेक खातिर कवनो सवाल मत पूछीं।
28 लेकिन अगर केहू तोहनी से कहे कि इ मूर्ति के बलि में चढ़ावल जाला, त ओकरा बतावे वाला के खातिर आ विवेक के खातिर मत खाईं, काहेकि धरती प्रभु के ह अवुरी ओकर पूर्णता।

29 हम अपना विवेक के ना कहत बानी, बलुक दोसरा के विवेक के, काहे कि हमरा आजादी के न्याय दोसरा के विवेक से काहे होला?
30 अगर हम अनुग्रह से भाग लेत बानी त हम जवना खातिर धन्यवाद देत बानी ओकरा खातिर हमरा बुराई काहे कहल जा रहल बा?
31 एह से चाहे खाईं, पीईं, भा जवन कुछ करीं, सब कुछ परमेश्वर के महिमा खातिर करीं।
32 ना यहूदी के, ना गैर-यहूदी के, ना परमेश्वर के कलीसिया के कवनो दोष मत दीं।
33 जइसे हम हर बात में सब आदमी के खुश करेनी, हम अपना फायदा के ना खोजत बानी, बलुक बहुत लोग के फायदा के खोजत बानी ताकि उ लोग के उद्धार हो सके।

अध्याय 11 के बा

1 जइसे हम मसीह के अनुयायी हईं, ओइसहीं तू हमार अनुयायी बनीं।
2 भाई लोग, हम तोहनी के स्तुति करत बानी कि तू लोग हमरा के हर बात में याद करत बाड़ऽ आ नियम के पालन करत बाड़ऽ, जइसे हम तोहनी के देले रहनी।
3 बाकिर हम चाहत बानी कि रउरा सभे के ई जान लीं कि हर आदमी के सिर मसीह हउवें. आ मेहरारू के सिर मरद होला। आ मसीह के सिर भगवान हवें।
4 हर आदमी आपन माथा ढंक के प्रार्थना भा भविष्यवाणी करेला, उ आपन माथा के बेइज्जत करेला।
5 लेकिन जे भी औरत आपन माथा बिना ढंक के प्रार्थना करेले या भविष्यवाणी करेले, उ आपन माथा के बेइज्जत करेले, काहेकि उ मुंडन हो गईल होखे।
6 अगर मेहरारू के ढंकल ना होखे त ओकरा के काट दिहल जाव, लेकिन अगर कवनो औरत के काट दिहल भा मुंडन कइल शर्म के बात होखे त ओकरा के ढंकल जाव।
7 काहे कि मरद के आपन माथा ना ढँके के चाहीं काहे कि ऊ भगवान के प्रतिरूप आ महिमा ह, बाकिर औरत मरद के महिमा ह।
8 काहे कि मरद मेहरारू से ना होला। बाकिर मरद के मेहरारू।
9 ना ही मरद मेहरारू खातिर बनावल गइल रहे। लेकिन मेहरारू मरद खातिर।
10 एही से स् वर्गदूतन के चलते औरत के अपना माथा प अधिकार होखे के चाही।
11 लेकिन प्रभु में ना त मरद बिना औरत के बा, ना मेहरारू बिना मरद के।
12 जइसे मेहरारू मरद से होला, ओइसहीं मरद भी मेहरारू से होला। लेकिन भगवान के सब बात।
13 अपना में न्याय करीं, का ई उचित बा कि कवनो औरत उघार के परमेश्वर से प्रार्थना करे?
14 का प्रकृति भी तोहनी के ई ना सिखावत ह कि अगर आदमी के बाल लमहर बा त ओकरा लाज के बात बा?
15 लेकिन अगर कवनो औरत के बाल लमहर होखे त ओकरा खातिर महिमा बा, काहेकि ओकर बाल ओकरा के ढंकल दिहल जाला।
16 लेकिन अगर केहू विवाद करे वाला लागत बा त हमनी के कवनो अइसन रिवाज नइखे आ ना ही परमेश्वर के कलीसिया के।
17 अब जवन बात हम तोहनी के बतावत बानी ओकरा में हम तोहनी के तारीफ नईखी करत कि तू लोग बढ़िया खातिर ना, बल्कि बुरा खातिर एकजुट हो जानी।
18 सबसे पहिले जब तू लोग कलीसिया में एकट्ठा होखेनी त सुनत बानी कि तोहनी में फूट हो रहल बा। आ हम एकरा के कुछ हद तक मानत बानी.
19 तोहनी में पाखण्ड भी होखल जरूरी बा ताकि तोहनी के बीच में जे लोग के मनमोहक बा, उ लोग प्रकट हो सके।
20 जब तू लोग एक जगह पर जाइब त प्रभु के भोज खाए के ना ह।
21 काहेकि खाना खइला में हर केहू दोसरा से पहिले आपन खाना खा लेला, त केहू भूखल बा आ दोसर नशा में धुत्त हो जाला।
22 का बा? का तोहनी के खाए-पीये के घर नइखे? या तू लोग परमेश्वर के कलीसिया के तुच्छ समझत बाड़ऽ आ जेकरा लगे नइखे ओकरा के शर्मिंदा करऽ? हम तोहरा से का कहब? का हम एहमें तोहार स्तुति करब? हम तोहार तारीफ नइखीं करत.
23 काहेकि हम प्रभु से उहे मिलल बा जवन हम तोहनी के सौंप देले रहनी कि जवना रात प्रभु यीशु के धोखा दिहल गईल रहे, उहे रात रोटी लेले रहले।
24 जब ऊ धन्यवाद दिहलन त ओकरा के तोड़ के कहले, " ले, खा लीं, ई हमार देह ह जवन तोहनी खातिर टूटल बा।
25 रात के खाना खइला के बाद उ प्याला लेके कहलन, " ई प्याला हमरा खून से बनल नया नियम ह।
26 जब तक तू लोग इ रोटी खा के इ प्याला पीब, तब तक प्रभु के मौत के बारे में बतावत रहब।
27 एही से जे केहू ई रोटी खा के प्रभु के ई प्याला बेजोड़ तरीका से पीई, उ प्रभु के शरीर आ खून के दोषी होई।
28 लेकिन केहू अपना के परख लेव आ एह तरह से ऊ रोटी के खाए आ ओह प्याला में से पीये।
29 काहेकि जे अयोग्य रूप से खात-पीयत बा, उ प्रभु के शरीर के ना समझत अपना खातिर दोषी खात-पीयत बा।
30 एही से तोहनी में बहुत लोग कमजोर आ बेमार बा आ बहुत लोग सुतल बा।
31 अगर हमनी के खुद के न्याय करे के चाहत बानी जा त हमनी के न्याय ना होखे के चाहीं।
32 लेकिन जब हमनी के न्याय होला त प्रभु के सजा मिल जाला कि हमनी के दुनिया के साथे दोषी ना ठहरावल जा सके।
33 एही से हे भाई लोग, जब तू लोग खाना खाए खातिर एकट्ठा होखब त एक दूसरा खातिर ठहरल रहब।
34 अगर केहू के भूख लागल बा त घर में खाना खाए। कि तू लोग दोषी ठहरावे खातिर एकजुट मत होखऽ। आ बाकी के हम अइला पर क्रमबद्ध कर देब।

अध्याय 12 के बा

1 हे भाई लोग, हम तोहनी के अनजान ना चाहत बानी।
2 तू लोग जानत हव कि तू लोग गैर-यहूदी रहलू, जइसे तोहनी के अगुवाई में ले जाइल गइल रहलन।
3 एही से हम तोहनी के समझा देत बानी कि परमेश्वर के आत्मा के द्वारा बोले वाला केहु यीशु के अभिशप्त ना कहेला।
4 अब कई तरह के वरदान बा, लेकिन एके आत्मा बा।
5 आ प्रशासन में मतभेद बा, लेकिन एके प्रभु।

6 कई तरह के काम होला, लेकिन उहे परमेश्वर सब काम करेलन।
7 लेकिन आत्मा के प्रकटीकरण हर आदमी के फायदा खातिर दिहल गईल बा।
8 काहेकि आत्मा के द्वारा बुद्धि के वचन दिहल जाला। दोसरा के ओही आत्मा के द्वारा ज्ञान के वचन दिहल जाला।
9 उहे आत्मा के द्वारा दूसरा विश्वास के ओर बढ़ल। दोसरा के ओही आत्मा से चंगाई के वरदान दिहल जाला।
10 दोसरा के चमत्कार कइल; एगो अउरी भविष्यवाणी के ओर; दोसरा के आत्मा के विवेक करे वाला के; दोसरा के गोताखोर तरह के भाषा; दोसरा के भाषा के व्याख्या कइल जाला।
11 लेकिन इ सब एके आत्मा ही काम करेला, जवन हर आदमी के अपना मर्जी के हिसाब से अलग-अलग बांटत रहेला।
12 जइसे शरीर एक ह, बहुत अंग बा, आ एक शरीर के सब अंग बहुत होके एक शरीर ह।
13 हमनी के सब केहू एक शरीर में बपतिस्मा लेत बानी जा, चाहे हमनी के यहूदी होखे भा गैर-यहूदी, चाहे हमनी के दास होखीं जा भा आज़ाद। आ सभे के एके आत्मा में पीये दिहल गइल बा।
14 काहेकि शरीर एक अंग ना ह, बलुक बहुत अंग ह।
15 अगर गोड़ कहे कि हम हाथ ना हईं, हम शरीर के ना हईं। एह से का ई शरीर के ना ह?
16 कान कहे कि हम आँख ना हईं त हम शरीर के ना हईं। एह से का ई शरीर के ना ह?
17 अगर पूरा शरीर आँख रहित त सुनवाई कहाँ रहित? अगर पूरा सुनत रहे त गंध कहाँ रहे?
18 लेकिन अब परमेश्वर हर एक के अंग के शरीर में रखले बाड़े, जईसे कि उनुका मन करे।
19 अगर उ सब एक अंग रहित त शरीर कहाँ रहित?
20 लेकिन अब उ लोग के बहुत अंग बा, लेकिन एक शरीर बा।
21 आँख हाथ से ना कह सकेला कि हमरा तोहार कवनो जरूरत नइखे आ ना ही माथा गोड़ से कह सकेला कि हमरा तोहार कवनो जरूरत नइखे।
22 शरीर के ऊ अंग जवन अधिका कमजोर लउकत बा, ओकरा से बहुते अधिका जरूरी बा.
23 आ शरीर के जवन अंग के हमनी के कम सम्मानजनक समझेनी जा, ओकरा के हमनी के अधिका आदर देवेनी जा। आ हमनी के अशोभनीय अंगन में अधिका प्रचुरता बा.
24 काहेकि हमनी के सुंदर अंग के कवनो जरूरत नइखे, लेकिन परमेश्वर शरीर के एक साथ संयमित कइले बाड़न आ जवना अंग के कमी रहे ओकरा के अउरी आदर देले बाड़न।
25 कि शरीर में कवनो विभाजन ना होखे। बाकिर कि सदस्यन के एक दोसरा के एके जइसन देखभाल होखे के चाहीं.
26 एक अंग के कष्ट होखे त सब अंग ओकरा संगे कष्ट उठावेला। या एक अंग के सम्मान कइल जाव त सब अंग ओकरा साथे खुश हो जाला।
27 अब तू मसीह के शरीर हउअ आ खास तौर पर अंग हईं।
28 परमेश्वर कलीसिया में कुछ लोग के, पहिले प्रेरित, दूसरा भविष्यवक्ता, तीसरा गुरु, ओकरा बाद चमत्कार, फिर चंगाई के वरदान, मदद, सरकार, कई तरह के भाषा के वरदान रखले बाड़े।
29 का सब प्रेरित हवें? सब भविष्यवक्ता हवें? सब शिक्षक हवें? सब चमत्कार करे वाला हवें?
30 का चंगाई के सब वरदान बा? का सब लोग दोसरा भाषा में बोलत बा? का सब व्याख्या करेला?
31 लेकिन सबसे बढ़िया वरदान के लालसा राखीं, लेकिन हम तोहनी के एगो बढ़िया रास्ता देखावत बानी।

अध्याय 13 के बा

1 भले हम आदमी आ स्वर्गदूतन के भाषा में बोलत बानी आ प्रेम ना होखे, बाकिर हम बाजत पीतल भा झंझरी के झंझरी नियर हो गइल बानी।
2 भले हमरा लगे भविष्यवाणी करे के वरदान बा, आऊ सब रहस्य आ सब ज्ञान के समझत बानी। आ भले हमरा लगे पूरा विश्वास बा कि हम पहाड़ के हटा सकीले, लेकिन प्रेम ना होखे, लेकिन हम कुछूओ नईखी।
3 अगर हम आपन सब सम्पत्ति गरीबन के पेट भरे खातिर देब आ अगर हम आपन देह के जरावे खातिर देब आ प्रेम ना होखे त हमरा कवनो फायदा ना होखे।
4 प्रेम लंबा समय तक सहेला आ दयालु होला। दान से ईर्ष्या ना होला; दान अपना के घमंड ना करेला, ना उमंग करेला,
5 अयोग्य व्यवहार ना करेले, आपन ना खोजेले, आसानी से नाराज ना होखेले, कवनो बुराई ना सोचेले।
6 अधर्म में आनन्दित ना होला, बलुक सच्चाई में आनन्दित होला।
7 सब कुछ सहेला, सब बात पर विश्वास करेला, सब कुछ के आशा करेला, सब कुछ सहेला।
8 प्रेम कबो खतम ना होला, लेकिन भविष्यवाणी चाहे जवन होखे, उ खत्म हो जाई। चाहे कवनो भाषा होखे, ऊ खतम हो जाई। ज्ञान होखे कि ना, उ गायब हो जाई।
9 हमनी के कुछ हद तक जानत बानी जा आ कुछ हद तक भविष्यवाणी करत बानी जा।
10 जब सिद्ध हो जाई त कुछ हिस्सा खतम हो जाई।
11 जब हम लइका रहनी त लइका नियर बोलत रहनी, लइका नियर समझत रहनी, लइका नियर सोचत रहनी।
12 अब हमनी के कांच से अन्हार में देखत बानी जा। बाकिर तब आमने-सामने: अब हम कुछ हद तक जान गइल बानी; लेकिन तब हम ओइसहीं जानब जइसे हमरा के जानल जाला।
13 अब विश्वास, आशा, प्रेम, इ तीनों बनल बा। बाकिर एहमें से सबसे बड़हन दान ह.

अध्याय 14 के बा

1 प्रेम के अनुसरण करीं आ आध्यात्मिक वरदान के इच्छा करीं, लेकिन एकरा से कि तू लोग भविष्यवाणी कर सकीले।
2 जे अनजान भाषा में बोलेला, उ आदमी से ना बोलेला, बल्कि परमेश्वर से बात करेला, काहेकि केहू ओकरा के ना समझेला। बाकिर आत्मा में ऊ रहस्य बोलेला।
3 लेकिन जे भविष्यवाणी करेला ऊ आदमी से संस्कारित करे, उपदेश देवे आ दिलासा देवे खातिर बात करेला।
4 जे अनजान भाषा में बोलेला ऊ अपना के संस्कारित करेला। लेकिन जे भविष्यवाणी करेला उ कलीसिया के मजबूत करेला।
5 हम चाहत बानी कि रउआ सभे दोसरा भाषा में बात करीं, लेकिन भविष्यवाणी करे के बजाय, काहेकि भविष्यवाणी करे वाला से बड़ बा जे दोसरा भाषा में बोलेला, जब तक कि उ कवनो व्याख्या ना करे ताकि कलीसिया के संस्कार मिले।

6 भाई लोग, अगर हम तोहनी के लगे दोसरा भाषा में बोलत आईब त हमरा तोहनी के का फायदा होई, जब तक कि हम तोहनी से या त प्रगटीकरण से, या ज्ञान से, या भविष्यवाणी से, या शिक्षा से ना बोलब?
7 बिना जीवन देवे वाला चीजन के भी, चाहे ऊ नली होखे भा वीणा, जबले ऊ आवाज में कवनो भेद ना देले, त कइसे पता चली कि की बजावल जाला कि वीणा?
8 अगर तुरही से अनिश्चित आवाज आवे त के लड़ाई खातिर तैयार होई?
9 ओइसहीं जब तक तू लोग जीभ से समझे लायक शब्द ना बोलबऽ, त ई कइसे पता चल जाई कि का कहल गइल बा? काहे कि तू हवा में बोलबऽ।
10 हो सकेला कि दुनिया में एतना तरह के आवाज होखे आ ओहमें से कवनो आवाज बेमतलब नइखे.
11 एह से अगर हम आवाज के मतलब ना जानत बानी त हम जे बोलेला ओकरा खातिर बर्बर होखब आ जे बोलेला ऊ हमरा खातिर बर्बर हो जाई।
12 ओइसहीं तू लोग आत् मिक वरदान के प्रति जोश में बाड़ऽ, कलीसिया के संस्कारित करे में बेहतर होखे के कोशिश करीं।
13 एह से जे अनजान भाषा में बोलेला, उ प्रार्थना करे कि उ ओकर व्याख्या कर सके।
14 अगर हम अनजान भाषा में प्रार्थना करेनी त हमार आत्मा प्रार्थना करेला, लेकिन हमार समझ निष्फल होखेला।
15 तब ई का ह? हम आत्मा से प्रार्थना करब आ समझ से भी प्रार्थना करब, हम आत्मा से गाब, आ समझ से भी गाब।
16 ना त जब तू आत् मा से आशीर्वाद देब त अविद्वान के कमरा में बईठे वाला तोहरा धन्यवाद देवे में हमनी के कइसे कही, काहे कि ओकरा तोहार कहल बात के समझ में नईखे आवत?
17 काहेकि तू साँचहू बढ़िया से धन्यवाद देत बाड़ू, लेकिन दूसरा के बढ़ावल ना जाला।
18 हम अपना परमेश्वर के धन्यवाद देत बानी, हम तोहनी से जादे भाषा में बोलत बानी।
19 फिर भी कलीसिया में हम अपना समझ से पांच शब्द बोलल पसंद करत रहनी ताकि हम अपना आवाज से दूसरा के भी सिखा सकी, ना कि अनजान भाषा में दस हजार शब्द।
20 भाई लोग, समझ में लइका मत बनीं, लेकिन दुष्टता में लइका बनीं, लेकिन समझ में आदमी बनीं।
21 व्यवस्था में लिखल बा कि हम एह लोग से दोसरा भाषा के लोग से आ दोसरा होंठ से बात करब। आ फिर भी जवन भी चाहत होई ओकरा खातिर उ लोग हमार बात ना सुनेला, प्रभु कहत हउवें।
22 एही से दूसर भाषा विश्वास करे वाला लोग खातिर ना, बल्कि विश्वास ना करे वाला लोग खातिर एगो निशानी ह, लेकिन भविष्यवाणी ना करे वाला लोग खातिर ना, बल्कि विश्वास करे वाला लोग खातिर काम करेला।
23 अगर पूरा कलीसिया एक जगहा एक जगह होके सब लोग अलग-अलग भाषा में बोले आ अविद्वान भा अविश्वासी लोग के भीतर आ जाव त का उ लोग इ ना कही कि तोहनी के पागल हो गईल बाड़ू?
24 लेकिन अगर सब लोग भविष्यवाणी करत बा आ केहू विश्वास ना करे वाला भा अशिक्षित आदमी के भीतर आ जाव त ओकरा सब के बारे में विश्वास हो जाला त ओकरा पर सबके न्याय हो जाला।
25 आ एह तरह से उनकर दिल के रहस्य के प्रकट कइल जाला। आ एही से मुँह पर गिर के ऊ भगवान के आराधना करी आ रिपोर्ट करी कि भगवान रउरा में सच्चाई के बा.
26 भाई लोग, का हाल बा? जब तू लोग एकट्ठा हो जाइब त तोहनी में से हर केहू के भजन होला, शिक्षा होला, जीभ होला, प्रकटीकरण होला, व्याख्या होला। सब कुछ संस्कारित करे खातिर होखे।
27 अगर केहू कवनो अनजान भाषा में बोलत बा त ऊ दू गो भा अधिका से अधिका तीन गो आ ऊ क्रम से होखे. आ एकर व्याख्या करे के चाहीं.
28 लेकिन अगर कवनो दुभाषिया ना होखे त कलीसिया में चुप रहस। आ ऊ अपना से आ भगवान से बात करे।
29 भविष्यवक्ता लोग दू-तीन गो बात करस आ दूसरा के न्याय करे।
30 अगर कवनो बात बईठल दोसरा के सामने आवे त पहिला आदमी चुप रहस।
31 रउआ सभे एक-एक करके भविष्यवाणी कर सकेनी ताकि सब लोग सीख सके आ सबके दिलासा मिल सके।
32 भविष्यवक्ता लोग के आत्मा भविष्यवक्ता लोग के अधीन हो जाला।
33 काहेकि परमेश्वर भ्रम के ना, बल्कि शांति के रचयिता हउवें, जइसे कि पवित्र लोग के सब कलीसिया में होला।
34 तोहनी के मेहरारू लोग कलीसिया में चुप रहस, काहेकि उ लोग के बोले के इजाजत नइखे। लेकिन उ लोग के आज्ञा के पालन करे के आज्ञा दिहल गईल बा, जईसे कि व्यवस्था में भी कहल गईल बा।
35 अगर उ लोग कुछ सीखल चाहत बाड़े त घर में अपना पति से पूछे, काहेकि महिला के कलीसिया में बात कईल शर्म के बात बा।
36 का बा? तोहरा से भगवान के वचन निकलल? भा खाली तोहनी के लगे आइल बा?
37 अगर केहू अपना के भविष्यवक्ता भा आध्यात्मिक समझेला त ऊ मान लेव कि हम जवन बात तोहनी के लिखत बानी ऊ प्रभु के आज्ञा ह।
38 लेकिन अगर केहु अज्ञानी होखे त उ अज्ञानी होखे।
39 एह से भाई लोग, भविष्यवाणी करे के लालसा करीं आ दोसरा भाषा में बोले से मना करीं।
40 सब काम शालीनता से आ क्रम से होखे।

अध्याय 15 के बा

1 भाई लोग, हम तोहनी के उ सुसमाचार सुनावत बानी जवन हम तोहनी के सुनवले बानी, जवन तोहनी के भी मिलल बा आ जवना में तू खड़ा बानी।
2 अगर तू लोग के उहे बात याद में रखल जाव, जब तक कि तू लोग बेकार में विश्वास ना कईले होखब।
3 काहे कि हम सबसे पहिले तोहनी के उहे देले बानी जवन हमरा भी मिलल बा कि मसीह हमनी के पाप खातिर पवित्रशास्त्र के अनुसार मर गईले।
4 ऊ दफन हो गइलन आ तीसरा दिने ऊ जी उठलन, पवित्रशास्त्र के अनुसार।
5 ऊ केफा से देखल गइल, तब बारह लोग के।

6 ओकरा बाद एके बेर में पांच सौ से अधिका भाई लोग के देखल गइल। जेकरा में से अधिकांश लोग अभी तक बा, लेकिन कुछ लोग सुत गईल बाड़े।
7 ओकरा बाद उ याकूब से देखले। तब सब प्रेरितन के।
8 आखिर में उ हमरा से भी उ समय से बाहर पैदा भईल आदमी के रूप में देखल गईल।
9 काहेकि हम प्रेरितन में सबसे छोट हईं, जेकरा के प्रेरित कहला के लायक नइखे, काहे कि हम परमेश्वर के कलीसिया के सतावनी।
10 लेकिन परमेस् वर के कृपा से हम जवन हईं, उहे हईं आ उनकर अनुग्रह जवन हमरा पर दिहल गइल रहे ऊ बेकार ना भइल। लेकिन हम ओह सब से जादा मेहनत कईनी, लेकिन हम ना, बल्कि परमेश्वर के कृपा जवन हमरा संगे रहे।
11 एह से हम चाहे उ लोग, हमनी के प्रचार करत बानी जा आ तू लोग एही तरह से विश्वास कईनी।
12 अगर मसीह के प्रचार कइल जाव कि ऊ मुवलन में से जी उठलन त तोहनी में से कुछ लोग कइसे कहत बा कि मुअल लोग के जी उठल नइखे?
13 लेकिन अगर मुअल लोग के जी उठल ना होई त मसीह जी उठल नईखन।
14 अगर मसीह जी उठल ना होखस त हमनी के प्रचार व्यर्थ बा आ तोहनी के विश्वास भी व्यर्थ बा।
15 हँ, आ हमनी के परमेश्वर के झूठा गवाह मिल गइल बानी जा। काहे कि हमनी के परमेश्वर के बारे में गवाही देले बानी जा कि उ मसीह के जिंदा कईले बाड़े, अगर उ मरल लोग के जिंदा ना होखे के चाही त उ ना जिंदा कईले रहले।
16 अगर मरल लोग ना जी उठल त मसीह जी उठल नइखे।
17 अगर मसीह के जिन्दा ना भइल त तोहार बिसवास बेकार बा। तू लोग अभी भी अपना पाप में बानी।
18 तब उहो जे मसीह में सुतल बा, उहो नाश हो गइल बा।
19 अगर खाली एह जीवन में हमनी के मसीह में आशा बा त हमनी के सब आदमी में सबसे दयनीय बानी जा।
20 लेकिन अब मसीह मुवलन में से जी उठल बाड़न आ सुतल लोग के पहिला फल बन गइल बाड़न।
21 काहे कि जबसे मनुष्य के द्वारा मौत भइल, त मुअल लोग के जी उठल भी आदमी के द्वारा भइल।
22 जइसे आदम में सब लोग मर जाला, ओइसहीं मसीह में सब लोग जिंदा हो जाई।
23 लेकिन हर केहू अपना-अपना क्रम में: मसीह पहिला फल हवें। ओकरा बाद उ लोग जे मसीह के आवे के समय उनकर हवें।
24 तब अंत आई जब उ राज्य के पिता परमेश्वर के सौंप दिहे। जब ऊ सगरी शासन आ सगरी अधिकार आ शक्ति के नीचे गिरा दिहले होखी.
25 काहेकि जब तक ऊ सब दुश्मनन के अपना गोड़ के नीचे ना डाल दी, तब तक ओकरा राज करे के पड़ी।
26 आखिरी दुश्मन जवन नाश होई उ मौत ह।
27 काहेकि उ सब कुछ अपना गोड़ के नीचे रखले बाड़े। लेकिन जब उ कहतारे कि सब कुछ उनुका अधीन हो गईल बा, त इ साफ हो जाला कि उ अपवाद बाड़े, जवन कि सब चीज़ के उनुका अधीन क देले बाड़े।
28 जब सब कुछ उनकरा अधीन हो जाई त बेटा खुद भी उनकर अधीन हो जाई जे सब कुछ के अपना अधीन रखले बा, ताकि परमेश्वर सब कुछ में सब हो सके।
29 ना त मुअल लोग खातिर बपतिस्मा लेवे वाला लोग का करीहे? तब उ लोग मुअल लोग खातिर काहे बपतिस्मा लेला?
30 आ हमनी के हर घंटा खतरा में काहे खड़ा बानी जा?
31 हम तोहरा आनन्द से विरोध करत बानी जवन हमरा अपना प्रभु मसीह यीशु में बा कि हम रोज मरत बानी।
32 अगर हम इफिसुस में जानवरन से लड़ल आदमी के तरीका से लड़ले बानी त अगर मरल लोग ना जी उठल त हमरा का फायदा? हमनी के खाए-पीए के चाहीं। काहे कि काल्ह हमनी के मर जानी जा।
33 धोखा मत खाईं, बुराई से अच्छा आचार-विचार खराब हो जाला।
34 धार्मिकता खातिर जागल जा, आ पाप मत करीं। काहेकि कुछ लोग के परमेश्वर के ज्ञान नइखे, हम ई बात तोहरा के शर्मिंदा करे खातिर कहत बानी।
35 लेकिन केहू कहत होई कि मुअल लोग कइसे जिंदा हो जाला? आ कवना देह से आवेला लोग?
36 हे मूर्ख, जवन तू बोअत बाड़ू, ऊ जिंदा ना हो पाई जबले ऊ मर ना जाई।
37 जवन तू बोअत बाड़ऽ, ऊ देह ना बोवेला जवन होखे वाला बा, बलुक नंगे अनाज, जवन संजोग से गेहूं भा कवनो दोसरा अनाज के हो सकेला.
38 लेकिन परमेश्वर ओकरा के अपना मन के मुताबिक शरीर देवेले अवुरी हर संतान के आपन शरीर देवेले।
39 सब मांस एके तरह के मांस ना ह, लेकिन आदमी के मांस एक तरह के, जानवर के मांस, मछरी के दोसर मांस अवुरी चिरई के एक प्रकार के मांस बा।
40 आकाशीय पिंड आ पार्थिव पिंड भी बा, लेकिन आकाशीय पिंड के महिमा एक ह, आ पार्थिव के महिमा अलग बा।
41 सूरज के एगो महिमा, चाँद के एगो महिमा आ तारा के एगो महिमा, काहे कि एक तारा के महिमा में दोसरा तारा से अलग होला।
42 मुअल लोग के जी उठला भी ओइसने बा। एकरा के भ्रष्टाचार में बोवल जाला; ऊ अविनाशी में जिंदा हो जाला।
43 एकरा के बेइज्जती में बोवल जाला। ऊ महिमा में जिंदा होला, कमजोरी में बोवल जाला। सत्ता में उठल बा:
44 एकरा के प्राकृतिक शरीर के रूप में बोवल जाला। एकरा के एगो आध्यात्मिक शरीर के रूप में उठावल जाला। प्राकृतिक शरीर बा, आ आध्यात्मिक शरीर बा।
45 एही से लिखल बा कि, "पहिले आदमी आदम के जिंदा प्राणी बनावल गइल। आखिरी आदम के एगो जीवंत आत्मा बनावल गइल।
46 लेकिन पहिले उ आध्यात्मिक ना रहे, बल्कि स्वाभाविक रहे। आ ओकरा बाद ऊ जवन आध्यात्मिक होखे.
47 पहिला आदमी धरती के ह, माटी के ह, दूसरा आदमी स्वर्ग से प्रभु हवे।
48 जइसे माटी के लोग बा, ओइसहीं माटी के लोग भी अइसन होला आ स्वर्ग के लोग जइसन स्वर्ग के लोग भी होला।
49 जइसे हमनी के माटी के प्रतिरूप धारण कइले बानी जा, ओइसहीं हमनी के स्वर्गीय के प्रतिरूप भी धारण करब जा।

50 भाई लोग, हम ई कहत बानी कि खून-खून परमेस् वर के राज के उत्तराधिकारी ना हो सकेला। ना त भ्रष्टाचार के अविनाशी के विरासत में मिलेला।
51 देखऽ, हम तोहके एगो रहस्य देखावत बानी। हमनी के सब ना सुतब जा, लेकिन हमनी के सब बदल जाईब जा,
52 पल भर में आँख के पलक झपकते आखिरी तुरही बजाई काहे कि तुरही बाज जाई आ मुइल लोग अविनाशी रूप से जिंदा हो जाई आ हमनी के बदल जाईं जा।
53 काहे कि ई नाशवान के अविनाशी के कपड़ा पहिरे के पड़ी आ ई नश्वर के अमरता के कपड़ा पहिरे के पड़ी।
54 जब ई नाशवान आदमी अविनाशी के कपड़ा पहिरी आ ई नश्वर अमरता के कपड़ा पहिरी त ई कहावत पूरा हो जाई जवन लिखल बा कि, "मौत जीत में निगल गइल बा।"
55 हे मौत, तोहार डंक कहाँ बा? हे कब्र, तोहार जीत कहाँ बा?
56 मौत के डंक पाप ह। आ पाप के ताकत व्यवस्था ह।
57 लेकिन परमेश्वर के धन्यवाद जे हमनी के प्रभु यीशु मसीह के द्वारा हमनी के जीत देले बाड़न।
58 एह से हे हमार प्रिय भाई लोग, तू लोग दृढ़, अचल, प्रभु के काम में हमेशा भरपूर रहऽ, काहे कि तू लोग जानत बा कि प्रभु में तोहनी के मेहनत बेकार नइखे।

अध्याय 16 के बा

1 पवित्र लोग खातिर संग्रह के बारे में जइसे हम गलातिया के कलीसिया के आदेश देले बानी, तू लोग भी ओइसहीं करीं।
2 हफ्ता के पहिला दिन तोहनी में से हर केहू ओकरा लगे भंडार में रख दीं, जइसे कि भगवान ओकरा के खुश कइले बाड़न, ताकि जब हम आईब त कवनो भीड़ ना होखे।
3 जब हम अइब, जेकरा के तू लोग अपना चिट्ठी से मंजूर करबऽ, त हम ओकरा के भेजब कि ऊ यरूशलेम में तोहार उदारता ले आवे।
4 अगर हमहूँ जाइब त उ लोग हमरा साथे चल जइहें।
5 जब हम मकिदुनिया से गुजरब त तोहनी के लगे आईब, काहेकि हम मकिदुनिया से गुजरत बानी।
6 आ हो सकेला कि हम तोहनी के साथे रहब, आ जाड़ा बिताब, ताकि रउआ हमरा के जहाँ भी जाईं, हमरा यात्रा में ले आ सकीले।
7 काहेकि हम तोहके अब रास्ता में ना देखब। बाकिर हमरा भरोसा बा कि अगर प्रभु अनुमति देसु त रउरा साथे कुछ देर रहब.
8 लेकिन हम इफिसुस में पेंटेकोस्ट तक रहब।
9 काहेकि हमरा खातिर एगो बड़हन दरवाजा खुलल बा आ बहुत विरोधी बाड़े।
10 अगर तीमुथियुस अईले त देखल जाव कि उ बिना डर के तोहनी के संगे रहस, काहेकि उ प्रभु के काम करेले, जईसे हम भी करतानी।
11 एह से केहू ओकरा के तिरस्कार ना करे, बलुक ओकरा के शांति से चलावे ताकि उ हमरा लगे आवे, काहेकि हम भाई लोग के साथे ओकर इंतजार करत बानी।
12 हमनी के भाई अपोलोस के बारे में हम बहुत निहोरा करत रहनी कि उ भाई लोग के संगे तोहनी के भीरी आवे। बाकिर जब ओकरा सुविधाजनक समय मिली त ऊ अइहें.
13 जागल रहऽ, विश्वास में दृढ़ रहऽ, आदमी नियर छोड़ऽ, मजबूत रहऽ।
14 तोहार सब काम दान के साथ होखे।
15 हे भाई लोग, हम तोहसे निहोरा करत बानी, (तू लोग स्टीफनास के घराना के जानत बाड़ऽ कि ई अखाया के पहिला फल ह आ ऊ लोग पवित्र लोग के सेवा के लत लाग गइल बा)।
16 कि तू लोग अइसनका आ हर केहू के अधीन रहऽ जे हमनी के मदद करेला आ मेहनत करेला।
17 स्टीफनास, फोर्तुनाटस आ अखाइकस के अइला से हमरा खुशी हो रहल बा, काहे कि तोहरा ओर से जवन कमी रहे ओकरा के उ लोग पूरा कर दिहले बा।
18 काहेकि उ लोग हमरा आ तोहार आत्मा के ताजा कर देले बाड़े, एहसे तू लोग अइसन लोग के पहचान लीं।
19 एशिया के कलीसिया तोहके नमस्कार करत बा। अकीला आ प्रिस्किला ओह कलीसिया के साथे प्रभु में बहुत नमस्कार करेलन।
20 सब भाई तोहनी के अभिवादन करत बाड़े। एक दूसरा के पवित्र चुंबन से अभिवादन करीं।
21 हमरा पौलुस के अपना हाथ से नमस्कार।
22 अगर केहू प्रभु यीशु मसीह से प्रेम ना करेला त उ अनाथेमा मरनाथ होखे।
23 हमनी के प्रभु यीशु मसीह के कृपा तोहनी पर होखे।
24 हमार प्रेम तोहनी सब के साथे मसीह यीशु में रहे। आमीन के बा। (कुरिन्थियों के पहिला पत्र फिलिप्पी से स्टीफनास आ फॉर्च्यूनाटस आ अकैकस आ तीमुथियुस के लिखल ह।)

2 कुरिन्थियों के ह

अध्याय 1 के बा

1 पौलुस, जे परमेश्वर के इच्छा से यीशु मसीह के प्रेरित हई, आ हमनी के भाई तीमुथियुस, पूरा अखाया में मौजूद सब पवित्र लोग के साथे परमेश्वर के कलीसिया के भेजत बानी जवन कुरिन्थ में बा।
2 हमनी के पिता परमेश्वर आ प्रभु यीशु मसीह के ओर से तोहनी पर कृपा आ शांति होखे।
3 हमनी के प्रभु यीशु मसीह के पिता, दया के पिता आ सब दिलासा देवे वाला परमेश्वर के धन्य होखे।
4 हमनी के पूरा कष्ट में हमनी के दिलासा देवेलन ताकि हमनी के कवनो भी संकट में पड़ल लोग के दिलासा दे सकीले, जवना से हमनी के खुद परमेश्वर के सान्त्वना मिलेला।
5 जइसे मसीह के दुख हमनी में बहुत होला, ओइसहीं हमनी के सांत्वना भी मसीह के द्वारा भरपूर मिलेला।
6 अगर हमनी के दुखी होखब जा, उ तोहनी के सांत्वना आ उद्धार खातिर बा, जवन हमनी के भी दुख के सहन करे में कामयाब होला, या हमनी के सान्त्वना मिलला पर तोहनी के सांत्वना आ उद्धार खातिर बा।
7 हमनी के तोहनी से आशा दृढ़ बा, इ जानत कि जइसे तू लोग दुख में भाग लेवे वाला बाड़ू, ओइसहीं तोहनी भी सांत्वना के हिस्सा बनब।
8 भाई लोग, हमनी के ई ना चाहत होखीं कि हमनी के एशिया में हमनी के परेशानी से अनजान होखब जा कि हमनी के ताकत से अधिका दबावल गइल बानी जा कि हमनी के जीवन के भी निराश हो गइनी जा।
9 लेकिन हमनी के अपना में मौत के सजा रहे कि हमनी के अपना पर भरोसा ना करे के चाहीं, बलुक मुवलन के जिंदा करे वाला परमेश्वर पर भरोसा करे के चाहीं।
10 उ हमनी के एतना बड़ मौत से बचा लेले अवुरी बचावेले।
11 तू भी हमनी खातिर प्रार्थना करके मदद करत बानी ताकि हमनी के बहुत लोग के द्वारा दिहल गइल वरदान खातिर बहुत लोग हमनी के ओर से धन्यवाद दे सके।
12 हमनी के खुशी इहे बा कि हमनी के अंतरात्मा के गवाही इ बा कि हमनी के सादगी अवुरी ईश्वरीय निश्छलता से शारीरिक बुद्धि से ना, बालुक परमेश्वर के कृपा से संसार में अवुरी बहुत जादे तोहनी के संगे बातचीत कईले बानी।
13 हमनी के तोहनी के पढ़ल भा स्वीकार कइल बात के अलावा अउरी कुछ ना लिखत बानी जा। आ हमरा भरोसा बा कि रउरा अंत तक स्वीकार करब।
14 जइसे तू लोग हमनी के कुछ हद तक मान लेले बानी कि हमनी के तोहनी के आनन्दित होखे वाला बानी जा, ठीक ओसही जइसे रउआ प्रभु यीशु के दिन में हमनी के खुश बानी जा।
15 एह भरोसा से हम पहिले से तोहनी के लगे आवे के चाहत रहनी ताकि तोहनी के दूसरा फायदा होखे।
16 आ तोहनी के पास से मकिदुनिया में जाके मकिदुनिया से फिर से तोहनी के लगे आके तोहनी के बीच से हमरा के यहूदिया के रास्ता में ले आवल जाव।
17 जब हम अईसन मन में रहनी त का हम हल्कापन के प्रयोग कईनी? या जवन बात हम सोचत बानी, का हम शरीर के हिसाब से सोचत बानी कि हमरा साथे हाँ हाँ आ ना होखे?
18 लेकिन जइसे कि परमेश्वर सच्चा हउवें, हमनी के तोहनी के प्रति हाँ आ ना ना रहे।
19 काहेकि परमेश्वर के बेटा यीशु मसीह, जेकरा के हमनी के बीच में हम आ सिल्वानुस आ तीमुथियुस के द्वारा प्रचारित कइल गइल, उ हाँ आ ना रहलन, बल्कि उनकरा में हाँ रहलन।
20 काहेकि परमेश्वर के सब वादा उनकरा में हँ, आऊन उहे में बा, हमनी के द्वारा परमेश्वर के महिमा खातिर।
21 जे हमनी के मसीह में तोहनी के साथे मजबूत करेला आ हमनी के अभिषेक कइले बा, ऊ परमेश्वर हवें।
22 उ हमनी के मुहर लगा के हमनी के मन में आत्मा के गंभीरता देले बाड़े।
23 हम भगवान से अपना प्राण पर गवाही देत बानी कि हम तोहनी के बचावे खातिर अभी तक कुरिन्थ नईखी आईल।
24 एह से ना कि हमनी के तोहनी के विश्वास पर प्रभुत्व बा, बलुक तोहनी के खुशी के सहायक हईं जा, काहेकि तू विश्वास के चलते खड़ा हो जानी।

अध्याय 2 के बा

1 लेकिन हम अपना से इ तय कईनी कि हम फेर से तोहरा लगे भारी पड़ के ना आईब।
2 अगर हम तोहनी के दुखी करब त उ के ह जवन हमरा के खुश करेले, लेकिन उहे के ह जवन हमरा से दुखी होखता?
3 हम तोहनी के इहे लिखले बानी कि जब हम अइनी त ओह लोग से दुख ना होखे जेकरा से हमरा खुशी होखे के चाहीं। रउआ सभे पर भरोसा बा कि हमार खुशी रउआ सभे के खुशी ह।
4 काहेकि हम बहुत दुख आ मन के पीड़ा से तोहनी के बहुत रोवत लिखले बानी। एह से ना कि तोहनी के दुख होखे, बलुक एह से कि तू लोग जान सकीले कि हमरा जवन प्रेम तोहनी से अधिका बा।
5 लेकिन अगर केहू दुख देले बा त उ हमरा के दुख ना देले बा, बालुक कुछ हद तक दुखी कईले बा, ताकि हम रउआ सभे के जादा शुल्क ना दे सकी।
6 अइसन आदमी खातिर ई सजा काफी बा, जवन बहुत लोग के दिहल गइल रहे।
7 एह से उल्टा तोहनी के ओकरा के माफ क के दिलासा देवे के चाहीं कि कहीं अइसन आदमी के बहुत दुख से निगल ना जाव।
8 एही से हम तोहसे से निहोरा करत बानी कि तू लोग ओकरा से आपन प्रेम के पुष्टि करीं।
9 हम एही खातिर भी लिखले बानी कि हम तोहनी के प्रमाण जान सकी कि तू लोग सब बात में आज्ञाकारी बाड़ू कि ना।
10 जेकरा के तू माफ करबऽ, ओकरा के हम माफ कर देनी, काहे कि अगर हम ओकरा के माफ कर दिहनी, त हम तोहनी खातिर मसीह के रूप में ओकरा के माफ कर देले बानी।
11 कहीं शैतान के हमनी के फायदा मत होखे, काहेकि हमनी के ओकर चाल से अनजान नईखी।
12 एकरा अलावा जब हम मसीह के सुसमाचार सुनावे खातिर त्रोआस में अइनी त प्रभु के ओर से हमरा खातिर एगो दरवाजा खुलल।
13 हमरा मन में कवनो आराम ना रहे, काहे कि हम अपना भाई तीतुस के ना मिलल, लेकिन हम उहाँ से मकिदुनिया चल गईनी।

14 अब परमेश्वर के धन्यवाद होखे जे हमनी के हमेशा मसीह में जीत हासिल करेलन आ हमनी के द्वारा आपन ज्ञान के सुगंध हर जगह प्रकट करेलन।
15 काहेकि हमनी के उद्धार पावे वाला आ नाश होखे वाला में मसीह के मीठ गंध हईं जा।
16 जेकरा खातिर हमनी के मौत के गंध हईं जा। आ दोसरा के जिनिगी के सुगंध। आ एह सब खातिर के पर्याप्त बा?
17 काहेकि हमनी के ओतना ना हईं जा जे परमेश्वर के वचन के नाश करेला, बल्कि ईमानदारी के रूप में हई जा, बल्कि परमेश्वर के नजर में हमनी के मसीह में बोलत बानी जा।

अध्याय 3 के बा

1 का हमनी के फेर से अपना के तारीफ करे लागेनी जा? या हमनी के कुछ अउरी लोग के तरह रउवा के प्रशंसा पत्र के जरूरत बा, या रउवां के प्रशंसा पत्र के जरूरत बा?
2 तू लोग हमनी के मन में लिखल चिट्ठी हउअ, जवन सब लोग जानत बा आ पढ़त बा।
3 काहे कि तोहनी के हमनी के सेवा में मसीह के पत्र बतावल गईल बा, जवन स्याही से ना, बल्कि जीवित परमेश्वर के आत्मा से लिखल गईल बा। पत्थर के पट्टी में ना, बलुक दिल के मांसल पट्टी में।
4 हमनी के मसीह के द्वारा परमेश्वर के ओर अइसन भरोसा बा।
5 ई ना कि हमनी के अपना से पर्याप्त बानी जा कि हमनी के कवनो बात के अपना बारे में सोचे के चाहीं। लेकिन हमनी के पर्याप्तता भगवान के ह।
6 उ हमनी के नया नियम के सेवक बना देले बाड़े। अक्षर के ना, बलुक आत्मा के, काहे कि अक्षर मार देला, लेकिन आत्मा जीवन देवेला।
7 लेकिन अगर मौत के सेवा, जवन पत्थर में लिखल आ उकेरल रहे, महिमामंडित रहे, ताकि इस्राएल के लोग मूसा के चेहरा के महिमा खातिर उनकर चेहरा के अडिग ना देख पवले। जवना महिमा के खतम होखे वाला रहे।
8 आत्मा के सेवा कइसे महिमामंडित ना होई?
9 अगर दोषी ठहरावे के सेवा महिमा होखे त धार्मिकता के सेवा महिमा में बहुत जादे हो जाई।
10 काहे कि जवन महिमा के महिमामंडित कइल गइल रहे, ओकरा भी एह महिमा में कवनो महिमा ना रहे, काहे कि जवन महिमा से बढ़िया बा।
11 काहे कि जवन कुछ खतम हो गइल बा ऊ महिमामंडित रहे त जवन बाचल बा ऊ बहुते अधिका महिमामंडित बा.
12 हमनी के एतना आशा बा कि हमनी के बहुत साफ-साफ बोलत बानी जा।
13 मूसा जइसन ना, जे अपना चेहरा पर घूंघट लगा दिहले रहले कि इस्राएल के लोग ओकरा के खतम होखे वाला चीज के अंत तक दृढ़ता से ना देख सके।
14 लेकिन उनकर मन आन्हर हो गईल, काहेकि आज तक पुरान नियम के पढ़े में उहे पर्दा अछूता बा। जवन पर्दा मसीह में खतम हो गइल बा।
15 आजु ले जब मूसा के पढ़ल जाला त ओह लोग के दिल पर पर्दा बा।
16 तबहियो जब ई प्रभु के ओर मुड़ जाई त पर्दा हटा दिहल जाई।
17 अब प्रभु उ आत्मा हउवें आ जहाँ प्रभु के आत्मा बा, उहाँ आजादी बा।
18 लेकिन हमनी के सब केहू खुला मुँह से प्रभु के महिमा के कांच में निहन देखत बानी जा, उहे प्रतिरूप में बदल गईल बानी जा, जवन कि प्रभु के आत्मा के द्वारा महिमा से महिमा में बदल गईल बानी जा।

अध्याय 4 के बा

1 एह से हमनी के ई सेवा मिलला के चलते हमनी के दया मिलल बा, हमनी के बेहोश नईखी।
2 बाकिर बेईमानी के छिपल बातन के त्याग कइले बानी, ना त चालबाजी में चलत बानी आ ना ही भगवान के वचन के धोखा से संभालत बानी। लेकिन सच्चाई के प्रकट करके परमेश्वर के सामने हर आदमी के विवेक के सामने आपन प्रशंसा करेनी।
3 लेकिन अगर हमनी के सुसमाचार छिपल बा त उ हेराइल लोग खातिर छिपल बा।
4 उनकरा में एह संसार के देवता उनकरा मन के आन्हर कर दिहले बाड़न जे विश्वास ना करेलन, ताकि मसीह के महिमामय सुसमाचार के रोशनी ना चमके, जे परमेश्वर के प्रतिरूप हउवें।
5 हमनी के अपना के ना, बल्कि प्रभु मसीह यीशु के प्रचार करेनी जा। आ हमनी के ईसा खातिर तोहार सेवक हईं जा।
6 काहेकि परमेश्वर जे अन्हार से रोशनी के चमके के आज्ञा देले रहले, उ हमनी के दिल में चमकल बाड़े, ताकि यीशु मसीह के सामने परमेश्वर के महिमा के ज्ञान के रोशनी दिहल जा सके।
7 लेकिन हमनी के इ खजाना माटी के बर्तन में बा, ताकि हमनी के ना बलुक परमेश् वर के ताकत होखे।
8 हमनी के हर तरफ से परेशान बानी जा, लेकिन परेशान नईखी। हमनी के अचरज में बानी जा, लेकिन निराशा में नईखी;
9 सतावल गइल, बाकिर छोड़ल ना गइल। नीचे फेंक दिहल गइल, बाकिर नष्ट ना भइल;
10 प्रभु यीशु के मरला के हमेशा शरीर में सहन करत रहीं ताकि यीशु के जीवन भी हमनी के शरीर में प्रकट होखे।
11 हमनी के जे जिंदा बानी जा, उ हमेशा यीशु के खातिर मौत में सौंपल जानी जा, ताकि यीशु के जीवन भी हमनी के नश्वर शरीर में प्रकट होखे।
12 त हमनी में मौत काम करेला, लेकिन तोहनी में जीवन।
13 हमनी के उहे विश्वास के आत्मा बा, जईसे कि लिखल बा, "हम विश्वास कईनी अवुरी एहीसे हम बोलले बानी। हमनी के भी विश्वास करेनी जा, आ एही से बोलेनी जा;
14 इ जानत हई कि जे प्रभु यीशु के जिंदा कईले बा, उ हमनी के भी यीशु के द्वारा जिंदा करीहे अवुरी हमनी के तोहनी के संगे पेश करीहे।
15 काहेकि सब कुछ तोहनी खातिर बा ताकि बहुत लोग के धन्यवाद के द्वारा भरपूर अनुग्रह परमेश्वर के महिमा खातिर बढ़ सके।
16 एही से हमनी के बेहोश नईखी। बाकिर भले हमनी के बाहरी आदमी नाश हो जाव बाकिर भीतर के आदमी दिन पर दिन नया हो जाला.
17 काहेकि हमनी के हल्का कष्ट जवन कुछ देर खातिर बा, हमनी खातिर महिमा के कहीं अधिका आ अनन्त भार पैदा करेला।

18 जबकि हमनी के देखल चीजन के ना देखत बानी जा, बलुक जवन ना देखल जा रहल बा, ओकरा के देखत बानी जा, काहे कि जवन चीज देखल जा सकेला ऊ सांसारिक होला। लेकिन जवन चीज ना लउकेला उ अनन्त बा।

अध्याय 5 के बा

1 हमनी के जानत बानी जा कि अगर हमनी के एह तम्बू के सांसारिक घर भंग हो गईल त हमनी के लगे परमेश्वर के एगो भवन बा, जवन हाथ से ना बनल घर बा, जवन स्वर्ग में अनन्त बा।
2 हमनी के एही से कराहत बानी जा आ अपना घर के कपड़ा पहिरे के पूरा इच्छा बा जवन स्वर्ग से आइल बा।
3 अगर अइसन होखे कि कपड़ा पहिनले हमनी के नंगा ना मिलब जा।
4 हमनी के जे एह तम्बू में बानी जा, हमनी के बोझ से कराहत बानी जा, एह से ना कि हमनी के कपड़ा उतारल चाहत बानी जा, बल्कि कपड़ा पहिन के चाहत बानी जा ताकि नश्वर जीवन के निगल जाव।
5 जे हमनी के उहे काम खातिर काम कइले बा ऊ परमेश्वर हवें, जे हमनी के आत्मा के पूरा ताकत देले बाड़न।
6 एही से हमनी के हमेशा भरोसा रहेला, काहेकि हमनी के ई जानत बानी जा कि जबले हमनी के शरीर में घर में बानी जा, तब तक हमनी के प्रभु से दूर बानी जा।
7 (काहेकि हमनी के विश्वास से चलत बानी जा, ना कि दृष्टि से।)
8 हम कहत बानी कि हमनी के भरोसा बा आ शरीर से दूर रहे आ प्रभु के साथे मौजूद रहे के इच्छुक बानी जा।
9 एही से हमनी के मेहनत करत बानी जा कि हमनी के मौजूद होखे भा अनुपस्थित होखे, ओकरा से हमनी के स्वीकार होखे।
10 काहेकि हमनी के सब केहू के मसीह के न्याय के आसन के सामने हाजिर होखे के चाहीं। ताकि हर केहू अपना शरीर में जवन काम कइले बा ओकरा हिसाब से ग्रहण कर सके, चाहे ऊ नीमन होखे भा बाउर.
11 एह से प्रभु के भयावहता के जान के हमनी के आदमी के मनावेनी जा। लेकिन हमनी के परमेश्वर के सामने प्रगट हो गईल बानी जा। आ हमरा भरोसा बा कि तोहनी के विवेक में भी प्रकट हो गइल बा।
12 हमनी के फेर से तोहनी के सामने आपन प्रशंसा नईखी करत, बलुक तोहनी के हमनी के ओर से घमंड करे के मौका देत बानी जा, ताकि जे लोग दिल से ना बलुक देखाई देवे में घमंड करेला, ओकरा के कुछ जवाब देवे के मौका मिल सके।
13 काहे कि हमनी के बेहोश होखब जा, उ परमेश् वर खातिर बा, चाहे हमनी के सोझ रहीं जा, उ तोहनी के काम खातिर बा।
14 काहेकि मसीह के प्रेम हमनी के बाध्य करेला। काहे कि हमनी के एह तरह से न्याय करत बानी जा कि अगर केहू सबके खातिर मर गइल त सब मर गइल।
15 ऊ सबका खातिर मर गइलन कि अब से जिन्दा लोग अपना खातिर ना जिए, बलुक जे ओह लोग खातिर मरल आ जी उठल ओकरा खातिर जिए.
16 एही से हमनी के केहू के शरीर के अनुसार ना जानत बानी जा, हँ, भले हमनी के मसीह के शरीर के अनुसार जानत बानी जा, लेकिन अब से हमनी के ओकरा के अब ना जानत बानी जा।
17 एह से अगर केहू मसीह में बा त उ नया प्राणी ह। देखऽ, सब कुछ नया हो गइल बा।
18 सब कुछ परमेश्वर के ह, जे यीशु मसीह के द्वारा हमनी के अपना से मेल मिलाप करवले बाड़न आ हमनी के मेल मिलाप के सेवा देले बाड़न।
19 इ मतलब कि परमेश्वर मसीह में रहलन, उ दुनिया के अपना से मेल मिलाप करत रहले, उ लोग के अपराध के ना गिनत रहले। आ हमनी के मेल-मिलाप के वचन सौंप देले बा।
20 अब हमनी के मसीह के दूत हईं जा, जइसे कि परमेश्वर हमनी के माध्यम से तोहनी से निहोरा करत होखस।
21 काहेकि उ ओकरा के हमनी खातिर पाप बना देले बा, जे पाप ना जानत रहे। ताकि हमनी के उनकरा में परमेश्वर के धार्मिकता बन सकीले।

अध्याय 6 के बा

1 हमनी के उनकरा साथे काम करे वाला के रूप में तोहनी से भी निहोरा करत बानी जा कि रउवां के परमेश्वर के अनुग्रह बेकार में मत पाईं।
2 (काहेकि उ कहत हउवें कि हम तोहरा के स्वीकार कइल समय में सुनले बानी आ उद्धार के दिन में तोहार सहायता कइले बानी। देखऽ, अब स्वीकार कइल समय बा, देखऽ, अब उद्धार के दिन बा।)
3 कवनो बात में कवनो अपराध ना करीं, ताकि सेवा के दोषी ना ठहरावल जा सके।
4 लेकिन हर बात में अपना के परमेशवर के सेवक के रूप में आदर से, कष्ट, आवश्यकता आ संकट में बहुत धैर्य राखे के चाहीं।
5 वार में, जेल में, हंगामा में, मेहनत में, पहरा में, उपवास में।
6 शुद्धता से, ज्ञान से, धीरज से, दयालुता से, पवित्र आत्मा के द्वारा, बेढंगा प्रेम से।
7 सच्चाई के वचन से, परमेश्वर के शक्ति से, दाहिना आ बांया ओर धर्म के कवच से।
8 आदर आ बेइज्जती से, बुरा खबर आ बढ़िया खबर से, धोखेबाज के रूप में, लेकिन सच्चाई के रूप में।
9 जइसे कि अनजान बा, आ फिर भी जानल-मानल बा। जइसे मरत बानी जा, आ देखऽ, हमनी के जिंदा बानी जा। जइसे कि सजा दिहल गइल बा आ ना मारल गइल बा.
10 दुखी होखे के रूप में, लेकिन हमेशा खुश रहे वाला; गरीब के रूप में, फिर भी बहुत लोग के अमीर बनावे वाला; जइसे कि ओकरा लगे कुछुओ नइखे आ तबहियो ओकरा लगे सब कुछ बा.
11 हे कुरिन्थियों, हमनी के मुँह तोहनी खातिर खुलल बा, हमनी के दिल बढ़ल बा।
12 तू हमनी में तंग नईखू, लेकिन तू अपना आंत में तंग हो गईल बाड़ू।
13 अब ओही के बदला खातिर (हम अपना लइकन के जइसन बोलत बानी) तोहनी भी बड़ हो जा।
14 तू लोग अविश्वासी लोग के साथे असमान जुआ में मत बाँटल जा, काहेकि धार्मिकता आ अधर्म के कवन साझीदारी बा? आ अन्हार के साथे उजाला के कवन साझीदारी होला?
15 मसीह के बेलियाल के साथे कवन सहमति बा? काफिर के साथे विश्वास करे वाला के कवन हिस्सा बा?
16 भगवान के मंदिर के मूर्ति से कवन समझौता बा? काहे कि तू लोग जिंदा परमेश्वर के मंदिर हउअ। जइसे भगवान कहले बाड़न

कि हम ओह लोग में रहब आ ओह लोग में चलब। आ हम ओह लोग के भगवान होखब आ ऊ लोग हमार लोग होखी.
17 एही से ओह लोग के बीच से निकल के अलगा हो जा, प्रभु कहत बाड़न, आ अशुद्ध चीज के मत छूईं। आ हम तोहरा के ग्रहण करब।
18 आ तोहनी खातिर पिता बनब, आ तोहनी हमार बेटा-बेटी होखब, सर्वशक्तिमान प्रभु कहत हउवें।

अध्याय 7 के बा

1 हे प्रियजन, हमनी के ई वादा होके शरीर आ आत्मा के सब गंदगी से शुद्ध होके परमेश्वर के भय में पवित्रता के सिद्ध करे के चाहीं।
2 हमनी के ग्रहण करऽ; हमनी के कवनो आदमी के संगे अन्याय नईखी कईले, हमनी के कवनो आदमी के भ्रष्ट नईखी कईले, हमनी के कवनो आदमी के ठगी नईखी कईले।
3 हम ई बात तोहनी के दोषी ठहरावे खातिर नइखी कहत, काहेकि हम पहिले कहले रहनी कि तू लोग हमनी के दिल में मर के तोहनी के साथे जिए खातिर बाड़ऽ।
4 तोहरा प्रति हमार साहस बहुत बा, तोहरा पर हमार महिमा बहुत बा, हम दिलासा से भरल बानी, हम अपना पूरा कष्ट में बहुत खुश बानी।
5 जब हमनी के मकिदुनिया में अइनी जा त हमनी के शरीर के कवनो आराम ना मिलल, लेकिन हमनी के हर तरफ से परेशान रहनी जा। बिना लड़ाई रहे, भीतर डर रहे।
6 फिर भी परमेस् वर, जे गिरल लोग के दिलासा देवेलन, ऊ तीतुस के अइला से हमनी के दिलासा दिहलन।
7 खाली उनकरा अइला से ना, बलुक ओह सांत्वना से जवना से ऊ तोहरे से दिलासा मिलल जब ऊ हमनी के तोहार गंभीर इच्छा, तोहार शोक, तोहार हमरा प्रति गंभीर मन के बतवले। जवना से हम ओतने खुश हो गईनी।
8 हम भले ही तोहनी के चिट्ठी से दुखी कईनी, लेकिन पश्चाताप नईखी करत, काहेकि हम समझत बानी कि उहे चिट्ठी तोहनी के दुखी कईले बा, भले ही उ कुछ समय खातिर होखे।
9 अब हम एह बात से ना खुश बानी कि तोहनी के दुख भइल बा, बलुक एह बात से कि तू लोग पश्चाताप करे खातिर दुखी हो गइल बाड़ऽ, काहे कि तोहनी के ई भक्ति के तरीका से दुखी भइल बा कि हमनी के द्वारा तोहनी के कवनो नुकसान ना होखे।
10 काहेकि परमेश् वर के दुख से मुक्ति के पश्चाताप होला, जवना से पश्चाताप ना होखे, लेकिन दुनिया के दुख मौत के पैदा करेला।
11 काहे कि देखऽ, इहे बात देखऽ कि तू लोग भगवान के तरह के दुखी होके, ई तोहनी में कतना सावधानी बरतलस, हँ, कतना आक्रोश, हँ, कतना डर, हँ, कतना जोरदार इच्छा, हँ, कतना जोश, हँ, कवन बदला लेबे के बा! सब बात में तू लोग अपना के एह बात में साफ-साफ बतावे के मंजूरी देले बाड़ू।
12 एही से हम तोहनी के लिखले बानी, लेकिन हम ओकरा खातिर ना कइले बानी कि जे गलत कइले बा, ना ओकरा खातिर जवन गलत कष्ट भोगले बा, बलुक एह खातिर कइले बानी कि परमेश्वर के सामने तोहनी के हमनी के परवाह देखाई देवे।
13 एही से हमनी के तोहनी के दिलासा मिलल, आऊ हमनी के तीतुस के खुशी से ओतने खुश हो गईनी जा, काहे कि तोहनी सब से उनुकर आत्मा तरोताजा हो गईल।
14 अगर हम तोहनी के बारे में ओकरा से कवनो बात के घमंड कइले बानी त हमरा कवनो शर्म नइखे लागत। लेकिन जइसे हम तोहनी से सब बात सच्चाई में कहले रहनी, ओइसहीं हमनी के घमंड जवन हम तीतुस के सामने कईले रहनी, उ साँच हो गईल बा।
15 जबले ऊ तोहनी के आज्ञाकारिता के याद करत बा कि तू लोग ओकरा के कइसे डर आ काँप के स्वागत कइनी।
16 एह से हम खुश बानी कि हम तोहरे पर सब बात में भरोसा करत बानी।

अध्याय 8 के बा

1 भाई लोग, हम तोहनी के ओह कृपा के बारे में बतावत बानी जवन मकिदुनिया के कलीसिया पर दिहल गइल बा।
2 कइसे कि कष्ट के बड़हन परीक्षा में उनकर खुशी के भरमार आ गहिराह गरीबी के भरमार हो गइल आ उदारता के धन के भरमार हो गइल।
3 काहे कि हम ओह लोग के शक्ति के गवाही देत बानी, हँ, आ ओह लोग के शक्ति से परे ऊ लोग अपना से तइयार रहे।
4 हमनी से बहुत निहोरा करत बानी कि हमनी के वरदान मिल जाव आ पवित्र लोग के सेवा के संगति अपना ऊपर ले लीं।
5 उ लोग इ काम हमनी के उम्मीद के मुताबिक ना कईले, बालुक पहिले परमेश्वर के इच्छा से प्रभु अवुरी हमनी के अपना के दे देले।
6 हमनी के तीतुस से निहोरा कईनी जा कि जईसे उ शुरू कईले रहले, ओसही उ तोहनी में उहे कृपा पूरा करस।
7 एह से जइसे तू लोग हर बात में, विश्वास, बोलचाल, ज्ञान, आ पूरा मेहनत आ हमनी के प्रति प्रेम में भरपूर बा, ओइसहीं देखल जाव कि तू लोग एह अनुग्रह में भी भरपूर होखे।
8 हम आज्ञा से ना, बलुक दोसरा के आगे बढ़े के मौका से बोलत बानी आ तोहनी के प्रेम के सच्चाई के साबित करे खातिर।
9 रउआ सभे हमनी के प्रभु यीशु मसीह के कृपा के जानत बानी कि भले ही उ अमीर रहले, लेकिन तोहनी खातिर उ गरीब हो गईले, ताकि तू उनुका गरीबी के चलते अमीर होखब।
10 हम एही से आपन सलाह देत बानी काहे कि तोहनी खातिर ई उचित बा, जे पहिले से खाली काम करे के ना, बलुक एक साल पहिले आगे बढ़े के भी काम शुरू कइले बानी।
11 अब एकरा के पूरा करऽ। ताकि जइसे इच्छा करे के तइयारी रहे, ओइसहीं तोहरा लगे जवन बा ओकरा से भी एगो काम हो सके।
12 काहेकि अगर पहिले इच्छुक मन होखे त ओकरा के आदमी के लगे जवन बा ओकरा हिसाब से स्वीकार कईल जाला, ना कि ओकरा लगे ना।
13 हमार मतलब ई नइखे कि दोसरा लोग के हल्का हो जाव आ तोहनी के बोझ डाल दिहल जाव.
14 लेकिन एक समानता के द्वारा अब एह समय तोहनी के भरमार ओह लोग के कमी के भरपाई होखे, ताकि उनकर भरमार भी तोहनी के कमी के भरपाई होखे, ताकि बराबरी होखे।
15 जइसे कि लिखल बा, "जे बहुत कुछ बटोरले रहे, ओकरा कुछुओ ना रहे। आ जे कम बटोरले रहे ओकरा कवनो कमी ना रहे।
16 लेकिन परमेश्वर के धन्यवाद जे तीतुस के दिल में तोहनी खातिर उहे गंभीर चिंता रखले।

17 काहेकि उ साँचहू एह उपदेश के स्वीकार कइलन। लेकिन आगे बढ़ के उ अपना मर्जी से तोहनी के लगे चल गईले।
18 हमनी के उनकरा साथे ओह भाई के भेजले बानी जा, जेकर प्रशंसा पूरा कलीसिया में सुसमाचार में होला।
19 खाली इहे ना, बलुक कलीसिया में से उहो चुनल गइल बानी कि उ हमनी के साथे एह कृपा से यात्रा करस, जवन हमनी के द्वारा उहे प्रभु के महिमा आउर तोहनी के तइयार मन के घोषणा खातिर दिहल गइल बा।
20 एकरा से बची कि हमनी के द्वारा दिहल जाए वाला बहुत सारा काम में केहू हमनी के दोषी ना ठहरावे।
21 ईमानदार काम के इंतजाम करीं, खाली प्रभु के नजर में ही ना, बल्कि आदमी के सामने भी।
22 हमनी के ओह लोग के साथे आपन भाई के भेजले बानी जा, जेकरा के हमनी के बहुत काम में बहुत मेहनती साबित करत रहनी जा, लेकिन अब तोहरा पर जवन बहुत भरोसा बा, ओकरा से बहुत ज्यादा मेहनती साबित हो गईल बा।
23 अगर केहू तीतुस से पूछताछ करेला त उ हमार साथी आ सहकर्मी हउवें, भा हमनी के भाई लोग से पूछताछ कइल जाव त उ लोग कलीसिया के दूत हवें आ मसीह के महिमा हउवें।
24 एही से तू लोग ओह लोग के आ कलीसिया के सामने आपन प्रेम आ हमनी के आपन घमंड के प्रमाण देखाईं।

अध्याय 9 के बा

1 काहेकि पवित्र लोग के सेवा के बारे में हमरा खातिर तोहनी के लिखल फालतू बा।
2 काहे कि हम तोहरा मन के आगे के बात जानत बानी, जवना खातिर हम मकिदुनिया के लोग के सामने तोहरा बारे में घमंड करत बानी कि अखाया एक साल पहिले तइयार हो गइल रहे। आ तोहार जोश बहुते लोग के भड़का दिहले बा.
3 तबो हम भाई लोग के भेजले बानी कि एह खातिर हमनी के तोहनी के घमंड बेकार मत हो जाव। ताकि जइसे हम कहले बानी, तोहनी तइयार हो जाइब।
4 कहीं अगर मकिदुनिया के लोग हमरा साथे आके तोहनी के अप्रस्तुत पाईं त हमनी के एही भरोसा के घमंड में शर्म ना आवे।
5 एह से हम भाई लोग के निहोरा कइल जरूरी समझनी कि ऊ लोग पहिले से तोहनी के लगे जाके तोहनी के इनाम के भरपाई करस, जवना के तोहनी पहिले नोटिस कइले रहलू, ताकि उहे लोभ के रूप में ना बलुक इनाम के रूप में तैयार हो सके .
6 लेकिन हम इहे कहत बानी कि जे कम बोवेला उ कम फसल भी काटी। आ जे भरपूर बोवेला ऊ भरपूर कटनी भी करी।
7 हर केहू अपना मन में जइसन मनावल चाहत बा, ओइसहीं देवे के चाहीं। ना, अनिच्छा से, ना जरुरत से, काहेकि भगवान हँसमुख दान देवे वाला से प्रेम करेलन।
8 परमेस् वर तोहनी पर सब अनुग्रह के भरमार करे में सक्षम हउवन। ताकि तोहनी के हर काम में हरदम पूरा होखे के चाहीं आ हर अच्छा काम में भरपूर होखे के चाहीं।
9 (जइसन कि लिखल बा, “उ बितरत हो गइल बा, गरीबन के देले बा। ओकर धार्मिकता हमेशा खातिर बनल रहेला।”
10 जे बोवे वाला के बीज देवेला उ तोहनी के खाना खातिर रोटी करेला आ तोहनी के बोवल बीज के बढ़ावेला आ तोहनी के धार्मिकता के फल बढ़ावेला।
11 हमनी के हर बात में समृद्ध होके सब उदारता के साथ हमनी के माध्यम से परमेश्वर के धन्यवाद देवे के कारण बनत बानी जा।
12 काहे कि एह सेवा के संचालन से खाली पवित्र लोग के कमी के भरपाई ना होला, बलुक भगवान के बहुत धन्यवाद के भी भरपूर मात्रा मिलेला।
13 जबकि एह सेवकाई के प्रयोग से उ लोग मसीह के सुसमाचार के अधीन होखे के दावा करे खातिर परमेश्वर के महिमा करेलन।
14 उ लोग तोहनी खातिर प्रार्थना के द्वारा, जवन तोहनी में परमेश्वर के बहुत अनुग्रह के खातिर तोहनी के लालसा करत बा।
15 उनकर अकथनीय वरदान खातिर परमेश्वर के धन्यवाद होखे।

अध्याय 10 के बा

1 अब हम पौलुस मसीह के नम्रता आ कोमलता से तोहनी से निहोरा करत बानी, जे सामने में तोहनी में नीच हईं, लेकिन गैरहाजिर रहला के बाद तोहनी के प्रति साहसी हई।
2 लेकिन हम तोहसे निहोरा करत बानी कि जब हम ओह भरोसा के साथ मौजूद रहब त हम हिम्मत ना करीं, जवना से हम कुछ लोग के खिलाफ साहसी होखे के सोचत बानी, जवन कि हमनी के शरीर के मुताबिक चलत बानी।
3 हमनी के भले ही शरीर में चलेनी जा, लेकिन शरीर के अनुसार लड़ाई ना करेनी जा।
4 (काहेकि हमनी के युद्ध के हथियार शारीरिक ना ह, बल्कि परमेश्वर के द्वारा मजबूत बा, जवन कि गढ़ के गिरा देवेला।)
5 कल्पना के, आउर हर ऊंच चीज के फेंक के जवन परमेश्वर के ज्ञान के खिलाफ अपना के ऊपर उठावेला, आ हर विचार के मसीह के आज्ञाकारिता खातिर बंदी बना के ले जा।
6 आ जब तोहनी के आज्ञा पूरा हो जाई त सब आज्ञा ना माने के बदला लेवे के तैयारी में रहब।
7 का तू लोग बाहरी रूप से चीजन के देखत बाड़ऽ? अगर केहू अपना पर भरोसा करेला कि ऊ मसीह के ह त ऊ अपना बारे में फेर से ई सोचे कि जइसे ऊ मसीह के ह, ओइसहीं हमनी के मसीह के हईं जा.
8 अगर हम अपना अधिकार के बारे में कुछ अउरी घमंड करब जवन प्रभु हमनी के संस्कार खातिर देले बाड़े, लेकिन तोहनी के नाश खातिर ना, त हम लाज ना करब।
9 ताकि हम अइसन ना लागे कि हम तोहनी के चिट्ठी से डेरा देत बानी।
10 ऊ लोग कहत बा कि उनकर चिट्ठी भारी आ ताकतवर ह। बाकिर ओकर शारीरिक उपस्थिति कमजोर बा आ ओकर बोलल तिरस्कार करे लायक बा.
11 अइसन आदमी ई सोचे कि हमनी के अनुपस्थित रहला पर जइसे हमनी के चिट्ठी से बात में कहल जानी जा, हमनी के मौजूद रहला पर भी अइसने काम में रहब जा।
12 काहेकि हमनी के अपना के संख्या के बारे में बतावे के हिम्मत नईखी करत, ना ही कुछ लोग के तुलना करे के हिम्मत नईखी करत, लेकिन उ लोग अपना के नाप के आपस में तुलना करेले, उ बुद्धिमान नईखन।
13 लेकिन हमनी के बिना नाप के बात के घमंड ना करब जा, बल्कि हमनी के जवन नियम बांटले बाड़े, ओतना नाप तोहनी तक पहुंचे के नाप के अनुसार।
14 हमनी के अपना के अपना नाप से अधिका ना तानत बानी जा, जइसे कि हमनी के तोहनी के पास ना पहुंचल होखब जा, काहेकि

हमनी के मसीह के सुसमाचार के प्रचार करत तोहनी तक पहुंच गईल बानी जा।
15 हमनी के नापजोख के बात के घमंड ना करीं, यानी कि दोसरा के मेहनत के घमंड ना करीं। लेकिन जब तोहनी के विश्वास बढ़ी त हमनी के उम्मीद बा कि हमनी के तोहरे से हमनी के शासन के अनुसार बहुत बढ़ल होखब जा।
16 तोहनी से बाहर के इलाका में सुसमाचार के प्रचार करे खातिर अउर हमनी के हाथ खातिर तइयार कइल गइल चीजन के दोसरा के घमंड ना करे के।
17 लेकिन जे घमंड करेला, उ प्रभु में घमंड करे।
18 काहेकि जे अपना के तारीफ करेला उ ना, बल्कि जेकर प्रभु तारीफ करेले।

अध्याय 11 के बा

1 भगवान के काश कि तू हमरा के हमरा मूर्खता में तनी सहन कर सकीले आ हमरा के सहन कर सकीले।
2 काहेकि हम तोहनी से ईर्ष्या करत बानी, काहेकि हम तोहके एक पति से शादी कर लेले बानी ताकि हम तोहके मसीह के सामने एगो पतिव्रता कुंवारी के रूप में पेश कर सकीले।
3 लेकिन हमरा डर बा कि जइसे साँप अपना चालबाजी से हव्वा के बहका दिहले रहे, ओइसहीं तोहनी के मन मसीह में मौजूद सादगी से नाश ना हो जाव।
4 अगर केहू आवे वाला दोसरा यीशु के प्रचार करत बा, जेकर हमनी के प्रचार ना कइले बानी जा, भा अगर तोहनी के कवनो दोसर आत्मा मिलत बा, जवन तोहनी के ना मिलल बा, या कवनो दोसर सुसमाचार जवन तोहनी के ना स्वीकार कइले बाड़ू, त तोहनी ओकरा के सहन कर सकेनी।
5 काहेकि हमरा लागत बा कि हम बड़का प्रेरित प्रेरितन से एको भी पीछे ना रहनी।
6 लेकिन हम बोलला में अभद्र होखब, लेकिन ज्ञान में ना। लेकिन हमनी के तोहनी के बीच सब बात में पूरा तरह से प्रगट हो गईल बानी जा।
7 का हम अपना के नीचा देखावे में कवनो अपराध कइले बानी कि तोहनी के ऊपर उठावल जा सके, काहे कि हम तोहनी के मुफ्त में परमेश्वर के सुसमाचार सुनवले बानी?
8 हम तोहनी के सेवा करे खातिर दोसरा कलीसिया के मजदूरी लेके लूट लेहनी।
9 जब हम तोहनी के साथे रहनी आ कमी रहे त हम केहू के भार ना देनी, काहे कि जवन कमी रहे ओकरा के मकिदुनिया से आइल भाई लोग के भरपाई करत रहे का हम अपना के राखब।
10 जइसे मसीह के सच्चाई हमरा में बा, अखाया के इलाका में हमरा के केहू ना रोकी।
11 काहे? काहे कि हम तोहरा से प्यार ना करेनी? भगवान जानत बाड़े।
12 लेकिन हम जवन करत बानी उहे करब ताकि हम मौका के चाहत वाला लोग से मौका काट सकीले। ताकि जवना में उ लोग घमंड करेला, उहो हमनी के निहन मिलस।
13 काहेकि अइसने लोग झूठा प्रेरित हवें, धोखेबाज काम करे वाला हवें आ अपना के मसीह के प्रेरित में बदलत हवें।
14 आ कवनो अचरज ना भइल। काहे कि शैतान खुदे प्रकाश के दूत में बदल गइल बा.
15 एह से अगर उनकर सेवक लोग भी धर्म के सेवक के रूप में बदल जाला त ई कवनो बड़हन बात नइखे। जेकर अंत ओह लोग के काम के हिसाब से होई।
16 हम फेर कहत बानी कि केहू हमरा के मूर्ख ना समझे। अगर ना तबो हमरा के मूर्ख के रूप में ग्रहण करीं ताकि हम अपना के तनी घमंड कर सकीले।
17 जवन बात हम कहत बानी, उ प्रभु के अनुसार ना, बल्कि मूर्खता के रूप में कहत बानी, एह घमंड के भरोसा में।
18 ई देख के कि बहुत लोग शरीर के पालन करत घमंड करेला, हमहूँ घमंड करब।
19 काहे कि तू लोग खुदे बुद्धिमान हउवऽ, काहे कि तू लोग मूर्ख लोग के खुशी से कष्ट उठावत बाड़ऽ।
20 अगर केहू तोहनी के गुलामी में ले आवेला, अगर केहू तोहनी के खा जाव, अगर केहू तोहनी के ले लेव, अगर आदमी तोहनी के ऊपर उठावे, अगर केहू तोहरा के मुँह पर मार देवे त तोहनी के कष्ट हो रहल बा।
21 हम निंदा के बात कहत बानी जइसे हमनी के कमजोर हो गइल बानी जा। बाकिर जवना में केहू साहसी होखे, हम मूर्खता से बोलत बानी, हमहूँ साहसी बानी।
22 का उ लोग इब्रानी हवें? हमहूँ भी बानी का उ लोग इस्राएली हवें? हमहूँ भी बानी, का उ लोग अब्राहम के वंशज हवें? त हमहूँ बानी।
23 का उ लोग मसीह के सेवक हवें? (हम मूर्ख बन के बोलत बानी) हम अधिका बानी; श्रम में अधिका प्रचुर मात्रा में, नाप से ऊपर के पट्टी में, जेल में अधिका बार, मौत में अक्सर।
24 यहूदी लोग में से एक के छोड़ के पांच बेर चालीस गो चोट लागल।
25 तीन बेर हमरा के लाठी से पीटल गइल, एक बेर पत्थर मारल गइल, तीन बेर जहाज डूब गइल, एक रात एक दिन गहिराह में रहनी।
26 अक्सर यात्रा में, पानी के खतरा में, डकैत के खतरा में, अपना देश के लोग के खतरा में, गैर-यहूदी के खतरा में, शहर में खतरा में, जंगल में खतरा में, समुद्र में खतरा में, झूठ के बीच खतरा में भाई लोग के;
27 थकान आ पीड़ा में, अक्सर देखत रहे में, भूख आ प्यास में, अक्सर उपवास में, ठंडा आ नंगापन में।
28 बाहर के चीजन के अलावा जवन हमरा पर रोज आवेला, सब कलीसिया के चिंता।
29 के कमजोर बा आ हम कमजोर नइखी? केकरा नाराजगी होला आ हम ना जरत बानी?
30 अगर हमरा महिमा के जरूरत बा त हम अपना कमजोरी के बारे में घमंड करब।
31 हमनी के प्रभु यीशु मसीह के पिता परमेश्वर, जे हमेशा खातिर धन्य बाड़े, उ जानत बाड़े कि हम झूठ नईखी बोलत।
32 दमिश्क में राजा अरेतास के अधीन गवर्नर दमिश्कियन के शहर के एगो सेना के संगे रखले रहले अवुरी हमरा के पकड़े के चाहत रहले।
33 एगो टोकरी में खिड़की से हम देवाल के किनारे गिरा देनी अवुरी उनुका हाथ से बच गईनी।

अध्याय 12 के बा

1 हमरा खातिर महिमा कइल निस्संदेह उचित नइखे। हम प्रभु के दर्शन आ प्रकटीकरण में आ जाईब।
2 हम चौदह साल पहिले मसीह में एगो आदमी के जानत रहनी, (हम शरीर में बा कि ना, हम बता सकत बानी कि शरीर से बाहर बा कि ना, परमेश्वर जानत बाड़े) अइसन आदमी के तीसरा स्वर्ग में ले जाइल गइल।
3 हम अइसन आदमी के जानत रहनी, (शरीर में होखे भा शरीर से बाहर, हम ई ना बता सकत बानी कि परमेश्वर जानत हउवें)।
4 कइसे ऊ जन्नत में ले जाइल गइलन आ अकथनीय बात सुनलन, जवन आदमी के बोलल जायज नइखे।
5 हम अइसन आदमी के घमंड करब, फिर भी हम अपना कमजोरी में घमंड करब।
6 हम भले घमंड करे के चाहत बानी, लेकिन मूर्ख ना होखब। काहे कि हम सच कहब, लेकिन अब हम बर्दाश्त करतानी कि केहु हमरा के ओतना से जादे ना सोचे जवन उ हमरा के देखतारे अवुरी हमरा बारे में सुनतारे।
7 एह से कहीं कि हमरा के नापजोख से ऊपर ना कइल जा सके, त हमरा के शरीर में एगो काँटा दिहल गइल, शैतान के दूत हमरा के मारे खातिर, ताकि हम नाप से अधिका ना हो जाइब।
8 एकरा खातिर हम तीन बेर प्रभु से निहोरा कईनी कि उ हमरा से दूर हो जाए।
9 उ हमरा से कहले, " हमार कृपा तोहरा खातिर काफी बा, काहेकि हमार ताकत कमजोरी में सिद्ध हो जाला।" एह से हम अपना कमजोरी पर बहुत खुशी से घमंड करब कि मसीह के शक्ति हमरा पर टिक सके।
10 एही से हम मसीह के खातिर कमजोरी, निंदा, जरूरत, सताव, संकट में खुश बानी, काहे कि जब हम कमजोर होखब त हम मजबूत हो जानी।
11 हम घमंड में मूर्ख बन गइल बानी। तू लोग हमरा के मजबूर कइले बाड़ऽ, काहे कि हमरा के तोहनी से तारीफ करे के चाहत रहे, काहे कि हम कवनो बात में सबसे बड़का प्रेरितन से पीछे नइखीं, भले हम कुछुओ ना होखीं।
12 तोहनी के बीच में एगो प्रेरित के निशानी सब धैर्य, चमत्कार, चमत्कार आ पराक्रमी काम से कइल गइल।
13 काहे कि तू लोग दोसरा कलीसिया से नीच रहला का बा, जबले कि हम खुद तोहनी खातिर बोझिल ना रहनी? हमरा के ई गलती माफ कर दीं।
14 देखऽ, हम तीसरी बेर तोहरा लगे आवे खातिर तइयार बानी। हम तोहरा खातिर बोझ ना होखब काहे कि हम तोहार ना, तोहरा के खोजत बानी काहे कि लइकन के माई-बाप खातिर ना, बलुक माई-बाप के लइकन खातिर जमा करे के चाहीं।
15 हम बहुत खुशी से तोहनी खातिर खरच करब आ खरच होखब। हालांकि हम तोहरा से जेतना भरपूर प्यार करीं, ओतने कम प्यार होई।
16 लेकिन अईसन होखे, हम तोहरा पर बोझ ना डालनी, फिर भी हम तोहनी के धोखा से पकड़ लेहनी।
17 जेकरा के हम तोहनी के लगे भेजले रहनी, ओकरा में से कवनो के हम तोहनी से फायदा कईनी?
18 हम तीतुस से निहोरा कइनी आ ओकरा साथे एगो भाई भेजनी। का तीतुस तोहरा से कवनो फायदा कइले बा? चलल हम एके भावना में ना? चलल हमनी के एके कदम में ना?
19 तोहनी के फेरु से का लागत बा कि हमनी के तोहनी के सामने बहाना बनावत बानी जा? हमनी के मसीह में परमेश्वर के सामने बोलत बानी जा, लेकिन हे प्रियजन, हमनी के सब कुछ तोहनी के संस्कारित करे खातिर करेनी जा।
20 काहेकि हमरा डर बा कि कहीं जब हम अइब त तोहनी के ओइसन ना मिल पाईं जइसन हम चाहत रहीं आ तोहनी के ओइसन ना मिल जाईं जइसन तोहनी ना चाहत रहीं। सूजन, हंगामा होखल:
21 आ कहीं अइसन मत होखे कि जब हम फेर से अइब त हमार परमेश्वर हमरा के तोहनी के बीच में नम्र कर दीहें आ हम बहुत लोग के विलाप कर सकीले जे पहिले से पाप कर चुकल बा आ उ लोग के कइल अशुद्धि आ व्यभिचार आ कामुकता से पश्चाताप नइखे कइले।

अध्याय 13 के बा

1 हम तीसरी बेर तोहरा लगे आवत बानी। दू-तीन गवाह के मुंह में हर बात स्थापित हो जाई।
2 हम तोहनी के पहिले से कहले रहनी आ तोहके भविष्यवाणी करत बानी, जइसे हम दूसरा बेर मौजूद बानी। अब गैरहाजिर रहला के बाद हम अब तक पाप करे वाला लोग के आ बाकी सब लोग के लिखत बानी कि अगर हम फेर से अइब त हम कुछ ना छोड़ब।
3 काहे कि तू लोग मसीह के हमरा में बात करे के प्रमाण खोजत बानी, जवन तोहनी खातिर कमजोर नइखे, लेकिन तोहनी में पराक्रमी बा।
4 भले ही उ कमजोरी के चलते सूली पर चढ़ावल गईल रहले, लेकिन उ परमेश्वर के शक्ति से जिंदा बाड़े। हमनी के भी ओकरा में कमजोर बानी जा, लेकिन हमनी के तोहनी के प्रति परमेश्वर के शक्ति से ओकरा साथे जिंदा रहब जा।
5 अपना के परखऽ कि तू लोग विश्वास में बा कि ना। आपन खुद के साबित कर लीं। का तू लोग अपना के नइख जानत कि यीशु मसीह तोहनी में कइसे बाड़े, जब तक कि तू लोग के निंदा ना कइल जाई?
6 लेकिन हमरा भरोसा बा कि तोहनी के पता चल जाई कि हमनी के खारिज नईखी।
7 अब हम भगवान से निहोरा करत बानी कि तू लोग कवनो बुराई ना करीं। ई ना कि हमनी के मंजूर लउके के चाहीं, बलुक हमनी के निंदा कइला के बावजूद तू लोग ईमानदार काम करे के चाहीं।
8 काहेकि हमनी के सच्चाई के खिलाफ कुछ ना कर सकेनी जा, बल्कि सच्चाई के खिलाफ।
9 जब हमनी के कमजोर होखब जा आ तू मजबूत होखब जा त हमनी के खुश हो जानी जा, आ हमनी के इहे चाहत बानी जा कि तोहनी के सिद्धता।
10 एह से हम ई सब बात गैरहाजिर रहला पर लिखत बानी कि कहीं मौजूद रहला पर हम ओह शक्ति के अनुसार तीक्ष्णता के प्रयोग ना कर सकीले जवन प्रभु हमरा के विनाश करे खातिर दिहले बाड़न, ना कि नाश करे खातिर।
11 अंत में भाई लोग, विदाई। सिद्ध रहीं, अच्छा आराम से रहीं, एक मन के रहीं, शांति से रहीं; आ प्रेम आ शांति के भगवान तोहनी के साथे रहीहें।
12 एक दूसरा के पवित्र चुंबन से अभिवादन करीं।
13 सब संत लोग तोहके नमन करत बा।

14 प्रभु यीशु मसीह के अनुग्रह, परमेश्वर के प्रेम आ पवित्र आत्मा के साझीदारी रउआ सभे के साथे होखे। आमीन के बा। (कुरिन्थियों के दूसरका पत्र मकिदुनिया के एगो शहर फिलिप्पी से तीतुस आ लुकास के लिखल ह।)

गलाती के लोग

अध्याय 1 के बा

1 पौलुस, एगो प्रेरित, (मनुष्य के ना, ना आदमी के द्वारा, बल्कि यीशु मसीह आ पिता परमेश्वर के द्वारा, जे उनकरा के मुवलन में से जिंदा कइले बाड़न)।
2 हमरा साथे रहल सब भाई लोग गलातिया के कलीसिया के भेजल।
3 पिता परमेस् वर आ हमनी के प्रभु यीशु मसीह के ओर से तोहनी पर कृपा आ शांति होखे।
4 उ हमनी के पाप खातिर अपना के दे दिहलन ताकि उ हमनी के एह बुरा संसार से बचावे, हमनी के पिता परमेश्वर के इच्छा के अनुसार।
5 उनकर महिमा हमेशा खातिर होखे। आमीन के बा।
6 हमरा अचरज बा कि तू लोग एतना जल्दी ओह आदमी से दूर हो गइल बाड़ऽ जे तोहनी के मसीह के अनुग्रह में बोलवले बाड़ऽ।
7 जवन कवनो दोसर ना ह। लेकिन कुछ लोग बा जे तोहनी के परेशान करत बा आ मसीह के सुसमाचार के बिगाड़त चाहत बा।
8 अगर हमनी के भा स्वर्ग से आइल कवनो स्वर्गदूत तोहनी के जवन सुसमाचार सुनवले बानी जा ओकरा से अलग कवनो सुसमाचार सुनावे के चाहीं, लेकिन ओकरा के अभिशप्त होखे के चाहीं।
9 जइसन कि हमनी के पहिले कहले रहनी जा, हम अब फेरु से कहत बानी कि अगर केहू तोहनी के सुसमाचार के अलावा कवनो सुसमाचार सुनावेला त ओकरा के अभिशप्त होखे के चाहीं।
10 का हम अब आदमी के मनावत बानी कि भगवान के? का हम आदमी के खुश करे के कोशिश करत बानी? काहेकि अगर हम अभी भी आदमी के खुश करत रहनी त हम मसीह के सेवक ना बनब।
11 भाई लोग, हम तोहनी के प्रमाणित करत बानी कि हमरा से जवन सुसमाचार सुनावल गइल बा, उ आदमी के अनुसार ना ह।
12 काहेकि हम ना त आदमी से मिलल बा, ना ही हमरा के सिखावल गईल बा, बल्कि यीशु मसीह के प्रगटीकरण के द्वारा।
13 काहेकि तू लोग पहिले यहूदी धर्म में हमार बातचीत के बारे में सुनले बानी कि हम परमेश्वर के कलीसिया के बहुते सतावनी आ ओकरा के बर्बाद कर दिहनी।
14 हम अपना राष्ट्र में हमरा बराबर के बहुत लोग से अधिका यहूदी धर्म में फायदा उठवनी, काहे कि हम अपना पुरखन के परंपरा से अधिका उत्साहित रहनी।
15 लेकिन जब परमेस् वर हमरा मन के मन लगल, जे हमरा के माई के पेट से अलग क देले अवुरी अपना कृपा से हमरा के बोलवले।
16 अपना बेटा के हमरा में प्रगट कर के हम गैर-यहूदी लोग के बीच ओकर प्रचार कर सकीले। तुरते हम खून-मांस के बात ना कइनी।
17 ना हम यरूशलेम में ओह लोग के लगे ना गईनी जवन हमरा से पहिले प्रेरित रहले। लेकिन हम अरब में जाके दमिश्क वापस आ गईनी।
18 तीन साल बाद हम पतरस से मिले खातिर यरूशलेम चल गइनी आ पन्द्रह दिन तक उनकरा साथे रहनी।
19 लेकिन प्रभु के भाई याकूब के छोड़ के हम दोसर प्रेरित के केहू के ना देखनी।
20 अब हम जवन बात तोहनी के लिखत बानी, उ देखऽ, परमेश्वर के सामने हम झूठ नइखी बोलत।
21 ओकरा बाद हम सीरिया आ किलिसिया के इलाका में आ गईनी।
22 मसीह में रहल यहूदिया के कलीसिया के मुँह से अनजान रहे।
23 लेकिन उ लोग सिर्फ इहे सुनले रहले कि, जवन हमनी के पहिले सतावत रहे, उ अब उ विश्वास के प्रचार करतारे, जवना के उ कबो नष्ट क देले रहले।
24 उ लोग हमरा में परमेश्वर के महिमा कईले।

अध्याय 2 के बा

1 चौदह साल बाद हम बरनबास के साथे यरूशलेम चल गइनी आ तीतुस के भी अपना साथे लेके चल गइनी।
2 हम प्रगटीकरण के द्वारा चढ़ गइनी आ गैर-यहूदी लोग के बीच जवन सुसमाचार प्रचार करत बानी, ओकरा के बतावत रहनी, लेकिन एकांत में जे लोग प्रतिष्ठित रहे, कहीं हम कवनो तरीका से बेकार में भाग ना जाइब, भा दौड़ल ना जाइब।
3 हमरा साथे रहल तीतुस के खतना करावे के मजबूरी ना भइल।
4 आऊ झूठा भाई लोग के चलते अनजाने में ले आवल गइलन, जे लोग हमनी के मसीह यीशु में मिलल आजादी के जासूसी करे खातिर गुप्त रूप से अंदर आइल रहले ताकि उ लोग हमनी के गुलाम में डाल सके।
5 हमनी के एक घंटा खातिर ना, ओकरा अधीनता से जगह देनी जा। ताकि सुसमाचार के सच्चाई तोहनी के साथे बनल रहे।
6 लेकिन इ लोग में से जे कुछ भी लागत रहे, (उ लोग जवन भी होखे, हमरा खातिर कवनो फर्क ना पड़ेला, परमेश्वर केहू के व्यक्ति के स्वीकार ना करेलन) काहे कि जे लोग कुछ हद तक सम्मेलन में लागल लउकत रहे, उ लोग हमरा खातिर कुछ ना जोड़ले।
7 लेकिन उल्टा जब उ लोग देखले कि खतना ना भईल लोग के सुसमाचार हमरा के सौंपल गईल बा, जईसे खतना के सुसमाचार पतरस के दिहल गईल रहे।
8 (काहेकि जे पतरस में खतना के प्रेरित के काम कइले, उहे हमरा में गैर-यहूदी लोग के प्रति पराक्रमी रहलन।)
9 जब याकूब, केफा आ यूहन्ना, जे खंभा लागत रहले, हमरा पर दिहल अनुग्रह के पता चलल त उ लोग हमरा आ बरनबास के संगति के दाहिना हाथ दे दिहले। कि हमनी के गैर-यहूदी लोग के बीच जाइब जा आ उ लोग खतना करे वाला लोग के लगे।
10 खाली उ लोग चाहत रहले कि हमनी के गरीबन के याद करीं जा। उहे जवन हमहूँ करे खातिर तइयार रहनी।
11 जब पतरस अंताकिया अइले त हम उनकर मुँह से विरोध कइनी काहे कि उनकर दोषी ठहरावल गइल रहे।
12 काहेकि याकूब के ओर से कुछ लोग आवे से पहिले उ गैर-यहूदी लोग के संगे खाना खात रहले, लेकिन जब उ लोग अईले त उ खतना करेवाला लोग से डेरा के अलग हो गईले।
13 बाकी यहूदी लोग भी उनकरा साथे ओइसहीं भटकल। एतना कि बरनबास भी ओह लोग के छेड़खानी के साथे ले जाइल गइल।
14 जब हम देखनी कि उ लोग सुसमाचार के सच्चाई के मुताबिक सीधा-सीधा नईखन चलत, त हम पतरस से सभके सामने कहनी कि, "जदी तू यहूदी होखला के नाते गैर-यहूदी के तरीका से जिएत बाड़, ना कि यहूदी लोग निहन ना, त तू काहे मजबूर करतानी गैर-यहूदी लोग के यहूदी लोग के जइसन जिए खातिर?

15 हमनी के जे स्वभाव से यहूदी हईं जा, आ गैर-यहूदी के पापी ना हईं जा।
16 इ जान के कि आदमी के व्यवस्था के काम से धर्मी ना मानल जाला, बल्कि यीशु मसीह के विश्वास से हमनी के यीशु मसीह में विश्वास कईले बानी जा ताकि हमनी के व्यवस्था के काम से ना बलुक मसीह के विश्वास से धर्मी ठहरावल जा सके : काहेकि व्यवस्था के काम से कवनो आदमी के धर्मी ना ठहरावल जाई।
17 लेकिन अगर हमनी के मसीह के द्वारा धर्मी ठहरावे के कोशिश करत बानी जा, त हमनी के खुद पापी मिल गईल बानी जा, त का मसीह पाप के सेवक हवें? भगवान ना करस।
18 अगर हम जवन चीज के नाश कईले रहनी ओकरा के फेर से बना देब त हम अपना के अपराधी बना देब।
19 काहेकि हम व्यवस्था के द्वारा व्यवस्था के खातिर मर गइल बानी ताकि हम परमेश्वर खातिर जिंदा हो सकीले।
20 हम मसीह के साथे सूली पर चढ़ावल गइल बानी, फिर भी हम जिंदा बानी। तबो हम ना, लेकिन मसीह हमरा में जियत बाड़े, आ जवन जीवन हम अब शरीर में जीयत बानी, उ हम परमेश्वर के बेटा के विश्वास से जीयत बानी, जे हमरा से प्यार कईले अवुरी हमरा खाती अपना के देले।
21 हम परमेश्वर के कृपा के नाश नइखी करत, काहेकि अगर धर्म व्यवस्था के द्वारा आवेला त मसीह बेकार में मर गईल बाड़े।

अध्याय 3 के बा

1 हे मूर्ख गलाती, तोहनी के के जादू कइले बा कि तू सच्चाई के बात ना मानी, जेकरा आँख के सामने यीशु मसीह के तोहनी के बीच सूली पर चढ़ावल गइल बा?
2 हम तोहनी से खाली इहे सीखल चाहत बानी कि व्यवस्था के काम से तोहनी के आत्मा मिलल बा कि विश्वास के सुनला से?
3 का तू अतना मूर्ख हईं? आत्मा से शुरू भइला के बाद का अब तू लोग शरीर से सिद्ध हो गइल बाड़ऽ?
4 का तोहनी के एतना कष्ट बेकार में भोगल बा? अगर अबहीं ले बेकार हो गइल बा.
5 एह से जे तोहनी के आत्मा के सेवा करेला आ तोहनी के बीच में चमत्कार करेला, उ व्यवस्था के काम से करेला कि विश्वास के सुनला से?
6 ओइसहीं अब्राहम परमेस् वर पर बिसवास कइलन आउर उनकरा के धार्मिकता मानल गइल।
7 एह से तू लोग जान लीं कि जे विश्वास में बा, उहे अब्राहम के संतान हवे।
8 पवित्र शास्त्र पहिले से ई देख के कि परमेस् वर विश् वास के द्वारा गैर-यहूदी लोग के धर्मी ठहरावे, अब्राहम के सामने सुसमाचार के प्रचार करत कहलस कि, "तोहरा से सब जाति के आशीष मिली।"
9 एही से बिसवासी लोग के विश्वासी अब्राहम के साथे आशीष मिल जाला।
10 काहेकि जे भी व्यवस्था के काम में आवेला, उ लोग अभिशाप के अधीन बा, काहेकि लिखल बा कि, "अशपित उ सब केहू जवन व्यवस्था के किताब में लिखल सब बात के पालन करे में ना रहेला।"
11 लेकिन परमेश्वर के नजर में व्यवस्था के द्वारा केहु के धर्मी ना ठहरावल जा सकेला, काहेकि धर्मी लोग विश्वास से जिंदा रही।
12 व्यवस्था विश्वास से ना होला, बलुक, "जे आदमी एकरा के पालन करेला, उ ओकरा में जिंदा रही।"
13 मसीह हमनी के व्यवस्था के अभिशाप से मुक्त कर दिहले बाड़न आ हमनी खातिर अभिशाप बन गइल बाड़न, काहे कि लिखल बा कि, "जे केहू पेड़ पर लटकल बा, ऊ अभिशप्त बा।"
14 ईसा मसीह के द्वारा अब्राहम के आशीष गैर-यहूदी लोग पर मिले। ताकि हमनी के विश्वास के द्वारा आत्मा के प्रतिज्ञा के प्राप्त कर सकीले।
15 भाई लोग, हम आदमी के तरीका से बोलत बानी। भले ही इ कवनो आदमी के वाचा ह, लेकिन अगर एकर पुष्टि हो गईल त केहु एकरा के रद्द ना करी, ना ओकरा में कवनो बढ़ोतरी ना करी।
16 अब अब्राहम आ उनकर वंशज के प्रति वादा कइल गइल रहे। ऊ ना कहत हव कि, "आउर बीज से, जइसे बहुत लोग के कहल जाला। लेकिन एक आदमी के रूप में, आ तोहरा संतान के, जवन मसीह हवे।
17 हम इ कहत बानी कि जवन वाचा मसीह में परमेश्वर के द्वारा पहिले से पुष्टि भइल रहे, जवन व्यवस्था के चार सौ तीस साल बाद भइल रहे, उ वादा के बेकार ना हो सकेला।
18 अगर उ उत्तराधिकार व्यवस्था से मिलेला त उ वादा से ना हो पाई, लेकिन परमेश्वर एकरा के अब्राहम के वादा से देले।
19 त व्यवस्था के सेवा काहे कइल जाला? एकरा के अपराध के चलते जोड़ल गईल, जब तक कि उ वंश ना आई, जेकरा से वादा कईल गईल रहे। आ एकरा के एगो मध्यस्थ के हाथ में स्वर्गदूत लोग के द्वारा नियुक्त कइल गइल।
20 अब मध्यस्थ एक के मध्यस्थ ना होला, लेकिन परमेश्वर एक हवे।
21 त का व्यवस्था परमेश्वर के वादा के खिलाफ बा? भगवान ना करस, काहेकि अगर कवनो अइसन व्यवस्था दिहल गइल रहित जवन जीवन दे सकत रहे, त व्यवस्था के द्वारा धर्मी हो सकत रहे।
22 लेकिन पवित्रशास्त्र सबके पाप के अधीन कर देले बा, ताकि यीशु मसीह के विश्वास से वादा विश्वास करे वाला लोग के दिहल जा सके।
23 लेकिन विश्वास आवे से पहिले हमनी के व्यवस्था के अधीन रखल गईल रहनी जा, जवन विश्वास बाद में प्रगट होखे वाला रहे।
24 एही से व्यवस्था हमनी के मसीह के लगे ले आवे के स्कूल के गुरु रहे ताकि हमनी के विश्वास से धर्मी ठहरावल जा सके।
25 लेकिन विश्वास के अईला के बाद अब हमनी के स्कूल के मास्टर के अधीन नईखी।
26 काहेकि तू सभे मसीह यीशु में बिसवास से परमेस् वर के संतान हईं।
27 तोहनी में से जेतना लोग मसीह में बपतिस्मा लेले बा, उ मसीह के कपड़ा पहिनले बानी।
28 ना त यहूदी बा, ना यूनानी, ना दास बा, ना मुक्त, ना नर बा, ना महिला, काहेकि रउआ सभे मसीह यीशु में एक बानी।
29 अगर तू मसीह के हईं त तू अब्राहम के वंशज आ वादा के अनुसार वारिस हईं।

अध्याय 4 के बा

1 अब हम कहत बानी कि जब तक वारिस लइका बा, तब तक नौकर से कवनो अलग ना होखे, भले ऊ सबके मालिक होखे।

2 लेकिन पिता के निर्धारित समय तक ट्यूटर आ गवर्नर के अधीन रहेला।
3 हमनी के लइका रहनी जा त संसार के तत्वन के गुलाम में रहनी जा।
4 लेकिन जब समय पूरा हो गईल त परमेश्वर अपना बेटा के भेजले, जवन कि एगो महिला से बनल अवुरी व्यवस्था के तहत बनल रहे।
5 व्यवस्था के अधीन रहलन के छुड़ावे के ताकि हमनी के बेटा के गोद ले सकीले।
6 तोहनी के बेटा होखला के वजह से परमेश्वर अपना बेटा के आत्मा के तोहनी के दिल में भेज के चिल्ला के कहले बाड़न कि "अब्बा, बाबूजी।"
7 एही से तू अब सेवक ना होखब, बलुक बेटा बन गइल बाड़ऽ। आ अगर बेटा हईं त मसीह के माध्यम से परमेश्वर के वारिस हो जाइब।
8 लेकिन जब रउवां परमेश्वर के ना जानत रहनी त उ लोग के सेवा करत रहनी जवन स्वभाव से देवता ना हवे।
9 लेकिन अब जब रउवां परमेश्वर के जान गइल बानी, या कहीं कि परमेश्वर से जानल गइल बानी, त रउवां फेर से ओह कमजोर आ भिखारी तत्वन के ओर कइसे मुड़ जाइब, जवना के तू लोग फेर से गुलाम बनल चाहत बानी?
10 तू लोग दिन, महीना, समय आ साल के पालन करेनी।
11 हम तोहरा से डेरात बानी कि कहीं हम तोहनी के बेकार में मेहनत ना कर दिहनी।
12 भाई लोग, हम तोहनी से निहोरा करत बानी कि हम जइसन बानी। काहेकि हमहूँ तोहनी जइसन बानी, तोहनी हमरा के कवनो घायल नइखऽ कइले।
13 तोहनी जानत हईं कि हम पहिले तोहनी के सुसमाचार के प्रचार कईसे शरीर के कमजोरी के चलते हई|
14 हमरा शरीर में आइल हमार परीक्षा के तू लोग ना तुच्छ समझनी आ ना ठुकरा दिहनी। लेकिन हमरा के मसीह यीशु के रूप में परमेश्वर के दूत के रूप में ग्रहण कईले।
15 त तू जवन आशीष के बात कइले रहलू ऊ कहाँ बा? काहे कि हम तोहनी के गवाही देत बानी कि अगर संभव रहित त तू लोग आपन आँख उखाड़ के हमरा के दे देले रहतीं।
16 का हम तोहनी के दुश्मन बन गईल बानी काहे कि हम तोहके सच कहत बानी?
17 उ लोग जोश से तोहरा के प्रभावित करेला, लेकिन ठीक से ना; हँ, ऊ लोग रउरा के बाहर कर देत रहे, जेहसे कि रउरा ओह लोग पर असर डाल सकीलें.
18 लेकिन जब हम तोहनी के साथे मौजूद रहीं तबे ना, हरदम नीमन काम में जोश से प्रभावित रहब बढ़िया बा।
19 हमार छोट लइका, जेकरा से हम फेर से जन्म लेत बानी, जबले मसीह तोहनी में ना बन जाइब।
20 हम चाहत बानी कि हम अब तोहनी के साथे मौजूद रहीं आ आपन आवाज बदल दीं। काहे कि हमरा तोहरा पर संदेह बा।
21 हे जे व्यवस्था के अधीन रहे के चाहत बानी, हमरा के बताईं कि का तू लोग व्यवस्था के बात नईखी सुनत?
22 लिखल बा कि इब्राहीम के दू गो बेटा भइल, एगो दासी से, दोसरका एगो स्वतंत्र औरत से।
23 लेकिन जे दासी से बनल रहे, उ शरीर के हिसाब से पैदा भईल रहे। बाकिर मुक्त मेहरारू के ऊ वादा से भइल रहे.
24 इ सब बात एगो रूपक ह, काहेकि इ दुनो वाचा ह। सिनाई पहाड़ से निकलल, जवन दासता बन जाला, जवन अगर ह।
25 काहेकि इ अगार अरब के सिनाई पहाड़ ह, जवन यरूशलेम के जवाब देवेला, जवन कि अब बा अवुरी अपना संतान के संगे गुलाम बा।
26 ऊपर के यरूशलेम आजाद ह, जवन हमनी सब के महतारी ह।
27 काहेकि लिखल बा कि, हे बंजर जे बच्चा ना पैदा करेले, खुश हो जा। हे प्रसव ना करे वाला, टूट के रोअ, काहे कि उजाड़ के पति वाला से बहुत जादे संतान होखेला।
28 भाई लोग, हमनी के इसहाक जइसन वादा के संतान हईं जा।
29 जइसे तब शरीर के अनुसार पैदा भइल आदमी आत्मा के अनुसार पैदा भइल के सतावत रहे, ओइसहीं अब भी हो रहल बा।
30 फिर भी पवित्रशास्त्र का कहत बा? दासी आ ओकर बेटा के बाहर निकाल दीं, काहे कि दासी के बेटा मुक्त औरत के बेटा के वारिस ना होई।
31 एह से भाई लोग, हमनी के दासी के संतान ना हईं जा, बलुक आज़ाद के संतान हईं जा।

अध्याय 5 के बा

1 एह से ओह आजादी में मजबूती से खड़ा रहीं जवना से मसीह हमनी के आजाद कइले बाड़न आ फेर से दासता के जुआ में ना फँस जाईं।
2 देख, हम पौलुस तोहनी से कहत हई कि अगर तोहनी के खतना हो जाई त मसीह से तोहनी के कवनो फायदा ना होई।
3 हम खतना कइल हर आदमी के फेरु से गवाही देत बानी कि ऊ पूरा व्यवस्था के पालन करे के ऋणी बा।
4 तोहनी में से जे भी व्यवस्था के द्वारा धर्मी ठहरावल जाला, तोहनी खातिर मसीह के कवनो मतलब नइखे। तू लोग अनुग्रह से गिर गइल बाड़ऽ।
5 हमनी के आत्मा के द्वारा विश्वास से धार्मिकता के आशा के इंतजार करत बानी जा।
6 काहेकि ईसा मसीह में ना त खतना के कवनो फायदा होला आ ना खतना ना भइला। लेकिन उ विश्वास जवन प्रेम से काम करेला।
7 तू लोग बढ़िया से दौड़त रहलू। के रोकलस कि तोहनी के सच्चाई के बात ना मानी?
8 ई मनावल ओकरा से ना होला जे तोहनी के बोलावेला।
9 तनी खमीर से पूरा गांठ खमीर हो जाला।
10 हमरा प्रभु के द्वारा तोहनी पर भरोसा बा कि तोहनी के कवनो दोसर विचार ना होई, लेकिन जे तोहनी के परेशान करी, उ आपन न्याय के सहन करी, चाहे उ केहु होखे।
11 भाई लोग, अगर हम अभी तक खतना के प्रचार करत बानी त हम अभी तक काहे सतावत बानी? तब क्रूस के अपराध बंद हो जाला।
12 हम चाहत बानी कि उ लोग तक काट दिहल जास जवन तोहनी के परेशानी देत बा।
13 भाई लोग, तोहनी के आजादी खातिर बोलावल गइल बा। खाली आजादी के इस्तेमाल शरीर के मौका खातिर मत करीं, बलुक प्रेम से एक दूसरा के सेवा करीं।
14 काहेकि व्यवस्था के सब बात एके शब्द में पूरा होला। तू अपना पड़ोसी से अपना जइसन प्रेम करीं।

15 लेकिन अगर तू एक दूसरा के काट के खात रहब त सावधान रहब कि एक दूसरा के नाश मत होखे।
16 तब हम इहे कहत बानी कि आत्मा में चलीं, त तू लोग शरीर के इच्छा के पूरा ना करब।
17 काहेकि शरीर के इच्छा आत्मा के खिलाफ बा, आ आत्मा शरीर के खिलाफ बा, आ इ सब एक दूसरा के विपरीत बा, एहसे तू जवन काम चाहत बानी, उ काम नईखी क सकत।
18 लेकिन अगर तोहनी के आत्मा के अगुवाई में चलल बा त तोहनी के व्यवस्था के अधीन नईखी।
19 शरीर के काम प्रगट हो गइल बा, जवन इहे ह। व्यभिचार, व्यभिचार, अशुद्धि, कामुकता,
20 मूर्तिपूजा, जादू-टोना, नफरत, विचलन, अनुकरण, क्रोध, कलह, विद्रोह, पाखण्ड,
21 ईर्ष्या, हत्या, नशा, मस्ती आ अइसने चीजन के बारे में हम तोहनी के पहिले बतावत बानी, जइसे कि हम पहिले भी बता चुकल बानी कि अइसन काम करे वाला के परमेश्वर के राज्य के उत्तराधिकारी ना होई।
22 लेकिन आत्मा के फल प्रेम, आनन्द, शांति, धीरज, कोमलता, भलाई, विश्वास ह।
23 नम्रता, संयम, अइसन लोग के खिलाफ कवनो व्यवस्था नइखे।
24 आउर जे मसीह के हवें, उ लोग शरीर के स्नेह आ वासना के साथे सूली पर चढ़ा देले बा।
25 अगर हमनी के आत्मा में जियत बानी जा त हमनी के भी आत्मा में चले के चाहीं।
26 हमनी के व्यर्थ महिमा के इच्छा मत करीं जा, एक दूसरा के भड़कावत आ एक दूसरा से ईर्ष्या मत करीं जा।

अध्याय 6 के बा

1 भाई लोग, अगर केहू के गलती हो गइल, तोहनी जे आत्मिक हईं, त अइसन आदमी के नम्रता के भावना से बहाल करऽ। अपना पर विचार कर, कहीं तू भी परीक्षा में ना पड़ जाइब।
2 एक दूसरा के बोझ उठाईं आ एही से मसीह के व्यवस्था के पूरा करीं।
3 अगर केहू अपना के कुछ ना समझेला त ऊ अपना के धोखा देला।
4 लेकिन हर केहू अपना काम के परख लेव, तब ओकरा अकेले अपना में खुशी होई, ना कि दोसरा में।
5 काहेकि हर आदमी आपन बोझ उठावे के पड़ी।
6 जे वचन में सिखावल जाला, उ सब नीमन बात के सिखावे वाला से बात करे।
7 धोखा मत खाईं; भगवान के मजाक ना उड़ावल जाला, काहेकि आदमी जवन भी बोवेला, उहे काटी।
8 जे अपना शरीर खातिर बोवेला, उ शरीर से नाश के फसल काटत होई। लेकिन जे आत्मा के खातिर बोवेला, उ आत्मा से अनन्त जीवन के कटाई करी।
9 हमनी के भलाई करे में थक मत जाईं जा, काहेकि अगर हमनी के बेहोश ना होखब जा त हमनी के ठीक समय पर फसल काटब जा।
10 एह से जइसे हमनी के मौका मिलत बा, हमनी के सब आदमी के भलाई करीं जा, खासकर के विश्वास के घर के लोग खातिर।
11 तू लोग देखत बाड़ऽ कि हम अपना हाथ से तोहनी के केतना बड़हन चिट्ठी लिखले बानी।
12 जे लोग शरीर में सुन्दर देखावा करे के चाहत बा, उ लोग तोहनी के खतना करावे खातिर मजबूर करेला। खाली एह से कि मसीह के क्रूस के चलते उ लोग के सताव ना पड़े।
13 काहेकि खतना करे वाला लोग भी व्यवस्था के पालन ना करेला। लेकिन तोहनी के खतना करावे के इच्छा बा ताकि उ लोग तोहनी के शरीर में घमंड करस।
14 लेकिन परमेस् वर हम घमंड ना करस, सिवाय हमनी के प्रभु यीशु मसीह के क्रूस के, जेकरा द्वारा दुनिया हमरा खातिर सूली पर चढ़ावल गइल बा आ हम दुनिया खातिर।
15 काहेकि मसीह यीशु में ना त खतना के कवनो फायदा होला, ना खतना ना भइला से, बलुक एगो नया सृष्टि हवे।
16 जे भी लोग एह नियम के अनुसार चलत बा, ओकरा पर शांति, दया आऊ परमेश्वर के इस्राएल पर शांति होखे।
17 अब से केहु हमरा के परेशान मत करे, काहेकि हम अपना शरीर में प्रभु यीशु के निशानी बा।
18 भाई लोग, हमनी के प्रभु यीशु मसीह के कृपा तोहनी के आत्मा के साथे होखे। आमीन के बा। (रोम से लिखल गलाती लोग के।)

इफिसियों के बा

अध्याय 1 के बा

1 पौलुस, परमेश्वर के इच्छा से यीशु मसीह के प्रेरित हई, इफिसुस के पवित्र लोगन आ मसीह यीशु में विश्वास करे वाला लोग के भेजत बानी।
2 हमनी के पिता परमेश्वर आ प्रभु यीशु मसीह के ओर से तोहनी पर कृपा आ शांति होखे।
3 हमनी के प्रभु यीशु मसीह के परमेश्वर आ पिता के धन्य होखे, जे हमनी के मसीह में स्वर्ग में सब आध्यात्मिक आशीष देले बाड़न।
4 जइसे ऊ दुनिया के सृष्टि से पहिले हमनी के अपना में चुनले बाड़न, ताकि हमनी के प्रेम में उनकरा सामने पवित्र आ निर्दोष रहीं जा।
5 हमनी के यीशु मसीह के द्वारा अपना इच्छा के अनुसार अपना खातिर संतान के रूप में अपनावे खातिर पहिले से तय कइले बाड़न।
6 उनकर अनुग्रह के महिमा के स्तुति खातिर, जवना से उ हमनी के प्रियजन में स्वीकार कईले बाड़े।
7 उनकरा से हमनी के उनकरा खून से मुक्ति मिलल बा, पाप के क्षमा, उनकर अनुग्रह के धन के अनुसार।
8 उ हमनी के साथे पूरा बुद्धि आ विवेक के भरमार बा।
9 उ हमनी के अपना इच्छा के रहस्य के बारे में बता देले, जवन कि उ अपना मन में मनले बाड़े।
10 एह से कि समय के पूरा होखे के समय में उ सब कुछ मसीह में एकट्ठा कर सके, जवन स्वर्ग में बा आ जवन धरती पर बा। इहाँ तक कि ओकरा में भी:
11 हमनी के भी उनकरा में उत्तराधिकार मिलल बा, हमनी के पहिले से तय कइल गइल बानी जा कि जे अपना मर्जी से सब काम करेला।
12 हमनी के उनकर महिमा के स्तुति होखे के चाहीं, जे पहिले मसीह पर भरोसा कइले रहले।
13 तू लोग सच्चाई के वचन, आपन उद्धार के सुसमाचार सुनला के बाद उनकरा पर भरोसा कइनी।
14 जब तक कि खरीदल संपत्ति के मुक्ति ना हो जाई, तब तक हमनी के विरासत के गंभीरता से ओकर महिमा के स्तुति बा।
15 एही से हमहूँ तोहनी के प्रभु यीशु में विश्वास आउर सब पवित्र लोग से प्रेम करे के बारे में सुनला के बाद।
16 हमरा प्रार्थना में तोहनी के जिक्र करत तोहनी खातिर धन्यवाद दिहल मत छोड़ीं।
17 ताकि हमनी के प्रभु यीशु मसीह के परमेश्वर, जे महिमा के पिता हउवें, तोहनी के उनकरा के ज्ञान में बुद्धि आ प्रकटीकरण के आत्मा देस।
18 तोहार समझ के आँख रोशन होखे। ताकि तू लोग जान सकी कि ओकरा बोलावल के आशा का बा आ पवित्र लोग में ओकर उत्तराधिकार के महिमा के धन का बा।
19 आउर उनकर पराक्रमी शक्ति के काम के अनुसार हमनी के बिसवास करे वाला लोग खातिर उनकर शक्ति के बहुत बड़ता का बा।
20 ऊ मसीह में काम कइलन जब ऊ ओकरा के मुवलन में से जिंदा कइलन आ स्वर्ग में अपना दाहिना ओर रखलन।
21 रियासत, शक्ति, पराक्रम, प्रभुत्व, आ हर नाम के नाम से बहुत ऊपर, खाली एह दुनिया में ना, बल्कि आवे वाला दुनिया में भी।
22 ऊ सब कुछ अपना गोड़ के नीचे रख के कलीसिया के सब चीजन के मुखिया बने के देले बाड़न।
23 उहे ओकर देह ह, जे सब में सब के भर देला।

अध्याय 2 के बा

1 ऊ तोहनी के जिंदा कर दिहलन, जे अपराध आ पाप में मर गइल रहनी।
2 पहिले तू लोग एह दुनिया के चाल के अनुसार, हवा के शक्ति के राजकुमार के अनुसार चलत रहलू, जवन आत्मा अब आज्ञा ना माने के संतान में काम करेला।
3 हमनी के सब केहू पहिले भी अपना शरीर के कामना में काम करत रहनी जा, आ शरीर आ मन के इच्छा के पूरा करत रहनी जा। आ स्वभाव से क्रोध के संतान रहले, जइसे कि दोसरा के।
4 लेकिन परमेस् वर, जे दया से भरपूर हवें, उ अपना बहुत प्रेम के चलते, जवना से उ हमनी से प्रेम कईले।
5 जब हमनी के पाप में मरल रहनी जा तबो मसीह के साथे हमनी के जिंदा कर देले बा।
6 उ हमनी के एक संगे जिंदा कईले अवुरी मसीह यीशु में एक संगे स्वर्ग के जगह प बईठवले।
7 आगामी युग में उ मसीह यीशु के द्वारा हमनी के प्रति दया करके अपना अनुग्रह के बहुत धन के देखावे।
8 काहेकि तोहनी के अनुग्रह से विश्वास से उद्धार मिलल बा। आ ई रउरा सभे से ना, ई परमेश्वर के वरदान ह।
9 काम के ना, कहीं केहू घमंड ना करे।
10 हमनी के उनकर कारीगरी हईं जा, मसीह यीशु में अच्छा काम खातिर बनावल गइल बानी जा, जवन परमेश्वर पहिले से तय कइले बाड़न कि हमनी के ओह काम में चले के चाहीं।
11 एही से याद राखीं कि तू लोग पहिले के शरीर में गैर-यहूदी हईं, जवना के हाथ से बनल शरीर में खतना ना भइल कहल जाला।
12 ओह घरी तू लोग मसीह के बिना रहलन, इस्राएल के राष्ट्र से परदेशी रहलू आ वादा के वाचा से परदेशी रहलू, आ दुनिया में कवनो आशा ना रहे आ परमेश्वर के बिना रहलू।
13 लेकिन अब मसीह यीशु में तोहनी जे कबो दूर रहनी, मसीह के खून से करीब हो गइल बानी।
14 काहेकि उहे हमनी के शांति हउवें जे दुनु के एक बना दिहले बाड़न आ हमनी के बीच के बीच के देवाल के तोड़ दिहले बाड़न।
15 ऊ अपना शरीर में दुश्मनी के खतम कर दिहलन, आज्ञा के नियम के जवन नियम में समाहित बा। काहे कि ऊ अपना में दू गो में से एगो नया आदमी बनावे के चाहीं आ अइसहीं शांति बनावे के चाहीं.
16 उ क्रूस के द्वारा दुनो के एक शरीर में परमेश्वर से मेल मिलाप कर लेव।
17 ऊ आके तोहनी के दूर के लोग आ नजदीक के लोग के शांति के प्रचार कइलन।
18 काहेकि उनकरा द्वारा हमनी दुनु जाना के एक आत्मा के द्वारा पिता के पास पहुँचल जा सकेला।
19 अब तू लोग अब परदेसी आ परदेसी ना होखब, बलुक पवित्र लोग आ परमेश्वर के घराना के साथी हो गइल बाड़ऽ।
20 ऊ लोग प्रेरित आ भविष्यवक्ता लोग के नींव पर बनल बा, खुद यीशु मसीह मुख्य आधारशिला हवें।

21 उनकरा में सब भवन के ढांचा में बढ के प्रभु में एगो पवित्र मंदिर बन जाला।
22 जेकरा में तोहनी भी आत्मा के द्वारा परमेश्वर के निवास खातिर एक साथ बनल बानी।

अध्याय 3 के बा

1 एही से हम पौलुस, जे रउवां गैर-यहूदी लोग खातिर यीशु मसीह के कैदी बानी।
2 अगर तू लोग परमेश्वर के अनुग्रह के बारे में सुनले बानी जवन हमरा के तोहनी के देह में दिहल गइल बा।
3 कइसे उ प्रगटीकरण के द्वारा हमरा के रहस्य के बारे में बता दिहले। (जइसे कि हम पहिले कुछ शब्दन में लिखले बानी,
4 एही से जब तू पढ़बऽ त मसीह के रहस्य में हमार ज्ञान समझबऽ।
5 ई बात आउर युग में मनुष्य के संतान के ना बतावल गइल, जइसे कि अब उनकर पवित्र प्रेरित आ भविष्यवक्ता लोग के आत्मा के द्वारा प्रकट कइल गइल बा।
6 एह से कि गैर-यहूदी लोग सुसमाचार के द्वारा मसीह में उनकर वादा के भागीदार होखे।
7 हम परमेस् वर के दया के वरदान के अनुसार सेवक बन गईनी।
8 हमरा पर ई अनुग्रह दिहल गइल बा कि हम गैर-यहूदी लोग के बीच मसीह के अनजान धन के प्रचार करीं।
9 आऊ सब लोग के ई देखावे खातिर कि उ रहस्य के साझेदारी का ह, जवन दुनिया के शुरुआत से परमेश्वर में छिपल बा, जे यीशु मसीह के द्वारा सब कुछ बनवले बाड़न।
10 एह से कि अब स्वर्ग में मौजूद राज्यन आ अधिकारन के कलीसिया के द्वारा परमेश्वर के कई तरह के बुद्धि के बारे में पता चल सके।
11 हमनी के प्रभु मसीह यीशु में जवन अनन्त उद्देश्य के इरादा रखले रहले।
12 हमनी के उनकरा पर विश्वास से हिम्मत आ भरोसा के साथ पहुँचल जा सकेला।
13 एही से हम चाहत बानी कि तोहनी खातिर हमरा कष्ट से बेहोश मत होखब, जवन तोहनी के महिमा ह।
14 एही से हम अपना प्रभु यीशु मसीह के पिता के सामने घुटना टेकतानी।
15 जेकरा से स्वर्ग आ धरती के पूरा कुल के नाम बा।
16 उ अपना महिमा के धन के हिसाब से तोहनी के भीतर के आदमी में अपना आत्मा से ताकत से मजबूत होखे के मौका देस।
17 ताकि मसीह विश्वास से तोहनी के दिल में रहस। कि तू लोग प्रेम में जड़ आ जमीनी होके,
18 सब संत लोग के साथे ई समझे में सक्षम होखस कि एकर चौड़ाई, लंबाई, गहराई आ ऊँचाई का बा।
19 आउर मसीह के प्रेम के जानल, जवन ज्ञान से अधिका बा, ताकि रउवां परमेश्वर के पूरा पूर्णता से भरल होखब।
20 जे हमनी में काम करे वाला शक्ति के हिसाब से हमनी के जवन भी माँग भा सोचेनी जा ओकरा से बेसी काम करे में सक्षम बा।
21 हर युग में मसीह यीशु के द्वारा कलीसिया में उनकर महिमा होखे। आमीन के बा।

अध्याय 4 के बा

1 एही से हम प्रभु के कैदी तोहनी से निहोरा करत बानी कि तू लोग ओह काम के लायक चलऽ जवना से तोहनी के बोलावल गइल बाड़ऽ।
2 सब नम्रता आ नम्रता के साथ, धैर्य के साथ, प्रेम में एक दूसरा के सहन करीं।
3 आत्मा के एकता के शांति के बंधन में रखे के प्रयास।
4 एक शरीर आ एके आत्मा बा, जइसे कि तोहनी के बोलावल के एके आशा में बोलावल गइल बा।
5 एके प्रभु, एके विश्वास, एके बपतिस्मा।
6 सबके परमेस् वर आउर बाप एके हवें, जे सबके ऊपर, सबके माध्यम से आ तोहनी सब में बा।
7 लेकिन हमनी में से हर एक के मसीह के वरदान के नाप के हिसाब से अनुग्रह दिहल गईल बा।
8 एही से ऊ कहत बाड़न कि जब ऊ ऊँच पर चढ़लन त बंदी बना के आदमी के वरदान दिहलन।
9 (अब ऊ ऊपर चढ़ गइलन त एकरा अलावा का बा कि ऊ पहिले धरती के निचला हिस्सा में भी उतर गइलन?
10 जे उतरल उ उहे ह जे सब आकाश से बहुत ऊपर चढ़ल बा, ताकि उ सब चीज़ के भर सके।"
11 ऊ कुछ लोग के प्रेरित कइलन। आ कुछ लोग, भविष्यवक्ता लोग; आ कुछ लोग, सुसमाचार प्रचारक लोग; आ कुछ लोग, पास्टर आ गुरु लोग;
12 पवित्र लोग के सिद्ध करे खातिर, सेवा के काम खातिर, मसीह के शरीर के संस्कार खातिर।
13 जब तक हमनी के सब केहू विश्वास के एकता आ परमेश्वर के बेटा के ज्ञान के एकता से मसीह के पूर्णता के कद के नाप में सिद्ध आदमी के पास ना आईब जा।
14 अब से हमनी के अब लइका ना बन जाइब जा, आ शिक्षा के हर हवा के साथ इधर-उधर उछालल जाइब जा, आ आदमी के चालबाजी आ धूर्त चालबाजी से ले जाइल जाइब जा, जवना से उ लोग धोखा देवे के इंतजार करत रहेला।
15 लेकिन प्रेम से सच्चाई के बात करत सब बात में उनकरा में बढ़ सकीले, जवन कि सिर ह, उहे मसीह ह।
16 जेकरा से पूरा शरीर ठीक से जुड़ल आ हर जोड़ के आपूर्ति से संकुचित होके हर अंग के नाप के हिसाब से शरीर के बढ़ेला ताकि प्रेम में अपना के बढ़ावल जा सके।
17 एही से हम ई बात कहत बानी आ प्रभु में गवाही देत बानी कि अब से तू लोग ओइसन ना चलब जइसे दोसर गैर-यहूदी लोग अपना मन के व्यर्थ में चलेला।
18 उ लोग के मन के अंधता के चलते उ लोग के समझ के अन्हार हो गईल।
19 उ लोग लोभ से कामुकता में अपना के सौंप देले बाड़े।
20 लेकिन तू मसीह के अतना सीखले नइखऽ।
21 अगर रउवां उनकर बात सुनले बानी अउर उनकरा से सिखावल गइल बानी, जइसे कि सच्चाई यीशु में बा।
22 तू लोग पहिले के जीवन के बारे में पुरान आदमी के छोड़ दीं, जवन धोखा के लालसा के हिसाब से बिगड़ल बा।
23 आ अपना मन के आत्मा में नया हो जा।
24 आऊ नया आदमी के पहिन लीं, जवन परमेश्वर के अनुसार धार्मिकता आ सच्चा पवित्रता में बनावल गइल बा।

25 एह से झूठ बोल के छोड़ के हर केहू अपना पड़ोसी से सच्चाई बताईं काहे कि हमनी के एक दूसरा के अंग हईं जा।
26 तू लोग गुस्सा में रहऽ आ पाप मत करऽ, सूरज के आपन क्रोध पर डूबे मत दीं।
27 ना त शैतान के जगह दीं।
28 चोरी करे वाला अब चोरी ना करे, बलुक अपना हाथ से बढ़िया काम करत मेहनत करे, ताकि जरूरतमंद के देवे के पड़े।
29 तोहनी के मुँह से कवनो भ्रष्ट बात निकले के चाहीं, बलुक ऊ बात निकले के चाहीं जवन संस्कारित करे खातिर बढ़िया होखे, ताकि सुननिहारन के अनुग्रह हो सके।
30 परमेश्वर के पवित्र आत्मा के दुख मत करीं, जवना से तोहनी के मोक्ष के दिन खातिर मोहर लगावल गईल बा।
31 तोहनी से हर तरह के कड़वाहट, क्रोध, क्रोध, हल्ला आ बुराई के बात दूर होखे के चाहीं।
32 आऊ एक दूसरा पर दयालु, कोमल दिल से, एक दूसरा के माफ करीं, ठीक ओसही जइसे परमेश्वर मसीह के खातिर तोहनी के माफ कर देले बाड़न।

अध्याय 5 के बा

1 एह से तू लोग प्रिय संतान के रूप में परमेश्वर के अनुयायी बनीं।
2 आऊ प्रेम में चलऽ, जइसे मसीह भी हमनी से प्रेम कइले बाड़न आ हमनी खातिर अपना के भगवान के बलिदान आ बलिदान देले बाड़न, जवन कि एगो सुगंधित सुगंध खातिर बा।
3 लेकिन व्यभिचार आ सब अशुद्धि भा लोभ के नाम तोहनी में एक बेर ना होखे के चाहीं जइसे कि पवित्र लोग के होला।
4 ना त गंदगी, ना मूर्खतापूर्ण बात, ना मजाक, जवन कि कवनो सुविधाजनक ना होखे, बल्कि धन्यवाद देवे के चाहीं।
5 तू लोग इहे जानत बाड़ऽ कि मसीह आ परमेश्वर के राज्य में कवनो वेश्या, अशुद्ध आ लालची, मूर्तिपूजक के कवनो उत्तराधिकार नइखे।
6 केहू तोहनी के बेकार बात से धोखा ना देवे, काहेकि एही बात के चलते भगवान के क्रोध ना आज्ञा ना माने वाला लोग पर आवेला।
7 एही से तू लोग ओह लोग के साथे भाग ना लेबऽ।
8 काहेकि तू लोग कबो अन्हार रहलू, लेकिन अब प्रभु में इजोत बाड़ऽ।
9 (काहेकि आत्मा के फल सब भलाई, धार्मिकता आ सच्चाई में होला।)
10 जवन प्रभु के स्वीकार्य बा, ओकरा के परख के।
11 आऊ अन्हार के निष्फल काम में साझीदारी मत राखीं, बलुक ओकरा के डांट दीं।
12 काहे कि उ लोग के बारे में जवन काम गुप्त रूप से कईल जाला, ओकरा बारे में बात कईल भी शर्म के बात बा।
13 लेकिन जवन भी बात के डांटल जाला, उ सब रोशनी से प्रगट होला, काहेकि जवन कुछ भी प्रगट करेला उ प्रकाश ह।
14 एही से उ कहत हव कि, “हे सुतल आदमी जाग जा, आ मुवलन में से उठ जा, त मसीह तोहरा के रोशनी दिहे।”
15 एह से देखल जाव कि तू लोग मूर्ख लोग जइसन ना, बलुक बुद्धिमान के रूप में सावधानी से चले।
16 समय के छुड़ावत बानी, काहे कि दिन बुरा बा।
17 एही से तू लोग अबुद्धिमान मत होखऽ, बलुक ई समझत रहऽ कि प्रभु के इच्छा का ह।
18 आ शराब के नशा में मत पियत रहीं, जवना में अतिरेक होला। लेकिन आत्मा से भरल रहऽ।
19 भजन, भजन आ आध्यात्मिक गीतन में अपना से बात करीं, प्रभु के सामने अपना मन में गावत आ राग गावत रहीं।
20 हमनी के प्रभु यीशु मसीह के नाम से हमेशा सब बात खातिर परमेश्वर आ पिता के धन्यवाद देत बानी।
21 परमेस् वर के भय में एक-दोसरा के अधीन रहीं।
22 हे मेहरारू लोग, प्रभु के जइसन अपना पति के अधीन रहऽ।
23 पति पत्नी के सिर हवे, ठीक ओसही जइसे मसीह कलीसिया के सिर हवे।
24 एह से जइसे कलीसिया मसीह के अधीन होले, ओइसहीं मेहरारू लोग हर बात में अपना पति के अधीन होखे।
25 हे पति लोग, अपना मेहरारू लोग से प्रेम करीं, जइसे मसीह भी कलीसिया से प्रेम कइलन आ ओकरा खातिर अपना के दे दिहलन।
26 ताकि उ वचन से पानी से धो के पवित्र करस।
27 ताकि उ ओकरा के एगो महिमामंडित कलीसिया के रूप में पेश कर सके, जवना में कवनो दाग ना होखे, ना शिकन होखे, ना कवनो अइसन चीज होखे। बाकिर कि ऊ पवित्र आ निर्दोष होखे.
28 ओइसहीं आदमी के अपना मेहरारू से अपना शरीर निहन प्रेम करे के चाही। जे अपना मेहरारू से प्रेम करेला ऊ अपना से प्यार करेला।
29 काहेकि अबहीं ले केहू अपना शरीर से नफरत ना कइलस। बाकिर जइसे प्रभु कलीसिया के पोसेले आ पोसेले।
30 हमनी के ओकर शरीर, ओकर शरीर आ ओकर हड्डी के अंग हईं जा।
31 एही से आदमी अपना बाप-माई के छोड़ के अपना पत्नी के संगे मिल जाई अवुरी दुनो एक शरीर हो जईहे।
32 ई एगो बड़हन रहस्य ह, लेकिन हम मसीह आ कलीसिया के बारे में कहत बानी।
33 एकरा बावजूद तोहनी में से हर केहू अपना पत्नी से अपना निहन प्रेम करे। आ मेहरारू देखत बाड़ी कि ऊ अपना पति के आदर करेली.

अध्याय 6 के बा

1 लइका लोग, प्रभु में आपन माई-बाबूजी के आज्ञा मानीं, काहे कि ई ठीक बा।
2 अपना बाप-माई के आदर करीं। (जवन वादा के साथे पहिला आज्ञा ह;)
3 ताकि तोहार भलाई होखे आ तू धरती पर ढेर दिन जिंदा रहऽ।
4 हे बाप-बाप, अपना लइकन के नाराज मत करीं, बलुक प्रभु के पालन-पोषण आ सलाह में उनकर पालन-पोषण करीं।
5 हे सेवक लोग, मसीह के जइसन मन में डर आ काँप के आज्ञाकारी होके जे लोग अपना मालिक हवें।
6 आदमी के खुश करे वाला के रूप में आँख के सेवा से ना; लेकिन मसीह के सेवक के रूप में मन से परमेश्वर के इच्छा के पालन करत बानी।
7 सद्भावना से सेवा करीं, जइसे कि प्रभु के सेवा करीं, ना कि आदमी के।
8 इ जानत हई कि केहु जवन भी अच्छा काम करी, उहे प्रभु से मिल जाई, चाहे उ गुलाम होखे चाहे आज़ाद।

9 हे मालिक लोग, धमकी देवे के बर्दाश्त करत, उहे काम करीं, ई जानत कि तोहनी के मालिक भी स्वर्ग में बाड़े। ना त ओकरा साथे व्यक्ति के सम्मान होला।
10 अंत में हे भाई लोग, प्रभु में आ उनकर शक्ति के शक्ति में मजबूत रहीं।
11 भगवान के पूरा कवच पहिन लीं ताकि तू शैतान के चालबाजी के खिलाफ खड़ा हो सकी।
12 हमनी के खून-मांस के खिलाफ ना, बलुक रियासत के खिलाफ, शक्ति के खिलाफ, एह दुनिया के अन्हार के शासक के खिलाफ, ऊँच जगह प आध्यात्मिक दुष्टता के खिलाफ कुश्ती करेनी।
13 एह से परमेस् वर के पूरा कवच अपना लगे ले लीं ताकि तू लोग बुरा दिन में सामना कर सकीले आ सब कुछ कर के खड़ा हो सकीले।
14 एह से आपन कमर सच्चाई से बान्ह के आ धार्मिकता के छाती पहिन के खड़ा हो जा।
15 शांति के सुसमाचार के तैयारी खातिर तोहनी गोड़ में जूता पहिनले।
16 सबले बढ़ के विश्वास के ढाल लेके तू लोग दुष्टन के सब आगि के बाण के बुझा सकीले।
17 उद्धार के हेलमेट आ आत्मा के तलवार, जवन परमेश्वर के वचन ह, ले लीं।
18 आतमा से हरदम प्रार्थना आ विनती के साथे प्रार्थना करीं आ सब पवित्र लोग खातिर पूरा धैर्य आ निहोरा के साथे एकरा के देखत रहीं।
19 हमरा खातिर इ बात दिहल जा सके कि हम आपन मुँह हिम्मत से खोल के सुसमाचार के रहस्य के बारे में बता सकी।
20 एकरा खातिर हम बान्ह में दूत हईं, ताकि हम ओकरा में हिम्मत से बोल सकीले, जइसन कि हमरा कहे के चाहीं।
21 तोहनी के हमार काम आउर हमार काम के बारे में जाने खातिर तिकीकुस, जे प्रिय भाई आ प्रभु में विश्वासी सेवक हवें, तोहनी के सब कुछ बताई।
22 हम ओकरा के तोहनी के लगे एही मकसद से भेजले बानी कि तोहनी के हमनी के काम के पता चल सके आ उ तोहनी के दिल के दिलासा दे सके।
23 भाई लोग के शांति आ विश्वास के साथे प्रेम, पिता परमेश्वर आ प्रभु यीशु मसीह के ओर से होखे।
24 जे भी हमनी के प्रभु यीशु मसीह से निश्छलता से प्रेम करेलन, उनकरा पर अनुग्रह होखे। आमीन के बा। (रोम से लिखल इफिसियों के ओर, तिकीकस के द्वारा।)

फिलिप्पियों के ह

अध्याय 1 के बा

1 ईसा मसीह के सेवक पौलुस आ तीमुथियुस, फिलिप्पी में मौजूद सब पवित्र लोग के भेजत बानी।
2 हमनी के पिता परमेश्वर आ प्रभु यीशु मसीह के ओर से तोहनी पर अनुग्रह आ शांति होखे।
3 हम तोहनी के हर याद करत अपना भगवान के धन्यवाद देत बानी।
4 तोहनी सब खातिर हमार हर प्रार्थना में हमेशा खुशी से निहोरा करत बानी।
5 पहिला दिन से लेके अब तक सुसमाचार में रउआ लोग के संगति बा।
6 इहे बात पर भरोसा बा कि जे तोहनी में अच्छा काम शुरू कईले बा, उ यीशु मसीह के दिन तक ओकरा के पूरा करी।
7 जइसे हमरा खातिर तोहनी सब के बारे में ई सोचल उचित बा, काहे कि हम तोहनी के मन में रखले बानी। काहे कि हमरा बंधन में आ सुसमाचार के बचाव आ पुष्टि में, तू सभे हमरा अनुग्रह के भागीदार बाड़।
8 काहेकि परमेश्वर हमार गवाही हउवें कि हम यीशु मसीह के आंत में तोहनी सब के बहुत तरसत बानी।
9 हम इहे प्रार्थना करत बानी कि तोहनी के प्रेम ज्ञान आ पूरा न्याय में अउरी अधिका होखे।
10 एह से कि तू लोग बढ़िया चीजन के पसंद कर सकीले। ताकि मसीह के दिन तक तू लोग निश्छल आ निर्दोष रहब।
11 हमनी के धार्मिकता के फल से भरल बानी, जवन यीशु मसीह के द्वारा मिलल बा, ताकि परमेश्वर के महिमा आ स्तुति हो सके।
12 भाई लोग, हम चाहत बानी कि रउरा सभे के ई समझल जाव कि हमरा साथे जवन घटना घटल बा ऊ सुसमाचार के आगे बढ़ावे में लागल बा।
13 एह से मसीह में हमार बंधन पूरा महल में आ बाकी सब जगहन पर प्रकट हो गइल बा।
14 हमरा बंधन से प्रभु में आश्वस्त होके बहुत सारा भाई लोग बिना डर के वचन कहे में बहुत जादे हिम्मत बा।
15 कुछ लोग ईर्ष्या आ झगड़ा से भी मसीह के प्रचार करेला। आ कुछ लोग सद्भावना के भी।
16 उ लोग हमरा बंधन में कष्ट जोड़े के सोच के सच्चाई से ना, विवाद के मसीह के प्रचार करेला।
17 लेकिन दुसरका प्रेम से भरल इ जानत कि हम सुसमाचार के बचाव खातिर रखल बानी।
18 तब का होई? एकरा बावजूद हर तरह से, चाहे ऊ दिखावा में होखे भा सच्चाई में, मसीह के प्रचार कइल जाला। आ हम ओकरा में खुश बानी, हँ, आ आनन्दित होखब।
19 हम जानत बानी कि ई तोहार प्रार्थना आ यीशु मसीह के आत्मा के आपूर्ति से हमरा उद्धार के ओर मुड़ जाई।
20 हमार पूरा उम्मीद आ आशा के अनुसार कि हम कवनो बात में शर्मिंदा ना होखब, बलुक हमेशा निहन पूरा हिम्मत से, अब भी मसीह हमरा शरीर में महिमा हो जईहे, चाहे उ जीवन से होखे चाहे मौत से।
21 काहेकि हमरा खातिर जियला मसीह ह आ मरल फायदा ह।
22 लेकिन अगर हम शरीर में जियत बानी त इ हमार मेहनत के फल ह, लेकिन हम जवन चुनब, ओकरा के हम नईखी जानत।
23 काहेकि हम दू गो के बीच संकट में बानी, आउर मसीह के साथे रहे के इच्छा बा। जवन कि कहीं बेहतर बा:
24 फिर भी तोहनी खातिर शरीर में रहे के अधिका जरूरत बा।
25 हम ई भरोसा रखत बानी कि हम रउआ सभे के साथे रहब आ रहब, रउआ सभे के आगे बढ़े आ विश्वास के आनन्द खातिर।
26 ताकि हम तोहनी के लगे अइला से हमरा खातिर यीशु मसीह में तोहार आनन्द अउरी बढ़ जाव।
27 खाली तोहनी के बातचीत मसीह के सुसमाचार के जइसन होखे के चाहीं, ताकि हम तोहके देख के आके भा गैरहाजिर होखब, तोहनी के बात सुन सकीले कि तू लोग एक आत्मा में मजबूती से खड़ा होके विश्वास के खातिर एक मन से संघर्ष करत रहब सुसमाचार के बारे में बतावल गइल बा;
28 आउर कवनो भी बात में तोहनी के विरोधियन से डेरा के ना, उ लोग खातिर नाश के निशानी ह, लेकिन तोहनी खातिर उद्धार के निशानी ह।
29 काहेकि मसीह के खातिर तोहनी के खाली उनकरा पर विश्वास करे के ना, बल्कि उनकरा खातिर कष्ट उठावे के भी दिहल गइल बा।
30 उहे टकराव बा जवन तू हमरा में देखले रहलू आ अब हमरा में होखे के सुनत बाड़ू।

अध्याय 2 के बा

1 एह से अगर मसीह में कवनो दिलासा मिलेला, अगर प्रेम से कवनो दिलासा मिलेला, आ आत्मा के संगति होखे, अगर कवनो आंत आ दया होखे।
2 तू लोग हमार खुशी के पूरा करऽ कि तू लोग एकही प्रेम के साथ, एक मन से एक मन के साथ एकही मन के होखे।
3 झगड़ा भा व्यर्थ घमंड से कवनो काम मत होखे; बाकिर नम्रता से हर केहू दोसरा के अपना से बढ़िया मान लेव.
4 हर केहू अपना बात पर मत देखऽ, बलुक दोसरा के बात पर भी देखऽ।
5 इहे मन तोहनी में रहे, जवन मसीह यीशु में भी रहे।
6 उ परमेश्वर के रूप में रहला के चलते भगवान के बराबर होखल डकैती ना समझले।
7 लेकिन अपना के कवनो बदनामी ना बना के अपना के नौकर के रूप में ले लिहले अवुरी आदमी के रूप में बनल रहले।
8 आदमी के रूप में फैशन में मिल के उ अपना के नम्र हो गईले अवुरी मौत तक आज्ञाकारी हो गईले, जवन कि क्रूस प मौत हो गईल।
9 एही से परमेस् वर ओकरा के बहुत ऊपर उठवले बाड़न आ ओकरा के एगो अइसन नाम देले बाड़न जवन हर नाम से ऊपर बा।
10 ईसा के नाम पर हर घुटना झुके, स्वर्ग के चीजन, धरती के चीजन आ धरती के नीचे के चीजन के।
11 आउर हर जीभ कबूल करे कि यीशु मसीह प्रभु हवें, ताकि पिता परमेश्वर के महिमा हो सके।
12 एह से हे हमार प्रियजन, जइसे कि तू लोग हमेशा से बात मानत रहलू, खाली हमरा सान्निध्य में ना, बलुक अब हमरा अनुपस्थिति में बहुत जादे, डर आ काँप के आपन उद्धार के काम करीं।
13 काहेकि परमेस् वर ही तोहनी में काम करेलन कि उ अपना मन के इच्छा से काम कर सकीले।

14 सब काम बिना कवनो गुनगुनाहट आ विवाद के करऽ।
15 ताकि तू लोग एगो कुटिल आ विकृत राष्ट्र के बीच में बिना कवनो डांट के परमेश्वर के बेटा निर्दोष आ निर्दोष हो सकीले, जेकरा बीच तू लोग दुनिया में रोशनी के रूप में चमकत बाड़।
16 जीवन के वचन के आगे बढ़ावत बानी। ताकि हम मसीह के दिन में आनन्दित हो सकीले कि हम बेकार में ना दौड़ले बानी आ ना ही बेकार में मेहनत कइले बानी।
17 हँ, आ अगर हम तोहनी के विश्वास के बलिदान आ सेवा पर चढ़ावल जाइब त हम तोहनी सभे के साथे आनन्दित होखब आ आनन्दित होखब।
18 एही कारण से तू लोग भी हमरा साथे आनन्दित होखऽ आ आनन्दित होखऽ।
19 लेकिन हम प्रभु यीशु पर भरोसा करत बानी कि उ जल्दी ही तीमुथियुस के तोहनी के लगे भेज दिहे ताकि जब हम तोहरा हालत के जानब त हमहूँ सांत्वना पाईब।
20 हमरा लगे अइसन केहू नइखे जे स्वाभाविक रूप से तोहार हालत के परवाह करी।
21 काहेकि सभे अपना के खोजत बा, ना कि यीशु मसीह के चीजन के।
22 लेकिन तू लोग ओकर प्रमाण जानत बाड़ऽ कि ऊ बेटा के रूप में पिता के साथे हमरा साथे सुसमाचार के सेवा कइले बा।
23 एही से हम आशा करत बानी कि हम ओकरा के तुरंत भेज देब, जइसहीं हम देखब कि ई हमरा साथे कइसे होई।
24 लेकिन हम प्रभु पर भरोसा करत बानी कि हमहूँ जल्दिये आ जाईब।
25 तबो हम आपन भाई, श्रम के साथी आ साथी सैनिक इपाफ्रोदीतुस के तोहरा लगे भेजल जरूरी समझनी, लेकिन तोहार दूत आ हमरा कमी के सेवा करे वाला के भेजल।
26 काहेकि उ तोहनी सब के खातिर तरसत रहलन आ भारी भरकम रहे, काहेकि तू लोग सुनले रहनी कि उ बेमार बा।
27 काहेकि उ मौत के करीब बेमार रहले, लेकिन परमेश्वर उनुका प दया कईले। आ खाली ओकरा पर ना, बलुक हमरा पर भी, कहीं हमरा दुख पर दुख ना होखे।
28 हम ओकरा के अउरी सावधानी से भेजले बानी कि जब तू लोग ओकरा के फेर से देखब त तू लोग खुश होखब आ हमरा के कम दुखी होखब।
29 एह से प्रभु में ओकरा के पूरा खुशी से ग्रहण करीं। आ अइसनका के प्रतिष्ठा में राखे के चाहीं:
30 काहे कि मसीह के काम के चलते उ मौत के करीब रहले, उ अपना जान के परवाह ना करत रहले, ताकि आपके सेवा के कमी के पूरा कईल जा सके।

अध्याय 3 के बा

1 अंत में हे भाई लोग, प्रभु में आनन्दित होखऽ। रउरा के इहे बात लिखल हमरा खातिर वाकई दुखद नइखे, बाकिर रउरा खातिर ई सुरक्षित बा.
2 कुकुरन से सावधान रहें, दुष्ट काम करे वाला से सावधान रहें, संक्षिप्त से सावधान रहें।
3 हमनी के खतना वाला हईं जा, जे आत्मा से परमेश्वर के पूजा करेनी जा आ मसीह यीशु में आनन्दित होखेनी जा आ शरीर पर भरोसा ना करेनी जा।
4 हालांकि हमरा शरीर पर भी भरोसा हो सकेला। अगर केहू दोसरा के ई सोचे कि ओकरा लगे अइसन चीज बा जवना से ऊ शरीर पर भरोसा कर सके, त हम अउरी।
5 आठवाँ दिन खतना कइलन, इस्राएल के वंश से, बिन्यामीन के गोत्र से, इब्रानियन के एगो इब्रानी। व्यवस्था के बारे में एगो फरीसी हई।
6 जोश के बारे में, कलीसिया के सतावे के बारे में; व्यवस्था में जवन धार्मिकता बा ओकरा के छूवत बानी, निर्दोष।
7 लेकिन जवन चीज हमरा खातिर फायदा रहे, ओकरा के हम मसीह के चलते नुकसान मानत रहनी।
8 निस्संदेह, आ हम अपना प्रभु मसीह यीशु के ज्ञान के श्रेष्ठता के कारण सब कुछ के नुकसान के ही समझत बानी।
9 ओकरा में हमार आपन धार्मिकता ना, जवन व्यवस्था से निकलल बा, बल्कि मसीह के विश्वास से मिले वाला धार्मिकता जवन विश्वास से परमेश्वर से मिलेला।
10 ताकि हम ओकरा के जान सकीले, आउर उनकर पुनरुत्थान के शक्ति आ उनकर दुख के साझीदारी के उनकर मौत के अनुरूप बनावल जाइब।
11 अगर हम कवनो तरीका से मुवलन के जिंदा होखे के काम कर सकीले।
12 अइसन ना कि हम पहिले से हासिल कर लेले बानी आ ना ही सिद्ध हो गइल बानी, लेकिन हम ओकरा पीछे चलत बानी, अगर हम ओह बात के समझ सकीले जवना खातिर हम मसीह यीशु के भी पकड़ल गइल बानी।
13 भाई लोग, हम अपना के पकड़ले नईखी मानत, लेकिन हम इहे काम करतानी, जवन कि पीछे के बात के भूला के आगे के बात तक पहुंचत बानी।
14 हम मसीह यीशु में परमेश्वर के उच्च बोलावल के इनाम खातिर निशान के ओर बढ़त बानी।
15 एह से हमनी के जे भी सिद्ध बानी जा, ओइसन विचार करीं जा, आ अगर कवनो बात में दोसरा तरह के विचार बा त परमेश्वर तोहनी के इ बात के खुलासा कर दिहे।
16 एकरा बावजूद हमनी के जवना बात प पहुंच चुकल बानी जा, उहे नियम से चले के चाही अवुरी उहे बात के मन में चले के चाही।
17 भाई लोग, एक साथ हमार अनुयायी बनीं आ जे लोग चलत बा ओकरा के चिन्हित करीं जइसे कि तू हमनी के उदाहरण बनावत बानी।
18 (काहेकि बहुत लोग चलत बा, जेकरा बारे में हम तोहनी के बहुत बार बतावत बानी आ अब रोवत-रोवत बतावत बानी कि उ लोग मसीह के क्रूस के दुश्मन हवे।
19 जेकर अंत विनाश ह, जेकर परमेश्वर उनकर पेट ह, आ उनकर महिमा उनकरा लाज में बा, जे सांसारिक बातन के मन करेला।)
20 काहेकि हमनी के बातचीत स्वर्ग में बा। उहाँ से हमनी के उद्धारकर्ता प्रभु यीशु मसीह के भी इंतजार बा।
21 उ हमनी के नीच शरीर के बदल दिहे ताकि उ अपना गौरवशाली शरीर के निहन बनावल जा सके, जवना काम से उ सब चीज़ के अपना अधीन क सकतारे।

अध्याय 4 के बा

1 एही से, हमार प्रिय भाई लोग, हमार आनन्द आ मुकुट, हमार प्रिय भाई लोग, हमार प्रिय प्रियजन, प्रभु में मजबूती से खड़ा रहऽ।
2 हम यूओडियास आ सिंतिके से निहोरा करत बानी कि ऊ लोग प्रभु में एके मन के रहे।
3 हे सच्चा जुआ के साथी, हम तोहरा से भी निहोरा करत बानी कि, जवन मेहरारू लोग हमरा साथे सुसमाचार में मेहनत कइली, क्लेमेंट आ हमरा साथे काम करे वाला लोग के साथे भी, जेकर नाम जीवन के किताब में बा।
4 हमेशा प्रभु में आनन्दित रहीं, आ हम फेर कहत बानी कि आनन्दित रहीं।
5 तोहार संयम के सब लोग के पता चल जाव। प्रभु हाथ में बाड़े।
6 कुछुओ खातिर सावधान ना रहऽ; लेकिन हर बात में प्रार्थना आ निहोरा से धन्यवाद के साथे आपन निहोरा परमेश्वर से बतावल जाव।
7 परमेस् वर के शांति जवन सभ समझ से भी जादा बा, उ मसीह यीशु के द्वारा तोहनी के दिल आ दिमाग के रखी।
8 अंत में हे भाई लोग, जवन भी बात सच बा, जवन भी बात ईमानदार बा, जवन भी बात न्यायसंगत बा, जवन भी बात शुद्ध बा, जवन भी बात प्यारा बा, जवन भी बात अच्छा होखे। अगर कवनो गुण बा आ कवनो प्रशंसा बा त एह सब पर सोचीं.
9 जवन बात तू हमरा में सीखले बाड़ू, ग्रहण कइले बाड़ऽ, सुनले बाड़ऽ आ देखले बाड़ऽ, ओकरा के करीं, आ शांति के परमेश्वर तोहनी के साथे रहीहें।
10 लेकिन हम प्रभु में बहुत खुश रहनी कि आखिर में तोहार हमरा प्रति चिंता फेर से पनप गईल बा। जवना में तू लोग भी सावधान रहलू, लेकिन तोहनी के मौका के कमी रहे।
11 ई ना कि हम कमी के बात कहत बानी, काहे कि हम जवना हालत में बानी, ओकरा से संतुष्ट होखे के सीखले बानी।
12 हम नीच होखे के जानत बानी आ भरपूर होखे के भी जानत बानी, हर जगह आ हर चीज में हमरा के पेट भरे के आ भूखल रहे के निर्देश दिहल गइल बा।
13 हम मसीह के द्वारा सब कुछ कर सकेनी जवन हमरा के मजबूत करेला।
14 हालांकि तू लोग बढ़िया काम कइले बाड़ऽ कि तू लोग हमरा दुख के बात कइले बाड़ऽ।
15 फिलिप्पियों के लोग इहो जानत बानी कि सुसमाचार के शुरुआत में जब हम मकिदुनिया से निकलनी त कवनो कलीसिया हमरा से देबे आ पावे के बारे में ना बतियावत रहे, खाली तू लोग के छोड़ के।
16 काहे कि थिस्सलुनिका में भी तू लोग हमरा जरूरत के हिसाब से एक बार बार भेजत रहलू।
17 हम एह से ना कि हम वरदान के चाहत बानी, बलुक हम अइसन फल चाहत बानी जवन तोहनी के हिसाब से भरपूर होखे।
18 लेकिन हमरा लगे सब कुछ बा आ भरपूर बा, हम पेट भरल बानी, काहे कि इपफ्रोदीतुस से जवन बात तोहनी से भेजल गईल रहे, उ मीठ गंध के गंध आ भगवान के मनभावन बलिदान मिलल बा।
19 लेकिन हमार परमेश्वर मसीह यीशु के द्वारा महिमा में आपन धन के अनुसार तोहनी के सब जरूरत के भरपाई करीहे।
20 अब परमेश्वर आ हमनी के पिता के महिमा हमेशा खातिर होखे। आमीन के बा।
21 मसीह यीशु में हर संत के नमस्कार करीं। जवन भाई हमरा साथे बाड़े उ लोग तोहके नमस्कार करत बाड़े।
22 सब संत लोग तोहके नमस्कार करत बा, मुख्य रूप से कैसर के घर के लोग।
23 हमनी के प्रभु यीशु मसीह के कृपा तोहनी सब के साथे होखे। आमीन के बा। (रोम से लिखल फिलिप्पियों के, इपाफ्रोडिटस के लिखल।)

कुलुस्सी के लोग

अध्याय 1 के बा

1 पौलुस, परमेश्वर के इच्छा से यीशु मसीह के प्रेरित आ हमनी के भाई तीमुथियुस।
2 कुलुस्सी में मसीह में विश्वास करे वाला पवित्र भाई लोग के, हमनी के पिता परमेश्वर आ प्रभु यीशु मसीह के अनुग्रह आ शांति होखे।
3 हमनी के प्रभु यीशु मसीह के पिता परमेश्वर के धन्यवाद देत बानी जा आ तोहनी खातिर हमेशा प्रार्थना करत बानी जा।
4 जबसे हमनी के तोहनी के मसीह यीशु में विश्वास के बारे में सुनले बानी जा आऊ तोहनी के सब पवित्र लोग के प्रति प्रेम के बारे में सुनले बानी जा।
5 ऊ आशा जवन तोहनी खातिर स्वर्ग में रखल गइल बा, जवना के बारे में रउआ पहिले सुसमाचार के सच्चाई के वचन में सुनले रहनी।
6 जवन तोहनी के लगे आइल बा, जइसे कि पूरा दुनिया में आइल बा। आऊ फल देला, जइसे कि तोहनी में भी फल देला, जब से तू लोग एकर बारे में सुनले रहलू आ सच्चाई में परमेश्वर के अनुग्रह के जानत रहलू।
7 जइसे तोहनी हमनी के प्रिय साथी इपाफ्रास से भी सीखले बानी, जे तोहनी खातिर मसीह के विश्वासी सेवक हवें।
8 उहो हमनी के आत्मा में तोहार प्रेम के बारे में बतावत रहले।
9 एही से हमनी के भी, जब से हमनी के ई बात सुनले बानी जा, तब से तोहनी खातिर प्रार्थना करे के ना छोड़त बानी जा, आ इ चाहत बानी जा कि तोहनी के पूरा बुद्धि आ आध्यात्मिक समझ में उनकर इच्छा के ज्ञान से भरल होखब जा।
10 ताकि तू लोग हर अच्छा काम में फलदायी होके अउर परमेश्वर के ज्ञान में बढ़ती खातिर प्रभु के लायक चलऽ।
11 अपना गौरवशाली शक्ति के अनुसार पूरा ताकत से मजबूत होके धीरज आ धीरज के साथ खुशी के साथ।
12 हमनी के पिता के धन्यवाद दीं जे हमनी के पवित्र लोग के प्रकाश में उत्तराधिकार में भाग लेवे के योग्य बना देले बाड़न।
13 उ हमनी के अन्हार के शक्ति से बचा के अपना प्रिय बेटा के राज्य में ले गईले।
14 उनकरा से हमनी के उनकरा खून से मुक्ति मिलल बा, पाप के क्षमा।
15 उ अदृश्य परमेश्वर के प्रतिरूप ह, जवन हर प्राणी के जेठ बच्चा हवे।
16 काहेकि स्वर्ग में आ धरती पर जवन भी चीज लउकेला आ अदृश्य होखे, चाहे ऊ सिंहासन होखे, प्रभुत्व होखे, या रियासत होखे, भा अधिकार होखे, उनकरा द्वारा बनावल गइल बा।
17 ऊ सब कुछ से पहिले बा आ ओकरा से सब कुछ बनल बा।
18 उ देह के सिर ह, कलीसिया के, उहे शुरुआत ह, मुवलन में से पहिला जनम ह। ताकि सब बात में उनुकर प्रधानता होखे।
19 काहेकि पिता के अच्छा लागल कि उनकरा में सब पूर्णता रहे।
20 आऊ अपना क्रूस के खून से मेल मिलाप क के उनकरा द्वारा सब कुछ के अपना साथे मेल मिलाप करावे खातिर। हम ओकरा से कहत बानी कि ऊ धरती के चीज होखे भा स्वर्ग के चीज होखे।
21 तू लोग जे कबो बुरा काम से पराया हो गइल रहनी आ अपना मन में दुश्मन रहनी, तबहूँ अब ऊ मेल मिलाप कर लेले बा
22 मौत के द्वारा अपना शरीर के शरीर में, तोहनी के पवित्र आ निर्दोष आ ओकरा सोझा निर्दोष प्रस्तुत करे खातिर।
23 अगर तू लोग विश्वास में जमीनी आ बसल रहब आ सुसमाचार के आशा से दूर ना होखब जवन तू सुनले बाड़ आ जवन सुसमाचार के सुसमाचार के प्रचार स्वर्ग के नीचे के हर प्राणी के दिहल गइल रहे। जवना के सेवक हम पौलुस बन गइल बानी।
24 अब उ लोग तोहनी खातिर हमरा दुख से खुश होके अपना शरीर खातिर मसीह के कष्ट से भर देब, जवन कि कलीसिया ह।
25 एकरा से हम के सेवक बनावल गइल बा, जवन परमेश्वर के व्यवस्था के अनुसार हमरा के तोहनी खातिर दिहल गइल बा, ताकि परमेश्वर के वचन के पूरा कइल जा सके।
26 उ रहस्य जवन युगों-युगों से छिपल बा, लेकिन अब ओकरा पवित्र लोग के सामने प्रकट हो गईल बा।
27 परमेस् वर ओकरा के बतावे चाहत रहले कि गैर-यहूदी लोग के बीच एह रहस्य के महिमा के धन का ह। जवन मसीह तोहनी में महिमा के आशा ह।
28 हमनी के उनकर प्रचार करत हर आदमी के चेतावत बानी जा आ हर आदमी के पूरा बुद्धि से सिखावत बानी जा। ताकि हमनी के हर आदमी के मसीह यीशु में सिद्ध पेश कर सकीले।
29 हमहूँ ओकरा काम के हिसाब से संघर्ष करत मेहनत करत बानी जवन हमरा में ताकतवर काम करेला।

अध्याय 2 के बा

1 हम चाहत बानी कि तोहनी के पता चल जाव कि हम तोहनी खातिर आ लौदीकिया के लोग खातिर आ जे लोग हमार चेहरा शरीर में नइखे देखले, ओकरा खातिर कतना बड़हन संघर्ष कर रहल बानी।
2 एह से उनकरा मन के सान्त्वना मिल सके, आ प्रेम में गूंथल होखे आ समझ के पूरा आश्वासन के सब धन के साथ, परमेश्वर, पिता आ मसीह के रहस्य के स्वीकार करे खातिर।
3 जेकरा में बुद्धि आ ज्ञान के सब खजाना छिपल बा।
4 हम ई कहत बानी कि केहू तोहनी के लुभावन बात से बहकावे ना।
5 भले हम शरीर में गैरहाजिर बानी, लेकिन हम आत्मा में तोहनी के साथे बानी, रउआ सभे के व्यवस्था आ मसीह में विश्वास के दृढ़ता के देखत आ आनन्दित बानी।
6 जइसे रउवां मसीह यीशु प्रभु के ग्रहण कइले बानी, ओइसहीं रउवां उनकरा में चलीं।
7 ओकरा में जड़ जमा के आ बढ़ल आ विश्वास में मजबूत होके, जइसन कि तोहनी के सिखावल गइल बा, ओकरा में धन्यवाद के भरमार बा।
8 सावधान रहऽ कि केहू तोहनी के दर्शन आ व्यर्थ धोखा से, आदमी के परंपरा के अनुसार, दुनिया के मूलभूत बात के अनुसार, मसीह के अनुसार ना, लूट ना करे।
9 काहेकि भगवान के पूरा पूर्णता ओकरा में शारीरिक रूप से निवास करेला।
10 तू लोग ओकरा में पूरा हो गइल बाड़ू, जे सब रियासत आ शक्ति के सिर ह।
11 मसीह के खतना से शरीर के पाप के शरीर के उतार के बिना हाथ के खतना के साथे तोहनी के खतना हो गईल बा।
12 बपतिस्मा में उनकरा साथे दफन हो गइल बानी, जवना में रउवां उनकरा साथे जी उठल बानी, परमेश्वर के काम के बिसवास से, जे उनकरा के मुवलन में से जिंदा कइले बाड़न।

13 तोहनी के पाप आ अपना शरीर के खतना ना भइला में मर गइला के बाद उ तोहनी के सब अपराध के माफ क के ओकरा साथे जिंदा कर देले बाड़ऽ।
14 हमनी के खिलाफ जवन नियम के लिखल रहे, जवन हमनी के खिलाफ रहे, ओकरा के मिटा के ओकरा के अपना क्रूस प कील ठोक के रास्ता से हटा देले।
15 ऊ राजशासन आ अधिकारन के लूट के ओह लोग के खुल के देखा दिहलन आ ओहमें ओह लोग पर जीत हासिल कइलन.
16 एह से केहु तोहनी के खान-पान, ना शराब, या पवित्र दिन, अमावस्या भा सब्त के दिन के बारे में न्याय ना करे।
17 जवन आवे वाला चीजन के परछाई ह। लेकिन शरीर मसीह के ह।
18 केहू भी तोहनी के इनाम के बारे में बहका ना करे, जवन कुछ उ ना देखले बा, ओकरा में घुस के अपना शारीरिक मन से बेकार में उड़त, स्वेच्छा से विनम्रता आ स्वर्गदूतन के आराधना करे।
19 आऊ सिर के ना पकड़ल, जवना से पूरा शरीर जोड़ आ पट्टी से पोषण के सेवा करत रहे आ एक साथ बुनत रहे, परमेश्वर के बढ़ती के साथ बढ़ेला।
20 एह से अगर तू लोग मसीह के साथे दुनिया के शुरुआती दौर से मरल बाड़ू, त तू लोग दुनिया में रहत जइसन नियम के अधीन काहे बाड़ऽ?
21 (छू मत; स्वाद मत; संभाल मत;
22 जवन सब लोग के आज्ञा आ शिक्षा के अनुसार प्रयोग के साथ नाश होखे वाला बा?
23 जवना चीजन में इच्छा के आराधना, विनम्रता आ शरीर के उपेक्षा में बुद्धि के प्रदर्शन होला। शरीर के तृप्ति खातिर कवनो सम्मान में ना।

अध्याय 3 के बा

1 अगर रउवां मसीह के साथे जी उठल बानी त ऊपर के चीजन के खोजीं जहाँ मसीह परमेश्वर के दाहिना ओर बईठल बाड़े।
2 आपन स्नेह धरती के चीजन पर ना, ऊपर के चीजन पर राखीं।
3 काहेकि तू लोग मर गइल बाड़ऽ आ तोहनी के जिनगी मसीह के साथे परमेश्वर में छिपल बा।
4 जब मसीह, जे हमनी के जीवन ह, प्रगट होई, तबे तोहनी भी उनकरा साथे महिमा में प्रकट होखब।
5 एह से धरती पर जवन अंग बा ओकरा के मार दीं। व्यभिचार, अशुद्धता, अत्यधिक स्नेह, दुष्ट कामुकता आ लोभ, जवन मूर्तिपूजा ह।
6 एही खातिर भगवान के क्रोध आज्ञा ना माने वाला लोग पर आवेला।
7 तोहनी भी कुछ समय तक ओही में चलत रहनी ह।
8 लेकिन अब तोहनी भी इ सब के हटा देनी। क्रोध, क्रोध, दुर्भावना, निंदा, गंदा संवाद मुँह से निकलल।
9 एक दूसरा से झूठ मत मत बोलीं, काहेकि तू लोग बुढ़ऊ के ओकर करनी के साथे छोड़ देले बाड़ऽ।
10 आऊ नया आदमी के पहिनले बानी जवन ओकरा के रचना करे वाला के प्रतिरूप के अनुसार ज्ञान में नया हो जाला।
11 जहाँ ना त यूनानी बा ना यहूदी, ना खतना ना खतना ना, बर्बर, सिथियन, दास आ आज़ाद, लेकिन मसीह सब हउवें आ सब में।
12 एह से परमेश्वर के चुनल, पवित्र आ प्रियजन के रूप में दया, दया, विनम्रता, नम्रता आ धैर्य के आंत पहिन लीं।
13 अगर केहू के केहू से झगड़ा होखे त एक दूसरा के सहन करीं आ एक दूसरा के माफ करीं।
14 एह सब से बढ़ के प्रेम के पहिन लीं, जवन कि सिद्धता के बंधन ह।
15 तोहनी के दिल में परमेश्वर के शांति राज करे, जवना खातिर तोहनी के एके शरीर में बोलावल गईल बा। आ तू लोग धन्यवाद देत रहऽ।
16 मसीह के वचन तोहनी में सब बुद्धि में भरपूर रहे। भजन, भजन आ आध्यात्मिक गीतन में एक दूसरा के सिखावत आ सलाह देत, प्रभु के मन में अनुग्रह से गावत।
17 आउर जवन कुछ भी वचन या काम में करब, उ सब प्रभु यीशु के नाम पर करऽ आ उनकरा द्वारा पिता परमेश्वर के धन्यवाद दीं।
18 हे मेहरारू लोग, अपना पति के अधीन रहऽ, जइसन कि प्रभु में उचित बा।
19 हे पति, आपन मेहरारू से प्रेम करीं आ ओकरा से कड़ुआ मत होखऽ।
20 लइका लोग, हर बात में आपन माई-बाबूजी के बात मानीं, काहेकि ई प्रभु के मन में अच्छा लागेला।
21 हे पिता लोग, अपना लइकन के नाराज मत करीं, कहीं ऊ लोग हतोत्साहित ना हो जाव।
22 हे सेवक लोग, हर बात में अपना मालिकन के पालन करीं। आँख के सेवा से ना, आदमी के खुश करे वाला के रूप में; लेकिन मन के एकलता में, परमेश्वर के डर से।
23 आऊ जवन कुछ भी करब, ओकरा के मन से करीं, जइसे कि प्रभु के काम करीं, ना कि आदमी के खातिर।
24 ई जान के कि तोहनी के उत्तराधिकार के इनाम प्रभु से मिली, काहेकि तू प्रभु मसीह के सेवा करत बानी।
25 लेकिन जे गलत काम करेला ओकरा गलती के बदला में मिल जाई।

अध्याय 4 के बा

1 मालिक लोग, अपना सेवकन के उहे दीं जवन न्यायसंगत आ बराबर बा। ई जानत हई कि तोहनी के भी स्वर्ग में एगो मालिक बा।
2 प्रार्थना करत रहऽ आ धन्यवाद के साथे ओही में जागल रहऽ।
3 हमनी खातिर भी प्रार्थना करत रहलन कि परमेश्वर हमनी के एगो बात के दरवाजा खोलस ताकि हम मसीह के रहस्य के बात कह सकीले, जवना खातिर हम भी बंद बानी।
4 ताकि हम एकरा के ओइसहीं प्रगट कर सकीले, जइसे हमरा कहे के चाहीं।
5 समय के छुड़ावत बाहर के लोग के साथे बुद्धि से चलत रहऽ।
6 तोहनी के बात हमेशा अनुग्रह से भरल होखे, आ नमक से मसालेदार होखे, ताकि तोहनी के पता चल सके कि तोहनी के हर आदमी के कइसे जवाब देवे के चाहीं।
7 तिकीकस तोहनी के हमार पूरा हालत बताई, जवन कि एगो प्रिय भाई ह, आ प्रभु में विश्वासी सेवक आ सहसेवक ह।
8 हम ओकरा के तोहनी के लगे एही मकसद से भेजले बानी कि ऊ तोहनी के हालत के जान सके आ तोहनी के दिल के दिलासा दे सके।
9 ओनेसिमस के साथे, एगो विश्वासी आ प्रिय भाई, जे तोहनी में से एगो हवे। इहाँ जवन कुछ होखत बा, उ सब तोहनी के बताईहे।

10 हमार साथी कैदी अरिस्तार्कस आ बरनबास के बहिन के बेटा मार्कस के नमस्कार करत बाड़न (जेकरा के तू लोग के आज्ञा मिलल बा।
11 ईसा, जेकरा के जस्टस कहल जाला, जे खतना के लोग हवें। इहे लोग ही परमेश्वर के राज्य के हमार साथी हवे, जवन हमरा खातिर दिलासा देले बा।
12 इपाफ्रा, जे तोहनी में से एगो हउवें, मसीह के सेवक हउवें, तोहनी के नमस्कार करत हउवें आ तोहनी खातिर हमेशा प्रार्थना में पूरा मेहनत करत रहलन, ताकि तू लोग परमेश्वर के पूरा इच्छा में सिद्ध आ पूर्ण रूप से खड़ा होखब।
13 काहेकि हम उनकर गवाही देत बानी कि उ रउवां खातिर, लौदीकिया आ हियरापोलिस के लोग खातिर बहुत उत्साहित बा।
14 प्रिय वैद्य लूका आ देमास तोहरा के अभिवादन करत बाड़े।
15 लौदीकिया आ निम्फास आ उनकर घर में मौजूद कलीसिया के नमस्कार करीं।
16 जब ई पत्र तोहनी के बीच में पढ़ल जाई त लौदीकिया के कलीसिया में भी पढ़ल जाव। आ कि तू लोग भी ओही तरह से लौदीकिया से लिखल चिट्ठी के पढ़ीं।
17 आ आर्किप्पस से कहऽ कि, "प्रभु में जवन सेवा मिलल बा, ओकरा के पूरा करऽ।"
18 हमरा पौलुस के हाथ से नमस्कार। हमार बंधन याद करऽ। कृपा रउरा साथे होखे। आमीन के बा। (रोम से कुलुस्सी तक तिकीकस आ ओनेसिमस द्वारा लिखल गइल।)

1 थिस्सलुनीकियों के ह

अध्याय 1 के बा

1 पौलुस, सिल्वानस आ तीमुथियुस, थिस्सलुनीकियों के कलीसिया के भेजत बानी जवन पिता परमेश्वर आ प्रभु यीशु मसीह में बा।
2 हमनी के प्रार्थना में तोहनी के जिक्र करत तोहनी सब खातिर हमेशा परमेश्वर के धन्यवाद देत बानी जा।
3 हमनी के प्रभु यीशु मसीह में आपन विश्वास के काम, प्रेम के मेहनत, आ हमनी के पिता परमेश्वर के नजर में आपन विश्वास के धैर्य के बिना छोड़ले याद करत बानी।
4 हे प्रिय भाई लोग, रउआ लोग के परमेश्वर के चुनल जानत बानी।
5 हमनी के सुसमाचार खाली वचन से ना, बलुक शक्ति, पवित्र आत्मा आ बहुत आश्वासन से भी तोहनी के सामने आइल। जइसे तू लोग जानत बाड़ऽ कि हमनी के तोहनी खातिर तोहनी के बीच कवना तरह के आदमी रहनी जा।
6 तोहनी हमनी के आ प्रभु के अनुयायी बन गईनी, काहे कि पवित्र आत्मा के खुशी से बहुत कष्ट में वचन के ग्रहण कईनी।
7 एह से तू लोग मकिदुनिया आ अखाया में विश्वास करे वाला सब लोग खातिर नमूना बनल रहलू।
8 काहेकि तोहनी से प्रभु के वचन खाली मकिदुनिया आ अखाया में ना निकलल बा, बल्कि हर जगह परमेश् वर के प्रति तोहनी के विश्वास फइलल बा। जेहसे कि हमनी के कवनो बात बोले के जरूरत ना पड़े।
9 काहेकि उ लोग खुद हमनी के बारे में बतावेला कि हमनी के तोहनी में कवना तरह के प्रवेश कईनी जा आ कइसे तू लोग मूर्ति से परमेश्वर के ओर मुड़ के जीवित आ सच्चा परमेश्वर के सेवा कईनी।
10 आऊ स्वर्ग से अपना बेटा के इंतजार करे के, जेकरा के उ मुवलन में से जिंदा कईले रहले, उहे यीशु, जे हमनी के आवे वाला क्रोध से बचा लेले रहले।

अध्याय 2 के बा

1 भाई लोग, रउआ लोग खुदे जानत बानी कि हमनी के रउआ लोग में प्रवेश कइल बेकार ना भइल।
2 हमनी के फिलिप्पी में पहिले कष्ट भोगला के बाद भी शर्मनाक तरीका से निहोरा कईला के बाद भी हमनी के अपना परमेश्वर में हिम्मत क के तोहनी से बहुत विवाद के साथ परमेश्वर के सुसमाचार बतावे के काम कईनी जा|
3 हमनी के उपदेश धोखा से ना रहे, ना अशुद्धता से, ना छल से।
4 लेकिन जइसे हमनी के सुसमाचार पर भरोसा करे के अनुमति मिलल रहे, ओइसहीं हमनी के बात कहत बानी जा। आदमी के खुश करे वाला ना, बलुक भगवान, जे हमनी के दिल के परीक्षा लेवेले।
5 काहेकि हमनी के कबो चापलूसी के बात ना बोलले रहनी जा, जइसन कि रउवां जानत बानी जा, ना लोभ के चोगा। भगवान गवाह हउवें:
6 हमनी के मसीह के प्रेरित लोग के रूप में बोझिल हो सकत रहनी जा, ना ही हमनी के महिमा के खोजत रहनी जा, ना तोहनी से, ना दोसरा के।
7 हमनी के तोहनी के बीच में कोमल रहनी जा, जइसे कि एगो नर्स अपना लइकन के पोसेले।
8 हमनी के तोहनी से स्नेह से इच्छुक होके हमनी के खाली परमेश्वर के सुसमाचार ना, बल्कि हमनी के आपन प्राण भी देवे के इच्छुक रहनी जा, काहे कि तू हमनी के प्रिय रहनी जा।
9 भाई लोग, तू लोग हमनी के मेहनत आ परिश्रम के याद करत बाड़ऽ, काहे कि रात-दिन मेहनत करत, काहे कि हमनी के तोहनी में से केहू के कवनो आरोप ना लागे के चाहत रहे, हमनी के तोहनी के परमेश्वर के सुसमाचार सुनवनी जा।
10 तू लोग आ परमेश्वर भी गवाह हईं कि हमनी के विश्वास करे वाला लोग के बीच केतना पवित्र आ न्यायी आ निर्दोष व्यवहार कइनी जा।
11 जइसे तोहनी जानत हईं कि हमनी के तोहनी में से हर एक के उपदेश आ दिलासा देनी जा, जइसे बाप अपना लइकन के करेले।
12 एह से कि तू लोग परमेस् वर के लायक चलत रहब, जे तोहनी के अपना राज्य आ महिमा खातिर बोलवले बाड़ऽ।
13 एही से हमनी के परमेश्वर के धन्यवाद देत बानी जा, काहे कि जब रउवां परमेश्वर के वचन के ग्रहण कइनी जवन रउवां हमनी के बारे में सुनले बानी त ओकरा के आदमी के वचन के रूप में ना, बल्कि सच्चाई में जइसन परमेश्वर के वचन के रूप में मिलल तोहनी में भी काम करेला जे विश्वास करेलन।
14 भाई लोग, तू लोग परमेश्वर के कलीसिया के अनुयायी बन गईनी जवन यहूदिया में मसीह यीशु में बा, काहेकि तोहनी भी अपना देश के लोग के जइसन कष्ट उठवले बानी, जइसे कि यहूदी लोग के भी।
15 उ लोग प्रभु यीशु के आ अपना भविष्यवक्ता लोग के मार के हमनी के सतावले। उ लोग भगवान के खुश ना करेले अवुरी सभ आदमी के विरोधी बाड़े।
16 हमनी के गैर-यहूदी लोग से बात करे से मना करत रहले कि उ लोग के उद्धार हो सके अवुरी उ लोग हमेशा अपना पाप के भरस, काहेकि उ लोग प क्रोध अंत तक आ गईल बा।
17 भाई लोग, हमनी के दिल में ना, थोड़े देर खातिर तोहनी से दूर हो गईला के बाद तोहनी के चेहरा के बहुत इच्छा से देखे के कोशिश कईनी जा।
18 एही से हम पौलुस, एक बार-बार तोहनी के लगे आवे के चाहत रहनी। लेकिन शैतान हमनी के बाधा पहुंचवले।
19 काहे कि हमनी के आशा का ह, का आनन्द, भा आनन्द के मुकुट? का रउवां भी हमनी के प्रभु यीशु मसीह के आवे के समय उनकरा सामने नईखी?
20 काहेकि तू हमनी के महिमा आ आनन्द हउअ।

अध्याय 3 के बा

1 एह से जब हमनी के अब बर्दाश्त ना कर पवनी जा त हमनी के अकेले एथेंस में छोड़ल अच्छा लागल।
2 हमनी के भाई, परमेश्वर के सेवक आ मसीह के सुसमाचार में हमनी के साथी तिमुथियुस के भेजले कि उ तोहनी के मजबूत करस अउर तोहनी के विश्वास के बारे में दिलासा देवे।
3 एह दुखन से केहू के कवनो भाव ना आवे, काहे कि रउरा सभे जानत बानी कि हमनी के एकरा खातिर नियुक्त कइल गइल बानी जा।
4 जब हम तोहनी के साथे रहनी त तोहनी से पहिले कहले रहनी कि हमनी के कष्ट उठावे के बा। ठीक ओइसहीं जइसे भइल रहे आ रउरा सभे जानत बानी.

5 एही से जब हम अब बर्दाश्त ना कर पवनी त हम तोहनी के विश्वास के जाने खातिर भेजनी कि कहीं कवनो तरह से परीक्षा देवे वाला तोहरा के परीक्षा ना देले अवुरी हमनी के मेहनत बेकार ना हो जाए।
6 लेकिन अब जब तीमुथियुस तोहनी से हमनी के लगे अइले आ तोहनी के विश्वास आ प्रेम के शुभ समाचार हमनी के ले अइले, आ तोहनी के हमनी के हमेशा बढ़िया से याद रहेला, आ हमनी के भी हमनी के देखे के बहुत इच्छा रहे।
7 एह से हे भाई लोग, हमनी के पूरा दुख आ संकट में तोहनी के विश्वास से हमनी के दिलासा मिलल।
8 अब हमनी के जिंदा बानी जा, अगर तू प्रभु में मजबूती से खड़ा होखब।
9 हमनी के तोहनी खातिर परमेश्वर के का धन्यवाद दे सकेनी जा, काहे कि हमनी के अपना परमेश्वर के सामने तोहनी खातिर जवन खुशी से आनन्दित हो जानी जा।
10 रात-दिन बहुत प्रार्थना करत रहनी कि हमनी के तोहार चेहरा देख सकीले आ तोहरा विश्वास में जवन कमी बा ओकरा के सिद्ध कर सकीले?
11 अब खुद परमेश्वर आ हमनी के पिता आ हमनी के प्रभु यीशु मसीह हमनी के रास्ता तोहनी के ओर निर्देशित करस।
12 आ प्रभु तोहनी के एक दूसरा के प्रति आ सब लोग के प्रति प्रेम में बढ़े आ बढ़े के काम करस, जइसे हमनी के तोहनी के प्रति प्रेम करेनी जा।
13 हमनी के प्रभु यीशु मसीह के अपना सब पवित्र लोग के साथे आवे के समय उ हमनी के पिता परमेश्वर के सामने पवित्रता में निर्दोष होके तोहनी के दिल के मजबूत कर सके|

अध्याय 4 के बा

1 भाई लोग, हम तोहनी से निहोरा करत बानी आ प्रभु यीशु के द्वारा निहोरा करत बानी कि जइसे तोहनी के हमनी से मिलल बा कि तोहनी के कइसे चले के चाहीं आ भगवान के खुश करे के चाहीं, ओइसहीं तोहनी के भरमार होखे के चाहीं।
2 हमनी के प्रभु यीशु के द्वारा तोहनी के कवन आज्ञा देले बानी जा, तू लोग जानत बाड़ऽ।
3 काहेकि तोहनी के पवित्रता परमेश्वर के इहे इच्छा ह कि तू लोग व्यभिचार से परहेज करीं।
4 तोहनी में से हर केहू के पवित्रता आ आदर में अपना बर्तन के मालिक बने के तरीका पता होखे।
5 लोभ के लालसा में ना, जइसे गैर-यहूदी लोग जे परमेश्वर के ना जानेला।
6 कि केहु अपना भाई के कवनो बात में धोखा ना देवे, काहेकि प्रभु अइसन सब के बदला लेवे वाला हवे, जईसे कि हमनी के भी तोहनी के पहिले से चेतवले बानी जा आ गवाही देले बानी जा।
7 काहेकि परमेश्वर हमनी के अशुद्धता खातिर ना बोलवले बाड़न, बल्कि पवित्रता खातिर बोलवले बाड़न।
8 एह से जे तुच्छ समझेला, उ आदमी के ना, बल्कि परमेश्वर के तिरस्कार करेला, जे हमनी के आपन पवित्र आत्मा भी देले बाड़े।
9 लेकिन भाई-बहिन के प्रेम के बारे में तोहनी के जरूरत नइखे कि हम तोहनी के लिखीं, काहेकि तोहनी के खुद परमेस् वर के सिखावल गइल बा कि एक दूसरा से प्रेम करीं।
10 तू लोग पूरा मकिदुनिया के सब भाई लोग के साथे ई काम करत बाड़ऽ, बाकिर भाई लोग, हम तोहनी से निहोरा करत बानी कि तू लोग अधिका से अधिका बढ़ीं।
11 हमनी के आज्ञा के मुताबिक चुप रह के आपन काम करे के आ अपना हाथ से काम करे के पढ़ाई करीं।
12 ताकि तू लोग बाहर के लोग के साथे ईमानदारी से चल सकीले आ तोहनी के कुछुओ के कमी ना होखे।
13 भाई लोग, हम नइखी चाहत कि रउआ लोग सुतल लोग के बारे में अनजान रहीं ताकि रउआ लोग के ओइसन दुख मत होखे, जइसे कि दोसरा लोग के उम्मीद ना होखे।
14 अगर हमनी के विश्वास बा कि यीशु मर गइलन आ जी उठलन त ओही तरह से जे यीशु में सुतल लोग के भी परमेश्वर अपना साथे ले अइहें।
15 हमनी के प्रभु के वचन से तोहनी से इहे कहत बानी जा कि हमनी के जे जिंदा बानी जा आ प्रभु के आवे तक रहब जा, उ सुतल लोग के ना रोकब जा।
16 काहेकि प्रभु खुदे एगो चिल्लाहट, महादूत के आवाज आ परमेश्वर के तुरही के साथ स्वर्ग से उतर जइहें आ मसीह में मरल लोग पहिले जिंदा हो जइहें।
17 तब हमनी के जे जिंदा बानी जा, उ लोग के साथे बादल में उठा के हवा में प्रभु से मिले खातिर उठावल जाई।
18 एही से एक दूसरा के एह बात से दिलासा दीं।

अध्याय 5 के बा

1 भाई लोग, समय आ मौसम के बारे में तोहनी के कवनो जरूरत नइखे कि हम तोहनी के लिख दीं।
2 काहेकि तू खुदे पूरा तरह से जानत बानी कि प्रभु के दिन ओइसहीं आवेला जइसे रात में चोर आवेला।
3 जब उ लोग कहसु कि, "शांति आ सुरक्षित"। तब अचानक विनाश हो जाला, जइसे गर्भवती मेहरारू के प्रसव होला। आ उ लोग ना बच पाई।
4 भाई लोग, तू लोग अन्हार में नइखऽ कि ऊ दिन तोहनी के चोर नियर पकड़ लेव।
5 तू सब उजाला के लइका हउअ आ दिन के लइका हईं, हमनी के रात के ना हईं आ ना अन्हार के हईं जा।
6 एह से हमनी के दोसरा के निहन ना सुते के चाही। बाकिर हमनी के जागल आ सोझ रहीं जा।
7 काहेकि सुतल लोग रात में सुतत बा। आ नशा में धुत्त लोग रात में नशा में धुत्त हो जाला।
8 हमनी के जे दिन के बानी जा, हमनी के विश्वास आ प्रेम के छाती पहिन के सोझ रहब जा। आ हेलमेट खातिर उद्धार के आशा।
9 काहेकि परमेश्वर हमनी के क्रोध खातिर ना, बल्कि हमनी के प्रभु यीशु मसीह के द्वारा उद्धार पावे खातिर नियुक्त कइले बाड़न।
10 उ हमनी खातिर मरल कि हमनी के जागल भा सुतब जा, हमनी के ओकरा साथे मिल के रहब जा।
11 एही से एक दूसरा के दिलासा दीं आ एक दूसरा के मजबूत करीं, जइसे कि तू लोग करत बानी।
12 भाई लोग, हम तोहनी से निहोरा करत बानी कि जे लोग तोहनी के बीच मेहनत करत बा आ प्रभु में तोहनी के ऊपर बा आ तोहनी के सलाह देत बा, ओकरा के जान लीं।

13 आ अपना काम के खातिर प्रेम में उनकरा के बहुते आदर देवे के चाहीं। आ आपस में शांति से रहीं।
14 हे भाई लोग, हम तोहनी से निहोरा करत बानी कि बेकाबू लोग के चेताईं, कमजोर दिमाग के दिलासा दीं, कमजोर लोग के सहारा दीं, आ सब लोग के प्रति धैर्य राखीं।
15 देखल जाव कि केहू केहू के बुराई के बदला बुराई ना देवे। बाकिर अपना बीच आ सभे आदमी खातिर जवन बढ़िया होखे ओकरा के कबो पालन करीं.
16 हमेशा आनन्दित रहीं।
17 बिना रुकले प्रार्थना करीं।
18 हर बात में धन्यवाद दीं, काहेकि तोहनी के बारे में मसीह यीशु में परमेश्वर के इहे इच्छा बा।
19 आत्मा के बुझा मत।
20 भविष्यवाणी के तुच्छ मत करीं।
21 सब बात के परख करऽ। जवन नीमन बा ओकरा के मजबूती से पकड़ीं।
22 बुराई के हर रूप से परहेज करीं।
23 शांति के परमेश्वर ही तोहनी के पूरा तरह से पवित्र करस। आ हम भगवान से निहोरा करत बानी कि हमनी के प्रभु यीशु मसीह के आवे तक तोहार पूरा आत्मा आ आत्मा आ शरीर निर्दोष रह जाव।
24 जे तोहनी के बोलावेला उ वफादार ह, उहो ओकरा के पूरा करी।
25 भाई लोग, हमनी खातिर प्रार्थना करीं।
26 सब भाई लोग के पवित्र चुंबन से अभिवादन करीं।
27 हम प्रभु के नाम से तोहनी के आज्ञा देत बानी कि ई पत्र सब पवित्र भाई लोग के पढ़ल जाव।
28 हमनी के प्रभु यीशु मसीह के कृपा तोहनी पर होखे। आमीन के बा। (थिस्सलुनीकियों के पहिला पत्र एथेंस से लिखल गइल रहे।)

2 थिस्सलुनीकियों के बा

अध्याय 1 के बा

1 पौलुस, सिल्वानस आ तीमुथियुस, हमनी के पिता परमेश्वर आ प्रभु यीशु मसीह में थिस्सलुनीकियों के कलीसिया के भेजत बानी।
2 हमनी के पिता परमेश्वर आ प्रभु यीशु मसीह के ओर से तोहनी पर अनुग्रह आ शांति मिले।
3 हे भाई लोग, हमनी के हमेशा परमेश्वर के धन्यवाद देवे के बाध्यता बा, काहे कि तोहनी के विश्वास बहुत बढ़ेला आ तोहनी में से हर एक के एक दूसरा के प्रति प्रेम बहुत बढ़ जाला।
4 एह से हमनी के खुद परमेस् वर के कलीसिया में तोहनी पर घमंड करत बानी जा, काहे कि तोहनी के धैर्य आ विश्वास के चलते तोहनी के सब सताव आ कष्ट के सामना करत बानी जा।
5 इ परमेश्वर के धार्मिक न्याय के स्पष्ट निशानी ह, ताकि तोहनी के परमेश्वर के राज्य के लायक मानल जा सके, जवना के चलते तोहनी भी कष्ट उठावत बानी।
6 काहे कि तोहनी के परेशान करे वाला लोग के कष्ट के बदला दिहल परमेश्वर के सामने धार्मिक बात ह।
7 तोहनी जे परेशान बानी, हमनी के साथे आराम करीं, जब प्रभु यीशु अपना पराक्रमी स्वर्गदूतन के साथे स्वर्ग से प्रगट हो जइहें।
8 ज्वालामुखी आग में ओह लोग से बदला लेत बानी जे परमेश्वर के ना जानेला आ जे हमनी के प्रभु यीशु मसीह के सुसमाचार के बात ना मानेला।
9 प्रभु के सामने से आ उनकर शक्ति के महिमा से अनन्त विनाश के सजा मिल जाई।
10 जब ऊ ओह दिन अपना पवित्र लोग में महिमा पावे खातिर अइहें आ सभे विश्वास करे वाला लोग के प्रशंसा करे खातिर (काहे कि तोहनी के बीच में हमनी के गवाही पर विश्वास भइल रहे)।
11 एही से हमनी के तोहनी खातिर हमेशा प्रार्थना करत बानी जा कि हमनी के परमेश्वर तोहनी के एह बोलावे के लायक समझस आ अपना भलाई आ विश्वास के काम के शक्ति से पूरा करस।
12 ताकि हमनी के परमेश्वर आ प्रभु यीशु मसीह के अनुग्रह के अनुसार हमनी के प्रभु यीशु मसीह के नाम के महिमा तोहनी में आ तू उनुके में होखे।

अध्याय 2 के बा

1 हे भाई लोग, हमनी के प्रभु यीशु मसीह के आवे से आ ओकरा लगे एकट्ठा होखे से तोहनी से विनती करत बानी जा।
2 तोहनी के मन में जल्दी ना हिल जाइब, ना घबरा जाइब, ना त आत्मा से, ना बात से, ना हमनी के लिखल चिट्ठी से, काहे कि मसीह के दिन नजदीक आ गईल बा।
3 केहू तोहनी के कवनो तरह से धोखा ना देवे, काहेकि उ दिन तब तक ना आई जब तक कि पहिले कवनो गिरल आदमी ना आई अवुरी उ पाप के आदमी, नाश के बेटा के प्रगट ना हो जाई।
4 ऊ विरोध करेला आ अपना के ओह सब से ऊपर उठावेला जेकरा के भगवान कहल जाला भा जवना के पूजा कइल जाला। एह से उ परमेश्वर के मंदिर में बईठ के खुद के देखावेला कि उ परमेश्वर हवे।
5 का तोहनी के याद नइखे कि जब हम तोहनी के साथे रहनी त तोहनी के इ सब बात कहले रहनी?
6 अब तू लोग जान गइल बाड़ऽ कि ओकरा के अपना समय में प्रगट होखे खातिर का रोकत बा।
7 काहेकि अधर्म के रहस्य पहिले से ही काम करत बा, जब तक कि अब ओकरा के रास्ता से ना हटा दिहल जाई, उहे छोड़ दिही।
8 तब ऊ दुष्ट प्रगट होई, जेकरा के प्रभु अपना मुँह के आत्मा से भस्म कर दिहें आ अपना आवे के चमक से नाश कर दिहें।
9 ऊ जे शैतान के काम कइला के बाद पूरा शक्ति आ चमत्कार आ झूठा चमत्कार के साथ आवेला।
10 आ नाश होखे वाला लोग में अधर्म के धोखा देवे वाला भी। काहे कि उ लोग के सच्चाई के प्रेम ना मिलल ताकि उ लोग के उद्धार हो सके।
11 एही से परमेश्वर ओह लोग के एगो झूठ पर विश्वास करे खातिर जोरदार भ्रम भेज दिहे।
12 ताकि उ सब लोग के दोषी ठहरावल जा सके जे सच्चाई पर विश्वास ना करत रहे, लेकिन अधर्म में खुश रहे।
13 लेकिन हे प्रभु के प्रिय भाई लोग, हमनी के तोहनी खातिर हमेशा परमेश्वर के धन्यवाद देवे के बाध्यता बा, काहेकि परमेश्वर शुरू से ही तोहनी के आत्मा के पवित्रीकरण आ सच्चाई पर विश्वास के द्वारा उद्धार खातिर चुनले बाड़न।
14 उ हमनी के सुसमाचार के द्वारा तोहनी के बोलवले रहले ताकि हमनी के प्रभु यीशु मसीह के महिमा मिल सके।
15 एह से हे भाई लोग, मजबूती से खड़ा रहऽ आ जवन परंपरा तोहनी के सिखावल गइल बा, ओकरा के पकड़ के रखीं, चाहे ऊ वचन से होखे भा हमनी के चिट्ठी से।
16 हमनी के प्रभु यीशु मसीह खुदे, आ हमनी के पिता परमेश्वर, जे हमनी से प्रेम कइले बाड़न आ अनुग्रह से हमनी के अनन्त सांत्वना आ अच्छा आशा देले बाड़न।
17 आपन दिल के दिलासा दीं आ हर अच्छा बात आ काम में तोहनी के मजबूत करीं।

अध्याय 3 के बा

1 अंत में, भाई लोग, हमनी खातिर प्रार्थना करीं कि प्रभु के वचन के मुक्त मार्ग होखे आ महिमा होखे, जइसे कि तोहनी के साथे होला।
2 हमनी के बेवकूफी आ दुष्ट लोग से मुक्ति मिल सके, काहेकि सब आदमी के विश्वास नइखे।
3 लेकिन प्रभु वफादार हवें, जे तोहनी के मजबूत करीहें आ बुराई से बचाईहें।
4 हमनी के भरोसा बा कि प्रभु तोहनी के छूवत बाड़न कि तू लोग हमनी के जवन आज्ञा देत बानी जा, उहे करब आ पूरा करब।
5 आ प्रभु तोहनी के दिल के परमेश्वर के प्रेम में आ मसीह के इंतजार करे वाला धैर्यवान में निर्देशित करस।
6 हे भाई लोग, हमनी के प्रभु यीशु मसीह के नाम से हम तोहनी के आज्ञा देत बानी कि हर भाई से अलग हो जाइब जे अव्यवस्थित चलेला, ना कि हमनी से मिलल परंपरा के अनुसार ना।
7 काहे कि तोहनी के हमनी के पीछे कइसे चले के चाहीं, रउआ लोग खुदे जानत बानी कि हमनी के तोहनी के बीच अव्यवस्थित व्यवहार ना कइनी जा।
8 हमनी के केहू के रोटी बेकार में ना खइले रहनी जा। लेकिन रात-दिन मेहनत आ परिश्रम से काम करत रहनी, ताकि हमनी के तोहनी में से केहू के कवनो आरोप ना लागे।
9 एह से ना कि हमनी के लगे शक्ति नइखे, बलुक हमनी के पीछे चले खातिर हमनी के अपना के नमूना बनावे के चाहीं।

10 जब हमनी के तोहनी के साथे रहनी जा तबो हम तोहनी के इ आज्ञा देले रहनी कि अगर केहू काम ना करे के चाहत बा त उ ना खाए।
11 हमनी के सुनत बानी जा कि कुछ लोग तोहनी के बीच अव्यवस्थित रूप से चलत बाड़े, काम ना करत बाड़े, लेकिन व्यस्त बाड़े।
12 हमनी के प्रभु यीशु मसीह के द्वारा अइसन लोग के आज्ञा आ उपदेश देत बानी जा कि उ लोग चुपचाप काम करस आ आपन रोटी खुदे खाए।
13 भाई लोग, तू लोग भलाई करे में थक मत जाईं।
14 अगर केहू एह पत्र से हमनी के वचन ना मानेला त ओह आदमी के ध्यान राखीं आ ओकरा साथे कवनो संगति मत करीं, ताकि ऊ शर्मिंदा हो सके।
15 तबो ओकरा के दुश्मन मत समझीं, बलुक ओकरा के भाई के सलाह दीं।
16 शांति के मालिक खुदे तोहनी के हर तरह से हमेशा शांति देवे। प्रभु रउआ सभे के साथे रहस।
17 पौलुस के अपना हाथ से अभिवादन, जवन हर पत्र में चिन्ह ह।
18 हमनी के प्रभु यीशु मसीह के कृपा तोहनी सब के साथे होखे। आमीन के बा। (थिस्सलुनीकियों के दूसरा पत्र एथेंस से लिखल गइल रहे।)

1 तीमुथियुस के ह

अध्याय 1 के बा

1 पौलुस, हमनी के उद्धारकर्ता परमेश्वर के आज्ञा से यीशु मसीह के प्रेरित हई, आ प्रभु यीशु मसीह, जवन हमनी के आशा ह।
2 विश्वास में हमार खुद के बेटा तीमुथियुस के, हमनी के पिता परमेश्वर आ हमनी के प्रभु यीशु मसीह के अनुग्रह, दया आ शांति।
3 जइसे हम मकिदुनिया में गइला पर इफिसुस में स्थिर रहे के निहोरा कइले रहनी कि कुछ लोग के आज्ञा देब कि ऊ लोग कवनो दोसर शिक्षा ना सिखावे।
4 आ ना ही दंतकथा आ अंतहीन वंशावली पर ध्यान मत दीं जवन सवाल के सेवा करेला, ना कि विश्वास में भक्ति के काम करे के।
5 आज्ञा के अंत शुद्ध मन, सद्विवेकी आ बिना ढोंग के विश्वास से प्रेम ह।
6 जवना से कुछ लोग भटक के बेकार के जंगिंग में मुड़ गइल बा।
7 ऊ लोग व्यवस्था के गुरु बने के चाहत बा। ना त ऊ लोग जवन कहत बा ओकरा के समझत बा आ ना जवना के पुष्टि करत बा.
8 लेकिन हमनी के जानत बानी जा कि व्यवस्था अच्छा ह, अगर केहू ओकरा के विधिवत इस्तेमाल करेला।
9 ई जानत हई कि व्यवस्था धर्मी आदमी खातिर ना, बलुक अनियम आ आज्ञा ना माने वाला, अभक्त आ पापी, अपवित्र आ अपवित्र, बाप के हत्या करे वाला आ माई के हत्या करे वाला, आदमी के हत्या करे वाला खातिर बनावल गइल बा।
10 वेश्या के खातिर, मनुष्य के साथे अपना के अशुद्ध करे वाला लोग खातिर, मासिक चोरी करे वाला लोग खातिर, झूठा लोग खातिर, झूठा कसम खाए वाला लोग खातिर आ अगर कवनो अउरी बात सही शिक्षा के खिलाफ होखे त।
11 धन्य परमेश्वर के गौरवशाली सुसमाचार के अनुसार जवन हमरा भरोसा में सौंपल गईल रहे।
12 हम अपना प्रभु मसीह यीशु के धन्यवाद देत बानी जे हमरा के सक्षम बना दिहले बाड़न कि ऊ हमरा के वफादार मान के सेवा में डाल दिहलन.
13 ऊ पहिले निन्दा करे वाला, सतावे वाला आ चोट करे वाला रहले, लेकिन हम दया मिलल काहे कि हम अविश्वास में अज्ञानता में ई काम कइनी।
14 हमनी के प्रभु के अनुग्रह मसीह यीशु में विश्वास आ प्रेम के साथ बहुत ढेर रहे।
15 ई एगो सच्चा बात ह आ सभे स्वीकार करे लायक बा कि मसीह यीशु पापी लोग के बचावे खातिर दुनिया में अइले। जेकरा में हम प्रमुख बानी।
16 लेकिन एही से हम दया करनी ताकि सबसे पहिले यीशु मसीह हमरा में धैर्य के प्रदर्शन करस, ताकि उ लोग खातिर एगो नमूना बन सके, जवन कि ओकरा पर विश्वास करे वाला लोग खातिर अनन्त जीवन खातिर।
17 अब शाश्वत, अमर, अदृश्य, एकमात्र बुद्धिमान परमेश्वर राजा के आदर आ महिमा हमेशा खातिर होखे। आमीन के बा।
18 बेटा तिमुथियुस, हम तोहरा पर पहिले के भविष्यवाणी के अनुसार इ आज्ञा देत बानी कि तू ओह भविष्यवाणी के द्वारा एगो बढ़िया युद्ध कर सकीले।
19 विश्वास आ सद्विवेक के धारण करीं। जवना के कुछ लोग विश्वास के बारे में छोड़ के जहाज डूब गईल बा।
20 जेकरा में से हिमेनियस आ सिकंदर के नाम बा। जेकरा के हम शैतान के सौंप देले बानी ताकि उ लोग निंदा ना करे के सीख सके।

अध्याय 2 के बा

1 एह से हम निहोरा करत बानी कि सबसे पहिले सब लोग खातिर निहोरा, प्रार्थना, बिनती आ धन्यवाद दिहल जाव।
2 राजा लोग खातिर आ अधिकार वाला सब लोग खातिर। ताकि हमनी के पूरा भक्ति आ ईमानदारी से शांत आ शांतिपूर्ण जीवन जी सकेनी जा।
3 काहेकि ई हमनी के उद्धारकर्ता परमेश्वर के नजर में अच्छा आ स्वीकार्य बा।
4 उ सब आदमी के उद्धार पावे के चाहत बा आ सच्चाई के ज्ञान में आवे के चाहत बा।
5 काहेकि परमेस् वर आ आदमी के बीच एके गो बिचौलिया हवें, उ आदमी मसीह यीशु हवें।
6 उ अपना के सबके फिरौती के रूप में दे दिहलन, ताकि समय पर गवाही दिहल जा सके।
7 हमरा के प्रचारक आ प्रेरित के रूप में नियुक्त कइल गइल बा, (हम मसीह में सच्चाई बोलत बानी, लेकिन झूठ ना बोलत बानी।) विश्वास आ सच्चाई के साथ गैर-यहूदी लोग के गुरु हई।
8 एही से हम चाहब कि आदमी बिना कवनो क्रोध आ संदेह के पवित्र हाथ उठा के हर जगह प्रार्थना करस।
9 एही तरह से औरत लोग शर्मिंदगी आ संयम से सज-धज के सज-धज के सज-धज के सज-धज के सज-धज के सज-धज के सजत होखे। ना कि ब्रॉयड बाल, ना सोना, ना मोती, ना महंगा सरणी;
10 लेकिन (जवन मेहरारू लोग के भक्ति के दावा करे वाला होला) अच्छा काम के साथ।
11 औरत चुपचाप सब अधीनता के साथ सीख ले।
12 लेकिन हम कवनो औरत के सिखावे के अनुमति ना देत बानी आ ना ही आदमी पर अधिकार हड़पे देत बानी, बल्कि चुपचाप रहे के देत बानी।
13 काहे कि पहिले आदम के निर्माण भइल, ओकरा बाद हव्वा।
14 आदम के धोखा ना मिलल, लेकिन धोखा में पड़ल मेहरारू अपराध में रहे।
15 लेकिन उ लोग संतान पैदा करे में उद्धार पाई, अगर उ लोग संयम से विश्वास, प्रेम अवुरी पवित्रता में रहस।

अध्याय 3 के बा

1 ई एगो सच्चा कहावत ह कि अगर केहू बिशप के पद के चाहत बा त ऊ बढ़िया काम के चाहत बा।
2 तब बिशप के निर्दोष होखे के चाहीं, एक मेहरारू के पति, सतर्क, सोझ, नीक व्यवहार के, मेहमाननवाजी करे वाला, सिखावे के योग्य;
3 ना शराब पीये वाला, ना हड़ताल करे वाला, ना गंदा धन के लालची। बाकिर धैर्यवान, झगड़ा करे वाला ना, लालची ना;
4 जे अपना घर में बढ़िया से शासन करेला, आ अपना लइकन के पूरा गुरुत्वाकर्षण से अधीन कर देला।
5 (काहेकि अगर केहू के आपन घर के संचालन ना करे के मालूम होखे त उ परमेश्वर के कलीसिया के कइसे देखभाल करी?)

6 नौसिखिया ना, कहीं घमंड से उठ के शैतान के निंदा में ना पड़ जाव।
7 एकरा अलावा ओकरा बाहर के लोग के बारे में बढ़िया खबर होखे के चाहीं। कहीं ऊ निंदा आ शैतान के जाल में ना पड़ जाव.
8 ओइसहीं डीकन के गंभीर ना होखे के चाहीं, दुभाषिया ना होखे के चाहीं, शराब के ढेर ना होखे के चाहीं, आ गंदा धन के लालची ना होखे के चाहीं.
9 विश्वास के रहस्य के शुद्ध विवेक में पकड़ के।
10 पहिले एह सब के परखल जाव। तब निर्दोष पावल जाके एगो डिकन के पद के इस्तेमाल करस।
11 ओइसहीं उनकर मेहरारू लोग के गंभीर होखे के चाहीं, निंदा करे वाला ना, सोझ आ सब बात में वफादार होखे के चाहीं।
12 डीकन लोग एक पत्नी के पति होखे, जवन कि अपना बच्चा अवुरी अपना घर प बढ़िया से शासन करे।
13 काहेकि जे लोग डीकन के पद के बढ़िया से काम करेला उ लोग मसीह यीशु में विश्वास में बढ़िया डिग्री आ बहुत हिम्मत खरीदेला।
14 हम तोहरा के ई बात लिखत बानी कि जल्दिए तोहरा लगे आवे के उम्मीद बा।
15 लेकिन अगर हम ढेर दिन तक टिकल रहब त तू जान सकीले कि परमेश्वर के घर में तोहरा के कइसन व्यवहार करे के चाहीं, जवन कि जीवित परमेश्वर के कलीसिया ह, जवन सच्चाई के खंभा आ जमीन ह।
16 आउर बिना कवनो विवाद के भक्ति के रहस्य बहुत बड़ बा, परमेश्वर शरीर में प्रकट भइले, आत्मा में धर्मी ठहरावल गइलन, स्वर्गदूतन से देखल गइलन, गैर-यहूदी लोग के प्रचार कइलन, दुनिया में विश्वास कइलन, महिमा में उठावल गइलन।

अध्याय 4 के बा

1 अब आत्मा साफ-साफ कहत हव कि बाद के समय में कुछ लोग विश्वास से हट के बहकावे वाला आत्मा आ शैतान के शिक्षा पर ध्यान दीहें।
2 बोलल पाखंड में बा; उनकर अंतरात्मा के गरम लोहा से जरा दिहल गइल बा।
3 बियाह करे से मना करत, आऊ खाना से परहेज करे के आज्ञा दिहलन, जवन परमेश्वर के बनावल गइल बा कि उ लोग के धन्यवाद के साथे ग्रहण कइल जा सके, जे लोग सच्चाई के विश्वास करेला।
4 काहेकि परमेश्वर के हर प्राणी अच्छा ह, आ अगर ओकरा के धन्यवाद के साथ ग्रहण कइल जाव त ओकरा के मना कइल जा सकेला।
5 काहेकि ई परमेश्वर के वचन आ प्रार्थना से पवित्र हो जाला।
6 अगर तू भाई लोग के एह बात के याद दिलावत बाड़ू त तू ईसा मसीह के एगो बढ़िया सेवक बनबऽ, जवन विश्वास आ बढ़िया शिक्षा के वचन से पोसल जाइब, जवना के तू मिलल बा।
7 लेकिन बूढ़ मेहरारू के अशुद्ध आउर दंतकथा से इनकार करऽ आउर भक्ति के काम करे के काम करऽ।
8 काहेकि शरीर के व्यायाम से बहुत कम फायदा होला, लेकिन भक्ति से सब कुछ में फायदा होला, काहे कि अब जवन जीवन बा आ आवे वाला जीवन के प्रतिज्ञा बा।
9 ई एगो विश्वास के बात ह आ सभे स्वीकार करे लायक बा।
10 एही से हमनी के मेहनत करेनी जा, काहेकि हमनी के जिन्दा परमेश्वर पर भरोसा करेनी जा, जे सब लोग के उद्धारकर्ता हवे, खास तौर प विश्वास करे वाला लोग के।
11 इ सब बात आज्ञा देवेला आ सिखावेला।
12 तोहार जवानी के केहू तुच्छ मत करे। लेकिन तू विश्वासी लोग के उदाहरण बनी, बात में, बातचीत में, प्रेम में, आत्मा में, विश्वास में, पवित्रता में।
13 जब तक हम ना आईब, तब तक पढ़े, उपदेश आ शिक्षा में ध्यान दीं।
14 जवन वरदान तोहरा में बा, जवन तोहरा के भविष्यवाणी के द्वारा दिहल गइल बा, ओकरा के उपेक्षा मत करऽ।
15 एह सब बातन पर मनन करीं। अपना के पूरा तरह से ओह लोग के दे दीं; ताकि तोहार फायदा सबके सामने लउके।
16 अपना आ शिक्षा के प्रति सावधान रहऽ। ओह लोग में बनल रहऽ काहे कि अइसन कइला से तू अपना के आ तोहार बात सुने वाला लोग के भी बचा लेबऽ।

अध्याय 5 के बा

1 कवनो बड़का के डांट मत दीं, बलुक ओकरा से बाप निहन विनती करीं। आ नवही लोग भाई के रूप में।
2 बड़की मेहरारू लोग के महतारी के रूप में। छोटका बहिन के रूप में, पूरा पवित्रता के साथ।
3 ओह विधवा के आदर करीं जवन वाकई में विधवा बाड़ी।
4 लेकिन अगर कवनो विधवा के संतान भा भतीजा बा त उ पहिले घर में धर्मपरायणता देखावे आ अपना माता-पिता के बदला लेवे के सीख लेव, काहेकि उ परमेश्वर के सामने अच्छा अवुरी स्वीकार्य बा।
5 उ साँचहू विधवा आ उजाड़ होके भगवान पर भरोसा करेले आ रात-दिन विनती आ प्रार्थना में रहेले।
6 लेकिन जे सुख में जिएला, उ जिंदा रहते मर गईल बा।
7 आ ई सब काम के भार दे दीं ताकि उ लोग निर्दोष हो सके।
8 लेकिन अगर केहू अपना घर के लोग के इंतजाम ना करेला त उ विश्वास के नकार देले बा अवुरी काफिर से भी बुरा बा।
9 कवनो विधवा के संख्या में साठ साल से कम उमिर के ना मानल जाव, जवन एक आदमी के पत्नी होले।
10 बढ़िया काम खातिर बढ़िया खबर दिहल गइल बा; अगर ऊ लइका-लइकी के पालन-पोषण कइले बाड़ी, अगर ऊ परदेसी लोग के ठहरवले बाड़ी, अगर ऊ संतन के गोड़ धो चुकल बाड़ी, अगर ऊ पीड़ित लोग के राहत देले बाड़ी, अगर ऊ हर नीमन काम के पूरा लगन से पालन कइले बाड़ी।
11 लेकिन छोट विधवा लोग मना कर देली, काहेकि जब उ लोग मसीह के खिलाफ बेहूदा होखे लागी त उ लोग बियाह करीहे।
12 उ लोग के दोषी ठहरावल जा रहल बा, काहे कि उ लोग आपन पहिला विश्वास के छोड़ देले बाड़े।
13 आ घर-घर घूमत-फिरत बेकार होखे के सीखत बाड़े। आ खाली बेकार ना, बलुक बतकही करे वाला आ व्यस्त लोग भी, जवन बात कहे के चाहीं, ऊ लोग जवन ना करे के चाहीं।
14 एह से हम चाहब कि छोटकी मेहरारू बियाह करस, संतान पैदा करस, घर के मार्गदर्शन करस, विरोधी के निंदा करे के मौका मत देस।
15 काहेकि कुछ लोग शैतान के पीछे पड़ चुकल बा।

16 अगर केहू विश्वासी मरद भा औरत के विधवा होखे त उ ओकरा के राहत देस आ कलीसिया पर कवनो आरोप मत लागे। ताकि ई ओह लोग के राहत दे सके जवन वाकई में विधवा बाड़ी।
17 अच्छा शासन करे वाला बुजुर्ग लोग के दुगुना आदर के लायक मानल जाव, खासकर उ लोग जे वचन आ शिक्षा में मेहनत करेलन।
18 काहेकि पवित्रशास्त्र में कहल गइल बा कि, “जवना बैल के धान रौदत बा, ओकरा के तूँ थूथन मत करऽ।” आ, मजदूर अपना इनाम के लायक बा।
19 कवनो बुजुर्ग पर कवनो आरोप ना, बलुक दू-तीन गवाह के सामने आरोप लगाईं।
20 पाप करे वाला लोग के सबके सामने डांटत बा, ताकि दोसरो लोग डेरा सके।
21 हम तोहरा के परमेश्वर, प्रभु यीशु मसीह आ चुनल स्वर्गदूतन के सामने आज्ञा देत बानी कि तू एक दूसरा से आगे ना बढ़ के ई सब बात के पालन करीं आ पक्षपात से कुछ मत करीं।
22 अचानक केहू पर हाथ मत डालऽ आ ना ही दोसरा के पाप में भागीदार बनऽ, अपना के शुद्ध राखऽ।
23 अब पानी मत पीईं, बलुक अपना पेट आ बार-बार कमजोरी खातिर तनी शराब पीईं।
24 कुछ लोग के पाप पहिले से खुलल बा, आ ओकरा से पहिले न्याय के समय चलेला। आ कुछ आदमी के पीछे-पीछे चलत बाड़े।
25 ओइसहीं कुछ लोग के अच्छा काम भी पहिले से प्रकट हो जाला। आ जवन दोसरा तरह से बा ओकरा के छिपावल ना जा सके.

अध्याय 6 के बा

1 जेतना सेवक जुआ के नीचे बा, उ अपना मालिक के पूरा सम्मान के लायक समझे ताकि परमेश्वर के नाम अवुरी उनुकर शिक्षा के निंदा मत होखे।
2 जेकरा लगे विश्वासी मालिक बाड़े, उ लोग के तिरस्कार मत करे, काहेकि उ लोग भाई हवे। बल्कि उ लोग के सेवा करीं, काहे कि उ लोग विश्वासी अवुरी प्रिय हवे, अवुरी लाभ के भागीदार हवे। ई सब बात सिखावेला आ उपदेश देला।
3 अगर केहू दोसरा तरह के शिक्षा देत बा आ हमनी के प्रभु यीशु मसीह के वचन आ परमेश् वर के भक्ति के अनुसार सत् य बातन से सहमत ना होखे;
4 ऊ घमंडी बा, ऊ कुछ ना जानत बा, बलुक सवालन आ कलह में लोभ करत बा, जवना से ईर्ष्या, झगड़ा, गारी, बुराई के कल्पना होला।
5 भ्रष्ट दिमाग वाला आ सच्चाई से वंचित लोग के विकृत विवाद, ई मान के कि लाभ भक्ति ह।
6 लेकिन संतोष के साथे भक्ति से बहुत फायदा होला।
7 काहेकि हमनी के एह दुनिया में कुछुओ ना ले अइनी जा आ ई तय बा कि हमनी के कुछ भी ना ले जा सकेनी जा।
8 हमनी के खाना आ कपड़ा मिलला से हमनी के संतुष्ट होखे के चाहीं।
9 लेकिन जे धनी होखे के चाहत बा ऊ लोग परीक्षा आ जाल में आ कई गो मूर्खतापूर्ण आ नुकसानदेह कामना में फंस जाला जवन आदमी के विनाश आ नाश में डूबा देला।
10 काहेकि पईसा के प्रेम सब बुराई के जड़ ह, जबकि कुछ लोग एकरा के लालच करत रहले, लेकिन उ लोग विश्वास से भटक गईले अवुरी बहुत दुख से अपना के छेद देले बाड़े।
11 हे परमेश्वर के आदमी, तू एह सब से भाग जा। आ धर्म, भक्ति, विश्वास, प्रेम, धैर्य, नम्रता के पालन करीं।
12 विश्वास के अच्छा लड़ाई लड़ऽ, अनन्त जीवन के पकड़ऽ, जवना खातिर तू भी बोलावल गइल बाड़ऽ आ कई गो गवाहन के सामने अच्छा कबूल कइले बाड़ऽ।
13 हम तोहके परमेश्वर के नजर में आज्ञा देत बानी, जे सब कुछ जिंदा करेलन, आ मसीह यीशु के सामने, जे पंतियोस पिलातुस के सामने एगो बढ़िया कबूलना के गवाह रहलन।
14 जब तक हमनी के प्रभु यीशु मसीह के प्रकट ना हो जाई, तब तक तू ई आज्ञा के निर्दोष, बिना डांट के पालन करऽ।
15 ऊ अपना समय में ई देखा दीहें कि के धन्य आ एकमात्र शक्तिशाली, राजा लोग के राजा आ प्रभु लोग के मालिक हवे।
16 ओकरा लगे खाली अमरता बा, उ उ रोशनी में रहेला, जवना के नजदीक केहू ना जा सकेला। जेकरा के केहू ना देखले बा आ ना देख सकेला, जेकर आदर आ शक्ति अनन्त होखे। आमीन के बा।
17 एह संसार में धनी लोग के आज्ञा दीं कि ऊ लोग ऊंच ना होखे, आ ना ही अनिश्चित धन पर भरोसा करे, बलुक जिंदा परमेश्वर पर भरोसा करे, जे हमनी के भोग करे खातिर सब कुछ भरपूर देले।
18 उ लोग भलाई करे, अच्छा काम में धनी होखे, बांटे खातिर तैयार होखे, आ बातचीत करे के इच्छुक होखे।
19 आवे वाला समय के सामने एगो बढ़िया नींव अपना खातिर रखले ताकि उ लोग अनन्त जीवन के पकड़ सके।
20 हे तीमुथियुस, अपवित्र आ व्यर्थ बकबक आ विज्ञान के विरोध से परहेज करत जवन अपना भरोसा में बा।
21 ई बात कहे वाला कुछ लोग विश्वास के लेके गलती कइले बा। कृपा तोहरा साथे होखे। आमीन के बा। (तिमुथियुस के पहिला लौदीकिया से लिखल गइल बा, जवन फ्रीगिया पकाटियाना के सबसे प्रमुख शहर ह।)

2 तीमुथियुस के ह

अध्याय 1 के बा

1 पौलुस, मसीह यीशु में जीवन के प्रतिज्ञा के अनुसार परमेश्वर के इच्छा से यीशु मसीह के प्रेरित हई।
2 हमार प्रिय बेटा तिमुथियुस के, पिता परमेश्वर आ हमनी के प्रभु मसीह यीशु के अनुग्रह, दया आ शांति।
3 हम भगवान के धन्यवाद देत बानी, जे हम अपना पुरखन से शुद्ध विवेक से सेवा करत बानी, कि रात-दिन प्रार्थना में तोहरा के बिना रुकले याद करत बानी।
4 हम तोहरा के देखे के बहुत चाहत बानी, तोहरा लोर के ध्यान में राखत, ताकि हम खुशी से भर जाईं।
5 जब हम तोहरा में जवन बेढंगा विश्वास बा, ओकरा के याद करब जवन पहिले तोहार दादी लोइस आ तोहार माई यूनीस में रहे। आ हमरा विश्वास बा कि तोहरा में भी ई बात।
6 एही से हम तोहरा के याद करत बानी कि तू परमेश्वर के वरदान के उकसावत बाड़ू जवन तोहरा में बा, जवन हमरा हाथ डाल के तोहरा में बा।
7 काहेकि परमेश्वर हमनी के भय के आत्मा नइखन दिहले। बाकिर शक्ति आ प्रेम आ सुदृढ़ मन के।
8 एह से तू हमनी के प्रभु के गवाही से शर्मिंदा मत होखऽ आ ना ही हम ओकर कैदी से, बलुक तू परमेश्वर के शक्ति के अनुसार सुसमाचार के कष्ट में भाग लीं।
9 उ हमनी के बचावेले आ हमनी के काम के हिसाब से ना, बल्कि अपना उद्देश्य आ अनुग्रह के अनुसार पवित्र बोलावला के साथ बोलवले बाड़े, जवन दुनिया के शुरू होखे से पहिले मसीह यीशु में हमनी के दिहल गईल रहे।
10 लेकिन अब हमनी के उद्धारकर्ता यीशु मसीह के प्रकटीकरण से प्रकट हो गइल बा, जे मौत के खतम कर दिहले बाड़न आ सुसमाचार के द्वारा जीवन आ अमरता के प्रकाश में ले अइले बाड़न।
11 एकरा खातिर हम गैर-यहूदी लोग के प्रचारक, प्रेरित आ गुरु नियुक्त बानी।
12 एही से हम भी इ सब कष्ट उठावत बानी, लेकिन हम शर्म नईखी करत, काहेकि हम जानत बानी कि हम केकरा पर विश्वास कइले बानी आ विश्वास बा कि उ ओह दिन तक जवन हम ओकरा के सौंपले बानी ओकरा के पूरा करे में सक्षम बा।
13 तू हमरा से सुनल बात के रूप के मजबूती से पकड़ के रहऽ, विश्वास आ प्रेम में जवन मसीह यीशु में बा।
14 जवन अच्छा काम तोहरा के सौंपल गइल बा, ओकरा के हमनी में बसल पवित्र आत्मा के द्वारा रखीं।
15 तू ई जानत बाड़ऽ कि एशिया के सब लोग हमरा से दूर हो गइल बा। जिनहन में से फिगेलस आ हरमोजीनिस के नाँव गिनावल जाला।
16 प्रभु ओनेसिफोरस के घराना पर दया करस। काहेकि उ हमरा के अक्सर ताजा करत रहले अवुरी हमरा जंजीर से शर्म ना करत रहले।
17 जब उ रोम में रहले त उ हमरा के बहुत मेहनत से खोजत रहले अवुरी हमरा के पा लेले।
18 प्रभु ओकरा के ओह दिन प्रभु के दया करस, आ इफिसु में उ हमरा के केतना सेवा कइलन, ओकरा बारे में तू बढ़िया से जानत बाड़ऽ।

अध्याय 2 के बा

1 एह से हे बेटा, मसीह यीशु में जवन अनुग्रह बा, ओकरा में मजबूत रहऽ।
2 आऊ जवन बात तू हमरा बारे में बहुत गवाहन के बीच सुनले बाड़, उहे बात तू विश्वासी लोग के सौंप दीं, जे दोसरा के भी सिखावे में सक्षम होईहे।
3 एह से तू ईसा मसीह के एगो बढ़िया सिपाही के रूप में कठोरता सहत रहऽ।
4 लड़ाई करे वाला केहू एह जीवन के काम में ना अझुरा जाला। ताकि उ जे ओकरा के सिपाही चुनले बा ओकरा के खुश कर सके।
5 अगर केहू भी प्रभुत्व खातिर लड़ाई लड़त बा त ओकरा के ताज ना पवावल जाई, जब तक कि उ कानून के मुताबिक संघर्ष ना करी।
6 मेहनत करे वाला किसान के पहिले फल के भागीदार होखे के चाहीं।
7 हम जवन कहत बानी ओकरा पर विचार करीं; आ प्रभु तोहरा के सब बात में समझ देस।
8 याद रखीं कि दाऊद के वंशज के यीशु मसीह हमरा सुसमाचार के अनुसार मुवलन में से जिंदा हो गइलन।
9 जवना से हम एगो बुरा करे वाला निहन कष्ट भोगत बानी, जवन कि बंधन तक बा। बाकिर भगवान के वचन बान्हल नइखे।
10 एही से हम चुनल लोग के खातिर सब कुछ सहत बानी ताकि उ लोग भी अनन्त महिमा के साथे मसीह यीशु में मिलल उद्धार पा सके|
11 ई एगो सच्चा कहावत ह कि अगर हमनी के उनकरा साथे मर गइल बानी जा त उनकरा साथे भी जिंदा रहब जा।
12 अगर हमनी के कष्ट उठावेनी जा त हमनी के भी ओकरा साथे राज करब जा।
13 अगर हमनी के विश्वास ना करेनी जा, तबो उ विश्वासी बनल रहेला, उ अपना के नकार नईखे सकत।
14 एह बातन के याद में राखीं आ प्रभु के सामने ओह लोग के आज्ञा दीं कि ऊ लोग बात के कवनो फायदा ना होखे, बलुक सुननिहारन के उखाड़ फेंके खातिर झगड़ा करे।
15 अपना के परमेस् वर के अनुग्रहित देखावे खातिर पढ़ाई करीं, एगो कामगार जेकरा के शर्मिंदा होखे के जरूरत नइखे, आ सच्चाई के वचन के सही तरीका से बंटवारा करीं।
16 लेकिन अपवित्र आ व्यर्थ बकबक से परहेज करीं, काहेकि उ लोग अउरी अभक्ति के ओर बढ़ी।
17 उ लोग के वचन कनक के तरह खा जाई, जेकरा में से हिमेनियस आ फिलेतुस के नाम बा।
18 उ लोग सच्चाई के बारे में गलती क के कहले कि जी उठला के समय पहिले से बीत चुकल बा। आ कुछ लोग के विश्वास के उखाड़ फेंके।
19 फिर भी परमेस् वर के नींव पक्का बा, जवना पर इ मोहर बा कि प्रभु उनकरा के जानत हउवें। आऊ, जे भी मसीह के नाम लेत बा, उ अधर्म से दूर होखे।
20 बड़का घर में खाली सोना चांदी के बर्तन ना होला, बलुक लकड़ी आ माटी के भी बर्तन होला। आ केहू आदर करे खातिर, त केहू बेइज्जत करे खातिर।

21 अगर केहू एह सब से शुद्ध हो जाला त ऊ एगो आदर के बर्तन बन जाई, पवित्र हो जाई आ मालिक के इस्तेमाल खातिर उपयुक्त बा आ हर नीमन काम खातिर तइयार होई।
22 जवानी के लालसा से भी भाग जा, लेकिन पवित्र मन से प्रभु के पुकार करे वाला लोग के साथे धार्मिकता, विश्वास, प्रेम, शांति के पालन करीं।
23 लेकिन मूर्खतापूर्ण आ अशिक्षित सवालन से परहेज करीं, काहे कि ई जान के कि ऊ लोग लैंगिक झगड़ा करेला।
24 प्रभु के सेवक के झगड़ा ना करे के चाहीं। लेकिन सब लोग के प्रति कोमल, सिखावे लायक, धैर्यवान रहऽ।
25 जे लोग अपना के विरोध करेला, ओकरा के नम्रता से सिखावे के चाहीं। अगर भगवान शायद ओह लोग के सच्चाई के स्वीकार करे खातिर पश्चाताप देसु;
26 आ एह से कि ऊ लोग शैतान के जाल से बाहर निकल सके, जेकरा के ओकरा मर्जी से बंदी बना लिहल गइल बा।

अध्याय 3 के बा

1 इहो जान लीं कि अंतिम समय में खतरनाक समय आई।
2 काहेकि आदमी अपना प्रेमी, लोभी, घमंडी, घमंडी, निंदा करे वाला, माई-बाबूजी के आज्ञा ना माने वाला, अशुभ, अपवित्र होई।
3 बिना स्वाभाविक स्नेह के, युद्धविराम तोड़े वाला, झूठा आरोप लगावे वाला, असंयम, उग्र, भलाई के तिरस्कार करे वाला।
4 गद्दार, मादक, उच्च विचार वाला, भगवान के प्रेमी से अधिका भोग के प्रेमी;
5 ऊ लोग भक्ति के रूप में बा, लेकिन ओकर शक्ति के नकारत बा।
6 काहेकि उ लोग घर-घर में घुस के पाप से बोझिल मूर्ख औरतन के बंदी बना के ले जाला, आ कई तरह के कामवासना से ले जाइल जाला।
7 कबो सीखल, आ कबो सच्चाई के ज्ञान में ना आवे में सक्षम।
8 जइसे यानेस आ याम्ब्रेस मूसा के विरोध कइले, ओइसहीं ई लोग भी सच्चाई के विरोध करेला।
9 लेकिन उ लोग आगे ना बढ़ी, काहेकि उनकर मूर्खता सब लोग के सामने प्रकट होई, जईसे कि उ लोग के मूर्खता भी रहे।
10 लेकिन तू हमार शिक्षा, जीवनशैली, उद्देश्य, विश्वास, धैर्य, प्रेम, धैर्य, पूरा तरह से जान गईल बाड़ू।
11 अन्ताकिया, इकोनियम आ लुस्त्रा में हमरा पर सतावल, कष्ट आइल। हम कवन प्रताड़ना झेलनी, लेकिन प्रभु हमरा के ओह सब से बचा लेले।
12 हँ, आउर जे भी मसीह यीशु में भक्ति से जिए के चाहत बा, ओकरा के सतावल जाई।
13 लेकिन दुष्ट आदमी आ बहकावे वाला लोग धोखा देत आ धोखा देत अउरी खराब होत जाई।
14 लेकिन जवन बात तू सीखले बाड़ू आ भरोसा मिलल बा, ओकरा में चलत रहऽ, ई जानत कि तू केकरा से सीखले बाड़ऽ।
15 आ ई कि तू बचपन से ही पवित्र शास्त्र के जानत बाड़ू जवन मसीह यीशु में विश्वास के द्वारा तोहरा के उद्धार खातिर बुद्धिमान बनावे में सक्षम बा।
16 सब शास्त्र परमेश्वर के प्रेरणा से दिहल गइल बा, आ शिक्षा, डांट, सुधार आ धर्म के शिक्षा खातिर फायदेमंद बा।
17 ताकि परमेस् वर के आदमी सिद्ध हो सके, आ हर नीमन काम खातिर पूरा तरह से सुसज्जित होखे।

अध्याय 4 के बा

1 एह से हम तोहरा के परमेस् वर आ प्रभु यीशु मसीह के सामने आज्ञा देत बानी कि जे अपना प्रकट होखे आ अपना राज्य के समय जिंदा आ मुअल लोग के न्याय करीहें।
2 वचन के प्रचार करीं; मौसम में तुरंत होखे के चाहीं, मौसम से बाहर होखे के; पूरा धैर्य आ सिद्धांत के साथे डांटत, डांटत, उपदेश दीं।
3 काहेकि उ समय आई जब उ लोग सही शिक्षा के सहन ना करीहे। बाकिर अपना वासना के हिसाब से ऊ लोग अपना खातिर गुरु लोग के ढेर लगाई, जेकरा कान में खुजली होखे।
4 ऊ लोग सच्चाई से आपन कान मोड़ के दंतकथा के ओर मुड़ जाई।
5 लेकिन तू सब बात में जागल रहऽ, कष्ट सहत रहऽ, सुसमाचार प्रचारक के काम करऽ, आपन सेवा के पूरा प्रमाणित करऽ।
6 हम अब चढ़ावे खातिर तइयार बानी आ हमरा जाए के समय नजदीक आ गइल बा।
7 हम एगो बढ़िया लड़ाई लड़ले बानी, हम आपन रास्ता पूरा क लेले बानी, हम विश्वास के पालन कईले बानी।
8 अब से हमरा खातिर एगो धार्मिकता के मुकुट रखल गइल बा, जवन प्रभु, धर्मी न्यायाधीश, हमरा के ओह दिन दे दिहें, खाली हमरा खातिर ना, बलुक ओह सब लोग खातिर भी जे उनकर प्रकट होखे से प्यार करेलन।
9 जल्दिये हमरा लगे आवे खातिर आपन पूरा मेहनत करऽ।
10 काहेकि देमास हमरा के छोड़ के थिस्सलुनीकी चल गइल बा। क्रिसेन्स से गलातिया, तीतुस से डालमिया तक।
11 हमरा साथे खाली लूका बा। मरकुस के लेके अपना साथे ले आवऽ, काहे कि ऊ हमरा खातिर सेवा खातिर फायदेमंद बा।
12 हम तिखिकस के इफिसुस भेजले बानी।
13 जब हम त्रोआस में कार्पस के साथे छोड़ले रहनी, उ कपड़ा आ किताबन के साथे ले आवऽ, खासकर चर्मपत्र के।
14 सिकंदर ताम्रकार हमरा पर बहुत बुराई कइलन, प्रभु ओकरा काम के हिसाब से इनाम देसु।
15 जेकरा से तू भी सावधान रहऽ। काहे कि उ हमनी के बात के बहुत विरोध कईले बाड़े।
16 हमरा पहिला जवाब में केहु हमरा संगे खड़ा ना भईल, लेकिन सब लोग हमरा के छोड़ देले।
17 लेकिन प्रभु हमरा साथे खड़ा होके हमरा के मजबूत कइलन। ताकि हमरा द्वारा प्रचार पूरा तरह से पता चल सके आ सब गैर-यहूदी लोग सुन सके।
18 प्रभु हमरा के हर बुरा काम से बचाईहे आ हमरा के अपना स्वर्गीय राज्य में बचाईहे। आमीन के बा।
19 प्रिस्का आ अकीला आ ओनेसिफोरस के घराना के नमस्कार करीं।
20 इरास्टस कुरिन्थ में रहत रहले, लेकिन ट्रोफिमस के हम मिलेतुम में बेमार छोड़ देले बानी।
21 जाड़ा से पहिले आवे खातिर आपन मेहनत करऽ। यूबुलस, पुडेंस, लिनस, क्लाउडिया आ सब भाई लोग के तोहरा के अभिवादन करत बाड़े।
22 प्रभु यीशु मसीह तोहरा आत्मा के साथे रहऽ। कृपा रउरा साथे होखे। आमीन के बा। (इफिसियों के कलीसिया के पहिला बिशप के रूप में नियुक्त तिमुथियुस के दूसरा पत्र रोम से लिखल गईल रहे, जब पौलुस के दूसरा बेर नीरो के सोझा ले आवल गईल रहे।)

टाइटस के नाम से जानल जाला

अध्याय 1 के बा

1 पौलुस, परमेश्वर के सेवक आ यीशु मसीह के प्रेरित, परमेश्वर के चुनल लोग के विश्वास के अनुसार अउर परमेश्वर के भक्ति के बाद के सच्चाई के स्वीकार करे के अनुसार।
2 अनन्त जीवन के आशा में, जवन परमेश्वर, जे झूठ ना बोल सके, दुनिया के शुरू होखे से पहिले वादा कईले रहले।
3 लेकिन उ समय पर आपन वचन प्रचार के माध्यम से प्रगट कइले बाड़न जवन हमनी के उद्धारकर्ता परमेश्वर के आज्ञा के अनुसार हमरा के सौंपल गइल बा।
4 आम विश्वास के अनुसार हमार बेटा तीतुस के भेजल जाव: पिता परमेश्वर आ हमनी के उद्धारकर्ता प्रभु यीशु मसीह के ओर से अनुग्रह, दया आ शांति।
5 एही से हम तोहरा के क्रेते में छोड़ देले बानी कि तू जवन चीजन के कमी बा ओकरा के व्यवस्थित करऽ आ हर शहर में बुजुर्ग लोग के नियुक्ति करऽ, जइसन कि हम तोहरा के नियुक्त कइले रहनी।
6 अगर केहू निर्दोष होखे त एक पत्नी के पति, जेकर वफादार संतान होखे, जेकरा पर दंगा भा बेकाबू के आरोप ना होखे।
7 काहेकि बिशप के परमेश्वर के भंडारी नियर निर्दोष होखे के चाहीं। ना स्वेच्छा, ना जल्दी खिसियाइल, ना शराब के दान, ना हड़ताली, ना गंदा मुनाफा;
8 लेकिन मेहमाननवाजी के प्रेमी, भला आदमी के प्रेमी, सोझ, धर्मी, पवित्र, संयमी।
9 जइसन विश्वासी वचन के सिखावल गइल बा, ओकरा के मजबूती से पकड़ के राखीं, ताकि ऊ सही शिक्षा से दोषी लोग के उपदेश देवे आ मनावे में सक्षम हो सके।
10 काहे कि बहुत बेकाबू आ बेकार बात करे वाला आ धोखा देवे वाला बाड़े, खास तौर प खतना करे वाला लोग।
11 जेकर मुँह रोकल जरूरी बा, जे गंदा काम खातिर पूरा घर के उखाड़ फेंकत बा, जवन बात ओकरा के ना करे के चाहीं, ओकरा के सिखावत बा।
12 अपना में से एगो भविष्यवक्ता कहलस, "क्रेते के लोग हमेशा झूठा, दुष्ट जानवर, धीमा पेट हवे।"
13 ई गवाह साँच बा। एही से उनकरा के कड़ा डांट दीं ताकि उ लोग विश्वास में स्वस्थ हो सके।
14 यहूदी दंतकथा आऊ आदमी के आज्ञा के ध्यान ना देब जे सच्चाई से हट जाला।
15 शुद्ध लोग खातिर सब कुछ शुद्ध बा, लेकिन अशुद्ध आ अविश्वासी लोग खातिर कुछ भी शुद्ध नइखे। बाकिर उनकर मन आ अंतरात्मा भी अशुद्ध हो गइल बा।
16 उ लोग इ दावा करेले कि उ लोग परमेश्वर के जानत बाड़े। बाकिर काम में ऊ लोग घिनौना आ आज्ञा ना माने वाला आ हर नीमन काम के खारिज होके ओकरा के नकार देला.

अध्याय 2 के बा

1 लेकिन तू उ बात कहऽ जवन सही शिक्षा बन जाला।
2 बुढ़ लोग सोझ, गंभीर, संयमी, विश्वास, प्रेम आ धैर्य में स्वस्थ होखे।
3 बूढ़ मेहरारू लोग के भी उ लोग पवित्रता के मुताबिक व्यवहार करे के चाहीं, ना कि झूठा आरोप लगावे वाला, ना कि बहुत शराब ना पीये के, अच्छा काम के शिक्षक होखे।
4 उ लोग युवती लोग के सोझ रहे के सिखावे, अपना पति से प्रेम करे के, अपना लइकन से प्रेम करे के।
5 समझदार, पतिव्रता, घर के रखवाला, अच्छा, अपना पति के आज्ञाकारी होखे के चाहीं ताकि परमेश्वर के वचन के निंदा ना होखे।
6 नवही लोग भी ओइसहीं सोझ दिमाग होखे के सलाह देत बा।
7 सब बात में अच्छा काम के नमूना देखाईं, शिक्षा में अविनाशी, गुरुत्वाकर्षण, निश्छलता देखाईं।
8 सुदृढ़ भाषण, जवना के निंदा ना कइल जा सकेला। ताकि जे उल्टा बा, उ शर्मिंदा हो सके, काहेकि ओकरा लगे तोहनी के बारे में कवनो बुराई ना होखे।
9 सेवकन के आग्रह करीं कि ऊ लोग अपना मालिकन के आज्ञाकारी होखे आ हर काम में ओह लोग के खुश करे. दोबारा जवाब ना दिहल;
10 लूट ना, बलुक सब बढ़िया निष्ठा देखावे के चाहीं। ताकि उ लोग हमनी के उद्धारकर्ता परमेश्वर के शिक्षा के सब काम में सजा सके।
11 काहेकि परमेश्वर के अनुग्रह जे उद्धार देवेला, उ सब आदमी के सामने प्रगट हो गईल बा।
12 हमनी के सिखाव कि हमनी के अभक्ति आ सांसारिक कामना के नकार के एह संसार में संयम, धार्मिक आ भक्ति से जिए के चाहीं।
13 हमनी के उ धन्य आशा आ महान परमेश्वर आ हमनी के उद्धारकर्ता यीशु मसीह के महिमापूर्ण प्रकटीकरण के इंतजार करत बानी।
14 उ हमनी के खातिर अपना के दे दिहलन ताकि उ हमनी के सब अधर्म से मुक्त कर सके आ एगो विशिष्ट लोग के शुद्ध कर सके, जवन भलाई के काम में जोश राखेला।
15 ई सब बात पूरा अधिकार से बोलीं, उपदेश दीं आ डांटत रहीं। केहू तोहरा के तिरस्कार ना करे।

अध्याय 3 के बा

1 ओह लोग के मन में राखीं कि ऊ लोग रियासत आ अधिकार के अधीन रहस, मजिस्ट्रेट के आज्ञा मानी, हर नीमन काम खातिर तइयार रहे।
2 केहू के बुराई ना बोले के चाहीं, झगड़ा करे वाला ना होखे के चाहीं, बलुक कोमल होखे के चाहीं आ सभ आदमी के सामने पूरा नम्रता देखावे के चाहीं।
3 हमनी के भी कबो-कबो मूर्ख, आज्ञा ना माने वाला, धोखा में फंसल, तरह तरह के काम-वासना आ भोग के सेवा करत, दुर्भावना आ ईर्ष्या में रहत, घृणित आ एक दूसरा से नफरत करत रहनी जा।
4 लेकिन ओकरा बाद हमनी के मुक्तिदाता परमेश्वर के दया आ प्रेम आदमी के प्रति प्रकट भइल।
5 हमनी के कइल धार्मिकता के काम से ना, बल्कि उ अपना दया के अनुसार हमनी के पुनर्जन्म के धोवे आ पवित्र आत्मा के नवीकरण के द्वारा बचा लिहले।
6 उ हमनी के उद्धारकर्ता यीशु मसीह के द्वारा हमनी पर भरपूर बहा दिहलन।
7 हमनी के उनकर अनुग्रह से धर्मी ठहरावल जाके अनन्त जीवन के आशा के अनुसार उत्तराधिकारी बनावल जा सकेला।
8 ई बात सच्चा ह आ हम चाहत बानी कि तू लगातार ई बात के पुष्टि करत रहऽ ताकि जे लोग परमेश्वर पर विश्वास कइले बा ऊ लोग अच्छा काम के कायम राखे में सावधान रहे। ई सब बात आदमी खातिर बढ़िया आ फायदेमंद बा।
9 लेकिन मूर्खतापूर्ण सवाल, वंशावली, विवाद, आ व्यवस्था के लेके झगड़ा से बची। काहे कि ऊ बेकार आ व्यर्थ हवें।
10 जवन आदमी पहिला आ दूसरा सलाह के बाद पाखण्डी होखे, ओकरा के खारिज कर देवे।
11 ई जानत हई कि जे अइसन बा, उ उखाड़ फेंकल बा आ पाप करत बा, आ अपना के दोषी ठहरावल जा रहल बा।
12 जब हम आर्तेमास भा तुखिकस के तोहरा लगे भेजब त निकोपोलिस हमरा लगे आवे में लगन, काहेकि हम ओहिजा जाड़ा बितावे के ठान लेले बानी।
13 कानून के वकील सनस आ अपोलोस के यात्रा पर लगन से ले आवऽ कि ओह लोग के कवनो कमी ना होखे।
14 हमनी के भी अच्छा काम के जरूरी काम खातिर रखल सीखल जाव ताकि उ निष्फल ना होखे।
15 हमरा साथे जे भी बा, उ सब तोहरा के नमस्कार करत बा। जे हमनी से विश्वास में प्रेम करेला, उनके अभिवादन करीं। कृपा रउरा सभे के साथे होखे। आमीन के बा। (ई मैसिडोनिया के निकोपोलिस से क्रेते के कलीसिया के पहिला बिशप के रूप में नियुक्त भइले तीतुस के लिखल गइल रहे।)

फिलेमोन के नाम से जानल जाला

अध्याय 1 के बा

1 ईसा मसीह के कैदी पौलुस आ हमनी के भाई तीमुथियुस, हमनी के प्रिय आ सहकर्मी फिलेमोन के सामने।
2 हमनी के प्रिय अफिया आ हमनी के साथी सिपाही आर्किप्पस आ तोहरा घर के कलीसिया के भी।
3 हमनी के पिता परमेश्वर आ प्रभु यीशु मसीह के ओर से तोहनी पर अनुग्रह आ शांति मिले।
4 हम अपना परमेश् वर के धन्यवाद देत बानी आ हम अपना प्रार्थना में हमेशा तोहार जिक्र करत बानी।
5 प्रभु यीशु आ सब पवित्र लोग के प्रति तोहार प्रेम आ विश्वास के बारे में सुन के।
6 ताकि मसीह यीशु में तोहनी में जवन भी अच्छाई बा ओकरा के स्वीकार करके तोहार विश्वास के संवाद प्रभावी हो सके।
7 हमनी के तोहरा प्रेम से बहुत खुशी आ दिलासा मिलत बा, काहे कि हे भाई, तोहरा से पवित्र लोग के आंत ताजा हो जाला।
8 एही से भले हम मसीह में बहुत हिम्मत होके तोहरा के उहे आज्ञा देब जवन उचित बा।
9 तबो हम प्रेम के खातिर तोहरा से निहोरा करत बानी कि हम पौलुस जइसन बुजुर्ग हईं आ अब यीशु मसीह के कैदी हो गइल बानी।
10 हम तोहरा से अपना बेटा ओनेसिमस खातिर निहोरा करत बानी, जेकरा के हम अपना बंधन में जनमले बानी।
11 पहिले ई बात तोहरा खातिर बेकार रहे, लेकिन अब तोहरा आ हमरा खातिर फायदेमंद हो रहल बा।
12 हम ओकरा के फेर से भेजले बानी, एहसे तू ओकरा के, माने कि हमार आंत के ग्रहण करऽ।
13 हम ओकरा के अपना साथे रखले रहतीं ताकि तोहरा जगह उ सुसमाचार के बंधन में हमार सेवा करस।
14 लेकिन तोहरा मन के बिना हम कुछ ना करब। कि तोहार फायदा जरुरत के जइसन ना होखे, बलुक स्वेच्छा से होखे.
15 काहेकि शायद उ कुछ समय खातिर चल गईल रहले कि तू ओकरा के हमेशा खातिर ग्रहण कर सकीले।
16 अब एगो सेवक के रूप में ना, बल्कि एगो सेवक से ऊपर, एगो भाई के रूप में, खास तौर प हमरा खातिर प्रिय भाई के रूप में, लेकिन तोहरा खातिर शरीर अवुरी प्रभु दुनो में केतना जादे?
17 अगर तू हमरा के साथी मानत बाड़ऽ त ओकरा के अपना जइसन ग्रहण करऽ।
18 अगर उ तोहरा पर अन्याय कइले बा आ तोहरा पर कवनो कर्जा बा त हमरा हिसाब से राखीं।
19 हम पौलुस एकरा के अपना हाथ से लिखले बानी कि हम एकर बदला देब, हालांकि हम तोहरा से नईखी कहत कि तू हमरा प आपन खुद के कर्जदार बा।
20 हँ भाई, हमरा के प्रभु में तोहरा से आनन्दित होखे दीं, प्रभु में हमार आंत के ताजा करऽ।
21 हम तोहरा आज्ञाकारिता पर भरोसा करत तोहरा के लिखले बानी, काहेकि हम जानत बानी कि तू हमरा कहला से भी जादा काम करब।
22 लेकिन हमरा खातिर ठहरला के जगह भी तइयार करऽ, काहेकि हमरा भरोसा बा कि तोहनी के प्रार्थना से हम तोहनी के दिहल जाई।
23 उहाँ मसीह यीशु में हमार साथी कैदी इपाफ्रास के नमस्कार करत बानी।
24 मार्कस, अरिस्तार्कस, डेमास, लुकास, हमार साथी मजदूर लोग।
25 हमनी के प्रभु यीशु मसीह के कृपा तोहरा आत्मा के साथे होखे। आमीन के बा।

इब्रानियन के लिखल पत्र

अध्याय 1 के बा

1 परमेस् वर, जे कई समय आ कई तरह के तरीका से पूर्वज लोग से भविष्यवक्ता लोग से बात करत रहलन।
2 ऊ एह अंतिम दिन में अपना बेटा के नाम से हमनी से बात कइले बाड़न, जेकरा के ऊ सब चीजन के वारिस बनवले बाड़न आ जेकरा द्वारा ऊ दुनिया के भी बनवले बाड़न।
3 ऊ अपना महिमा के चमक आ अपना व्यक्ति के स्पष्ट प्रतिरूप के रूप में आ अपना शक्ति के वचन से सब कुछ के कायम रखले, जब ऊ खुदे हमनी के पाप के शुद्ध क दिहले, त ऊ महामहिम के दाहिना ओर ऊँच पर बइठ गइलन।
4 ऊ स्वर्गदूतन से बहुते बढ़िया बनल बाड़न काहे कि ऊ उत्तराधिकार से ओह लोग से बढ़िया नाम पा लिहले बाड़न.
5 काहेकि उ कबो कवनो स्वर्गदूत से कहले रहले कि, “तू हमार बेटा हउअ, आज हम तोहरा के जनम देले बानी?” आ फेरु, हम ओकरा खातिर पिता बनब, आ उ हमरा खातिर बेटा होई?
6 जब उ पहिला बच्चा के दुनिया में ले आवेले त उ कहले कि, “परमेशवर के सब स्वर्गदूत उनुकर पूजा करस।”
7 ऊ स्वर्गदूतन के बारे में कहत बाड़न कि ऊ अपना स्वर्गदूतन के आत्मा आ सेवकन के आग के लौ बना देला।
8 लेकिन बेटा से कहलन कि, हे परमेश्वर, तोहार सिंहासन हमेशा खातिर बा।
9 तू धार्मिकता से प्रेम कइले बाड़ऽ आ अधर्म से घृणा कइले बाड़ऽ। एह से परमेस् वर, तोहार परमेस् वर, तोहरा साथी लोग से ऊपर खुशी के तेल से अभिषेक कइले बाड़न।
10 “हे प्रभु, तू शुरू में धरती के नींव रखले बाड़ू। आ आकाश तोहरा हाथ के काम ह।
11 उ लोग नाश हो जइहें। बाकिर तूँ रह गइल बाड़ऽ; आ सब लोग कपड़ा निहन बूढ़ हो जाई।
12 आ तूँ ओकरा के कपड़ा के रूप में मोड़ के बदल दीं, लेकिन तू उहे बाड़ू, आ तोहार साल खतम ना होई।
13 लेकिन कवना स्वर्गदूत से उ कबो कहले रहले कि, जब तक हम तोहार दुश्मन के आपन गोड़ के आधार ना बना देब, तब तक हमरा दाहिना ओर बईठ जा?
14 का उ सब सेवा करे वाला आत्मा नईखन, जवन कि उ लोग के सेवा करे खातिर भेजल गईल बाड़े, जवन कि उद्धार के वारिस होईहे?

अध्याय 2 के बा

1 एह से हमनी के जवन बात सुनले बानी जा ओकरा पर अउरी ध्यान देवे के चाहीं ताकि हमनी के कबो ओकरा के फिसल ना देवे के चाहीं।
2 अगर स्वर्गदूतन के द्वारा कहल गइल वचन अडिग रहे आ हर अपराध आ आज्ञा ना माने के न्यायसंगत इनाम मिलत रहे।
3 अगर हमनी के एतना बड़हन उद्धार के उपेक्षा करब जा त हमनी के कइसे बचब जा। जवन पहिले प्रभु के द्वारा बोलल शुरू भइल रहे आ उनकर बात सुनल लोग हमनी के मजबूती देले रहे।
4 परमेस् वर अपना मर्जी के हिसाब से चमत्कार आ चमत्कार आउर कई तरह के चमत्कार आ पवित्र आत्मा के वरदान से उनकर गवाही देत रहलन?
5 काहेकि उ आवे वाला दुनिया के, जवना के बारे में हमनी के बात करत बानी जा, उ स्वर्गदूतन के अधीन नईखन कईले।
6 लेकिन एक जगह एगो गवाही देत कहलन कि, “मनुष्य का ह, कि तू ओकरा बारे में मन करत बाड़ू?” का आदमी के बेटा, कि तू ओकरा परख करत बाड़ऽ?
7 तू ओकरा के स्वर्गदूतन से तनी नीचे बनवले बाड़ू। तू ओकरा के महिमा आ आदर के मुकुट पहिनले बाड़ू आ ओकरा के अपना हाथ के काम के ऊपर रखले बाड़ू।
8 तू ओकरा गोड़ के नीचे सब कुछ के अधीन कर देले बाड़ू। काहेकि उ सबके अपना अधीन रखला से उ कुछ भी ना छोड़ले जवन उनका अधीन ना होखे| लेकिन अब हमनी के अभी तक सब चीज़ उनुका अधीन नईखी डालल।
9 लेकिन हमनी के यीशु के देखत बानी जा, जेकरा के मौत के कष्ट के चलते स्वर्गदूतन से तनी नीचे बनावल गईल रहे। कि ऊ भगवान के कृपा से हर आदमी खातिर मौत के स्वाद लेव।
10 काहेकि उनकरा खातिर सब कुछ बा आ उनकरा द्वारा सब कुछ बा, बहुत सारा बेटा के महिमा में ले आवे के काम हो गइल कि उ लोग के उद्धार के कप्तान के दुख के माध्यम से सिद्ध कर दिहल।
11 काहेकि पवित्र करे वाला आ पवित्र करे वाला दुनो एक के हवें।
12 कहलन कि हम अपना भाई लोग के सामने तोहार नाम बताइब, कलीसिया के बीच में तोहार स्तुति गाब।
13 आ फेर, हम ओकरा पर भरोसा करब। आ फेर, “देखऽ हम आ ऊ लइका जवन भगवान हमरा के दिहले बाड़न.”
14 काहे कि लइका-लइकी खून-मांस के हिस्सा हवें, उहो ओही तरह से ओही तरह के हिस्सा लिहले। ताकि उ मौत के द्वारा मौत के शक्ति वाला, यानी शैतान के नाश कर सके।
15 आऊ ओह लोग के बचाईं जे मौत के डर से पूरा जीवन गुलामी के अधीन रहलन।
16 काहेकि ऊ सचहूँ स्वर्गदूतन के स्वभाव ना धारण कइले। लेकिन उ अब्राहम के वंशज के अपना ऊपर ले लिहले।
17 एह से हर बात में उनकरा के अपना भाई लोग के जइसन बनावल जरूरी रहे ताकि उ परमेश्वर के काम में दयालु आ विश्वासी महायाजक बन सके आ लोग के पाप के मेल मिलाप कर सके।
18 काहेकि उ खुद परीक्षा में कष्ट उठा के परीक्षा में पड़ल लोग के सहायता करे में सक्षम बा।

अध्याय 3 के बा

1 एह से हे पवित्र भाई लोग, जे स्वर्ग के बोलावे के हिस्सा हउवें, हमनी के धर्म के प्रेरित आ महायाजक मसीह यीशु के बारे में विचार करीं।
2 उ अपना के नियुक्त करे वाला के प्रति वफादार रहलन, जइसे कि मूसा भी अपना घर में वफादार रहलन।
3 काहेकि इ आदमी मूसा से भी जादा महिमा के लायक मानल गईल, काहे कि घर बनावे वाला के घर से जादे आदर बा।
4 काहे कि हर घर के निर्माण कवनो ना कवनो आदमी करेला। लेकिन जे सब कुछ बनवले बा उ परमेश्वर हवे।
5 मूसा अपना पूरा घर में एगो सेवक के रूप में वफादार रहलन, ताकि उ बात के गवाही दिहल जा सके।

6 लेकिन मसीह अपना घर के ऊपर एगो बेटा के रूप में। हमनी के केकर घर हईं जा, अगर हमनी के भरोसा आ आशा के आनन्द के अंत तक मजबूती से पकड़ले बानी जा।
7 एही से (जइसन कि पवित्र आत्मा कहत हउवें कि आज अगर तू उनकर आवाज सुनब त
8 जंगल में प्रलोभन के दिन जइसन उकसावे के दिन जइसन आपन दिल कठोर मत करऽ।
9 जब तोहार पुरखा लोग हमरा के परखले, हमरा के परखले आ चालीस साल तक हमार काम देखले।
10 एही से हम ओह पीढ़ी से दुखी होके कहनी कि ऊ लोग हमेशा अपना मन में गलती करत रहेला। आ उ लोग हमार रास्ता नइखन जानत।
11 हम अपना क्रोध में किरिया खइनी कि ऊ लोग हमरा विश्राम में ना जाई।)
12 हे भाई लोग सावधान रहऽ कि तोहनी में से केहू में अविश्वास के बुरा मन मत होखे आ ऊ जिंदा परमेश्वर से दूर हो जाव।
13 जबले एकरा के आज कहल जाला तब तक एक दूसरा के रोज-रोज सलाह देत रहीं। कहीं पाप के धोखा से तोहनी में से केहू कठोर ना हो जाव।
14 काहेकि हमनी के मसीह के भागीदार बन गईल बानी जा, अगर हमनी के आपन भरोसा के शुरुआत के अंत तक मजबूती से रखले बानी जा।
15 जबकि कहल गइल बा कि आजु अगर तू उनकर आवाज सुनब त आपन मन कठोर मत करऽ जइसे कि उकसावे में भइल रहे।
16 कुछ लोग सुन के भड़कवले, लेकिन मूसा के द्वारा मिस्र से निकलल सब लोग ना।
17 लेकिन चालीस साल तक उ केकरा से दुखी रहले? का पाप करे वाला लोग के संगे ना रहे, जेकर लाश जंगल में गिर गईल रहे?
18 उ केकरा से कसम खइले कि उ लोग उनकर विश्राम में ना जाई, बल्कि विश्वास ना करे वाला लोग से?
19 हमनी के देखत बानी जा कि उ लोग अविश्वास के चलते भीतर ना जा पवले।

अध्याय 4 के बा

1 एह से हमनी के डेराए के चाहीं कि कहीं हमनी के उनकर विश्राम में जाए के वादा बाचल बा आ तोहनी में से केहु के कवनो वादा ना होखे।
2 हमनी के भी सुसमाचार के प्रचार कइल गइल रहे, लेकिन सुसमाचार सुनल लोग में विश्वास के साथ ना मिलल रहे।
3 हमनी के विश्वास करे वाला लोग आराम में प्रवेश करेनी जा, जइसे कि उ कहले रहले कि, "जइसन हम अपना क्रोध में किरिया लेले बानी, अगर उ लोग हमरा विश्राम में प्रवेश करीहे।"
4 काहेकि उ सातवाँ दिन के एगो जगह पर एही तरह से कहले रहले कि, "परमेशवर सातवाँ दिन अपना सब काम से आराम देले।"
5 आ एही जगह पर फेरु से, "अगर उ लोग हमरा विश्राम में घुस जास।"
6 एह से ई बा कि कुछ लोग के ओहिजा घुसे के पड़ी आ जेकरा के पहिले ई प्रचार कइल गइल रहे ऊ लोग अविश्वास के चलते ना घुसल।
7 फेरु उ दाऊद में एगो दिन के सीमित क देले, "आज एतना दिन बाद। जइसे कहल गइल बा कि आज अगर तू उनकर आवाज सुनब त आपन दिल कठोर मत करऽ।
8 अगर यीशु ओह लोग के आराम देले रहते त का बाद में कवनो दोसर दिन के बात ना कहले रहते।
9 एही से परमेश्वर के लोग के आराम बाचल बा।
10 काहेकि जे अपना विश्राम में घुसल बा, उहो अपना काम से छोड़ देले बा, जईसे कि परमेश्वर अपना काम से छोड़ले रहले।
11 एह से हमनी के ओह विश्राम में प्रवेश करे खातिर मेहनत करीं जा, कहीं केहु अविश्वास के उहे उदाहरण के पालन मत करे।
12 काहेकि परमेश्वर के वचन तेज, शक्तिशाली आ कवनो दुधारी तलवार से भी तेज होला, आत्मा आ आत्मा, जोड़ आ मज्जा के अलगा करे तक बेध करेला आ दिल के विचार आ इरादा के समझे वाला होला।
13 ना ही कवनो प्राणी बा जवन ओकरा नजर में प्रकट ना होखे, लेकिन सब कुछ नंगा बा अवुरी ओकरा आंख के सोझा खुलल बा, जेकरा से हमनी के संबंध बा।
14 हमनी के एगो महान महायाजक बा, जे स्वर्ग में चल गईल बाड़े, उ परमेश्वर के बेटा यीशु हवे।
15 काहेकि हमनी के कवनो महायाजक नइखे जेकरा के हमनी के कमजोरी के भाव से ना छू सके। लेकिन हमनी के जइसन हर बात में परीक्षा में पड़ल, फिर भी बिना पाप के।
16 एह से हमनी के हिम्मत से अनुग्रह के सिंहासन पर आ जाईं जा ताकि हमनी के दया मिल सके आ जरूरत के समय मदद करे खातिर कृपा मिल सके।

अध्याय 5 के बा

1 काहेकि हर महायाजक जे आदमी के बीच से हटावल जाला, उ परमेश्वर के काम में आदमी खातिर नियुक्त हो जाला, ताकि उ पाप खातिर वरदान आ बलिदान दुनो चढ़ावे।
2 अज्ञानी आ रास्ता से बाहर निकलल लोग पर दया कर सकेला। काहे कि ऊ खुद कमजोरी से घेरल बा।
3 एकरा चलते ओकरा पाप के चढ़ावे के चाहीं जइसे कि लोग के खातिर, अपना खातिर भी।
4 ई सम्मान केहू अपना के ना ले लेला, सिवाय उहे जेकरा के भगवान के बोलावल गइल बा, जइसे कि हारून के रहे।
5 मसीह भी महायाजक बने खातिर अपना के महिमा ना कइलन। लेकिन जे ओकरा से कहलस कि, तू हमार बेटा हउअ, आज हम तोहरा के जनम देले बानी।
6 जइसे कि ऊ दोसरा जगहा कहत बाड़न, "तू मल्कीसेदेक के क्रम में हमेशा खातिर याजक हउअ।"
7 उ अपना शरीर के दिन में जब उ मौत से बचावे में सक्षम आदमी के ओर जोरदार चिल्लाहट अवुरी लोर के संगे प्रार्थना अवुरी निहोरा कईले अवुरी उनुका डर से सुनल गईल।
8 भले ही उ बेटा रहले, लेकिन जवन कष्ट भोगले रहले, ओकरा से उ आज्ञाकारिता सीखले।
9 ऊ सिद्ध होके उनकर आज्ञा माने वाला सब लोग खातिर अनन्त उद्धार के कर्ता बन गइलन।
10 परमेश्वर के द्वारा मल्कीसेदेक के अनुसार महायाजक कहल गइल।

11 उनकरा बारे में हमनी के बहुत बात कहे के बा आ कहल मुश्किल बा, काहे कि तू लोग सुनला में नीरस बानी।
12 जब समय तक तोहनी के गुरु बने के चाहीं त तोहनी के जरूरत बा कि उ रउआ के फेर से सिखावे जवन परमेश्वर के बात के पहिला सिद्धांत ह। आ अइसन हो जालें जेकरा दूध के जरूरत बा, बलुक मांस के ना।
13 काहेकि जे दूध के सेवन करेला उ धार्मिकता के वचन में निपुण बा, काहेकि उ एगो बच्चा ह।
14 लेकिन मजबूत भोजन पूरा उमिर के लोग के होला, उहे लोग के होला जे उपयोग के चलते अच्छाई आ बुराई दुनो के भेद करे के काम में लागल बा।

अध्याय 6 के बा

1 एह से मसीह के शिक्षा के सिद्धांत के छोड़ के हमनी के सिद्धता के ओर बढ़ल जाव। मुअल काम से पश्चाताप करे आ परमेश्वर के प्रति विश्वास के नींव फेर से ना रखले।
2 बपतिस्मा, हाथ रखे, मुअल लोग के जी उठला आ अनन्त न्याय के शिक्षा के बारे में।
3 अगर भगवान के अनुमति देले त हमनी के इहे करब जा।
4 काहे कि ऊ लोग खातिर ई असंभव बा कि ऊ लोग कबो प्रबुद्ध हो गइल रहे आ स्वर्गीय वरदान के स्वाद लेले बा आ पवित्र आत्मा के भागीदार बनल बा।
5 आऊ परमेस् वर के भलाई के वचन आ आवे वाला दुनिया के शक्तियन के चखले बानी।
6 अगर उ लोग गिर जइहें त पश्चाताप खातिर फेर से नया करे खातिर। ऊ लोग भगवान के बेटा के नया सिरा से सूली पर चढ़ा के ओकरा के शर्मिंदा कर दिहले।
7 काहेकि जवन धरती ओकरा पर बारिश में पीयेले आ जेकरा से ऊ सजावल जाला ओकरा खातिर उचित जड़ी-बूटी पैदा करेले, ओकरा परमेस् वर के आशीष मिलेला।
8 लेकिन जवन काँट-काँट पैदा करेला, ओकरा के खारिज कर दिहल जाला आ ओकरा के गारी देवे के करीब बा। जेकर अंत जरे के बा।
9 हे प्रियजन, हमनी के ई बात कहत बानी जा, तोहनी से बेहतर बात आ उद्धार के साथ आवे वाला बात हमनी के विश्वास बा।
10 काहेकि परमेस् वर अधर्मी नइखन कि उ आपन काम अउर प्रेम के मेहनत के भुला के, जवन तू लोग उनकरा नाम के प्रति काम कइले बाड़ऽ, काहे कि तू लोग पवित्र लोग के सेवा कइल आ सेवा कइल।
11 हम चाहत बानी कि तोहनी में से हर केहू अंत तक आशा के पूरा भरोसा देवे खातिर एके जइसन लगन देखावे।
12 एह से कि तू आलसी मत होखब, बलुक ओह लोग के अनुयायी बनीं जे विश्वास आ धैर्य से वादा के उत्तराधिकारी होखस।
13 जब परमेस् वर अब्राहम से वादा कइले रहलन, काहेकि उ एकरा से बड़ केहू के किरिया ना खा सकत रहलन, त उ अपना के कसम खइले रहलन।
14 ऊ कहले, "हम तोहरा के आशीष देके आशीष देब आ तोहरा के बढ़ा देब।"
15 आ एही से ऊ धैर्य से सहन कइला के बाद वादा के पूरा कइलन।
16 काहे कि आदमी बड़का के कसम खाला, आ पुष्टि खातिर किरिया ओह लोग खातिर सब झगड़ा के अंत होला।
17 एह से परमेस् वर प्रतिज्ञा के वारिस लोग के आपन सलाह के अपरिवर्तनीयता के बारे में अधिका से अधिका बतावे के इच्छुक होके किरिया खा के ओकरा के पुष्टि कइलन।
18 दू गो अपरिवर्तनीय बातन से, जवना में परमेश्वर के झूठ बोलल असंभव रहे, हमनी के एगो मजबूत सांत्वना मिल सके, जे हमनी के सामने राखल आशा के पकड़े खातिर शरण खातिर भाग गईल बा।
19 ई आशा हमनी के आत्मा के लंगर के रूप में बा, जवन पक्का आ दृढ़ होखे, आ जवन पर्दा के भीतर घुस जाला।
20 जहाँ हमनी खातिर अग्रदूत रहलन, उहाँ यीशु मल्कीसेदेक के अनुसार हमेशा खातिर महायाजक बनवले।

अध्याय 7 के बा

1 काहे कि सलेम के राजा मल्कीसेदेक, परम परमेश्वर के याजक, राजा लोग के वध से लवटत अब्राहम से मिल के आशीष दिहलन।
2 अब्राहम ओकरा के सब के दसवां हिस्सा दे दिहलन। पहिले व्याख्या से धर्म के राजा, आ ओकरा बाद सलेम के राजा भी, जवन शांति के राजा ह।
3 बिना बाप के, बिना माई के, बिना वंश के, ना त दिन के शुरुआत बा, ना जीवन के अंत। लेकिन परमेश्वर के बेटा के जइसन बनावल गइल। पुजारी के रूप में लगातार रहेला।
4 अब विचार करीं कि इ आदमी केतना महान रहे, जेकरा के कुलपति अब्राहम भी लूट के दसवां हिस्सा देले रहले।
5 लेवी के संतान में से जे लोग याजक के पद पावेला, उ लोग के आज्ञा बा कि उ लोग अब्राहम के कमर से निकलल होखस, लेकिन व्यवस्था के मुताबिक लोग के दसवां हिस्सा लेबे के चाही : 1।
6 लेकिन जेकर वंशज ओह लोग से ना गिनल गइल बा, उ अब्राहम के दसवां हिस्सा ले लिहलस आ जे वादा कइले रहे ओकरा के आशीष दिहलस।
7 आ बिना कवनो विरोधाभास के कम के बेहतर के आशीर्वाद मिलेला।
8 आ इहाँ मरल आदमी के दसवां हिस्सा मिल जाला। लेकिन उहाँ उ ओ लोग के ग्रहण करेला, जेकरा बारे में गवाही मिलता कि उ जिंदा बाड़े।
9 हम कह सकत बानी कि दसवां हिस्सा लेवे वाला लेवी भी अब्राहम में दसवां हिस्सा देले।
10 जब मल्कीसेदेक उनकरा से मिललन त उ अभी अपना बाप के कमर में रहले।
11 अगर लेवी के पुरोहिताई के द्वारा सिद्धता मिलत रहे, (काहे कि ओकरा तहत लोग के व्यवस्था मिलल रहे) त अउरी का जरूरत रहे कि मल्कीसेदेक के क्रम में कवनो दोसर याजक उठ के हारून के क्रम के अनुसार ना बोलावल जा सके?
12 काहे कि पुरोहिताई में बदलाव हो रहल बा, त व्यवस्था में भी बदलाव जरूरी बा।
13 काहेकि जेकरा बारे में ई बात कहल गइल बा ऊ दोसरा गोत्र के ह, जवना के केहू वेदी पर सेवा ना दिहल।
14 काहेकि इ साफ बा कि हमनी के प्रभु यहूदा से निकलल बाड़े। जवना गोत्र के बारे में मूसा पुरोहिताई के बारे में कुछ ना कहले।

15 ई बात त अउरी साफ बा कि मल्कीसेदेक के रूप में एगो अउरी याजक उठल बा।
16 ऊ शारीरिक आज्ञा के नियम के अनुसार ना, बल्कि अंतहीन जीवन के शक्ति के अनुसार बनल बा।
17 काहेकि उ गवाही देत हउवें कि, "तू मल्कीसेदेक के क्रम में हमेशा खातिर याजक हउअ।"
18 काहे कि पहिले के आज्ञा के कमजोरी आ बेमतलब के चलते ओकरा के तोड़ल जा रहल बा।
19 काहेकि व्यवस्था कवनो चीज के सिद्ध ना कइलस, लेकिन एकरा से बढ़िया आशा पैदा कइलस। जवना से हमनी के भगवान के नजदीक आवत बानी जा।
20 जब तक कि बिना कसम के उ पुजारी बनावल गईल।
21 (काहेकि उ याजक लोग के बिना किरिया के बनावल गईल रहे, लेकिन इ उ किरिया से कहल गईल रहे कि, "प्रभु किरिया खईले बाड़े अवुरी पश्चाताप ना करीहे कि, 'तू मल्कीसेदेक के मुताबिक हमेशा खाती याजक बानी।'
22 एतना से यीशु के एगो बेहतर नियम के जमानत बनावल गइल।
23 उ लोग साँचहू बहुत याजक रहले, काहे कि उ लोग के मौत के कारण ना रहे दिहल गईल।
24 लेकिन ई आदमी हमेशा से बनल रहेला के चलते ओकर पुरोहिताई के काम अपरिवर्तनीय बा।
25 एही से उ उनकरा द्वारा परमेश्वर के पास आवे वाला लोग के अंत तक बचावे में सक्षम बा, काहेकि उ हमेशा जिंदा रहेला कि उ लोग खातिर बिनती करे।
26 काहेकि हमनी के अइसन महायाजक बनल बानी जा, जे पवित्र, निर्दोष, निर्मल, पापी लोग से अलग आ आकाश से ऊँच बनावल गइल बा।
27 ऊ महायाजक लोग नियर रोज बलि चढ़ावे के जरूरत नइखे, पहिले अपना पाप खातिर आ ओकरा बाद लोग के पाप खातिर, काहे कि ऊ एक बेर अपना के चढ़ावे के समय अइसन कइले रहले।
28 काहे कि व्यवस्था कमजोरी वाला आदमी के महायाजक बनावेले। लेकिन किरिया के वचन जवन व्यवस्था के बाद से बनल रहे, उ बेटा के बनावेला, जवन हमेशा खातिर पवित्र हो गईल बा।

अध्याय 8 के बा

1 हमनी के जवन बात कहले बानी जा ओकर सार इहे बा कि हमनी के एगो अइसन महायाजक बाड़े जवन आकाश में महामहिम के सिंहासन के दाहिना ओर बईठल बाड़े।
2 पवित्र स्थान आ सच्चा तम्बू के सेवक, जवन प्रभु खड़ा कइले रहले, आदमी ना।
3 काहेकि हर महायाजक के वरदान आ बलि चढ़ावे खातिर नियुक्त कइल गइल बा, एही से जरूरी बा कि एह आदमी के कुछ भी चढ़ावे के होखे।
4 अगर उ धरती पर रहित त उ याजक ना रहित, काहेकि व्यवस्था के अनुसार वरदान चढ़ावे वाला याजक बाड़े।
5 ऊ स्वर्ग के चीजन के उदाहरण आ छाया के सेवा करीं जइसे कि मूसा के परमेश्वर से सलाह दिहल गइल रहे जब ऊ तम्बू बनावे वाला रहले, काहे कि देखऽ, ऊ कहत बाड़न कि तू सब कुछ के ओह नमुना के अनुसार बनाईं जवन तोहरा के पहाड़ पर देखावल गइल बा।
6 लेकिन अब उ एगो अउरी बढ़िया सेवकाई पा लेले बाड़े, एकरा से उ बेहतर वाचा के मध्यस्थ बाड़े, जवन कि बेहतर वादा प बनल रहे।
7 अगर उ पहिला वाचा निर्दोष रहित त दूसरा वाचा खातिर जगह ना खोजल जा सकत रहे|
8 उ लोग के दोष पा के कहलस, "प्रभु कहत हव कि देख, उ दिन आई जब हम इस्राएल के घराना आ यहूदा के घराना के साथे नया वाचा करब।
9 हम ओह वाचा के अनुसार ना जवन हम ओह दिन ओह लोग के पुरखन से कइले रहनी जब हम ओह लोग के हाथ पकड़ के मिस्र से बाहर निकालले रहनी। काहे कि उ लोग हमरा वाचा में ना रहलन आ हम ओह लोग के परवाह ना कइनी, प्रभु कहत बाड़न।
10 काहेकि हम ओह दिनन के बाद इस्राएल के घराना के साथे इहे वाचा करब। हम आपन नियम ओह लोग के मन में डाल देब आ ओह लोग के दिल में लिखब आ हम ओह लोग खातिर एगो भगवान होखब आ ऊ लोग हमरा खातिर एगो लोग होखब.
11 ऊ लोग हर केहू अपना पड़ोसी आ अपना भाई के ई ना सिखाई कि प्रभु के जानऽ, काहे कि छोट से लेके बड़का तक सब हमरा के जानत होई।
12 काहेकि हम ओह लोग के अधर्म पर दया करब आ ओह लोग के पाप आ अधर्म के अब याद ना करब।
13 ऊ कहत हव कि, "नया वाचा, उ पहिला वाचा के पुरान बना देले बाड़न।" अब जवन सड़ के बूढ़ हो जाला ऊ गायब होखे के तइयार बा.

अध्याय 9 के बा

1 तब सचमुच पहिला वाचा में ईश्वरीय सेवा के नियम आ सांसारिक पवित्र स्थान भी रहे।
2 काहेकि उहाँ एगो तम्बू बनल रहे। पहिला, जवना में दीया, मेज, आ देखावे के रोटी रहे। जवना के अभयारण्य कहल जाला।
3 दूसरका पर्दा के बाद तम्बू, जवना के सभसे पवित्र कहल जाला।
4 जवना में सोना के धूप के बर्तन आ वाचा के सन्दूक चारो ओर सोना से ढंकल रहे, जवना में सोना के बर्तन रहे जवना में मन्ना रहे, आ हारून के लाठी जवन कली निकलल रहे, आ वाचा के पट्टी रहे।
5 ओकरा ऊपर महिमा के करुब लोग दया आसन पर छाया डालत बा। जवना के बारे में अब हमनी के विशेष रूप से बात नईखी क सकत।
6 जब ई सब बात एह तरह से तय हो गइल त याजक लोग परमेश्वर के सेवा पूरा करत हमेशा पहिला तम्बू में जात रहले।
7 लेकिन दूसरा में महायाजक साल में एक बेर अकेले जात रहले, बिना खून के ना, जवन उ अपना खातिर अवुरी लोग के गलती के चलते चढ़ावत रहले।
8 पवित्र आत्मा इ बतावत बा कि जब पहिला तम्बू अभी तक खड़ा रहे, तब तक सब से पवित्र में जाए के रास्ता अभी तक प्रकट ना भईल रहे|
9 उ समय के एगो आकृति रहे, जवना में वरदान आ बलिदान दुनो दिहल जात रहे, जवन सेवा करे वाला के विवेक के हिसाब से सिद्ध ना बना सकत रहे।

10 जवन खाली खाना-पीना, गोताखोर धोवे आ शारीरिक नियमन में ही खड़ा रहे जवन सुधार के समय तक ओह लोग पर लगावल गइल रहे।
11 लेकिन मसीह आवे वाला भलाई के महायाजक बन के एगो बड़हन आ सिद्ध तम्बू के माध्यम से अइले, जवन हाथ से ना बनल रहे, यानी कि एह भवन के ना।
12 ना त बकरी आ बछड़ा के खून से, बलुक अपना खून से एक बेर पवित्र स्थान में घुस गइलन आ हमनी खातिर अनन्त मुक्ति पा लिहलन।
13 अगर बैल आ बकरी के खून आ अशुद्ध के छिड़काव करे वाली बछिया के राख शरीर के शुद्ध करे खातिर पवित्र हो जाला।
14 मसीह के खून, जे अनन्त आत्मा के द्वारा अपना के बिना दाग के परमेश्वर के अर्पित कईले, जीवित परमेश्वर के सेवा करे खातिर तोहनी के विवेक के मरल काम से कतना जादा शुद्ध करी?
15 एही से ऊ नया नियम के मध्यस्थ हउवें कि पहिला नियम के तहत भइल अपराधन के मुक्ति खातिर मौत के माध्यम से, जेकरा के बोलावल गइल बा, ओकरा के अनन्त उत्तराधिकार के वादा मिल सके।
16 काहेकि जहाँ कवनो वसीयत बा, उहाँ वसीयत करे वाला के मौत भी जरूरी बा।
17 काहेकि वसीयत आदमी के मरला के बाद ताकतवर होला, ना त वसीयत करे वाला के जिंदा रहला पर ओकर कवनो ताकत ना होला।
18 जेकरा बाद में से कवनो पहिला नियम बिना खून के समर्पित ना भइल।
19 जब मूसा व्यवस्था के अनुसार सब लोग के हर आज्ञा सुनवले, त उ बछड़ा आ बकरी के खून, पानी, लाल ऊन, हिसोप के संगे लेके किताब अवुरी सभ लोग के दुनो के छिड़क देले।
20 कहलन, “ई उ वसीयत के खून ह जवन परमेश्वर तोहनी के आज्ञा देले बाड़े।”
21 उ तम्बू आ सेवा के सब बर्तन पर खून छिड़क दिहलन।
22 कानून के अनुसार लगभग सब कुछ खून से शुद्ध हो जाला। आ बिना खून बहवले कवनो छूट ना होखे.
23 एह से जरूरी रहे कि आकाश में चीजन के नमुना के शुद्ध कइल जाव। बाकिर स्वर्गीय चीजन के खुद एह से बढ़िया बलिदान दिहल गइल बा.
24 काहेकि मसीह हाथ से बनल पवित्र जगहन में ना घुसल हउवें जवन सच्चा के आकृति ह। लेकिन हमनी खातिर परमेश्वर के सामने प्रकट होखे खातिर स्वर्ग में ही जाइब।
25 ना ही कि ऊ बार-बार अपना के चढ़ावे, जइसे कि महायाजक हर साल दोसरा के खून से पवित्र स्थान में प्रवेश करेला।
26 तब से उ दुनिया के सृष्टि के बाद से बहुत बेर कष्ट उठावे के होई, लेकिन अब दुनिया के अंत में एक बेर उ अपना बलिदान से पाप के दूर करे खातिर प्रकट भईले।
27 आऊ जइसे आदमी के एक बेर मरल तय बा, लेकिन एकरा बाद न्याय के फैसला हो जाई।
28 एही से मसीह के एक बेर बहुत लोग के पाप उठावे खातिर चढ़ावल गईल रहे। आ जे लोग उनकरा के इंतजार करत बा, उ दूसरा बेर बिना पाप के प्रकट होई, ताकि उ मुक्ति मिल सके।

अध्याय 10 के बा

1 काहे कि व्यवस्था में आवे वाला बढ़िया चीजन के परछाई बा, ना कि चीजन के प्रतिरूप, ऊ लोग साल दर साल जवन बलिदान चढ़ावत रहे, ओकरा से कबो आवे वाला लोग के सिद्ध ना कर सकेला।
2 त का उ लोग के चढ़ावल ना छोड़ित? काहे कि एक बेर शुद्ध भइल उपासक लोग के अब पाप के विवेक ना होखे के चाहीं.
3 लेकिन ओह बलिदान में हर साल पाप के याद कइल जाला।
4 काहे कि बैल आ बकरी के खून से पाप दूर होखल संभव नइखे।
5 एही से जब ऊ दुनिया में अइलन त ऊ कहत बाड़न कि, “तू बलिदान आ चढ़ावे ना चाहत रहलू, बाकिर तू हमरा खातिर एगो देह तइयार कइले बाड़ऽ।
6 पाप खातिर होमबलि आ बलिदान में तोहरा कवनो प्रसन्नता ना भइल।
7 तब हम कहनी, “हे परमेश्वर, हम तोहार इच्छा के पूरा करे खातिर आइल बानी।”
8 ऊपर जब ऊ कहले, “बलिदान, बलिदान आ होमबलि आ पाप के बलिदान आ चढ़ावे के काम तू ना चाहत रहलू आ ना ही ओकरा में प्रसन्नता भइल। जवन कानून के द्वारा चढ़ावल जाला;
9 तब उ कहलस, “हे परमेश्वर, हम तोहार इच्छा पूरा करे आईल बानी।” पहिला के छीन लेला, ताकि दूसरा के स्थापित कर सके।
10 जवना इच्छा से हमनी के यीशु मसीह के शरीर के एक बार हमेशा खातिर चढ़ावे से पवित्र हो गईल बानी जा।
11 हर याजक रोज खड़ा होके सेवा करत रहेला आ बार-बार उहे बलि चढ़ावेला, जवन कबो पाप के दूर ना कर सकेला।
12 लेकिन इ आदमी हमेशा खातिर पाप खातिर एक बलि चढ़ा के परमेश्वर के दाहिना ओर बईठ गईल।
13 अब से उम्मीद करत रहे कि जब तक ओकर दुश्मन ओकर गोड़ के निशान ना बन जइहें।
14 काहेकि उ एके बलिदान से पवित्र होखे वाला लोग के हमेशा खातिर सिद्ध कर देले बाड़न।
15 पवित्र आत्मा भी हमनी के गवाह ह, काहेकि उ पहिले कहले रहले कि
16 इहे वाचा ह जवन हम ओह दिनन के बाद ओह लोग से करब, प्रभु कहत बाड़न कि हम आपन नियम ओह लोग के दिल में डाल देब आ ओह लोग के मन में लिखब।
17 आउर ओह लोग के पाप आ अधर्म के हम अब याद ना करब।
18 अब जहाँ एह लोग के माफी मिलत बा, उहाँ पाप के बलिदान ना होई।
19 हे भाई लोग, यीशु के खून से पवित्र स्थान में प्रवेश करे के हिम्मत बा।
20 एगो नया आ जिंदा रास्ता से, जवन उ हमनी खातिर पर्दा के माध्यम से, यानी कि अपना शरीर के माध्यम से पवित्र कईले बाड़े।
21 आऊ परमेस् वर के घर पर एगो महायाजक रहलन।
22 हमनी के एगो सच्चा मन से विश्वास के पूरा भरोसा के साथ नजदीक आके हमनी के दिल पर बुरा विवेक से छिड़कल आ हमनी के शरीर शुद्ध पानी से धोवल जाव।

23 हमनी के आपन विश्वास के कबूलना के बिना कवनो डगमगात मजबूती से पकड़ल जाव। (काहेकि उ वादा करे वाला वफादार हउवें;)
24 हमनी के एक दूसरा के प्रेम आ अच्छा काम खातिर उकसावे खातिर विचार करीं जा।
25 कुछ लोग के तरीका जइसन हमनी के एकजुट होखे के ना छोड़ीं। लेकिन एक दूसरा के उपदेश देत बानी, आउर एतना जादा कि दिन नजदीक आवत देखत बानी।
26 अगर हमनी के सच्चाई के ज्ञान मिलला के बाद जानबूझ के पाप करेनी जा त पाप के बलिदान ना रह जाई।
27 लेकिन न्याय के भयावह इंतजार आ आगि के आक्रोश जवन विरोधियन के खा जाई।
28 जे मूसा के व्यवस्था के तुच्छ समझत रहे, उ दु-तीन गवाह के अधीन बिना दया के मर गईल।
29 ई मान लीं कि ऊ केतना बुरा सजा के लायक मानल जाई, जे परमेश्वर के बेटा के गोड़ से दबा के रखले बा आ जवना वाचा के खून के पवित्र कइल गइल बा, ओकरा के अपवित्र बात मान लेले बा आ ओकरा के अपवित्र काम कइले बा अनुग्रह के आत्मा के बा?
30 काहेकि हमनी के उहे जानत बानी जा जे कहले बा कि बदला लेबे के काम हमरा ह, हम बदला देब। आ फेरु से, प्रभु अपना लोग के न्याय करीहे।
31 जीवित भगवान के हाथ में गिरल भयावह बात बा।
32 लेकिन पहिले के दिन के याद करीं, जवना में तू लोग रोशन भइला के बाद कष्ट के बहुत लड़ाई झेलले रहलू।
33 कुछ हद तक, जब तक तोहनी के निंदा आ कष्ट दुनो के देख के देखाई देवे वाला हो गईल रहनी। आ कुछ हद तक, जबकि तू लोग ओह लोग के साथी बन गइल जेकरा के अतना इस्तेमाल कइल गइल रहे।
34 काहेकि तू लोग हमरा पर दया करत रहलू, आऊ अपना संपत्ति के लूट के खुशी से लेत रहलू, काहेकि तोहनी में ई जानत रहलू कि तोहनी के स्वर्ग में एगो बेहतर आ स्थायी संपत्ति बा।
35 एह से आपन भरोसा के दूर मत करीं, जवना के बहुत इनाम मिलेला।
36 काहेकि तोहनी के धैर्य के जरूरत बा कि परमेश्वर के इच्छा पूरा कइला के बाद तोहनी के वादा मिल सके।
37 काहेकि अभी कुछ देर तक जे आवे वाला बा, उ आई, लेकिन उ टिकल ना होई।
38 धर्मी लोग विश्वास से जिंदा रही, लेकिन अगर केहू पीछे हट जाई त हमार प्राण ओकरा में कवनो खुशी ना होई।
39 लेकिन हमनी के उ लोग में से ना हईं जा जे नाश के ओर पीछे हट जाला। लेकिन जे लोग विश्वास करेला, उ लोग के आत्मा के बचावे खातिर।

अध्याय 11 के बा

1 अब विश्वास उ चीजन के सार ह जवना के उम्मीद कइल जाला, जवन ना देखल गइल चीजन के प्रमाण ह।
2 काहे कि एकरा से बुजुर्ग लोग के बढ़िया खबर मिलल।
3 हमनी के विश्वास के द्वारा समझत बानी जा कि दुनिया परमेश्वर के वचन से बनल बा, ताकि जवन चीज देखल जा सकेला उ प्रकट होखे वाला चीज से ना बनल रहे।
4 विश्वास से हाबिल कैन से भी बढ़िया बलिदान परमेश्वर के चढ़वले, जवना से उ धर्मी होखे के गवाही देले, परमेश्वर अपना वरदान के गवाही देले।
5 विश्वास से हनोक के अनुवाद कइल गइल कि ऊ मौत ना देखस। आऊ ना मिलल, काहे कि परमेश्वर उनकर अनुवाद कइले रहले, काहे कि उनकर अनुवाद करे से पहिले उनकर ई गवाही रहे कि उ परमेश्वर के खुश करत रहले।
6 लेकिन बिना विश्वास के ओकरा के खुश कईल असंभव बा, काहेकि जे परमेश्वर के पास आवेला ओकरा विश्वास करे के होई कि उ बाड़े अवुरी उनुका के खोजे वाला के इनाम देवे वाला हवे।
7 विश्वास के चलते नूह के भगवान के ओर से अभी तक ना देखल गईल चीज़ के बारे में चेतावल गईल, उ डर से अपना घर के बचावे खातिर एगो जहाज तैयार कईले। जवना से उ दुनिया के दोषी ठहरवले अवुरी विश्वास से मिलेवाला धार्मिकता के वारिस बन गईले।
8 बिसवास से इब्राहीम जब उहाँ जाए खातिर बोलावल गइलन, जहाँ उहाँ के उत्तराधिकार के रूप में मिलत रहे, त उ बात मान लिहलन। आ ऊ कहाँ गइलन, ई ना बुझाइल कि ऊ बाहर निकल गइलन.
9 विश्वास के चलते उ प्रतिज्ञा के देश में परदेश निहन प्रवास कईले अवुरी उहे प्रतिज्ञा के उत्तराधिकारी इसहाक अवुरी याकूब के संगे तम्बू में रहत रहले।
10 उ एगो अइसन शहर के इंतजार करत रहले जवना के नींव होखे, जवना के निर्माता अवुरी बनावे वाला परमेश्वर हवे।
11 बिसवास के कारण सारा खुद बीज पैदा करे के ताकत मिलल आ उ उमिर बढ़ला पर एगो संतान पैदा कइली, काहे कि ऊ वादा करे वाला के वफादार मानत रहली।
12 एही से एक आदमी के भीड़ उमड़ल, उ मरल निहन, आसमान के तारा निहन अवुरी समुद्र के किनारे बालू निहन असंख्य पैदा भईल।
13 इ सब लोग विश्वास के साथ मर गईले, उ वादा ना पवलस, लेकिन दूर से देख के मन समझ गईले अवुरी गले लगा लेले अवुरी कबूल कईले कि उ लोग धरती प परदेसी अवुरी तीर्थयात्री हवे।
14 काहे कि अइसन बात कहे वाला लोग साफ-साफ बतावेला कि उ लोग कवनो देश के खोज में बा।
15 आ साँचहू अगर उ लोग ओह देश के बारे में याद करत रहित जहाँ से उ लोग निकलल रहित त शायद उ लोग के वापस आवे के मौका मिलित।
16 लेकिन अब उ लोग एगो बेहतर देश यानी स्वर्ग के चाहत चाहत बाड़े, एहसे भगवान के उनुकर भगवान कहल जाए में शर्म ना आवेला, काहेकी उ ओ लोग खाती एगो शहर तैयार कईले बाड़े।
17 विश्वास से अब्राहम परीक्षा में इसहाक के चढ़ा दिहलन आ जे वादा के ग्रहण कइले रहे, ऊ आपन एकलौता बेटा के चढ़ा दिहलन।
18 उनकरा बारे में कहल गइल रहे कि इसहाक में तोहार संतान के नाम दिहल जाई।
19 ई हिसाब लगावत रहलन कि परमेस् वर ओकरा के मुवलन में से जिंदा कर सकेलन। जहाँ से भी उ उनुका के एगो आकृति में स्वागत कईले।
20 विश्वास से इसहाक याकूब आ एसाव के आवे वाला बातन के बारे में आशीष दिहलन।

21 विश्वास से याकूब मरत रहले त यूसुफ के दुनो बेटा के आशीष देले। आ लाठी के चोटी पर झुक के पूजा कइलस।
22 विश्वास से यूसुफ मरला पर इस्राएल के लोग के जाए के बात कहले। आ अपना हड्डी के बारे में आज्ञा दिहलन।
23 विश्वास के चलते मूसा के जनम के तीन महीना तक उनकर माई-बाबूजी से छिपल रहले, काहेकी उ लोग उनुका के एगो निमन संतान देखले रहले। राजा के आज्ञा से उ लोग डेरात ना रहले।
24 विश्वास के चलते मूसा जब उमर बढ़ले त फिरौन के बेटी के बेटा कहल जाए से इनकार क देले।
25 कुछ समय खातिर पाप के सुख भोगे के बजाय परमेश् वर के लोग के साथे कष्ट भोगल चुनले बानी।
26 मसीह के निंदा के मिस्र के खजाना से भी बड़ धन मानत रहले, काहेकि उ इनाम के इनाम के आदर करत रहले।
27 विश्वास के चलते उ राजा के क्रोध से ना डेरा के मिस्र के छोड़ देले, काहेकि उ अदृश्य के देखला निहन सहन कईले।
28 विश्वास के चलते उ फसह के पर्व आ खून के छिड़काव के मनावत रहले, ताकि जेठ बच्चा के नाश करे वाला ओकरा के ना छूवे।
29 विश्वास के चलते उ लोग लाल समुंदर से गुजरत रहले जईसे सूखल जमीन से गुजरत रहले।
30 लगभग सात दिन के बाद यरीहो के देवाल गिर गईल।
31 विश् वास के चलते वेश्या राहाब विश् वास ना करे वाला लोग के संगे ना नाश भईली, जब उ जासूस के शांति से स्वागत कईले रहली।
32 अउरी का कहब? काहे कि हमरा गिदोन, बराक, शिमशोन आ यफथा के बारे में बतावे में समय ना रह जाई। दाऊद, शमूएल आ भविष्यवक्ता लोग के भी।
33 ऊ विश्वास से राज्यन के अपना वश में कइलन, धर्म के काम कइलन, वादा कइलन आ शेरन के मुँह रोकलन।
34 आग के हिंसा बुझावल, तलवार के धार से बचल, कमजोरी से मजबूत बनावल गइल, लड़ाई में वीर हो गइल, एलियन के सेना के भगावे खातिर मुड़ल।
35 मेहरारू लोग अपना मरल लोग के जिंदा कर लिहली आ दूसर लोग के मुक्ति ना मानत यातना दिहल गइल। ताकि उ लोग के एगो बेहतर पुनरुत्थान मिल सके।
36 दूसर लोग के क्रूर मजाक आ कोड़ा के परीक्षा भइल, एकरा अलावा बंधन आ जेल में डालल गइल।
37 उ लोग के पत्थर मारल गईल, उ लोग के काट दिहल गईल, परीक्षा में डालल गईल, तलवार से मारल गईल। निराश, पीड़ित, सतावल होखल;
38 (जेकरा के दुनिया लायक ना रहे) उ लोग रेगिस्तान, पहाड़ आ धरती के मांद आ गुफा में भटकत रहले।
39 ई सब लोग विश्वास से बढ़िया खबर मिलला के बाद वादा ना पवलन।
40 परमेश्वर हमनी खातिर कुछ बेहतर चीज के इंतजाम कइले बाड़न कि हमनी के बिना उ लोग सिद्ध ना होखे।

अध्याय 12 के बा

1 एह से हमनी के भी गवाहन के एतना बड़ बादल से घेरले बानी जा, हमनी के हर भार आ पाप के एक तरफ छोड़ दीं जा जवन हमनी के सोझा बा।
2 हमनी के विश्वास के रचयिता आ समाप्त करे वाला यीशु के ओर देखत बानी जा। ऊ लाज के तुच्छ समझत क्रूस के सहन कइलन आ भगवान के सिंहासन के दाहिना ओर बइठल बाड़न।
3 पापी लोग के अपना खिलाफ अइसन विरोधाभास के सहन करे वाला पर विचार करीं कि कहीं तू लोग थक के मन में बेहोश मत होखब।
4 तू अबहीं ले पाप से लड़त खून के विरोध नइखऽ कइले।
5 तोहनी के ऊ उपदेश भुला गइल बाड़ऽ जवन तोहनी से लइकन नियर कहल जाला कि, "हे बेटा, प्रभु के सजा के तुच्छ मत मानऽ आ जब तोहरा के डांटला पर बेहोश मत होखऽ।
6 काहेकि प्रभु जेकरा से प्यार करेलन, उ ओकरा के ताड़त हउवें आ जेकरा के ऊ ग्रहण करेला, ओकरा के कोड़ा मारत हउवें।
7 अगर तू लोग ताड़ना सहत रहब त परमेस् वर तोहनी के ओइसहीं व्यवहार करेलन जइसे कि बेटा के साथे। काहे कि ऊ कवन बेटा ह जेकरा के बाप सजा ना देला?
8 लेकिन अगर तू लोग के सजा ना मिलेला, जवना में सब लोग साझीदार बा, त तू हरामी हउअ, बेटा ना हउअ।
9 एकरा अलावा हमनी के शरीर के बाप-बाप भी रहलन जे हमनी के सुधारत रहलन आ हमनी के ओह लोग के आदर देत रहनी जा।
10 काहेकि उ लोग कुछ दिन तक हमनी के अपना मन के मुताबिक सजा देले। लेकिन उ हमनी के फायदा खातिर, ताकि हमनी के उनकर पवित्रता के भागीदार बनी।
11 वर्तमान में कवनो ताड़ना खुशी के बात नइखे, बलुक दुखद लागत बा, बाकिर बाद में ई धार्मिकता के शांति के फल देला जे लोग एकरा से काम करेला।
12 एही से नीचे लटकल हाथ आ कमजोर घुटना के ऊपर उठाईं।
13 आ अपना गोड़ खातिर सीधा रास्ता बनाईं, कहीं लंगड़ा रास्ता से ना हट जाव। लेकिन एकरा के ठीक होखे के बजाय।
14 सब लोग के साथे शांति आ पवित्रता के पालन करीं, जवना के बिना केहू प्रभु के ना देख पाई।
15 ध्यान से देखत रहीं कि केहू परमेश्वर के कृपा से ना चूक जाव। कहीं कड़वाहट के कवनो जड़ तोहनी के परेशान मत कर देव आ एह से बहुत लोग अशुद्ध हो जाइब।
16 कहीं एसाव जइसन कवनो व्यभिचारी भा अपवित्र आदमी ना होखे, जे एक टुकड़ा के मांस के बदला में आपन ज्येष्ठता बेच दिहलस।
17 काहेकि तोहनी जानत हई कि बाद में जब उ आशीष के उत्तराधिकारी बनल चाहत रहले त ओकरा के ठुकरा दिहल गईल, काहेकि उनुका पश्चाताप के जगह ना मिलल, हालांकि उ लोर के ध्यान से खोजत रहले।
18 काहेकि तू लोग ओह पहाड़ पर नइखऽ पहुँचल जवना के छूवल जा सकेला आ आग से जरावल जा सकेला, ना करियापन, अन्हार आ तूफान में।
19 तुरही के आवाज आ शब्दन के आवाज। जवन आवाज सुनले उ लोग निहोरा कईले कि अब उनुका से इ बात ना कहल जाए।
20 (काहेकि उ लोग उ आज्ञा के सहन ना कर पवले कि, जदी कवनो जानवर पहाड़ के छूवे त ओकरा के पत्थर मारल जाई, चाहे तीर से फेंक दिहल जाई।
21 ई नजारा अतना भयावह रहे कि मूसा कहले, "हम बहुत डेरात बानी आ काँपत बानी।"

22 लेकिन तू लोग सियोन पहाड़ आ जीवित परमेश्वर के नगर, स्वर्गीय यरूशलेम आ अनगिनत स्वर्गदूतन के समूह में आ गइल बाड़ऽ।
23 जेठ बच्चा लोग के आम सभा आ कलीसिया के, जवन स्वर्ग में लिखल बा, आ सबके न्यायाधीश परमेश्वर के आ सिद्ध धर्मी लोग के आत्मा के खातिर।
24 नया वाचा के मध्यस्थ यीशु के आ छिड़काव के खून के जे हाबिल के खून से बढ़िया बात कहेला।
25 देखऽ कि जे बोलेला ओकरा के तू ना मना करऽ। काहेकि अगर उ लोग धरती पर बोले वाला के मना करे वाला के ना बची त हमनी के स्वर्ग से बोले वाला से दूर होखब जा।
26 तब उनकर आवाज धरती के हिला दिहलस, लेकिन अब उ वादा कईले कि, "हम एक बार फिर से खाली धरती के ना, बल्कि स्वर्ग के भी हिला देब।"
27 ई शब्द "एक बेर फेरु से, जवन चीज हिलल बा, ओकरा के बनावल चीजन के रूप में हटावे के बोध करावेला, ताकि जवन चीज हिलल ना जा सके, ओकरा के रह सके।
28 एह से हमनी के एगो अइसन राज्य मिलला जवन हिलल ना जा सकेला, हमनी के अनुग्रह होखे, जवना से हमनी के आदर आ भक्ति से भगवान के सेवा के स्वीकार्य रूप से कर सकीले।
29 काहेकि हमनी के भगवान एगो भस्म करे वाला आग हवे।

अध्याय 13 के बा

1 भाईचारा के प्रेम बनल रहे।
2 परदेसी लोग के मनोरंजन करे के मत भूलीं, काहे कि एह से कुछ लोग अनजाने में स्वर्गदूतन के स्वागत कइले बा।
3 जे लोग बान्हल बा, ओकरा के याद करीं, जइसे कि ओकरा से बान्हल बा। आ जे लोग विपत्ति से जूझत बा, उ लोग के भी शरीर में होखे के चाहीं।
4 बियाह सभका में आदर के बा आ बिछौना बेदाग बा, लेकिन वेश्या आ व्यभिचारी लोग के परमेश् वर न्याय करीहे।
5 तोहार बतकही बिना लोभ के होखे; आ तोहरा लगे जवन चीज बा ओकरा से संतोष करीं काहे कि ऊ कहले बाड़न कि हम तोहरा के कबो ना छोड़ब आ ना छोड़ब।
6 ताकि हमनी के हिम्मत से कह सकीले कि प्रभु हमार सहायक हउवें आ हम डेराएब कि आदमी हमरा के का करी।
7 जे लोग तोहनी पर राज करेला, उ लोग के याद करीं, जे तोहनी से परमेश्वर के वचन कहले बा।
8 यीशु मसीह काल्ह, आज आ हमेशा खातिर उहे रहलन।
9 अलग-अलग आ अजीब-अजीब सिद्धांतन के साथ ना बहल रहऽ। काहे कि अनुग्रह से दिल के स्थिर होखल बढ़िया बात बा। ना कि ओह मांस से जवना से ओह लोग के कवनो फायदा नइखे भइल जवन ओहमें कब्जा कइले बा.
10 हमनी के एगो वेदी बा, जवना में से उ लोग के खाए के कवनो अधिकार नईखे, जवन कि तम्बू के सेवा करेले।
11 काहे कि जवना जानवरन के खून पाप के चलते महायाजक पवित्र स्थान में ले आवेला, ओकर लाश डेरा के बाहर जरा दिहल जाला।
12 एही से यीशु भी अपना खून से लोग के पवित्र करे खातिर फाटक के बाहर कष्ट भोगले।
13 एह से हमनी के डेरा से बाहर उनकर निंदा लेके उनकरा लगे चल जाईं जा।
14 काहेकि इहाँ हमनी के कवनो स्थायी शहर नइखे, लेकिन हमनी के आवे वाला शहर के खोजत बानी जा।
15 एह से हमनी के उनकरा द्वारा परमेश्वर के स्तुति के बलिदान लगातार चढ़ावल जाव, यानी कि उनकर नाम के धन्यवाद देत हमनी के होंठ के फल।
16 लेकिन भलाई करे आ बातचीत करे के भूल मत जाईं, काहेकि अइसन बलिदान से परमेश् वर खुश होलें।
17 तोहनी पर राज करे वाला लोग के बात मानीं आ अपना के अधीन रहीं, काहे कि ऊ लोग तोहनी के जिनिगी के देखत रहेला, जइसे कि हिसाब देबे वाला लोग, ताकि ऊ लोग दुख से ना बलुक खुशी से काम कर सके, काहे कि ई काम तोहनी खातिर बेकार बा।
18 हमनी खातिर प्रार्थना करीं, काहेकि हमनी के भरोसा बा कि हमनी के विवेक अच्छा बा, आ हर काम में ईमानदारी से जिए के इच्छुक बानी जा।
19 लेकिन हम तोहसे से निहोरा करत बानी कि इहे करे के चाहीं ताकि हम जतना जल्दी तोहनी के लगे वापस आ जाइब।
20 शांति के परमेश्वर, जे हमनी के प्रभु यीशु, भेड़ के महान चरवाहा, अनन्त वाचा के खून से मुवलन में से जिया के ले अइले।
21 हर अच्छा काम में तोहनी के सिद्ध बनाईं कि ऊ उनकर इच्छा पूरा कर सकीं, तोहनी में उहे काम करीं जवन उनकरा नजर में खुश होखे, यीशु मसीह के द्वारा। जेकर महिमा हमेशा खातिर होखे। आमीन के बा।
22 भाई लोग, हम तोहनी से निहोरा करत बानी कि उपदेश के वचन के सहन करीं, काहे कि हम तोहनी के एगो चिट्ठी कम शब्दन में लिखले बानी।
23 तू लोग जानऽ कि हमनी के भाई तिमुथियुस के मुक्त कर दिहल गइल बा। जेकरा साथे अगर ऊ कुछ देर में आ जाईं त हम तोहरा के देखब।
24 तोहनी पर राज करे वाला सब लोग आ सब पवित्र लोग के नमस्कार करीं। इटली के ऊ लोग रउरा के सलामी देत बा.
25 तोहनी सब के साथे कृपा होखे। आमीन के बा।

जेम्स के ह

अध्याय 1 के बा

1 याकूब, परमेश्वर आ प्रभु यीशु मसीह के सेवक, बिखराइल बारह गो गोत्र के अभिवादन करत।
2 हे भाई लोग, जब तू लोग कई तरह के परीक्षा में पड़ जाइब त ई सब खुशी के बात समझीं।
3 ई जान के कि तोहनी के विश्वास के परीक्षा से धैर्य पैदा होला।
4 लेकिन धैर्य के पूरा काम करे के चाहीं ताकि तू लोग सिद्ध आ पूरा हो सकीले, जवना में कुछुओ के कमी ना होखे।
5 अगर तोहनी में से केहू के बुद्धि के कमी बा त ऊ भगवान से माँगे, जे सब लोग के उदारता से देत बा आ ना डांटत बा। आ ओकरा के दिहल जाई।
6 लेकिन उ विश्वास से मांगे, कुछ भी ना डगमगात। काहे कि जे डगमगात बा ऊ समुंदर के लहर जइसन होला जवन हवा से धकेलल आ उछालल जाला.
7 काहेकि उ आदमी इ मत सोचे कि ओकरा प्रभु से कुछुओ मिल जाई।
8 दोहरी मन के आदमी अपना सब रास्ता में अस्थिर होला।
9 नीच भाई के ऊपर उठला से खुश होखे।
10 लेकिन अमीर लोग के नीच हो जाला, काहे कि ऊ घास के फूल निहन खतम हो जाई।
11 काहे कि सूरज जरत गर्मी से उगेला, लेकिन घास के मुरझा जाला, ओकर फूल गिर जाला, आ ओकर फैशन के अनुग्रह नाश हो जाला।
12 धन्य बा उ आदमी जे परीक्षा के सहन करेला, काहेकि जब उ परीक्षा में पड़ जाई त उ जीवन के मुकुट पाई, जवन प्रभु अपना से प्यार करे वाला लोग से वादा कईले बाड़े।
13 केहू के परीक्षा में ई ना कहे कि हम परमेशवर के परीक्षा में बानी, काहेकि परमेश्वर बुराई के परीक्षा में ना पड़ सकेला आ ना ही केहू के परीक्षा देवेला।
14 लेकिन हर आदमी के परीक्षा तब होला जब ऊ अपना इच्छा से दूर हो जाला आ लुभावल जाला।
15 जब वासना गर्भ में आवेला त पाप पैदा करेला आ पाप खतम होके मौत पैदा करेला।
16 हे हमार प्रिय भाई लोग गलती मत करीं।
17 हर अच्छा वरदान आ हर सिद्ध वरदान ऊपर से आवेला आ रोशनी के पिता से नीचे आवेला, जेकरा साथे कवनो बदलाव ना होला आ ना घुमावे के परछाई।
18 उ अपना मर्जी से हमनी के सच्चाई के वचन से जनम दिहलन कि हमनी के उनकर सृष्टि के एक तरह के पहिला फल बनीं जा।
19 एह से हे हमार प्रिय भाई लोग, हर केहू सुनला में जल्दी होखे, बोले में देरी होखे, आ क्रोध में देरी होखे।
20 काहेकि आदमी के क्रोध परमेश्वर के धार्मिकता के काम ना करेला।
21 एही से नटखट के सब गंदगी आ फालतू के अलगा करऽ आ कलमल वचन के नम्रता से ग्रहण करीं जवन तोहनी के जान बचावे में सक्षम बा।
22 तू लोग वचन के पालन करे वाला होखऽ, खाली सुननिहार ना होखऽ, अपना के धोखा देत।
23 अगर केहू वचन सुने वाला बा आ पालन करे वाला ना होखे त ऊ आदमी के जइसन होला जे कांच में आपन स्वाभाविक चेहरा देखत होखे।
24 काहे कि ऊ अपना के देख के चल जाला आ तुरते भुला जाला कि ऊ कवन आदमी रहलन.
25 लेकिन जे केहू स्वतंत्रता के सिद्ध नियम के देखत बा आ ओकरा में टिकल रहेला आ ऊ भुलाए वाला सुननिहार ना होके काम करे वाला होखे, ऊ आदमी अपना काम में धन्य होई।
26 अगर तोहनी में से केहू धार्मिक समझत बा आ अपना जीभ पर लगाम ना लगावत बा आ अपना मन के धोखा देत बा त एह आदमी के धर्म व्यर्थ बा।
27 परमेस् वर आ पिता के सामने शुद्ध आ निर्मल धर्म इ ह, जवन कि अनाथ आ विधवा लोग के दुख में सामना करे आ दुनिया से अपना के बेदाग रखे।

अध्याय 2 के बा

1 हे भाई लोग, हमनी के प्रभु यीशु मसीह, महिमा के प्रभु पर विश्वास मत करीं।
2 अगर तोहनी के सभा में सोना के अंगूठी लेके बढ़िया कपड़ा पहिनले कवनो गरीब आदमी भी आव।
3 तू लोग समलैंगिक कपड़ा पहिनले वाला के आदर करत बाड़ऽ आ ओकरा से कहत बाड़ऽ कि, "तू इहाँ एगो बढ़िया जगह पर बईठऽ। आ गरीबन से कहऽ कि तू उहाँ खड़ा हो जा, ना त हमरा गोड़ के नीचे बइठ जा।
4 का तू लोग अपना में पक्षपातपूर्ण ना हईं आ बुरा विचारन के न्यायाधीश ना बन गइल बानी?
5 हे हमार प्रिय भाई लोग सुनीं, का परमेश्वर एह दुनिया के गरीबन के विश्वास से धनी आऊ ओह राज्य के वारिस ना चुनले बाड़न जवन ऊ अपना से प्रेम करे वाला लोग से वादा कइले बाड़न?
6 लेकिन तू लोग गरीबन के तुच्छ समझले बाड़ू। का अमीर लोग तोहनी के अत्याचार ना करेला आ तोहनी के न्याय के आसन के सामने ना खींचेला?
7 का उ लोग ओह योग्य नाम के निंदा नइखन करत जवना से तोहनी के बोलावल गइल बा?
8 अगर तू लोग शास्त्र के अनुसार राजकीय नियम के पूरा करब कि, "अपना पड़ोसी से अपना जइसन प्रेम करीं, त तू अच्छा करब।
9 लेकिन अगर तू लोग के प्रति आदर बा त पाप करऽ आ व्यवस्था के उल्लंघन करे वाला के रूप में विश्वास हो जाला।
10 काहेकि जे भी पूरा व्यवस्था के पालन करेला, लेकिन एकही बात में अपराध करेला, उ सब दोषी बा।
11 काहेकि जे कहलस कि व्यभिचार मत करऽ, उ इहो कहलस कि हत्या मत करऽ। अब अगर तू व्यभिचार ना करबऽ, तबो अगर तू हत्या करऽ त तू व्यवस्था के उल्लंघन करे वाला हो गइल बाड़ऽ।
12 तू लोग ओइसहीं बोलऽ आ अइसहीं करीं, जइसे कि ऊ लोग के न्याय कइल जा सकेला।
13 काहेकि जेकरा पर कवनो दया ना भइल ओकरा पर दया ना कइल जा सकेला। आ दया न्याय के खिलाफ आनन्दित होला।
14 हे भाई लोग, अगर केहू कहे कि ओकरा विश्वास बा, लेकिन ओकरा काम नईखे, त एकरा से का फायदा होई? का विश्वास ओकरा के बचा सकेला?

15 अगर कवनो भाई भा बहिन नंगा होखे आ रोज के खाना से वंचित होखे त
16 तोहनी में से केहू ओह लोग से कहत बा कि, "शांति से चल जा, गरम होके पेट भर जा। हालांकि तू लोग ओह लोग के ऊ चीज ना देब जवन शरीर खातिर जरूरी बा। एकरा से का फायदा होला?
17 ओइसहीं बिसवास अगर काम ना होखे त अकेला होके मर गइल बा।
18 हँ, केहू कह सकेला कि तोहरा विश्वास बा आ हमरा काम बा।
19 तू मानत बाड़ू कि भगवान एके हउवें। तू भलाई करत बाड़ू, शैतान भी विश्वास करेले अवुरी काँपत बाड़े।
20 हे व्यर्थ आदमी, का तू जानब कि बिना काम के विश्वास मर गइल बा?
21 का हमनी के पिता अब्राहम के काम के चलते धर्मी ना ठहरावल गईले, जब उ अपना बेटा इसहाक के वेदी प चढ़वले रहले?
22 का तू देखत बाड़ऽ कि कइसे बिसवास उनकर काम के साथे काम कइल आ काम से बिसवास सिद्ध हो गइल?
23 पवित्र शास्त्र पूरा हो गइल जवन कहत रहे कि, "अब्राहम परमेस् वर पर बिसवास कइलन आ ओकरा के धार्मिकता के रूप में गिनल गइल।"
24 तोहनी देखत बानी कि कइसे आदमी के काम से धर्मी ठहरावल जाला, खाली विश्वास से ना।
25 एही तरे राहाब वेश्या के भी काम के चलते धर्मी ना ठहरावल गईल, जब उ दूत के स्वागत क के दोसरा रास्ता से भेजले रहली?
26 जइसे बिना आत्मा के शरीर मरल बा, ओइसहीं बिना काम के विश्वास भी मरल बा।

अध्याय 3 के बा

1 हे भाई लोग, बहुत मालिक मत बनी, ई जानत कि हमनी के एकरा से बड़ दोषी ठहरावल जाई।
2 काहेकि हमनी के बहुत बात में सबके ठेस पहुँचावेनी जा। अगर केहू बात में नाराज ना होखे त उहे सिद्ध आदमी ह अवुरी पूरा शरीर प लगाम लगावे में सक्षम बा।
3 देख, हमनी के घोड़ा के मुँह में टुकड़ा डाल देनी जा ताकि उ लोग हमनी के बात मान सके। आ हमनी के ओह लोग के पूरा देह के चारों ओर घूमेनी जा।
4 ओह जहाजन के भी देखऽ जवन भले ही एतना बड़ होखे आ तेज हवा से चलावल जाला, लेकिन जहाँ-जहाँ राज्यपाल के मन करेला, बहुत छोट पतवार से घुमावल जाला।
5 ओइसहीं जीभ एगो छोट अंग ह आ बड़हन बात के घमंड करेला। देखऽ, ई केतना बड़ बात बा कि छोट-मोट आग जरत बा!
6 जीभ एगो आग ह, अधर्म के संसार ह, हमनी के अंग के बीच जीभ भी पूरा शरीर के अशुद्ध कर देला आ प्रकृति के गति के आग लगा देला। आ ओकरा के नरक के आग लगा दिहल जाला।
7 काहे कि हर तरह के जानवर, चिरई, साँप आ समुद्र में मौजूद चीजन के वश में कइल गइल बा आ मनुष्य के वश में कइल गइल बा।
8 लेकिन जीभ के केहू वश में ना कर सकेला। ई एगो बेकाबू बुराई ह, जवन घातक जहर से भरल बा।
9 हमनी के पिता परमेस् वर के आशीष देत बानी जा। आ एही से हमनी के ओह आदमी के श्राप देत बानी जा जवन भगवान के उपमा के अनुसार बनल बानी जा।
10 एके मुँह से आशीष आ गारी निकलेला। भाई लोग, ई सब अइसन ना होखे के चाहीं।
11 का फव्वारा एके जगह से मीठ आ कड़वा पानी निकलेला?
12 हे भाई लोग, का अंजीर के पेड़ जैतून के जामुन पैदा कर सकेला? या त एगो बेल, अंजीर? त कवनो फव्वारा से नमकीन पानी आ ताजा दुनु ना मिल सके.
13 तोहनी के बीच के ज्ञानी आ ज्ञान से संपन्न आदमी ह? ऊ बढ़िया बातचीत से आपन काम के नम्रता से देखावे।
14 लेकिन अगर तोहनी के दिल में कड़ुआ ईर्ष्या आ झगड़ा बा त घमंड मत करीं आ सच्चाई के खिलाफ झूठ मत बोलीं।
15 ई बुद्धि ऊपर से ना उतरेला, बलुक सांसारिक, कामुक आ शैतान के ह।
16 काहेकि जहाँ ईर्ष्या आ झगड़ा होला, उहाँ उलझन आ हर बुरा काम होला।
17 लेकिन ऊपर से आवे वाला बुद्धि पहिले शुद्ध होला, फिर शांतिप्रिय, कोमल आ सहज व्यवहार करे वाला, दया आ अच्छा फल से भरल, बिना पक्षपात के आ बिना पाखंड के।
18 शांति के फल शांति से बोवल जाला।

अध्याय 4 के बा

1 तोहनी के बीच युद्ध आ लड़ाई कहाँ से आवेला? उ लोग इहाँ से ना आवेला, तोहार कामना से जवन तोहरा अंग में लड़ाई करेला?
2 तू लोग वासना करत बाड़ू, लेकिन ना मिलल बा, मारत बाड़ू, आ पावे के चाहत बाड़ू, लेकिन ना मिल पाई।
3 तू लोग माँगत बाड़ऽ, बाकिर ना ग्रहण करत बाड़ऽ, काहे कि तू लोग गलत माँग करत बाड़ऽ, ताकि तू लोग ओकरा के अपना कामना में भस्म कर सकीले।
4 हे व्यभिचारी आ व्यभिचारी लोग, इ नई जानत कि दुनिया के दोस्ती परमेश्वर से दुश्मनी ह? एह से जे संसार के दोस्त बने के चाहत बा, उ भगवान के दुश्मन ह।
5 का तोहनी के लागत बा कि पवित्रशास्त्र बेकार में कहत हव कि, "हमनी में रहे वाला आत्मा ईर्ष्या करे के चाहत ह?"
6 लेकिन उ अउरी कृपा करेला। एही से उ कहत हव कि, "परमेशवर घमंडी लोग के विरोध करेलन, लेकिन विनम्र लोग के अनुग्रह करेलन।"
7 एह से भगवान के अधीन हो जा। शैतान के विरोध करीं, त ऊ तोहरा से भाग जाई।
8 भगवान के नजदीक आ जा, उ तोहरा नजदीक आ जइहें। हे पापी लोग, आपन हाथ साफ करऽ। आ हे दुविधा वाला, आपन दिल के शुद्ध करऽ।
9 दुखी होके शोक करऽ आ रोअऽ, तोहार हँसी शोक में बदल जाव आ तोहार खुशी के गंभीरता में बदल जाव।
10 प्रभु के सामने नम्र हो जा, त उ तोहनी के ऊपर उठा दिहे।
11 भाई लोग, एक दूसरा से बुरा मत बोलऽ। जे अपना भाई के बुराई करेला, आ अपना भाई के न्याय करेला, उ व्यवस्था के बुरा बोलेला आ व्यवस्था के न्याय करेला, लेकिन अगर तू कानून के न्याय करब त तू व्यवस्था के पालन करे वाला ना हउअ, बल्कि न्यायी हई।
12 एगो कानून बनावे वाला बा जे बचावे आ नाश करे में सक्षम बा, तू के हउअ जे दोसरा के न्याय करेला?

13 हे जे कहत बानी कि आज भा काल्ह हमनी के अइसन शहर में जाके एक साल तक ओहिजा रहब जा आ खरीद-बेच के फायदा उठाइब जा।
14 काहेकि तू लोग नइखऽ जानत कि अगिला दिने का होई। काहे कि राउर जिनगी का बा? इहाँ तक कि ई एगो वाष्प भी ह, जवन तनी देर खातिर लउकेला आ फेर गायब हो जाला।
15 काहे कि तोहनी के ई कहे के चाहीं कि अगर प्रभु चाहसु त हमनी के जिंदा रहब जा आ ई काम करब जा।
16 लेकिन अब तू लोग अपना घमंड में खुश होखब, अइसन सब खुशी बुराई ह।
17 एह से जे भलाई करे के जानत बा आ ना करेला, ओकरा खातिर पाप ह।

अध्याय 5 के बा

1 हे अमीर लोग, अब जा, तोहनी पर आवे वाला दुख के खातिर रोईं आ कूदत रहीं।
2 तोहार धन-दौलत खराब हो गइल बा, आ तोहार कपड़ा के चीर-फाड़ हो गइल बा।
3 तोहार सोना चाँदी के कंकड़ हो गइल बा। आ ओह लोग के जंग तोहरा खिलाफ गवाह बन के तोहार मांस के आग निहन खा जाई। तू लोग अंतिम दिन खातिर एक संगे खजाना के ढेर लगा देले बाड़ू।
4 देखऽ, तोहनी के खेत में कटाई करे वाला मजदूरन के किराया, जवन तोहनी में से धोखा से रोकल गइल बा, ऊ चिल्लात बा आ कटाई करे वाला लोग के पुकार सबओत के प्रभु के कान में आ गइल बा।
5 तू लोग धरती पर सुख से रहत रहलू आ बेकार हो गइल बाड़ऽ। तू लोग आपन दिल के पोषण कइले बाड़ऽ जइसे कि कत्ल के दिन में होला।
6 तू लोग धर्मी लोग के दोषी ठहरा के मार देले बाड़ऽ। आ ऊ तोहरा के विरोध ना करेला।
7 एह से भाई लोग, प्रभु के आवे तक धैर्य राखीं। देखऽ, किसान धरती के अनमोल फल के इंतजार करेला आ ओकरा खातिर बहुत दिन से धैर्य राखेला जबले ओकरा जल्दी आ बाद के बरखा ना हो जाव.
8 तूहूँ धैर्य राखीं। आपन दिल के स्थिर करीं, काहे कि प्रभु के आवे के समय नजदीक आ गईल बा।
9 भाई लोग, एक दूसरा से नाराज मत करीं, कहीं तोहनी के दोषी ना ठहरावल जा सके।
10 हे भाई लोग, प्रभु के नाम से बात करे वाला भविष्यवक्ता लोग के कष्ट भोगे आ धैर्य के उदाहरण बनाईं।
11 देखऽ, हमनी के ओह लोग के खुश मानत बानी जा जे टिकल रहेला। तू लोग अय्यूब के धैर्य के बारे में सुनले बाड़ऽ आ प्रभु के अंत देखले बाड़ऽ। कि प्रभु बहुते दयालु आ कोमल दयालु हउवें.
12 हे भाई लोग, सबकुछ से बढ़ के ना आकाश के, ना धरती के, ना कवनो दोसरा कसम के कसम मत खाईं, लेकिन तोहनी के हाँ हाँ होखे के चाहीं। आ राउर ना, ना, ना; कहीं तू लोग निंदा में ना पड़ जाइब।
13 का तोहनी में से केहू दुखी बा? ओकरा के प्रार्थना करे के चाहीं। कवनो मस्त बा का? उ भजन गावे के चाहीं।
14 का तोहनी में से केहू बेमार बा? ऊ कलीसिया के बुजुर्गन के बोलावे; उ लोग ओकरा पर प्रार्थना करस, प्रभु के नाम से ओकरा के तेल से अभिषेक करस।
15 विश्वास के प्रार्थना से बेमार लोग के बचावल जा सकेला आ प्रभु ओकरा के जिंदा कर दिहे। आ अगर ऊ पाप कइले बा त ओकरा के माफ कर दिहल जाई.
16 एक दूसरा से आपन दोष कबूल करीं आ एक दूसरा खातिर प्रार्थना करीं ताकि तू लोग ठीक हो जाईं। धर्मात्मा के गंभीर प्रार्थना से बहुत फायदा होला।
17 एलियाह हमनी के जइसन जुनून के अधीन आदमी रहले, उ पूरा प्रार्थना करत रहले कि बरखा ना होखे, अवुरी तीन साल छव महीना तक धरती प बरखा ना भईल।
18 ऊ फेर से प्रार्थना कइलन त आकाश बरखा कइलस आ धरती आपन फल दिहलस।
19 भाई लोग, अगर तोहनी में से केहू सच्चाई से भटकत बा आ केहू ओकरा के बदल लेत बा।
20 ऊ जान जाव कि जे पापी के अपना रास्ता के गलती से बदल देला ऊ आदमी के मौत से बचाई आ पाप के भीड़ छिपाई।

1 पतरस के ह

अध्याय 1 के बा

1 पतरस, यीशु मसीह के एगो प्रेरित, पोंतुस, गलातिया, कप्पडोसिया, एशिया आ बिथिनिया में बिखराइल परदेसी लोग के भेजले।
2 यीशु मसीह के आज्ञाकारिता आ खून के छिड़काव खातिर आत्मा के पवित्रीकरण के द्वारा पिता परमेश्वर के पूर्वज्ञान के अनुसार चुनीं।
3 हमनी के प्रभु यीशु मसीह के पिता परमेश्वर के धन्य होखे, जे अपना प्रचुर दया के अनुसार यीशु मसीह के मुवलन में से जी उठला के द्वारा हमनी के एगो जीवंत आशा खातिर फेर से जनम देले बाड़न।
4 अविनाशी आ अशुद्ध आ फीका ना होखे वाला विरासत के, जवन तोहनी खातिर स्वर्ग में सुरक्षित बा।
5 उ लोग के विश्वास के द्वारा परमेश्वर के शक्ति से उद्धार खातिर रखल जाला जवन अंतिम समय में प्रगट होखे खातिर तैयार बा।
6 अगर जरूरत पड़ला पर कुछ समय खातिर तोहनी के बहुत खुशी हो रहल बा।
7 ताकि तोहनी के विश्वास के परीक्षा नाश होखे वाला सोना से बहुत अधिक कीमती बा, भले ही उ आग से परीक्षा होखे, लेकिन यीशु मसीह के प्रकट होखे के समय स्तुति, आदर आ महिमा के रूप में मिल सके।
8 जेकरा के ना देखले होखब, तोहनी से प्यार करेनी। तू लोग ओकरा में भले अब ओकरा के नइखऽ देखत बाड़ऽ, लेकिन विश्वास करत बाड़ऽ, लेकिन तू लोग अकथनीय आ महिमा से भरल खुशी से आनन्दित होखऽ।
9 तोहनी के विश्वास के अंत, तोहनी के आत्मा के उद्धार मिलत बा।
10 जवना के उद्धार के बारे में भविष्यवक्ता लोग पूरा तरह से पूछताछ कइले बा आ खोजले बा कि ऊ लोग तोहनी पर आवे वाला अनुग्रह के बारे में भविष्यवाणी कइले बा।
11 ई खोजत रहनी कि मसीह के आत्मा जवन ओह लोग में रहे, ऊ कवना समय के संकेत देत रहे, जब ऊ पहिले से मसीह के दुख आ ओकरा बाद के महिमा के गवाही देत रहे।
12 जेकरा पर ई प्रगट भइल कि ऊ लोग अपना खातिर ना, बलुक हमनी के सेवा करत रहे, जवन अब तोहनी के सुसमाचार के प्रचार करे वाला लोग स्वर्ग से उतरल पवित्र आत्मा के साथे सुनवले बा। जवना चीजन के स्वर्गदूत देखल चाहत बाड़े।
13 एही से आपन मन के कमर बान्ह के सोझ रहऽ आ अंत तक ओह अनुग्रह के आशा राखीं जवन यीशु मसीह के प्रकटीकरण के समय तोहनी पर ले आवल जाई।
14 आज्ञाकारी लइका के रूप में आपन अज्ञानता में पहिले के इच्छा के अनुसार मत बनाईं।
15 लेकिन जइसे तोहनी के बोलवले बा, ओइसहीं तोहनी हर तरह के व्यवहार में पवित्र रहीं।
16 काहे कि लिखल बा कि, "पवित्र रहऽ। काहे कि हम पवित्र हईं।
17 अगर रउवां पिता के पुकारत बानी, जे हर आदमी के काम के हिसाब से बिना कवनो आदर के न्याय करेलन, त आपन प्रवास के समय डेरा के इहाँ बिताईं।
18 काहेकि तू लोग जानत बाड़ऽ कि तोहनी के नाशवान चीजन से, जइसे कि चाँदी आ सोना, से मुक्ति ना मिलल बा, जवन तोहनी के आपन पूर्वज के परंपरा से मिलल व्यर्थ व्यवहार से मुक्ति मिलल बा।
19 लेकिन मसीह के अनमोल खून से, जइसे कि एगो मेमना के निर्दोष आ बिना दाग के खून के रूप में।
20 उ दुनिया के सृष्टि से पहिले से पहिले से तय भईल रहले, लेकिन इ अंतिम समय में तोहनी खातिर प्रकट भईले।
21 ऊ लोग उनकरा द्वारा परमेस् वर पर बिसवास करेलन, जे उनकरा के मुवलन में से जिंदा कर के उनकर महिमा दिहलन। ताकि तोहार विश्वास अउर आशा परमेश्वर में होखे।
22 तू लोग आत् मा के द्वारा सच्चाई के पालन करके भाई लोग से बेढंगा प्रेम करे खातिर आपन आत्मा के शुद्ध कइले बाड़ऽ, ई देखऽ कि तू लोग एक दूसरा से शुद्ध मन से प्रेम करऽ।
23 हमनी के नाश होखे वाला बीज से ना, बलुक अविनाशी बीज से, परमेश्वर के वचन से नया जनम लेहनी, जवन हमेशा खातिर जिंदा रहेला।
24 काहेकि सब मांस घास नियर होला आ मनुष्य के सब महिमा घास के फूल नियर होला। घास मुरझा जाला आ ओकर फूल गिर जाला।
25 लेकिन प्रभु के वचन हमेशा खातिर बनल रहेला। आ इहे उ वचन ह जवन सुसमाचार के द्वारा तोहनी के सुनावल जाला।

अध्याय 2 के बा

1 एह से सब दुर्भावना, सब छल, पाखंड, ईर्ष्या आ सब बुराई के एक तरफ छोड़ दीं।
2 नवजात शिशु के रूप में वचन के निश्छल दूध के इच्छा करीं ताकि तू लोग ओकरा से बढ़ सकी।
3 अगर तू लोग चखले बाड़ऽ कि प्रभु कृपालु हउवन।
4 ओकरा के जिंदा पत्थर निहन आवे के अनुमति आदमी के ना ह, लेकिन परमेश्वर के चुनल अवुरी कीमती।
5 तोहनी भी जीवंत पत्थर के रूप में एगो आध्यात्मिक घर, पवित्र पुरोहिताई के रूप में बनल बानी, जवना से आध्यात्मिक बलिदान चढ़ावल जा सकेला, जवन यीशु मसीह के द्वारा परमेश्वर के स्वीकार्य होखे।
6 एही से पवित्रशास्त्र में इहो कहल गइल बा कि, "देखऽ, हम सियोन में एगो प्रमुख कोना के पत्थर रखले बानी, चुनल आ कीमती।
7 एह से तोहनी खातिर जे विश्वास करेलन, उ अनमोल बा, लेकिन जे लोग आज्ञा ना मानत बा, ओकरा खातिर उ पत्थर जवना के निर्माण करे वाला लोग ना मनले, उहे कोना के सिर बन गईल बा।
8 आ वचन के ना माने वाला लोग के ठोकर खाए वाला पत्थर आ अपराध के चट्टान।
9 लेकिन तू लोग एगो चुनल पीढ़ी, राजकीय पुरोहिताई, पवित्र राष्ट्र, एगो विशिष्ट लोग हउअ। ताकि तू लोग उनकर स्तुति के बात बताईं जे तोहनी के अन्हार से आपन अद्भुत रोशनी में बोलवले बा।
10 पहिले उ लोग कवनो प्रजा ना रहे, लेकिन अब परमेश्वर के प्रजा बन गईल बा।
11 प्रिय प्रियजन, हम तोहनी से परदेशी आ तीर्थयात्री के रूप में निहोरा करत बानी कि शारीरिक वासना से परहेज करीं जवन आत्मा के खिलाफ लड़ाई करेला।
12 गैर-यहूदी लोग के बीच आपन बातचीत ईमानदार राखीं ताकि जब उ लोग तोहनी के खिलाफ बुराई के रूप में बोलत बाड़े, त उ

लोग तोहनी के अच्छा काम से, जवन उ लोग देखिहे, उ लोग दण्ड के दिन परमेश्वर के महिमा कर सके|
13 प्रभु के खातिर आदमी के हर नियम के अधीन हो जाईं, चाहे ऊ राजा के होखे, जवन कि सर्वोच्च होखे।
14 राज्यपालन के, जइसे कि ऊ लोग के भेजल जाला, जेकरा के बुराई के सजा देवे खातिर आ भलाई करे वाला के तारीफ करे खातिर भेजल जाला।
15 काहेकि परमेस् वर के इच् छा इहे ह कि भलाई कर के तू लोग मूर्ख लोग के अज्ञानता के चुप करऽ।
16 आज़ाद के रूप में, आ अपना आजादी के दुराचार के चोगा में ना इस्तेमाल करीं, बल्कि परमेश्वर के सेवक के रूप में इस्तेमाल करीं।
17 सब आदमी के आदर करीं। भाईचारा से प्यार बा। भगवान से डेराईं। राजा के सम्मान करीं।
18 सेवक लोग, पूरा डर से अपना मालिकन के अधीन रहीं। खाली नीमन आ कोमल लोग के ना, बलुक फूहड़ लोग के भी।
19 अगर केहू परमेस् वर के प्रति विवेक के चलते दुख सहत बा आ गलत तरीका से कष्ट उठावत बा त इ धन्यवाद के लायक बा।
20 अगर तोहनी के गलती के चलते मारल जाला त धीरज से ओकरा के पकड़ब त एकर कवन महिमा होई? लेकिन अगर तू लोग भलाई करब आ ओकरा खातिर कष्ट उठावेनी त ओकरा के धैर्य से लेत बानी त भगवान के ई बात स्वीकार्य बा।
21 काहेकि तोहनी के एही खातिर बोलावल गइल बा, काहेकि मसीह भी हमनी खातिर कष्ट उठा के हमनी के एगो मिसाल छोड़ के चल गइलन कि तू लोग उनकर कदम पर चली।
22 ऊ कवनो पाप ना कइलन आ ना ही ओकरा मुँह में धोखा मिलल।
23 जब ओकरा के गारी दिहल गइल त ऊ फेर से गारी ना दिहलन। जब ओकरा दुख भइल त ऊ धमकी ना दिहलसि. लेकिन धर्मी न्याय करे वाला के अपना के सौंप देले।
24 ऊ अपना शरीर में हमनी के पाप के पेड़ पर उठा के हमनी के पाप के मरल होके धार्मिकता खातिर जिए के काम कर दिहलस।
25 काहेकि तू लोग भटकत भेड़ नियर रहलू। बाकिर अब रउरा सभे के आत्मा के चरवाहा आ बिशप के लगे वापस आ गइल बानी.

अध्याय 3 के बा

1 ओइसहीं हे मेहरारू लोग, अपना पति के अधीन रहऽ। ताकि अगर केहू वचन के बात ना मानेला त उहो पत्नी के बातचीत से बिना वचन के जीत सके।
2 जबकि ऊ लोग राउर पतिव्रता बातचीत के डर के साथे-साथे देखत बा।
3 जेकर सजावल बाल गुनना, सोना के पहिरल भा कपड़ा पहिरे के बाहरी सजावट ना होखे।
4 लेकिन उ दिल के छिपल आदमी होखे, जवन नाश ना होखे, उ नम्र आ शांत आत्मा के आभूषण होखे, जवन परमेश्वर के नजर में बहुत कीमती बा।
5 काहेकि पुरान समय में पवित्र औरत भी जे परमेश्वर पर भरोसा करत रहली आ अपना पति के अधीन होके अपना के सजवले रहली।
6 जइसे सारा अब्राहम के बात मानत रहली आ ओकरा के मालिक कहत रहली, जबले तू लोग बढ़िया काम करत बाड़ू, तब तक तू उनकर बेटी हईं आ कवनो अचरज से ना डेरात होखब।
7 ओइसहीं हे पति लोग, ओह लोग के साथे ज्ञान के अनुसार रहऽ, पत्नी के आदर करीं, जइसे कि कमजोर बर्तन के, आ जीवन के अनुग्रह के उत्तराधिकारी होखब। कि राउर दुआ में बाधा ना आवे।
8 अंत में, रउआ सभे एक विचार के रहीं, एक दूसरा पर दया करीं, भाई लोग के तरह प्रेम करीं, दयालु रहीं, शिष्ट रहीं।
9 बुराई के बदला बुराई के बदला ना देवे के चाही, ना निंदा के बदला में गारी देवे के। ई जानत कि तू लोग ओकरा खातिर बोलावल गइल बाड़ऽ, कि तोहनी के आशीष के उत्तराधिकारी होखबऽ।
10 काहेकि जे जीवन से प्यार करे आ अच्छा दिन देखे के चाहत बा, उ आपन जीभ बुराई से परहेज करे आ अपना होठ से कवनो धोखा ना बोले।
11 बुराई से परहेज करे आ भलाई करे। ऊ शांति के खोज करे आ ओकर पालन करे।
12 काहेकि प्रभु के नजर धर्मी लोग पर बा आ उनकर कान उनकर प्रार्थना खातिर खुलल बा, लेकिन प्रभु के चेहरा बुराई करे वाला लोग के खिलाफ बा।
13 अगर तू लोग भलाई के अनुयायी होखब त तोहनी के नुकसान पहुंचावे वाला के होई?
14 लेकिन अगर तू लोग धर्म के खातिर कष्ट उठावत बानी त खुश बानी, आ ओह लोग के भय से मत डेराईं आ ना घबराईं।
15 लेकिन प्रभु परमेस् वर के अपना मन में पवित्र करीं, आ हर आदमी के जवाब देवे खातिर हमेशा तइयार रहीं, जे तोहनी से जवन आशा के कारण पूछत बा, ओकरा के नम्रता आ भय से जवाब देवे खातिर।
16 नीमन विवेक राखे के चाहीं। ताकि जब उ लोग तोहनी के बुराई के बात कहेले, जईसे कि उ लोग के शर्मिंदगी हो सके, जवन कि मसीह में तोहनी के अच्छाई के झूठा आरोप लगावेले।
17 काहेकि अगर भगवान के इच्छा होखे त बुराई के चलते कष्ट उठावे से बढ़िया बा कि तू लोग भलाई के चलते कष्ट उठावे।
18 काहेकि मसीह भी एक बेर पाप के खातिर कष्ट उठवले बाड़न, धर्मी अधर्मी लोग के खातिर, ताकि उ हमनी के शरीर में मारल जाके आत्मा के द्वारा जिंदा होके परमेश्वर के पास ले जास।
19 जेकरा से उ जेल में बंद आत्मा लोग के प्रचार कईले।
20 उ लोग कबो ना आज्ञा ना मनले, जब कबो नूह के समय में परमेश्वर के धीरज के इंतजार करत रहे, जब जहाज के तैयारी रहे, जवना में बहुत कम लोग यानी आठ लोग के पानी से बचावल गईल रहे।
21 उहे आकृति जवना से बपतिस्मा भी अब यीशु मसीह के जी उठला से (शरीर के गंदगी के दूर करे से ना, बल्कि परमेश्वर के प्रति सद्विवेक के जवाब देवे से) हमनी के बचावेला।
22 ऊ स्वर्ग में चल गइल बाड़न आ भगवान के दाहिना ओर बाड़न। स्वर्गदूत आ अधिकार आ शक्ति के उनकर अधीन कइल जा रहल बा।

अध्याय 4 के बा

1 काहेकि मसीह हमनी के खातिर शरीर में कष्ट भोगले बाड़े, तोहनी भी ओही मन से हथियार उठाईं, काहेकि जे शरीर में कष्ट भोगले बा, उ पाप से बाहर हो गईल बा।
2 अब उ आपन बाकी समय आदमी के इच्छा के मुताबिक शरीर में ना जिए, बालुक परमेश्वर के इच्छा के मुताबिक जिए।
3 हमनी के जीवन के बीतल समय से हमनी के गैर-यहूदी लोग के इच्छा के पूरा कइल काफी हो सकेला जब हमनी के कामुकता, कामुकता, शराब के अधिकता, मस्ती, भोज आ घृणित मूर्तिपूजा में चलत रहनी जा।
4 एह से उ लोग के ई बात अजीब लागेला कि तू लोग के साथे ओतने बवाल में ना भागल आ तोहनी के बुराई करत।
5 जे जिंदा आ मुअल लोग के न्याय करे खातिर तइयार बा ओकरा के हिसाब देई।
6 एही से मरल लोग के भी सुसमाचार सुनावल गईल रहे ताकि उ लोग शरीर में आदमी के अनुसार न्याय करस, लेकिन आत्मा में परमेश्वर के अनुसार जिए।
7 लेकिन सब कुछ के अंत नजदीक आ गईल बा, एहसे तू लोग सोझ रहीं अवुरी प्रार्थना के प्रति जागरूक रहीं।
8 आ सबकुछ से बढ़ के आपस में गहिराह प्रेम करीं, काहेकि प्रेम से पाप के भीड़ के ढंकल जा सकेला।
9 एक दूसरा के मेहमाननवाजी के प्रयोग बिना कवनो घृणा के करीं।
10 जइसे हर आदमी के वरदान मिलल बा, ओइसहीं एक दोसरा के सेवा करीं, जइसे कि भगवान के कई तरह के कृपा के बढ़िया भण्डारी।
11 अगर केहू बोलत बा त ऊ परमेश्वर के बात जइसन बोले। अगर केहू सेवा करेले त उ परमेश्वर के दिहल क्षमता के अनुसार काम करे, ताकि परमेश्वर के हर बात में महिमा यीशु मसीह के द्वारा होखे, जेकर स्तुति आ प्रभुत्व हमेशा खातिर होखे। आमीन के बा।
12 हे प्रियजन, तोहनी के परीक्षा में आवे वाला आगि के परीक्षा के बारे में अजीब मत समझीं जइसे कि तोहनी के साथे कवनो अजीब बात हो गइल होखे।
13 लेकिन आनन्दित रहीं काहे कि तू लोग मसीह के दुख में भाग लेवे वाला हउअ। ताकि जब उनकर महिमा प्रगट होई त तू लोग भी बहुत खुशी से खुश होखब।
14 अगर मसीह के नाम के चलते तोहनी के निंदा कईल जाला त तू लोग खुश बानी। काहे कि महिमा आ परमेश्वर के आत्मा तोहनी पर टिकल बा, ओह लोग के ओर से ओकर बुरा बात कहल जाला, लेकिन तोहनी के ओर से ओकर महिमा होला।
15 लेकिन तोहनी में से केहु के हत्यारा, चोर, दुष्ट, या दोसरा के काम में व्यस्त आदमी के रूप में कष्ट मत उठावे के चाही।
16 फिर भी अगर केहू मसीही के रूप में कष्ट उठावेला त उ शर्म ना करे। लेकिन उ एही खातिर भगवान के महिमा करे।
17 काहेकि समय आ गईल बा कि न्याय के शुरुआत परमेश्वर के घर से होखे के चाही, आ अगर उ सबसे पहिले हमनी से शुरू होखे त उ लोग के अंत का होई, जवन कि परमेश्वर के सुसमाचार के बात ना मानेला?
18 अगर धर्मी लोग के उद्धार बहुत मुश्किल से होई त अभक्त आ पापी कहाँ प्रकट होई?
19 एही से जे लोग परमेश्वर के इच्छा के अनुसार कष्ट उठावेला, उ लोग आपन प्राण के रखे के काम ओकरा के भलाई करत, जइसे कि एगो विश्वासी सृष्टिकर्ता के सौंप देस।

अध्याय 5 के बा

1 हम तोहनी के बीच के बुजुर्ग लोग के निहोरा करत बानी, जे मसीह के दुख के गवाह हवें आ प्रगट होखे वाला महिमा के भागीदार हवें।
2 तोहनी में से परमेश्वर के भेड़ के चराई करीं आ ओकर देखरेख, मजबूरी से ना, बलुक इच्छा से करीं। गंदा लाभ खातिर ना, बलुक तत्पर मन के खातिर।
3 ना त परमेस् वर के धरोहर के मालिक होखे के, बलुक झुंड के नमूना होखे के रूप में।
4 जब मुख्य चरवाहा प्रकट होई त तोहनी के एगो महिमा के मुकुट मिल जाई जवन फीका ना होई।
5 ओइसहीं हे छोटका, बड़का के अधीन रहऽ। हँ, तोहनी सभे एक दोसरा के अधीन रहीं आ विनम्रता के कपड़ा पहिन लीं, काहे कि भगवान घमंडी लोग के विरोध करेलन आ विनम्र लोग पर कृपा करेलन।
6 एही से परमेश्वर के शक्तिशाली हाथ के नीचे नम्र हो जाईं ताकि उ समय पर तोहनी के ऊपर उठा सके।
7 आपन सब चिंता ओकरा पर डाल दीं। काहेकि उ तोहनी के परवाह करेला।
8 सोझ रहऽ, सतर्क रहऽ; काहे कि तोहनी के विरोधी शैतान गर्जत शेर निहन घूम-घूम के घूमत रहेला कि उ केकरा के खा सके।
9 ई जान के कि तोहनी के दुनिया में मौजूद भाई लोग में भी उहे कष्ट पूरा हो रहल बा।
10 लेकिन सब अनुग्रह के परमेश्वर, जे हमनी के मसीह यीशु के द्वारा अपना अनन्त महिमा खातिर बोलवले बाड़े, तोहनी के कुछ देर तक कष्ट भोगला के बाद तोहनी के सिद्ध, मजबूत, मजबूत, मजबूत, बसावल।
11 उनकर महिमा आ प्रभुत्व हमेशा खातिर होखे। आमीन के बा।
12 हम तोहनी के एगो वफादार भाई सिल्वानस के द्वारा, जइसन कि हमरा लागत बा, हम संक्षेप में लिखले बानी, आग्रह करत आ गवाही देत बानी कि इहे परमेश्वर के सच्चा अनुग्रह ह, जवना में तू खड़ा बानी।
13 जवन कलीसिया बाबुल में बा, जवन तोहनी के साथे चुनल गइल बा, ऊ तोहनी के नमस्कार करत बा। आ हमार बेटा मार्कस के भी।
14 एक दूसरा के प्रेम के चुम्मा से अभिवादन करीं। रउआ सभे के शांति होखे जे मसीह यीशु में बा। आमीन के बा।

पतरस के दूसरा पत्र

अध्याय 1 के बा

1 शमौन पतरस, जे यीशु मसीह के सेवक आ प्रेरित हई, उ लोग के भेजत बानी जे परमेश्वर आ हमनी के उद्धारकर्ता यीशु मसीह के धार्मिकता के द्वारा हमनी के साथे ओइसन कीमती विश्वास मिलल बा।
2 परमेश्वर अउर हमनी के प्रभु यीशु के ज्ञान से तोहनी पर अनुग्रह आ शांति बढ़े।
3 जइसे उनकर ईश्वरीय शक्ति हमनी के जीवन आ भक्ति के सब कुछ देले बा, जे हमनी के महिमा आ सद्गुण खातिर बोलवले बा।
4 एही से हमनी के बहुत बड़हन आ अनमोल प्रतिज्ञा दिहल गइल बा, ताकि तू लोग एह से ईश्वरीय स्वभाव के भागीदार हो सकीले आ कामवासना से दुनिया में होखे वाला विनाश से बची जाइब।
5 एकरा अलावा पूरा मेहनत करके आपन विश्वास में सद्गुण जोड़ दीं। आ गुण ज्ञान के ओर;
6 आ ज्ञान के संयम के; आ संयम के धैर्य के; आ धैर्य के भक्ति करे खातिर;
7 आ भक्ति के प्रति भाई-बहिन के दया। आ भाईचारा के दयालुता के दान के।
8 अगर इ सब बात तोहनी में बा आ बहुत हो जाई त इ तोहनी के बनावेला कि हमनी के प्रभु यीशु मसीह के ज्ञान में ना त बंजर होखब आ ना ही निष्फल होखब।
9 लेकिन जेकर एह सब के कमी बा, उ आन्हर बा, दूर से देख नईखन सकत, उ भूला गईल बा कि उ अपना पुरान पाप से शुद्ध हो गईल बा।
10 एही से हे भाई लोग, आपन बोलावल आ चुनल गइला के पक्का करे खातिर पूरा मेहनत करीं, काहेकि अगर तू लोग इ सब काम करब त कबो ना गिरब।
11 काहेकि हमनी के प्रभु आ उद्धारकर्ता यीशु मसीह के अनन्त राज्य में तोहनी के बहुत सेवना होई।
12 एही से हम तोहनी के ई सब बात के हमेशा याद करे में लापरवाह ना करब, भले ही तू लोग एकरा के जानत होखब आ वर्तमान सच्चाई में मजबूत होखब।
13 हँ, हमरा लागत बा कि जबले हम एह तम्बू में रहब तबले तोहनी के याद दिला के तोहनी के उकसावे के उचित बा।
14 हम जानत हई कि हमरा इ तम्बू के जल्दिए छोड़ देवे के होई, जईसे कि हमनी के प्रभु यीशु मसीह हमरा के देखा देले बाड़े।
15 हम कोशिश करब कि हमरा मरला के बाद तोहनी के इ सब बात हमेशा याद राखल जा सके।
16 जब हमनी के अपना प्रभु यीशु मसीह के शक्ति आ आवे के बारे में तोहनी के बतावत रहनी जा त हमनी के चालाकी से बनावल दंतकथा के पालन ना कइले बानी जा, बलुक उनकर महिमा के प्रत्यक्ष गवाह रहनी जा।
17 काहेकि उ परमेस् वर परमेस् वर के ओर से आदर आ महिमा मिलल, जब उ महान महिमा से उनकरा लगे अईसन आवाज आईल कि, इ हमार प्रिय बेटा हवे, जेकरा से हम बहुत खुश बानी।
18 जब हमनी के पवित्र पहाड़ पर उनकरा साथे रहनी जा त स्वर्ग से आवे वाला इ आवाज सुननी जा।
19 हमनी के भविष्यवाणी के एगो अउरी पक्का वचन भी बा। जबले दिन भोर ना हो जाव आ तोहनी के दिल में दिन के तारा ना उठ जाव तबले तू लोग अन्हार जगह पर चमके वाला रोशनी के तरह सावधान रहब।
20 पहिले ई जान के कि पवित्रशास्त्र के कवनो भविष्यवाणी कवनो निजी व्याख्या के नइखे।
21 काहेकि ई भविष्यवाणी पुरान समय में आदमी के इच्छा से ना भइल रहे, लेकिन पवित्र आदमी पवित्र आत्मा के प्रेरणा से परमेश्वर के बात करत रहले।

अध्याय 2 के बा

1 लेकिन लोग के बीच में झूठा भविष्यवक्ता भी रहले, ठीक ओसही जइसे तोहनी में झूठा गुरु लोग होई, जे गुप्त रूप से निंदनीय पाखण्ड लेके आई, इहाँ तक कि ओकरा के खरीदे वाला प्रभु के नकारत होई अवुरी अपना प तेजी से विनाश क दिही।
2 आ बहुत लोग ओह लोग के विनाशकारी रास्ता पर चल जइहें। जेकरा चलते सच्चाई के रास्ता बुराई होई।
3 लोभ के चलते उ लोग नकली बात से तोहनी के व्यापार करीहे, जवना के फैसला बहुत दिन से ना टिकल बा अवुरी उनुकर सजा नींद नईखे।
4 अगर परमेस् वर पाप करे वाला स्वर्गदूतन के ना बख्शल, बलुक ओह लोग के नरक में फेंक के अन्हार के जंजीर में डाल दिहलन, ताकि उ लोग के न्याय खातिर सुरक्षित राखल जा सके।
5 ऊ पुरान दुनिया के ना बख्शल, बलुक आठवाँ आदमी नूह के बचा लिहलस, जे धर्म के प्रचारक रहलन आ अभक्तन के दुनिया पर जलप्रलय ले अइलन।
6 सदोम आ अमोरा शहरन के राख में बदल के ओह शहरन के उखाड़ फेंक के दोषी ठहरावल गइल आ ओकरा बाद के लोग खातिर एगो नमूना बन गइल जे लोग अभक्ति से जिए वाला बा।
7 दुष्टन के गंदा बात से परेशान धर्मी लूत के बचा लिहले।
8 (काहेकि उ धर्मी आदमी जे ओह लोग के बीच में रहेला, देख-सुनत-उनकर गैर-कानूनी काम से दिन-प्रतिदिन अपना धर्मात्मा के परेशान करत रहे।)
9 प्रभु जानत हउवें कि कइसे भगवान के भक्ति करे वाला लोग के परीक्षा से बचावल जा सकेला आ अधर्मी लोग के सजा के दिन तक सुरक्षित राखल जा सकेला।
10 लेकिन मुख्य रूप से उ लोग जे अशुद्धता के लालसा में शरीर के पालन करेले अवुरी शासन के तिरस्कार करेले। अहंकारी हवें, स्वार्थी हवें, मर्यादा के बुरा बोले से ना डेरात बाड़े।
11 जबकि स्वर्गदूत जे अधिका शक्ति आ पराक्रम में बाड़े, प्रभु के सामने ओ लोग के खिलाफ कवनो तरह के आरोप ना लगावेले।
12 लेकिन इ लोग प्राकृतिक पशु जानवर के रूप में पकड़ के नष्ट करे खातिर बनावल गईल बा, जवन बात उ लोग के समझ में नईखे आवत। आ अपना भ्रष्टाचार में एकदम नाश हो जइहें।
13 उ अधर्म के इनाम ओइसहीं पाई, जइसे कि दिन में दंगा करे के सुखद समझे वाला लोग। धब्बा आ दाग हवें, जबले ऊ लोग तोहरा साथे भोज करत घरी अपना धोखा से खेलत बा;
14 उनकर आँख व्यभिचार से भरल बा आ पाप से ना रुक सकेला। अस्थिर आत्मा के बहकावे वाला: एगो दिल जवना के ऊ लोग लोभी काम से कइले बा; गारी दिहल लइकन के :
15 ऊ लोग सही रास्ता छोड़ के भटक गइल बा आ बोसोर के बेटा बिलाम के रास्ता पर चल गइल बा, जे अधर्म के मजदूरी से प्यार करत रहे।

16 लेकिन ओकरा अपराध के चलते डांटल गईल, जवन गूंगा गदहा आदमी के आवाज में बोलत रहे, भविष्यवक्ता के पागलपन से मना कईलस।
17 ई पानी के बिना कुआँ हवें, बादल हवें, जवन तूफान से ढोवल जाला। जेकरा खातिर अन्हार के धुंध हमेशा खातिर सुरक्षित बा।
18 जब उ लोग आडंबर के बड़हन सूजन वाला बात कहेला त शरीर के लालसा से, बहुत बेहूदापन से लुभावेले कि जे शुद्ध रहले, उ लोग गलती में जिए वाला लोग से बच गईल बाड़े।
19 जबले ऊ लोग ओह लोग से आजादी के वादा करेला, ऊ लोग खुद भ्रष्टाचार के दास हवे, काहे कि जेकरा से आदमी परास्त हो जाला, ओकरा के गुलाम बनावल जाला।
20 काहेकि अगर उ लोग प्रभु आ उद्धारकर्ता यीशु मसीह के ज्ञान से दुनिया के प्रदूषण से बचे के बाद फिर से ओकरा में उलझ गईले अवुरी जीत गईले त बाद के अंत शुरू से भी खराब बा।
21 काहेकि उ लोग खातिर धार्मिकता के रास्ता ना जानले रहित, ना कि उ लोग ओकरा के जान गईला के बाद उ पवित्र आज्ञा से मुड़ जास।
22 लेकिन उ लोग के साथे सही कहावत के अनुसार भईल बा कि कुकुर फेर से अपना उल्टी में आ गईल बा। आ जवन बोअर धो के ओकरा के दलदल में लहरात रहे।

अध्याय 3 के बा

1 हे प्रियजन, हम अब तोहनी के ई दूसरा पत्र लिखत बानी। दुनो में हम तोहनी के शुद्ध मन के याद करे खातिर उकसावत बानी।
2 ताकि तू लोग पवित्र भविष्यवक्ता लोग के द्वारा पहिले कहल गइल बातन के बारे में आ हमनी के प्रभु आ उद्धारकर्ता के प्रेरित लोग के आज्ञा के बारे में याद कर सकीले।
3 पहिले ई जानत हईं कि आखिरी दिन में मजाक उड़ावे वाला लोग अइहें, जे अपना कामना के पालन करीहें।
4 ऊ पूछलन, "उनकर आवे के वादा कहाँ बा? काहे कि जबसे बाप-पिता नींद में आ गइल बाड़े, तब से सब कुछ सृष्टि के शुरुआत से जइसन रहे।
5 उ लोग एह बात से अनजान बा कि परमेश्वर के वचन से पहिले आकाश आ धरती पानी आ पानी में खड़ा रहे।
6 एही से तब के दुनिया पानी से लथपथ होके नाश हो गइल।
7 लेकिन आकाश आ धरती जवन अब बा, उहे वचन के द्वारा, अभक्त लोग के न्याय आ नाश के दिन आग खातिर सुरक्षित रखल गइल बा।
8 हे प्रियजन, एह एक बात से अनजान मत होखऽ कि प्रभु के सामने एक दिन हजार साल आ हजार साल एक दिन जइसन होला।
9 प्रभु अपना वादा में ढील नइखन करत, जइसे कि कुछ लोग ढील मानत बा। लेकिन हमनी के प्रति धीरज बा, इ नईखन चाहत कि केहु के नाश होखे, लेकिन सब लोग पश्चाताप में आवे।
10 लेकिन प्रभु के दिन रात में चोर निहन आई। जवना में आकाश बहुत शोरगुल से गुजर जाई आ तत्व उग्र गर्मी से पिघल जाई, धरती आ ओकरा में जवन काम बा ओकरा के जरा दिहल जाई।
11 इ सब बात भंग हो जाई, त तोहनी के पवित्र व्यवहार आ भक्ति में कवना तरह के व्यक्ति बने के चाहीं।
12 परमेस् वर के आवे के दिन के इंतजार करत बानी आ जल्दबाजी करत बानी, जवना में आकाश आग में आग से घुल जाई आ तत्व उग्र गर्मी से पिघल जाई?
13 फिर भी हमनी के उनकर वादा के अनुसार नया आकाश आ नया धरती के इंतजार करत बानी जा, जवना में धार्मिकता के निवास बा।
14 एह से हे प्रियजन, ई देखत कि तू लोग अइसन चीज के इंतजार करत बाड़ऽ, ताकि तोहनी के ओकरा से शांति से, निर्दोष आ निर्दोष मिल जाइब।
15 आ हिसाब लगाईं कि हमनी के प्रभु के धीरज उद्धार ह। जइसे हमनी के प्रिय भाई पौलुस भी अपना के दिहल बुद्धि के अनुसार तोहनी के लिखले बाड़े।
16 जइसे कि उनकर सब चिट्ठी में एह बातन के बारे में बतावत रहलन। जवना में कुछ बात समझल मुश्किल बा, जवना के अशिक्षित आ अस्थिर लोग अपना विनाश खातिर कुश्ती करेला, जइसे कि उ लोग बाकी शास्त्र के भी करेला।
17 एह से हे प्रियजन, ई सब बात पहिले से जानत होखब, एह से सावधान रहब कि तोहनी भी दुष्ट के गलती से दूर होके अपना दृढ़ता से गिर ना जाइब।
18 लेकिन अनुग्रह में अउर हमनी के प्रभु आ उद्धारकर्ता यीशु मसीह के ज्ञान में बढ़ीं। अब आ हमेशा खातिर उनकर महिमा होखे। आमीन के बा।

यूहन्ना के पहिला पत्र

अध्याय 1 के बा

1 जवन शुरू से रहे, जवन हमनी के सुनले बानी जा, जवन हमनी के आँख से देखले बानी जा, जवना के हमनी के देखले बानी जा आ हाथ से संभालले बानी जा, जीवन के वचन के।
2 (काहेकि जीवन प्रगट भइल रहे, आ हमनी के ओकरा के देख के गवाही देत बानी जा आ तोहनी के ऊ अनन्त जीवन देखावत बानी जा, जवन पिता के साथे रहे आ हमनी के प्रकट भइल रहे।)
3 हमनी के जवन देखले आ सुनले बानी जा, ओकरा के हमनी के बतावत बानी जा ताकि तोहनी के भी हमनी के साथे साझीदारी हो सके।
4 हमनी के इ सब बात तोहनी के लिखत बानी जा ताकि तोहनी के खुशी पूरा होखे।
5 हमनी के उनकरा बारे में जवन संदेश सुनले बानी जा आ तोहनी के बतावत बानी जा कि परमेश्वर इजोत हवें आ उनकरा में कवनो अन्हार नइखे।
6 अगर हमनी के कहत बानी जा कि हमनी के उनकर संगत बा आ अन्हार में चलत बानी जा त हमनी के झूठ बोलत बानी जा आ सच्चाई के काम ना करेनी जा।
7 लेकिन अगर हमनी के उ रोशनी में चलेनी जा, त हमनी के एक दूसरा के संगति बा, अवुरी उनुकर बेटा यीशु मसीह के खून हमनी के सभ पाप से साफ क देवेला।
8 अगर हमनी के कहत बानी जा कि हमनी के पाप नइखे त हमनी के अपना के धोखा देत बानी जा आ सच्चाई हमनी में नइखे।
9 अगर हमनी के आपन पाप कबूल करब जा त उ विश्वासी आ न्यायी हउवें कि हमनी के पाप माफ करस आ हमनी के सब अधर्म से शुद्ध करस।
10 अगर हमनी के कहत बानी जा कि हमनी के पाप नईखी कईले त ओकरा के झूठा बना देनी अवुरी उनुकर वचन हमनी में नईखे।

अध्याय 2 के बा

1 हे लइका लोग, हम ई बात तोहनी के लिखत बानी कि तू पाप मत करऽ। अगर केहू पाप करेला त हमनी के पिता के लगे एगो पैरवीकार बा, उ यीशु मसीह धर्मी हवे।
2 उ हमनी के पाप के प्रायश्चित ह, आ खाली हमनी के पाप खातिर ना, बल्कि पूरा दुनिया के पाप खातिर भी।
3 अगर हमनी के उनकर आज्ञा के पालन करेनी जा त हमनी के एही से जानत बानी जा कि हमनी के उनुका के जानत बानी जा।
4 जे कहेला कि हम ओकरा के जानत बानी आ ओकर आज्ञा के पालन ना करेला, ऊ झूठा ह आ ओकरा में सच्चाई नइखे।
5 लेकिन जे भी आपन वचन के पालन करेला, ओकरा में परमेश्वर के प्रेम सही में सिद्ध हो जाला।
6 जे कहेला कि हम ओकरा में बनल रहेला ओकरा के ओइसहीं चले के चाहीं जइसे ऊ चलत रहे।
7 भाई लोग, हम तोहनी के कवनो नया आज्ञा ना लिखत बानी, बलुक एगो पुरान आज्ञा लिखत बानी जवन तोहनी के शुरू से रहे। पुरान आज्ञा उ वचन ह जवन रउवां शुरू से सुनले बानी।
8 फिर से हम तोहनी के एगो नया आज्ञा लिखत बानी, जवन बात ओकरा में आ तोहनी में सच्चा बा, काहेकि अन्हार बीत चुकल बा आ सच्चा रोशनी अब चमकत बा।
9 जे कहेला कि हम उजाला में बानी आ अपना भाई से नफरत करेला, उ अब तक अन्हार में बा।
10 जे अपना भाई से प्रेम करेला उ उजाला में रहेला अवुरी ओकरा में ठोकर खाए के कवनो मौका नईखे।
11 लेकिन जे अपना भाई से नफरत करेला, उ अन्हार में बा, अन्हार में चलेला, लेकिन ओकरा नईखे मालूम कि उ कहाँ जात बा, काहेकी उ अन्हार ओकर आंख आन्हर क देले बा।
12 हे लइका-लइकी, हम तोहनी के लिखत बानी काहे कि ओकरा नाम के चलते तोहनी के पाप माफ हो गइल बा।
13 हे बाबूजी लोग, हम तोहनी के लिखत बानी काहे कि तू लोग ओकरा के शुरू से जानत रहलू। हे नवही लोग, हम तोहनी के लिखत बानी काहे कि तू लोग दुष्ट पर विजय पा लेले बाड़ऽ। हे लइका-लइकी, हम तोहनी के लिखत बानी, काहे कि तू लोग पिता के जानत बाड़ऽ।
14 हे बाबूजी लोग, हम तोहनी के लिखले बानी काहे कि तू लोग ओकरा के शुरू से जानत रहलू। हे नवहियन, हम तोहनी के लिखले बानी काहे कि तू लोग मजबूत बाड़ऽ, आऊ परमेश्वर के वचन तोहनी में बनल बा आ तोहनी दुष्ट पर विजय पा लेले बानी।
15 दुनिया से प्रेम मत करीं, ना दुनिया में मौजूद चीजन से। अगर केहू संसार से प्रेम करेला त पिता के प्रेम ओकरा में नइखे।
16 काहेकि दुनिया में जवन कुछ भी बा, उ शरीर के लालसा, आँख के कामना आ जीवन के घमंड, पिता से ना ह, बल्कि दुनिया के ह।
17 दुनिया आ ओकर वासना बीत जाला, लेकिन जे परमेश्वर के इच्छा के पालन करेला उ हमेशा खातिर बनल रहेला।
18 लइका लइका लोग, ई आखिरी बेर ह, आ जइसे तू सुनले बाड़ऽ कि मसीह विरोधी अइहें, अब भी बहुत मसीह विरोधी बाड़े। जवना से हमनी के जानत बानी जा कि ई आखिरी बेर बा.
19 उ लोग हमनी के बीच से निकल गईले, लेकिन उ लोग हमनी में से ना रहले। अगर उ लोग हमनी में से रहित त निस्संदेह हमनी के संगे रहित, लेकिन उ लोग बाहर निकल गईले ताकि उ लोग के पता चल सके कि उ हमनी के सब के ना हवे।
20 लेकिन तोहनी के पवित्र परमेश्वर के ओर से अभिषेक मिलल बा आ तोहनी के सब कुछ जानत बाड़ू।
21 हम तोहनी के एह से ना लिखले बानी कि तू लोग सच्चाई के नईखी जानत, बलुक एही से लिखले बानी कि तू लोग ओकरा के जानत बाड़ू आ कवनो झूठ सच्चाई से ना ह।
22 झूठा के ह, सिवाय उहे जे ईसा के मसीह हव से इनकार करेला? ऊ मसीह विरोधी हवें, जे पिता आ बेटा के नकारत बाड़न।
23 जे केहू बेटा के नकारत बा, ओकर पिता नइखे, (लेकिन) जे बेटा के स्वीकार करेला, ओकर पिता भी बा।
24 एह से उहे बात तोहनी में बनल रहे जवन तू लोग शुरू से सुनले बाड़ू। अगर तू लोग शुरू से सुनल बात तोहनी में बनल रही त तोहनी भी बेटा आ पिता में रहबऽ।
25 उ हमनी के वादा करे वाला इहे वादा ह, जवन कि अनन्त जीवन ह।
26 हम तोहनी के बहकावे वाला लोग के बारे में इ बात लिखले बानी।
27 लेकिन जवन अभिषेक तोहनी के उनकरा से मिलल बा, उ तोहनी में बनल बा, आउर तोहनी के केहू के सिखावे के जरूरत नइखे, लेकिन जईसे उहे अभिषेक रउआ के सब कुछ के बारे में

सिखावेला, उ सच्चाई ह, लेकिन झूठ ना ह, आ जईसे इ सिखवले बा तू लोग ओकरा में रहबऽ।
28 अब हे लइका-लइकी, ओकरा में बनल रहऽ। ताकि जब उ प्रकट होई त हमनी के भरोसा होखे अवुरी उनुका आवे के समय उनुका सोझा शर्म ना होखे।
29 अगर रउवां जानत बानी कि उ धर्मी हउवें त रउवां जानत बानी कि जे भी धार्मिकता करेला उ ओकरा से पैदा भइल बा।

अध्याय 3 के बा

1 देखऽ, पिता हमनी के कवन प्रेम कइले बाड़न कि हमनी के परमेश्वर के बेटा कहल जाव, एही से दुनिया हमनी के नइखे जानत, काहे कि ऊ उनका के ना जानत रहे।
2 प्रियजन, अब हमनी के परमेश्वर के बेटा हई जा, लेकिन अभी तक इ नईखे लउकत कि हमनी के का होई, लेकिन हमनी के जानतानी कि जब उ प्रकट होईहे त हमनी के उनुका निहन होखब जा। काहे कि हमनी के ओकरा के ओइसहीं देखब जा।
3 जे केहू ओकरा पर ई आशा राखेला, ऊ अपना के शुद्ध करेला, जइसे कि ऊ शुद्ध होला।
4 जे भी पाप करेला उ व्यवस्था के उल्लंघन करेला, काहेकि पाप व्यवस्था के उल्लंघन ह।
5 आऊ तोहनी जानत हई कि उ हमनी के पाप के दूर करे खातिर प्रगट भइल बा। आ ओकरा में कवनो पाप नइखे।
6 जे भी ओकरा में रहेला, उ पाप ना करेला, जे पाप करेला, उ ओकरा के ना देखले बा, ना ओकरा के जानत रहे।
7 लइका लइका लोग, केहू तोहनी के धोखा ना देवे, जे धार्मिक काम करेला, ओइसहीं धर्मी होला।
8 पाप करे वाला शैतान के ह। काहे कि शैतान शुरू से पाप करेला। एही खातिर परमेस् वर के बेटा प्रगट भईले कि उ शैतान के काम के नाश करस|
9 जे भी परमेश्वर से पैदा भइल बा, उ पाप ना करेला। काहेकि ओकर संतान ओकरा में रहेला, आ ऊ पाप ना कर सकेला, काहे कि ऊ परमेश्वर से पैदा भइल बा।
10 एही में परमेस् वर के संतान आ शैतान के संतान प्रगट होलें, जे भी धार्मिकता ना करे, उ परमेस् वर के ना हवे आ ना ही जे अपना भाई से प्रेम ना करे।
11 काहे कि तू लोग शुरू से ही इहे संदेश सुनले रहलू कि हमनी के एक दूसरा से प्रेम करे के चाहीं।
12 कैन के जइसन ना, जे ओह दुष्ट से आइल रहले आ अपना भाई के मार दिहले रहले। आ ऊ ओकरा के काहे मार दिहलसि? काहे कि ओकर आपन काम बुरा रहे, आ ओकर भाई के धर्मी।
13 हे भाई लोग, अगर दुनिया तोहनी से नफरत करेला त अचरज मत करीं।
14 हमनी के जानत बानी जा कि हमनी के मौत से जीवन में आ गईल बानी जा, काहेकि हमनी के भाई लोग से प्रेम करेनी जा। जे अपना भाई से प्रेम ना करेला, उ मौत में रहेला।
15 जे केहू अपना भाई से नफरत करेला, उ हत्यारा ह, आ तोहनी जानत हई कि कवनो हत्यारा में अनन्त जीवन ना रहेला।
16 हमनी के एही से परमेश्वर के प्रेम के पता चलेला काहे कि उ हमनी खातिर आपन जान देले बाड़े, आ हमनी के भाई लोग खातिर आपन जान देवे के चाहीं।
17 लेकिन जेकरा लगे एह दुनिया के भलाई बा आ ऊ अपना भाई के जरूरत पड़ल देखत बा आ ओकरा से करुणा के आंत बंद कर देत बा, ओकरा में भगवान के प्रेम कइसे टिकल बा?
18 हे लइका-लइकी, हमनी के बात से प्रेम मत करीं जा आ ना जीभ से। बाकिर करनी में आ सच्चाई में.
19 हमनी के एही से जानत बानी जा कि हमनी के सच्चाई के हईं जा आ ओकरा सामने आपन दिल के भरोसा देब जा।
20 अगर हमनी के दिल हमनी के दोषी ठहरावेला त परमेश्वर हमनी के दिल से बड़ बाड़े अवुरी सब कुछ जानत बाड़े।
21 हे प्रियजन, अगर हमनी के मन हमनी के दोषी ना ठहरावेला त हमनी के परमेश्वर के प्रति भरोसा बा।
22 हमनी के जवन भी माँगेनी जा, उ हमनी के ओकरा से मिल जाला, काहे कि हमनी के ओकर आज्ञा के पालन करेनी जा आ उ काम करेनी जा जवन उनुका नजर में नीक लागेला।
23 उनकर आज्ञा इहे ह कि हमनी के उनकर बेटा यीशु मसीह के नाम पर विश्वास करीं जा आ एक दूसरा से प्रेम करीं जा, जइसे कि उ हमनी के आज्ञा देले रहले।
24 जे ओकर आज्ञा के पालन करेला ऊ ओकरा में रहेला आ ऊ ओकरा में रहेला। हमनी के एही से जानत बानी जा कि उ हमनी में जवन आत्मा देले बाड़े, ओकरा से हमनी में बनल बाड़े।

अध्याय 4 के बा

1 हे प्रियजन, हर आत्मा के विश्वास मत करीं, लेकिन आत्मा के परीक्षण करीं कि उ परमेश्वर के ह कि ना, काहेकि बहुत झूठा भविष्यवक्ता दुनिया में निकल गईल बाड़े।
2 तू लोग एही से परमेस् वर के आत् मा के जान लीं कि जे भी आत् मा ई कबूल करेला कि यीशु मसीह शरीर में आइल बाड़न, उ परमेश्वर के ह।
3 जे भी आत्मा ई ना कबूल करेला कि यीशु मसीह शरीर में आइल बाड़े, उ परमेश्वर के ना ह, आ इहे मसीह विरोधी के आत्मा ह, जवना के बारे में रउवां सुनले बानी कि उ आवे वाला बा। आ अबहियों ई दुनिया में पहिलहीं से बा.
4 हे लइका-लइकी, तोहनी परमेस् वर के हईं आ ओह लोग पर विजय पा चुकल बानी, काहेकि जे तोहनी में बा, ऊ दुनिया में बा ओकरा से बड़ बा।
5 उ लोग दुनिया के हवें, एही से उ लोग दुनिया के बात करेलन, आ दुनिया उनकर बात सुनेला।
6 हमनी के परमेश्वर के हईं जा, जे परमेश्वर के जानेला उ हमनी के बात सुनेला। जे भगवान के ना ह, उ हमनी के बात ना सुनेला। एही से हमनी के सच्चाई के आत्मा के जानत बानी जा, आ गलती के आत्मा के।
7 प्रियजन, हमनी के एक दूसरा से प्रेम करीं जा, काहेकि प्रेम परमेश्वर से होला। आ जे भी प्रेम करेला ऊ भगवान से पैदा भइल ह आ भगवान के जानत बा।
8 जे प्रेम ना करेला उ परमेश्वर के ना जानेला। काहे कि भगवान प्रेम हवें।
9 एही में परमेस् वर के प्रेम हमनी के प्रति प्रगट भइल, काहेकि परमेस् वर अपना एकलौता बेटा के संसार में भेजलन ताकि हमनी के उनकरा द्वारा जिंदा हो सकीले।
10 प्रेम एही से ना ह कि हमनी के परमेश्वर से प्रेम कइले बानी जा, बल्कि उ हमनी से प्रेम करत रहलन आ अपना बेटा के हमनी के पाप के प्रायश्चित करे खातिर भेजलन।

11 हे प्रियजन, अगर परमेश्वर हमनी से एतना प्रेम कइले बाड़न त हमनी के भी एक दूसरा से प्रेम करे के चाहीं।
12 केहू भगवान के कबो ना देखले बा। अगर हमनी के एक दूसरा से प्रेम करेनी जा त भगवान हमनी में रहेले अवुरी उनुकर प्रेम हमनी में सिद्ध हो जाला।
13 हमनी के एही से जानत बानी जा कि हमनी के उनकरा में रहत बानी जा आ उ हमनी में, काहे कि उ हमनी के आपन आत्मा देले बाड़े।
14 हमनी के देखले बानी जा आ गवाही देत बानी जा कि पिता बेटा के दुनिया के उद्धारकर्ता बने खातिर भेजले बाड़न।
15 जे केहू कबूल करी कि यीशु परमेश्वर के बेटा हउवें, परमेश्वर ओकरा में रहेलन आ उ परमेश्वर में।
16 हमनी के जान गईल बानी जा आ विश्वास कईले बानी जा कि परमेश्वर हमनी के प्रति जवन प्रेम बा। भगवान प्रेम हवें; जे प्रेम में रहेला ऊ भगवान में रहेला आ भगवान ओकरा में रहेला।
17 एही से हमनी के प्रेम सिद्ध हो गईल बा ताकि हमनी के न्याय के दिन में हिम्मत होखे, काहेकि हमनी के जईसन उ बाड़े, ओसही हमनी के ए दुनिया में बानी।
18 प्रेम में कवनो डर ना होला; लेकिन सिद्ध प्रेम डर के बाहर निकालेला, काहेकि डर से यातना होला। जे डेराला ऊ प्रेम में सिद्ध ना होला।
19 हमनी के ओकरा से प्रेम करेनी जा, काहे कि उ पहिले हमनी से प्यार कईले रहले।
20 अगर केहू कहे कि हम भगवान से प्रेम करेनी आ अपना भाई से नफरत करेला त उ झूठा ह, काहेकि जे अपना भाई से प्यार ना करेला, जेकरा के उ देखले बा, उ ओकरा से प्यार कईसे करी, जेकरा के उ ना देखले बा?
21 हमनी के उनुका से इ आज्ञा मिलल बा कि जे परमेश्वर से प्रेम करेला, उ अपना भाई से भी प्यार करे।

अध्याय 5 के बा

1 जे केहू विश्वास करेला कि यीशु मसीह हवें, उ परमेश्वर से पैदा भइल ह, आ जे भी जनमल से प्रेम करेला, उ ओकरा से पैदा भइल से भी प्यार करेला।
2 जब हमनी के परमेश्वर से प्रेम करेनी जा आ उनकर आज्ञा के पालन करेनी जा त हमनी के एही से जानत बानी जा कि हमनी के परमेश्वर के संतान से प्रेम करेनी जा।
3 काहेकि परमेश्वर के प्रेम इहे ह कि हमनी के उनकर आज्ञा के पालन करीं जा, आ उनकर आज्ञा कवनो दुखद ना होखे।
4 काहेकि जवन भी परमेस् वर से जनमल बा, उ संसार पर विजय पावेला, अउर इहे जीत ह जवन दुनिया पर विजय पावेला, उहे हमनी के विश्वास ह।
5 दुनिया पर विजय पावे वाला के ह, लेकिन जे विश्वास करेला कि यीशु परमेश्वर के बेटा हउवें?
6 ई उहे हवें जे पानी आ खून से आइल रहलन, उहे यीशु मसीह हउवें। खाली पानी से ना, पानी आ खून से। आ आत्मा ही गवाही देला काहे कि आत्मा सच्चाई ह।
7 काहेकि स्वर्ग में तीन गो गवाही देवे वाला बा, पिता, वचन आ पवित्र आत्मा।
8 धरती पर तीन गो गवाही देत बाड़े, आत्मा, पानी आ खून।
9 अगर हमनी के आदमी के गवाही ग्रहण करेनी जा त परमेश्वर के गवाही अउरी बड़ होई, काहेकि उ परमेश्वर के गवाही ह जवन उ अपना बेटा के बारे में गवाही देले बाड़े।
10 जे परमेश्वर के बेटा पर विश्वास करेला, ओकरा में गवाही बा। काहे कि ऊ ओह गवाही पर विश्वास नइखे करत जवन परमेश्वर अपना बेटा के बारे में दिहले बाड़न।
11 इहे गवाही ह कि परमेश्वर हमनी के अनन्त जीवन देले बाड़े अवुरी इ जीवन उनुका बेटा में बा।
12 जेकरा बेटा बा ओकरा जीवन बा। जेकरा लगे परमेश्वर के बेटा नइखे ओकरा लगे जीवन नइखे।
13 हम तोहनी के इ सब बात लिखले बानी जे परमेश्वर के बेटा के नाम पर विश्वास करेलन। ताकि तू लोग जान सकी कि तोहनी के अनन्त जीवन बा, अउर परमेश्वर के बेटा के नाम पर विश्वास करीं।
14 हमनी के उनकरा पर भरोसा इहे बा कि अगर हमनी के उनकर इच्छा के अनुसार कुछ माँगब जा त उ हमनी के बात सुनी।
15 अगर हमनी के जानत बानी जा कि उ हमनी के जवन भी मांगेनी जा, उ हमनी के सुनत बा, त हमनी के जानत बानी जा कि हमनी के उ निहोरा बा जवन हमनी के उनुका से चाहत रहनी जा।
16 अगर केहू अपना भाई के पाप करे वाला पाप करत देख के जवन मौत के पाप ना होखे, त उ ओकरा के ओ लोग के जान दे दिही, जवन कि मौत के पाप ना करेले। मौत के पाप बा, हम इ नईखी कहत कि उ एकरा खातिर प्रार्थना करी।
17 सब अधर्म पाप ह, अउर मौत के पाप नइखे।
18 हमनी के जानत बानी जा कि जे भी परमेश्वर से पैदा भइल बा उ पाप ना करेला। लेकिन जे भगवान से पैदा भइल बा ऊ अपना के रखेला आ ऊ दुष्ट ओकरा के ना छूवेला।
19 हमनी के जानत बानी जा कि हमनी के परमेश्वर के हईं जा आ पूरा दुनिया दुष्टता में पड़ल बा।
20 हमनी के जानत बानी जा कि परमेश्वर के बेटा आके हमनी के समझ देले बाड़े, ताकि हमनी के सच्चाई के जान सकीले अवुरी हमनी के उनुका बेटा यीशु मसीह में सच्चाई में बानी। इहे सच्चा भगवान हवें, आ अनन्त जीवन हवें।
21 लइका-लइकी, मूर्ति से अपना के बचाईं। आमीन के बा।

दूसरा यूहन्ना के ह

अध्याय 1 के बा

1 बड़का चुनल मेहरारू आ ओकर लइकन के, जेकरा से हम सच्चाई में प्यार करेनी। आऊ खाली हमहीं ना, बलुक उ सब लोग भी जे सच्चाई के जानत बा।
2 सच्चाई के खातिर जवन हमनी में रहेला आ हमेशा खातिर हमनी के साथे रही।
3 पिता परमेस् वर आ पिता के बेटा प्रभु यीशु मसीह के ओर से तोहनी पर सच्चाई आ प्रेम में अनुग्रह, दया आ शांति होखे।
4 हम बहुत खुश भइनी कि हम तोहार लइकन के सच्चाई में चलत देखनी, जइसे कि हमनी के पिता के आज्ञा मिलल बा।
5 अब हम तोहरा से निहोरा करत बानी कि हम तोहरा के कवनो नया आज्ञा लिखले बानी, बलुक ऊ आज्ञा जवन हमनी के लगे शुरू से रहे, कि हमनी के एक दूसरा से प्यार करीं जा।
6 इहे प्रेम ह कि हमनी के उनकर आज्ञा के पालन करीं जा। इहे आज्ञा ह कि जइसन कि तू लोग शुरू से सुनले बाड़ऽ, ओकरा में चले के चाहीं।
7 काहेकि दुनिया में बहुत धोखेबाज आ गईल बाड़े, जवन इ ना कबूल करेले कि यीशु मसीह शरीर में आईल बाड़े। इ एगो धोखा देवे वाला आ मसीह विरोधी ह।
8 अपना के देखत रहीं कि हमनी के जवन काम कइले बानी जा ओकरा के ना गँवा दीं, बलुक हमनी के पूरा इनाम मिल जाव।
9 जे भी मसीह के शिक्षा के उल्लंघन करेला आउर मसीह के शिक्षा में ना रहेला, ओकरा लगे परमेश्वर नइखे। जे मसीह के शिक्षा में बनल रहेला, ओकरा पिता आ बेटा दुनो बा।
10 अगर केहू तोहनी के लगे आके इ शिक्षा ना ले आवे त ओकरा के अपना घर में मत ग्रहण करीं आ ना ही भगवान ओकरा के जल्दी करे के कह दीं।
11 काहेकि जे ओकरा के भगवान के जल्दी बोलावेला, उ ओकर बुरा काम में भाग लेवेला।
12 जब तोहनी के बहुत कुछ लिखे के बा, हम कागज आ स्याही से ना लिखब, लेकिन हमरा भरोसा बा कि हम तोहनी के लगे आके आमने-सामने बात करब ताकि हमनी के खुशी पूरा होखे।
13 तोहार चुनल बहिन के लइका तोहरा के अभिवादन करत बाड़े। आमीन के बा।

तीसरा जॉन के बा

अध्याय 1 के बा

1 बड़का गाइउस के, जेकरा से हम सच्चाई में प्यार करेनी।
2 प्रियतम, हम सब कुछ से बढ़ के चाहत बानी कि तू भी समृद्ध होखऽ आ स्वस्थ रहऽ, जइसे तोहार आत्मा के समृद्धि होला।
3 जब भाई लोग आके तोहरा में जवन सच्चाई बा ओकरा बारे में गवाही देके हम बहुत खुश भइनी, जइसे तू सच्चाई में चलत रहलू।
4 हमरा ई सुनला से बड़हन खुशी नइखे कि हमार लइका सच्चाई में चलत बाड़े।
5 हे प्रियतम, तू जवन कुछ भाई लोग आ परदेशी लोग के साथे करऽ, ओकरा के निष्ठा से करऽ।
6 जे लोग कलीसिया के सामने तोहार प्रेम के गवाही देले बा, अगर तू ओकरा के भक्ति के तरीका से आगे बढ़ाईब त तू अच्छा करब।
7 काहे कि उनकर नाम खातिर उ लोग गैर-यहूदी लोग से कुछ ना लेत निकलल।
8 एह से हमनी के अइसन लोग के ग्रहण करे के चाहीं ताकि हमनी के सच्चाई के साथी बन सकीले।
9 हम कलीसिया के लिखले बानी, लेकिन डायोत्रेफिस, जे ओह लोग में से प्रमुखता पावे के चाहत बाड़े, उ हमनी के स्वागत नईखन करत।
10 एही से अगर हम आईब त हम ओकर काम याद करब जवन उ हमनी के खिलाफ दुर्भावनापूर्ण बात से बकबक करेले, अवुरी ओकरा से संतुष्ट ना होखेले अवुरी ना ही उ खुद भाई लोग के स्वागत ना करेले अवुरी चाहत लोग के मना करेले अवुरी कलीसिया से बाहर निकाल देले।
11 प्रियजन, बुराई के पालन मत करीं, बलुक अच्छाई के पालन करीं। जे भलाई करेला उ परमेश्वर के ह, लेकिन बुराई करे वाला भगवान के ना देखले।
12 देमेत्रियुस के सब लोग के आ खुद सच्चाई के बारे में बढ़िया खबर बा। आ तू लोग जानत बाड़ऽ कि हमनी के गवाही सही बा।
13 हमरा लगे बहुत कुछ लिखे के रहे, लेकिन हम स्याही आ कलम से तोहरा के ना लिखब।
14 लेकिन हमरा भरोसा बा कि हम तोहरा के जल्दीए देखब आ हमनी के आमने-सामने बात करब जा। तोहरा के शांति होखे। हमनी के दोस्त तोहरा के नमन करत बाड़े। दोस्तन के नाम से अभिवादन करीं।

ऊजूड के ह

अध्याय 1 के बा

1 यहूदा, यीशु मसीह के सेवक आ याकूब के भाई, जे लोग पिता परमेश्वर के द्वारा पवित्र कइल गइल बा आ संरक्षित कइल गइल बा
यीशु मसीह में, अउर कहल जाला:
2 तोहनी पर कृपा आ शांति आ प्रेम बढ़े।
3 प्रियजन, जब हम तोहनी के सामान्य उद्धार के बारे में लिखे के पूरा कोशिश कईनी त हमरा खातिर जरूरी रहे
रउरा के लिखत बानी आ रउरा के निहोरा करत बा कि कबो संतन के दिहल विश्वास खातिर गंभीरता से लड़ीं
सौंपल गइल बा.
4 काहे कि कुछ लोग अनजाने में घुस गईल बाड़े, जवन कि एह न्याय खातिर पहिले से तय बा, दुष्ट बाड़े
लोग जे हमनी के परमेश्वर के कृपा के आजादी में बदल देला अउर एकमात्र प्रभु परमेश्वर अउर हमनी के प्रभु यीशु मसीह
त्याग कर दिहले बाड़न
5 तब हम तोहनी के याद दिआइब, हालांकि तू कबो जानत रहलू कि प्रभु, लोग के बाहर भेजला के बाद
मिस्र के बचा लिहलस, फेर अविश्वासी लोग के नाश क दिहलस।
6 जे स्वर्गदूत आपन पहिला स्थान ना रखले, लेकिन आपन निवास छोड़ के चल गईले, उ लोग के नीचे अनन्त जंजीर में बान्हल बा
महान दिन के न्याय तक अन्हार के रखल गईल।
7 ठीक ओइसहीं सदोम आ अमोरा आ ओकरा आसपास के शहरन के तरह, अपना के व्यभिचार आ...
अजीब मांस के पीछे चलल, उदाहरण के रूप में बनल, जबकि उ लोग अनन्त आग के बदला भोगेला।
8 ओइसहीं ई गंदा सपना देखे वाला लोग शरीर के अशुद्ध करेला, प्रभुत्व के तिरस्कार करेला आ मर्यादा के बुराई करेला।
9 लेकिन मिकेल महादूत जब मूसा के लाश के लेके जवन शैतान से झगड़ा कईले रहले त उ ना कईले
ओकरा पर निंदा करे के हिम्मत ना कइलन बाकिर कहलन कि प्रभु रउरा के डांटसु.
10 लेकिन उ लोग जवन बात नईखन जानत उ बात के बुराई करेले। बाकिर जवन ऊ लोग स्वभाव से जानत बा, क्रूर जानवरन का तरह, ओकरा से ऊ लोग अपना के नाश कर देला.
11 ओह लोग के हाय! काहे कि उ लोग कैन के रास्ता में चल गईले अवुरी लालच से बिलाम के गलती के पीछे भाग गईले
इनाम दिहल, आ कोर के विरोधाभास में नाश हो गइल.
12 ई सब तोहनी के प्रेम के भोज पर दाग ह, जब उ लोग तोहनी के साथे भोज करेला आ बिना डर के आपन खाना खियावेला
का ऊ लोग पानी के बिना, हवा के चलते घूमत रहेला। जवना पेड़ के फल मुरझा जाला, बिना फल के, दु बेर मरल, के...
जड़ के उखाड़ फेंकल गइल;
13 समुंदर के उग्र लहर, जवन आपन लाज के झाग पैदा करत रहे। भटकत तारा, जेकरा के अन्हार के...
अन्हार हमेशा खातिर सुरक्षित बा।
14 आदम से सातवाँ हनोक भी उनकरा बारे में भविष्यवाणी कइलन आ कहलन कि देखऽ, प्रभु दस हजार लोग के साथे आवत बाड़न
उनकर संत लोग,
15 सबके पर न्याय करे खातिर अउर उनकरा में से सब दुष्ट लोग के आपन सब दुष्ट काम के दोषी ठहरावे खातिर
जवन उ लोग दुष्ट तरीका से कईले बाड़े अवुरी उ लोग के सभ कठोर बात के बारे में जवन दुष्ट पापी उनुका खिलाफ बोलले बाड़े।
16 ई लोग गुनगुनाहट करे वाला हउवें आ अपना मन के मुताबिक चले वाला लोग हउवें. आ ओह लोग के मुँह बहुते उत्साह बोलत बा
शब्द, लोग के फायदा उठावे के प्रशंसा के साथे।
17 हे प्रियजन, हमनी के प्रभु यीशु मसीह के प्रेरित लोग के द्वारा पहिले कहल गइल बात के याद करीं।
18 उ लोग तोहके कईसे बतवले कि आखिरी समय में मजाक उड़ावे वाला लोग जरूर होई, जवन कि अपना दुष्ट के मुताबिक
वासना के चले के पड़ेला।
19 इ उहे लोग हवे जे बिना आत्मा के कामुकता से अलगा हो जाला।
20 लेकिन हे प्रियजन, पवित्र आत्मा से प्रार्थना करत घरी आपन परम पवित्र विश्वास पर अपना के बढ़ाईं,
21 जब तक हमनी के प्रभु यीशु मसीह के दया के इंतजार करत रहब, तब तक अपना के परमेश्वर के प्रेम में रखीं
अनन्त जीवन के बा।
22 कुछ लोग के साथे दया करीं, जवना से फर्क पड़ेला।
23 अउर कुछ लोग आग से निकाल के डर से बचावेला। मांस से दागदार कपड़ा से भी नफरत करे।
24 जे तोहनी के गिरला से बचावे में सक्षम बा आ तोहनी के अपना महिमा के सामने निर्दोष पेश करे में सक्षम बा
बहुत खुशी से सेट कइल गइल,
25 एकलौता ज्ञानी परमेश्वर, हमनी के उद्धारकर्ता के, महिमा आ महिमा, प्रभुत्व आ शक्ति, अब आ हमेशा से होखे। आमीन के बा

प्रकाशितवाक्य के किताब

अध्याय 1 के बा

1 यीशु मसीह के प्रकाशितवाक्य जवन परमेश्वर उनुका के देले रहले कि उ अपना सेवकन के उ बात बतावे जवन जल्दिए होखे वाला बा। उ अपना सेवक यूहन्ना के अपना दूत के द्वारा भेज के इ बात के संकेत देले।
2 उ परमेश्वर के वचन, यीशु मसीह के गवाही के गवाही देत रहलन, अउर उ सब कुछ के गवाही देत रहलन।
3 धन्य बा जे एह भविष्यवाणी के वचन के पढ़े आ ओकरा में लिखल बात के पालन करे, काहे कि समय नजदीक आ गइल बा।
4 यूहन्ना एशिया के सात गो कलीसिया के कहलन कि जे बा, जवन रहे, आ आवे वाला बा, तोहनी पर कृपा आ शांति होखे। आ सात गो आत्मा से जवन उनकर सिंहासन के सामने बा।
5 ईसा मसीह से, जे विश्वासी गवाह हवें, आ मुवलन में से पहिला बेटा आ धरती के राजा लोग के राजकुमार हवें। जे हमनी से प्रेम कइलस आ अपना खून से हमनी के पाप से धो दिहलस।
6 उ हमनी के परमेश्वर आउर उनकर पिता के राजा आ याजक बनवले बा। उनकर महिमा आ प्रभुत्व हमेशा खातिर होखे। आमीन के बा।
7 देखऽ, ऊ बादल के साथे आवत बा। आ हर आँख ओकरा के देखाई आ ओकरा के छेदे वाला भी, आ धरती के हर जाति ओकरा खातिर विलाप करी। तबो, आमीन।
8 हम अल्फा आ ओमेगा हईं, शुरुआत आ अंत, प्रभु कहत बाड़न, जवन बा, जवन रहे, आ आवे वाला बा, सर्वशक्तिमान।
9 हम यूहन्ना, जे तोहार भाई हईं आ कष्ट में, यीशु मसीह के राज्य आ धैर्य में साथी हईं, परमेश्वर के वचन आ यीशु मसीह के गवाही खातिर पतमोस नाम के द्वीप पर रहनी।
10 हम प्रभु के दिन आत्मा में रहनी आ अपना पीछे तुरही के आवाज जइसन तेज आवाज सुननी।
11 ऊ कहले, "हम अल्फा आ ओमेगा हईं, पहिला आ आखिरी हईं, आ "तू जवन देखत बाड़ऽ, ओकरा के एगो किताब में लिख के एशिया के सात गो कलीसिया में भेज दीं। इफिसुस, स्मर्ना, पर्गमोस, थियातीरा, सरदीस, फिलाडेल्फिया आ लौदीकिया तक ले।
12 हम मुड़ के उ आवाज देखनी जवन हमरा से बात करत रहे। पलटत घरी हम सात गो सोना के दीया देखनी।
13 सात गो दीया के बीच में आदमी के बेटा निहन एगो कपड़ा पहिनले अवुरी सोना के पट्टी से पट्टी पहिनले रहे।
14 उनकर माथा आ बाल ऊन नियर उज्जर आ बर्फ नियर उज्जर रहे। आ उनकर आँख आग के लौ नियर रहे।
15 ओकर गोड़ महीन पीतल नियर बा जइसे भट्ठी में जरत होखे। आ ओकर आवाज कई पानी के आवाज जइसन।
16 उनकर दाहिना हाथ में सात गो तारा रहे आ उनकर मुँह से एगो तेज दुधारी तलवार निकलल रहे आ उनकर चेहरा ओइसन रहे जइसे सूरज उनका ताकत से चमकत रहे।
17 जब हम ओकरा के देखनी त हम मरल निहन उनुका गोड़ प गिर गईनी। उ हमरा पर आपन दहिना हाथ रख के कहलस कि, मत डेरा। हम पहिला आ आखिरी हईं:
18 हम उ जिन्दा हईं आ मर गइल रहीं। आ देखऽ, हम हमेशा खातिर जिंदा बानी, आमीन; आ ओकरा लगे नरक आ मौत के चाभी बा।
19 जवन चीज तू देखले बाड़, जवन बा, ओकरा के लिखीं।
20 सात तारा के रहस्य जवन तू हमरा दाहिना हाथ में देखले रहलू आ सात गो सोना के दीया के छज्जा। सात तारा सात गो कलीसिया के स्वर्गदूत हवें आ सात गो दीया जवन तू देखले बाड़ू ऊ सात गो कलीसिया ह।

अध्याय 2 के बा

1 इफिसुस के कलीसिया के दूत के लिखीं। सात तारा के दाहिना हाथ में धइले आ सात गो सोना के दीया के बीच में चले वाला इहे कहत बा।
2 हम तोहार काम, तोहार मेहनत, आ तोहार धैर्य के जानत बानी आ कइसे तू बुराई के सहन ना कर सकेलऽ, आउर तू ओह लोग के परखले बाड़ू जे कहत बा कि ऊ प्रेरित हउवें आ ना हउवन, आ ओकरा के झूठा पा लिहले बाड़ऽ.
3 धैर्य रखले बा, आ हमरा नाम खातिर मेहनत कइले बा आ बेहोश ना भइल बा।
4 तबो हमरा तोहरा खिलाफ कुछ बा, काहे कि तू आपन पहिला प्रेम छोड़ देले बाड़ू।
5 एह से याद करऽ कि तू कहाँ से गिरल बाड़ऽ, आ पश्चाताप करऽ आ पहिला काम करऽ। ना त हम जल्दी से तोहरा लगे आके तोहार दीपक के ओकरा जगह से हटा देब, जबले तू पश्चाताप ना करबऽ।
6 लेकिन तोहरा इहे बा कि तू निकोलाईन के काम से नफरत करत बाड़ू, जवना से हम भी नफरत करतानी।
7 जेकरा कान बा, उ सुनस कि आत्मा कलीसिया से का कहत बा। जे जीत जाई ओकरा के हम जीवन के पेड़ के फल खाए के देब जवन परमेश्वर के जन्नत के बीच में बा।
8 स्मर्ना के कलीसिया के दूत के लिखीं। इहे बात पहिला आ आखिरी, जवन मरल रहे आ जिंदा बा, कहत बा।
9 हम तोहार काम, कष्ट आ गरीबी के जानत बानी, (लेकिन तू अमीर बाड़) आ हम ओह लोग के निंदा के जानत बानी जे कहत बा कि ऊ यहूदी हवें, बाकिर शैतान के आराधनालय हवें।
10 तू जवन कष्ट उठावेब ओकरा में से कवनो से मत डेराईं, देख, शैतान तोहनी में से कुछ लोग के जेल में डाल दिही ताकि तोहनी के परीक्षा मिल सके। आ तोहरा के दस दिन तक कष्ट होई, तू मौत तक वफादार रहब, त हम तोहरा के जीवन के मुकुट देब।
11 जेकरा कान बा, उ सुनस कि आत्मा कलीसिया से का कहत बा। जे जीत जाई ओकरा दूसरा मौत से कवनो नुकसान ना होई।
12 पर्गमोस के कलीसिया के दूत के लिखीं। जेकरा लगे दू धार वाला तेज तलवार बा, उ इहे कहत बा।
13 हम तोहार काम के जानत बानी आ तू कहाँ रहत बाड़, इहाँ तक कि शैतान के आसन कहाँ बा, आ तू हमार नाम के मजबूती से पकड़ले बाड़, आ हमरा विश्वास से इनकार नईखी कईले, उहो ओह दिनन में जब एंटीपास हमार वफादार शहीद रहले, जे तोहनी के बीच में मारल गईल रहले, जहां शैतान निवास करेला।
14 लेकिन हमरा तोहरा खिलाफ कुछ बात बा, काहे कि तोहरा लगे बिलाम के शिक्षा के पालन करे वाला लोग बा, जे बालाक के

इस्राएल के लोग के सामने ठोकर खाए के सिखवले रहले, मूर्ति के बलि चढ़ावल चीज़ खाए अवुरी व्यभिचार करे के सिखवले रहले।
15 तोहरा भी अइसने बा जे निकुलाई के शिक्षा के पालन करेलन, जवना से हम नफरत करेनी।
16 पश्चाताप करीं; ना त हम जल्दी से तोहरा लगे आके मुँह के तलवार से ओह लोग से लड़ब।
17 जेकरा कान बा, उ सुनस कि आत्मा कलीसिया से का कहत बा। जे जीत जाई ओकरा के हम छिपल मन्ना के खाए के देब आ ओकरा के एगो सफेद पत्थर देब आ ओह पत्थर में एगो नया नाम लिखल देब जवना के केहू ना जानत होई सिवाय ओकरा के पावे वाला के।
18 थियातीरा के कलीसिया के दूत के लिखीं। ई बात परमेश्वर के बेटा कहत बाड़न, जेकर आँख आग के लौ नियर बा आ गोड़ महीन पीतल नियर बा।
19 हम तोहार काम, प्रेम, सेवा, विश्वास, तोहार धैर्य आ तोहार काम के जानत बानी। आ आखिरी के पहिला से अधिका होखे के चाहीं.
20 हालांकि हमरा तोहरा खिलाफ कुछ बात बा, काहे कि तू ईजेबेल के मेहरारू जे अपना के भविष्यवक्ता कहेले, हमरा सेवकन के व्यभिचार करे खातिर सिखावे आ बहकावे आ मूर्तियन के बलिदान में दिहल चीज खाए के अनुमति देत बाड़ऽ।
21 हम ओकरा के अपना व्यभिचार से पश्चाताप करे के मौका देनी। आ ऊ पश्चाताप ना कइली।
22 देखऽ, हम ओकरा के बिछौना पर डाल देब आ ओकरा साथे व्यभिचार करे वाला लोग के बहुत संकट में डाल देब, जबले कि ऊ लोग अपना काम से पश्चाताप ना करी।
23 हम ओकरा लइकन के मौत से मार देब। आ सब कलीसिया जान जइहें कि हम उहे हईं जे बागडोर आ दिल के खोजत बानी, आ हम तोहनी में से हर एक के तोहनी के काम के हिसाब से देब।
24 लेकिन हम तोहनी से आ थियातीरा के बाकी लोग से कहत बानी, जे लोग के इ शिक्षा नइखे आ जे लोग शैतान के गहराई के बारे में नइखन जानत, जइसन कि उ लोग बोलत बा। हम तोहरा पर दोसर कवनो बोझ ना डालब।
25 लेकिन जब तक तोहनी के पहिले से बा, ओकरा के हम अईला तक मजबूती से पकड़ के रखले बानी।
26 जे जीत के अंत तक हमार काम के पालन करी, ओकरा के हम राष्ट्रन पर अधिकार देब।
27 ऊ लोहा के छड़ी से ओह लोग के राज करीहें। जइसे कुम्हार के बर्तन के रूप में ऊ सिहरन खातिर टूट जाई, जइसे हम अपना पिता से मिलल बानी।
28 आ हम ओकरा के भोर के तारा दे देब।
29 जेकरा कान बा, उ सुनस कि आत्मा कलीसिया से का कहत बा।

अध्याय 3 के बा

1 आ सरदीस के कलीसिया के दूत के लिखीं। जेकरा लगे परमेश्वर के सात गो आत्मा आ सात तारा बा, उ इहे कहत बा। हम तोहार काम के जानत बानी कि तोहार एगो नाम बा कि तू जिंदा बाड़ू आ मर गइल बाड़ू।
2 जागरूक रहऽ आ जवन कुछ बाचल बा ओकरा के मजबूत करऽ जवन मरला खातिर तइयार बा, काहे कि हम तोहार काम परमेस् वर के सामने सिद्ध नइखी पावल।
3 एह से याद राखीं कि तू कइसे ग्रहण कइले बाड़ऽ आ कइसे सुनले बाड़ऽ, आ मजबूती से पकड़ के पश्चाताप करऽ। अगर तू जागल ना रहब त हम चोर निहन तोहरा प आ जाईब अवुरी तू इ ना जानब कि हम कवना घड़ी तोहरा प आईब।
4 सरदीस में भी तोहार कुछ अइसन नाम बा जवन आपन कपड़ा अशुद्ध नइखे कइले। उ लोग हमरा संगे उज्जर कपड़ा पहिनले चल जईहे, काहेकि उ लोग लायक बाड़े।
5 जे जीत जाई, उ सफेद कपड़ा पहिन जाई। हम उनकर नाम जीवन के किताब से ना मिटा देब, बल्कि हम अपना पिता आ उनकर स्वर्गदूतन के सामने उनकर नाम कबूल करब।
6 जेकरा कान बा, उ सुनस कि आत्मा कलीसिया से का कहत बा।
7 फिलाडेल्फिया के कलीसिया के दूत के लिखीं। इहे बात कहत बा जे पवित्र बा, सच्चा बा, दाऊद के चाभी बा, खोलत बा आ केहू बंद ना करत बा। बंद हो जाला आ केहू ना खुलेला।
8 हम तोहार काम के जानत बानी, देख, हम तोहरा सामने एगो खुलल दरवाजा रखले बानी, आ ओकरा के केहू बंद ना कर सकेला, काहेकि तोहरा लगे तनी ताकत बा, आऊ हमार बात के पालन कइले बाड़ आ हमरा नाम से इनकार नइखी कइले।
9 देखऽ, हम ओह लोग के शैतान के आराधनालय में से बना देब, जे कहत बा कि ऊ लोग यहूदी ह, बाकिर ऊ ना ह, बाकिर झूठ बोलत बा. देखऽ, हम ओह लोग के तोहरा गोड़ के सोझा आके पूजा करे के आ ई बता देब कि हम तोहरा से प्रेम कइले बानी।
10 काहे कि तू हमार धैर्य के वचन के पालन कइले बाड़ऽ, हम तोहरा के ओह परीक्षा के घड़ी से बचाइब जवन पूरा दुनिया पर आवे वाला बा, ताकि धरती पर रहे वाला लोग के परखल जा सके।
11 देखऽ, हम जल्दी से आवत बानी, जवन तोहरा लगे बा ओकरा के मजबूती से पकड़ीं ताकि केहू तोहार मुकुट ना ले सके।
12 जे जीत हासिल करी ओकरा के हम अपना परमेश्वर के मंदिर में एगो खंभा बना देब आ ऊ अब बाहर ना निकली आ ओकरा पर अपना परमेश्वर के नाम आ अपना परमेश्वर के शहर के नाम लिखब जवन नया यरूशलेम ह , जवन हमरा परमेश्वर के ओर से स्वर्ग से उतरल बा, आ हम ओकरा पर आपन नया नाम लिखब।
13 जेकरा कान बा, उ सुनस कि आत्मा कलीसिया से का कहत बा।
14 लौदीकिया के कलीसिया के दूत के लिखीं। इहे बात कहत हव कि हमनी के विश्वासी आ सच्चा गवाह, परमेश्वर के सृष्टि के शुरुआत ह।
15 हम तोहार काम के जानत बानी कि तू ना ठंडा बाड़ू ना गरम।
16 तब काहे कि तू गुनगुना हउअ आ ना ठंडा आ ना गरम, हम तोहरा के अपना मुँह से निकाल देब।
17 काहे कि तू कहत हव कि हम अमीर हईं आ सम्पत्ति से बढ़ल बानी आ हमरा कुछुओ के जरूरत नइखे। आऊ नइख जानत कि तू दयनीय, दयनीय, गरीब, आन्हर आ नंगा हउअ।
18 हम तोहरा के सलाह देत बानी कि हमरा से आग में छाटल सोना खरीद लीं ताकि तू अमीर हो सकीले। आ सफेद कपड़ा पहिन लीं कि तू कपड़ा पहिन सकीले आ तोहरा नंगापन के लाज ना लउके। आ आँख के दवाई से अभिषेक करीं ताकि तू देख सकीले।

19 जेकरा से हम प्रेम करेनी, ओकरा के डांटत बानी आ ताड़त बानी, एहसे जोश में रहऽ आ पश्चाताप करीं।
20 देखऽ, हम दुआर पर खड़ा होके खटखटावत बानी, अगर केहू हमार आवाज सुन के दरवाजा खोलब त हम ओकरा लगे आके ओकरा साथे खाना खइब आ ऊ हमरा साथे।
21 जे जीत जाई ओकरा के हम अपना सिंहासन पर अपना साथे बइठे के अनुमति देब, जइसे हम जीत गइल बानी आ अपना पिता के साथे उनकर सिंहासन पर बइठल बानी।
22 जेकरा कान बा, उ सुनस कि आत्मा कलीसिया से का कहत बा।

अध्याय 4 के बा

1 एकरा बाद हम देखनी त देखनी कि स्वर्ग में एगो दरवाजा खुलल रहे, आ हम जवन पहिला आवाज सुननी उ तुरही निहन रहे जवन हमरा संगे बतियावत रहे। जवन कहत रहे कि, "इहाँ चढ़ जा, हम तोहरा के ओह बात के देखा देब जवन बाद में होखे वाला बा।"
2 तुरते हम आत्मा में आ गईनी, आ देखनी कि स्वर्ग में एगो सिंहासन बईठल रहे अवुरी एगो सिंहासन प बईठल रहे।
3 बईठल आदमी के नजर यास्पर आ सार्डिन के पत्थर निहन रहे अवुरी सिंहासन के चारो ओर इंद्रधनुष रहे, जवन पन्ना निहन लउकत रहे।
4 सिंहासन के चारो ओर चार बीस सीट रहे आ ओह आसन पर हम चार बीस गो बुजुर्ग लोग के सफेद कपड़ा पहिनले बइठल देखनी। आ ओह लोग के माथा पर सोना के मुकुट रहे।
5 सिंहासन से बिजली, गरज आ आवाज निकलल आ सिंहासन के सामने सात गो आग के दीया जरत रहे जवन परमेश्वर के सात गो आत्मा ह।
6 सिंहासन के सामने स्फटिक नियर कांच के समुंदर रहे आ सिंहासन के बीच आ सिंहासन के चारो ओर चार गो जानवर सामने आ पीछे आँख से भरल रहे।
7 पहिला जानवर शेर निहन, दूसरा जानवर बछड़ा निहन अवुरी तीसरा जानवर के चेहरा आदमी निहन रहे अवुरी चउथा जानवर उड़त चील निहन रहे।
8 चारो जानवरन के चारो ओर छह गो पाँख रहे। ऊ लोग भीतर आँख से भरल रहे आ दिन रात आराम ना करेला आ कहत रहे कि, "पवित्र, पवित्र, पवित्र, सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर, जे रहे, बा आ आवे वाला बा।"
9 जब ऊ जानवर सिंहासन पर बइठल आदमी के महिमा आ आदर आ धन्यवाद देत बाड़े, जे हमेशा से जिंदा रहेला।
10 चार बीस बुजुर्ग सिंहासन पर बइठल आदमी के सामने गिर के युगों-युगों तक जिंदा रहे वाला के पूजा करेलन आ सिंहासन के सामने आपन मुकुट डाल के कहत बाड़े।
11 हे प्रभु, तू महिमा, आदर आ शक्ति पावे के लायक बाड़ू, काहेकि तू सब कुछ के रचले बाड़ू, आ तोहरा खुशी खातिर उ सब बनल बा।

अध्याय 5 के बा

1 हम सिंहासन पर बइठल के दाहिना हाथ में एगो किताब देखनी जवन भीतर आ पीछे लिखल रहे आ ओकरा पर सात गो मोहर लगावल गइल रहे।
2 हम देखनी कि एगो मजबूत स्वर्गदूत जोर से घोषणा करत रहले कि, किताब खोले आ ओकर मोहर खोले के लायक के बा?
3 स्वर्ग में, ना धरती में, ना धरती के नीचे केहु किताब खोले में सक्षम ना रहे, ना ओकरा के देख सकत रहे।
4 हम बहुत रोवत रहनी काहे कि केहू किताब खोले आ पढ़े आ ओकरा के देखे लायक ना मिलल।
5 एगो बुजुर्ग हमरा से कहलस कि, मत रोईं, देखऽ, यहूदा के गोत्र के शेर, दाऊद के जड़, किताब खोले आ ओकर सात गो मोहर खोले में जीत हासिल कइले बा।
6 हम देखनी, आ देखनी, सिंहासन आ चारो जानवर आ बुजुर्गन के बीच में एगो मेमना जइसन कि ओकरा के मारल गइल रहे, सात गो सींग आ सात गो आँख वाला खड़ा रहे, जवन सात गो आत्मा ह भगवान के पूरा धरती में भेजल गइल।
7 ऊ आके सिंहासन पर बइठल के दाहिना हाथ से किताब निकाल लिहले।
8 जब ऊ किताब ले लिहले त चारो जानवर आ चार बीस गो बुजुर्ग मेमना के सामने गिर गइलन आ हर केहू के वीणा आ गंध से भरल सोना के कड़ाही रहे जवन पवित्र लोग के प्रार्थना ह।
9 ऊ लोग एगो नया गीत गावत कहलन कि, "तू किताब लेबे आ ओकर मोहर खोले लायक बाड़ऽ, काहे कि तू मारल गइल बाड़ऽ आ हर जाति, भाषा आ लोग से हमनी के अपना खून से भगवान के छुड़ा देले बाड़ऽ। आ राष्ट्र के नाम से जानल जाला;
10 आ हमनी के भगवान खातिर राजा आ याजक बनवले बा आ हमनी के धरती पर राज करब जा।
11 हम देखनी आ सिंहासन आ जानवरन आ बुजुर्गन के चारो ओर कई गो स्वर्गदूतन के आवाज सुननी आ ओह लोग के संख्या दस हजार गुना दस हजार आ हजारन हजार रहे।
12 ऊ जोर-जोर से कहलन, "उ मेमना जे मारल गइल बा, ऊ शक्ति, धन, बुद्धि, बल, आदर, महिमा आ आशीर्वाद पावे के लायक बा।"
13 आकाश, धरती, धरती के नीचे, समुंदर में मौजूद हर प्राणी आ ओकरा में मौजूद सब कुछ सुनले कि, "आशीष, आदर, महिमा आ शक्ति होखे।" जे सिंहासन पर बइठल बा, आ मेमना के हमेशा खातिर।
14 चारो जानवर कहलस, "आमीन!" चार बीस गो बुजुर्ग गिर के ओह जिन्दा के पूजा करत रहले।

अध्याय 6 के बा

1 हम देखनी कि जब मेमना एगो मोहर खोललस त हम सुननी कि चारो जानवर में से एगो जानवर के आवाज सुनाई देलस, जवन कहत रहे कि, "आ जा, देखऽ।"
2 हम देखनी आ देखनी कि एगो सफेद घोड़ा ओकरा पर सवार के धनुष रहे। ओकरा के मुकुट दिहल गइल आ ऊ जीत के आ जीते खातिर निकल गइलन.
3 जब ऊ दूसरका मोहर खोललन त हम दूसरा जीव के कहत सुननी कि आ जा आ देखऽ।
4 एगो अउरी घोड़ा निकलल जवन लाल रहे आ ओकरा पर बइठल के धरती से शांति लेबे आ एक दोसरा के मारे के अधिकार दिहल गइल आ ओकरा के एगो बड़हन तलवार दिहल गइल.

5 जब ऊ तीसरा मुहर खोललन त हम तीसरा जानवर के कहत सुननी कि आ जा आ देखऽ। हम देखनी कि एगो करिया घोड़ा देखनी। आ ओकरा पर बइठल के हाथ में तराजू के जोड़ी रहे।
6 चारो जानवरन के बीच में एगो आवाज सुननी कि, "एक नाप गेहूं के नाप एक पइसा में आ तीन नाप जौ के एक पइसा में। आ देखऽ कि तू तेल आ शराब के चोट ना पहुँचावऽ।
7 जब उ चउथा मुहर खोलले त हम चउथा जीव के आवाज सुननी कि इ कहत रहे कि, "आ जा, देखऽ!"
8 हम देखनी त देखनी कि एगो पीयर घोड़ा ओकरा पर बइठल ओकर नाम मौत रहे आ ओकरा पीछे-पीछे नरक भी चलत रहे। धरती के चउथा हिस्सा पर ओह लोग के तलवार, भूख, मौत आ धरती के जानवरन से मारे के अधिकार दिहल गइल।
9 जब उ पांचवा मुहर खोलले त हम वेदी के नीचे देखनी कि परमेश्वर के वचन अवुरी गवाही के चलते मारल गईल लोग के जान।
10 ऊ लोग जोर से चिल्ला के कहलस, "हे प्रभु, पवित्र आ सच्चा, तू कब तक धरती पर रहे वाला लोग पर हमनी के खून के न्याय आ बदला ना लेबऽ?
11 हर एक के सफेद वस्त्र दिहल गईल। आ ओह लोग से कहल गइल कि जबले ओह लोग के साथी दास आ ओह लोग के भाई लोग के भी मौत ना हो जाव, तब तक कुछ देर खातिर आराम करस।
12 हम देखनी कि जब उ छठवाँ मोहर खोलले रहले त देखनी कि एगो बड़ भूकंप आईल। सूरज बाल के बोरा नियर करिया हो गइल आ चाँद खून नियर हो गइल।
13 आकाश के तारा धरती पर गिर गइल जइसे अंजीर के पेड़ अपना असमय अंजीर के फेंक देला जब ऊ तेज हवा से हिल जाला।
14 आकाश गुड़गुड़ा के एगो किताब के रूप में चल गईल। आ हर पहाड़ आ द्वीप के अपना जगह से हटा दिहल गइल।
15 धरती के राजा, महापुरुष, अमीर, सरदार, पराक्रमी, हर दास आ हर आजाद आदमी, मांद आ पहाड़ के चट्टान में लुकाइल रहले।
16 ऊ पहाड़ आ चट्टान से कहलस, "हमनी पर गिर के सिंहासन पर बइठल आदमी के चेहरा से आ मेमना के क्रोध से छिपा दऽ।
17 काहेकि उनकर क्रोध के बड़हन दिन आ गइल बा। आ के खड़ा हो पाई?

अध्याय 7 के बा

1 एह सब के बाद हम चार गो स्वर्गदूत के धरती के चारो कोना पर खड़ा देखनी आ धरती के चारो हवा के पकड़ले रहले कि हवा धरती पर ना चले, ना समुंदर पर आ ना कवनो पेड़ पर।
2 हम देखनी कि एगो अउरी स्वर्गदूत पूरब से चढ़त रहले, जवना पर जिंदा परमेश्वर के मुहर लागल रहे।
3 जब तक हमनी के अपना परमेश्वर के सेवकन के माथे प मोहर ना लगा देब जा, तब तक धरती, ना समुद्र के, ना पेड़ के चोट मत लगाई।
4 हम ओह लोग के संख्या सुननी जेकरा पर मोहर लगावल गइल रहे आ इस्राएल के सब गोत्र में से एक लाख चौवालीस हजार लोग के मुहर लागल रहे।
5 यहूदा के गोत्र में से बारह हजार लोग पर मोहर लागल रहे। रूबेन के गोत्र में से बारह हजार लोग पर मोहर लागल रहे। गाद के गोत्र में से बारह हजार पर मोहर लागल रहे।
6 आसेर के गोत्र में से बारह हजार लोग के मुहर लागल रहे। नेप्थालिम के गोत्र में से बारह हजार लोग के मुहर लागल रहे। मनसस के गोत्र में से बारह हजार लोग पर मोहर लागल रहे।
7 शिमोन के गोत्र में से बारह हजार लोग के मुहर लागल रहे। लेवी के गोत्र में से बारह हजार लोग पर मोहर लागल रहे। इस्साकर के गोत्र में से बारह हजार लोग पर मोहर लागल रहे।
8 जाबुलन के गोत्र में से बारह हजार लोग के मुहर लागल रहे। यूसुफ के गोत्र में से बारह हजार लोग पर मोहर लागल रहे। बिन्यामीन के गोत्र में से बारह हजार लोग पर मोहर लागल रहे।
9 एकरा बाद हम देखनी कि एगो बड़हन भीड़, जेकरा के केहू गिन ना सकत रहे, सब जाति, जाति, जाति, आ भाषा के, उज्जर वस्त्र आ हथेली पहिनले सिंहासन के सामने आ मेमना के सामने खड़ा रहे ओह लोग के हाथ में;
10 ऊ जोर-जोर से चिल्ला के कहलस, "हमनी के परमेश्वर जे सिंहासन पर बइठल बाड़न आ मेमना के उद्धार होखस।"
11 सब स्वर्गदूत सिंहासन के चारो ओर, बुजुर्ग लोग आ चारो जानवरन के चारो ओर खड़ा होके सिंहासन के सामने मुँह से गिर के परमेश्वर के आराधना करत रहले।
12 ऊ कहलन, "आमीन, आशीष, महिमा, बुद्धि, धन्यवाद, आदर, शक्ति आ शक्ति हमनी के परमेश्वर के हमेशा से हमेशा खातिर रहे। आमीन के बा।
13 एगो बुजुर्ग हमरा से पूछले, "उज्जर वस्त्र पहिनले इ का हवें?" आ ऊ लोग कहाँ से आइल बा?
14 हम ओकरा से कहनी, मलिकार, तू जानत बाड़ू। उ हमरा से कहलस कि, इ उ लोग बहुत संकट से निकलले बाड़े अवुरी मेमना के खून से आपन कपड़ा धो के उज्जर क देले बाड़े।
15 एही से उ लोग परमेश्वर के सिंहासन के सामने बाड़े अवुरी दिन-रात उनुका मंदिर में उनुकर सेवा करतारे अवुरी जे सिंहासन प बईठल होई, उ ओ लोग के बीच में रहत होईहे।
16 ऊ लोग अब भूख ना लागी आ ना प्यास। ना त सूरज ओह लोग पर रोशनी करी, ना कवनो गर्मी।
17 काहे कि सिंहासन के बीच में मेमना ओह लोग के चराई आ पानी के जिंदा फव्वारा में ले जाई आ भगवान ओह लोग के आँख से सब लोर पोंछ दीहें।

अध्याय 8 के बा

1 जब ऊ सातवाँ मुहर खोललन त लगभग आधा घंटा के अंतराल पर स्वर्ग में सन्नाटा हो गइल।
2 हम ओह सात गो स्वर्गदूतन के देखनी जवन परमेश्वर के सामने खड़ा रहले। आ ओह लोग के सात गो तुरही दिहल गइल.
3 एगो अउरी स्वर्गदूत सोना के धूप के बर्तन लेके वेदी के लगे खड़ा हो गईले। आऊ ओकरा के ढेर धूप दिहल गइल कि ऊ सब संत लोग के प्रार्थना के साथे सिंहासन के सामने वाला सोना के वेदी पर चढ़ावे।
4 धूप के धुँआ जवन पवित्र लोग के प्रार्थना के साथे आवत रहे, स्वर्गदूत के हाथ से परमेश्वर के सामने चढ़ गईल।
5 तब स्वर्गदूत धूप के बर्तन लेके वेदी के आग भर के धरती में फेंक दिहलन आ आवाज, गरज, बिजली आ भूकंप आ गइल।

6 सात गो तुरही बजावे वाला सात गो स्वर्गदूत अपना के बजावे खातिर तइयार हो गइलन।
7 पहिला स्वर्गदूत आवाज दिहलस आ ओकरा बाद ओला आ आग खून में घुलल आगि धरती पर फेंक दिहल गइल आ पेड़न के तिहाई हिस्सा जरि गइल आ हरियर घास जरि गइल।
8 दूसरका स्वर्गदूत आवाज दिहलस आ आग से जरत एगो बड़हन पहाड़ जइसन समुंदर में फेंक दिहल गइल आ समुंदर के तिहाई हिस्सा खून हो गइल।
9 समुंदर में जवन जीव रहे आ जिंदा रहे, ओकर तिहाई हिस्सा मर गइल। आ जहाजन के तीसरा हिस्सा तबाह हो गइल।
10 तीसरा स्वर्गदूत आवाज दिहलस आ स्वर्ग से एगो बड़हन तारा गिरल जवन दीया नियर जरत रहे आ ऊ नदी के तिहाई भाग आ पानी के फव्वारा पर गिर गइल।
11 एह तारा के नाम कृमि बा आ पानी के तिहाई हिस्सा कृमि हो गइल। पानी से बहुत लोग मर गईले, काहेकि उ पानी कड़वा हो गईल रहे।
12 चउथा स्वर्गदूत आवाज दिहलस आ सूरज के तिहाई भाग, चंद्रमा के तिहाई भाग आ तारा के तिहाई भाग टकरा गइल। ओइसहीं जइसे ओह लोग के तिहाई हिस्सा अन्हार हो गइल आ एक तिहाई हिस्सा दिन ना चमकल आ रात भी ओइसहीं।
13 हम देखनी आ एगो स्वर्गदूत के आकाश के बीच से उड़त सुननी कि ऊ जोर से कहत रहे कि, "हाय, हाय, हाय, धरती के निवासी लोग खातिर धिक्कार बा, हाय, हाय, हाय, हाय, हाय, हाय, हाय, हाय, हाय, तीनों स्वर्गदूत के तुरही के बाकी आवाज के कारण अभी तक आवाज नइखे मिलल!

अध्याय 9 के बा

1 पांचवा स्वर्गदूत आवाज दिहलस त हम देखनी कि एगो तारा आकाश से धरती पर गिरत बा, आ ओकरा के अथाह गड्ढा के चाभी दिहल गईल।
2 ऊ अथाह गड्ढा खोल दिहलन। गड्ढा से एगो धुँआ निकलल, जइसे कि एगो बड़हन भट्ठी के धुँआ निकलल। आ गड्ढा के धुँआ के चलते सूरज आ हवा अन्हार हो गइल।
3 धुँआ से धरती पर टिड्डी निकलल आ ओह लोग के शक्ति दिहल गइल जइसे धरती के बिच्छू के शक्ति होला।
4 आऊ ओह लोग के आज्ञा दिहल गइल कि ऊ लोग धरती के घास, ना कवनो हरियर चीज आ ना कवनो पेड़ के नुकसान मत पहुँचावे। लेकिन खाली उहे आदमी जेकरा माथे पर भगवान के मोहर नइखे।
5 आ ओह लोग के ई दिहल गइल कि ऊ लोग ओह लोग के ना मारे, बलुक पाँच महीना तक तड़पावे के चाहीं आ ओह लोग के यातना ओइसने रहे जइसे बिच्छू के कवनो आदमी के मार देला।
6 ओह दिन में आदमी मौत के खोज करी, लेकिन ओकरा के ना पाई। आ मरला के इच्छा करी आ मौत ओह लोग से भाग जाई.
7 टिड्डियन के आकार लड़ाई खातिर तइयार घोड़ा नियर रहे। ओह लोग के माथा पर सोना जइसन मुकुट जइसन रहे आ चेहरा आदमी के चेहरा जइसन रहे।
8 ओह लोग के बाल मेहरारू के बाल जइसन रहे आ दाँत शेर के दाँत जइसन रहे।
9 ओह लोग के छाती के पट्टी जइसन लोहा के छाती जइसन रहे। आ ओह लोग के पाँख के आवाज ओइसन रहे जइसे लड़ाई में भागत कई गो घोड़ा के रथ के आवाज।
10 ओह लोग के पूंछ बिच्छू नियर रहे आ ओह लोग के पूंछ में डंक रहे आ पांच महीना तक आदमी के चोट पहुंचावे के ताकत रहे।
11 ओह लोग पर एगो राजा रहले, जवन अथाह गड्ढा के स्वर्गदूत ह, जेकर नाम हिब्रू भाषा में अबदोन ह, लेकिन यूनानी भाषा में ओकर नाम अपोलियन बा।
12 एगो दुख बीत गइल बा। आ देखऽ, आगे दू गो विपत्ति आवे वाला बा।
13 छठवाँ स्वर्गदूत आवाज दिहलन त हम सोना के वेदी के चारो सींग से आवाज सुननी जवन परमेश्वर के सामने बा।
14 तुरही बजावे वाला छठवाँ स्वर्गदूत से कहलन कि बड़का फरात नदी में बान्हल चारो स्वर्गदूत के ढीला करऽ।
15 आदमी के तिहाई हिस्सा के मारे खातिर एक घंटा, एक दिन, एक महीना आ एक साल खातिर तइयार चारो स्वर्गदूत के छोड़ दिहल गइल।
16 घुड़सवारन के सेना के संख्या दू लाख रहे आ हम ओह लोग के संख्या सुननी।
17 हम एह तरह से दर्शन में घोड़ा आ ओह पर बइठल लोग के देखनी, जवना के छाती में आग, जसिंट आ गंधक के छाती रहे, आ घोड़ा के सिर शेर के सिर निहन रहे। आ ओह लोग के मुँह से आग आ धुँआ आ गंधक निकलल।
18 एह तीनों लोग के मुंह से निकले वाला आग, धुँआ आ गंधक से एक तिहाई हिस्सा आदमी के मौत हो गइल।
19 काहे कि ओह लोग के शक्ति ओह लोग के मुँह आ पूंछ में बा, काहे कि ओह लोग के पूंछ साँप नियर रहे आ सिर वाला रहे आ ओकरा से ऊ लोग चोट पहुँचावेला।
20 बाकी लोग जे एह विपत्तियन से ना मारल गइल रहे, ऊ लोग अपना हाथ के काम से पश्चाताप ना कइल कि ऊ लोग शैतान, सोना, चाँदी, पीतल, पत्थर आ लकड़ी के मूर्ति के पूजा ना करस ना देख सकेला, ना सुन सकेला, ना चल सकेला।
21 ना त उ लोग अपना हत्या से, ना अपना जादू-टोना से, ना अपना व्यभिचार से, ना अपना चोरी से पश्चाताप कईले।

अध्याय 10 के बा

1 हम देखनी कि एगो अउरी पराक्रमी स्वर्गदूत बादल के कपड़ा पहिनले स्वर्ग से उतरत रहले, आ ओकरा माथा पर इंद्रधनुष रहे, ओकर चेहरा सूरज निहन रहे अवुरी ओकर गोड़ आग के खंभा निहन रहे।
2 ओकरा हाथ में एगो छोट किताब खुलल रहे आ ऊ आपन दहिना गोड़ समुंदर पर आ बायां गोड़ धरती पर रखले।
3 ऊ जोर से चिल्ला उठल जइसे शेर गर्जत होखे आ जब ऊ चिल्ला के सात गो गरज के आवाज सुनाई पड़ल।
4 जब सात गो गरज के आवाज निकलल त हम लिखे वाला रहनी त स्वर्ग से एगो आवाज सुननी जवन हमरा से कहत रहे कि, "सात गरजन के बात पर मोहर लगा दीं आ मत लिखीं।"
5 हम जवन स्वर्गदूत समुन्दर आ धरती पर खड़ा देखनी, ऊ आपन हाथ स्वर्ग के ओर बढ़ा दिहलस।
6 आऊ जे हमेशा खातिर जिंदा रहेला, ऊ स्वर्ग, ओकरा में मौजूद चीज, धरती, ओकरा में मौजूद चीज, समुन्दर आ ओकरा में मौजूद चीजन के रचना कइले बा, कि समय होखे के कसम खइले अब ना:

7 लेकिन सातवाँ स्वर्गदूत के आवाज के दिन में जब उ आवाज बजावे लागी त परमेश्वर के रहस्य खतम हो जाई, जईसे कि उ अपना सेवक भविष्यवक्ता के बता देले बाड़े।
8 हम जवन आवाज स्वर्ग से सुननी उ हमरा से फेरु से कहलस आ कहलस, "जा के उ छोट किताब ले लीं जवन समुद्र आ धरती पर खड़ा स्वर्गदूत के हाथ में खुलल बा।"
9 हम स्वर्गदूत के लगे जाके कहनी, "हमरा के इ छोट किताब दे द।" उ हमरा से कहलस कि, एकरा के लेके खा लीं। आ तोहार पेट कड़वा हो जाई, लेकिन तोहरा मुँह में शहद निहन मीठ हो जाई।
10 हम ओह छोट किताब के स्वर्गदूत के हाथ से निकाल के खा लेहनी। आऊ हमरा मुँह में शहद नियर मीठ हो गइल आ जइसहीं हम ओकरा के खइनी त हमार पेट कड़वा हो गइल।
11 उ हमरा से कहलस कि, तोहरा बहुत लोग, जाति, भाषा आ राजा के सामने फेर से भविष्यवाणी करे के होई।

अध्याय 11 के बा

1 हमरा के लाठी नियर एगो खढ़ दिहल गइल आ स्वर्गदूत खड़ा होके कहले, "उठ आ भगवान के मंदिर, वेदी आ ओहमें पूजा करे वाला लोग के नाप।"
2 लेकिन मंदिर के बाहर जवन आँगन बा, ओकरा के छोड़ के मत नापल जाव। काहे कि ई गैर-यहूदी लोग के दिहल गइल बा, आ पवित्र नगर के ऊ लोग बयालीस महीना तक पैर से चले वाला बा।
3 हम अपना दुनु गवाहन के अधिकार देब आ ऊ लोग बोरा पहिनले हजार दू सौ साठ दिन के भविष्यवाणी करीहें.
4 इहे दुगो जैतून के पेड़ ह, आ धरती के परमेश्वर के सामने खड़ा दुनो दीया।
5 अगर केहू ओह लोग के चोट पहुँचावे के चाहत बा त ओह लोग के मुँह से आग निकल के दुश्मनन के भस्म कर देला आ अगर केहू ओह लोग के नुकसान चहुँपावे के चाहत बा त ओकरा के एही तरह से मारल जरूरी बा.
6 एह लोग के अधिकार बा कि ऊ लोग स्वर्ग के बंद कर सके, ताकि उ लोग के भविष्यवाणी के दिन में बरखा ना होखे, आ पानी पर ओह लोग के खून में बदले के अधिकार बा आ धरती के हर तरह के विपत्ति से मारे के अधिकार बा, जेतना बेर उ लोग चाहत बा।
7 जब उ लोग आपन गवाही पूरा करीहे त अथाह गड्ढा से निकले वाला जानवर ओ लोग के खिलाफ लड़ाई करी अवुरी ओ लोग के जीत के मार दिही।
8 ओह लोग के लाश ओह महान शहर के गली में पड़ जाई, जवना के आध्यात्मिक रूप से सदोम आ मिस्र कहल जाला, जहाँ हमनी के प्रभु के सूली पर चढ़ावल गइल रहे।
9 डेढ़ दिन ले लोग, जाति, भाषा आ जाति के लोग आपन लाश देख के आपन लाश के कब्र में ना डाले दीहें।
10 धरती पर रहे वाला लोग ओह लोग पर खुश होके मस्ती करी आ एक दूसरा के वरदान भेजी। काहे कि ई दुनु भविष्यवक्ता धरती पर रहे वाला लोग के सतावत रहले।
11 साढ़े तीन दिन के बाद परमेश्वर के ओर से जीवन के आत्मा ओ लोग में घुस गईल अवुरी उ लोग अपना गोड़ प खड़ा हो गईले। आ जे लोग ओह लोग के देखत रहे, ओकरा पर बहुत डर लाग गइल।
12 उ लोग स्वर्ग से एगो बड़ आवाज सुनले कि उ लोग के कहत रहे कि, "इहाँ चढ़ जा।" उ लोग बादल में स्वर्ग में चढ़ गईले। आ उनकर दुश्मन ओह लोग के देखले।
13 ओही घरी एगो बड़हन भूकंप आइल आ शहर के दसवाँ हिस्सा गिर गइल आ भूकंप में सात हजार लोग के मौत हो गइल आ बचे वाला लोग डेरा गइल आ स्वर्ग के भगवान के महिमा कर दिहल.
14 दूसरा विपत्ति बीत गईल बा। आ देखऽ, तीसरा विपत्ति जल्दी से आवत बा।
15 सातवाँ स्वर्गदूत आवाज दिहलन। आऊ स्वर्ग में जोर-जोर से आवाज सुनत रहे कि, "एह संसार के राज्य हमनी के प्रभु आ उनकर मसीह के राज्य बन गइल बा। आ ऊ हमेशा खातिर राज करीहें.
16 चार बीस बुजुर्ग जे अपना आसन पर भगवान के सामने बईठल रहले, मुंह से झुक के भगवान के आराधना कईले।
17 ऊ कहलन कि, हे सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर, हम तोहरा के धन्यवाद देत बानी, जे अब बा, ऊ बाड़ल बा आ आवे वाला बा। काहे कि तू आपन महान शक्ति अपना लगे लेके राज कर लेले बाड़।
18 राष्ट्र लोग खिसिया गइल आ तोहार क्रोध आ मुअल लोग के समय आ गइल बा कि ओह लोग के न्याय होखे आ तू अपना सेवक भविष्यवक्ता, संत लोग आ तोहरा नाम से डेराए वाला लोग के इनाम देब। छोट-छोट आ बड़का-बड़का; आ धरती के नाश करे वाला लोग के नाश कर दीं।
19 स्वर्ग में परमेश्वर के मंदिर खुलल आ उनकर मंदिर में उनकर नियम के सन्दूक लउकल आ बिजली, आवाज, गरज, भूकंप आ बहुत ओला पड़ल।

अध्याय 12 के बा

1 स्वर्ग में एगो बड़हन अजूबा लउकल। एगो मेहरारू सूरज के कपड़ा पहिनले रहली आ गोड़ के नीचे चंद्रमा आ माथा पर बारह तारा के मुकुट।
2 ऊ गर्भवती होके जनम में प्रसव करत रोवत रहली आ प्रसव के पीड़ा करत रहली।
3 स्वर्ग में एगो अउरी चमत्कार लउकल। आ देखऽ एगो बड़हन लाल अजगर जवना के सात गो सिर आ दस गो सींग आ ओकरा माथा पर सात गो मुकुट बा.
4 ओकर पूंछ आकाश के तारा के तिहाई हिस्सा खींच के धरती पर फेंक दिहलस, आ अजगर प्रसव करे खातिर तइयार मेहरारू के सामने खड़ा हो गइल आ ओकरा बच्चा के जनम के खाए खातिर।
5 उ एगो आदमी के बच्चा पैदा कईली, जवन लोहा के छड़ी से सभ जाति के शासन करे, अवुरी उनुकर बच्चा भगवान अवुरी उनुका सिंहासन प ले गईल।
6 उ मेहरारू जंगल में भाग गईल, जहवाँ ओकरा के भगवान के ओर से एगो जगह तैयार कईल गईल बा, ताकि उ लोग ओकरा के उहाँ हजार दू सौ साठ दिन तक खाना खियावे।
7 स्वर्ग में युद्ध भइल, माइकल आ उनकर स्वर्गदूत अजगर से लड़ल। आ अजगर आ ओकर स्वर्गदूत लड़ल।
8 आ ना जीतल। ना ही अब स्वर्ग में उनकर जगह मिलल।
9 महान अजगर के बाहर निकाल दिहल गइल, ऊ बूढ़ साँप, जेकरा के शैतान आ शैतान कहल जाला, जवन पूरा दुनिया के

धोखा देला, ओकरा के धरती पर फेंक दिहल गइल आ ओकर स्वर्गदूत भी ओकरा साथे बाहर निकाल दिहल गइल।
10 हम स्वर्ग में एगो जोरदार आवाज सुननी कि, “अब हमनी के परमेश्वर के राज्य आउर उनकर मसीह के शक्ति आ गईल बा| आ रात के रात के।
11 उ लोग मेमना के खून से आ अपना गवाही के वचन से ओकरा पर विजय पा लिहले। आ उ लोग अपना जान से मौत तक प्यार ना कईले।
12 एह से हे आकाश आ ओहमें रहे वाला लोग, आनन्दित होखऽ। धरती आ समुंदर के निवासी लोग के हाय! काहेकि शैतान बहुत क्रोध से तोहनी के लगे उतरल बा, काहेकि उ जानत बा कि ओकरा लगे अभी कम समय बा।
13 जब अजगर देखलस कि ओकरा के धरती पर फेंक दिहल गईल बा, त उ ओह औरत के सतावलस, जवन कि उ आदमी के बच्चा पैदा कईले रहे।
14 ओह औरत के एगो बड़हन चील के दू गो पाँख दिहल गइल कि ऊ जंगल में उड़ के अपना जगह पर आ सके जहाँ ऊ साँप के चेहरा से कुछ समय आ आधा समय खातिर पोसल जाले.
15 साँप ओह औरत के पीछे-पीछे बाढ़ नियर पानी अपना मुँह से निकाल दिहलस ताकि ऊ ओकरा के बाढ़ से ले जा सके।
16 धरती ओह औरत के मदद कइलस आ धरती ओकर मुँह खोल के अजगर के मुँह से निकलल बाढ़ के निगल गइल।
17 अजगर ओह औरत पर गुस्सा होके ओकरा संतान के बचे वाला लोग से लड़ाई करे चल गइल जवन परमेश्वर के आज्ञा के पालन करेला आ यीशु मसीह के गवाही पावेला।

अध्याय 13 के बा

1 हम समुंदर के बालू पर खड़ा होके देखनी कि एगो जानवर समुंदर से उठत रहे, जवना के सात गो सिर आ दस सींग बा, आ ओकरा सींग पर दस गो मुकुट बा आ ओकरा माथा पर निंदा के नाम बा।
2 जवन जानवर हम देखनी उ तेंदुआ निहन रहे, ओकर गोड़ भालू के गोड़ निहन रहे अवुरी मुंह शेर के मुंह निहन रहे अवुरी अजगर ओकरा के आपन शक्ति अवुरी आपन आसन अवुरी बहुत अधिकार दे देलस।
3 हम देखनी कि ओकर एगो माथा घायल होके मरल बा। ओकर जानलेवा घाव ठीक हो गइल आ पूरा दुनिया ओह जानवर के पीछे-पीछे अचरज में पड़ गइल।
4 ऊ लोग ओह अजगर के आराधना कइल जे जानवर के शक्ति दिहलस आ ऊ लोग ओह जानवर के पूजा कइल आ कहल कि, “पशु के जइसन के ह?” के ओकरा से लड़ाई करे में सक्षम बा?
5 ओकरा के एगो मुँह दिहल गइल कि ऊ बड़हन बात आ निंदा करत होखे. आ ओकरा के बयालीस महीना तक चले के अधिकार दिहल गइल।
6 उ परमेश्वर के निंदा करत आपन मुँह खोल के आपन नाम, अपना तम्बू आ स्वर्ग में रहे वाला लोग के निंदा कईले।
7 ओकरा के पवित्र लोग से लड़ाई करे आ ओह लोग पर विजय पावे के अधिकार दिहल गइल आ ओकरा के हर जाति, भाषा आ राष्ट्र पर अधिकार दिहल गइल।
8 धरती पर रहे वाला सब ओकर पूजा करी, जेकर नाम दुनिया के सृष्टि से मारल गइल मेमना के जीवन के किताब में नइखे लिखल।
9 अगर केहू के कान बा त उ सुनस।
10 जे कैद में ले जाई, उ कैद में चल जाई, जे तलवार से हत्या करी ओकरा के तलवार से मारल जरूरी बा। इहाँ संत लोग के धैर्य आ विश्वास बा।
11 हम देखनी कि एगो अउरी जानवर धरती से निकलत बा। उनकर दू गो सींग मेमना नियर रहे आ ऊ अजगर नियर बोलत रहे।
12 ऊ अपना सामने पहिला जानवर के पूरा ताकत के प्रयोग करेला आ धरती आ ओकरा में रहे वाला लोग के पहिला जानवर के पूजा करावेला, जेकर जानलेवा घाव ठीक हो गइल रहे।
13 ऊ बड़का चमत्कार करेला कि ऊ आदमी के नजर में स्वर्ग से आग धरती पर उतरा देला।
14 ऊ धरती पर रहे वाला लोग के ओह चमत्कारन से धोखा देला जवन ओकरा जानवर के सामने करे के अधिकार रहे। धरती पर रहे वाला लोग से कहत रहले कि, उ जानवर के मूर्ति बनाई, जवना के घाव तलवार से हो गईल रहे अवुरी उ जिंदा रहे।
15 ओकरा लगे ओह जानवर के मूर्ति के जिंदा करे के अधिकार रहे, ताकि जानवर के मूर्ति बोल सके आ जे भी जानवर के मूर्ति के पूजा ना करी, ओकरा के मार दिहल जा सके।
16 छोट-बड़, अमीर-गरीब, आज़ाद आ गुलाम सभ के दाहिना हाथ भा माथे पर निशान लगावेला।
17 एह से कि केहू खरीदे भा बेचे के काम ना कर सके, सिवाय ओह जानवर के निशान, जानवर के नाम आ ओकर नाम के नंबर के।
18 इहाँ बुद्धि बा। जेकरा लगे समझ बा, उ जानवर के संख्या गिने, काहेकि उ आदमी के संख्या ह। आ उनकर संख्या छह सौ साठ छह बा।

अध्याय 14 के बा

1 हम देखनी कि सिय्योन पहाड़ पर एगो मेमना खड़ा रहे आ ओकरा साथे एक लाख चौवालीस हजार लोग, जेकरा माथे पर ओकर पिता के नाम लिखल रहे।
2 हम आकाश से एगो आवाज सुननी जवन बहुत पानी के आवाज आ एगो बड़हन गरज के आवाज जइसन सुननी आ वीणा बजावे वाला लोग के वीणा बजावे के आवाज सुननी।
3 ऊ लोग सिंहासन के सामने आ चारो जानवरन आ बुजुर्गन के सामने नया गीत जइसन गावत रहे आ ऊ गीत धरती से छुटकारा पावे वाला लाख चौवालीस हजार लोग के अलावा केहू ना सीख पावल।
4 ई उहे हवें जे मेहरारू लोग के साथे अशुद्ध ना भइल। काहे कि ऊ लोग कुंवारी हई। इहे लोग मेमना के पीछे-पीछे चलेला। ई लोग आदमी के बीच से छुड़ा लिहल गइल, परमेश्वर आ मेमना के पहिला फल रहलन।
5 ओह लोग के मुँह में कवनो धोखा ना मिलल काहे कि ऊ लोग परमेश्वर के सिंहासन के सामने निर्दोष बा।
6 हम देखनी कि एगो अउरी स्वर्गदूत स्वर्ग के बीच में उड़त रहले, जेकरा लगे अनन्त सुसमाचार रहे, उ धरती पर रहे वाला लोग, हर जाति, हर तरह के लोग, आ हर भाषा आ लोग के प्रचार करे।
7 ऊ जोर से कहत रहलन, “परमेशवर से डेरा के उनकर महिमा करऽ। काहेकि उनकर न्याय के समय आ गईल बा, आ आकाश, धरती, समुंदर आ पानी के फव्वारा के बनावे वाला के पूजा करऽ।

8 एगो अउरी स्वर्गदूत पीछे-पीछे चलल आ कहलस, "बाबुल गिर गइल बा, गिर गइल बा, ऊ महान शहर, काहे कि ऊ अपना व्यभिचार के क्रोध के शराब से सब राष्ट्र के पी दिहलस।
9 तीसरा स्वर्गदूत ओह लोग के पीछे-पीछे चलल आ जोर से कहलस, "जदि केहु जानवर आ ओकर मूर्ति के पूजा करेला आ ओकरा माथे भा हाथ में ओकर निशान धारण करेला।
10 उहे परमेश्वर के क्रोध के शराब से पीई, जवन कि बिना मिश्रण के ओकरा क्रोध के प्याला में डालल जाला। ऊ पवित्र स्वर्गदूतन आ मेमना के सामने आग आ गंधक से सतावल जाई।
11 ओह लोग के यातना के धुँआ हमेशा खातिर ऊपर चढ़त रहेला आ ओह लोग के दिन आ रात के कवनो आराम नइखे, जे जानवर आ ओकर मूर्ति के पूजा करेला आ जे केहू ओकर नाम के निशान पावेला।
12 इहाँ पवित्र लोग के धैर्य बा, इहाँ उ लोग बाड़े जे परमेश्वर के आज्ञा के पालन करेले अवुरी यीशु के विश्वास के पालन करेले।
13 हम स्वर्ग से एगो आवाज सुननी जवन हमरा से कहत रहे कि लिखीं, "धन्य बा उ मुअल जे अब से प्रभु में मरत बाड़े। आ ओह लोग के काम ओह लोग के पालन जरूर करेला.
14 हम देखनी त एगो सफेद बादल देखनी आ बादल पर आदमी के बेटा जइसन बईठल रहे, ओकरा माथा पर सोना के मुकुट आ हाथ में तेज हँसुआ रहे।
15 एगो अउरी स्वर्गदूत मंदिर से बाहर निकलल आ बादल पर बइठल के जोर से चिल्ला के कहलस कि, "अपना हँसुआ डाल के कटाई करऽ, काहे कि तोहरा कटाई के समय आ गइल बा। काहे कि धरती के फसल पाकल बा।
16 बादल पर बईठल आपन हँसुआ धरती पर धकेल दिहलस। आ धरती के कटनी हो गइल।
17 स्वर्ग में मंदिर से एगो अउरी स्वर्गदूत निकलल, ओकरा लगे तेज हँसुआ भी रहे।
18 एगो अउरी स्वर्गदूत वेदी से निकलल, जेकरा लगे आग पर अधिकार रहे। ऊ तेज हँसुआ वाला के जोर से चिल्ला के कहलस कि, आपन तेज हँसुआ डाल के धरती के बेल के गुच्छा बटोरऽ। काहे कि ओकर अंगूर पूरा तरह से पाकल बा।
19 स्वर्गदूत आपन हँसुआ धरती में धकेल के धरती के बेल के बटोर के परमेश्वर के क्रोध के बड़का अंगूर के ब्रेसिज़ में फेंक दिहलस।
20 शहर के बाहर दारू के दबाव के दबा दिहल गइल आ दारू के चूहा से खून निकलल, घोड़ा के लगाम तक, हजार छह सौ फरलांग के दूरी पर।

अध्याय 15 के बा

1 हम स्वर्ग में एगो अउरी चिन्ह देखनी, जवन बड़हन आ अद्भुत रहे, सात गो स्वर्गदूत के सात गो आखिरी विपत्ति रहे। काहेकि उनकरा में परमेश्वर के क्रोध भरल बा।
2 हम देखनी कि कांच के समुंदर आग में घुलल-मिलल ह, आ जे लोग जानवर, ओकर मूर्ति, ओकर निशान आ ओकर नाम के संख्या पर जीत हासिल कइले बा, ऊ लोग कांच के समुन्दर पर खड़ा बा , भगवान के वीणा वाला।
3 ऊ लोग परमेश्वर के सेवक मूसा के गीत आ मेमना के गीत गावत बा कि, "हे सर्वशक्तिमान परमेश्वर, तोहार काम बड़हन आ अद्भुत बा। हे संतन के राजा, तोहार रास्ता न्यायसंगत आ सच्चा बा।
4 हे प्रभु, तोहरा से के ना डेराई आ तोहार नाम के महिमा ना करी? काहे कि तू ही पवित्र बाड़ू, काहेकि सब जाति तोहरा सामने आके पूजा करी। काहेकि तोहार फैसला प्रकट हो गइल बा।
5 ओकरा बाद हम देखनी कि स्वर्ग में गवाही के तम्बू के मंदिर खुलल बा।
6 सात गो विपत्ति लेके मंदिर से बाहर निकलले, उ लोग शुद्ध आ सफेद लिनन के कपड़ा पहिनले रहले अवुरी छाती में सोना के कमरबंद रहे।
7 चारो जीव में से एगो जीव सात स्वर्गदूतन के सात गो सोना के कड़ाही दिहलस जवन परमेश्वर के क्रोध से भरल रहे।
8 भगवान के महिमा आ उनकर शक्ति के धुँआ से मंदिर भर गइल। जबले सात स्वर्गदूतन के सात गो विपत्ति पूरा ना हो गइल तबले केहू मंदिर में ना जा पवलसि.

अध्याय 16 के बा

1 हम मंदिर से एगो बड़हन आवाज सुननी कि सातों स्वर्गदूतन से कहत रहे कि, "जा के भगवान के क्रोध के कड़ाही धरती पर उझिल दीं।"
2 पहिलका जाके आपन कटोरा धरती पर उझिल दिहलस। जानवर के निशान वाला आदमी आ ओकर मूर्ति के पूजा करे वाला लोग पर शोरगुल आ गंभीर घाव पड़ल।
3 दूसरा स्वर्गदूत आपन कटोरा समुंदर पर उझिल दिहलन। ऊ मरल आदमी के खून नियर हो गइल आ हर जिंदा प्राणी समुंदर में मर गइल।
4 तीसरा स्वर्गदूत आपन कटोरा नदी आ पानी के फव्वारा पर उझिल दिहलन। आ ऊ लोग खून बन गइल।
5 हम पानी के दूत के कहत सुननी कि, "हे प्रभु, तू धर्मी हउअ, जे रहल बा, आ रहब, काहे कि तू अईसन न्याय कईले बाड़ू।"
6 काहेकि उ लोग संत आ भविष्यवक्ता लोग के खून बहवले बा आ तू ओह लोग के खून पीये देले बाड़ू। काहे कि ऊ लोग लायक बा.
7 हम एगो दोसरा के वेदी से निकल के कहत सुननी कि, "हे सर्वशक्तिमान परमेस् वर, तोहार न्याय सही आ धर्मी बा।"
8 चउथा स्वर्गदूत आपन कटोरी सूरज पर उझिल दिहलन। आ ओकरा के आदमी के आग से जरावे के अधिकार दिहल गइल।
9 आदमी लोग बहुत गर्मी से झुलस गइल आ एह विपत्तियन पर अधिकार राखे वाला भगवान के नाम के निंदा कइल आ उनकर महिमा करे खातिर पश्चाताप ना कइल।
10 पांचवा स्वर्गदूत ओह जानवर के आसन पर आपन कटोरा उझिल दिहलन। उनकर राज्य अन्हार से भरल रहे। आ ऊ लोग पीड़ा से आपन जीभ चीर-फाड़त रहे।
11 उ लोग अपना पीड़ा आ घाव के चलते स्वर्ग के परमेश्वर के निंदा कईले अवुरी अपना काम से पश्चाताप ना कईले।
12 छठवाँ स्वर्गदूत आपन कटोरी फरात के बड़हन नदी पर उझिल दिहलन। ओकर पानी सूख गइल ताकि पूरब के राजा लोग के रास्ता तइयार हो सके।
13 हम देखनी कि बेंग निहन तीन गो अशुद्ध आत्मा अजगर के मुंह से, जानवर के मुंह से अवुरी झूठा भविष्यवक्ता के मुंह से निकलल बाड़े।
14 काहेकि उ लोग शैतान के आत्मा ह, जवन चमत्कार करेला, जवन धरती आ पूरा दुनिया के राजा लोग के पास जाके

सर्वशक्तिमान परमेश्वर के ओह महान दिन के लड़ाई में जुटावेला।
15 देखऽ, हम चोर नियर आवत बानी। धन्य बा जे जागल रहेला आ आपन कपड़ा रखेला, कहीं ऊ नंगा ना चले आ ओकर लाज ना देख लेव।
16 ऊ ओह लोग के इब्रानी भाषा में आर्मेगेडोन नाम के जगह पर बटोर दिहलन।
17 सातवाँ स्वर्गदूत आपन कटोरी हवा में उझिल दिहलन। आकाश के मंदिर से सिंहासन से एगो बड़ आवाज आइल कि, "ई काम हो गइल।"
18 आवाज, गरज आ बिजली गिरल। आ एगो बड़हन भूकंप आइल जवन जब से आदमी धरती पर आइल बा तबसे ना भइल रहे, अतना शक्तिशाली भूकंप आ अतना बड़हन।
19 बड़का शहर तीन भाग में बाँटल गइल आ राष्ट्रन के शहर गिर गइल आ महान बाबुल परमेस् वर के सामने याद कइलस आ ओकरा के उनकर क्रोध के मदिरा के प्याला दे दिहलस।
20 हर द्वीप भाग गइल आ पहाड़ ना मिलल।
21 स्वर्ग से आदमी पर एगो बड़हन ओला पड़ल, हर पत्थर लगभग एक टोला के वजन के रहे। काहे कि ओकर महामारी बहुत जादे रहे।

अध्याय 17 के बा

1 सात गो कड़ाही वाला सात गो स्वर्गदूत में से एगो स्वर्गदूत हमरा से बतियावत कहलस कि, "इहाँ आ जा; हम तोहरा के बहुत पानी पर बइठल बड़का वेश्या के न्याय देखा देब।
2 धरती के राजा लोग ओकरा साथे व्यभिचार कइले बा आ धरती के निवासी लोग के ओकर व्यभिचार के शराब से नशा में धुत्त कर दिहल गइल बा।
3 तब उ हमरा के आत्मा में जंगल में ले गईले अवुरी हम देखनी कि एगो महिला लाल रंग के जानवर प बईठल रहे, जवन कि निंदा के नाम से भरल रहे, जवना के सात सिर अवुरी दस सींग रहे।
4 ऊ मेहरारू बैंगनी आ लाल रंग के सज-धज के सोना आ कीमती पत्थर आ मोती से सजल रहली आ हाथ में सोना के प्याला रहे जवन घिनौना आ अपना व्यभिचार के गंदगी से भरल रहे।
5 ओकरा माथे पर एगो नाम लिखल रहे, रहस्य, महान बेबिलोन, वेश्या आ धरती के घृणित चीजन के महतारी।
6 हम ओह औरत के संत लोग के खून आ यीशु के शहीद लोग के खून से नशा में धुत्त देखनी आ जब हम ओकरा के देखनी त हम बहुत प्रशंसा से अचरज में पड़ गईनी।
7 स्वर्गदूत हमरा से कहलस, "तू काहे अचरज में पड़ गईल? हम तोहरा के ओह औरत के आ ओकरा के ढोवे वाला जानवर के रहस्य बताइब, जवना के सात सिर अवुरी दस सींग बा।
8 जवन जानवर तू देखले रहलू, उ रहे, अब नइखे। आ अथाह गड्ढा से चढ़ के विनाश में चल जइहें आ धरती पर रहे वाला लोग अचरज में पड़ जाई, जेकर नाम दुनिया के सृष्टि से ही जीवन के किताब में ना लिखल गइल रहे, जब ऊ लोग ओह जानवर के देख के जवन रहे आ... नइखे, आ तबहियो बा.
9 आ इहाँ उ मन बा जवना में बुद्धि बा। सात सिर सात पहाड़ ह, जवना प महिला बईठल बिया।
10 सात गो राजा बाड़े, पांच गो गिर गइल बाड़े आ एगो बा आ दोसरका अबहीं नइखे आइल. आ जब ऊ अइहें त ओकरा कुछ देर ले रहे के पड़ी.
11 जवन जानवर रहे, लेकिन नइखे, उ आठवाँ ह, आ सात में से बा आ नाश में चल जाई।
12 जवन दस सींग तू देखले बाड़ू उ दस राजा हवें, जेकरा अभी तक कवनो राज्य ना मिलल बा। लेकिन जानवर के साथे एक घंटा राजा के रूप में सत्ता पा लीं।
13 एह लोग के मन एके बा आ ऊ लोग आपन शक्ति आ ताकत ओह जानवर के दे दीहें।
14 ई लोग मेमना से लड़ाई करी आ मेमना ओह लोग पर विजय पाई, काहे कि ऊ प्रभु लोग के मालिक आ राजा लोग के राजा हवे, आ ओकरा साथे जे लोग बा, उ लोग बोलावल गइल बा, चुनल गइल बा आ विश्वासी बा।
15 उ हमरा से कहलस कि, जवन पानी तू देखले बाड़ू, जहवाँ वेश्या बईठल बिया, उ लोग के लोग, भीड़, जाति आ भाषा ह।
16 जवन दस सींग तू ओह जानवर पर देखले बाड़, ऊ वेश्या से नफरत करीहें आ ओकरा के उजाड़ आ नंगा कर दीहें आ ओकर मांस खा के आग से जरा दीहें.
17 काहेकि परमेश्वर उनकर मन में आपन इच्छा पूरा करे आ सहमत होखे आ जानवर के आपन राज्य देवे खातिर रखले बाड़न, जब तक कि परमेश्वर के वचन पूरा ना हो जाई।
18 जवना औरत के तू देखले बाड़ू, उ महान शहर ह, जवन धरती के राजा लोग प राज करेले।

अध्याय 18 के बा

1 एह सब के बाद हम एगो अउरी स्वर्गदूत के स्वर्ग से उतरत देखनी, जेकरा में बहुत शक्ति रहे। आ धरती उनकर महिमा से रोशन हो गइल।
2 ऊ जोर से चिल्ला के कहलस, "बड़का बाबुल गिर गइल बा, गिर गइल बा, आ दुष्टात्मा के आवास बन गइल बा, आ हर अशुद्ध आ घृणित चिरई के पिंजरा बन गइल बा।
3 काहेकि सब जाति ओकर व्यभिचार के क्रोध के शराब पी चुकल बा आ धरती के राजा ओकरा साथे व्यभिचार कइले बा आ धरती के व्यापारी ओकर भरपूर स्वादिष्ट भोजन से अमीर हो गइल बाड़े।
4 हम स्वर्ग से एगो अउरी आवाज सुननी कि, "हे हमार लोग, ओकरा से बाहर निकल जा, ताकि तू ओकरा पाप में भागीदार ना होखब आ ओकरा विपत्ति से ना मिले।"
5 काहेकि ओकर पाप स्वर्ग तक पहुँच गइल बा आ परमेश्वर ओकर अपराध के याद कइले बाड़न।
6 ओकरा के ओइसहीं इनाम दीं जइसे ऊ तोहनी के इनाम देले रहली आ ओकर काम के हिसाब से ओकरा के दुगुना कर दीं।
7 ऊ अपना के केतना महिमामंडन कइले बाड़ी आ स्वादिष्ट जियत बाड़ी, ओकरा के एतना यातना आ दुख दीं, काहे कि ऊ मन में कहत बाड़ी कि हम रानी बईठल बानी आ विधवा ना हईं आ कवनो दुख ना देखब।
8 एही से ओकर विपत्ति एके दिन में आ जाई, मौत, शोक आ अकाल। उ आग से पूरा तरह से जरा जईहे, काहेकि ओकर न्याय करे वाला प्रभु परमेश्वर मजबूत बाड़े।

9 धरती के राजा लोग जे व्यभिचार कइले बा आ ओकरा साथे मस्त रह गइल बा, जब ओकर जरल धुँआ देख के ओकरा खातिर विलाप करीहें आ ओकरा खातिर विलाप करीहें।
10 ओकरा यातना के डर से दूर खड़ा होके कहत रहले कि, "हाय, अफसोस, ऊ महान शहर बाबुल, ऊ पराक्रमी शहर! काहे कि एक घंटा में तोहार न्याय हो जाई।
11 धरती के व्यापारी लोग ओकरा खातिर रोवे आ शोक मनावेला। काहे कि अब केहू ओह लोग के सामान ना खरीदेला।
12 सोना, चाँदी, कीमती पत्थर, मोती, महीन लिनन, बैंगनी, रेशम, लाल रंग के सामान, आ तोहार लकड़ी के हर तरह के बर्तन, हाथीदांत के हर तरह के बर्तन आ हर तरह के कीमती लकड़ी के बर्तन , आ पीतल, लोहा आ संगमरमर के,
13 दालचीनी, गंध, मरहम, लोबान, शराब, तेल, महीन आटा, गेहूं, जानवर, भेड़, घोड़ा, रथ, गुलाम आ आदमी के जान।
14 जवन फल तोहार आत्मा के लालसा रहे, ऊ तोहरा से दूर हो गइल बा आ सब कुछ स्वादिष्ट आ बढ़िया चीज तोहरा से दूर हो गइल बा आ तोहरा ऊ सब कुछ ना मिली।
15 एह चीजन के व्यापारी लोग जे ओकरा से अमीर भइल बा, ऊ ओकरा यातना के डर से दूर खड़ा होके रोवत आ विलाप करत होई।
16 ऊ कहलन कि, "हाय, अफसोस, ऊ महान शहर, जवन महीन लिनन, बैंगनी, लाल रंग के कपड़ा पहिनले रहे, आ सोना, कीमती पत्थर आ मोती से सजावल रहे!
17 काहेकि एक घंटा में एतना बड़ धन के बेकार हो गईल। हर जहाज के मालिक, जहाज में सवार सभे दल, नाविक आ समुद्र के रास्ता से व्यापार करे वाला लोग दूर खड़ा रहले।
18 ओकरा के जरत धुँआ देख के ऊ लोग चिल्ला के कहलस, "ई बड़ शहर के कइसन शहर ह?"
19 ऊ लोग अपना माथा पर धूल डाल के रोवत-रोवत चिल्लात कहलस, "हाय, अफसोस, ऊ महान शहर, जवना के महंगा के चलते समुद्र में जहाज वाला सब लोग अमीर हो गइल रहे! काहे कि एक घंटा में उ उजाड़ हो गईल बाड़ी।
20 हे स्वर्ग, आ हे पवित्र प्रेरित आ भविष्यवक्ता लोग ओकरा पर आनन्दित होखऽ। काहेकि भगवान तोहके ओकरा से बदला लेले बाड़े।
21 एगो पराक्रमी स्वर्गदूत एगो बड़हन चक्की के पत्थर नियर पत्थर उठा के समुंदर में फेंक दिहलस आ कहलस कि, "एह तरह से ऊ बड़का शहर बाबुल के उखाड़ फेंकल जाई आ अब कबो ना मिल पाई।"
22 तोहरा में अब वीणा बजावे वाला, वाज बजावे वाला, नली बजावे वाला आ तुरही बजावे वाला के आवाज ना सुनाई दिही। आ तोहरा में अब कवनो कारीगर, चाहे ऊ कवनो कारीगरी के होखे, ना मिल पाई। अब तोहरा में चक्की के पत्थर के आवाज बिल्कुल ना सुनाई दिही।
23 अब तोहरा में दीया के रोशनी बिल्कुल ना चमकी। दूल्हा आ दुलहिन के आवाज अब तोहरा में बिल्कुल ना सुनाई दिही काहे कि तोहार व्यापारी धरती के बड़का आदमी रहले। काहे कि तोहरा जादू-टोना से सब राष्ट्र धोखा हो गइल रहे।
24 ओकरा में भविष्यवक्ता, पवित्र लोग आ धरती पर मारल गइल सब लोग के खून मिलल।

अध्याय 19 के बा

1 एह सब के बाद हम स्वर्ग में बहुत लोग के आवाज सुननी कि, "अलेलुया! हमनी के परमेश्वर प्रभु के उद्धार, महिमा, आदर आ शक्ति।
2 काहेकि उनकर न्याय सच्चा आ धर्मी ह, काहेकि उ ओह महान वेश्या के न्याय कइले बा जे अपना व्यभिचार से धरती के नाश कर दिहलस आ ओकरा हाथ से अपना नौकरन के खून के बदला लेले बा।
3 उ लोग फेरु से कहलस, "अलेलुया!" आ ओकर धुँआ हमेशा खातिर उठत रहे।
4 चार बीस गो बुजुर्ग आ चारो जानवर गिर के सिंहासन पर बइठल भगवान के आराधना कइलन आ कहलन कि, "आमेन! एलेलुइया के ह।
5 सिंहासन से आवाज निकलल कि, "हे उनकर सब सेवक आ छोट-बड़ उनकरा से डेरात लोग, हमनी के परमेश्वर के स्तुति करीं।"
6 हम बहुत भीड़ के आवाज, बहुत पानी के आवाज आ तेज गरज के आवाज निहन सुननी कि, "अलेलुया, काहेकि सर्वशक्तिमान परमेश्वर प्रभु राज करेले।"
7 हमनी के खुश होके आनन्दित होके ओकर आदर करीं जा, काहेकि मेमना के बियाह आ गईल बा, आ ओकर पत्नी अपना के तैयार क लेले बिया।
8 ओकरा के साफ आ सफेद महीन लिनन में सज-धज के आवे के अनुमति दिहल गइल काहे कि महीन लिनन पवित्र लोग के धार्मिकता ह।
9 उ हमरा से कहलस, "लिखऽ, धन्य हउवें जे मेमना के बियाह के भोज में बोलावल गइल बा।" उ हमरा से कहलस, "ई सब भगवान के सच्चा बात ह।"
10 हम उनकर पूजा करे खातिर उनकर गोड़ पर गिर गइनी। उ हमरा से कहले, "देखऽ, तू अइसन मत करऽ, हम तोहार साथी आ तोहार भाई लोग के सेवक हईं जे यीशु के गवाही पावेला, परमेश्वर के आराधना करऽ, काहेकि यीशु के गवाही भविष्यवाणी के आत्मा ह।
11 हम देखनी कि आकाश खुलल बा आ देखनी कि एगो सफेद घोड़ा बा। आ जे ओकरा पर बइठल रहे ओकरा के विश्वासी आ सच्चा कहल गइल आ ऊ धार्मिकता में न्याय करेला आ लड़ाई करेला.
12 उनकर आँख आग के लौ नियर रहे आ उनकर माथा पर बहुत मुकुट रहे। आ उनकर एगो नाम लिखल रहे जवन केहू के पता ना रहे, लेकिन उ खुद के ना जानत रहे।
13 उ खून में डुबावल कपड़ा पहिनले रहले अवुरी उनुकर नाम परमेश्वर के वचन बा।
14 उज्जर घोड़ा पर सवार सेना उज्जर आ साफ-सुथरा महीन लिनन पहिनले उनकरा पीछे-पीछे चलल।
15 ओकरा मुँह से एगो तेज तलवार निकलेला, जवना से ऊ राष्ट्रन के मार सके, आ ऊ लोहा के छड़ी से ओह लोग पर राज करी आ सर्वशक्तिमान परमेश्वर के उग्रता आ क्रोध के दारू के प्रेत के दबा के चलेला।
16 ओकरा वस्त्र आ जांघ पर एगो नाम लिखल बा, "राजा के राजा आ प्रभु के प्रभु।"

17 हम एगो स्वर्गदूत के धूप में खड़ा देखनी। ऊ जोर से चिल्ला के स्वर्ग के बीच में उड़त सब चिरई से कहलस, "आके महान परमेश्वर के भोज में जुट लीं।
18 ताकि तू राजा लोग के मांस, सेनापति के मांस, पराक्रमी लोग के मांस, घोड़ा के मांस, आ ओह पर बइठल लोग के मांस आ सभे आदमी के मांस, आज़ाद आ गुलाम दुनो के मांस खा सकीले छोट-छोट आ बड़का-बड़का।
19 हम देखनी कि जानवर आ धरती के राजा आ ओकर सेना घोड़ा पर सवार आदमी आ ओकर सेना से लड़ाई करे खातिर जुटल बाड़े।
20 ऊ जानवर आ ओकरा साथे ऊ झूठा भविष्यवक्ता भी ले लिहल गइल जवन ओकरा सामने चमत्कार कइलस, जवना से ऊ जानवर के निशानी पावे वाला लोग आ ओकर मूर्ति के पूजा करे वाला लोग के धोखा दिहलस। ई दुनु के जिंदा गंधक से जरत आग के झील में फेंक दिहल गइल।
21 बाकी लोग घोड़ा पर सवार के तलवार से मार दिहल गईल, जवन तलवार उनुका मुंह से निकलल रहे अवुरी सभ चिरई अपना मांस से भर गईल।

अध्याय 20 के बा

1 हम देखनी कि एगो स्वर्गदूत के अथाह गड्ढा के चाभी आ हाथ में एगो बड़हन जंजीर लेके स्वर्ग से उतरल बा।
2 ऊ अजगर, ऊ पुरान साँप, जवन शैतान आ शैतान ह, के पकड़ के हजार साल तक बान्ह दिहलन।
3 ओकरा के अथाह गड्ढा में फेंक के ओकरा के बंद क के ओकरा पर मोहर लगा दीं कि जबले ऊ हजार साल पूरा ना हो जाई तबले ऊ राष्ट्रन के धोखा ना देसु आ ओकरा बाद ओकरा के कुछ देर छोड़ दिहल जाई.
4 हम सिंहासन देखनी आ ओह पर बइठल आ न्याय हो गइल आ हम ओह लोग के प्राण देखनी जे यीशु के गवाही आ परमेश्वर के वचन के चलते सिर काट दिहल गइल रहे आ जे जानवर के पूजा ना कइले रहे। ना उनकर मूर्ति, ना उनकर निशानी ओह लोग के माथे पर आ ना ओह लोग के हाथ में। उ लोग मसीह के साथे हजार साल तक जिंदा रहले अवुरी राज कईले।
5 लेकिन बाकी मुअल लोग तब तक जिंदा ना भईल जब तक कि हजार साल पूरा ना हो गईल। इहे पहिला पुनरुत्थान ह।
6 धन्य आ पवित्र बा जे पहिला पुनरुत्थान में भाग लेला, अइसन लोग पर दूसरा मौत के कवनो अधिकार नइखे, लेकिन उ लोग परमेश्वर आ मसीह के याजक हो जइहें आ उनकरा साथे हजार साल तक राज करीहें।
7 जब हजार साल पूरा हो जाई त शैतान के जेल से छोड़ दिहल जाई।
8 ऊ धरती के चारो हिस्सा में मौजूद जाति गोग आ मागोग के धोखा देबे खातिर निकल के ओह लोग के लड़ाई में जुटावे खातिर निकल जइहें.
9 ऊ लोग धरती के चौड़ाई पर चढ़ के पवित्र लोग के डेरा आ प्रिय शहर के चारो ओर घेर लिहल आ स्वर्ग से भगवान के ओर से आग उतर के ओह लोग के भस्म कर दिहलस।
10 आउर जे शैतान ओह लोग के धोखा देले रहे, ओकरा के आग आ गंधक के झील में फेंक दिहल गइल, जहाँ जानवर आ झूठा भविष्यवक्ता बाड़े, आ दिन-रात हमेशा खातिर सतावल जाई।
11 हम एगो बड़हन सफेद सिंहासन आ ओकरा पर बइठल के देखनी, जेकरा मुँह से धरती आ आकाश भाग गइल। आ ओह लोग खातिर कवनो जगह ना मिलल।
12 हम देखनी कि छोट-बड़ मुअल लोग के परमेश्वर के सामने खड़ा बा। किताब खोलल गइल आ एगो अउरी किताब खोलल गइल जवन जीवन के किताब ह, आ मुअल लोग के काम के अनुसार किताबन में लिखल बातन से न्याय कइल गइल।
13 समुंदर अपना में मौजूद मुवलन के छोड़ दिहलस। आ मौत आ नरक ओह मुअल लोग के सौंप दिहलस जवन ओह लोग में रहे, आ हर एक के उनकर काम के हिसाब से न्याय कइल गइल।
14 मौत आ नरक के आग के झील में फेंक दिहल गइल। इहे दूसरा मौत ह।
15 जेकरा के जीवन के किताब में लिखल ना मिलल ओकरा के आग के झील में फेंक दिहल गईल।

अध्याय 21 के बा

1 हम एगो नया आकाश आ एगो नया धरती देखनी काहे कि पहिला आकाश आ पहिला धरती खतम हो गइल रहे। आ अब कवनो समुंदर ना रहे।
2 हम यूहन्ना देखनी कि पवित्र नगर, नया यरूशलेम, परमेश्वर के ओर से स्वर्ग से उतरत रहे, जवन कि अपना पति खातिर सजल दुलहिन के रूप में तैयार रहे।
3 हम स्वर्ग से एगो जोरदार आवाज सुननी कि, "देखऽ, परमेश्वर के तम्बू आदमी के साथे बा, उ ओह लोग के साथे रहिहें आ ऊ लोग उनकर लोग होई, आ भगवान खुद उनकरा साथे रहीहें आ उनकर परमेश्वर होईहें।"
4 भगवान ओह लोग के आँख से सब लोर पोंछ दीहें। अब ना मौत होई, ना दुख होई, ना रोवाई अवुरी ना कवनो पीड़ा होई, काहेंकी पहिले के बात खतम हो गईल बा।
5 सिंहासन पर बइठल उ कहलस, "देखऽ, हम सब कुछ नया बनावत बानी।" उ हमरा से कहलस, "लिखऽ, काहेकि ई बात सच्चा आ विश्वासी बा।"
6 उ हमरा से कहलस, "ई काम हो गईल बा।" हम अल्फा आ ओमेगा हईं, शुरुआत आ अंत। जेकरा प्यासल बा ओकरा के हम जीवन के पानी के फव्वारा मुफ्त में देब।
7 जे जीत पाई, उ सब कुछ के उत्तराधिकारी होई। हम ओकर भगवान होखब आ ऊ हमार बेटा होखब।
8 लेकिन भयावह, अविश्वासी, घिनौना, हत्यारा, वेश्या, जादूगर, मूर्तिपूजक आ सब झूठा लोग के हिस्सा ओह झील में होई जवन आग आ गंधक से जरेला, जवन दूसरा मौत ह।
9 सात गो अंतिम विपत्ति से भरल सात गो शीशी वाला सात गो सर्ग में से एगो स्वर्गदूत हमरा लगे अइले आ हमरा से बतियावत कहलस कि, "आ जा, हम तोहरा के मेमना के मेहरारू दुलहिन के देखा देब।"
10 उ हमरा के आत्मा से एगो बड़हन ऊँच पहाड़ पर ले गइलन आ हमरा के ऊ महान शहर पवित्र यरूशलेम के देखा दिहलन जवन परमेश्वर के ओर से स्वर्ग से उतरत रहे।
11 ओकरा में परमेश्वर के महिमा रहे आ ओकर रोशनी एगो बहुत कीमती पत्थर निहन रहे, जवन कि यास्पर के पत्थर निहन रहे, जवन कि स्फटिक निहन साफ रहे।

12 एकर देवाल बड़हन आ ऊँच रहे आ बारह गो फाटक आ फाटक पर बारह गो स्वर्गदूत आ ओह पर नाम लिखल रहे जवन इस्राएल के बारह गो गोत्र के नाम ह.
13 पूरब में तीन गो फाटक बा। उत्तर में तीन गो फाटक बा; दक्खिन में तीन गो फाटक बा; आ पच्छिम में तीन गो फाटक बा।
14 शहर के देवाल पर बारह गो नींव रहे आ ओहमें मेमना के बारह गो प्रेरितन के नाम लिखल रहे।
15 हमरा से बात करे वाला के लगे सोना के खढ़ रहे, जवना से शहर, ओकर फाटक अवुरी देवाल नापे।
16 ई शहर चार चौकोर बा आ एकर लंबाई चौड़ाई के बराबर बा आ ऊ शहर के खढ़ से बारह हजार फर्लांग नापले बाड़न। एकर लंबाई आ चौड़ाई आ ऊँचाई बराबर होला।
17 ओकरा देवाल के नाप एगो आदमी यानी स्वर्गदूत के नाप के हिसाब से एक सौ चौवालीस हाथ नापले।
18 ओकर देवाल के निर्माण यास्पर के रहे आ शहर शुद्ध सोना के रहे जवन साफ कांच निहन रहे।
19 शहर के देवाल के नींव हर तरह के कीमती पत्थर से सजावल रहे। पहिला नींव जेस्पर के रहे; दूसरा, नीलम के बा; तीसरा, एगो चाल्सीडोनी; चउथा, पन्ना के एगो पन्ना;
20 पांचवा, सार्डोनिक्स के नाम से जानल जाला; छठवाँ, सार्डियस के नाम से जानल जाला; सातवाँ, क्राइसोलाइट के नाम से जानल जाला; आठवाँ, बेरिल के नाम से जानल जाला; नौवाँ, एगो पुखराज; दसवाँ, एगो क्राइसोप्रासस; एगारहवाँ, एगो जैसिंथ; बारहवाँ, एगो नीलम।
21 बारह गो फाटक बारह गो मोती के रहे। हर कई फाटक एके मोती के रहे, आ शहर के गली शुद्ध सोना के रहे, जइसे कि पारदर्शी कांच।
22 हम ओहमें कवनो मंदिर ना देखनी काहे कि सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर आ मेमना एकर मंदिर हवें।
23 शहर में चमके खातिर सूरज के जरूरत ना रहे, ना चंद्रमा के, काहेकि परमेश्वर के महिमा ओकरा के रोशनी देले रहे अवुरी मेमना ओकर रोशनी ह।
24 उद्धार पावे वाला लोग के जाति एकरा रोशनी में चली, आ धरती के राजा लोग आपन महिमा आ सम्मान ओकरा में ले आवेला।
25 दिन में ओकर फाटक एकदम बंद ना होई, काहेकि उहाँ रात ना होई।
26 उ लोग राष्ट्रन के महिमा आ सम्मान ओकरा में ले अइहें।
27 ओकरा में कवनो अशुद्ध करे वाला, ना घिनौना काम करे वाला भा झूठ बोले वाला चीज ओहिजा ना जाई, बलुक ऊ लोग जे मेमना के जीवन के किताब में लिखल बा।

अध्याय 22 के बा

1 उ हमरा के जीवन के पानी के एगो शुद्ध नदी देखवले, जवन स्फटिक निहन साफ रहे, जवन परमेश्वर अवुरी मेमना के सिंहासन से निकलत रहे।
2 ओकरा गली के बीच आ नदी के दुनो ओर जीवन के पेड़ रहे जवन बारह तरह के फल देत रहे आ हर महीना आपन फल देत रहे आ पेड़ के पत्ता ओकरा के ठीक करे खातिर रहे राष्ट्रन के बारे में बतावल गइल बा.
3 अब कवनो अभिशाप ना होई, लेकिन ओकरा में परमेश्वर आ मेमना के सिंहासन होई। आ ओकर सेवक ओकर सेवा करीहें।
4 आ उ लोग उनकर चेहरा देखिहें। आ उनकर नाम ओह लोग के माथे में रही।
5 उहाँ कवनो रात ना होई। आ ओह लोग के ना त मोमबत्ती के जरूरत बा, ना सूरज के रोशनी के। काहे कि प्रभु परमेश्वर ओह लोग के रोशनी देत बाड़न आ ऊ लोग हमेशा खातिर राज करीहें.
6 उ हमरा से कहले, "ई बात विश्वासी अवुरी सच्चा ह, अवुरी पवित्र भविष्यवक्ता के परमेश्वर प्रभु अपना दूत के भेजले कि उ अपना सेवक के उ काम बतावस जवन कि जल्दिए होखे वाला बा।
7 देखऽ, हम जल्दी से आवत बानी, धन्य बा जे एह किताब के भविष्यवाणी के बातन के पालन करेला।
8 हम यूहन्ना इ सब देख के सुननी। जब हम सुन के देखले त हम ओह स्वर्गदूत के गोड़ के सोझा आराधना करे खातिर गिर गईनी, जवन हमरा के इ सब बात देखवले रहले।
9 तब उ हमरा से कहलस, "देखऽ, तू अइसन मत करऽ, काहेकि हम तोहार भाई भविष्यवक्ता आ एह किताब के बात के पालन करे वाला लोग के साथी दास हईं।
10 उ हमरा से कहले, "एह किताब के भविष्यवाणी के बातन पर मोहर मत लगाईं, काहेकि समय नजदीक आ गईल बा।"
11 जे अन्यायी बा, उ अधर्मी होखे, आ जे गंदा बा, उ गंदा होखे।
12 देखऽ, हम जल्दी से आवत बानी। आ हमार इनाम हमरा साथे बा कि हम हर आदमी के अपना काम के हिसाब से देब।
13 हम अल्फा आ ओमेगा हईं, शुरुआत आ अंत, पहिला आ आखिरी हईं।
14 धन्य बा कि उनकर आज्ञा के पालन करे वाला लोग ताकि जीवन के पेड़ पर अधिकार मिल सके आ दुआर से शहर में प्रवेश कर सके।
15 काहे कि बाहर कुकुर, जादूगर, वेश्या, हत्यारा, मूर्तिपूजक आ जे केहू झूठ से प्रेम करेला आ झूठ बोलेला, ऊ लोग बा।
16 हम यीशु आपन दूत के भेजले बानी कि उ लोग कलीसिया में इ बात के गवाही देवे। हम दाऊद के जड़ आ संतान हईं, आ उज्ज्वल आ भोर के तारा हईं।
17 आत्मा आ दुलहिन कहत बाड़ी कि आ जा। आ जे सुनत बा ऊ कहे कि आ जा। आ जे प्यासल बा, उ आवे। आ जे चाहत बा, ऊ मुफ्त में जिनगी के पानी ले लेव।
18 काहेकि हम हर आदमी के गवाही देत बानी जे एह किताब के भविष्यवाणी के बात सुनत बा कि अगर केहू एह बात में कुछ जोड़ देला त परमेश्वर ओकरा में उ विपत्तियन के जोड़ दिहे जवन एह किताब में लिखल बा।
19 अगर केहू एह भविष्यवाणी के किताब के शब्दन से छीन लेत बा त परमेश्वर जीवन के किताब से, पवित्र शहर से आ एह किताब में लिखल चीजन से ओकर हिस्सा छीन लीहें।
20 जे एह बात के गवाही देत बा ऊ कहत बा कि हम जल्दी आवत बानी। आमीन के बा। तबो, आ जा, प्रभु यीशु।
21 हमनी के प्रभु यीशु मसीह के कृपा तोहनी सब के साथे होखे। आमीन के बा।